रजिस्ट्री सं. डीएल—(एन) 04/0007/2003--19 REGISTERED No. DL—(N) 04/0007/2003—19

सत्यमेव जयते

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

सी.जी.-डी.एल.-सा.-18012020-215542
CG-DL-W-18012020-215542

साप्ताहिक/WEEKLY

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 3] नई दिल्ली, शनिवार, जनवरी 18—जनवरी 24, 2020 (पौष 28, 1941)
No. 3] NEW DELHI, SATURDAY, JANUARY 18—JANUARY 24, 2020 (PAUSA 28, 1941)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

विषय-सूची

पृष्ठ सं.

भाग I—खण्ड-1—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों, आदेशों तथा संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं. 23

भाग I—खण्ड-2—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं. 75

भाग I—खण्ड-3—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए संकल्पों और असांविधिक आदेशों के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं. 1

भाग I—खण्ड-4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं. 151

भाग II—खण्ड-1—अधिनियम, अध्यादेश और विनियम. ..... *

भाग II—खण्ड-1क—अधिनियमों, अध्यादेशों और विनियमों का हिन्दी भाषा में प्राधिकृत पाठ. ..... *

भाग II—खण्ड-2—विधेयक तथा विधेयकों पर प्रवर समितियों के बिल तथा रिपोर्ट. ..... *

भाग II—खण्ड-3—उप खण्ड (i)—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांविधिक नियम (जिनमें सामान्य स्वरूप के आदेश और उपविधियां आदि भी शामिल हैं). ..... *

भाग II—खण्ड-3—उप खण्ड (ii)—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सांविधिक आदेश और अधिसूचनाएं. ..... *

भाग II—खण्ड-3—उप खण्ड (iii)—भारत सरकार के मंत्रालयों (जिसमें रक्षा मंत्रालय भी शामिल है) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांविधिक नियमों और सांविधिक आदेशों (जिनमें सामान्य स्वरूप की उपविधियां भी शामिल हैं) के हिन्दी प्राधिकृत पाठ (ऐसे पाठों को छोड़कर जो भारत के राजपत्र के खण्ड 3 या खण्ड 4 में प्रकाशित होते हैं). ..... *

भाग II—खण्ड-4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए सांविधिक नियम और आदेश. ..... *

भाग III—खण्ड-1—उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार से सम्बद्ध और अधीनस्थ कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं. 177

भाग III—खण्ड-2—पेटेंट कार्यालय द्वारा जारी की गई पेटेन्टों और डिजाइनों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं और नोटिस *

भाग III—खण्ड-3—मुख्य आयुक्तों के प्राधिकार के अधीन अथवा द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं. ..... *

भाग III—खण्ड-4—विविध अधिसूचनाएं जिनमें सांविधिक निकायों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं, आदेश, विज्ञापन और नोटिस शामिल हैं. 21

भाग IV—गैर-सरकारी व्यक्तियों और गैर-सरकारी निकायों द्वारा जारी किए गए विज्ञापन और नोटिस. 107

भाग V—अंग्रेजी और हिन्दी दोनों में जन्म और मृत्यु के आंकड़ों को दर्शाने वाला सम्पूरक. ..... *

*आंकड़े प्राप्त नहीं हुए।

CONTENTS

	Page No.
PART I—SECTION 1—Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	23
PART I—SECTION 2—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	75
PART I—SECTION 3—Notifications relating to Resolutions and Non-Statutory Orders issued by the Ministry of Defence	1
PART I—SECTION 4—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministry of Defence	151
PART II—SECTION 1—Acts, Ordinances and Regulations	*
PART II—SECTION 1A—Authoritative texts in Hindi language, of Acts, Ordinances and Regulations	*
PART II—SECTION 2—Bills and Reports of the Select Committee on Bills	*
PART II—SECTION 3—SUB-SECTION (i)—General Statutory Rules (including Orders, Bye-laws, etc. of general character) issued by the Ministry of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Central Authorities (other than the Administration of Union Territories)	*
PART II—SECTION 3—SUB-SECTION (ii)—Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Central Authorities (other than the Administration of Union Territories)	*
PART II—SECTION 3—SUB-SECTION (iii)—Authoritative texts in Hindi (other than such texts, published in Section 3 or Section 4 of the Gazette of India) of General Statutory Rules & Statutory Orders (including Bye-laws of a general character) issued by the Ministries of the Government of India (including the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than Administration of Union Territories)	*
PART II—SECTION 4—Statutory Rules and Orders issued by the Ministry of Defence	*
PART III—SECTION 1—Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India	177
PART III—SECTION 2—Notifications and Notices issued by the Patent Office, relating to Patents and Designs	*
PART III—SECTION 3—Notifications issued by or under the authority of Chief Commissioners	*
PART III—SECTION 4—Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies	21
PART IV—Advertisements and Notices issued by Private Individuals and Private Bodies	107
PART V—Supplement showing Statistics of Births and Deaths etc. both in English and Hindi	*

*Folios not received.

भाग I—खण्ड 1

[PART I—SECTION 1]

[(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों, आदेशों तथा संकल्पों से संबंधित अधिसूचनाएं]

[Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court]

राष्ट्रपति सचिवालय

नई दिल्ली, दिनांक 15 अगस्त 2019

सं. 174-प्रेस/2019—राष्ट्रपति, स्वतंत्रता दिवस, 2019 के अवसर पर निम्नलिखित अधिकारियों को उनकी विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति का पुलिस पदक प्रदान करते हैं:—

1. श्री चमरथी जयरामा राजू, उप पुलिस अधीक्षक, एसीबी, कुरनूल, आंध्र प्रदेश-518002
2. श्री बिनोद कुमार तिवारी, उप निरीक्षक, एसटीएफ, बिहार, पटना, बिहार-800001
3. श्री टी.आर. पैंकरा, पुलिस उप-महानिरीक्षक, कांकेर रैंज कांकेर, छत्तीसगढ़-494334
4. श्री शिवाजी सिन्हा, संयुक्त पुलिस आयुक्त/सुरक्षा/पीएम, विनय मार्ग, दिल्ली, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली-110021
5. श्री दिनेश तिवारी, सहायक पुलिस आयुक्त/कानूनी सेल/पीएचक्यू, आई.पी. एस्टेट, पुलिस मुख्यालय, दिल्ली, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली-110002
6. श्रीमती पुष्पा जग्गी, डब्ल्यू/उप-निरीक्षक, दक्षिणी जिला, दिल्ली, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली-110016
7. श्री अरविन्द के. गवास, पुलिस अधीक्षक, मरगांव, गोवा-403601
8. श्री शैलेश देवीप्रसाद रावल, पुलिस निरीक्षक, अपर पुलिस महानिदेशक का कार्यालय, सीआईडी आसूचना जीएस, पुलिस भवन, गांधीनगर-382007
9. डॉ. बी.के. सिन्हा, पुलिस महानिदेशक, चंडीगढ़, हरियाणा-160017
10. श्री सुभाष चन्द्र, उप-निरीक्षक, पंचकुला, हरियाणा-134109
11. श्री नन्द किशोर सिंह, पुलिस निरीक्षक, धनबाद, झारखंड-626001
12. श्री वासाप्पा एस. अंगाडी, उप पुलिस अधीक्षक, चिक्कमंगलुरू उप संभाग, चिक्कमंगलुरू जिला, कर्नाटक-577101
13. श्री अब्दुल करीम यू, जिला पुलिस प्रमुख, कोझीकोड़ ग्रामीण, केरल-673105
14. श्री के.टी. वैफे, अपर महानिदेशक, पुलिस अकादमी भौरी भोपाल, मध्य प्रदेश-462011
15. श्री बनवारी लाल दोहरे, सहायक कमांडेंट, 2 बटालियन एसएएफ कम्पूलश्कर ग्वालियर, मध्य प्रदेश-474001
16. श्री हर्ष कुमार सक्सेना, उप पुलिस अधीक्षक, विशेष शाखा पुलिस मुख्यालय, भोपाल, मध्य प्रदेश-462008
17. श्री रामशरण सिंह, उप-निरीक्षक, 24वीं बटालियन एसएएफ जावरा रतलाम, मध्य प्रदेश, 457226
18. श्री मिलिन्द साठे, सुबेदार एम, विशेष शाखा पुलिस मुख्यालय, भोपाल, मध्य प्रदेश-462008
19. श्री रामचन्द्र शिवाजी जाधव, सहायक पुलिस आयुक्त, पिम्परी चिन्चवाड आयुक्त का कार्यालय, पुणे, महाराष्ट्र-411033
20. श्री राजाराम रामराव पाटिल, उप पुलिस अधीक्षक, एसडीपीओ कारवीर डिवीजन कोल्हापुर, महाराष्ट्र-416003
21. श्री मिलिन्द भीकाजी खेतले, सहायक पुलिस आयुक्त, साकीनाका संभाग, पंचकुटीर, पवार वाड़ी, जे.वी.लिंक रोड, पोवाई, मुंबई, महाराष्ट्र-400076

22. श्री हरीशचन्द्रा गोपाल काले, सहायक कमांडेंट, एसआरपीएफ जीआर-।।, पुणे, महाराष्ट्र-411002

23. श्री मारूति कल्लाप्पा सूर्यवंशी, सहायक उप-निरीक्षक, जिला विशेष शाखा, कोल्हापुर, महाराष्ट्र-416415

24. श्री इलांगबाम प्रियोकुमार सिंह, पुलिस महानिरीक्षक, पुलिस मुख्यालय, इम्फाल, मणिपुर-795001

25. श्री मोइरांगाउन इबोबी सिंह, सुबेदार, 6 इंडिया रिजर्व बटालियन, पांगेई, मणिपुर-795114

26. श्री एडिसन राय मौथो:, पुलिस उप-महानिरीक्षक (प्रशिक्षण), पुराना एमपीआरओ कार्यालय, पुलिस महानिदेशालय बिल्डिंग मेघालय के सामने, शिलांग, मेघालय-793001

27. श्री सेमिनार सिंह कीनजिंग, पुलिस प्रशासन उप-महानिरीक्षक, पुलिस मुख्यालय शिलांग, मेघालय-793001

28. श्री मल्सव्म रोटते, उप पुलिस अधीक्षक, सीआईडी(एसबी), आईजोल, मिजोरम-796001

29. श्री प्रमोद कुमार रथ, उप पुलिस अधीक्षक, सीआईडी सीबी कटक, ओडिशा-753001

30. श्री सिबा नारायण रथ, सहायक पुलिस उप-निरीक्षक, सर्तकता निदेशालय कटक, ओडिशा-753001

31. श्री जसमिन्दर सिंह, पुलिस महानिदेशक, रेलवे, पंजाब, चंडीगढ़, पंजाब-160009

32. श्री हेमन्त प्रियदर्शी, निदेशक, राजस्थान पुलिस अकादमी, जयपुर, राजस्थान-302016

33. श्री बनवारी लाल, हेड कांस्टेबल, 3 बटालियन, राज बीकानेर, राजस्थान-334001

34. श्री शंकर जिवाल, अपर पुलिस महानिदेशक/सीवीओ, टीएनसीएमपीएफ, आविन, चेन्नई, तमिलनाडु-600035

35. श्री के. सबरीनाथन, पुलिस उप-निरीक्षक, पुलिस भर्ती स्कूल, कोयम्बटूर, तमिलनाडु-641018

36. श्री कोथाकोटा श्रीनिवासा रेड्डी, अपर पुलिस महानिदेशक ग्रे हाउन्ड्स, हैदराबाद, तेलंगाना-500008

37. श्री टी. प्रभाकर राव, पुलिस महानिरीक्षक, हैदराबाद, तेलंगाना-500016

38. श्री जितेन्द्र देबबर्मा, कमांडेंट, खोवाई, त्रिपुरा-799207

39. श्री राम किशोर यादव, ए.आर.ओ. मथुरा, उत्तर प्रदेश-281001

40. श्री रण विजय सिंह, उप पुलिस अधीक्षक, महाराजगंज, उत्तर प्रदेश-273303

41. श्री शोबराती खां, प्लाटून कमांडर, 36वीं बटालियन, पीएसी वाराणसी, उत्तर प्रदेश-221008

42. श्री नरेश बाबू दीक्षित, उप-निरीक्षक, झांसी, उत्तर प्रदेश-284201

43. श्री अरुण कुमार मिश्रा, उप-निरीक्षक, अमेठी, उत्तर प्रदेश-227409

44. श्री पूरन सिंह रावत, महानिरीक्षक, सीआईडी मुख्यालय देहरादून, उत्तराखंड-248001

45. श्रीमती बिमला गुंजियाल, उप महानिरीक्षक, आसूचना मुख्यालय देहरादून, उत्तराखंड-248001

46. श्री शशिकांत पुजारी, अपर पुलिस महानिदेशक, पश्चिम बंगाल, मानवाधिकार आयोग, पुर्ताभवन, सेक्टर-।, साल्ट लेक शहर, कोलकाता, पश्चिम बंगाल-700091

47. श्री रामचन्द्र रजक, सहायक पुलिस उप-निरीक्षक, प्रवर्तन शाखा, पश्चिम बंगाल, प्रथम तल भबानी भवन, अलीपुर, कोलकाता, पश्चिम बंगाल-700027

48. श्री जय किशन, उप पुलिस अधीक्षक (स्था.), पुलिस मुख्यालय (स्था.), पोर्ट ब्लेयर, अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह-744104

49. श्री प्रताप सिंह, सुबेदार, थिंघाट, असम राइफल्स-932002

50. श्री ओम प्रकाश त्रिपाठी, उप-महानिरीक्षक, एफएचक्यू बीएसएफ नई दिल्ली, बीएसएफ-110003

51. श्री अशोक कुमार यादव, उप-महानिरीक्षक, फ्रंटियर मुख्यालय बीएसएफ त्रिपुरा, बीएसएफ-110003

52. श्री रविन्द्र पाल सिंह मलिक, उप-महानिरीक्षक, एसआरओ बीएसएफ, नई दिल्ली, बीएसएफ-110003

53. श्री बलवीर सिंह संधु, 2आईसी (वर्क्स) अब कमांडेंट (वर्क्स), एफएचक्यू बीएसएफ नई दिल्ली, बीएसएफ-110003

54. श्री सुधीर कुमार मिश्रा, उप कमांडेंट, 165वीं बटालियन बीएसएफ ग्रेटर नोएडा, उत्तर प्रदेश, बीएसएफ-201306

55. श्री सत्यबीर सिंह, कमांडेंट, सीआईएसएफ 12वीं रिजर्व बटालियन बेहरोर, सीआईएसएफ-301701

56. श्री आर पैंग्कन्नन, उप कमांडेंट, सीआईएसएफ यूनिट 10वीं आर.बी.अराक्कोणम, सीआईएसएफ-631152

57. श्री एस रवींद्रन, उप-निरीक्षक, सीआईएसएफ यूनिट आईपीआरसी महेन्द्रगिरी, सीआईएसएफ-627133

58. डा. थानीकचलम शेखर, महानिरीक्षक, सीएसजेडब्ल्यूटी, सीआरपीएफ, बेलगांव, कर्नाटक, सीआरपीएफ-591345

59. श्री दिनेश कुमार त्रिपाठी, उप-महानिरीक्षक, जीसी, सीआरपीएफ, मोकामाघाट, सीआरपीएफ-803303

60. श्री सुनील जून, उप-महानिरीक्षक, महानिदेशालय, सीआरपीएफ, सीजीओ कॉम्पलेक्स, नई दिल्ली, सीआरपीएफ-110003

61. श्री बी रघु, सहायक कमांडेंट, 117वीं बटालियन, सीआरपीएफ, श्रीनगर, जम्मू और कश्मीर, सीआरपीएफ-190008

62. श्री भबतोष सिन्हा, उप-महानिरीक्षक, सेंट्रल वेपन स्टोर, आईटीबीपी, पोस्ट ऑफिस: रूपाई सिद्दिंग जिलाः तिनसुकिया (असम), आईटीबीपी-786153

63. श्री जयपाल यादव, उप-महानिरीक्षक, सेक्टर मुख्यालय (एल एंड सी), आईटीबीपी, छावला कैंप, नई दिल्ली, आईटीबीपी-110071

64. श्री रबीन्द्र पांडे, उप-महानिरीक्षक, उत्तरी सीमान्त मुख्यालय, आईटीबीपी, देहरादून, (उत्तराखंड), आईटीबीपी-248146

65. श्री बलराज सिंह, सूबेदार मेजर, 49वीं बटालियन, आईटीबीपी, पीओः बासार, जिलाः लेपा राड़ा (अरुणाचल प्रदेश), आईटीबीपी-791101

66. डा. मिलिन्द प्रभाकर वासे, उप-महानिरीक्षक (पशु चिकित्सा), एफएचक्यू, एसएसबी, आर.के.पुरम, नई दिल्ली-110066

67. श्री पंकज कुमार श्रीवास्तव, संयुक्त निदेशक, होज कोलकाता, सीबीआई-700020

68. श्री प्रशान्त कुमार पाण्डे, पुलिस अधीक्षक, एसीबी जबलपुर, सीबीआई-482002

69. श्री रवि गम्भीर, अपर पुलिस अधीक्षक, एसी-VI (एसआईटी) नई दिल्ली, सीबीआई-110003

70. श्री संजय कुमार, निरीक्षक, एसी-II, नई दिल्ली, सीबीआई-110003

71. श्री बैलुर सतीश प्रभु, निरीक्षक, एसीबी, हैदराबाद, सीबीआई-500095

72. श्री अमर सिंह, सहायक पुलिस उप-निरीक्षक, एसीबी, नई दिल्ली, सीबीआई-110003

73. श्री कुसुम पाल सिंह, पुलिस सहायक उप-निरीक्षक, एसीबी, नई दिल्ली, सीबीआई-110003

74. श्री कृष्ण पाल सिंह, हेड कांस्टेबल, सीबीआई, ईओ-II, नई दिल्ली, सीबीआई-110003

75. श्री ओम प्रकाश श्रीवास्तव, संयुक्त उपनिदेशक, आईबी मुख्यालय, गृह मंत्रालय, नई दिल्ली-110021

76. श्री धनीष चीनन नेल्लिक्का, सहायक निदेशक, एसआईबी, गृह मंत्रालय, त्रिवेंद्रम-695014

77. श्री परवेज़ मुज्तब्बा सिद्दीकी, सहायक निदेशक, आईबी मुख्यालय, गृह मंत्रालय, नई दिल्ली-110021

78. श्री लाल चन्द, उप केंद्रीय आसूचना अधिकारी सीआईओ, एसआईबी, गृह मंत्रालय, अमृतसर-143001

79. श्री गजेन्द्र सिंह चौधरी, उप केंद्रीय आसूचना अधिकारी, एसआईबी, गृह मंत्रालय, दिल्ली-110011

80. श्री रेक्श पॉल राज मारीया, सहायक केंद्रीय आसूचना अधिकारी-I, एसआईबी, गृह मंत्रालय बेंगलूरू-560001

81. श्री हनुमंत कृष्णा बापत, सहायक केंद्रीय आसूचना अधिकारी-I, एसआईबी, गृह मंत्रालय, मुम्बई-400051

82. श्री राकेश कुमार सिंह, सहायक केंद्रीय आसूचना अधिकारी-II, एसआईबी, गृह मंत्रालय, रांची-834008

83. श्री लोक राज शर्मा, सहायक केंद्रीय आसूचना अधिकारी-II, एसआईबी, गृह मंत्रालय, जम्मू-182201

84. श्री शुबन कुमार भट, सहायक केंद्रीय आसूचना अधिकारी-II, आईबी मुख्यालय, गृह मंत्रालय, नई दिल्ली-110021

85. श्री दिनेश सिंह रावत, सहायक महानिरीक्षक, एसपीजी दिल्ली, एसपीजी-110077

86. श्री यादवेन्द्र मणि उपाध्याय, उप-महानिरीक्षक (प्रशा.) एलएनजेएन एनआईसीएफएस (गृह मंत्रालय)-110085

87. श्री संगम कुमार झा, उपमहानिदेशक, स्वापक नियंत्रण ब्यूरो (उत्तरी क्षेत्र), नई दिल्ली-110066

88. श्री रणदीप कुमार राणा, उप-महानिरीक्षक, मुख्यालय, महानिदेशक, एनडीआरएफ, नई दिल्ली, एनडीआरएफ-110001

89. श्री त्यागराजन गोपाकुमार, सहायक सुरक्षा आयुक्त, एर्नाकुलम, रेल मंत्रालय-682016

2. ये पुरस्कार, विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति के पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(ii) के तहत प्रदान किए जाते हैं।

पी. प्रवीण सिद्धार्थ
विशेष कार्य अधिकारी

सं. 175-प्रेस/2019—राष्ट्रपति, स्वतंत्रता दिवस, 2019 के अवसर पर निम्नलिखित अधिकारियों को उनकी सराहनीय सेवा के लिए पुलिस पदक प्रदान करते हैं:—1. श्री राजीव कुमार मीना, पुलिस महानिरीक्षक गुंटूर रेंज, गुंटूर, आंध्र प्रदेश-522004

2. श्री गुदि विजय कुमार, पुलिस अधीक्षक, आसूचना, विजयवाड़ा, आंध्र प्रदेश-520008

3. श्री गोल्ला रमनजानाटूलु, अपर पुलिस अधीक्षक, अनन्तापुरामु, आंध्र प्रदेश-5150014. श्री के. भास्करा राव, उप पुलिस अधीक्षक, मंगलागिरि, आंध्र प्रदेश-522503

5. श्री वासागिरि गिरिधारा, पुलिस सर्कल निरीक्षक, तिरुपति, आंध्र प्रदेश-517501

6. श्री पालापार्थी सरत बाबू, पुलिस निरीक्षक, विजयवाड़ा, आंध्र प्रदेश-520001

7. श्री बदाना सोमैया, असाल्ट कमांडर, हैदराबाद, आंध्र प्रदेश-500089

8. श्री जे. नरसिम्हा मूर्ति, हेड कांस्टेबल, काकीनाडा, आंध्र प्रदेश-533005

9. श्री वेलकाटूरी विश्वनाथानायडू, पुलिस उपनिरीक्षक, चित्तूर, आंध्र प्रदेश-571001

10. श्री थापरानी श्रीनिवास राव, सहायक उपनिरीक्षक, मंगलागिरि, आंध्र प्रदेश-522503

11. श्री बंडारु जयारामुडु, पुलिस उपनिरीक्षक, काडापा, आंध्रप्रदेश-516001

12. श्री सीएच वी. वीरणजनेयुलु, सहायक उपनिरीक्षक, पोरांकी, आंध्र प्रदेश-521137

13. श्री गोकनबोइना अरुण प्रसाद, सहायक उपनिरीक्षक, गुंटूर, आंध्र प्रदेश-522034

14. श्री एम. कृष्णा, पुलिस कांस्टेबल, मंगलागिरि ए.पी., आंध्र प्रदेश-522503

15. श्री बेदान्त माधब राजखोवा, पुलिस उपायुक्त (सुरक्षा एवं आसूचना, पुलिस आयुक्त का कार्यालय, गुवाहाटी, असम-781001

16. श्री द्विजेन चंद्र दास, उप पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय), सीआईडी, असम, उलुवाड़ी, गुवाहाटी, असम-781007

17. श्री प्रफुल्ला बर्मन, पुलिस निरीक्षक (यूबी), अपर पुलिस महानिदेशक बीआई (ईओ) का कार्यालय, असम, श्रीमंतापुर, गुवाहाटी, असम-781032

18. श्री के. बसंत सिंह, पुलिस उपनिरीक्षक (एबी), पुलिस प्रशिक्षण कालेज डेरगांव, असम-785614

19. श्री अपूर्ब शर्मा, सहायक पुलिस उपनिरीक्षक (यूबी), गोलपाड़ा डीईएफ, असम-783121

20. श्री मुजहरुल इस्लाम लश्कर, सहायक पुलिस उपनिरीक्षक (यूबी), पंचग्राम पुलिस स्टेशन, हैलाकन्डी डी.ई.एफ., असम-788802

21. श्री मानब सोनोवाल, हेड कांस्टेबल, सादिया डी.ई.एफ., असम-786157

22. श्री रंटु कुमार गोगोई, नाईक-514, तिनसुकिया डीईएफ, असम-786126

23. श्री कृपासिंधु पुरकायस्थ, कांस्टेबल एबी-267, तिनसुकिया डी.ई.एफ., असम-786126

24. श्री अबनि कुमार चक्रबर्ती, कांस्टेबल (एबी)-783, असम-783301

25. श्री महेश्वर सोनोवाल, कांस्टेबल (यूबी), असम-786157

26. श्री उत्पल ज्योति डेका, कांस्टेबल (यूबी), सीआईडी, असम, उलुबाड़ी, गुवाहाटी, असम-781007

27. श्री बिनोद कुमार, कमांडेंट, बीएमपी-11, जमुई, बिहार-811313

28. श्री मृत्युंजय कुमार सिंह, उप पुलिस अधीक्षक, सुरक्षा, सरदार पटेल भवन, पटना, बिहार-800001

29. श्री जय नारायण प्रसाद, उप पुलिस अधीक्षक, ईओयू, पटना, बिहार-800001

30. श्री मिथिलेश कुमार सिंह, उप पुलिस अधीक्षक, बीएमपी-14, फुलवारी शरीफ, पटना, बिहार-800014

31. श्री भागवत प्रसाद, सहायक उपनिरीक्षक, उपमहानिरीक्षक एसटीएफ कार्यालय, बिहार-800023

32. श्री कमलेश कुमार उपाध्याय, हवलदार, बीएमपी मुख्यालय, पटना, बिहार-800023

33. श्री सुनील कुमार राय, कांस्टेबल, महानिरीक्षक कार्यालय पटना, बिहार-800001

34. श्री लालकेश्वर दास, उपनिरीक्षक, बीएमपी-14, पटना, बिहार-800014

35. श्री खडक बहादुर प्रधान, उपनिरीक्षक, बीएमपी-01, पटना, बिहार-800014

36. श्री भरत शर्मा, आर्मरर, उपनिरीक्षक, बीएमपी-01, पटना, बिहार-800014

37. श्री सुदेन लामा, उपनिरीक्षक (ए), बीएमपी-01, पटना, बिहार-800014

38. श्री कसीमुद्दीन खलीफा, हवलदार, बीएमपी-10, पटना, बिहार-800014

39. श्री सुबोध कुमार पाण्डेय, हवलदार/ड्राइवर, एसटीएफ-पटना, बिहार-800014

40. श्री प्रशांत कुमार मुखर्जी, उप पुलिस अधीक्षक, नक्सल आपरेशन पुलिस मुख्यालय रायपुर, छत्तीसगढ़-492002

41. श्री भारत लाल साहू, कम्पनी कमांडर, सीटीजेडब्ल्यू कॉलेज कांकेर, छत्तीसगढ़-494334

42. श्री अमर सिंह, सहायक कमांडेंट, 8वीं बटालियन सीएएफ अटैच्ड सीजी भवन नई दिल्ली, छत्तीसगढ़-110021

43. श्री बिरसू सिंह मरावी, हेड कांस्टेबल, सीआईडी पुलिस मुख्यालय रायपुर, छत्तीसगढ़-492002

44. श्रीमती देवकी कश्यप, महिला हेड कांस्टेबल, पिंक टीम जगदलपुर, छत्तीसगढ़-494001

45. श्री सनत कुमार जैन, उप पुलिस अधीक्षक फिंगर प्रिंट, सीआईडी पुलिस मुख्यालय रायपुर, छत्तीसगढ़-492002

46. श्री राम श्रृंगार यादव, उप पुलिस अधीक्षक एसबी, सूरजपुर, छत्तीसगढ़-497229

47. श्री टी. वेकंट साई, निरीक्षक (एम), पुलिस महानिरीक्षक कार्यालय, जगदलपुर बस्तर, छत्तीसगढ़-494001

48. श्री रामाधार यादव, हेड कांस्टेबल, पुलिस लाइन कबीरधाम, छत्तीसगढ़-491995

49. श्री मनहरण वर्मा, सहायक उप निरीक्षक, राज्य पुलिस अकादमी, चन्दखुरी, रायपुर, छत्तीसगढ़-492101

50. श्री चाऊ कुन्डिमांग मेंन, अपर पुलिस/आर्मड पुलिस आयुक्त, नई पुलिस लाइन, दिल्ली, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली-110009

51. श्री मोहम्मद अखतर रिज़वी, उप पुलिस आयुक्त/लैंड एवं बिल्डिंग सेल, दिल्ली पुलिस मुख्यालय, आईपी इस्टेट, दिल्ली, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली-110002

52. श्री हरेन्द्र कुमार सिंह, अपर पुलिस उपायुक्त-I/उत्तर, सिविल लाइन्स, दिल्ली, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली-110054

53. श्रीमती सुमन नलवा, उप पुलिस आयुक्त (प्रिंसिपल, पुलिस प्रशिक्षण विद्यालय), द्वारका, दिल्ली, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली-110077

54. श्रीमती मीना नायडू, सहायक पुलिस आयुक्त सह-सहायक जनसूचना अधिकारी, सहायक जनसूचना अधिकारी, पुलिस मुख्यालय दिल्ली, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली-110002

55. श्री हरीश चन्द्र, निरीक्षक (एक्सीक्यूटिव), राष्ट्रपति भवन, दिल्ली, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली-110004

56. श्री मोहन सिंह रावत, निरीक्षक, पुलिस स्टेशन बाराखम्बा रोड़, नई दिल्ली, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली-110001

57. श्री महेश कुमार, निरीक्षक (देखभाल), मानचित्रण अनुभाग, अपराध शाखा, दिल्ली, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली-110002

58. श्रीमती रजनी लखानी, निरीक्षक आशुलिपिक, एसटीएफ सीबीआई, मुख्यालय, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली-110002

59. श्री अरुण कुमार सिंह, उपनिरीक्षक (अब निरीक्षक देखभाल), विशेष शाखा, आसफ अली रोड़, दिल्ली, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली-110002

60. श्रीमती छन्दा साहिजवानि, निरीक्षक (तकनीकी, विशेष सेल, नई दिल्ली, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली-110003

61. श्री मोहिन्दर सिंह, निरीक्षक (मिनिस्ट्रियल), क्वार्टर आवंटन सेल/पुलिस मुख्यालय, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली-110002

62. सुश्री किरण सेठी, उपनिरीक्षक (विशेष ग्रेड), स्वाट टीम, विशेष सेल, बाराखम्बा रोड़, नई दिल्ली, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली-110001

63. श्री भेरू सिंह राठौड़, सहायक उपनिरीक्षक (विशेष ग्रेड), 2 बटालियन डीएपी, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली-110009

64. श्री विजयन जी., सहायक उपनिरीक्षक (विशेष ग्रेड), विनय मार्ग, चाणक्यपुरी नई दिल्ली, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली-110021

65. श्री बेग पाल सिंह, सहायक उपनिरीक्षक (विशेष ग्रेड), पुलिस कन्ट्रोल रूम, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली-110009

66. श्री धर्मेश जी.पी. अंगले, उप पुलिस अधीक्षक, पणजी, गोवा-403001

67. श्री दत्तराम नायक, सहायक उपनिरीक्षक, पणजी, गोवा-403400

68. श्री सुनील फाल्कर, हैड कांस्टेबल, पणजी, गोवा-403001

69. श्री शबीर अली सैयद काजी, उप पुलिस अधीक्षक, एस/एसटी सेल, पूर्व कच्छ गांधीधाम, गुजरात-370205

70. श्री रजनीकांत लाखाभाई सोलंकी, उप पुलिस अधीक्षक, उप पुलिस अधीक्षक कार्यालय पेटलेड संभाग, जिला-आनंद, गुजरात-388450

71. श्री भरतसिंह जडेजा, उप पुलिस अधीक्षक, उप पुलिस अधीक्षक कार्यालय, आनंद प्रभाग, जिला-आनंद, गुजरात-388001

72. श्री आकाशभाइ मनहरभाइ पटेल, सहायक पुलिस आयुक्त, ट्रैफिक "बी" संभाग, पुराना शाहीबाग पुलिस स्टेशन अहमदाबाद शहर, अहमदाबाद, गुजरात-380004

73. श्री पीयूष प्रयागजीभाई पीरोजिया, उप पुलिस अधीक्षक, पुलिस अधीक्षक का कार्यालय, पश्चिमी रेलवे, नई केंद्रीय जेल के सामने, रानिप, अहमदाबाद, गुजरात-382480

74. श्री प्रतिपालसिंह अजीतसिंह झाला, उप पुलिस अधीक्षक, पालिटाना, जिला भावनगर, गुजरात-364270

75. श्री मुकेशचन्द्र मणीलाल पटेल, उप पुलिस अधीक्षक आर्मड, कमांडेंट एस.आर.पी.एफ. जीआर.-XVII चेला का कार्यालय, जामनगर, गुजरात-361012

76. श्री नरेश कुमार राणाजी सुथार, पुलिस उपनिरीक्षक वायरलैस, अपर पुलिस महानिदेशक, तकनीकी सेवा, 7वा तल, पुलिस भवन, गांधीनगर, गुजरात-382018

77. श्री ललितकुमार रत्नाभाई मकवाना, पुलिस उपनिरीक्षक एम.टी.ओ., एम.टी. शाखा, वालसाड़, गुजरात-396001

78. श्री प्रतापजी सुखाजी चौहान, पुलिस हेड कांस्टेबल अनआर्मड, संयुक्त पुलिस आयुक्त का कार्यालय, अपराध शाखा, अहमदाबाद शहर, अहमदाबाद, गुजरात-380001

79. श्री सत्यपालसिंह मोहबतसिंह तोमर, हेड कांस्टेबल अनआर्मड, गुप्तचर अपराध शाखा, पुलिस आयुक्त का कार्यालय, सूरत शहर, अथवालीयस सूरत, गुजरात-395001

80. श्री चेतनसिंह नटवरसिंह राठौड, पुलिस हेड कांस्टेबल अनआर्मड, संयुक्त पुलिस आयुक्त का कार्यालय, अपराध शाखा, अहमदाबाद शहर, अहमदाबाद, गुजरात-380001

81. श्री वीर सिंह, उप पुलिस अधीक्षक, पटौदी, गुरूग्राम, हरियाणा-122001

82. श्री राम प्रताप, इक्जेम्टी सब इंस्पेक्टर, पंचकुला हरियाणा-134009

83. श्रीमती लाली वर्गीष, महिला निरीक्षक, गुरूग्राम, हरियाणा-122001

84. श्री ओम प्रकाश, उप पुलिस अधीक्षक, पंचकुला, हरियाणा-134109

85. श्री श्रवण कुमार, निरीक्षक, पंचकुला, हरियाणा-134109

86. श्री प्रकाश चन्द, उपनिरीक्षक, फरीदाबाद, हरियाणा-121001

87. श्री वरिन्द्र कुमार, उपनिरीक्षक, एसवीबी पंचकुला, हरियाणा-134009

88. श्री विकास, निरीक्षक, अम्बाला कैन्ट, हरियाणा-133001

89. श्री सुमन कुमार, सहायक उपनिरीक्षक, सब पंचकुला, हरियाणा-134009

90. श्री रविन्द्र कुमार, सहायक उपनिरीक्षक, गुरूग्राम, हरियाणा-122001

91. श्री अनिल कुमार, निरीक्षक, मधुबन करनाल, हरियाणा-132037

92. श्री बहादुर सिंह, निरीक्षक, जिला चम्बा, हिमाचल प्रदेश-176215

93. श्री गुरबचन सिंह, स्टेशन हाउस अधिकारी, सुन्दरनगर, जिला मंडी, हिमाचल प्रदेश-175001

94. श्री मनोज कुमार, स्टेशन हाउस अधिकारी, पीएस गोहार, जिला मंडी, हिमाचल प्रदेश-175001

95. श्री राकेश कुमार धर, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, एसीएस टेलीकॉम, जम्मू, जम्मू एवं कश्मीर-180015

96. श्री तेजिन्दर सिंह, उप प्रधानाचार्य, पीटीएस कठुआ, जम्मू एवं कश्मीर-184101

97. श्री एजाज अहमद भट्ट, मुख्य अभियोजन अधिकारी, अपराध शाखा कश्मीर, जम्मू एवं कश्मीर-190001

98. श्री देविन्दर सिंह, उप पुलिस अधीक्षक, गांधी नगर, जम्मू, जम्मू एवं कश्मीर-180004

99. श्री जाहिद हुसैन मीर, निरीक्षक (कम्प्यूटर), पुलिस मुख्यालय, जम्मू एवं कश्मीर श्रीनगर, जम्मू एवं कश्मीर-190014

100. श्री विशाल शूर, निरीक्षक, पीसी आमनू कुलगाम, जम्मू एवं कश्मीर-192231

101. श्री मोहम्मद असरफ भट्ट, निरीक्षक, एसएचओ पुलिस स्टेशन कुपवाडा, जम्मू एवं कश्मीर-193222

102. श्री मोहम्मद असरफ पड्डेर, उपनिरीक्षक, सीआईडी मुख्यालय जम्मू एवं कश्मीर, जम्मू एवं कश्मीर-190001

103. श्री मोहिन्दर पाल रामदासी, उपनिरीक्षक, प्रभारी, पीसी क्रालगुंड, जम्मू एवं कश्मीर-193221

104. श्री तेज कृष्ण पंडित, सहायक उपनिरीक्षक, पुलिस मुख्यालय जम्मू एवं कश्मीर, श्रीनगर जम्मू एवं कश्मीर-190014

105. श्री मोहम्मद सादिक, सहायक उपनिरीक्षक, एसकेपीए ऊधमपुर, जम्मू एवं कश्मीर-182104

106. श्री अब्दुल हमीद मीर, हैड कांस्टेबल, पीसी कुपवाडा, जम्मू एवं कश्मीर-193222

107. श्री तेज किशन, हैड कांस्टेबल, आईआरपी 3 बटालियन परिहासपोरा पाट्टन बारामुला, जम्मू एवं कश्मीर-193121

108. श्री रविन्दर सिंह, एसजी. कांस्टेबल, जिला विशेष शाखा कठुआ, जम्मू एवं कश्मीर-184101

109. श्री सुशील कुमार, एसजी. कांस्टेबल, सीटीसी लेथपोरा पुलवामा, जम्मू एवं कश्मीर-192122

110. श्री परमेश्वर प्रसाद, उप पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय), लोहारदगा, झारखंड-835302

111. श्री रणबीर प्रसाद सिंह, सिविल जमादार, गुमला, झारखंड-835207

112. श्री अरुण कुमार भगत, आशुलिपिक उपनिरीक्षक, लोहारदगा, झारखंड-835302

113. श्री शंकर नाथ, सहायक उपनिरीक्षक, सीआईडी, रांची, झारखंड-834002

114. श्री श्यामल कुमार मंडल, सहायक उपनिरीक्षक, बोकारो, झारखंड-827004

115. श्री रतन लाल लायक, सहायक उपनिरीक्षक, बोकारो, झारखंड-827012

116. श्री चित्तरंजन प्रसाद सिन्हा, सहायक उपनिरीक्षक, रांची, झारखंड-834001

117. श्री विजय कुमार रंजन, सहायक उपनिरीक्षक, कोडरमा, झारखंड-825410

118. श्री मोहम्मद जमाल अहमद, सहायक उपनिरीक्षक, गोड्डा, झारखंड-814133

119. श्री जेरोम बाखला, हवलदार, जंगल वारफेयर स्कूल, नेतारहाट, झारखंड-835218

120. श्री प्रेम कुमार, हेड कांस्टेबल, जेएपी 10, रांची, झारखंड-835217

121. श्री दिनेश प्रसाद, हवलदार, जेएपी 10, रांची, झारखंड-835217

122. श्री इफ्तेखार खान, हेड कांस्टेबल, जेएपी 10, रांची, झारखंड-835217

123. श्री निरंजन भगत, हेड कांस्टेबल, पलामू, झारखंड-822101

124. श्री रामेश्वर सिंह यादव, हवलदार, खूंटी, झारखंड-835210

125. श्री इरकान कुजूर, हवलदार, खूंटी, झारखंड-835210

126. श्रीमती पुष्पा टोप्पो, हवलदार, खूंटी, झारखंड-835210

127. श्री सुनील कुमार, हेड कांस्टेबल, चेतरा, झारखंड-825401

128. श्री मोहम्मद अमजद खान, कांस्टेबल, पलामू, झारखंड-822101

129. श्री एन. आर. महंत रेड्डी, सहायक पुलिस आयुक्त, चिकपेट उप संभाग, कर्नाटक-560053

130. श्री टी. मंजूनाथ, सहायक पुलिस आयुक्त, हालासुरू उप संभाग, कर्नाटक-560008

131. श्री के. रविशंकर, उप पुलिस अधीक्षक, सीआईडी बेंगलूरू, कर्नाटक-560102

132. श्री बी.आर. वेणुगोपाल, उप पुलिस अधीक्षक, मगाडी उप संभाग, कर्नाटक-562130

133. श्री के. सी. लक्ष्मीनारायन, उप पुलिस अधीक्षक, डीसीआरबी चामराजनगर, कर्नाटक-571313

134. श्री एम. के. तम्माय्या, उप पुलिस अधीक्षक, एसीबी बेंगलुरू शहर, कर्नाटक-560001

135. श्री एस.एच. सुबेदार, उप पुलिस अधीक्षक, लिंगासुगुरू उप संभाग, कर्नाटक-584122

136. डॉ. प्रकाश एस, उप पुलिस अधीक्षक, पुलिस महानिरीक्षक केंद्रीय रेंज बेंगलुरू, कर्नाटक-560001

137. श्री के. सुंदरराज, उप पुलिस अधीक्षक, मडिकेरी उप संभाग, कर्नाटक-571201

138. श्री राम राव कोतवाल, सहायक पुलिस आयुक्त, मंगलौर दक्षिण उप संभाग, कर्नाटक-575017

139. श्री एम.एन. रूद्रप्पा, सहायक पुलिस आयुक्त, धारवाड़ उप संभाग हुबली धारवाड़ शहर, कर्नाटक-580001

140. श्री तिप्पेस्वामी जी.एम, उप पुलिस अधीक्षक, जिला आर्मड रिजर्व दवांगेरे जिला, कर्नाटक-577002

141. श्री कल्लप्पा एस खरत, पुलिस निरीक्षक, चंद्रालायूट पुलिस स्टेशन, बेंगलूरू शहर, कर्नाटक-560072

142. श्री कुमारस्वामी बी. जी. पुलिस निरीक्षक, कोट्टोनपेटे पुलिस स्टेशन बेंगलुरू शहर, कर्नाटक-560053

143. श्री एस.डी. शशिधर, पुलिस निरीक्षक, अशोकनगर पुलिस स्टेशन, बेंगलुरू शहर, कर्नाटक-560025

144. श्री इयन्ना रेड्डी, पुलिस निरीक्षक, कुब्बोन पार्क पुलिस स्टेशन, बेंगलुरू शहर, कर्नाटक-560001

145. श्री बी.एस. बसवाराजु, पुलिस निरीक्षक, केएलए एसआईटी हेब्बल बेंगलुरू, कर्नाटक-560024

146. श्री एम. वी. शेषाद्रि, पुलिस निरीक्षक, बेसकॉम, सर्तकता तुमकुरू जिला, कर्नाटक-572101

147. श्री एच.डी. कुलकर्णी, पुलिस निरीक्षक, हेन्नूर पुलिस स्टेशन, बेंगलुरू शहर, कर्नाटक-560043

148. श्री बी.एस. सुधाकर, सर्कल निरीक्षक, बेल्लारी ग्रामीण बेल्लारी, कर्नाटक-583101

149. श्री वाई अमर नारायण, पुलिस निरीक्षक, गोवरीबिदानूर सर्कल चिक्कबल्लापुर जिला, कर्नाटक-561208

150. श्री राजू गोपाल आर, सहायक रिजर्व उप-निरीक्षक, 3 बटालियन केएसआरपी बेंगलुरू, कर्नाटक-560030

151. श्री बी.एस. सुदेश किनी, सहायक रिजर्व उपनिरीक्षक, जिला आर्मड रिजर्व चिक्कमंगलूरू जिला, कर्नाटक-577101

152. श्री आर एस सिद्दाप्पा, सहायक उप-निरीक्षक, क्याटासन्दरा तुमकुरू जिला, कर्नाटक-572104

153. श्री एन आर काटे, सहायक उप-निरीक्षक, पुलिस अधीक्षक का कार्यालय हावेरी, कर्नाटक-58110

154. श्री सतीश आर, सहायक उप-निरीक्षक, फिंगर प्रिंट यूनिट, शिवामोग्गा जिला, कर्नाटक-577201

155. श्री रुद्रास्वामी, हेड कांस्टेबल, शहरी विशेष शाखा, बेंगलुरू शहर, कर्नाटक-560001

156. श्री रविन्द्र एच.सी., हेड कांस्टेबल, आसूचना बेंगलूरू, कर्नाटक-560001

157. श्री मंजूनाथ राव एन, हेड कांस्टेबल, एसीबी पुलिस स्टेशन मैसूर, कर्नाटक-570007

158. श्री अशोक एस नायक, हेड कांस्टेबल, 3 बटालियन बेंगलुरू, कर्नाटक-560034

159. श्री रमेश, रिजर्व हेड कांस्टेबल, 5 बटालियन केएसआरपी मैसूर, कर्नाटक-570011

160. श्री विजयकुमार पी.वी., हेड कांस्टेबल, 4 बटालियन केएसआरपी बेंगलुरू, कर्नाटक-560068

161. श्री रंगानाथन, सिविल हेड कांस्टेबल, अलदूर पुलिस स्टेशन चिक्कमगलूरु जिला, कर्नाटक-577111

162. श्री रामचन्द्र बी., सिविल हेड कांस्टेबल, जिला कम्प्यूटर विंग, देवांगेर जिला, कर्नाटक-577006

163. श्रीमती सुमति एम., महिला हेड कांस्टेबल, महिला पुलिस स्टेशन कोडागू जिला, कर्नाटक-571201

164. श्री कोप्पल चंद्र, हेड कांस्टेबल नं.336, शहरी अपराध शाखा मंगलूर शहर, कर्नाटक-574142

165. श्री डी.एम. म्यागेरि, सिविल हेड कांस्टेबल 730, डी.सी.आर.बी. गडग जिला, कर्नाटक-581117

166. श्री एस. सुरेन्द्रन, जिला पुलिस प्रमुख, इरनाकुलम, केरल-682011

167. श्री के.वी. विजयन, अधीक्षक, एसबीसीआईडी इरनाकुलम, केरल-682301

168. श्री श्रीराम तेलंगला, सहायक कमांडेंट, एमएसपी मालप्पुरम, केरल-676505

169. श्री राधाकृष्ण पिल्लई बी., उप पुलिस अधीक्षक, अपराध शाखा, केरल-691002

170. श्री श्रीनिवासन धर्माराजन चाककुमारास्सेरी, उप अधीक्षक, क्राइम डिटेचमेंट, थ्रिस्सूर, केरल-680020

171. श्री थोट्टाथिल प्रेजिश, उप अधीक्षक, कलपेट्टा वायनाड, केरल-673121

172. श्री विलसन वर्गीस पल्लास्सेरी, कमांडेंट, केएपी-I, थ्रिस्सूर, केरल-680631

173. श्री साजी नारायनन वेट्टिक्काकुझियिल, सहायक आयुक्त, डीसीआरबी, थ्रिस्सूर शहर, केरल-680631

174. श्रीमती भानुमति चेमेनचेरी, पुलिस निरीक्षक, वनिथा सेल कसारगोड, केरल-671121

175. श्री माधनन नायर गोपालन नायर, आर्मड पुलिस उप-निरीक्षक, कुट्टिकानम इडुकि, केरल-685531

176. श्री सुनील लाल अम्मुकुट्टी अम्मा सुकुमारन, उप-निरीक्षक, जिला पुलिस कमांड केंद्र, तिरुवनंतपुरम, केरल-695001

177. श्री सी.पी. संतोष कुमार, सहायक उप-निरीक्षक, मलाप्पुरम, केरल-679326

178. श्री मोहनदास पुल्लनचेरियिल, सहायक उप-निरीक्षक, वीएसीबी मलप्पुरम, केरल-676519

179. श्री योगेश देशमुख, पुलिस महानिरीक्षक, चंबल जोन, मोरेना, मध्य प्रदेश-474001

180. श्री अनुराग शर्मा, पुलिस अधीक्षक, पुलिस प्रशिक्षण स्कूल, उज्जैन, मध्य प्रदेश-456661

181. श्री सुनील कुमार पाण्डे, पुलिस अधीक्षक, खारगौन, मध्य प्रदेश-451001

182. श्री डालूराम तेनीवार, कमांडेंट, 8वीं बटालियन छिन्दवाड़ा, मध्य प्रदेश-462001

183. श्री रायसिंह नरवरिया, अपर पुलिस अधीक्षक, जबलपुर, मध्य प्रदेश-482011

184. श्री अमरेन्द्र सिंह, सहायक पुलिस अधीक्षक अपराध, इंदौर, मध्य प्रदेश-452001

185. श्री सुधीर कनौजिया, उप पुलिस अधीक्षक, एटीएस पुलिस मुख्यालय, भोपाल, मध्य प्रदेश-462008

186. श्री देवेन्द्र देवडे, निरीक्षक, आरएपीटीसी, मध्य प्रदेश-452005

187. श्री आदिल इमाम, निरीक्षक, सीआईडी, पुलिस मुख्यालय, भोपाल, मध्य प्रदेश-462008

188. श्री सजी मैथ्यू, सहायक उप-निरीक्षक, एटीएस, पुलिस मुख्यालय भोपाल, मध्य प्रदेश-462008

189. श्री भगवान सिंह ठाकुर, हेड कांस्टेबल, डीआरपी लाइन दमोह, मध्य प्रदेश-470661

190. श्री जहिर अहमद, हेड कांस्टेबल, पुलिस लाइन शिवपुरी, मध्य प्रदेश-473551

191. श्री अवतार सिंह विष्ट, हेड कांस्टेबल, पुलिस लाइन, जबलपुर, मध्य प्रदेश-482001

192. श्री समीर खान, हेड कांस्टेबल, पुलिस अधीक्षक कार्यालय एसपीई लोकायुक्त उज्जैन, मध्य प्रदेश-456010

193. श्री हरि सिंह तोमर, कांस्टेबल, पुलिस स्टेशन फूप, भिंड, मध्य प्रदेश-477001

194. श्री समर सिंह सेंगर, कांस्टेबल, पुलिस स्टेशन, कोतवाली, ग्वालियर, मध्य प्रदेश-474001

195. श्री सुरेन्द्र सिंह भदौरिया, कांस्टेबल, एसपीई, लोकायुक्त, जबलपुर, मध्य प्रदेश-482002

196. श्री सुरेशकुमार सवलेराम मेंगड़े, पुलिस अधीक्षक, नागरिक अधिकार सुरक्षा, थाणे, महाराष्ट्र-410218

197. श्री विक्रम नंदकुमार देशमाने, उप पुलिस आयुक्त, जोन 5, मुम्बई, महाराष्ट्र-40030

198. श्री दिलिप पोपटराव बोरास्ते, उप पुलिस अधीक्षक, भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, पुणे, महाराष्ट्र-411001

199. श्री नेताजी शेकुम्बर भोपले, सहायक पुलिस आयुक्त, अपराध शाखा, नागपाडा, मुम्बई, महाराष्ट्र-400008

200. श्री मुकुन्द नामदेव हटोटे, सहायक पुलिस आयुक्त, अपराध शाखा, थाणे, महाराष्ट्र-400601

201. श्री किरन विष्णु पाटिल, सहायक पुलिस आयुक्त, आर्थिक अपराध विंग, मुम्बई, महाराष्ट्र-400001

202. श्री अविनाश प्रहलाद धर्माधिकारी, सहायक पुलिस आयुक्त, डोंगरी प्रभाग, मुम्बई शहर, महाराष्ट्र-400009

203. श्रीमती गोपिका शेषदास जहागिरदार, उप पुलिस अधीक्षक, पीसीडब्ल्यूसी,महानिदेशक कार्यालय, मुम्बई, महाराष्ट्र-400001

204. श्री मनदार वसन्त धर्माधिकारी, उप पुलिस अधीक्षक, दहानु संभाग, पालघर, महाराष्ट्र-401602

205. श्री राजेन्दर लक्ष्मणराव कदम, वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक, एरवाड़ा पुलिस स्टेशन, पुणे शहर, महाराष्ट्र-411006

206. श्री सैय्यद शौकत अली सबीर अली, पुलिस निरीक्षक, पेथ बीड पुलिस स्टेशन, बीड, महाराष्ट्र-431122

207. श्री सतीश दिगम्बर गायकवाड, वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक, कलमबोली पुलिस स्टेशन, नवी मुम्बई, महाराष्ट्र-410218

208. श्री बालाजी रघुनाथ सोनटक्के, पुलिस निरीक्षक, चिखाली पुलिस स्टेशन,चिंचवाड, महाराष्ट्र-443201

209. श्री रविन्द्र गणपत बाबर, सहायक पुलिस निरीक्षक, सीआईडी, पुणे, महाराष्ट्र-411008

210. श्री अब्दुल राउफ गनी शेख, सहायक पुलिस निरीक्षक, साकीनाका पुलिस स्टेशन, मुम्बई शहर, महाराष्ट्र-400072

211. श्री रमेश दौलतराव खंडागले, रिजर्व पुलिस उप-निरीक्षक, पुलिस प्रशिक्षण केन्द्र, नागपुर, महाराष्ट्र-440015

212. श्री प्रकाश भिवा कदम, पुलिस उप-निरीक्षक, पायढ़ोनी पुलिस स्टेशन, मुम्बई शहर, महाराष्ट्र-400003

213. श्री किशोर अमृत यादव, पुलिस उप-निरीक्षक, चिंचवाड़ ट्रैफिक संभाग, चिंचवाड़, पिम्परी चिंचवाड़, पुणे, महाराष्ट्र-411033

214. श्री राजेन्द्र नारायण पॉल, पुलिस उप-निरीक्षक, अपराध शाखा, पुणे शहर, महाराष्ट्र-411001

215. श्री नानासाहेब विट्ठल मसाल, आर्मड पुलिस उप-निरीक्षक, एसआरपीएफ जीआर X, सोलापुर, महाराष्ट्र-413008

216. श्री रघुनाथ मंगलु भरसट, पुलिस उप-निरीक्षक, पुलिस मुख्यालय, नासिक ग्रामीण, महाराष्ट्र-422203

217. श्री केशव शेषराव टेकडे, सहायक उप-निरीक्षक, पुलिस मुख्यालय, अमरावती शहर, महाराष्ट्र-444602

218. श्री रामराव दासू राठौड़, सहायक उप-निरीक्षक, पुलिस मुख्यालय, जालना, महाराष्ट्र-431203

219. श्री दत्तात्रेय तुकाराम उगालमुगले, सहायक उप-निरीक्षक, स्थानीय अपराध शाखा, नासिक ग्रामीण, महाराष्ट्र-422003

220. श्री मनोहर लक्ष्मण चिन्ताल्लु, सहायक उप-निरीक्षक, विशेष शाखा, पुणे शहर, महाराष्ट्र-411001

221. श्री कचारू नामदेव चावण, सहायक उप-निरीक्षक, पीसीआर, अमरावती शहर, महाराष्ट्र-431003

222. श्री दत्तात्रेय गोरखनाथ जगताप, सहायक उप-निरीक्षक, स्थानीय अपराध शाखा, पुणे ग्रामीण, महाराष्ट्र-411008

223. श्री अशोक सोमजी तिडके, सहायक उप-निरीक्षक, अपराध शाखा, नागपुर शहर, महाराष्ट्र-440013

224. श्री विश्वास शामराव ठाकरे, सहायक उप-निरीक्षक, तहसील पुलिस स्टेशन, नागपुर शहर, महाराष्ट्र-440032

225. श्री सुनील गणपतराव हरणखेडे, सहायक उप-निरीक्षक, पुलिस मुख्यालय, यावतमल, महाराष्ट्र-445001

226. श्री गोरख मानसिंह चवण, सहायक उप-निरीक्षक, विशेष शाखा, औरंगाबाद शहर, महाराष्ट्र-431001

227. श्री अविनाश सुधीर मराठे, सहायक उप-निरीक्षक, विशेष शाखा, पुणे शहर, महाराष्ट्र-411001

228. श्री खामराव रामराव वानखेडे, सहायक उप-निरीक्षक, मंडावी पुलिस स्टेशन, नांदेड़, महाराष्ट्र-431805

229. श्री नितिन रामराव शिवालकर, सहायक उप-निरीक्षक, ट्रैफिक शाखा, नागपुर शहर, महाराष्ट्र-440001

230. श्री प्रभाकर धोंडू पवार, हेड कांस्टेबल (आई.ओ.), राज्य आसूचना विभाग, मुम्बई, महाराष्ट्र-400001

231. श्री अंकुश सोमा राठौर, हेड कांस्टेबल, आतंकवाद-रोधी सेल, जालना, महाराष्ट्र-431203

232. श्री बालू मचिन्द्रा भोई, हेड कांस्टेबल, वडगांव निम्बालकर पुलिस स्टेशन, पुणे ग्रामीण, महाराष्ट्र-412103

233. श्री श्रीरंग नारायण सावरडे, हेड कांस्टेबल, एल.टी. मार्ग पुलिस स्टेशन, मुम्बई शहर, महाराष्ट्र-400002

234. श्री अविनाश गोविन्दराव सतपुते, हेड कांस्टेबल, पुलिस मुख्यालय, नांदेड़, महाराष्ट्र-431602

235. श्री मकसूद अहमदखान पठान, हेड कांस्टेबल, पुर्णा पुलिस स्टेशन, परभनी, महाराष्ट्र-431511

236. श्री गणेश तुकाराम गोरेगांवकर, हेड कांस्टेबल, अपराध शाखा, मुम्बई, महाराष्ट्र-400013

237. श्री मंगसिदम दिमरतन सिंह, सुबेदार, 4-आईआरबी, थैंगुचिंगजिन इम्फाल पूर्व, मणिपुर-795002

238. श्री तुनझाऊ सिमटे, उप-निरीक्षक, सीआईडी (एसबी), मणिपुर-795001

239. श्री रोंगशोंग लैयाह, हवलदार, 6 आईआरबी, पांगेई, मणिपुर-795114

240. श्री लुक्राम लेनिन मीतेई, हवलदार, एमपीटीसी, पांगेई, मणिपुर-795114

241. श्री ए.एस. मेंगकुई जिमिक, हवलदार, एमपीटीसी, पांगेई, मणिपुर-795114

242. श्री शनाबम बिशोरजीत सिंह, हवलदार, 1 बटालियन मणिपुर राइफल्स, इम्फाल, मणिपुर-795001

243. श्री मोहम्मद शाहिद अहमद, राइफलमैन, 1 आईआरबी, चुड़ाचांदपुर, मणिपुर-795128

244. श्रीमती जूली नोंगक्लाव, पुलिस निरीक्षक, अपर पुलिस महानिदेशक का कार्यालय मेघालय, शिलांग, मेघालय-793001

245. श्री एमस्टीन लिंगदोह, कांस्टेबल आर्मड शाखा, पुलिस रिजर्व शिलांग, मेघालय-793001

246. श्री नेइहछुड़नुड़, उपमहानिरीक्षक (सीआईडी), आईजोल, मिजोरम-796001

247. श्रीमती लल मुअन थड़ि , निरीक्षक (एम), आईजोल, मिजोरम-796001

248. श्री अतु इनूमवु, उप पुलिस अधीक्षक, दीमापुर, नागालैंड-797112

249. श्री केवीसेबील अंगामी, सीएलआई, पीटीएस, नागालैंड-797103

250. श्री सुजित कुमार दलाई, सहायक पुलिस कमांडेंट सुरक्षा, विशेष सुरक्षा बटालियन, ओडिशा-751001

251. श्री मानस रंजन गरनाइक, प्रभारी सहायक पुलिस आयुक्त, कटक यूपीडी जोन-I, ओडिशा-753001

252. श्रीमती इति दास, प्रभारी उप पुलिस अधीक्षक, आर्थिक अपराध विंग, अपराध शाखा भुबनेश्वर, ओडिशा-751001

253. श्री रजनी कांत सामल, निरीक्षक, जगतसिंहपुर, ओडिशा-754142

254. श्री भरत चरण साहू, निरीक्षक, सरकारी रेलवे पुलिस स्टेशन खुर्धा, ओडिशा-751001

255. सुश्री स्मिता रानी मोहंती, निरीक्षक, सर्तकता निदेशालय कटक, ओडिशा-753001

256. श्री निरंजन त्रिपाठी, पुलिस उपनिरीक्षक, विशेष आसूचना विंग भुबनेश्वर, ओडिशा-751001

257. श्री संतोष कुमार बाहिनीपति, पुलिस उपनिरीक्षक, सरकारी रेलवे पुलिस स्टेशन खुर्धा, ओडिशा-752050

258. श्री सनातन साहू, कांस्टेबल, सर्तकता निदेशालय कटक, ओडिशा-753001

259. श्री प्रशांत कुमार साहू, कांस्टेबल, सर्तकता निदेशालय कटक, ओडिशा-753001

260. श्री दुर्गा प्रसाद होता, कांस्टेबल, सर्तकता ब्रह्मपुर संभाग बरहमपुर, ओडिशा-760004

261. श्री राजविंदर सिंह सोहल, अपर महानिरीक्षक, चंडीगढ़, पंजाब-160009

262. श्री गुरमेल सिंह, पुलिस अधीक्षक, श्री मुक्तसर साहिब, पंजाब-152026

263. श्री जसविन्दर सिंह टिवाणा, उप पुलिस अधीक्षक, फतेहगढ़ साहिब, पंजाब-140407

264. श्री मनदीप सिंह, निरीक्षक, एसएएस नगर, पंजाब-160062

265. श्रीमती अमरजीत कौर, निरीक्षक, सीपी, लुधियाना, पंजाब-141001

266. श्री विमल कुमार, निरीक्षक, पीपीए, फिल्लौर, पंजाब-144410

267. श्री सुरेश कुमार, निरीक्षक, चंडीगढ़, पंजाब-160009

268. श्री सरबजीत सिंह, उप-निरीक्षक, 7वीं बटालियन, पीएपी, जालंधर, पंजाब-144006

269. श्री भूपिन्दर सिंह, उप-निरीक्षक, बहादुरगढ़, पटियाला, पंजाब-147021

270. श्री बलवंत सिंह, सहायक उप-निरीक्षक, विशेष शाखा, सीपी, लुधियाना, पंजाब-141001

271. श्री कुलवंत सिंह, सहायक उप-निरीक्षक, चंडीगढ़, पंजाब-160009

272. श्री गुरदास सिंह, सहायक उप-निरीक्षक (तदर्थ), रोपड़, पंजाब-140001

273. श्री रणबीर सिंह, सहायक उप-निरीक्षक/एलआर, होशियारपुर, पंजाब-146001

274. श्री कृष्ण कुमार, हेड कांस्टेबल, एसएएस नगर, पंजाब-160062

275. श्री शान्तनु कुमार सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक, एटीएस जयपुर, राजस्थान-302003

276. श्री करन शर्मा, अपर पुलिस अधीक्षक, एसओजी राजस्थान जयपुर, राजस्थान-302003

277. श्री नीरज कुमार मेवानी, पुलिस निरीक्षक, सीएम सुरक्षा जयपुर, राजस्थान-302006

278. श्री रूप सिंह, कंपनी कमांडर, पुलिस प्रशिक्षण स्कूल, जोधपुर, राजस्थान-342006

279. श्री रक्षित कोठारी, पुलिस निरीक्षक, राज्य अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो, जयपुर, राजस्थान-302016

280. श्री राजेन्द्र सिंह, प्लाटून कमांडर, जयपुर, राजस्थान-302015

281. श्री गुमान सिंह, उप-निरीक्षक, एससीआरबी जयपुर, राजस्थान-302016

282. श्री भगवान सहाय, उप-निरीक्षक, अपर पुलिस महानिदेशक कार्यालय, अपराध शाखा, जयपुर, राजस्थान-302015

283. श्री गोपाल लाल शर्मा, सहायक उप-निरीक्षक, सर्तकता जयपुर, राजस्थान-302015

284. श्री कन्हैया लाल, सहायक उप-निरीक्षक, पीटीसी अजमेर, राजस्थान-305001

285. श्री बनवारी लाल, सहायक उप-निरीक्षक, सीआईडी सीबी पुलिस अधीक्षक कार्यालय, जयपुर ग्रामीण, राजस्थान-302006

286. श्री उगम सिंह, हेड कांस्टेबल, पुलिस स्टेशन, कोतवाली, जैसलमेर, राजस्थान-345001

287. श्री शम्भू सिंह मीना, हेड कांस्टेबल, एमबीसी सी कंपनी चित्तौड़गढ़, राजस्थान-312001

288. श्री धन्ना लाल, कांस्टेबल, 7वीं आरएसी भरतपुर, राजस्थान-321001

289. श्री प्रताप सिंह, सहायक उप-निरीक्षक, सीआईडी सीबी बीकानेर, राजस्थान-334001

290. श्री पूरदान देवल, हेड कांस्टेबल, डीएसबी शाखा, जैसलमेर, राजस्थान-345001

291. श्रीमती छिवांग लामु भोटिया, पुलिस अधीक्षक, जांचचौकी शाखा, तीसरा मील जे.एन. रोड़, पूर्वी सिक्किम, सिक्किम-737103

292. श्री जोन लेप्चा, सहायक उप-निरीक्षक, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, पूर्वी कार्यालय, गंगटोक, सिक्किम-737101

293. श्री टी. जयचन्द्रन, पुलिस अधीक्षक, शिवगंगई जिला, तमिलनाडु-630561

294. श्री ए. याक्कूब, उप पुलिस अधीक्षक, क्यू शाखा, सीआईडी, चेन्नई, तमिलनाडु-600004

295. श्री एस. उन्नीकृष्णन, उप पुलिस अधीक्षक, वी एंड एसी, रामनाथपुरम, तमिलनाडु-623503

296. श्री वी.वी. थिरुमल, उप पुलिस अधीक्षक, टिन्डिवनम सब-डिविजन, विल्लुपुरम, तमिलनाडु-605602

297. श्री जी.वी. किरूष्णा राजन, उप पुलिस अधीक्षक, वी एंड एसी, कृष्णागिरि, तमिलनाडु-635115

298. श्री एन लावाकुमार, उप पुलिस अधीक्षक, वी एंड एसी, चेन्नई शहर-।।, तमिलनाडु-600016

299. श्री सी धातचिनामूर्ति, उप पुलिस अधीक्षक, सर्तकता एवं भ्रष्टाचार निरोधक, ऊटी, तमिलनाडु-643001

300. श्री के. गोविन्दाराजु, सहायक कमांडेंट, टीएसपी V बटालियन, आवड़ी, तमिलनाडु-600109

301. श्री एन. अरुलमनि, पुलिस निरीक्षक, विशेष शाखा सीआईडी, चेन्नई, तमिलनाडु-600004

302. श्री आर. परवासुथेवन, पुलिस निरीक्षक, पुदुक्कोट्टई टाउन पी.एस., पुदुक्कोट्टई, तमिलनाडु-622001

303. श्री आर. थोमस जेसुदासोन, पुलिस निरीक्षक, चेन्नई सेंट्रल रेलवे पुलिस स्टेशन, चेन्नई, तमिलनाडु-600001

304. श्री वी. श्रीनिवासन, पुलिस निरीक्षक, सी.सी.बी., ग्रेटर चेन्नई पुलिस, तमिलनाडु-600007

305. श्री जी. सोन्दराराजन, पुलिस निरीक्षक, चेंगलपट्टु टाउन पी.एस., कांचीपुरम, तमिलनाडु-603001

306. श्री के. बालाचंदर, पुलिस उप-निरीक्षक, एसबी सीआईडी, सेलम शहर, तमिलनाडु-636005

307. श्रीमती एम.मल्लिका, महिला पुलिस उप-निरीक्षक, सीसीबी, ग्रेटर चेन्नई पुलिस, तमिलनाडु-600007

308. श्री एस. पन्नीरसेलवम, विशेष पुलिस उपनिरीक्षक, वी. एंड एसी, कुड्डालोर, तमिलनाडु-607001

309. श्री जे. सन्नी जचारिया, विशेष पुलिस उपनिरीक्षक, सुरक्षा शाखा सीआईडी, चेन्नई, तमिलनाडु-600028

310. श्री एच शागुल हमीद, विशेष पुलिस उप-निरीक्षक, वी. एंड एसी, कोयम्बटूर, तमिलनाडु-641030

311. श्री ई. कुमरवेल, विशेष पुलिस अधीक्षक, सुरक्षा शाखा सीआईडी, चेन्नई, तमिलनाडु-600028

312. श्री सी. जे. राजा, विशेष पुलिस उप-निरीक्षक, विशेष शाखा, थंजावुर, तमिलनाडु-613010

313. श्री एम. सोनाई, विशेष पुलिस उप-निरीक्षक, थिलागर थिडल ट्रैफिक रेंज, मदुरै शहर, तमिलनाडु-625001

314. श्री रमेश मड्डुला, कमांडेंट, हैदराबाद, तेलंगाना-500045

315. श्री मोहम्मद घौसे मोहिउद्दीन, अपर पुलिस अधीक्षक, साइबराबाद, तेलंगाना-500081

316. श्री रागिरि बाला रंगैयाह, उप पुलिस अधीक्षक, वारंगल अर्बन, तेलंगाना-506166

317. श्री कांची बलारामी रेड्डी, उप पुलिस अधीक्षक, हैदराबाद, तेलंगाना-500004

318. श्री एरलागड्डा रामबाबू, सहायक कमांडेंट, हैदराबाद, तेलंगाना-500091

319. श्री ए वेंकटा रमनैयाह, निरीक्षक, हैदराबाद, तेलंगाना-500089

320. श्री शेक अब्दुल सत्तार, निरीक्षक, वारंगल अर्बन, तेलंगाना-506166

321. श्री गुद्दुला मधुसूदन, सहायक उप-निरीक्षक, हैदराबाद, तेलंगाना-500002

322. श्री नाडिकुडे हनुमंथ गौड, हेड कांस्टेबल, हैदराबाद, तेलंगाना-500075

323. श्री टी. वेंकटेश्वरलु, हेड कांस्टेबल, हैदराबाद, तेलंगाना-500001

324. श्री प्रसेनजित डे, उप पुलिस अधीक्षक, अगरतला, त्रिपुरा-799003

325. श्री शिब चरण देबबर्मा, हवलदार, त्रिपुरा-799011

326. श्री शिव लाल प्रधान, हवलदार, त्रिपुरा-799141

327. श्री अशोक कुमार मजूमदार, कांस्टेबल, धर्मानगर, त्रिपुरा-799250

328. श्री राजेन्द्र सिंह, उप पुलिस अधीक्षक, 38वीं बटालियन, पीएसी अलीगढ़, उत्तर प्रदेश

329. श्री सतीश कुमार, उप पुलिस अधीक्षक, गौतम बुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश

330. श्री अशोक कुमार वर्मा, उप पुलिस अधीक्षक, महानिदेशक आर्थिक अपराध शाखा के स्टाफ अधिकारी लखनऊ, उत्तर प्रदेश-226002

331. श्री मुकुन्द मिश्रा, निरीक्षक, सर्तकता मुख्यालय लखनऊ, उत्तर प्रदेश-226001

332. श्री उमेश चन्द्र श्रीवास्तव, निरीक्षक, रेंज अधिकारी लखनऊ उत्तर प्रदेश-226010

333. श्री सत्येन्द्र कुमार सिंह, उप पुलिस अधीक्षक, बदायूं, उत्तर प्रदेश-243601

334. श्री कैलाश चन्द्र शर्मा, निरीक्षक (सीए), अलीगढ़, उत्तर प्रदेश-202001

335. श्री राम नरेश, निरीक्षक, एसआईबी को-ऑपरेटिव लखनऊ, उत्तर प्रदेश-224001

336. श्री नरेन्द्र सिंह, निरीक्षक, बाराबंकी, उत्तर प्रदेश-225001

337. श्री झनझन लाल, निरीक्षक, फतेहगढ़, उत्तर प्रदेश-209602

338. श्री राजेन्द्र मणि, कंपनी कमांडर, 23 बटालियन पीएसी मुरादाबाद, उत्तर प्रदेश-244001

339. श्री सतीश चन्द्र, रिजर्व निरीक्षक, बलिया, उत्तर प्रदेश-277001

340. श्री देवकी प्रसाद, कंपनी कमांडर, 32वीं बटालियन पीएसी लखनऊ, उत्तर प्रदेश-226023

341. श्री बचे सिंह नेगी, उपनिरीक्षक, मुरादाबाद, उत्तर प्रदेश-244001

342. श्री ज्ञानेन्द्र कुमार सिंह, निरीक्षक, मण्डल कार्यालय कानपुर, उत्तर प्रदेश-208001

343. श्री त्रिवेणी प्रसाद पाठक, उप-निरीक्षक एमटी, कौशाम्बी, उत्तर प्रदेश-212214

344. श्री मीर्ज अंसारी, उप-निरीक्षक रेडियो, रेडियो मुख्यालय लखनऊ, उत्तर प्रदेश-226006

345. श्री चन्द्र देव दीक्षित, उप-निरीक्षक रेडियो, रेडियो मुख्यालय लखनऊ, उत्तर प्रदेश-226006

346. श्री जबर सिंह, उप-निरीक्षक, संभल, उत्तर प्रदेश-244302

347. श्री अवधेश सिंह, उप-निरीक्षक, इटावा, उत्तर प्रदेश-206001

348. श्री हेमराज सिंह, उप-निरीक्षक, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश-201001

349. श्री रामानुज, उप-निरीक्षक, एसआईटी लखनऊ, उत्तर प्रदेश-226006

350. श्री ओंकार नाथ सिंह, उप-निरीक्षक, सुरक्षा मुख्यालय लखनऊ, उत्तर प्रदेश-226007

351. श्री चन्दन सिंह, उप-निरीक्षक एपी, सीतापुर, उत्तर प्रदेश-261001

352. श्री राजेन्द्र सिंह, उप-निरीक्षक, बागपत, उत्तर प्रदेश-250606

353. श्री जुग्गी लाल तिवारी, प्लाटून कमांडर, 20वीं बटालियन पीएसी आजमगढ़, उत्तर प्रदेश-270001

354. श्री ओम प्रकाश, उप-निरीक्षक, कुशीनगर, उत्तर प्रदेश-274304

355. श्री बलवीर सिंह, प्लाटून कमांडर, 15वीं बटालियन पीएसी आगरा, उत्तर प्रदेश-282001

356. श्री चन्द्र मोहन सिंह, उप-निरीक्षक, उन्नाव, उत्तर प्रदेश-229504

357. श्री मनोहर लाल शर्मा, उप-निरीक्षक, बागपत, उत्तर प्रदेश-250609

358. श्री दलपत सिंह, उप-निरीक्षक, मुरादाबाद, उत्तर प्रदेश-203001

359. श्री मोहम्मद कालिम, उप-निरीक्षक सीपी, पुलिस महानिदेशक मुख्यालय लखनऊ, उत्तर प्रदेश-226001

360. श्री जय कृष्णा, उप-निरीक्षक एमटी, हरदोई, उत्तर प्रदेश-241001

361. श्री शिवलोचन यादव, उप-निरीक्षक एमटी, 35वीं बटालियन पीएसी लखनऊ, उत्तर प्रदेश-226006

362. श्री कृष्णा कुमार राव, उप-निरीक्षक, गोण्डा, उत्तर प्रदेश-271001

363. श्री महेश चन्द अवस्थी, उप-निरीक्षक, कन्नौज, उत्तर प्रदेश-209725

364. श्री जयवीर सिंह, उप-निरीक्षक, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश-201001

365. श्री रामस्वरुप सिंह यादव, प्लाटून कमाएडर, 48वीं बटालियन पीएसी सोनभद्र, उत्तर प्रदेश-231216

366. श्री काशीनाथ मिश्रा, उप-निरीक्षक, फतेहगढ़, उत्तर प्रदेश-209602

367. श्री गजेन्द्र पाल सिंह, उप-निरीक्षक, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश-201001

368. श्री मो. वसीम खान, हेड कांस्टेबल, आईएनटी मुख्यालय लखनऊ, 226001

369. श्री रंजीत सिंह, हेड कांस्टेबल ड्राइवर, सुरक्षा मुख्यालय लखनऊ, उत्तर प्रदेश-226007

370. श्री जय प्रकाश सिंह, हेड कांस्टेबल (पी), आर्थिक अपराध शाखा लखनऊ, उत्तर प्रदेश-226001

371. श्री मेवालाल गौतम, हेड कांस्टेबल, सतर्कता लखनऊ, उत्तर प्रदेश-226010

372 श्री युवराज सिंह, हेड कांस्टेबल, 15वीं बटालियन पीएसी आगरा, उत्तर प्रदेश-282003

373. श्री जगदीश प्रसाद, हेड कांस्टेबल एपी, आगरा, उत्तर प्रदेश-282003

374. श्री सुरेश चन्द्र श्रीवास्तव, हेड कांस्टेबल चालक, रेडियो मुख्यालय, लखनऊ, उत्तर प्रदेश-226006

375. श्री कृष्ण पाल, हेड कांस्टेबल सीपी, पुलिस महानिदेशक मुख्यालय, लखनऊ, उत्तर प्रदेश-226001

376. श्री भोला प्रसाद, हेड कांस्टेबल पीएसी, 26वीं बटालियन पीएसी गोरखपुर, उत्तर प्रदेश-273401

377. श्री सोरन सिंह, हेड कांस्टेबल, गौतमबुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश-201318

378. श्री राजेश कुमार दीक्षित, हेड कांस्टेबल, बदायूं, उत्तर प्रदेश-243601

379. श्री मुकेश कुमार, हेड कांस्टेबल, सीबीसीआईडी मुख्यालय, उत्तर प्रदेश-226010

380. श्री प्रेमपाल सिंह, हेड कांस्टेबल, शाहजहांपुर, उत्तर प्रदेश-242001

381. श्री मुख्त्यार सिंह, हेड कांस्टेबल, आगरा, उत्तर प्रदेश-282003

382. श्री गणेश प्रसाद, हेड कांस्टेबल, अम्बेडकर नगर, उत्तर प्रदेश-244122

383. श्री ललता प्रसाद शर्मा, हेड कांस्टेबल, मैनपुरी, उत्तर प्रसाद-205001

384. श्री कमल सिंह, हेड कांस्टेबल, बांदा, उत्तर प्रदेश-210001

385. श्री रोहिताश सक्सेना, हेड कांस्टेबल, अमरोहा, उत्तर प्रदेश-244221

386. श्री सुरेश चन्द्र राजपूत, हेड कांस्टेबल, कौशाम्बी, उत्तर प्रदेश-212214

387. श्री चन्द्र प्रकाश शर्मा, हेड कांस्टेबल चालक, मेरठ, उत्तर प्रदेश-250004

388. श्री मुनेन्द्र पाल सिंह, हेड कांस्टेबल, बिजनौर, उत्तर प्रदेश-246701

389. श्री जगदीश सिंह, हेड कांस्टेबल, एटा, उत्तर प्रदेश-207001

390. श्री राजेन्द्र पाल, हेड कांस्टेबल, मेरठ, उत्तर प्रदेश-250004

391. श्री प्रहलाद सिंह, हेड कांस्टेबल, मुरादाबाद, उत्तर प्रदेश-244001

392. श्री महेन्द्र नाथ राय, कांस्टेबल, 39वीं बटालियन पीएसी मिर्जापुर, उत्तर प्रदेश-231001

393. श्री अभय नारायण चौबे, कांस्टेबल, खाद्य सेल लखनऊ, उत्तर प्रदेश-226001

394. श्री विनोद कुमार सिंह, उप-निरीक्षक (लेखा), एटीएस, लखनऊ, उत्तर प्रदेश-226008

395. श्री ओम प्रकाश पाठक, उप-निरीक्षक (लेखा), उपमहानिरीक्षक, रेलवे का कार्यालय, लखनऊ, उत्तर प्रदेश-226001

396. श्री रविन्द्र मोहन सिंह यादव, उप-निरीक्षक (एम), विशेष पूछताछ लखनऊ, उत्तर प्रदेश-226001

397. श्री रहीमुद्दीन, उप-निरीक्षक (लेखा), आगरा, उत्तर प्रदेश-282003

398. श्री सुन्दर सिंह, निरीक्षक, सीतापुर, उत्तर प्रदेश-261001

399. श्री नारायण सिंह नपलच्याल, उपमहानिरीक्षक, फायर सर्विस देहरादून, उत्तराखण्ड-248001

400. श्री योगेन्द्र सिंह रावत, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, टिहरी गढ़वाल, उत्तराखण्ड-249121

401. श्री बिरेन्द्र प्रसाद डबराल, उप पुलिस अधीक्षक, 40वीं बटालियन पीएसी हरिद्वार, उत्तराखण्ड-263153

402. श्री भगवान सिंह, पीसी वीएस, 46वीं बटालियन पीएसी रूद्रपुर, उत्तराखण्ड-263153

403. श्री श्याम सुन्दर पाण्डेय, उप-निरीक्षक वीएस, पुलिस लाइन अल्मोड़ा, उत्तराखण्ड-263601

404. श्री तेनजिंग भूटिया, उप पुलिस आयुक्त (II), सुरक्षा कंट्रोल संगठन, कोलकाता, पश्चिम बंगाल-700020

405. श्री सुभाष प्रधान, उप पुलिस अधीक्षक, पुलिस महानिरीक्षक कार्यालय, उत्तर बंगाल, सिलिगुड़ी, पश्चिम बंगाल-734001

406. श्री तपन कुमार प्रमाणिक, सहायक पुलिस आयुक्त, पूर्वी सबअरबन संभाग, कोलकाता, पश्चिम बंगाल-700010

407. श्री सुबोध कुमार साहा, सहायक पुलिस आयुक्त, 4वीं बटालियन, कोलकाता आर्मड पुलिस, पश्चिम बंगाल-700064

408. श्री मनोज कुमार साहा, निरीक्षक, रिजर्व पुलिस निरीक्षक, पश्चिम मेदिनीपुर, पश्चिम बंगाल-721101

409. श्री असीम कुमार नाग, पुलिस निरीक्षक, सीआईडी, पश्चिम बंगाल, भाबनी भवन, 31, बेलवेदरे रोड़, अलीपुर, कोलकाता, पश्चिम बंगाल-700027

410. श्री सिद्धार्थ शंकर चटर्जी, पुलिस निरीक्षक, 3 बटालियन, कोलकाता आर्मड पुलिस, पश्चिम बंगाल-700027

411. श्री अमानुल्लाह, पुलिस निरीक्षक, पोर्ट संभाग, कोलकाता, पश्चिम बंगाल-700043

412. श्रीमती सुजाता मित्रा, महिला पुलिस उपनिरीक्षक, सीआईडी, पश्चिम बंगाल, भाबनी भवन, 31, बेलवेदरे रोड़, अलीपुर, कोलकाता, पश्चिम बंगाल-700027

413. श्री शंकर चौधुरी, ओसी टिटागढ़ पुलिस स्टेशन, 33/35, बी.टी. रोड़, टिटागढ़, निकट टिटागढ़ निगम कार्यालय, पश्चिम बंगाल-700119

414. श्री सुशांत कुमार मंडल, पुलिस उप-निरीक्षक (यूबी, उग्रवाद-रोधी बल, पश्चिम बंगाल, 307 गरिया मेन रोड, पोस्ट-गरिया गार्डन, पुलिस स्टेशन-सोनारपुर, कोलकाता, पश्चिम बंगाल-700084

415. श्री बिक्रम सिंह, उप-निरीक्षक (आर्मड शाखा), एसवीएसपीए, पश्चिम बंगाल, पश्चिम बंगाल-700120

416. श्री सनत कुमार मेटया, आर्मड सहायक उप-निरीक्षक, बिग्रेड मुख्यालय, कोलकाता आर्मड पुलिस, पश्चिम बंगाल-700027

417. श्री प्रबीर घोष, सहायक पुलिस उप-निरीक्षक, पश्चिम बंगाल पुलिस निदेशालय, भवानी भवन, 31, बेलवेदरे रोड़, अलीपुर, पश्चिम बंगाल-700027

418. श्री शम्भू नाथ, सहायक पुलिस उप-निरीक्षक, ट्रैफिक, मुख्यालय, पश्चिम बंगाल, आरक्षा भवन, प्रथम तल, ब्लॉक-डीजे, सेक्टर-II, साल्ट लेक शहर, कोलकाता, पश्चिम बंगाल-700091

419. श्री राकेश कुमार उपाध्याय, सहायक पुलिस उप-निरीक्षक, एसओजी सेल, एचआरडी, पोस्ट ऑफिस-बिकी हन्कोला, पुलिस स्टेशन-पंचला, जिला-हावड़ा, पश्चिम बंगाल-711322

420. श्री संदीप कुमार डिंडा, उप-निरीश्रक (यूबी), प्रवर्तन शाखा, 55/1 कान्तापुकुर तीसरी बे लेन, इच्छापुर, बंतरा हावड़ा, पश्चिम बंगाल-711101

421. श्री रंजीत कुमार सिंह, पुलिस चालक, एलओआर (मुख्यालय) डायमंड हार्बर पुलिस जिला, पश्चिम बंगाल-700104

422. श्री उज्जवल मुखर्जी, कांस्टेबल, प्लेस एसओजी, बीरभूम पोस्ट ऑफिस एवं पुलिस स्टेशन-सुरी, जिला-बीरभूम, पश्चिम बंगाल-731101

423. श्री शेख नसीरुद्दीन, कांस्टेबल, सीआईडी, पश्चिम बंगाल, भाबनी भवन, 31, बेलवेदरे रोड़, अलीपुर, कोलकाता, पश्चिम बंगाल-700027

424. श्री अब्दुल रहमान, उप-निरीक्षक, एसएचओ पुलिस स्टेशन कटचल, अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह-744304

425. श्री चरणजीत सिंह विर्क, उप पुलिस अधीक्षक, महिला एवं बाल सहायता इकाई यूनिट सेक्टर 17, चंडीगढ-160017

426. श्रीमती प्रवेश शर्मा, निरीक्षक, पीसीआर पुलिस लाइन सेक्टर-26, चंडीगढ़-160026

427. श्री रंजीत सिंह, निरीक्षक, एसएचओ, पुलिस स्टेशन मनिमाजरा, चंडीगढ़-160101

428. श्री अमरजीत सिंह, उप-निरीक्षक, सीआईडी विंग, सेक्टर-9, चंडीगढ़-160009

429. श्री वी. रिचर्ड, स्पेशल जी.आर. सहायक पुलिस उप-निरीक्षक, पुदुचेरी-605001

430. श्रीमती एस. जांगी, पुलिस उप-निरीक्षक, पुदुचेरी-605001

431. श्री संजय लिम्बु, सूबेदार मेजर, खोंसा, असम राइफल्स-932016

432. श्री दिलिप कुमार तमांग, सूबेदार मेजर,शामातोर, असम राइफल्स-932045

433. श्री जलेश कुमार, अधीक्षक, शिलांग, असम राइफल्स-793011

434. श्री अशोक कुमार, सूबेदार, कोहिमा, असम राइफल्स-93003

435. श्री जगदीश चन्द, सूबेदार, काशीराम बस्ती, असम राइफल्स-932005

436. श्री अलियो हरंगख्वाल, सूबेदार, कैथलमनबी, असम राइफल्स-932006

437. श्री गोरख चन्द, सूबेदार, सेहलोन, असम राइफल्स-932019

438. श्री कलम सिंह बिष्ट, नायब सूबेदार, सोमसाई, असम राइफल्स-932027

439. श्री पीताम्बर थापा, सूबेदार, लोकरा, असम राइफल्स-932024

440. श्री उमेद सिंह, सूबेदार, चिस्वेमा, असम राइफल्स-932014

441. श्री बचन सिंह डोगरा, नायब सूबेदार, मोरेह, असम राइफल्स-932041

442. श्री जादुमणि बारिक, नायब सूबेदार, शिलांग, असम राइफल्स-793010

443. श्री मधु एस, वारन्ट ऑफिसर, मंत्रीपुखरी, असम राइफल्स-932015

444. श्री मोहम्मद अब्दुल मनान, वारन्ट ऑफिसर, मारम, असम राइफल्स-932034

445. श्री राम बहादुर ठाकुर, वारन्ट अधिकारी, अगरतला, असम राइफल्स-932021

446. श्री संदीप रावत, कमांडेंट, एसटीएस बीएसएफ चाकुर, महाराष्ट्र, बीएसएफ-413513

447. श्री राजेश सिंह कंवर, कमांडेंट, सेक्टर मुख्यालय बीएसएफ भिलाई, दुर्ग, छत्तीसगढ, बीएसएफ-490006

448. श्री रमेश कुमार शर्मा, कमांडेंट, फ्रंटियर मुख्यालय बीएसएफ पलौरा कैम्प, जम्मू, बीएसएफ-181124

449. श्री सुमन फ्लोरेन्स तिर्के, कमांडेंट, कमांड मुख्यालय (विशेष ऑपरेशन) बीएसएफ नई दिल्ली-110003

450. श्री सी.एच. सेथुराम, कमांडेंट,162वीं बटालियन बीएसएफ कैनूर कैम्प केरल, बीएसएफ-680751

451. श्री सुधीन्द्र कुमार सिंह, कमांडेंट, बीएसएफ अकादमी टेकनपुर, ग्वालियर (मध्य प्रदेश), बीएसएफ-475005

452. श्री मनीष औल, कमांडेंट, सेक्टर मुख्यालय बीएसएफ उदयपुर, बीएसएफ-313004

453. श्री सुखमिंदरजीत सिंह मण्ड, कमांडेंट, 56वीं बटालियन बीएसएफ साम रोड़ जैसलमेर (राजस्थान), बीएसएफ-345001

454. श्री राजा पॉल, कमांडेंट, उप-महानिरीक्षक, (मुख्यालय) एफएचक्यू बीएसएफ, आर.के.पुरम, नई दिल्ली, बीएसएफ-110066

455. श्री एस. शिवा मूर्ति, कमांडेंट, फ्रंटियर मुख्यालय (विशेष ऑपरेशन) बीएसएफ ओडिशा, बीएसएफ-560063

456. श्री सुरिन्दर सिंह राणा, एलओ जीडीई-I/कमांडेंट, मुख्यालय विशेष महानिदेशक (डब्ल्यू सी) चंडीगढ़, बीएसएफ-140308

457. श्री दलबीर सिंह, सेकेंड-इन-कमांड, 55वीं बटालियन बीएसएफ, पानीसागर, त्रिपुरा, बीएसएफ-799260

458. श्री यशपाल, सेकेंड-इन-कमांड, फ्रंटियर मुख्यालय बीएसएफ जम्मू (जम्मू एवं कश्मीर), बीएसएफ-181124

459. श्री मदन मोहन काण्डपाल, उप कमांडेंट, 03 बटालियन बीएसएफ, नालकाटा, त्रिपुरा, बीएसएफ-799266

460. श्री मदन सिंह, उप कमांडेंट, (स्पोर्टस), 71वीं बटालियन बीएसएफ, राजस्थान, बीएसएफ-342026

461. श्री अनुराग कुमार आजाद, उप कमांडेंट, 1 बटालियन बीएसएफ, लुंगलेई, मिजोरम, बीएसएफ-796701

462. श्री सुरेन्द्र सिंह उप कमांडेंट, 62वीं बटालियन बीएसएफ, पलैरा कैम्प जम्मू (जम्मू एवं कश्मीर), बीएसएफ-181124

463. श्री जगदीप कुमार, उप कमांडेंट, उप महानिरीक्षक (मुख्यालय) एफएचक्यू बीएसएफ, आर.के.पुरम नई दिल्ली, बीएसएफ-110066

464. श्री कुंज बिहारी प्रसाद, उप कमांडेंट, फ्रंटियर मुख्यालय बीएसएफ एम एंड सी, मासिमपुर, सिलचर (असम), बीएसएफ-788025

465. श्री रामेश्वर लाल बिश्नोई, उप कमांडेंट, 161वीं बटालियन बीएसएफ, रामगढ़, राजस्थान, बीएसएफ-345020

466. श्री लखविन्दर सिंह बराड, उप कमांडेंट, 91वीं बटालियन बीएसएफ, श्री करनपुर श्रीगंगानगर (राजस्थान), बीएसएफ-335073

467. श्री पूर्ण मल मीना, उप कमांडेंट, 78वीं बटालियन बीएसएफ, वैष्णव नगर, मालदा (पश्चिम बंगाल), बीएसएफ-732127

468. श्री त्रियुगी नाथ मौर्य, सहायक कमांडेंट, 51वीं बटालियन बीएसएफ, कदमतला, पश्चिम बंगाल, बीएसएफ-734011

469. श्री मुरारी लाल मीना, सहायक कमांडेंट, 151वीं बटालियन बीएसएफ, बाडमेर, राजस्थान, बीएसएफ-344001

470. श्री जैकब कोशी, सहायक कमांडेंट, 03 बटालियन बीएसएफ, ढलाई त्रिपुरा, बीएसएफ-799266

471. श्री सुरेश कुमार, सहायक कमांडेंट, सेक्टर मुख्यालय बीएसएफ, प्लौरा कैम्प, जम्मू (जम्मू एवं कश्मीर), बीएसएफ-181124

472. श्री वी. नागराजन, सहायक कमांडेंट (मिनिस्ट्रियल), एसटीसी बीएसएफ बेंगलुरू, बीएसएफ-452005

473. श्री हरि कृष्ण, निरीक्षक (जीडी), सीएसडब्ल्यूटी बीएसएफ, बिजासन रोड़, इंदौर (मध्य प्रदेश), बीएसएफ-452005

474. श्री कैलाश बाबू, निरीक्षक (जीडी), 65वीं बटालियन बीएसएफ, राधाबाड़ी, पश्चिम बंगाल, बीएसएफ-735135

475. श्री अजीत सिंह शेखावत, निरीक्षक (जीडी), 78वीं बटालियन बीएसएफ, वैष्णव नगर, मालदा (पश्चिम बंगाल), बीएसएफ-732127

476. श्री सुरेन्द्र सिंह, निरीक्षक (जीडी), एसटीसी, बीएसएफ खारकन कैम्प, पंजाब, बीएसएफ-146000

477. श्री सुमेर सिंह, उप-निरीक्षक (जीडी), 133वीं बटालियन बीएसएफ, नालकाटा, त्रिपुरा, बीएसएफ-799266

478. श्री जवाहर यादव, निरीक्षक (जीडी), 115वीं बटालियन बीएसएफ, बाडमेर, राजस्थान, बीएसएफ-344001

479. श्री पुष्परंजन आर, निरीक्षक (जीडी), एसटीसी बीएसएफ, बैकुण्ठपुर, पश्चिम बंगाल, बीएसएफ-734008

480. श्री अशोक कुमार, निरीक्षक (जीडी), 38वीं बटालियन बीएसएफ, कूचबिहार, पश्चिम बंगाल, बीएसएफ-736179

481. श्री राजबीर सिंह तोमर, निरीक्षक (जीडी), सीएसएमटी बीएसएफ टेकनपुर, बीएसएफ-344001

482. श्री हैकिशे सीमा, निरीक्षक (जीडी), 111वीं बटालियन बीएसएफ मार्फत 99 एपीओ, बीएसएफ-795006

483. श्री मोहन कुमार ए.एम, निरीक्षक (आरएम), एसटीएस बीएसएफ, बैंगलुरू, बीएसएफ-700129

484. श्री दलबीर सिंह, निरीक्षक (आरओ), एसटीएस-I, टिगरी, एम. बी. रोड़, नई दिल्ली, बीएसएफ-110080

485. श्री हयात सिंह पुण्डीर, उप-निरीक्षक (जीडी) अब निरीक्षक (जीडी), 96वीं बटालियन बीएसएफ, रामपुरा, फाजिल्का, पंजाब, बीएसएफ-152123

486. श्री अशोक कुमार, उप-निरीक्षक (जीडी), एसटीसी बीएसएफ, उधमपुर, बीएसएफ-182101

487. श्री निखिल चन्द्र शर्मा, उप-निरीक्षक (जीडी), 179वीं बटालियन बीएसएफ, डिगबेरिया, कोलकाता, बीएसएफ-700129

488. श्री बी.चन्द्रशेखर राजू, उप-निरीक्षक (जीडी), 10वीं बटालियन बीएसएफ शिकर, डीबीएन, गुरदासपुर, पंजाब, बीएसएफ-143605

489. श्री सरजीत सिंह, उप-निरीक्षक (जीडी), उप-महानिरीक्षक (मुख्यालय), एफएचक्यू बीएसएफ, आर.के.पुरम, नई दिल्ली, बीएसएफ-110066

490. श्री पारस राम, उप-निरीक्षक (जीडी), 170वीं बटालियन बीएसएफ, माधोपुर, पंजाब, बीएसएफ-145024

491. श्री किशन लाल, सीटी (टेलर), एसटीसी, बीएसएफ इंदौर, बीएसएफ-452005

492. श्री अजय कुमार, वरिष्ठ कमांडेंट, एपीएस मुख्यालय नई दिल्ली, सीआईएसएफ-110037

493. श्री महेन्द्र कुमार यादव, वरिष्ठ कमांडेंट, सीआईएसएफ यूनिट कोप्ट कोलकाता, सीआईएसएफ-700043

494. श्रीमती आराधना, वरिष्ठ कमांडेंट, सीआईएसएफ सेज मुख्यालय कोलकाता, सीआईएसएफ-700107

495. श्री अनिल दामोर, वरिष्ठ कमांडेंट, सीआईएसएफ यूनिट एसएसजी नोएडा, सीआईएसएफ-201306

496. श्री शिवेन्द्र प्रताप सिंह तोमर, कमांडेंट, सीआईएसएफ यूनिट भेल हैदराबाद, सीआईएसएफ-502032

497. श्री अजय कुमार झा, कमांडेंट, सीआईएसएफ यूनिट बीआरबीएनएमपीएल सालबोनी, सीआईएसएफ-721132

498. श्री ललित शेखर झा, कमांडेंट, सीआईएसएफ यूनिट ओएनजीसी मुम्बई, सीआईएसएफ-400016

499. श्री कृष्ण सारस्वत, कमांडेंट, सीआईएसएफ यूनिट बीआरपीएल बोंगाई गांव, सीआईएसएफ-783385

500. श्री यशपाल सिंह शेखावत, उप कमांडेंट,सीआईएसएफ यूनिट आईजीएसटीपीपी झारली, झज्जर,हरियाणा, सीआईएसएफ-124141

501. श्री देवेन्द्र सिंह, सहायक कमांडेंट/एक्जी, सीआईएसएफ एनएस मुख्यालय नई दिल्ली, सीआईएसएफ-110037

502. श्री शिव प्रकाश, सहायक कमांडेंट, सीआईएसएफ यूनिट डीएई कलपक्कम, सीआईएसएफ-603102

503. श्री हरेन्द्र कुमार, सहायक कमांडेंट/एक्जी, सीआईएसएफ यूनिट केएचएसटीपीपी कहलगांव, सीआईएसएफ-813214

504. श्री टी. पी. अब्दुल लतीफ, सहायक उप-निरीक्षक/एक्जी, सीआईएसएफ यूनिट सीपीटी कोचीन, सीआईएसएफ-682009

505. श्री टिकेन्द्रजीत तालुकदार, सहायक उप-निरीक्षक/एक्जी, सीआईएसएफ यूनिट आईओसीएल बोंगाईगांव, सीआईएसएफ-783385

506. श्री भक्ता बहादुर सुब्बा, सहायक उप-निरीक्षक/एक्जी, सीआईएसएफ यूनिट डीएसपी दुर्गापुर (डब्ल्यूबी), सीआईएसएफ-713203

507. श्री चन्द्र कुमारन के., सहायक उप-निरीक्षक/एक्जी, सीआईएसएफ यूनिट आईआईएसटी वालियामाला, सीआईएसएफ-695547

508. श्री धनराज सिंह ठाकुर, सहायक उप-निरीक्षक/एक्जी, सीआईएसएफ यूनिट बीएसपी भिलाई, सीआईएसएफ-490001

509. श्री तपन सरकार, सहायक उप-निरीक्षक/एक्जी, सीआईएसएफ यूनिट एनआरएल नुमालीगढ़, सीआईएसएफ-785699

510. श्री आर. नवकुमार, सहायक उप-निरीक्षक/एक्जी, सीआईएसएफ यूनिट एनआरएससी बालानगर, सीआईएसएफ-500037

511. श्री प्रेमन के, सहायक उप-निरीक्षक/एक्जी, सीआईएसएफ यूनिट आईपीआरसी महेन्द्रगिरि, सीआईएसएफ-627133

512. श्री श्रीनिवासुलु जी, सहायक उप-निरीक्षक/एक्जी, सीआईएसएफ यूनिट एनआरएससी बालानगर, सीआईएसएफ-500037

513. श्री रामुलू टी, सहायक उप-निरीक्षक/एक्जी, सीआईएसएफ यूनिट वीएसएससी थुम्बा, सीआईएसएफ-695022

514. श्री राम नरेश प्रसाद, सहायक उप-निरीक्षक/एक्जी, सीआईएसएफ यूनिट डब्ल्यूसीएल छिंदवाड़ा, सीआईएसएफ-480441

515. श्री मनीष कुमार सच्चर, उप-महानिरीक्षक, रेंज मुख्यालय, सीआरपीएफ, रांची, सीआरपीएफ-834004

516. श्री प्रभाकर त्रिपाठी, कमांडेंट, 191वीं बटालियन, सीआरपीएफ, गढ़चिरोली, महाराष्ट्र, सीआरपीएफ-441207

517. श्री राकेश राव, कमांडेंट, 201 कोबरा, सीआरपीएफ, जगदलपुर, छत्तीसगढ, सीआरपीएफ-494001

518. श्री राकेश कुमार, कमांडेंट, 55वीं बटालियन, सीआरपीएफ, बवाना, दिल्ली, सीआरपीएफ-110039

519. श्री संदीप कुमार चौबे, कमांडेंट, जीसी, सीआरपीएफ, भोपाल, सीआरपीएफ-462045

520. श्री मोहम्मद जामल खान, कमांडेंट, प्रशिक्षण केन्द्र, एनएसजी, मानेसर, गुरूग्राम, हरियाणा, सीआरपीएफ-122051

521. श्री उदय प्रताप सिंह, कमांडेंट, 23वीं बटालियन सीआरपीएफ, श्रीनगर, जम्मू एवं कश्मीर, सीआरपीएफ-190010

522. श्री आनन्द झा, कमांडेंट, 184वीं बटालियन, सीआरपीएफ झारग्राम, पश्चिम बंगाल, सीआरपीएफ-721507

523. श्री राजीव कुमार, कमांडेंट, 35वीं बटालियन, सीआरपीएफ, हुमहमा, जम्मू एवं कश्मीर सीआरपीएफ-190007

524. श्री सुखवीर सिंह, सेकेंड-इन-कमांड, 127वीं बटालियन, सीआरपीएफ, खंडमाल, ओडिशा, सीआरपीएफ-761126

525. श्री फ्रांसिस टिर्की, सेकेंड-इन-कमांड, 114वीं बटालियन, आरएएफ, सीआरपीएफ, जालंधर, पंजाब, सीआरपीएफ-144805

526. श्री किशोर कुमार कंहार, सेकेंड-इन-कमांड, 21वीं बटालियन, सीआरपीएफ, श्रीनगर, जम्मू एवं कश्मीर, सीआरपीएफ-190001

527. श्री गोबर्धन सेठी, सेकेंड-इन-कमांड, 165वीं बटालियन, सीआरपीएफ, सलुआ, पश्चिम बंगाल, सीआरपीएफ-721145

528. श्री सूर्या मणि बेहरा, सेकेंड-इन-कमांड, रेंज मुख्यालय, सीआरपीएफ, जमशेदपुर, सीआरपीएफ-832111

529. श्री बिरेश्वर साहा, उप कमांडेंट, जीसी, सीआरपीएफ, अगरतला, सीआरपीएफ-799012

530. श्री सुकमल डे, उप कमांडेंट, पुलिस उप-महानिदेशक ऑपरेशन, सीआरपीएफ, मेदिनापुर, सीआरपीएफ-721145

531. श्री अशोक कुमार सिल, उप कमांडेंट, 167वीं बटालियन, सीआरपीएफ, कोलकाता, सीआरपीएफ-700007

532. श्री पीर मोहम्मद, उप कमांडेंट, जीसी, सीआरपीएफ, खटखटी, सीआरपीएफ-782480

533. श्री डोल्फी जैकव, उप कमांडेंट, जीसी, सीआरपीएफ, जमशेदपुर, सीआरपीएफ-832107

534. श्री रंजीत सिंह, निरीक्षक/जीडी, 166वीं बटालियन, सीआरपीएफ, सिद्धरा, जम्मू एवं कश्मीर, सीआरपीएफ-180019

535. श्री सतबीर सिंह, निरीक्षक/जीडी, 40वीं बटालियन, सीआरपीएफ, अनन्तनाग, जम्मू एवं कश्मीर, सीआरपीएफ-192101

536. श्री हनुमान सिंह, निरीक्षक/जीडी, 35वीं बटालियन, सीआरपीएफ, श्रीनगर, जम्मू एवं कश्मीर, सीआरपीएफ-190007

537. श्री दर्शन कुमार, निरीक्षक/जीडी, 137वीं बटालियन, सीआरपीएफ, उधमपुर, जम्मू एवं कश्मीर, सीआरपीएफ-182101

538. श्री रणधीर सिंह शेखावत, निरीक्षक/जीडी, 03 बटालियन, सीआरपीएफ, श्रीनगर, जम्मू एवं कश्मीर, सीआरपीएफ-190004

539. श्री सहदेव सिंह मुण्डा, निरीक्षक/जीडी, 133वीं बटालियन, सीआरपीएफ, रांची, झारखंड, सीआरपीएफ-834004

540. श्री जी.एन. पाण्डेय, निरीक्षक/जीडी, 47वीं बटालियन, सीआरपीएफ, आरा, बिहार, सीआरपीएफ-802160

541. श्री शंकर लाल शर्मा, निरीक्षक/जीडी, सीटीसी, सीआरपीएफ, नीमच, मध्य प्रदेश, सीआरपीएफ-458445

542. श्री सोहन लाल, निरीक्षक/जीडी, 166वीं बटालियन, सीआरपीएफ, सिद्धरा, जम्मू एवं कश्मीर, सीआरपीएफ-180019

543. श्री जय राम, निरीक्षक/जीडी, आरटीसी, सीआरपीएफ, अवाड़ी, सीआरपीएफ-600065

544. श्री जयपाल सिंह, निरीक्षक/जीडी, 83वीं आरएएफ, सीआरपीएफ, जयपुर (राजस्थान), सीआरपीएफ-302027

545. श्री चन्द्र भान, निरीक्षक/जीडी, आरटीसी, सीआरपीएफ, जोधपुर, सीआरपीएफ-335804

546. श्री प्रताप सिंह, उप-निरीक्षक/जीडी, 179वीं बटालियन, सीआरपीएफ, बारामूला, जम्मू एवं कश्मीर, सीआरपीएफ-193201

547. श्री जोगा सिंह, उप-निरीक्षक/जीडी, 21वीं बटालियन, सीआरपीएफ, श्रीनगर, जम्मू एवं कश्मीर, सीआरपीएफ-190001

548. श्री अंगद पाण्डे, उप-निरीक्षक/जीडी, जीसी, सीआरपीएफ, रांची, सीआरपीएफ-834004

549. श्री जी मानिनाथन पिल्लै, उप-निरीक्षक/जीडी, 97वीं आर.ए.एफ, सीआरपीएफ, आवड़ी, सीआरपीएफ-600065

550. श्री मोहम्मद यासीन, उप-निरीक्षक/जीडी, 54वीं बटालियन, सीआरपीएफ, श्रीनगर, जम्मू एवं कश्मीर, सीआरपीएफ-190001

551. श्री सिकंदर अली, उप-निरीक्षक/जीडी, 183वीं बटालियन, सीआरपीएफ, पुलवामा, जम्मू एवं कश्मीर, सीआरपीएफ-192301

552. श्री लखविंदर सिंह, उप-निरीक्षक/जीडी, 181वीं बटालियन, सीआरपीएफ, बड़गाम, जम्मू एवं कश्मीर, सीआरपीएफ-191112

553. श्री भंवर लाल, उप-निरीक्षक/जीडी, जीसी-2, सीआरपीएफ, अजमेर (राजस्थान), सीआरपीएफ-305005

554. श्री निगथोजम टॉम्बा सिंह, उप-निरीक्षक/जीडी, 143वीं बटालियन, सीआरपीएफ, इम्फाल, मणिपुर, सीआरपीएफ-795004

555. श्री अब्राहम कुंजुमोन, उप-निरीक्षक/जीडी, 141वीं बटालियन, सीआरपीएफ, तेलंगाना, सीआरपीएफ-507136

556. श्री धुब मांझी, उप-निरीक्षक/जीडी, 110वीं बटालियन, सीआरपीएफ, पुलवामा, जम्मू एवं कश्मीर, सीआरपीएफ-190001

557. श्री सदन चन्द्रा भौमिक, उप-निरीक्षक/जीडी, 168वीं बटालियन, सीआरपीएफ, बीजापुर (सीजी), सीआरपीएफ-494444

558. श्री सेफी खान, सहायक उप-निरीक्षक/जीडी, 92वीं बटालियन सीआरपीएफ बारामुला, जम्मू एवं कश्मीर, सीआरपीएफ-193201

559. श्री लाडे केशव सोपान, सहायक उप-निरीक्षक/जीडी, 242वीं बटालियन सीआरपीएफ, पुणे, सीआरपीएफ-410507

560. श्री मनीराम, सहायक उप-निरीक्षक/जीडी, 195वीं बटालियन, सीआरपीएफ, दंतेवाड़ा (सीजी), सीआरपीएफ-494441

561. श्री गजेन्द्र सिंह, सहायक उप-निरीक्षक/जीडी, जीसी, सीआरपीएफ, अमेठी, सीआरपीएफ-228159

562. श्री सुरेन्द्र कुमार, सहायक उप-निरीक्षक/जीडी, 55वीं बटालियन, सीआरपीएफ, बवाना, सीआरपीएफ-110039

563. श्री जगदीश सिंह, सहायक उप-निरीक्षक/जीडी, 151वीं बटालियन, सीआरपीएफ, कोठागुड़म, तेलंगाना, सीआरपीएफ-507140

564. श्री सुरेश आर. ए, सहायक उप-निरीक्षक/जीडी, 143वीं बटालियन, सीआरपीएफ, इम्फाल, मणिपुर, सीआरपीएफ-795004

565. श्री नागेन्द्र राय, हेड कांस्टेबल/जीडी, 226वीं बटालियन, सीआरपीएफ, सुकमा (सी जी), सीआरपीएफ-494111

566. श्रीमती यशवंती, निरीक्षक/जीडी (महिला), 232वीं (एम) बटालियन, सीआरपीएफ, मेदिनीपुर (पश्चिम बंगाल), सीआरपीएफ-721147

567. श्रीमती ममता मुदुलि, हेड कांस्टेबल/जीडी (महिला), बी/213वीं बटालियन, सीआरपीएफ, इम्फाल, मणिपुर, सीआरपीएफ-795113

568. श्री सतनाम सिंह, निरीक्षक/आरओ, सीटीसी (टी एवं आई टी), सीआरपीएफ, रांची, सीआरपीएफ-834004

569. श्री विजया कुमार मोखशी एन, उप-निरीक्षक/आरओ, सी/2 सिंगनल बटालियन, सीआरपीएफ, बैंगलुरू, सीआरपीएफ-560064

570. श्री सैयद सलीमुद्दीन, उप-निरीक्षक/आर्मरर, जीसी, सीआरपीएफ, बैंगलुरू, सीआरपीएफ-560064

571. श्री कुंवर सिंह, हेड कांस्टेबल/चालक, 22वीं बटालियन, सीआरपीएफ, हजारीबाग, झारखंड़, सीआरपीएफ-825301

572. श्री शशि भूषण शर्मा, उप-महानिरीक्षक, एन डब्ल्यू फ्रंटियर मुख्यालय, आईटीबीपी मार्फत 56 एपीओ, आईटीबीपी-194101

573. श्री राज किशोर शाह, उप-महानिरीक्षक, सिगनल ट्रेनिंग स्कूल, आईटीबीपी, शिवपुरी (मध्य प्रदेश), आईटीबीपी-473551

574. श्री महेश कलावत, कमांडेंट, (टेलिकम्यूनिकेशन), अब उप-महानिरीक्षक (टेलिकम्यूनिकेशन), महानिदेशक, आईटीबीपी, ब्लॉक-2, सीजीओ कॉम्पलैक्स लोधी रोड़, नई दिल्ली, आईटीबीपी-110003

575. श्री धीरेन्द्र सिंह नेगी, सेकेंड-इन-कमांड, महानिदेशक, आईटीबीपी, ब्लॉक-2, सीजीओ कॉम्पलैक्स लोधी रोड़, नई दिल्ली, आईटीबीपी-110003

576. श्री रणजीत कुमार सिंह, उप कमांडेंट, 22वीं बटालियन आईटीबीपी, टिर्गो कैम्प, नई दिल्ली, आईटीबीपी-110062

577. श्रीमती भनिता टोमुन्गपी, सहायक कमांडेंट, सेक्टर मुख्यालय (डिब्रूगढ), आईटीबीपी, पोस्ट ऑफिसः मोहनबाड़ी, जिलाः डिब्रूगढ़ (असम), आईटीबीपी-786012

578. श्री राजेन्द्र सिंह, निरीक्षक (जीडी), उत्तर पूर्वी फ्रंटियर मुख्यालय, आईटीबीपी, इटानगर (अरुणाचल प्रदेश), आईटीबीपी-791111

579. श्री ओमबीर सिंह, निरीक्षक, केन्द्रीय प्रशिक्षण कॉलेज, आईटीबीपी, पोस्ट ऑफिस सहडोली जिलाः अलवर (राजस्थान), आईटीबीपी-301028

580. श्री बाबू लाल, निरीक्षक, 31वीं बटालियन, आईटीबीपी, पोस्ट ऑफिस युपिआ, जिलाः पापुम पारे (अरुणाचल प्रदेश), आईटीबीपी-791110

581. श्री सते सिंह बिष्ट, सहायक उप-निरीक्षक, आईटीबीपी, अकादमी, पोस्ट ऑफिसः मसूरी, जिलाः देहरादून, (उत्तराखण्ड), आईटीबीपी-248179

582. श्री राकेश कुमार, ग्रुप कमांडर, मुख्यालय एनएसजी, मेहराम नगर, पालम, नई दिल्ली-110037

583. श्री बिनोद टोप्पो, ग्रुप कमांडर, 11 एसआरजी, एनएसजी, मानेसर, गुरूग्राम, हरियाणा-122051

584. श्री राजेश कुमार लंगेह, सेकेंड-इन-कमांड, 26 एससीजी एनएसजी, आरएच मुम्बई, मिलिन्द नगर, अंधेरी (पूर्व) मुम्बई-400072

585. श्री कमल नाथ चौधरी, डिप्टी जेएजी, मुख्यालय एनएसजी, मेहराम नगर, पालम, नई दिल्ली-110037

586. श्री हरि नंदन सिंह बिष्ट, उप-महानिरीक्षक (जीडी), सेक्टर मुख्यालय, एसएसबी, पीलीभीत (यू.पी.)-262001

587. श्री वांगचिन नोरबु ईबी, उप-महानिरीक्षक, सेक्टर मुख्यालय, एसएसबी, रांगिया, जिला-कामरूप, असम-781354

588. श्री बलवान सिंह, कमांडेंट (जीडी), 54वीं बटालियन एसएसबी, बिजनी, जिला-चिरांग, असम-783390

589. श्री संजय कुमार शर्मा, कमांडेंट (जीडी), एफएचक्यू, एसएसबी, आर.के. पुरम, नई दिल्ली-110066

590. श्री मुकेश कुमार, कमांडेंट (जीडी), 2वीं बटालियन, एसएसबी, पाट्टन, जम्मू एवं कश्मीर-193121

591. श्री जगदीश कुमार शर्मा, उप कमांडेंट (जीडी), एफएचक्यू, एसएसबी, आर.के. पुरम, नई दिल्ली-110066

592. श्री राजदर्शन सिंह रावत, उप कमांडेंट (जीडी), ग्वालदम (उत्तराखंड)-246441

593. श्री महेन्द्र गुप्ता, अधीक्षण अभियंता (अभियंता), फ्रंटियर मुख्यालय, एसएसबी, लखनऊ-226010

594. श्री भगत राम, निरीक्षक (जीडी), 24वीं बटालियन एसएसबी, रांगिया (असम)-781354

595. श्री समीर रॉय, निरीक्षक (जीडी), सेक्टर मुख्यालय एसएसबी बोंगाईगांव, असम-783380

596. श्री थोकचाम रघुमनी सिंह, सहायक उप-निरीक्षक (जीडी), 33वीं बटालियन एसएसबी, केवती (छत्तीसगढ़)-494669

597. श्री विवेक प्रियदर्शी, सहायक महानिरीक्षक (पॉलिसी), सीबीआई, पॉलिसी प्रभाग, नई दिल्ली-110001

598. श्री सतीश चन्द्र डंडरियाल, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, सीबीआई, आईपीसीसी, नई दिल्ली-110003

599. श्री रंजन कुमार सेठी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, सीबीआई एसयू नई दिल्ली-110011

600. श्री इन्दूमोहन सिंह नेगी, उप पुलिस अधीक्षक, सीबीआई, सीमाद्वार, इंदिरानगर, देहरादून-248006

601. श्री मुकेश शर्मा, उप पुलिस अधीक्षक, सीबीआई, एससी-।।, नई दिल्ली-110003

602. श्री हिमांशु बहुगुणा, उप पुलिस अधीक्षक, सीबीआई, ईओ-।।, नई दिल्ली-110003

603. श्री राजेन्द्र सिंह गुंजियाल, उप पुलिस अधीक्षक, सीबीआई एसीबी, चंडीगढ़-160030

604. श्री संभाजी निवृत्ती मुरकुटे, पुलिस निरीक्षक, सीबीआई, ईओबी, मुम्बई-400098

605. श्री सुशील गोयल, पुलिस निरीक्षक, सीबीआई, एमडीएमए, नई दिल्ली-110003

606. श्रीमती एस श्रीमथी, पुलिस निरीक्षक, सीबीआई, एससी-।।।, नई दिल्ली-110003

607. श्री पवन कुमार कौशिक, पुलिस निरीक्षक, सीबीआई, ईओ-।।।, नई दिल्ली-110003

608. श्री रथिन कुमार दास, पुलिस उप-निरीक्षक, सीबीआई, बीएसएफबी, कोलकाता-700064

609. श्री चिचुला कान्त राव, सहायक उप पुलिस निरीक्षक, सीबीआई, एसीबी भुवनेश्वर-751012

610. श्री रणजीत सिंह बिष्ट, सहायक उप पुलिस निरीक्षक, सीबीआई, मुख्य कार्यालय, नई दिल्ली-110003

611. श्री भुवन चंद्रा कापरी, सहायक उप पुलिस निरीक्षक, सीबीआई, ईओ-।।, नई दिल्ली-110003

612. श्री मुतम रामो सिंह, सहायक उप पुलिस निरीक्षक, सीबीआई, एसीबी इम्फाल-795004

613. श्री चंद्रशेखरन पिल्लै, हेड कांस्टेबल, सीबीआई, एसीबी कोचीन-682017

614. श्री दुष्यंत सिंह, हेड कांस्टेबल, सीबीआई, एसीबी नई दिल्ली-110003

615. श्री मदन राम, हेड कांस्टेबल, सीबीआई, मुख्य कार्यालय, नई दिल्ली-110003

616. श्री अभिजीत सेन, हेड कांस्टेबल, सीबीआई, ईओ-IV, कोलकाता-700064

617. श्री धीर सिंह, हेड कांस्टेबल, सीबीआई, एसीबी गांधीनगर-382010

618. श्री महेश चन्द्र यादव, कांस्टेबल, सीबीआई अकादमी, गाजियाबाद-201002

619. श्री अजय कुमार बाली, कांस्टेबल, सीबीआई, एसीबी जम्मू-180012

620. श्रीमती अरूणा मोहन, कार्यालय अधीक्षक, सीबीआई, एसीबी, बेंगलूरू-560032

621. श्री प्रितेन्द्र कुमार, संयुक्त उप निदेशक, आईबी मुख्यालय, नई दिल्ली-110021

622. श्री अजयकुमार पी पाण्डया, संयुक्त उप निदेशक/तकनीकी, आईबी मुख्यालय, नई दिल्ली-110021

623. श्री हेम राज कपूर, संयुक्त उप निदेशक/एनपी, आईबी मुख्यालय, नई दिल्ली-110021

624. श्री उमेश, सहायक निदेशक, एसआईबी, लखनऊ-226001

625. श्री जयशंकर कुमार सिंह, सहायक निदेशक, आईबी मुख्यालय, नई दिल्ली-110021

626. श्री अशोक कुमार, सहायक निदेशक, आईबी मुख्यालय, नई दिल्ली-110021

627. श्री रवि सेठी, सहायक निदेशक, एसआईबी, चंडीगढ़-160019

628. श्री सहदेव सिंह, सहायक निदेशक, डीआरटीसी शिवपुरी,-473551

629. श्री सीबी जी, सहायक निदेशक, एसआईबी, श्रीनगर-190001

630. श्री इकबाल सिंह, सहायक निदेशक, एसआईबी, दिल्ली-110011

631. श्री एन्थनी आनन्द बेंजामिन, सहायक निदेशक/तकनीकी, आईबी मुख्यालय, नई दिल्ली-110021

632. श्री के के विजयन, सहायक निदेशक/स्टाफ अधिकारी, एसआईबी, बैंगलुरू-560001

633. श्री शुभाष चन्द्र मणि तिवारी, उप केन्द्रीय आसूचना अधिकारी, एसआईबी, रांची-834008

634. श्री मैत्थू कुरुविल्ला, उप केन्द्रीय आसूचना अधिकारी, एसआईबी, चेन्नई-600004

635. श्री प्रद्युत मजुमदार, उप केन्द्रीय आसूचना अधिकारी, एसआईबी, गुवहाटी-781036

636. श्री प्रदीप कुमार शील, उप केन्द्रीय आसूचना अधिकारी, एसआईबी, अगरतला-1799001

637. श्रीमती राखी भट्टाचार्या, उप केन्द्रीय आसूचना अधिकारी, एसआईबी, कोलकाता-700019

638. श्री खुंद्रक्पम मुहिन्द्रो सिंह, उप केन्द्रीय आसूचना अधिकारी/तकनीकी, आईबी मुख्यालय, नई दिल्ली-110021

639. श्री रमेश कुमार साहू, अनुभाग अधिकारी, आईबी मुख्यालय, नई दिल्ली-110021

640. श्री के. माधवन, निजी सचिव, एसआईबी, मुम्बई-400051

641. श्री करुण गंगोई, सहायक केन्द्रीय आसूचना अधिकारी-I, एसआईबी, गुवहाटी-781036

642. श्री पंकज कुमार, उप केन्द्रीय आसूचना अधिकारी-I, एसआईबी, रांची-834008

643. श्री रमन कुमार, सहायक केन्द्रीय आसूचना अधिकारी-I, आईबी मुख्यालय, नई दिल्ली-110021

644. श्री प्रियो कुमार युमनाम, सहायक केन्द्रीय आसूचना अधिकारी-I, एसआईबी, इम्फाल-795131

645. श्री सत्यनारायण यान्डापल्ली, सहायक केन्द्रीय आसूचना अधिकारी-II/एक्जी, एसआईबी, विजयवाडा-520007

646. श्री बंकिम जयंतीलाल रावल, सहायक केन्द्रीय आसूचना अधिकारी-।।/एक्जी, एसआईबी, अहमदाबाद-380004

647. श्री मनीष शर्मा, सहायक महानिरीक्षक, एसपीजी नई दिल्ली-110077

648. श्री सुनील कुमार शर्मा, सुरक्षा अधिकारी-।।, एसपीजी नई दिल्ली-110077

649. श्री राजेश कुमार, वरिष्ठ सुरक्षा सहायक, एसपीजी नई दिल्ली-110077

650. श्री सुंदरम कल्याण नागराजन, डाटा इंट्री आपरेटर ग्रेड बी, नई दिल्ली-110037

651. श्री बिशन सिंह, कांस्टेबल, नई दिल्ली-110037

652. श्री रणवीर सिंह त्यागी, उप पुलिस अधीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण अभिकरण, नई दिल्ली-110003

653. श्री विपिन कुमार, निरीक्षक, नई दिल्ली, केन्द्रीय अन्वेषण अभिकरण-110003

654. श्री श्रवण कुमार त्यागी, निरीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण अभिकरण, नई दिल्ली-110003

655. श्री राव नारायण पोगरी, हेड कांस्टेबल, केन्द्रीय अन्वेषण अभिकरण, हैदराबाद-500085

656. श्री बीजू सुधाकरण, कांस्टेबल, केन्द्रीय अन्वेषण अभिकरण, नई दिल्ली-110003

657. श्री आलोक कुमार, कमांण्डेंट, (उप-महानिरीक्षक एनबीआर के अधीन), 11वीं बटालियन एनडीआरएफ, वाराणसी-221002

658. श्री रवि कांत, सेकेंड-इन-कमांड, 9वीं बटालियन एनडीआरएफ पटना बिहार-801103

659. श्री भवानी सिंह, सहायक कमांडेंट, 01 बटालियन एनडीआरएफ पटगांव, पोस्ट आफिस-अजारा, जिला-कामरूप, गुवाहाटी-781017

660. श्री नारायण सिंह, सहायक उप-निरीक्षक (जीडी), 9वीं बटालियन एनडीआरएफ पटना, एनडीआरएफ-801103

661. श्री राज कुमार, निरीक्षक (जीडी), 08वीं बटालियन एनडीआरएफ गाजियाबाद, एनडीआरएफ-201002

662. श्री ज्योति कुमार सतीजा, उप-महानिरीक्षक, लखनऊ, रेल मंत्रालय-226011

663. श्री संजय कुमार गुप्ता, सहायक सुरक्षा आयुक्त, जोधपुर, रेल मंत्रालय-342001

664. श्री अनिल कुमार सिंह, सहायक कमांडेंट, गोरखपुर, रेल मंत्रालय-273002

665. श्री अश्विनी कुमार नलडिगा, सतर्कता अधिकारी, सिकन्दराबाद, रेल मंत्रालय-500003

666. श्री इंदु प्रकाश सिंह, एएससी, लखनऊ, रेल मंत्रालय-226011

667. श्री देवी सिंह मीना, सहायक उप-निरीक्षक, जयपुर, रेल मंत्रालय-332017

668. श्री बसप्पा लमानी, निरीक्षक, बेगूसराय, रेल मंत्रालय-851126

669. श्री विकास बजाज, उप-निरीक्षक, दिल्ली, रेल मंत्रालय-110035

670. श्री चंद्र प्रकाश दुबे, सहायक उप-निरीक्षक, वाराणसी, रेल मंत्रालय-221002

671. श्री रामबाबू शर्मा, उप-निरीक्षक, नवी मुम्बई, रेल मंत्रालय-400614

672. श्री परबत मदाम, उप-निरीक्षक चालक, नवी मुम्बई, रेल मंत्रालय-400614

673. श्री नारायण प्रसाद पांडेय, उप-निरीक्षक, बिलासपुर, रेल मंत्रालय-49504

674. श्री अजय बंदोपाध्याय, उप-निरीक्षक, बिलासपुर, रेल मंत्रालय-495004

675. श्री बिश्वदीप बोस, उप-निरीक्षक, ग्वारीघाट, रेल मंत्रालय-482008

676. श्री रामकुमार यादव, उप-निरीक्षक, नासिक, रेल मंत्रालय-422105

2. ये पुरस्कार, सराहनीय सेवा के लिए पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(ii) के तहत प्रदान किए जाते हैं।

पी. प्रवीण सिद्धार्थ
विशेष कार्य अधिकारी

दिनांक 13 जनवरी 2020

सं. 125-प्रेज/2019—राष्ट्रपति, असम पुलिस के निम्नलिखित अधिकारी को वीरता के लिए पुलिस पदक (मरणोपरांत) प्रदान करते हैं:—

अधिकारी का नाम और रैंक	
स्व. श्री भाष्कर कलिता उप निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक (मरणोपरांत)

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 04.05.2018 को अपराह्न 2.30 बजे उप निरीक्षक भाष्कर कलिता, कार्यालय प्रभारी, बोरडूमसा पुलिस स्टेशन, तिनसुकिया को एक आसूचना इनपुट प्राप्त हुई कि असम के तिनसुकिया जिले में तबाही मचाने और आसानी से उगाही का रास्ता बनाने के लिए पुलिस, सेना, अन्य सुरक्षा कार्मिकों और राजनीतिक पार्टी के पदाधिकारियों/सदस्यों पर घातक हमला करने के इरादे से प्रतिबंधित उग्रवादी समूह उल्फा (आई) [यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट ऑफ़ असम (स्वतंत्र)] के अत्यंत सशस्त्र कैडरों का एक समूह हाथियारों और विस्फोटकों से लैस होकर श्री कुलेश्वर बोरा उर्फ कोलिया बुरा के घर नंबर 3 कुजापाथर, थाना-बोरडूमसा में छिपा हुआ है।

विस्फोट, अपहरण और जबरन वसूली के लिए हत्या के साथ-साथ सुरक्षा बलों पर हमला करने के लिए उल्फा (आई) और युएनएलएफडब्ल्यूएसईए (यूनाइटेड लिबरेशन फ्रॉम ऑफ वेस्ट साउथ ईस्ट एशिया), जो कि तिनसुकिया जिले में उल्फा (आई) सहित पूर्वात्तर में संचालित हो रहे विभिन्न उग्रवादी संगठनों का एक अम्ब्रेला संगठन है, के काडरों के मौजूद होने के संबंध में आसूचना इनपुट पहले भी प्राप्त हुई थी।

उप निरीक्षक भाष्कर कलिता ने अपने उपलब्ध स्टाफ और एसडीपीओ, मरघेरिता, कोबरा पार्टी, सर्किल इंस्पेक्टर, पेनगिरी, प्रभारी-अधिकारी, पेनगिरी पुलिस स्टेशन, एआरपीजी पार्टी, सीआरपीएफ के साथ नंबर 3 कुजूपाथर इलाके की घेराबंदी की और तलाशी अभियान चलाया। ऑपरेशन के दौरान उल्फा (आई) काडरों ने सुरक्षा बलों को निशाना बना कर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी और हथगोले फेंके, जिसके परिणामस्वरूप उल्फा (आई) काडरों और बचाव कर रहे पुलिस एवं सुरक्षा कार्मिकों के बीच घमासान गोलीबारी हुई।

उग्रवादियों द्वारा गोलीबारी के कारण उप निरीक्षक भाष्कर कलिता को शरीर पर गोली लगने से कई चोटें पहुंची। उन्हें तत्काल इलाज के लिए तिनसुकिया सिविल अस्पताल ले जाया गया, जहाँ डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। उल्फा (आई) काडर विस्फोटकों, गोलाबारूद, जबरन वसूली संबंधी पत्र आदि सहित आपराधिक सामग्री छोड़कर भागने में सफल हो गए।

उप निरीक्षक कलिता ने अपने प्राणों का सर्वोच्च बलिदान देकर न केवल साथी पुलिस अधिकारियों/कर्मियों और सुरक्षा कार्मिकों के जान की रक्षा की, बल्कि उन्होंने उग्रवादियों के नापाक इरादों को भी विफल कर दिया।

इस ऑपरेशन में स्वर्गीय श्री भाष्कर कलिता, उप निरीक्षक ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

यह पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किया जाता है तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 04.05.2018 से दिया जाएगा।

पी. प्रवीण सिद्धार्थ
विशेष कार्य अधिकारी

सं. 126-प्रेज/2019—राष्ट्रपति, छत्तीसगढ़ पुलिस के निम्नलिखित अधिकारी को वीरता के लिए पुलिस पदक प्रदान करते हैं:—

अधिकारी का नाम और रैंक	
श्री सत्येंद्र तिवारी सहायक प्लाटून कमांडर	

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

छत्तीसगढ़ के जिला नारायणपुर में एसटीएफ-टीएफ-17 में तैनात प्लाटून कमांडर श्री सत्येंद्र तिवारी ने कई नक्सल रोधी ऑपरेशनों का सफलतापूर्वक नेतृत्व किया है।

इसी क्रम में अबूझमाड इलाके के कुतुल मोहंदी, कस्तूरमेटा, गटकल और डुमनार गाँव में मिलिट्री कंपनी नंबर 01 के सक्रिय माओवादियों को पकड़ने के लिए जिले में दिनांक 11/12.12.2016 को एसटीएफ और डीआरजी द्वारा एक संक्युत तलाशी ऑपरेशन शुरू

किया गया। दिनांक 13.12.2016 को डीआरजी, एसटीऍफ़ और ओरछा-35 पुलिस स्टेशन के कार्मिकों को साथ लेकर विभिन्न कैम्पों से एक संयुक्त तलाशी ऑपरेशन शुरू किया गया। 04 हेड कांस्टेबल, 32 कांस्टेबल, 15 सहायक कांस्टेबल को शामिल करते हुए एसटीएफ 17 का एक तलाशी दल एपीसी सत्येन्द्र तिवारी के नेतृत्व में गांव मोहंदी, कस्तूरमेटा, गटकल और डुमनार गाँव के लिए निकला तथा ऑपरेशन की गुप्तता को बनाये रखते हुए डीआरजी की एक मुख्य ऑपरेशन पार्टी ने 2335 बजे नारायण पुर से कूच किया।

दिनांक 13.12.2016 को 13.00 बजे डीआरजी और एसटीएफ के एक संयुक्त दल ने गांव मोहंदी, कस्तूरमेटा, गटकल और डुमनार गाँव के बीच घात लगाया। अचानक सशस्त्र माओवादी काडरों ने सुरक्षा बल के कार्मिकों पर स्वचालित और अर्धस्वचालित हथियारों से अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। प्रतिबंधित सशस्त्र माओवादी काडरों की मंशा सुरक्षा बल के कार्मिकों को क्षति पहुँचाना और उनके हथियारों को लूटने की थी। एपीसी सत्येंद्र तिवारी ने अपनी टुकड़ियों को जंगल में उपलब्ध कवर के साथ पोजीशन लेने का निर्देश दिया।

बाद में उन्होंने टुकड़ियों पर अब भी गोलीबारी कर रहे माओवादी काडरों से अपनी पहचान उजागर की और उनसे समर्पण करने को कहा। कोई विकल्प न बचने पर पार्टी कमांडर ने अपनी टुकड़ियों से आत्म रक्षा में गोलीबारी करने और सशस्त्र माओवादी काडरों की ओर युक्तिपूर्वक आगे बढ़ने को कहा, ताकि उन्हें गिरफ्तार किया जा सके।

दोनों ओर से गोलीबारी 90 मिनट से अधिक देर तक चली। गोलीबारी बंद होने के उपरान्त तलाशी दल ने घटना स्थल की घेराबंदी कर दी और पूरे इलाके की सघन तलाशी की। दो नक्सलियों के शव बरामद किये और काफी दूर तक खून के धब्बे दिखाई दिए, जो गोलीबारी में नक्सलियो के घायल होने को दर्शा रहा था। घटनास्थल से तलाशी दल ने मैगज़ीन के साथ 9 एमएम पिस्तौल-01 नग, 9 एमएम राउंड्स-02 नग, 12 बोर देशी कट्टा-01 नग, 12 बोर राइफल-01 नग, 12 बोर जिन्दा कारतूस-06 नग, 8 एमएम खाली राउंड-07 नग, स्कैनर मोटोरोला हैंड सेट-01 नग, माइक्रोफोन लीड-01 नग, मैक्स गोल्ड बैटरी-01 नग, तार-05 मीटर, नक्सली साहित्य-10 नग, डायरी-01 नग, कंघी के साथ आइना, मूव मलहम, टूथब्रश और दैनिक उपयोग की वस्तुएं, कपड़े से बने 02 बैक पैको के अंदर बरामद की। शव और उपरोक्त सभी बरामद और जब्त मदों को नारायण पुर लाया गया तथा आयुध अधिनियम की धारा 25 एवं 27 के तहत एवं आईपीसी अधिनियम की धारा 126/2017, 147, 148, 149, 307 के तहत मामला दर्ज दिया गया।

एपीसी सत्येन्द्र तिवारी और उनके दल ने सशस्त्र नक्सलियों से मुठभेड़ के दौरान असाधारण साहस और बुद्धिमत्ता का परिचय दिया तथा 02 नक्सलियों के शव और उपरोक्त मदों को बरामद करने में सफल रहे।

माओवादियों के विरुद्ध सफल ऑपरेशन एसटीएफ और एपीसी सत्येंद्र तिवारी द्वारा अनुकरणीय साहस, शौर्य एवं कार्य के प्रति समर्पण भावना के कारण ही संभव हो सका।

इस ऑपरेशन में श्री सत्येंद्र तिवारी, सहायक प्लाटून कमांडर ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

यह पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किया जाता है तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 13.12.2016 से दिया जाएगा।

पी. प्रवीण सिद्धार्थ
विशेष कार्य अधिकारी

सं. 127-प्रेज/2019—राष्ट्रपति, छत्तीसगढ़ पुलिस के निम्नलिखित अधिकारियों को वीरता के लिए पुलिस पदक प्रदान करते हैं:—

अधिकारियों के नाम और रैंक

सर्व/श्री

01. संतोष हेमला,
सहायक उप निरीक्षक

02. दशरथ नाग,
हेड कांस्टेबल

03. पतिराम पोडियामी
हेड कांस्टेबल

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

नेशनल पार्क एरिया कमेटी के माओवादी काडरों की मौजूदगी के बारे में विश्वस्त आसूचना इनपुट प्राप्त होने के बाद पुलिस स्टेशन फारसेगढ़ के मुरकम, सुन्सगुटा, मुक्कावेले, चोटेकाकलेर और तालमेंद्री गांवों के पहाड़ी जंगलों को लक्ष्य करते हुए एक तलाशी अभियान की योजना बनाई गई। उप निरीक्षक लीलाधर राठौड़ के समग्र कमांड के तहत बीजापुर से 85 डीआरजी के कार्मिकों को शामिल करते हुए अत्यंत कम समय में दो ऑपरेशनल टीमें गठित की गईं। समुचित बीफ्रिंग और योजना के उपरांत टीम बीजापुर पुलिस लाइन से दिनांक 12.12.2016 को ऑपरेशन के लिए निकली।

ऑपरेशन के दौरान दिनांक 12.12.2016 से 13.12.2016 तक दोनों टीमों ने घने जंगलों और पहाड़ियों में तलाशी की। दिनांक 14.12.2016 को सुबह, चोटेकाकलेर के जंगलों के निकट नक्सलियों की तलाशी करते हुए, टुकड़ियां लक्ष्य के निकट पहुंच गईं और एक दूसरे के समानांतर चलने लगीं। खड़ी पहाड़ी पर चढ़ते हुए उप निरीक्षक लीलाधर राठौड़ के नेतृत्व वाली पार्टी पर अचानक गोलीबारी शुरू हो गई। प्रतिबंधित सशस्त्र माओवादी काडरों ने स्वचालित एवं अर्धस्वचालित हथियारों से सुरक्षाकर्मियों पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। प्रतिबंधित सशस्त्र माओवादी काडरों की मंशा सुरक्षा बल कर्मियों को क्षति पहुंचाना और उनके हथियार लूटना था। बायीं ओर से दूसरी पार्टी अन्य दल को बचाने के लिए आगे बढ़ी। टुकड़ी के कमांडर ने अपनी टुकड़ियों को जंगल में उपलबध कवर के साथ पोजीशन लेने का निर्देश दिया। बाद में उन्होंने माओवादी काडरों, जो कि अब भी उन पर गोलीबारी कर रहे थे, को अपना परिचय दिया और उन्हें आत्मसमर्पण करने के लिए कहा। पुलिस अधिकारी की चेतावनी को नजरअंदाज करते हुए, माओवादी पुलिस कर्मियों को मारने की अपने पूर्वनिर्धारित योजना को अंजाम देने में लगे थे। कोई अन्य विकल्प न बचने पर, पार्टी कमांडर ने अपनी टुकड़ी से आत्मरक्षा में गोलीबारी शुरू करने और सशस्त्र माओवादियों को गिरफ्तार करने के लिए उनकी तरफ युक्तिपूर्वक ढंग से आगे बढ़ने को कहा।

अगले तीस से पैंतीस मिनट तक माओवादियों और सुरक्षा बलों के बीच लगातार गोलीबारी जारी रही। उप निरीक्षक लीलाधर राठौड़ के नेतृत्व और सहायक उप निरीक्षक संतोष हेमला, हेड कांस्टेबल/986 दशरथ नाग, हेड कांस्टेबल/35, पतिराम पोड़ियामी एवं अन्य लोगों के सहयोग वाली पार्टी ने वीरतापूर्वक जवाबी कार्रवाई की। जैसे ही पुलिस पार्टियां फिर से एकत्र हुईं और युक्तिपूर्वक ढंग से जवाबी कार्रवाई करने लगे तो घात और अंधाधुंध गोलीबारी में फंसे माओवादी अपने परिचित क्षेत्र और घने जंगलों के कवर का फायदा उठाते हुए घटनास्थल से भाग गए। लगभग पैंतीस मिनट तक अंधाधुंध गोलीबारी जारी रही, जिसमें माओवादियों ने लगभग 450-500 राउंड गोली चलाई।

गोलीबारी बंद होने के बाद पार्टी कमांडर ने पुलिस पार्टियों की सुरक्षा के बारे में जायजा लिया और इससे सुनिश्चित होने के पश्चात, मुठभेड़ स्थल की तलाशी का निर्देश दिया। तलाशी के दौरान, एक इन्सास राइफल, एक 12 बोर राइफल, इन्सास राइफल के 05 खाली डिब्बे, एसएलआर के 04 खाली डिब्बे, 01 पाउच, 02 पिट्ठू, 01 मेडिकल किट, नक्सली साहित्य आदि के साथ दो माओवादियों के शव बरामद किए गए। गोलीबारी में कोई भी सुरक्षा बल कर्मी घायल नहीं हुआ।

घटना के उपरांत आईपीसी की धारा 147, 148, 149, 307 और आयुध अधिनियम की धारा 25, 27 के तहत प्राथमिकी संख्या 11/2016 दर्ज की गई और मामले की जांच शुरू कर दी गई। बाद में शवों की शिनाखत जगतन्ना उर्फ सयाना, डीवीसीएम और पोयम भद्रू, जनमिलिशिया सदस्य के रूप में की गई।

उप निरीक्षक लीलाधर राठौड़, सहायक उप निरीक्षक संतोष हेमला, हेड कांस्टेबल दशरथ नाग, हेड कांस्टेबल पतिराम पोड़ियम ने अभूतपूर्व बहादुरी का प्रदर्शन किया, जो यह दर्शाता है कि वे बुद्धिमत्ता, उत्कृष्ट ऑपरेशनल सूझबूझ, अदम्य साहस, शौर्य और अविरल बहादुरी से परिपूर्ण है। अपने उत्कृष्ट ऑपरेशनल संबंधी चेतना के कारण उन्होंने नक्सलियों पर घात लगाकर मुठभेड़ का सफलतापूर्वक नेतृत्व करने में प्रमुख भूमिका निभाई, जोकि ऐसी परिस्थितियों एवं कठिन इलाके में प्राप्त करना अत्यंत कठिन था और उन्होंने नक्सली हमले को सफलतापूर्वक नाकाम कर दिया था।

इस ऑपरेशन में सर्व/श्री संतोष हेमला, सहायक उप निरीक्षक, दशरथ नाग, हेड कांस्टेबल और पतिराम पोडियामी, हेड कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किये जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 14.12.2016 से दिया जाएगा।

पी. प्रवीण सिद्धार्थ
विशेष कार्य अधिकारी

सं. 128-प्रेज/2019—राष्ट्रपति, छत्तीसगढ़ पुलिस के निम्नलिखित अधिकारियों को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक/वीरता के लिए पुलिस पदक (मरणोपरांत) प्रदान करते हैं:—

अधिकारियों के नाम और रैंक

सर्व/श्री

1. मालिक राम, उप निरीक्षक — वीरता के लिए पुलिस पदक

2. स्व. भुनेश्वर मंडावी, हेड कांस्टेबल — वीरता के लिए पुलिस पदक (मरणोपरांत)

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

प्रतिबंधित सीपीआई (माओवादी) काडरों के "गुफा, तोरमा, तुलार" गांव में मौजूद होने के बारे विशिष्ट इनपुट प्राप्त होने के बाद दिनांक 08.01.2017 को डीआर जी पार्टी इन गांवों की तरफ आगे बढी। दिनांक 10.01.2017 की सुबह डीआरजी पार्टी इरपनार गाँव में तलाशी के बाद कवानार गाँव की तरफ आगे बढ़ी। सशस्त्र माओवादी काडरों ने स्वचालित एवं अर्ध स्वचालित हथियारों से सुरक्षाबलों पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। प्रतिबंधित सशस्त्र माओवादी काडरों की मंशा सुरक्षा बल के कार्मिकों को क्षति पहुँचाना और उनके हथियार लूटना था। डीआरजी कमांडर उप निरीक्षक श्री मलिक राम ने तत्काल अपनी टुकड़ी को जंगल में उपलब्ध कवर में पोजीशन लेने का निर्देश दिया। बाद में उन्होंने टुकड़ियों पर गोलीबारी कर रहे माओवादियों काडरों से अपनी पहचान उजागर की और उनसे समर्पण करने को कहा। पुलिस अधिकारी की चेतावनी को नज़रअंदाज करते हुए माओवादियों ने पुलिस कर्मियों पर हमला करने की अपनी पूर्व-निर्धारित योजना को जारी रखा। कोई विकल्प न बचने पर पार्टी कमांडर ने अपनी टुकड़ियों से आत्म रक्षा में गोलीबारी करने और सशस्त्र माओवादी काडरों की ओर युक्तिपूर्वक आगे बढ़ने को कहा, ताकि उन्हें गिरफ्तार किया जा सके।

आरजी पार्टी ने नक्सलियों का पीछा किया और उन्हें चारो ओर से घेर लिया। श्री मलिक राम, उप निरीक्षक ने अपने पुलिस फॉर्मेशन के साथ नक्सलियों का पीछा किया, भारी गोलीबारी हुई और पुलिस कर्मियों ने कठिन परिस्थितियों में अदम्य वीरतापूर्ण कार्य और बहादुरी का प्रदर्शन किया। नक्सली पुलिस पार्टी को भारी पड़ता देख जंगल में भाग गए और वे मुठभेड़ के दौरान गोलियों से ज़ख़्मी हुए। गोलीबारी के दौरान, एचसी 230 भुनेश्वर मंडावी ने असाधारण साहस का प्रदर्शन किया और इससे पहले कि माओवादी पुलिस पार्टी को अधिक नुकसान पहुंचा सकें, वे सशस्त्र माओवादी काडरों को गिरफ्तार करने के लिए उनकी तरफ युक्तिपूर्वक आगे बढ़ रहे थे। किन्तु दुर्भाग्यवश वे माओवादियों की गोली का शिकार हो गए और उन्होंने ज़ख़्मी होने के कारण दम तोड़ दिया। पुलिस पार्टी के प्रभारी श्री मलिक राम ने उस इलाके की तलाशी की और तलाशी करने पर पुलिस पार्टी ने घटनास्थल से एक अज्ञात बर्दीधारी महिला नक्सली और 03 अज्ञात वर्दीधारी पुरुष नक्सली का शव, 12 बोर राइफल-02 नग, 12 बोर के जिन्दा कारतूस-16 नग, लाल तार से जुड़े हुए डेटोनेटर-02 नग, सफ़ेद-नीला तार-01 बण्डल, काले रंग का पिट्ठू-02 नग, काले रंग का पोर्च-01 नग और काले रंग की नक्सली वर्दी-01 जोड़ा बरामद किया।

इस ऑपरेशन में सर्व/श्री मालिक राम, उप निरीक्षक और स्व. भुनेश्वर मंडावी, हेड कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए दिए प्रदान किये जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 10.01.2017 से दिया जाएगा।

पी. प्रवीण सिद्धार्थ
विशेष कार्य अधिकारी

सं. 129-प्रेज/2019—राष्ट्रपति, छत्तीसगढ़ पुलिस के निम्नलिखित अधिकारी को वीरता के लिए पुलिस पदक का तृतीय बार प्रदान करते हैं:—

अधिकारी का नाम और रैंक

श्री लक्ष्मण केवट, निरीक्षक — वीरता के लिए पुलिस पदक का तृतीय बार

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

मैडिड एरिया कमिटी और इन एरिया कमेटियों के एल.जी.एस. एवं एल.ओ.एस. के इंचार्ज तथा मिलिटरी प्लाटून नंबर 02 के सदस्य के रूप में सीपीआई माओवादी, जिनकी कुल संख्या लगभग 15 से 20 थी, टीसीओसी और प्रशिक्षण की समीक्षा बैठक में भाग लेने

के लिए नेन्द्रा गांव, गुट्टम के निकट एकत्र हुए। इस तरह का इनपुट प्राप्त होने पर समुचित योजना और ब्रीफिंग के उपरांत टुकड़ियां दिनांक 06.01.2016 को अत्यंत सवेरे अवपल्ली पुलिस स्टेशन, जिला बीजापुर से दो हिस्सों में निकल पड़ी।

लगभग 11:45 बजे टुकड़ियों के गुट्टम जंगल के निकट पहुंचते ही घने जंगल में छिपे हुए नक्सलियों की ओर से भारी गोलीबारी होने लगी। पार्टी ने तुरंत पोजीशन ली और जवाबी कार्रवाई शुरू की। पार्टी नंबर 01 के कमांडर निरीक्षक लक्ष्मण केवट ने अपने आदमियों को भलीभांति निर्देशित किया और दाहिने ओर से कवर लेते हुए वे नक्सलियों की ओर आगे बढे तथा नक्सलियों की ओर से भारी गोलीबारी से बेपरवाह होकर उन्होंने बहादुरी से जवाबी कार्रवाई कर उन पर गोलियां चलाईं।

मुठभेड़ टुकड़ियों द्वारा इलाके की सघन तलाशी के पश्चात एक वर्दीधारी महिला नक्सली का शव, एक 303 राइफल और एक बार्मर राइफल बरामद की गई। विस्फोटक, हथगोले, रकसैक बैग, टॉर्च, ज़िंदा कारतूस और नक्सली साहित्य सहित ढेर सारी अन्य मदें भी बरामद की गई।

निरीक्षक लक्ष्मण केवट के अदम्य साहस और उनके द्वारा शौर्यपूर्ण कार्रवाई को उन्हें वीरता के लिए पुलिस पदक प्रदान करके ही समुचित सम्मानित किया जा सकता है।

इस ऑपरेशन में श्री लक्ष्मण केवट, निरीक्षक ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

यह पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किया जाता है तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 06.01.2016 से दिया जाएगा।

पी. प्रवीण सिद्धार्थ
विशेष कार्य अधिकारी

सं. 130-प्रेज/2019—राष्ट्रपति, छत्तीसगढ़ पुलिस के निम्नलिखित अधिकारियों को वीरता के लिए पुलिस पदक/वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार प्रदान करते हैं:—

अधिकारियों के नाम और रैंक

सर्व/श्री

1.	मोहित गर्ग, आईपीएस अपर पुलिस अधीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार
2.	रमाकांत तिवारी निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

मुरमवाड़ा, पाड़मेटापाड़ा, जतलूर, बोटर आदि गाँवों के निकट शिविर लगा रहे बड़ी संख्या में सशस्त्र नक्सलियों तथा नॅशनल पार्क एरिया कमेटी, इंद्रावती एरिया कमेटी एवं निब कंपनी के वरिष्ठ नक्सली कमांडरों की मौजूदगी के बारे में प्राप्त आसूचना इनपुट के आधार पर, अपर पुलिस अधीक्षक बीजापुर श्री मोहित गर्ग, आईपीएस ने पुलिस अधीक्षक बीजापुर श्री के.एल. ध्रुव, आईपीएस और वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गनिर्देशन में एक ऑपरेशन की योजना बनाई। श्री मोहित गर्ग ने स्वयं ऑपरेशन दल का नेतृत्व किया जिसमें डीआरजी बीजापुर, एसटीएफ और कोबरा 204 को मिलाकर कर्मियों की कुल संख्या 163 थी। समुचित ब्रीफिंग और योजना तैयार करके टीम ने दिनांक 17.01.2017 को पुलिस स्टेशन बेदरे से ऑपरेशन शुरू किया।

ऑपरेशन के दौरान, संयुक्त दल ने दिनांक 17.01.2017 से 22.01.2017 तक अबुजमाद के अत्यंत दुर्गम इलाके और घने जंगलों में तलाशी अभियान चलाया। दिनांक 22.01.2017 के सवेरे, मुरमवाडा गाँव के जंगलों के निकट नक्सलियों के शिविर और स्मारक (मृत नक्सलियों के लिए स्मृति भवन) का पता चला। नक्सलियों की मौजूदगी को भांपते हुए टीम कमांडर श्री मोहित गर्ग ने सुरक्षा बलों को इलाके की घेराबंदी करने का आदेश दिया। अचानक पास में छिपे हुए नक्सलियों ने सुरक्षा बलों को मारने के लिए बिछाई गई आईईडी को विस्फोट कर दिया और पुलिस पार्टी पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। टीम कमांडर ने तत्काल संयुक्त दल को कवर लेने को कहा और नक्सलियों से गोलीबारी बंद करने और आत्मसमर्पण करने के लिए कहा, लेकिन नक्सली उन पर गोलीबारी करते रहे, जिसके कारण उन्होंने संयुक्त दल को आत्मरक्षा में जवाबी गोलीबारी करने को कहा। थोड़ी देर बाद नक्सली घने जंगलों में भाग गए, जिसके बाद संयुक्त पार्टी ने फिर से इलाके की नाकेबंदी कर दी और नक्सली कैंप और स्मारक को सफलतापूर्वक ध्वस्त कर दिया और भागे हुए नक्सलियों का पता लगाना शुरू कर दिया। पाड़मेटापाड़ा गाँव के जंगलों के निकट नक्सलियों की मौजूदगी को भांपते हुए टीम कमांडर ने संयुक्त दल

को दो पार्टियों में बाँट दिया। पार्टी नंबर 01 का नेतृत्व श्री मोहित गर्ग ने किया और पार्टी नंबर 02 का नेतृत्व निरीक्षक रमाकांत तिवारी ने किया। लगभग 1400 बजे, लगभग 60-70 सशस्त्र वर्दीधारी नक्सलियों, जो सुरक्षा बलों को मारने और उनके हथियार लूटने के पूर्व नियोजित योजना के साथ एल-आकार में घात फॉर्मेशन में बैठे थे, ने पार्टी नंबर 02 पर हमला कर दिया। जैसे ही पार्टी नंबर 02 उनके एम्बुश ज़ोन में पहुंची, नक्सलियों ने आईईडी विस्फोट कर दिया और स्वचालित हथियारों से उन पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। पार्टी नंबर 02 के कमांडर टीआई रमाकांत तिवारी ने अपनी पार्टी के साथ तत्काल कवर लिया और नक्सलियों से गोलीबारी बंद करने और आत्मसमर्पण करने के लिए कहा किन्तु नक्सली उन पर लगातार गोलीबारी करते रहे। टीआई रमाकांत तिवारी ने पार्टी नंबर 01 के कमांडर श्री मोहित गर्ग को नक्सलियों को दूसरे छोर से घेरने और एम्बुश को तोड़कर पार्टी नंबर 02 को बचाने के लिए कहा। टीआई रमाकांत तिवारी अपनी पार्टी के साथ वीरतापूर्वक अपनी जान की परवाह किये बिना एम्बुश को तोड़ने के उद्देश्य से आत्मरक्षा में नक्सलियों पर गोलीबारी करते हुए एम्बुश में प्रवेश कर गए। तत्काल अपनी पार्टी को, पार्टी नंबर 02 पर गोलीबारी कर रहे नक्सलियों को घेरने के लिए उनकी तरफ आगे बढ़ने के लिए कहा और उन्होंने अपनी जान की परवाह किये बिना बहादुरी से गोलीबारी करते हुए और युक्तिपूर्वक गोली चलाते हुए अपनी पार्टी का नेतृत्व किया और एम्बुश में बैठे नक्सलियों पर हमला किया। पार्टी नंबर 01 के कमांडर श्री मोहित गर्ग की त्वरित कार्रवाई और बेहतरीन सूझबूझ तथा दोनों पार्टियों के कमांडरों और उनके सिपाहियों की अभूतपूर्व वीरता की वजह से नक्सलियों द्वारा बिछाए गए एम्बुश को सुरक्षा बलों द्वारा बिना कोई नुकसान या चोट झेले सफलतापूर्वक ध्वस्त कर दिया गया। एक घंटे से अधिक तक चली भारी गोलीबारी के बाद नक्सली जंगलों और पहाड़ियों की तरफ भागने के लिए मजबूर हो गए। गोलीबारी बंद होने के बाद संयुक्त टीम ने इलाके की घेराबंदी और तलाशी की तथा 02 अज्ञात वर्दीधारी पुरुष के शव, .303 राइफल मैगज़ीन एवं 10 जिन्दा कारतूस के साथ-01, तीन जिंदा कारतूस के साथ 315 बोर देशी निर्मित पिस्तौल (कट्टा)-01, देश में निर्मित बरमार राइफल-01, टिफिन बम्ब (2 किलो और 3 किलो)-02, 50 मीटर तार, डेटोनेटर-05, पिट्ठू बैग-02, 01 पानी की बोतल, नक्सलियों की वर्दी, नक्सली साहित्य और अन्य दैनिक उपयोग की सामग्री आदि सफलतापूर्वक बरामद किया। आईपीसी की धारा 147, 148, 149, 307 और आयुध अधिनियम की धारा 25, 27 के तहत प्राथमिकी संख्या 01/2017 दर्ज़ कर मामले की जांच शुरू की गई।

डीआरजी, एसटीएफ कोबरा 204 के अभूतपूर्व हौसले के कारण ऑपरेशन सफल रहा। इन लोगों ने राष्ट्र के हित में अपने जान को जोखिम में डाला और दो खतरनाक नक्सलियों को सफलतापूर्वक मार गिराया तथा उनके शव और हथियारों को बरामद किया। इस ऑपरेशन से न केवल नक्सलियों के कैंप और स्मारक ध्वस्त किये गये बल्कि लगभग 10 वर्षों के अंतराल के बाद अबूजमाद इलाके के भीतरी भागों में सुरक्षा बलों की गतिविधियों को पुनः सक्रिय किया जा सका। इतनी लम्बी अवधि के बाद अपने गाँवों में पुलिस बल को देख कर ग्रामीण खुश हुए। इस ऑपरेशन की सफलता से वरिष्ठ नक्सल कमांडरों का आत्मविश्वास टूटा है और सुरक्षित ठिकानों को बहुत नुकसान पंहुचा।

श्री मोहित गर्ग (आईपीएस), अपर पुलिस अधीक्षक बीजापुर ने न केवल इस ऑपरेशन को बारीकी से योजनाबद्ध किया बल्कि दुर्दांत नक्सलियों के छिपने के ठिकानों में, जहाँ विगत 10 वर्षों में सुरक्षा बलों को कोई सफलता नहीं मिली थी, वहां 6 दिवसीय अत्यंत कठिन ऑपरेशन को नेतृत्व प्रदान करने में अनुकरणीय हिम्मत और बुद्धिमत्ता का प्रदर्शन किया। उन्होंने ने अपने लोगों पर आसन्न गम्भीर खतरे को भांप लिया और युक्तिपूर्वक जवाबी आक्रामक हमला किया। उनके नेतृत्व और साहसिक कार्रवाई के परिणामस्वरूप किसी प्रकार के जान-माल की हानि के बिना सफलता प्राप्त की गई।

इस ऑपरेशन में सर्व/श्री मोहित गर्ग, आईपीएस, अपर पुलिस अधीक्षक और रमाकांत तिवारी, निरीक्षक ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किये जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 22.01.2017 से दिया जाएगा।

पी. प्रवीण सिद्धार्थ
विशेष कार्य अधिकारी

सं. 131-प्रेज/2019—राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर पुलिस के निम्नलिखित अधिकारियों को वीरता के लिए पुलिस पदक प्रदान करते हैं:—

अधिकारियों के नाम और रैंक

सर्व/श्री

01. इरशाद अहमद,
सहायक उप निरीक्षक

02. फ़याज़ अहमद शेख,
हेड कांस्टेबल

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 19.06.2016 को लधू इलाके में आतंकवादियों के मौजूद होने के बारे में सूचना प्राप्त हुई थी और इसे श्री एजाज अहमद, उप पुलिस अधीक्षक, पीसी पेम्पोर द्वारा आगे और पुष्ट किया गया और अब यह सुनिश्चित हो चुका था कि लेथपुरा लधू के बगीचों में विदेशी आतंकवादी छिपे हुए हैं। तद्नुसार, पुलिस, 50-आरआर और 110 बटालियन सीआरपीएफ द्वारा संयुक्त घेराबंदी की गई। श्री श्रीधर पाटिल, आईपीएस, पुलिस अधीक्षक अवन्तिपोरा की देखरेख में एक व्यापक योजना/रणनीति तैयार की गई और लक्षित इलाके का बाहरी संपर्क समाप्त कर दिया गया। छिपे हुए आतंकवादी को समर्पण करने के लिए कहा गया, लेकिन उसने इसे नजरअंदाज कर दिया। इस बीच, इस ऑपरेशन को परिणाम उन्नमुख बनाने के लिए दो टीमों का गठन किया गया। एक टीम लक्ष्य क्षेत्र की दक्षिण दिशा के लिए श्री श्रीधर पाटिल, आईपीएस के नेतृत्व में एचसी फ़याज़ अहमद सं. 290/एडब्ल्यूटी, सलेक्शन ग्रेड कांस्टेबल परवैज अहमद सं. 166/एडब्ल्यूटी, सलेक्शन ग्रेड कांस्टेबल रेयाज अहमद सं. 491/एडब्ल्यूटी, कांस्टेबल ओमार अली सं. 688/एलडब्यूटी, कांस्टेबल खालिद मसूद सं. 598/एडब्ल्यूटी, फॉल अर्शिद अहमद सं. 41/एफ और 04 एसपीओ को शामिल करके बनाई गई तथा दूसरी टीम लक्ष्य क्षेत्र की उत्तरी दिशा के लिए श्री एजाज अहमद, उप पुलिस अधीक्षक, पीसी पेम्पोर के नेतृत्व में एएसआईइरशाद अहमद सं. 346/एडब्ल्यूटी, एससी मुख्तार अहमद सं. 39/एपी 9वीं, सलेक्शन ग्रेड कांस्टेबल प्रवीण सिंह सं. 256/एपी 9वीं, सलेक्शन ग्रेड कांस्टेबल अमनदीप सिंह सं. 794 एपी 12वीं, कांस्टेबल नजीर हुसैन सं. 257/एपी 9वीं, कांस्टेबल रफीक अहमद सं. 729/एडब्ल्यूटी और 04 एसपीओ को शामिल करके बनाई गई। छिपे हुए आतंकवादी ने स्वयं का फंसा हुआ समझकर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी और दक्षिण की ओर भागा, जहां पुलिस अधीक्षक(पुलिस अधीक्षक) अवन्तिपोरा अपने आदमियों के साथ तैयार थे और उन्होंने गोलीबारी का करारा जवाब दिया, जिसने आंतकवादी को पीछे हटने पर मजबूर कर दिया और उसने निकट के बगीचे में शरण ले ली। बगीचे का इलाका बहुत बड़ा होने के कारण, पुलिस अधीक्षक अवन्तिपोरा ने दोनों गठित टीमों की जनशक्ति का उपयोग किया और लक्षित आतंकवादी के ठिकाने का पता लगाने में पुन: सफल हुए। तथापि, यह पता लगा कि बगीचे के भीतर कुछ आम नागरिक फंस गए हैं। भारी गोलीबारी के बीच फंसे हुए आम नागरिकों को बाहर निकालना एक चुनौतीपूर्ण कार्य था। श्री एजाज अहमद, उप पुलिस अधीक्षक, पीसी पेम्पोर, एएसआई इरशाद अहमद सं. 346/एडब्ल्यूटी, हेड कांस्टेबल मुख्तार अहमद, सलेक्शन ग्रेड कांस्टेबल प्रवीण सिंह, सलेक्शन ग्रेड कांस्टेबल अमनदीप सिंह, कांस्टेबल नजीर हुसैन, कांस्टेबल रफीक अहमद और 04 एसपीओ के साथ एक दूसरे को कवर प्रदान करते हुए, फंसे आम नागरिकों को बाहर निकालने में सफल हो गए। चूंकि, छिपा हुआ आतंकवादी घने वृक्षों का फायदा उठाकर बार-बार अपनी पोजीशन बदल रहा था, इसलिए ऑपरेशन में शामिल लोगों के लिए उसे लक्ष्य बनाना कठिन था। तथापि, श्री श्रीधर पाटिल, आईपीएस टीम के अन्य साथियों, जिसमें श्री एजाज अहमद, उप पुलिस अधीक्षक, पीसी पेम्पोर, एएसआई इरशाद अहमद, ईएक्सके 972130, हेड कांस्टेबल फ़याज़ अहमद, ईएक्सके 982982, हेड कांस्टेबल मुख्तार अहमद, एआरपी-076077 एवं अन्य शामिल थे, ने लक्षित आतंकवादी को ढूंढना शुरू किया, जिसके परिणामस्वरूप आमने-सामने की गोलीबारी शुरू हो गई और छिपे हुए आतंकवादी को मार गिराया गया, जिसकी बाद में खुबैब उर्फ अबू कासिम के रूप में शिनाख्त हुई। मुठभेड़ स्थल से भारी मात्रा में शस्त्र/गोलाबारूद का भारी जखीरा बरामद हुआ और इस संबंध में अवन्तिपोरा पुलिस स्टेशन में आरपीसी की धारा 307 और आयुध अधिनियम की धारा 7/27 के तहत प्राथमिकी सं. 88/2016 दर्ज है।

इस ऑपरेशन में सर्व/श्री इरशाद अहमद, सहायक उप निरीक्षक और फ़याज़ अहमद शेख, हेड कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किये जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 19.06.2016 से दिया जाएगा।

पी. प्रवीण सिद्धार्थ
विशेष कार्य अधिकारी

सं. 132-प्रेज/2019—राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर पुलिस के निम्नलिखित अधिकारियों को वीरता के लिए पुलिस पदक/वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार प्रदान करते हैं:—

अधिकारियों के नाम और रैंक

सर्व/श्री

01. मोहम्मद ज़ैद — वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार
वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक

02.	फुरकान कादिर उप पुलिस अधीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
03.	मंजूर अहमद मीर कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 04.03.2017 को जम्मू और कश्मीर पुलिस ने मुहम्मद रमजान गनी, मुहम्मद रमजान मल्ला का दामाद, निवासी हफ्रू निगीनपुरा त्राल के मकान में हिजबुल मुजाहिद्दीन संगठन के दो शीर्ष आतंकवादी के मौजूद होने के बारे में एक सूचना एकत्र की। एक ऑपरेशन की योजना बनाई गई तथा 42-आरआर, 180 बटालियन, 185 बटालियन, 130 बटालियन सीआरपीएफ और वेस्ट श्रीनगर के सिटी पुलिस कम्पोनेंट की सहायता से नाकेबंदी की गई। दो तलाशी पार्टियां गठित की गई, जिनमें एक का नेतृत्व श्री मोहम्मद ज़ैद-केपीएस, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अवन्तिपोरा ने और दूसरे का नेतृत्व श्री श्रीराम दिनकर अम्बारकार-आईपीएस, पुलिस अधीक्षक सिटी, वेस्ट श्रीनगर ने किया। जैसे ही परिवार के सदस्य मकान छोड़ने वाले थे, तभी भीतर छिपे हुए आतंकवादियों ने तलाशी कर रही पार्टी पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी, जिसकी वजह से वे नागरिक भूतल पर फंस गए। तथापि, आत्मरक्षा में सावधानीपूर्वक/प्रभावी रूप से जवावी गोलीबारी की गई। आतंकवादियों से आत्मसमर्पण करने और परिवार के सदस्यों को बाहर आने देने के लिए कहा गया, जिसे उन्होंने नजरअंदाज कर दिया और इसके बाद परिवार के सदस्यों को बाहर निकालने की योजना बनाई गई। एसआई संजीव देव सिंह सं. एआरपी 996974, सलेक्शन ग्रेड कांस्टेबल शबीर अहमद सं. 535/आईआर 11वीं बटालियन, सलेक्शन ग्रेड कांस्टेबल कयूम अहमद सं. 835/आईआर 11वीं बाटलियम, सलेक्शन ग्रेड कांस्टेबल यशपाल सं. 836/आईआर 11वीं बटालियन, कांस्टेबल विजय कुमार सं. 334/एपी 9वीं बटालियन, कांस्टेबल करण त्रिसल सं. 675/एडब्ल्यूटी, कांस्टेबल मेहराजुद्दीन सं. 652/एडब्ल्यूटी, कांस्टेबल मंजूर अहमद नायक सं. 460/आईआरपी, 11वीं बटालियन, कांस्टेबल मंजूर अहमद सं. 445/एडब्ल्यूटी, कांस्टेबल दिलावर हसन सं. 616/एडब्ल्यूटी, कांस्टेबल जाविद अहमद सं. 1881/ए, फ़ोल महम्मद रमज़ान सं. 54/एडब्ल्यूटी और 08 एसपीओ के साथ वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अवन्तिपोरा के नेतृत्व वाली पुलिस पार्टी मकान के परिसर में दाखिल हुई और वे 02 अलग अलग दिशाओं से भारी गोलीबारी के चपेट में आ गई। उप पुलिस अधीक्षक फुरकान कादिर-केपीएस, एसआई मोहम्मद मकबूल सं. 2183/एस, एसआई मुसिर असगर सं. ईएक्स के-109363, सलेक्शन ग्रेड कांस्टेबल मोहम्मद अशरफ सं. 811/एस, सलेक्शन ग्रेड कांस्टेबल अब्दुल रशीद सं. 2605/एस, कांस्टेबल रमीज़ युसुफ सं. 2511/एस, कांस्टेबल तबस्सुम अहमद सं. 4404/एस, महराज अहमद सं. 790/एपी 13वीं बटालियन और 06 एसपीओ के साथ पुलिस अधीक्षक सिटी, वेस्ट श्रीनगर के नेतृत्व वाली दूसरी पार्टी ने आतंकवादियों को गोलीबारी में उलझाए रखा, जबकि इस बीच वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अवन्तिपोरा अपनी टीम के साथ सावधानी पूर्वक मकान की तरफ आगे बढे और भूतल पर उस कमरे के दरवाज़े को सफलतापूर्वक खोल दिया, जिसमें परिवार के सदस्य फंसे हुए थे, परिवार के सभी सदस्य पुलिस पार्टी के कवर में मकान से बाहर भागे। इस पुलिस पार्टी ने एक तरफ आतंकवादियों को गोलीबारी में उलझाए रखा और दूसरी तरफ परिवार के सदस्यों को सुरक्षित गेट से बाहर निकालने में सफल रही। नागरिकों को बाहर निकालने के बाद मकान में छिपे हुए आतंकवादियों को ख़त्म करने के लिए ताकि किसी प्रकार के अतिरिक्त नुकसान को रोका जा सके, 42 आरआर की सहायता से लक्षित मकान के निकट एक आईईडी बिछाने की योजना बनाई गई। तदनुसार, मेजर रेशी 42 आरआर, एसआई संजीव देव सिंह, कांस्टेबल मंजूर अहमद नाइक, कांस्टेबल मंजूर अहमद, कांस्टेबल दिलावर हसन, कांस्टेबल जाविद अहमद और फोल मोहम्मद रमजान को शामिल करते हुए एक टीम ने लक्षित मकान के निकट आईईडी बिछाने की कोशिश की। छिपे हुए आतंकवादियों ने ऊंचाई का लाभ उठाते हुए 42 आरआर के मेजर रेशी पर गोली चलाई, जो कि गंभीर रूप से ज़ख़्मी हो गए। उन्हें टीम के लोगों की सहायता से बाहर निकाला गया। आतंकवादी विभिन्न दिशाओं से अंधाधुंध गोलीबारी कर रहे थे। मध्यरात्रि के आसपास एक और टीम गठित की गई, जिसका नेतृत्व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अवन्तिपोरा कर रहे थे और इस दल में कांस्टेबल मंजूर अहमद नाइक, सलेक्शन ग्रेड कांस्टेबल शब्बीर अहमद, कांस्टेबल मेहराज-उ-द्दीन, कांस्टेबल जावेद अहमद, कांस्टेबल मंजूर अहमद और सीआरपीएफ के 03 कर्मी शामिल थे। अब गठित टीम को दो अलग-अलग दिशाओं से कवर गोलीबारी दी जा रही थी और वे मकान गिराने के लिए आईईडी बिछाने में सफल हो गए। आईडी बिछाना एक इस ऑपरेशन का महत्वपूर्ण हिस्सा था विशेषकर, कि से तब जब एक अधिकारी ज़ख़्मी हो गया हो। तथापि, कांस्टेबल मंजूर अहमद नाइक और कांस्टेबल मंजूर अहमद ने तीन अलग-अलग मौकों पर ऐसा किया है। मकान को गिराने के बाद 02 पुलिस टीमों अर्थात्, एक टीम वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अवन्तिपोरा के नेतृत्व में और दूसरी टीम पुलिस अधीक्षक सिटी वेस्ट श्रीनगर के नेतृत्व में दो अलग-अलग दिशाओं से मलबे की तरफ बढ़ने लगी। आगे बढ़ते समय एक आतंकवादी ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अवन्तिपोरा के नेतृत्व वाली पुलिस पार्टी पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी, जिससे कांस्टेबल मंजूर अहमद नाइक को गंभीर चोटें आई और कांस्टेबल मंजूर अहमद को हलकी चोटें आई। जवाबी गोलीबारी में एक विदेशी आतंकवादी मारा गया। घायल पुलिस कर्मियों (कांस्टेबल मंजूर अहमद नाइक और कांस्टेबल मंजूर अहमद) अपनी जान की परवाह किये बिना लड़ते रहे, लेकिन बाद में कांस्टेबल मंजूर अहमद नाइक की चोट लगने के कारण मृत्यु हो गई और वे वीरगति को प्राप्त हुए। मलवे की पीछे से एक अन्य आतंकवादी पुलिस पार्टी/सुरक्षा बलों को निशाना बना रहा था। छिपे हुए आतंकवादी को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अवन्तिपोरा के नेतृत्व वाली पहली पुलिस पार्टी की तरफ अंधाधुंध गोलीबारी करता देख, पुलिस अधीक्षक सिटी वेस्ट के नेतृत्व वाली पुलिस पार्टी ने आतंकवादी

की तरफ एक हथगोला फेंका। आतंकवादी ने बचने की कोशिश की, लेकिन उसे गोली मार दी गई और इस तरह ऑपरेशन समाप्त हुआ। 02 मारे गए आतंकवादियों की पहचान आकीब अहमद भट उर्फ मौलवी उर्फ जीशान, पुत्र अबू खालिक भट, निवासी हेयना त्राल (एचएम श्रेणी ए++) और हमास, निवासी पकिस्तान (ए++ हेतु अनुशंषित जेईएम) के रूप में हुई। ऑपरेशन के दौरान बरामद हथियार/गोलाबारूद में 02 एके 47 राइफल (क्षतिग्रस्त), 06 एके 47 मैगजीन (क्षतिग्रस्त), 30 एके-47 राउंड शामिल हैं। इस संबंध में त्राल पुलिस स्टेशन में आरपीसी की धारा 307, आयुध अधिनियम की धारा 7/27 और यूएलए (पी) अधिनियम की धारा 16, 18, 19, 20, 38 के तहत प्राथमिकी सं. 10/2017 दर्ज है।

इस ऑपरेशन में सर्व/श्री मोहम्मद ज़ैद, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, फुरकान कादिर, उप पुलिस अधीक्षक और मंजूर अहमद मीर, कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किये जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 04.03.2017 से दिया जाएगा।

पी. प्रवीण सिद्धार्थ
विशेष कार्य अधिकारी

सं. 133-प्रेज/2019—राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर पुलिस के निम्नलिखित अधिकारियों को वीरता के लिए पुलिस पदक प्रदान करते हैं:—

अधिकारियों के नाम और रैंक

सर्व/श्री

01. डॉ. जी. वी. संदीप चक्रवर्ती, आईपीएस
अपर पुलिस अधीक्षक

02. सैयद मुदासिर जाविद गिलानी
उप निरीक्षक

03. जीएच. मोहम्मद
सहायक उपनिरीक्षक

04. फिरोज़ अहमद लोन
सलेक्शन ग्रेड कांस्टेबल

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 01.06.2017 को अपराह्न लगभग 02.45 बजे मीर मोहल्ला नाथिपोरा के सामान्य क्षेत्र में एचएम आतंकवादियों के मौजूद होने के बारे में प्राप्त विशेष सूचना के आधार पर सोपोर पुलिस ने 22 आरआर और सीआरपीएफ के सहयोग से इलाके की घेराबंदी की और तलाशी अभियान शुरू किया। तलाशी अभियान के दौरान आतंकवादियों के साथ संपर्क स्थापित हुआ, जो मोहम्मद मकबूल मीर पुत्र अब्दुल खालिक मीर, निवासी-मीर मोहल्ला, नाथिपोरा, सोपोर के मकान में छुपे हुए थे। चूँकि, रात अधिक हो चुकी थी और लक्षित मकान के आसपास के इलाके में रहने वाले लोग अपने अपने घरों में गहरी नींद में सोये हुए थे, इसलिए पुलिस और सुरक्षा बलों के लिए आम नागरिकों को उनके घरों से बाहर निकाल कर सुरक्षित स्थान पर पहुंचाना एक चुनौतीपूर्ण कार्य था और यह उनकी प्राथमिक जिम्मेदारी बन गई थी। तदनुसार पुलिस/सेना/सीआरपीएफ की मिलकर दो संयुक्त टीमें गठित की गई, जिसमें प्रथम टीम में डॉ. जी वी संदीप, आईपीएस, सं. 145796-आईपीएस, एसडीपीओ सोपोर, एसआई सैयद मुदासिर, जाविद गिलानी सं. 7843/एनजीओ, एएसआई जीएच. मोहम्मद सं. 281/एसपीआर, एचसी मंजूर अहमद सं. 270/एसपीआर, सलेक्शन ग्रेड कांस्टेबल फिरोज अहमद सं. 192/एसपीआर, कांस्टेबल तवसीफ अहमद सं. 451/एसपीआर, कांस्टेबल निर्मल देव सं. 547/एपी 7वीं, कांस्टेबल अरशद अहमद सं. 678/एसपीआर, मो. गुलजार सं. 196/एसपीओ, अब्दुल रशीद सं. 964/एसपीओ, मो. अमीन सं. 391/एसपीओ, गुलजार अहमद सं. 427/एसपीओ और मजनून अहमद सं. 203/एसपीओ द्वितीय टीम में श्री शौकत अहमद-जेकेपीएस सं. 116067-जेकेपीएस उप पुलिस अधीक्षक (ओपीएस) सोपोर, एसआई सजाद अहमद सं. एआरपी-109307, कांस्टेबल दाउद अहमद सं. 09/एसपीआर एवं कांस्टेबल अकील अहमद सं. 46/एसपीआर, कांस्टेबल सिराज अहमद सं. 438/एसपीआर, कांस्टेबल शबीर अहमद सं. 772/एसपीआर, कांस्टेबल मुस्ताक अहमद सं. 449/आईआरपी 13वीं बटालियन, शौकत अहमद सं. 245/एसपीओ, मो. युसूफ सं. 73/एसपीओ, सजाद अहमद सं. 410/एसपीओ, तौसीफ अहमद सं. 289/एसपीओ और जीएच. मोहम्मद सं. 424/एसपीओ शामिल थे। इन टीमों को नाकेबंदी वाले इलाके में फंसे हुए आम

नागरिकों को बाहर निकालने का कार्य सौंपा गया। संयुक्त पार्टियों खासतौर पर अनुशंषित पार्टियों ने उच्चस्तरीय पेशेवर कुशलता, साहस और बुद्धिमत्ता का प्रदर्शन करते हुए सभी फंसे हुए नागरिकों को उनके अपने घरों से निकालकर सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया। बाहर निकालने की प्रक्रिया पूरी होने के बाद नाकेबंदी को लक्षित मकान के निकट और अधिक मजबूत किया गया और तलाशी अभियान शुरू किया गया। तलाशी के दौरान छुपे हुए आतंकवादियों को समर्पण करने की चेतावनी दी गई लेकिन बदले में आतंकवादियों ने हथगोले फेंके और बाद में अपने स्वचालित हथियारों से तलाशी कर रही पार्टी पर भारी गोलीबारी की। एडवांस/संयुक्त पार्टियों, जिसमें अनुशंषित पार्टी भी शामिल थी, ने अपना मनोबल नहीं खोया और तत्काल जवाबी गोलीबारी शुरू कर दी, जिसके परिणामस्वरूप आमने सामने की गोलीबारी शुरू हो गई। चूँकि आतंकवादी मकान में छिपने वाली स्थिति में थे, वे ऑपरेशनल कंपोनेंट पर लगातार अंधाधुंध गोलीबारी करते रहे और उनकी मंशा बचकर भागने के लिए उपद्रवियों/पत्थरबाजों की सहायता के लिए मुठभेड़ को देर तक चलाने की थी। उनकी रणनीति के विरूद्ध कार्रवाई करने के लिए मुठभेड़ स्थल को जोड़ने वाली सभी सड़कों/गलियों एवं अन्य गलियों को बंद कर दिया गया और दूसरी तरफ डॉ. जी वी. संदीप, आईपीएस (प्रथम टीम) के नेतृत्व में उपरोक्त नाम वाले पुलिस कर्मियों की संयुक्त टीम ने स्वयं लक्षित मकान में घुसने की पहल की। सुनियोजित योजना के अनुसार प्रथम संयुक्त पार्टी रेंग कर लक्षित मकान की ओर आगे बढ़ी जबकि दूसरी संयुक्त टीम ने प्रथम पार्टी को फायरिंग कवर देने के लिए, जब तक कि प्रथम पार्टी लक्षित मकान तक नहीं पहुच जाती, उनके पीछे-पीछे आगे बढ़ी। छुपे हुए आतंकवादियों ने जब यह भांप लिया कि सुरक्षा बल/पुलिस किसी भी समय मकान में घुसने वाले हैं, तो उनमें से एक अपनी योजना के अनुसार, एक मकान के सामने की तरफ कूद गया और उसने पहली संयुक्त पार्टी पर भारी गोलीबारी शुरू कर दी, लेकिन पार्टी, खासतौर पर डॉ. जी वी संदीप - आईपीएस, उप निरक्षक सैयद मुदासिर जाविद गिलानी, सहायक उप निरीक्षक जीएच. मोहम्मद और सलेक्शन ग्रेड कांस्टेबल फ़िरोज़ अहमद ने अपनी जान की परवाह किये बिना और उच्च कोटि की हिम्मत, धैर्य और पेशेवर कुशलता का प्रदर्शन करते हुए, अत्यंत निकट से प्रभावी जवाबी गोलीबारी की और आमने-सामने की गोलीबारी में एक आतंकवादी को मौके पर ही मार दिया। इस बीच, एक अन्य आतंकवादी कोई और चारा न देख खिड़की के रास्ते मकान की बायीं ओर कूद गया, जिसे तत्काल ही दूसरी संयुक्त पार्टी द्वारा उलझा लिया गया और इस जवाबी कारवाई में दूसरी पार्टी ख़ासतौर पर श्री शौकत अहमद, उप पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन) सोपोर, उप निरीक्षक सजाद अहमद, कांस्टेबल दाउद अहमद और कांस्टेबल अकील अहमद ने स्वयं को गहरे जोखिम में डालकर तथा अदम्य वीरता और पेशेवर कुशलता का प्रदर्शन करते हुए, दूसरे आतंकवादी को भी मौके पर ही मार गिराया। मारे गए आतंकवादियों की बाद में अत्यंत दुर्दांत हिजबुल मुजाहिद्दीन के आतंकवादी बशरत अहमद शेख उर्फ़ बाशा पुत्र श्री मोहम्मद रमजान शेख, निवासी-मल्पोरा पंडितन बोमई, सोपोर और एजाज़ अहमद मीर पुत्र अब्दुल कयूम मीर, निवासी-ब्राथ कल्लन सोपोर के रूप में हुई। ऑपरेशन में बरामद किये गए हथियारों/गोलाबारूदों में 02 एके-47 राइफल, 06 एके-47 मैगजीन, 107 एके-47 कारतूस और 02 पाउच शामिल हैं। इस संबंध में पुलिस स्टेशन बोमई में आरपीसी की धारा 307, आयुध अधिनियम की धारा 7/27 के तहत प्राथमिकी संख्या 47/2017 दर्ज की गई है। पूरे ऑपरेशन में डॉ. जी वी संदीप-आईपीएस, उप निरीक्षक सैयद मुदासिर जाविद गिलानी, सहायक उप निरीक्षक जीएच. मोहम्मद और सलेक्शन ग्रेड कांस्टेबल फ़िरोज़ अहमद ने उल्लेखनीय भूमिका निभाई तथा अनुकरणीय बहादुरी और नेतृत्व गुणों का प्रदर्शन किया, जिसके परिणामस्वरूप हिजबुल मुजाहिद्दीन संगठन के दो स्थानीय दुर्दांत आतंवादी को बिना किसी नुकसान के मार गिराया गया।

इस ऑपरेशन में सर्व/श्री डॉ. जी वी संदीप चक्रवर्ती, आईपीएस, अपर पुलिस अधीक्षक, सैयद मुदासिर जाविद गिलानी, उपनिरीक्षक, जीएच. मोहम्मद, सहायक उपनिरीक्षक और फ़िरोज़ अहमद लोन, सलेक्शन ग्रेड कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किये जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 01.06.2017 से दिया जाएगा।

पी. प्रवीण सिद्धार्थ
विशेष कार्य अधिकारी

सं. 134-प्रेज/2019—राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर पुलिस के निम्नलिखित अधिकारियों को वीरता के लिए पुलिस पदक/वीरता के लिए पुलिस पदक का द्वितीय बार प्रदान करते हैं:—

अधिकारियों के नाम और रैंक		
	सर्व/श्री	
01.	शहजादा कबीर मट्टू, उप पुलिस अधीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का द्वितीय बार
02.	शेर खान, हेड कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 26.05.2017 को, एक विश्वसनीय इनपुट प्राप्त होने पर अवंतीपोरा पुलिस द्वारा गांव सैमोह त्राल में 42-आरआर और सीआरपीएफ की 180 बटॉलियन की सहायता से एक संयुक्त ऑपरेशन शुरू किया गया। घेराबंदी करने के बाद, श्री मोहम्मद जैद-वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अवंतीपोरा की गहन निगरानी में दो खोजी दल गठित किए गए, जिनमें से एक का नेतृत्व श्री परवेज अहमद, एसडीपीओ अवंतीपोरा और दूसरे का नेतृत्व श्री शहजादा कबीर मट्टू, उप पुलिस अधीक्षक (पीसी) त्राल कर रहे थे। तलाशी के दौरान, खोजी दलों ने मोहम्मद यूसुफ डार पुत्र जीएच. नबी डार निवासी सैमोह के घर में संदिग्ध गतिविधि देखी। खोजी दलों को देखकर, आतंकवादियों ने उन पर अंधाधुंध गोलीबारी की। उन्हे भागने से रोकने के लिए खोजी दलों द्वारा लक्षित घर की अच्छी तरह से घेराबंदी कर ली गई। घर के मालिक और उनके परिवार के सदस्यों को घर से बाहर निकल आने के लिए कहा गया। जैसे ही परिवार के सदस्य घर से बाहर निकालने ही वाले थे, घर में छुपे हुए आतंकवादियों ने खोजी दलों पर अंधाधुंध गोलीबारी की, जिसके कारण घर के सदस्य भूतल पर फंस गए। आत्मरक्षा में जवाबी गोलीबारी की गई। पब्लिक एड्रैस सिस्टम के माध्यम से आतंकवादियों को आत्मसमर्पण करने के लिए और परिवार के सदस्यों को घर से बाहर आने देने के लिए कहा गया, जिसे आतंकवादियों ने मानने से इंकार कर दिया। घर के अंदर फंसे परिवार के सदस्यों को बाहर निकालने की योजना बनाई गई। पहला संयुक्त खोजी दल जिसमें एसडीपीओ अवंतीपोरा सहित उप निरीक्षक फैसल संख्या 113/एडब्ल्यूटी, हेड कांस्टेबल शेर खान संख्या 395/एडब्ल्यूटी, कांस्टेबल तिलक राज संख्या 1327/ए, कांस्टेबल अब. राशिद संख्या 1423/पीआई, कांस्टेबल इरशाद अहमद संख्या 503/एडब्ल्यूटी, कांस्टेबल शब्बीर अहमद संख्या 666/एडब्ल्यूटी, कांस्टेबल इरशाद अहमद संख्या 679/एडब्ल्यूटी, कांस्टेबल जैल सिंह संख्या 828/आईआर 11वीं बटालियन, फॉलोअर सतपाल संख्या 49/आईआरपी छठी बटालियन और 07 एसपीओ शामिल थे, ने घर में प्रवेश किया और उन पर 02 अलग-अलग दिशाओं से भारी गोलीबारी हुई। दूसरी खोजी दल जिसमें श्री शहजादा कबीर मट्टू-केपीएस, निरीक्षक आदिल राशिद संख्या 7839/एनजीओ, हेड कांस्टेबल दविंदर कुमार संख्या 118/आईआर 20वीं बटालियन, हेड कांस्टेबल अशाक हुसैन संख्या 33/एडब्ल्यूटी, सलेक्शन ग्रेड कांस्टेबल रतन लाल संख्या 315/आईआर 11वीं बटालियन, कांस्टेबल जहूर अहमद संख्या 763/एडब्ल्यूटी, कांस्टेबल अब्दुल राशिद संख्या 742/एडब्ल्यूटी, फॉलोअर मोहम्मद रमजान संख्या 43/एफ, फॉलोअर शाहनवाज संख्या 54/एफ और 06 एसपीओ शामिल थे, ने आतंकवादियों को गोलीबारी में उलझाए रखा। पहला खोजी दल घर की ओर सावधानीपूर्वक आगे बढ़ा और उन्होंने उस कमरे के दरवाजे को सफलतापूर्वक खोल लिया, जिसमें परिवार के सदस्य भूतल पर फंसे हुए थे। परिवार के सभी सदस्य खोजी दल के कवर में घर से बाहर भागे। इस खोजी दल ने एक तरफ आतंकवादियों को गोलीबारी में उलझाया और दूसरी तरफ उन्होंने परिवार के सदस्यों को सुरक्षित दरवाजे से बाहर निकाल लिया। सदस्यों को बाहर निकालने के बाद, स्थिति की फिर से समीक्षा की गई और किसी अतिरिक्त क्षति से बचने के लिए छिपे हुए आतंकवादियों को खत्म करने के लिए 42-आरआर की सहायता से रॉकेट लॉन्चरों/यूबीजीएल को घर के अंदर दागने का निर्णय लिया गया। लक्ष्य पर रॉकेट लॉन्चर/यूबीजीएल दागने के तुरंत बाद, घर में आग लग गई और छिपे हुए आतंकवादियों में से एक घर से बाहर कूद गया और उसने दूसरे खोजी दल पर अंधाधुंध गोलीबारी की, जिन्होंने अपनी जान की परवाह किए बिना जवाबी गोलीबारी की और आतंकवादी को मार गिराया। चूंकि, छिपा हुआ आतंकवादी अलग-अलग दिशाओं से अंधाधुंध गोलीबारी कर रहा था, इसलिए ऑपरेशन का यह चरण अत्यंत कठिन था। एसडीपीओ अवंतीपोरा के नेतृत्व वाले पहले खोजी दल ने घर के अंदर दो हथगोले फैंके और यह देखकर कि खोजी दल सावधानी से लक्ष्य की ओर बढ़ रहा है, आतंकवादी ने भागने की कोशिश की, लेकिन जवाबी कार्रवाई में उसे मार गिराया गया, जिससे कि ऑपरेशन पूरा हुआ। बाद में मारे गए आतंकवादियों की पहचान, सबजार अहमद भट्ट उर्फ साहब डॉन उर्फ अबू जरार पुत्र जीएच. हसन भट्ट निवासी-रथसौन त्राल (एचएम-ए श्रेणी) और फैजान मुजफ्फर भट्ट उर्फ उमैरा पुत्र मुज्जफर अहमद भट्ट निवासी-त्राल-ई-पायीन (एचएम-बी श्रेणी) के रूप में हुई। इस संबंध में त्राल पुलिस स्टेशन में आरपीसी की धारा 307, आयुध अधिनियम की धारा 7/23, तथा यूएलए(पी) की धारा 16, 18, 20 एवं 38 के तहत मामला एफआईआर संख्या 38/2017 दर्ज है।

इस ऑपरेशन में सर्व/श्री शहजादा कबीर मट्टू, उप पुलिस अधीक्षक और शेर खान, हेड कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किये जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 26.05.2017 से दिया जाएगा।

पी. प्रवीण सिद्धार्थ
विशेष कार्य अधिकारी

सं. 135-प्रेज/2019—राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर पुलिस के निम्नलिखित अधिकारियों को वीरता के लिए पुलिस पदक/वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार प्रदान करते हैं:—

अधिकारियों के नाम और रैंक

सर्व/श्री

1.	परमवीर सिंह बलवाल अपर पुलिस अधीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार
2.	सैयद जावीद अहमद उप पुलिस अधीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार
3.	अमजद हुसैन मीर उप निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
4.	मुनीर अहमद भट्ट हेड कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 05.01.2017 को, गांव गुलजारपोरा, मोछवा (चाडोरा) में एक आतंकवादी की मौजूदगी होने की सूचना पर कार्रवाई करने के लिए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बडगाम के नेतृत्व में, श्री परमवीर सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक बडगाम, सैयद जावीद अहमद, उप पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन) बडगाम, सहायक निरीक्षक अमजद हुसैन मीर एलओ सीआईयू बडगाम और सीआईयू बडगाम के हेड कांस्टेबल मुनीर अहमद सं. 295/बीडी सहित एसओजी के कार्मिक शीघ्र ही उस गांव में पहुंच गये और उक्त क्षेत्र की घेराबंदी कर दी। बाद में, पुलिस स्टेशन चाडोरा, 53-आरआर और सीआरपीएफ की 178 बटॉलियन से अतिरिक्त कर्मी भी मौके पर पहुंच गए। पुलिस दलों को आवश्यक जानकारी दी गई और उक्त गांव में घर-घर जाकर तलाशी अभियान शुरू किया गया। जैसे ही पुलिस दल लक्षित घर पर पहुंचे, घर के अंदर मौजूद आतंकवादी ने अंधाधुंध गोलीबारी की और साथ ही पुलिस दलों पर हैंड ग्रेनेड भी फेंका जिससे सैन्य दस्ते को ज्यादा से ज्यादा नुकसान पहुंचाया जा सके। गोलियों के इस अचानक और भारी बौछार के कारण, सीआईयू बडगाम के सलेक्शन ग्रेड कांस्टेबल होशियार सिंह सं. 623/एपी 13वीं को गंभीर चोटें आई और सबसे पहले, घायल को बाहर निकाला गया और इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। चूंकि, उक्त घर की पूरी तरह घेराबंदी कर ली गई थी और भागने के सभी रास्तों को बंद कर दिया गया था, इसलिए आतंकवादी को आत्मसमर्पण करने के लिए कहा गया था लेकिन उसने इस पेशकश को नकार दिया। इसी समय, पुलिस दलों ने आस-पास के मकानों से लोगों को तुरंत निकालकर सुरक्षित स्थान पर पहुंचा दिया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बडगाम ने दो टीमों का गठन किया, जिनमें से एक का नेतृत्व श्री परमवीर सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक बडगाम कर रहे थे और उनकी सहायता उप पुलिस अधीक्षक मुनीर अहमद एसडीपीओ चरा-रे-शरीफ, हेड कांस्टेबल मुनीर अहमद और एसओजी के अन्य कार्मिक नामतः सलेक्शन ग्रेड कांस्टेबल होशियार सिंह 13वीं, सलेक्शन ग्रेड कांस्टेबल फिरदौस अहमद सं. 522/बीडी, कांस्टेबल सबजार अहमद सं. 729/एपी 13वीं, कांस्टेबल मुहम्मद इलियास सं. 624/एपी 13वीं, मंजूर अहमद सं. 43/एसपीओ, रमीज अहमद सं. 684/एसपीओ, मुहम्मद जाफर सं. 186/एसपीओ, एजाज अहमद गनैई सं. 73/एसपीओ और नजीर अहमद सं. 467/एसपीओ कर रहे थे तथा दूसरे दल का नेतृत्व सैयद जावीद अहमद, उप पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन) बडगाम कर रहे थे, जिनकी सहायता उप निरीक्षक अमजद हुसैन, एलओ सीआईयू बडगाम, उप निरीक्षक मुदासिर शफी सं. 200/पीएयू पुलिस स्टेशन चाडोरा और सीआईयू बडगाम के अन्य एसओजी कार्मिक नामतः इमदाद हुसैन सं. 1103/बीडी, कांस्टेबल दिलीप कुमार सं. 1097/बीडी, कांस्टेबल मोहम्मद शफी सं. 1263/बीडी, अब्दुल राशिद धोबी सं. 406/एसपीओ, मन्जूर अहमद भट्ट सं. 333/एसपीओ, जहूर अहमद डार सं. 368/एसपीओ, अब्दुल राशिद खान सं. 08/एसपीओ, परवेज अख्तर सं. 324/एसपीओ, फारूक अहमद मीर सं. 226/एसपीओ और फिरदौस अहमद सं. 528/एसपीओ कर रहे थे। पहली टीम ने लक्षित घर के पिछवाड़े को नियंत्रण में लिया और दूसरी टीम को सामने की तरफ से घेराबंदी करने की काम सौंपा गया। मुसीबत को भांपते हुये, आतंकवादी ने एक बार फिर से ग्रेनेड फेंके और ऑपरेशन दल की ओर भारी गोलीबारी की ताकि वह अपने लिए भागने का रास्ता बना सके लेकिन, ऑपरेशन दलों ने चतुराई से खुद को तैनात किया था और इसलिए, कोई क्षति नहीं हुई। पीछे/सामने की तरफ से घर में प्रवेश करने का निर्णय लिया गया। दूसरा दल सामने की तरफ से रेंगते हुए खिड़की के नजदीक तक पहुंचा, लेकिन आतंकवादी ने पहली मंजिल का मुख्य द्वार खोल दिया और उसने घेरा तोड़ने की कोशिश में अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी ताकि उसके भागने का इंतजाम हो सके। इसी समय सैयद जावीद, उप पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन) और उप निरीक्षक अमजद हुसैन अपनी टीम के साथ रेंगने के बाद लक्षित घर तक पहुंच गए और तब तक श्री परमवीर सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक बडगाम और हेड कांस्टेबल मुनीर अहमद भी पीछे की ओर से घर में प्रवेश करने में सफल हो गए थे और दोनों दलों ने अपनी जान की परवाह किए बिना गोलीबारी का प्रभावी ढंग से जवाब दिया। इस मुठभेड़ के दौरान, आतंकवादी को सफलतापूर्वक मार गिराया गया, जिसकी पहचान बाद में मोहम्मद मुजाफर नाइको उर्फ मुज मौलवी उर्फ मुजम्मिल पुत्र

अब्दुल हामिद उर्फ माजिद निवासी बाघाट, सोपोर (श्रेणी ए ++) के रूप में हुई। घटना स्थल से बरामद हुए हथियारों/गोला-बारूद में 01 चीनी पिस्तौल (क्षतिग्रस्त), पिस्तौल की 02 मैगजीन और पिस्तौल के 03 कारतूस शामिल थे। दिनांक 05-01-2017 को पुलिस स्टेशन चाडोरा में आयुध अधिनियम की धारा 7/25 के तहत मामला एफआईआर सं. 2017 की 01 दर्ज की गई है और जांच शुरू हो गई है। ऑपरेशन को बहुत ही कुशलता से और उक्त क्षेत्र तथा आस-पास के क्षेत्रों के आम नागरिकों के जीवन को कोई नुकसान न पहुंचाते हुए अंजाम दिया गया। केवल उपरोक्त नामित अनुशंसितों की समय पर वीरतापूर्ण कार्रवाई से यह संभव हो पाया था। बंदूक की लड़ाई के दौरान, उन्होंने अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा की परवाह न करते हुये असाधारण साहस, उत्साह और सर्वोच्च कोटि की कर्तव्य भावना का प्रदर्शन किया, जिसके परिणामस्वरूप खूंखार आतंकवादी का खात्मा हुआ। उक्त आंतकवादी सोपोर क्षेत्र में और उसके आसपास विभिन्न जघन्य अपराधों में शामिल था तथा इस जिले के क्षेत्र में पुलिस की टुकड़ियों और सुरक्षा बलों पर हमले की साजिश रच रहा था। उक्त आतंकवादी का मारा जाना आतंकी मॉड्यूलों के लिए एक झटका है, जिससे आतंकवादी हतोहत्साहित हुये एवं उनका मनोबल गिरा है और आम जनता को राहत मिली है।

इस ऑपरेशन में सर्व/श्री परमवीर सिंह बलवाल, अपर पुलिस अधीक्षक, सैयद जावीद अहमद, उप पुलिस अधीक्षक, अमजद हुसैन मीर, उप निरीक्षक और मुनीर अहमद भट्ट, हेड कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4 (i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किये जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 05.01.2017 से दिया जाएगा।

पी. प्रवीण सिद्धार्थ
विशेष कार्य अधिकारी

सं. 136-प्रेज/2019—राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर पुलिस के निम्नलिखित अधिकारी को वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार प्रदान करते हैं:—

अधिकारी का नाम और रैंक	
श्री सतीश कुमार, उप पुलिस अधीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 16.08.2017 को लगभग 1700 बजे, पुलवामा पुलिस को गांव चंदगाम/बांदरपोरा कारवासा (हाई ग्राउंड) के सामान्य इलाके में आतंकियों की आवाजाही के बारे में एक सूचना मिली, जो कि एक वाहन में जा रहे थे। उन्हे उनके आकाओं द्वारा जिला पुलवामा में एक आतंकी हमले को अंजाम देने के लिए कहा गया था, जिसमें वायुसेना स्टेशन बेस, अवंतीपोरा (भारतीय वायु सेना के स्ट्रेटेजिक एसेट) एक संभावित लक्ष्य के रूप में था, ताकि आम जनता के मन में डर पैदा किया जा सके और जिले में अमन और शांति को भंग किया जा सके। चूंकि कार्रवाई के लिए समय बहुत कम था, इसलिए सूचना को तुरंत उप पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशंस), काकापोरा, श्री सतीश कुमार, केपीएस-127950 के साथ साझा किया गया, जिन्हे आतंकियों को निष्क्रिय करने के लिए एक योजना तैयार करने और उसे अंजाम देने का कार्य सौंपा गया था। बड़े कम समय में, श्री सतीश कुमार ने 55 आरआर और सीआरपीएफ की 182/183 बटालियनों के साथ समन्वय से पुलवामा पुलिस के साथ लक्षित क्षेत्र को जाने वाले सभी सड़क रास्तों पर एमवीसीपी ड़ालने का फैसला किया और उन्होंने अपनी टीम के साथ खुद छिपकर इस क्षेत्र में चौकस होने का फैसला किया। चौकसी करते हुए, उन्होने देखा कि, एक सफेद रंग की टवेरा, जिसकी पंजीकरण संख्या जेके13सी-5626 थी, चंदगाम करेवा से बांदीपोरा की ओर आ रही है। उन्होंने वाहन को बंदीपोरा में रोक लिया। अचानक से हुए घटनाक्रम में, अगली सीट पर बैठे, चालक और नागरिक ने तुरंत वाहन के दरवाजे खोल दिए और मौके से भागना शुरू कर दिया। श्री सतीश कुमार ने अपने दो कर्मियों को उन्हें पकड़ने का निदेश दिया। इस बीच उन्होंने सहायक उप निरीक्षक हिलाल अहमद के साथ वाहन की ओर बढ़ना शुरू कर दिया। वाहन में जा रहे आतंकवादी ने अचानक उन पर ग्रेनेड फेंका, जिसके बाद अंधाधुंध गोलीबारी की, जिससे दोनों घायल हो गए। आतंकवादी वाहन से उतर गया और भागने लगा। ग्रेनेड के धमाके से उप पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन), काकापोरा श्री सतीश कुमार को छर्रे की कई चोटें आईं, लेकिन घायल होने के बावजूद उन्होंने अत्यधिक सूझबूझ, अनुकरणीय साहस, कर्तव्य के प्रति समर्पण का प्रदर्शन करते हुए अपने जीवन की परवाह किए बिना इस तरह की महत्वपूर्ण/घातक स्थिति से निपटा और निडरता से अपने हथियार से लगातार गोली चलाते हुए पास के खेत की ओर आतंकवादी का पीछा किया और उसे पारस्परिक गोलीबारी में उलझा लिया। उन्होंने अकेले ही बंदूक की भीषण लड़ाई के बाद उसका खात्मा कर दिया। मारे गए आतंकवादी की पहचान बाद में लश्कर-ए-तैयबा के जिला कमांडर, मोहम्मद आयूब लोन उर्फ हबीतुल्ला श्रेणी "ए +" पुत्र स्वर्गीय अब्दुल मजीद लोन, निवासी लेलहर काकापोरा जिला-पुलवामा के रूप में हुई। ऑपरेशन के दौरान बरामद किए गए हथियारों/गोला बारूद में 1 एके-47 राइफल, 3 एके मैगजीन और 54 एके कारतूस शामिल हैं।

यह उल्लेखनीय है कि मारा गया आतंकवादी नए युवाओं को उग्रवादी कैडर में शामिल होने के लिए प्रेरित करने में माहिर था। इसके अलावा, उसने पंचायत सदस्यों को अपने पद से इस्तीफा देने की धमकी देने में भी बड़ी भूमिका निभाई थी। उसकी मौत आतंकवादी कैडरों, खासतौर पर लश्कर-ए-तैयबा संगठन के लिए एक बड़ा झटका है और दक्षिण कश्मीर में, विशेष रूप से पुलवामा जिले में सुरक्षा बलों/नागरिकों के लिए एक बड़ी राहत है। वह निम्नलिखित मामलों में शामिल था:—

- आरपीसी की धारा 307, 148, 149, 336, 332, आईए अधिनियम की धारा 7/27 के तहत पुलवामा पुलिस स्टेशन में मामला एफआईआर संख्या 46/2016
- आरपीसी की धारा 307, 3/4 विस्फोटक अधिनियम के तहत पुलवामा पुलिस स्टेशन में मामला एफआईआर संख्या 190/2016
- आरपीसी की धारा 307, 3/4 विस्फोटक अधिनियम के तहत पुलवामा पुलिस स्टेशन में मामला एफआईआर संख्या 345/2016
- आरपीसी की धारा 302, आईए अधिनियम की धारा 7/27 के तहत पुलवामा पुलिस स्टेशन में मामला एफआईआर संख्या 408/2016
- आरपीसी की धारा 307, 120-बी 3/4 विस्फोटक अधिनियम के तहत पुलवामा पुलिस स्टेशन में मामला एफआईआर संख्या 59/2017

इस ऑपरेशन में श्री सतीश कुमार, उप पुलिस अधीक्षक ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

यह पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किया जाता है तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 16.08.2017 से दिया जाएगा।

पी. प्रवीण सिद्धार्थ
विशेष कार्य अधिकारी

सं. 137-प्रेज/2019—राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर पुलिस के निम्नलिखित अधिकारियों को वीरता के लिए पुलिस पदक/वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार प्रदान करते हैं:—

अधिकारियों के नाम और रैंक		
	सर्व/श्री	
1.	शौकत अहमद डार उप पुलिस अधीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार
2.	इम्तियाज अहमद वानी उप निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
3.	शौकत-उल-इस्लाम सलेक्शन ग्रेड कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक
4.	ओमर हुसैन वाडा सलेक्शन ग्रेड कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक
5.	हनीफ मोहम्मद भट्ट सलेक्शन ग्रेड कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक
6.	हिलाल अहमद मिसगर कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 04.09.2017 को लगभग 01.00 बजे, गांव चेक-ब्रैथ में हिजबुल मुजाहिद्दीन के आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में एक पुख्ता सूचना पर कार्रवाई करते हुए सोपोर पुलिस ने सेना की 22-आरआर और सीआरपीएफ की 179/92 बटालियन की सहायता से क्षेत्र की घेराबंदी कर दी और खोज अभियान शुरू किया। खोज अभियान के दौरान, आतंकवादियों का पता चला जो कि, पीरजादा बशीर अहमद पुत्र गनी हसन निवासी चेक-ब्रैथ, सोपोर के घर में छिपे हुए थे। चूंकि तब आधी रात थी, सभी लोग अपने-अपने घरों में गहरी नींद

में थे और अगर उस समय लक्षित घर पर धावा बोला जाता, तो आम नागरिकों के हताहत होने की आशंका थी। आतंकवादियों के इरादों को नाकाम करने और आम नागरिकों के हताहत होने से बचने के लिए पुलिस/सेना की दो संयुक्त टीमें बनाई गईं, जिनमें से पहली टीम में उप निरीक्षक इम्तियाज सं. एआरपी-15601, सहायक उप निरीक्षक अब्दुल अहद 65/एसपीआर, सलेक्शन ग्रेड कांस्टेबल शौकत-उल-इस्लाम 08/एसपीआर, सलेक्शन ग्रेड कांस्टेबल ओमर हुसैन 738/एसपीआर, सलेक्शन ग्रेड कांस्टेबल मोहम्मद हनीफ 760/एसपीआर, कांस्टेबल हिलाल अहमद 87/एसपीआर, कांस्टेबल मोहम्मद रमजान 582/एसपीआर, मोहम्मद शफी 771/एसपीआर, कांस्टेबल मुश्ताक अहमद 589/एसपीआर, कांस्टेबल लतीफ अहमद 732/बी, अब्दुल लतीफ 18/एसपीओ-एसईसी, मोहम्मद अब्दुल्ला 172/एसपीओ-एडब्ल्यूटी, ऐजाज अहमद 247/एसपीओ, काजी मोहसिन अहमद 217/एसपीओ, मोहम्मद शफी 496/एसपीओ, शौकत अहमद 318/एसपीओ, शब्बीर अहमद 170/एसपीओ, सनमदीप सिंह 264/एसपीओ और निसार अहमद 428/एसपीओ शामिल थे जिसका नेतृत्व श्री शौकत अहमद-जेकेपीएस 116067-जेकेपीएस उप पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन), सोपोर कर रहे थे और दूसरी टीम में उप निरीक्षक इफ्तिखार, हेड कांस्टेबल बिलाल अहमद, सलेक्शन ग्रेड कांस्टेबल दाऊद अहमद, सलेक्शन ग्रेड कांस्टेबल मुज्जफर अहमद, सलेक्शन ग्रेड कांस्टेबल मोहम्मद सादिक, सलेक्शन ग्रेड कांस्टेबल सैयद आरिफ जिया, कांस्टेबल परवेज अहमद, वसीम अहमद, एसपीओ, जीएच. रसूल एसपीओ, आशिक हुसैन एसपीओ, बिलाल अहमद एसपीओ-बीडी, वसीम अहमद एसपीओ और बशीर अली एसपीओ-एसजीआर शामिल थे, जिसका नेतृत्व श्री विक्रम सिंह-जेकेपीएस, उप पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन), वाडूरा कर रहे थे। दोनों टीमों को लक्षित घर और साथ-साथ आस-पास के घरों से भी सभी आम नागरिकों को निकालने का कार्य सौंपा गया। निकासी की प्रक्रिया के दौरान, छिपे हुए आतंकवादियों ने कई बार संयुक्त टीमों पर गोलीबारी की, ताकि जान को नुकसान पहुंचाया जा सके और निकासी की प्रक्रिया को रोका जा सके, क्योंकि आतंकवादियों का प्रयास था कि आम नागरिकों को ढ़ाल के रूप में इस्तेमाल किया जाए। लेकिन दोनों टीमों ने कड़े प्रयासों के बाद लक्षित घर के साथ-साथ आस-पास के घरों से भी फंसे हुए सभी नागरिकों को बाहर निकाल लिया। यह सुनिश्चित करने के बाद कि लक्षित घर और आस-पास के क्षेत्र में कोई भी आम नागरिक न रह गया हो, छिपे हुए आतंकवादियों से आत्मसमर्पण करने के लिए कहा गया, लेकिन उन्होंने चेतावनी को तुरंत नकार दिया और अपने परिष्कृत हथियारों से पुलिस/सुरक्षा बलों के संयुक्त दलों पर भारी गोलीबारी शुरू कर दी, जिसका जवाब दिया गया और इस तरह मुठभेड़ शुरू हो गई। आतंकवादी सं. में 02 थे और बलों से लड़ने में अत्यंत दक्ष थे और उनके बेहतर लाइन ऑफ अटैक के अनुसार उन्होंने घर में अलग-थलग पड़ी जगहों पर पोजिशन ले रखी थी और रुक-रुक कर पुलिस/सुरक्षा बलों पर गोलीबारी कर रहे थे और वे ऑपरेशन को लंबे समय तक खींचना चाहते थे ताकि पत्थरबाजों और अन्य उपद्रवी/राष्ट्र विरोधी तत्वों का ध्यान खींचा जा सके, क्योंकि कई मामलों में पत्थरबाजों की पत्थरबाजी से बलों द्वारा की गई घेराबंदी से आतंकवादियों को भागने में मदद मिली थी। समकक्षों के साथ सोच-विचार के बाद यह निर्णय लिया गया कि सुबह होने से पहले लक्षित घर जल्द से जल्द धावा बाले जाए। तदनुसार, श्री शौकत अहमद-जेकेपीएस, उप पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन), सोपोर के नेतृत्व वाली पहली संयुक्त टीम ने खुद ही सामने की ओर से अंतिम हमले के लिए लक्षित घर की ओर बढ़ने की पेशकश ही और श्री विक्रम सिंह-जेकेपीएस, उप पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन), वाडूरा के नेतृत्व में दूसरी टीम ने अंतिम और निर्णायक हमले के लिए घर के पीछे की तरफ जाने का फैसला किया। दोनों टीमों ने बेहतर रणनीति के अनुसार दो अलग-अलग दिशाओं से लक्ष्य की ओर बढ़ना शुरू किया और सेना/सीआरपीएफ के जो अन्य कार्मिक इस कार्य में थे, उन्होंने कवर गोलीबारी प्रदान की। जब छिपे हुए आतंकवादियों को यह अहसास हुआ कि, बल घर में प्रवेश करने वाले हैं, तो एक आतंकवादी कोई और विकल्प न पाकर घर के सामने की ओर से बाहर कूद गया और उसने दल पर भारी गोलीबारी शुरू कर दी, लेकिन संयुक्त टीम, विशेष रूप से श्री शौकत अहमद-जेकेपीएस, उप पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन), सोपोर, उप निरीक्षक इम्तियाज, सलेक्शन ग्रेड कांस्टेबल शौकत-उल-इस्लाम, सलेक्शन ग्रेड कांस्टेबल ओमर हुसैन, सलेक्शन ग्रेड कांस्टेबल मोहम्मद हनीफ, कांस्टेबल हिलाल अहमद ने प्रभावी ढंग से गोलीबारी का जवाब दिया और एक-दूसरे पर गोलीबारी में एक आतंकवादी मारा गया। इसी तरह दूसरा आतंकवादी पुलिस/सुरक्षा बलों पर लगातार गोलीबारी करते हुए पीछे की ओर से बाहर आ गया लेकिन संयुक्त टीम विशेष रूप से श्री विक्रम सिंह-जेकेपीएस, उप पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन), वाडूरा, उप निरीक्षक इफ्तिखार, सलेक्शन ग्रेड कांस्टेबल दाऊद अहमद, सलेक्शन ग्रेड कांस्टेबल मुज्जफर अहमद, सलेक्शन ग्रेड कांस्टेबल मोहम्मद सादिक, सलेक्शन ग्रेड कांस्टेबल सैयद आरिफ जिया, जो पहले से ही पीछे की ओर पोजीशन लिए हुए थे, ने आतंकवादी को रोक लिया और गोलीबारी में दूसरा आतंकवादी भी मारा गया। मारे गए आतंकवादी परवेज अहमद वानी उर्फ इश्फाक उर्फ बशीर उर्फ मुदासिर पुत्र सोनौल्ला वानी, निवासी-गुलौरा हंदवाड़ा (उत्तरी कश्मीर का हिजबुल मुजाहिद्दीन डिवीजन कमांडर, ए ++ श्रेणी आतंकवादी) और हिजबुल मुजाहिद्दीन संगठन का नईम अहमद नजर पुत्र जीएच. हसन नजर, निवासी ब्रैथ कलां, सोपोर, (बी-श्रेणी) थे। उनके कब्जे से बरामद किए गए हथियारों/गोला-बारूद में 02 एके-47 राइफल, 03 एके-मैगजीन, 90 एके कारतूस, 01 आईएनएसएएस राइफल, 01 आईएनएसएएस मैगजीन, 15 आईएनएसएएस कारतूस, 01 कैरी बैग, 02 टी-शर्ट कॉम्बैट प्रिंट, 02 ट्राउजर कॉम्बैट प्रिंट, 01 पाउच (स्थानीय) और 01 कॉम्बैट लोअर प्रापर शामिल हैं। इस संबंध में पुलिस स्टेशन, सोपोर में धारा 307/आरपीसी, 7/27 आयुध अधिनियम के तहत मामला एफआईआर सं. 25812017 दर्ज है और जांच शुरू की गई है।

इस ऑपरेशन में सर्व/श्री शौकत अहमद डार, उप पुलिस अधीक्षक, इम्तियाज अहमद वानी, उप निरीक्षक, शौकत-उल-इस्लाम, सलेक्शन ग्रेड कांस्टेबल, ओमर हुसैन वाडा, सलेक्शन ग्रेड कांस्टेबल, हनीफ मोहम्मद भट्ट, सलेक्शन ग्रेड कांस्टेबल और हिलाल अहमद मिसगर, कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किये जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 04.09.2017 से दिया जाएगा।

पी. प्रवीण सिद्धार्थ
विशेष कार्य अधिकारी

सं. 138-प्रेज/2019—राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर पुलिस के निम्नलिखित अधिकारियों को वीरता के लिए पुलिस पदक/वीरता के लिए पुलिस पदक का द्वितीय बार प्रदान करते हैं:—

अधिकारियों के नाम और रैंक		
	सर्व/श्री	
1.	मीर मुर्तजा हुसैन सोहिल उप पुलिस अधीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का द्वितीय बार
2.	मीर इश्फाक कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 14.02.2017 को पार्र मोहल्ला, हाजिन में कुछ विदेशी आतंकवादियों की मौजूदगी होने, जो कि पास के पुलिस/सेना प्रतिष्ठान पर फिदायीन हमला करने के इरादे से वहां छिपे हुए थे, की एक पुख्ता सूचना के आधार पर, इस सूचना को सेना की 13 आरआर और सीआरपीएफ 45 बटालियन के साथ साझा किया गया। तदनुसार, सावधानीपूर्वक योजना के बाद, श्री शेख जुल्फकार आजाद, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बांदीपोरा की समग्र निगरानी में सुबह लगभग 04:30 बजे एसओजी बांदीपोरा, हाजिन पुलिस स्टेशन की पुलिस टीम, सेना की 13 आरआर और सीआरपीएफ की 45 बटालियन द्वारा एक संयुक्त घेराबंदी/खोज अभियान शुरू किया गया। सेना और पुलिस की टीमों द्वारा इलाके की घेराबंदी की गई। पुलिस टीमों का नेतृत्व श्री मीर मुर्तजा हुसैन, उप पुलिस अधीक्षक, पुलिस स्टेशन बांदीपोरा और राशिद अकबर एसडीपीओ सुंबल कर रहे थे। ऑपरेशनल दलों ने अपने सामरिक कौशल का उपयोग किया और खुद को उजागर किए बिना लक्षित क्षेत्र तक पहुंच गए। संदिग्ध क्षेत्र के करीब और मजबूत घेरा बिछाने के लिए प्रारंभ में सेना/पुलिस के दो संयुक्त दल गठित किए गए। श्री शेख जुल्फकार आजाद, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बांदीपोरा, कर्नल विक्रम जीत सिंह सीओ 13 आरआर और सीआरपीएफ की 45 बटालियन के कमांडेंट श्री चेतन प्रकाश की समग्र कमान और देख-रेख में श्री राशिद अकबर एसडीपीओ सुंबल, श्री साकिब घनी-केपीएस और 13 आरआर के मेजर बिशल सिंह थापा की कमान में एक ऑपरेशनल टीम को लक्षित क्षेत्र के पश्चिमी हिस्से को कवर करते हुए उत्तर से दक्षिण तक घेराबंदी डालने का कार्य सौंपा गया जबकि मीर मुर्तजा हुसैन उप पुलिस अधीक्षक पीसी बांदीपोरा और 31 आरआर के मेजर अमित गौर (13 आरआर के साथ अस्थायी रूप से अटैच और वर्तमान में राज्य से बाहर) की कमान मे दूसरी ऑपरेशनल टीम को संदिग्ध क्षेत्र के पूर्वी हिस्से को कवर करते हुए लक्षित क्षेत्र के उत्तर से दक्षिण तक घेराबंदी डालने का कार्य सौंपा गया। घेराबंदी के दौरान, संयुक्त बल के घटकों अर्थात पुलिस और सेना ने अपने-अपने संचार के वायरलेस सेटों के आदान-प्रदान के माध्यम से बेहतर समन्वय स्थापित किया और इस तरह एक बड़े ही तालमेल/पेशेवर तरीके से कार्य किया। जबकि, सीआरपीएफ की 45 बटालियन टीम और एक अन्य पुलिस दल को कानून और व्यवस्था मोड में सबसे बाहरी घेरा डालने और आस-पास के क्षेत्रों से किसी भी आम नागरिक को लक्षित क्षेत्र की ओर जाने की अनुमति नहीं देने का कार्य सौंपा गया था। जैसे ही घेरा डाला गया, घेराबंद क्षेत्र में छिपे हुए आतंकवादियों ने ऑपरेशनल दलों पर अंधाधुंध गोलीबारी कर दी। क्षेत्र के भीतर फंस गए नागरिकों को बाहर निकालना ऑपरेशनल दलों के लिए बड़ा कठिन काम था। इसलिए, इस उद्देश्य के लिए दो टीमों का गठन किया गया। एक टीम श्री राशिद अकबर एसडीपीओ सुंबल, श्री साकिब घनी-केपीएस उप पुलिस अधीक्षक प्रोब. की कमान और नियंत्रण में थी और दूसरी टीम मीर मुर्तजा हुसैन उप पुलिस अधीक्षक (पीसी) बांदीपोरा की कमान और नियंत्रण में थी। फंसे हुए आम नागरिकों को निकालना इन दलों के लिए एक कठिन चुनौती थी, जिसके लिए राशिद अकबर एसडीपीओ सुंबल और श्री साकिब घनी उप पुलिस अधीक्षक प्रोब. को अपने सहयोगी के साथ तथा मीर मुर्तजा हुसैन सोहिल उप पुलिस अधीक्षक पीसी बांदीपोरा, निरीक्षक महबूब हुसैन संख्या 7176/एनजीओ को अपने सहयोगी कांस्टेबल मुख्तार अहमद संख्या 651/बीपीआर, कांस्टेबल मीर इश्फाक संख्या 38591/पीडब्लू और कांस्टेबल रईस अहमद संख्या 353/बीपीआर के साथ न केवल लक्षित क्षेत्र के समीप जाने के लिए आगे बढ़ना था, जो कि उस क्षेत्र से सटा हुआ था जहाँ से छिपे हुए आतंकवादी लगातार गोलीबारी कर रहे थे, बल्कि इन दलों को सेना के दलों के साथ समन्वय और तालमेल भी बनाए रखना था, जिन्होंने आतंकवादियों को उलझाये रखा और जो कि निकासी टीमों को कवर गोलीबारी प्रदान कर रहे थे। आम नागरिकों को सफलतापूर्वक बाहर निकाले जाने के बाद तीसरा और सबसे महत्वपूर्ण चरण था, छिपे हुए आतंकवादियों को निष्क्रिय करना। आतंकवादियों को आत्मसमर्पण करने के लिए

चुनौती दी गई, लेकिन इसके जवाब में उन्होंने गोलियों की बौछार की और ग्रेनेड फेंका। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बांदीपोरा, सीओ 13 आरआर और सीओ सीआरपीएफ, तीसरी बटालियन श्री चेतन प्रकाश की समग्र कमान और निगरानी में एक फिदायीन रोधी (एंटी फिदायीन) दस्ते का गठन किया गया, जिसमें एसडीपीओ सुंबल साकिब घनी उप पुलिस अधीक्षक प्रोब अपने सहयोगी के साथ और 13 आरआर के मेजर बिशाल सिंह थापा अपने सहयोगी के साथ, उप पुलिस अधीक्षक (पीसी) बांदीपोरा अपने सहयोगी के साथ और 31 आरआर के मेजर अमित गौड़ अपने सहयोगी के साथ शामिल थे। इन दोनों ऑपरेशनल टीमों ने लक्षित क्षेत्र पर धावा बोल दिया और इसके बाद हुई पास की लड़ाई में, आतंकवादी ने भागने की कोशिश की। घेराबंदी मजबूत कर दी गई थी और उसके इरादों को नाकाम करने के लिए बीपी वाहनों को सड़क पर तैनात किया गया था। आतंकवादी यह भांपकर कि, वह फंस गया है, उसने गली में पोजिशन ले ली और बलों पर भारी गोलीबारी की जिसके कारण सेना के 03 सैनिकों ने शहादत प्राप्त की और बीएस थापा मेजर 13 आरआर, चेतन कुमार चीता सीओ सीआरपीएफ 45 बटालियन तथा अन्य सैनिक गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें कि दो खोजी पुलिस पार्टियों, जिसमें एसडीपीओ सुंबल, साकिब गनी उप पुलिस अधीक्षक प्रोब अपने सहयोगी के साथ, 31 आरआर के मेजर अमित गौड़ अपने सहयोगी के साथ और उप पुलिस अधीक्षक(पीसी) बांदीपोरा अपने सहयोगी के साथ शामिल थे, द्वारा बाहर निकालकर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया। गोलीबारी का प्रभावी ढंग से जवाब दिया गया और बंदूक की इस लड़ाई में लश्कर-ए-तैयबा का एक विदेशी आतंकवादी अबू हंस निवासी पाकिस्तान मारा गया। ऑपरेशन के दौरान बरामद हुए हथियारों/गोला-बारूद में 1 एक-56 राइफल, 4 एके-56 मैगजीन, 71 एके-56 कारतूस, 1 असुरक्षित ग्रेनेड, 1 पाउच और 4270/-रु भारतीय मुद्रा (क्षतिग्रस्त) शमिल है। पुलिस स्टेशन हाजिन में आरपीसी की धारा 302, 307, 148, 149, 427, 353, 332, 336, 3/4 विस्फोटक उप अधिनियम, 7/27 आईए अधिनियम के तहत मामला एफआईआर संख्या 06/2017 दर्ज है और जांच शुरू की गई है।

इस ऑपरेशन में सर्व/श्री मीर मुर्तजा हुसैन सोहिल, उप पुलिस अधीक्षक और मीर इश्फाक, कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किये जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 14.02.2017 से दिया जाएगा।

पी. प्रवीण सिद्धार्थ
विशेष कार्य अधिकारी

सं. 139-प्रेज/2019—राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर पुलिस के निम्नलिखित अधिकारियों को वीरता के लिए पुलिस पदक/वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार प्रदान करते हैं:—

अधिकारियों के नाम और रैंक

सर्व/श्री

1.	जुबैर अहमद खान वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार
2.	अफरात हुसैन उप पुलिस अधीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
3.	मसरूर अली वानी उप निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
4.	मंजूर अहमद लोन हेड कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक
5.	जहूर अहमद लोन कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 16.06.2017 को लगभग 0600 बजे, अनंतनाग पुलिस को मोहम्मद शफी मलिक पुत्र जीएच हसन मलिक निवासी-मोहल्ला ईद गाह अर्वानी के घर में लश्कर-ए-तैयबा के तीन खूंखार आतंकवादियों की मौजूदगी होने के संबंध एक विश्वसनीय इनपुट प्राप्त हुआ। अनंतनाग पुलिस द्वारा एक संयुक्त ऑपरेशन की योजना बनाई गई और सीआरपीएफ की 90वीं बटालियन और प्रथम आरआर के

सैनिक भी इसमें शामिल किये गये। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अनंतनाग की समग्र कमान में संयुक्त टुकड़ी शीघ्र ही लक्षित स्थल की ओर चल पड़ी और ऑपरेशन शुरू किया गया। ऑपरेशन को अंजाम देने के लिए, ऑपरेशन के संचालन के लिए 02 टीमें गठित की गईं जिनमें उप निरीक्षक ऋषि कुमार 141/पीएयू, उप निरीक्षक मसरूर अली एआरपी-109301, हेड कांस्टेबल मंजूर अहमद 599/ए, सलेक्शन ग्रेड कांस्टेबल दुष्यंत राज 549/आईआरपी, सलेक्शन ग्रेड कांस्टेबल सुरिंदर रैना 1201/ए, कांस्टेबल जहूर अहमद 1796/ए, कांस्टेबल बिलाल अहमद 643/आईआरपी, कांस्टेबल फरीद अहमद 1399/ए, कांस्टेबल एजाज अहमद 1871/ए, कांस्टेबल मंज़ूर अहमद 381/एडब्ल्यूटी, एसपीओ मोहम्मद इकबाल 1337/एसपीओ, शब्बीर अहमद 798/एसपीओ, अब्दुल माजिद 1210/एसपीओ, लतीफ अहमद 421/एसपीओ, रियाज अहमद एसपीओ, शब्बीर अहमद एसपीओ, मोहम्मद लतीफ एसपीओ, बशीर अहमद 943/एसपीओ और एसपीओ जाहिद अहमद 365/एसपीओ शामिल थे और जिनका नेतृत्व श्री अफरत हुसैन, उप पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन) अनंतनाग और श्री जीएच मोहम्मद, उप पुलिस अधीक्षक पीसी श्रीगुफवारा कर रहे थे। जब तलाशी अभियान शुरू किया गया, तो घर में छिपे आतंकवादियों से आत्मसमर्पण करने के लिए कहा गया लेकिन उन्होंने इंकार कर दिया और बदले में तलाशी दल पर अंधाधुंध गोलीबारी की। चूंकि घुप्प अंधेरे को देखते हुए समानांतर क्षति की संभावना थी, इसलिए इस जोखिम से बचने के लिए हर संभव सावधानी बरती गई। यह सुनिश्चित करना कठिन था कि आतंकवादी जिंदा हैं, मर गए हैं या अंधेरे में भाग गए हैं। दूसरे दिन के शुरूआती घंटों में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अनंतनाग, पुलिस अधीक्षक ऑपरेशन अनंतनाग ने लक्षित घर में घुसने के लिए एक रणनीति तैयार की, जिसके लिए श्री जुबैर अहमद खान, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अनंतनाग और एसपी, ऑपरेशन अनंतनाग की देखरेख में उपर्युक्त दो टीमें अपनी जान को जोखिम में डालकर उस क्षेत्र की ओर बढ़े, जहां से आतंकवादियों ने गोलीबारी की थी। पुलिस की गतिविधि को देखकर आतंकवादियों ने अचानक गोलीबारी शुरू कर दी, जिसका एडवांस पार्टी द्वारा प्रभावी ढंग से जवाब दिया गया और इससे बंदूक की भीषण लड़ाई शुरू हो गई, जिसका अंत तीन खूंखार आतंकवादियों के खात्मे के साथ हुआ, जिनकी पहचान बाद में जुनैद अहमद मट्टू उर्फ अबू हमजा पुत्र मंजूर अहमद मट्टू निवासी-खुडवानी खामू (श्रेणी ए), नासिर अहमद वानी पुत्र मोहम्मद अहसान वानी निवासी-हेफ शिरमल शोपियां (श्रेणी सी) और आदिल मुश्ताक रेशी पुत्र मुश्ताक अहमद रेशी निवासी-फ्रस्टाबल पंपोर (श्रेणी सी) के रूप में हुई। आतंकवादियों से बरामद हथियारों/गोला बारूद में 02 एके राइफल (क्षतिग्रस्त) और 03 एके मैगजीन (01 क्षतिग्रस्त) शामिल है। इसके लिए, बिजबेहरा पुलिस स्टेशन में आरपीसी की धारा 307, यूएलए (पी) और 7/27 आयुध अधिनियम के तहत मामला एफआईआर संख्या 76/2017 दर्ज है और जांच शुरू की गई है।

इस ऑपरेशन में सर्व/श्री जुबैर अहमद खान, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, अफरात हुसैन, उप पुलिस अधीक्षक, मसरूर अली वानी, उप निरीक्षक, मंजूर अहमद लोन, हेड कांस्टेबल और जहूर अहमद लोन, कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किये जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 16.06.2017 से दिया जाएगा।

पी. प्रवीण सिद्धार्थ
विशेष कार्य अधिकारी

सं. 140-प्रेज/2019—राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर पुलिस के निम्नलिखित अधिकारियों को वीरता के लिए पुलिस पदक प्रदान करते हैं:—

अधिकारियों के नाम और रैंक

सर्व/श्री

1. संजीव देव सिंह
   उप निरीक्षक

2. अरफत अहमद राथर
   हेड कांस्टेबल

3. फारूक अहमद खान
   सलेक्शन ग्रेड कांस्टेबल

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 09.08.2017 को, अवंतीपोरा पुलिस को गांव गुलाब बाग त्राल में आतंकवादियों की मौजूदगी होने के बारे में एक विश्वसनीय इनपुट मिला। तदनुसार, अवंतीपोरा पुलिस, 42-आरआर और सीआरपीएफ की 180 बटालियन द्वारा संयुक्त रूप से गाँव की घेराबंदी की गई। तुरंत, श्री मोहम्मद जैद, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अवंतीपोरा की गहन निगरानी में 02 संयुक्त खोजी दलों का गठन किया

गया जिनमें से एक श्री एजाज अहमद, उप पुलिस अधीक्षक (पीसी) पंपोर की कमान में था और दूसरा श्री शाजादा कबीर मट्टू, उप पुलिस अधीक्षक (पीसी) त्राल की कमान में थे। खोज अभियान के दौरान, संयुक्त खोजी दलों द्वारा कुछ संदिग्ध गतिविधि देखी गई और आतंकवादियों ने यह समझकर कि उनकी घेराबंदी कर ली गई है, खोजी दलों पर गोलीबारी की और एक नाले के रास्ते भागने का प्रयास किया। संयुक्त खोजी दल पहले ही बेहतर पोजीशन में थे और उन्होंने आतंकवादियों पर जवाबी गोलीबारी की। आतंकवादियों को आत्मसमर्पण करने के लिए कहा गया, जिसे कि उन्होंने नकार दिया। आतंकवादियों ने पास के एक नाले के रास्ते मुठभेड़ स्थल से भागने की कोशिश की लेकिन पहले खोजी दल जिसमें, श्री एजाज अहमद, उप पुलिस अधीक्षक (पीसी) पंपोर के साथ हेड कांस्टेबल अराफात 488/एस, सलेक्शन ग्रेड कांस्टेबल फारूक अहमद 819/आईआर 11वीं बटालियन, सलेक्शन ग्रेड कांस्टेबल जाविद इकबाल 189/एडब्ल्यूटी, कांस्टेबल साजिद सलाम 809/एडब्ल्यूटी, कांस्टेबल मोहम्मद अबास मल्ला 558/एडब्ल्यूटी, कांस्टेबल निसार अहमद 513/एडब्ल्यूटी, कांस्टेबल जाविद अहमद 6631 एडब्ल्यूटी, एसपीओ जहूर अहमद डार 99/एसपीओ, एसपीओ लतीफ अहमद सोफी 503/एसपीओ, एसपीओ मोहम्मद अशरफ 319/एसपीओ, एसपीओ रेयाज अहमद खान 357/एसपीओ, एसपीओ मोहम्मद अशरफ शान 114/एसपीओ, एसपीओ अमरपाल सिंह 326/एसपीओ, एसपीओ रविंदर सिंह 218/एसपीओ और एसपीओ सजाद हुसैन सं. 311/एसपीओ शामिल थे, ने उनकी इस गतिविधि को देखा लिया और आतंकवादियों पर गोलीबारी कर दी जिससे वे नाले में फंस गए। इस बीच आतंकवादियों ने नाले के बीच में रेत के ऊंचे प्राकृतिक ढ़ेर के पीछे पोजीशन ले ली और खोजी दल की ओर लगातार गोलीबारी करते रहे। इसी समय दूसरे खोजी दल, जिसमें श्री शाजादा कबीर मट्टू, उप पुलिस अधीक्षक पीसी त्राल के साथ उप निरीक्षक संजीव देव सिंह एआरपी 996974, सलेक्शन ग्रेड कांस्टेबल खुर्शीद अहमद 526/एडब्ल्यूटी, सलेक्शन ग्रेड कांस्टेबल सतीश्वर सिंह 115/एपी 5वीं बटालियन, सलेक्शन ग्रेड कांस्टेबल गजेनफुर अहमद 695/एपी 5वीं बटॉलियन, कांस्टेबल परवेज अहमद 784/एडब्ल्यूटी, कांस्टेबल शौकत अहमद 714/एडब्ल्यूटी, एसपीओ खुर्शीद अहमद डार 111/एसपीओ, एसपीओ मोहम्मद रफीक रैना 743/एसपीओ, एसपीओ फैयाज अहमद 304/एसपीओ, एसपीओ इरशाद अहमद शेख 168/एसपीओ, एसपीओ मोहम्मद मकबूल भट्ट 277/एसपीओ, एसपीओ एजाज अहमद 41/एसपीओ, एसपीओ उमर फारूक 64/एसपीओ और एसपीओ इकलील अहमद 53/एसपीओ शामिल थे, ने आतंकवादियों को उलझाने के लिए नाले को पार किया जो कि भागने का इंतजाम कर रहे थे और वे तुरंत नाले में घुस गए और चतुराई से नाले को पार करने के लिए एवं नाले के दूसरी तरफ से भागते हुए आतंकवादियों को कवर करने के लिए आगे बढ़े। इसी बीच, उप पुलिस अधीक्षक (पीसी) पंपोर ने भी अपने सहयोगी जोड़ीदार के साथ नाले को पार किया और नाले के किनारे पेड़ों की आड़ में आतंकवादियों के करीब पहुंच गए। आतंकवादियों ने देखा कि संयुक्त खोजी दल ऊंचाई वाली सतह पर उनको कवर कर रहे हैं और उनकी ओर बढ़ रहे हैं, तो उन्होंने अपनी पोजीशन बदल ली और भागने के लिए किनारे के पास पहुंचने की कोशिश की, लेकिन पहला खोजी दल, जिसमें श्री एजाज अहमद के साथ हेड कांस्टेबल अराफात, सलेक्शन ग्रेड कांस्टेबल फारूक अहमद, सलेक्शन ग्रेड कांस्टेबल जावीद इकबाल शामिल थे, अपनी जान की परवाह किए बिना उनके बहुत करीब पहुंच गए और सावधानीपूर्वक आगे बढ़े तथा उन्होंने एक आतंकवादी पर उस समय गोलीबारी की कि जब वह नाले में बहते पानी को पार कर रहा था, जिसके परिणामस्वरूप वह मारा गया। अन्य आतंकवादियों ने नाले में उखड़े हुए पेड़ के पीछे कवर लिया और दल की ओर ग्रेनेड फेंका जो धमाके के साथ फट गया लेकिन सौभाग्य से कोई नुकसान नहीं हुआ। अन्य आतंकवादी भागने की फिराक में संयुक्त खोजी दलों पर अंधाधुध गोलीबारी कर रहे थे। दूसरा खोजी दल, जिसमें उप पुलिस अधीक्षक (पीसी) त्राल अपने सहयोगी जोड़ीदार के साथ शामिल थे, ने आगे बढ़ने का फैसला लिया और उप निरीक्षक संजीव देव सिंह और सलेक्शन ग्रेड कांस्टेबल खुर्शीद अहमद के समय गंवाए बिना आतंकवादी पर गोलियां दागीं और उसे मार गिराया। तीसरे आतंकवादी ने दूसरे खोजी दल पर अंधाधुध गोलीबारी की और इस स्थिति का फायदा उठाकर पहला खोजी दल, जिसमें उप पुलिस अधीक्षक (पीसी) पंपोर, श्री एजाज अहमद अपने सहयोगी जोड़ीदार के साथ शामिल थे, आतंकवादी के सामने आ गया और कुछ ही क्षणों में उनका सफाया कर दिया, जिससे मुठभेड़ खत्म हुई। मारे गए आतंकवादियों की पहचान मोहम्मद इशाक भट्ट पुत्र अब्दुल सलाम भट्ट निवासी-बटागुंड त्राल (श्रेणी-ए), जाहिद अहमद भट्ट पुत्र अब्दुल राशिद भट्ट निवासी-नौडल त्राल (श्रेणी-बी) और मोहम्मद अशरफ डार पुत्र जीएच. मोहि-उ-द्दीन डार निवासी-बाघी त्रिच पुलवामा (श्रेणी-बी) के रूप में हुई, जो विगत में हिजबुल मुजाहिद्दीन/लश्कर-ए-तैयबा से संबद्ध अंसार गजवत-उल-हिंद (जाकिर मूसा ग्रुप) से संबंधित थे। ऑपरेशन के दौरान बरामद हथियारों/गोला-बारूद में 2 एके-47 राइफल (1 क्षतिग्रस्त), 4 एके मैगजीन (1 क्षतिग्रस्त), 105 एके-कारतूस, 1 पिस्तौल 9 मिमी, 1 पिस्तौल मैगजीन, 2 पिस्तौल कारतूस, 2 पाउच और 1 केनवास बेल्ट शामिल थी। त्राल पुलिस स्टेशन में आरपीसी की धारा 307, 7/27 आयुध अधिनियम, यूएलए(पी) अधिनियम की धारा 16, 18, 20 और 38 के तहत मामला एफआईआर संख्या 57/2017 दर्ज है और जांच शुरू की गई है।

इस ऑपरेशन में सर्व/श्री संजीव देव सिंह, उप निरीक्षक, अरफत अहमद राथर, हेड कांस्टेबल और फारूक अहमद खान, सलेक्शन ग्रेड कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किये जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 09.08.2017 से दिया जाएगा।

पी. प्रवीण सिद्धार्थ
विशेष कार्य अधिकारी

सं. 141-प्रेज/2019—राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर पुलिस के निम्नलिखित अधिकारियों को वीरता के लिए पुलिस पदक/वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार प्रदान करते हैं:—

अधिकारियों के नाम और रैंक

सर्व/श्री

1.	शफत मोहम्मद नजर उप पुलिस अधीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार
2.	निसार अहमद भट्ट निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार
3.	साकित कौल सलेक्शन ग्रेड कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 09.10.2017 को, शोपियां पुलिस को गांव गट्टीपोरा केलर में आतंकवादियों की मौजूदगी होने के बारे में एक विश्वसनीय इनपुट प्राप्त हुआ। तुरंत ही शोपियां/पुलवामा पुलिस ने 44 आरआर, 10 गढ़वाल और सीआरपीएफ की 14वीं बटालियन की सहायता से उक्त गांव का संयुक्त सीएएसओ शुरू किया गया। ऑपरेशन को सफल बनाने के लिए आतंकवादियों के स्थान/छिपने की जगह की पहचान करने हेतु वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शोपियां की संयुक्त निगरानी में दो पुलिस/सुरक्षा बल टीमें गठित की गईं। गठित की गई टीमें उस स्थान का पता लगाने से सफल रहीं, जहां पर आतंकवादी छिपे हुए थे। पहला दल जिसमें शोपियां की पुलिस पार्टी और 10 गढ़वाल, 44 आरआर और सीआरपीएफ की 14वीं बटालियन की छोटी क्यूआरटी शामिल थे, को उत्तर-पूर्वी तथा दक्षिण-पूर्वी तरफ से लक्षित घर की घेराबंदी करने को कहा गया और दूसरे पुलिस दल को उत्तर-पूर्वी तथा दक्षिण-पूर्वी तरफ से संदिग्ध घर की घेराबंदी करने को कहा गया। दलों ने तैयार की गई योजना के अनुसार खुद को पोजीशन कर लिया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शोपियां, जो कि घेराबंदी दलों के समग्र प्रभारी थे, ने पुलवामा/शोपियां पुलिस की छोटी टीमों का गठन किया। एक टीम में निरीक्षक निसार अहमद सं. एआरपी-046110, उप निरीक्षक ताशी ग्यालसन सं. ईएक्सके-055608 और सलेक्शन ग्रेड कांस्टेबल मंजूर अहमद सं. 318/पीएल और अन्य शामिल थे और दूसरी टीम में श्री शफत मोहम्मद नजर उप पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन), केल्लर, श्री आशिक हुसैन उप पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय), शोपियां, श्री वजाहत हुसैन उप पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन), जैनपोरा, सलेक्शन ग्रेड कांस्टेबल साकित कौल सं. 393/आईआर 18वीं और सलेक्शन ग्रेड कांस्टेबल अली मोहम्मद सं. 387/आईआर 14वीं बटॉलियन शामिल थे, जिन्हे आस-पास के मकानों से निवासियों को बाहर निकालना था क्योंकि यह एक घना इलाका था। सबसे पहले दोनों टीमों ने बहुत चतुराई और समझदारी से निवासियों को आस-पास के घरों/बागों से बाहर निकाला और आस-पास के सुरक्षित स्थान पर पहुंचा दिया ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि कोई अतिरिक्त क्षति न हो। छिपे हुए तीन आतंकियों को आत्मसमर्पण करने के लिए कहा गया जिसे कि उन्होंने अस्वीकार कर दिया और ऑपरेशनल दलों पर गोलीबारी शुरू कर दी, जिसका प्रभावी ढ़ंग से जवाब दिया गया। ऑपरेशन के कमांडर ने लक्षित घर के लिए भेदन दल (इंटरवेंशन पार्टी) की योजना बनाई। भेदन दल ने सभी सावधानियां बरतने के बाद अंदर घुसने की प्रक्रिया शुरू की; हालाँकि, जब दल संदिग्ध घर के पास पहुँचा, तो उसे अली मोहम्मद निवासी गट्टीपोरा के घर के अंदर पोजीशन लिए हुए आतंकवादियों की भारी गोलीबारी का सामना करना पड़ा। छिपे हुए आतंकवादियों ने आगे बढ़ रहे दलों पर ग्रेनेड फेंके और गोलियां दागीं, जिसमें भेदन दल चमत्कारिक तरीके से बच गए। एक चतुर चाल के रूप में भेदन दल पीछे हट गया और बदले में दूसरी तरफ से घर में घुस गया। इस प्रारंभिक चरण में, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शोपियां ने दो छोटे दलों का गठन किया, एक दल में श्री शफत मोहम्मद नजर उप पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन), केल्लर, उप पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय), शोपियां, सलेक्शन ग्रेड कांस्टेबल साकित कौल सं. 393/आईआर 18वीं और सलेक्शन ग्रेड कांस्टेबल अली मोहम्मद सं. 387/आईआर 14वीं बटॉलियन सहित शोपियां पुलिस के पर्याप्त नफरी और 10 गढ़वाल, 44 आरआर और सीआरपीएफ की 14वीं बटालियन के क्यूआरटी शामिल थे। दूसरे दल में श्री वजाहत हुसैन उप पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन), जैनपोरा, निरीक्षक निसार अहमद सं. एआरपी-046110, उप निरीक्षक ताशी ग्यालसन सं. ईएक्सके-055608 और सलेक्शन ग्रेड कांस्टेबल मंजूर अहमद सं. 318/पीएल सहित पुलवामा जिले के पुलिस कार्मिक तथा 10 गढ़वाल, 44 आरआर और सीआरपीएफ की 14वीं बटालियन की छोटी क्यूआरटी शामिल थे। पहले दल ने दक्षिण-पूर्व की ओर से घर में प्रवेश करने का निर्णय लिया और दूसरे दल ने दक्षिण-पश्चिम की ओर से लक्षित घर में प्रवेश करने का निर्णय लिया। लेकिन छिपे हुए आतंकवादियों ने एक खिड़की से ग्रनेड फेंके, परन्तु इससे कोई नुकसान नहीं हुआ क्योंकि दल चतुराई से आगे बढ़ रहे थे और वे लक्षित घर की उस खिड़की के पास पंहुच गए, जहां से आतंकवादियों ने ग्रेनेड फेंके थे/गोलीबारी की। तब आतंकवादियों ने घेराबंदी को तोड़ने और भागने के प्रयास में घर के मुख्य दरवाजे के माध्यम से अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। उसी समय श्री शफत मोहम्मद नजर उप पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन), केल्लर, श्री आशिक हुसैन उप पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय), शोपियां, सलेक्शन ग्रेड कांस्टेबल साकित कौल, सलेक्शन ग्रेड कांस्टेबल अली मोहम्मद, सलेक्शन ग्रेड कांस्टेबल मोहम्मद इम्तियाज सं. 657/एसपीएन, सलेक्शन ग्रेड कांस्टेबल तारिक अहमद, कांस्टेबल कासिर अहमद सं. 383/आईआरपी 18वीं, कांस्टेबल जाहिद इकबाल सं.

199/आईआर दूसरी, कांस्टेबल मेहराज-उद-दीन सं. 627/एसपीएन, एसपीओ परवेज अहमद सं. 204/एसपीएन, एसपीओ बशीर अहमद सं. 391/एसपीएन, एल/एसपीओ मारूफा सं. 131/एसपीएन, एसपीओ गुफ्तार अहमद सं. 298/एसपीएन, एसपीओ जहांगीर अहमद सं. 58/एसपीएन, एसपीओ ओपेंदर सिंह सं. 132/एसपीएन, एसपीओ मोहम्मद यासीन सं. 149/एसपीएन ने अन्य सुरक्षा बल कार्मिकों के साथ लक्षित घर के समीप पहुंचने के बाद अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा की परवाह किए बिना गोलीबारी का प्रभावी ढ़ंग से जवाब दिया और दो आतंकवादियों को मार गिराया तथा एक अन्य आतंकवादी जो कि भागने के लिए, लक्षित घर के एक दूसरे हिस्से में छिप गया था, ने घेराबंदी को तोड़ने के लिए दक्षिण-पश्चिमी ओर की खिड़कियों से दूसरे दल पर अंधाधुध गोलीबारी शुरू कर दी लेकिन दल, जिसमें श्री वजाहत हुसैन उप पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन), जैनपोरा, निरीक्षक निसार अहमद, उप निरीक्षक ताशी ग्यालसन, सलेक्शन ग्रेड कांस्टेबल मंजूर अहमद, सलेक्शन ग्रेड कांस्टेबल गुरनाम सिंह सं. 2439/जे, सलेक्शन ग्रेड कांस्टेबल चंदर सिंह सं. 822/आईआर 11वीं, कांस्टेबल नजीर अहमद कोहली सं. 1046/पीएल, कांस्टेबल मुस्लिम इकबाल सं. 988/पीएल, कांस्टेबल इम्तियाज अहमद सं. 916/पीएल, एसपीओ सोहन कुमार सं. 17/पीयूएल, एसपीओ अल्ताफ हुसैन सं. 07/पीयूएल, एसपीओ अब्दुल हामिद सं. 285/पीयूएल, एसपीओ फिरदौस अहमद सं. 95/पीयूएल, एसपीओ मुख्तार अहमद सं. 223/पीयूएल, एसपीओ तनवीर अहमद 05/पीयूल और 10 गढ़वाल, 44 आरआर और सीआरपीएफ की 14वीं बटालियन के अन्य सुरक्षा बल कार्मिक शामिल थे, पहले से ही घर के दक्षिण-पश्चिमी तरफ पोजीशन ली हुई थी और उन्होंने बहादुरी से गोलीबारी का जवाब दिया और एक-दूसरे पर गोलीबारी में तीसरे आतंकवादी को भी मार गिराया। मारे गए आतंकवादी प्रतिबंधित हिजबुल मुजाहिद्दी संगठन से संबंद्ध थे, जिनकी पहचान बाद में जाहिद अहमद मीर उर्फ उबैद पुत्र शमीम अहमद मीर निवासी गनोवपोरा बालपोरा (वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शोपियां द्वारा दिनांक 28/07/2017 की सं. सीएस/एम-I/17/6230-33 के मार्फत "ए+" श्रेणी के लिए अनुशंसित "ए" श्रेणी), इरफान अब्दुल्ला गनी पुत्र मोहम्मद अब्दुल्ला निवासी हैफ जैनपोरा (वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शोपियां द्वारा दिनांक 28/07/2017 की सं. सीएस/एम-I/17/6230-33 के मार्फत "बी" श्रेणी के लिए अनुशंसित "सी" श्रेणी) और आसिफ अहमद पॉल पुत्र बशीर अहमद पॉल निवासी कथोहल्लन शोपियां (आरपीएचक्यू के दिनांक 28/07/2017 के पत्र सं. सीएस/80/2017/5709-11 के मार्फत "सी" श्रेणी के लिए अनुशंसित) के रूप में हुई। मारे गए आतंकवादियों से 01 आइएनएसएएस राइफल, 02 एके-47 राइफल, 52 आइएनएसएएस कारतूस, 119 एके-47 कारतूस, 04 एके-47 मैगजीन, 01 आइएनएसएएस मैगजीन, 01 चीनी ग्रेनेड, 03 कॉम्बैट पाउच, 03 स्लिंग, 02 एके-47 ब्रोकन केस, 01 आइएनएसएएस दागा गया केस, 02 कॉम्बैट यूनिफॉर्म, 01 माला, 03 बेल्ट, 01 रूमाल, 01 कॉम्बैट ट्राउजर, 01 कॉम्बैट क्लॉथ पीस, 01 हेयर बैंड, 01 हैंड ग्लव्स, 02 मेडिसिन बॉक्स, 01 नेल कटर, 01 कैंची, 01 टिशू पेपर और 01 टूथ ब्रश बरामद हुआ। इस संबंध में, केल्लर पुलिस स्टेशन में धारा 307, 7/27 आयुध अधिनियम के तहत मामला सं. 59/2017 दर्ज है और जांच शुरू कर दी गई है।

इस ऑपरेशन में सर्व/श्री शफत मोहम्मद नजर, उप पुलिस अधीक्षक, निसार अहमद भट्ट, निरीक्षक और साकित कौल, सलेक्शन ग्रेड कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किये जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 09.10.2017 से दिया जाएगा।

पी. प्रवीण सिद्धार्थ
विशेष कार्य अधिकारी

सं. 142-प्रेज/2019—राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर पुलिस के निम्नलिखित अधिकारियों को वीरता के लिए पुलिस पदक प्रदान करते हैं:—

अधिकारियों के नाम और रैंक

सर्व/श्री

01. जीएच. मोहम्मद भट,
उप पुलिस अधीक्षक

02. इश्फाक अहमद कसाना,
सलेक्शन ग्रेड कांस्टेबल

.03 योग राज
सलेक्शन ग्रेड कांस्टेबल

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 14.12.2016 को लगभग 0630 बजे, गांव बेवूरा श्रीगुफवारा में आतंकवादियों की मौजूदगी के संबंध में एक विश्वसनीय सूचना प्राप्त होने पर 3 आरआर और 116 बटालियन सीआरपीएफ के सहयोग से अनंतनाग पुलिस ने उक्त गांव में एक ज्वांईट ऑपरेशन

शुरू किया। स्थिति का विश्लेषण करने के पश्चात, उप पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन) संगम ने सैन्य दलों को हौसला रखने और मजबूती से घेराबंदी बनाए रखने के लिए सतर्क किया। पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन) अनंतनाग के पर्यवेक्षण में ऑपरेशन को सफल बनाने के लिए उप पुलिस अधीक्षक पीसी संगम की कमान में पुलिस/सीआरपीएफ/सेना की एक टीम मजबूती से घेराबंदी डालने हेतु गठित की गई। लक्षित घर में प्रवेश करने के लिए श्री जीएच. मोहम्मद, उप पुलिस अधीक्षक पीसी संगम, निरीक्षक तनवीर अहमद सं.7554/एनजीओ, उप निरीक्षक रियाज अहमद सं. 118/पीएल, हेड कांस्टेबल मोहम्मद याकूब सं. 140/ए, सलेक्शन ग्रेड कांस्टेबल योग राज सं. 559/आईआरपी, सलेक्शन ग्रेड कांस्टेबल इश्फाक अहमद सं. 537/ए, कांस्टेबल तारीक अहमद, 445/आईआरपी, कांस्टेबल परवेज अहमद सं. 1669/ए, एसपीओ जतिन्द्र सिंह सं. 554/एसपीओ, एसपीओ फयाज़ अहमद सं.151/एसपीओ, एसपीओ फारूख अहमद सं.518/एसपीओ, एसपीओ मेसार हुसैन सं.1279/एसपीओ और एसपीओ आशिक हुसैन सं.772/एसपीओ को शामिल करके पुलिस दल गठित किया गया। आतंकवादियों को आत्मसमर्पण करने के लिए कहा गया, जिसे उन्होंने इंकार कर दिया और बदले में उन्होंने पुलिस दल पर अंधाधुंध गोलीबारी की, जिसमें पुलिस दल बाल-बाल बचा। पुलिस दल द्वारा गोलीबारी का प्रभावशाली ढंग से जवाब दिया गया और आतंकवादियों को पीछे धकेल दिया गया। अत्याधुनिक हथियार से लैस सुप्रशिक्षित आतंकवादी ने अंधाधुंध गोलीबारी करने के बाद पुलिस दल पर ग्रेनेड फैंक कर घेराबंदी को तोड़ने का प्रयास किया। तथापि, पुलिस दल ने अपनी जान की परवाह किए बिना सेना के दो जवानों की सहायता से वीरतापूर्वक जवाबी कार्रवाई की, जिसमें हिजबुल मुजाहिद्दीन आतंकी संगठन का एक कुख्यात आतंकवादी मारा गया। बाद में, उस आतंकवादी की पहचान बासित रसूल डार उर्फ समीर पुत्र गुलाम रसूल डार निवासी-मरहमा मागरे पोरा के रूप में की गई, जिसे हिजबुल मुजाहिद्दीन आतंकी संगठन की "ख" श्रेणी के अंतर्गत शामिल करने की सिफारिश की गई थी। इस ऑपरेशन के दौरान बरामद शस्त्र/गोलाबारूद में 1 एके47 राइफल, 2 एके47 मैगजीन, 11 राउंड, 1 ग्रेनेड और 1 पाउच शामिल हैं। पुलिस स्टेशन श्रीगुफवारा में आयुध अधिनियम की धारा 307, 7/27 के तहत मामला एफआईआर सं. 68/2016 दर्ज है और इसकी जांच चल रही है। यह उल्लेख किया जाता है कि मारा गया आतंकवादी दिनांक 21.10.2016 से जिला अनंतनाग में सक्रिय था और उसे दक्षिण कश्मीर विशेषकर जिला अनंतनाग के लिए बड़ा खतरा समझा जाता था, क्योंकि वह सुरक्षा बलों पर आतंकवादी हमलों को अंजाम देने के लिए योजना बना रहा था। कथित आतंकवादी अनंतनाग, बीजबेहरा नगरों में हिजबुल मुजाहीदीन बेस को पुनर्गठित करने के लिए युवाओं को आतंकवादी रैंकों पर भर्ती करने के लिए प्रेरित करने की क्षमता रखता था। इस प्रकार, उसका मारा जाना जम्मू और कश्मीर पुलिस के लिए एक बड़ी सफलता थी।

इस ऑपरेशन में सर्व/श्री जीएच. मोहम्मद भट, उप पुलिस अधीक्षक, इश्फाक अहमद कसाना, सलेक्शन ग्रेड कांस्टेबल और योग राज, सलेक्शन ग्रेड कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किये जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 14.12.2016 से दिया जाएगा।

पी. प्रवीण सिद्धार्थ
विशेष कार्य अधिकारी

सं. 143-प्रेज/2019—राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर पुलिस के निम्नलिखित अधिकारियों को वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार प्रदान करते हैं:—

अधिकारियों के नाम और रैंक

सर्व/श्री

01.	गाजेनफर सैयद, निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार
02.	मंजूर अहमद मीर, हेड कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 09.03.2017 को, विश्वसनीय सूत्रों से एक विशेष सूचना प्राप्त हुई, कि हिजबुल मुजाहिद्दीन के प्रतिबंधित आतंकी संगठन के आतंकवादी नामतः मुश्ताक अहमद सीर पुत्र शेरदिल सीर निवासी मालनगाम ने निकटवर्ती पुलिस/सैन्य प्रतिष्ठान पर आतंकी हमला करने के इरादे से अवैध हथियारों/गोलाबारूद के साथ बांदीपोरा नगर में प्रवेश किया है। यह सूचना सेना की 14 आरआर और सीआरपीएफ की तीसरी बटालियन के साथ साझा की गई। तदनुसार, सावधानीपूर्ण योजना तैयार करने के पश्चात, अपर पुलिस अधीक्षक, उप पुलिस अधीक्षक मुख्यालय और निरीक्षक गाजेनफर सैयद ईएक्सके-906032 के साथ एसएसपी बांदीपोरा के सम्पूर्ण पर्यवेक्षण में बांदीपोरा पुलिस, सेना की 14 आरआर और सीआरपीएफ की तीसरी बटालियन द्वारा बीडीओ ऑफिस बांदीपोरा के नजदीक संयुक्त नाका लगाया गया।

श्री शेख जुल्फिकार आजाद, एसएसपी बांदीपोरा की संपूर्ण कमान एवं पर्यवेक्षण में श्री दाऊद अयूब, अपर पुलिस अधीक्षक बांदीपोरा, उप पुलिस अधीक्षक मुख्यालय बांदीपोरा, कांस्टेबल नाजीर अहमद 320/बीपीआर, कांस्टेबल बिलाल अहमद 909/बीपीआर और सेना की 14 आरआर के मेजर के नियंत्रण में एक ऑपरेशन टीम को लक्षित क्षेत्र के पूर्व से दक्षिण की ओर घेराबंदी करने का कार्य सौंपा गया, जबकि गाजेनफर सैयद ईएक्सके-906032, एसएचओ पुलिस स्टेशन बांदीपोरा और उनके साथी हेड कांस्टेबल मंजूर अहमद मीर 137/बीपीआर, सलेक्शन ग्रेड कांस्टेबल इरशाद अहमद 548/आईआरपी 8वीं बटालियन, कांस्टेबल सजाद अहमद 351/आईआरपी 8वीं बटालियन, कांस्टेबल रईस अहमद 353/बीपीआर, कांस्टेबल मोहम्मद याकूब 594/आईआरपी 8वीं बटालियन, एसपीओ उमर फारूख 72/एसपीओ, एसपीओ शम्स-उद्-दीन 271/एसपीओ, एसपीओ मोहम्मद अकबर 100/एसपीओ, एसपीओ मोहम्मद आमीन 204/एसपीओ, एसपीओ खुर्शीद अहमद 289/एसपीओ और एसपीओ गाजी मोहि-उद्-दीन 380/एसपीओ के नियंत्रण वाली दूसरी ऑपरेशन टीम को लक्षित क्षेत्र पश्चिम से दक्षिण की ओर घेराबंदी करने का काम सौंपा गया। इस घेराबंदी के दौरान, संयुक्त बल घटकों अर्थात् पुलिस और सेना ने अपने-अपने संचार वायरलेस सेटों के पारस्परिक आदान-प्रदान के माध्यम से गहन समन्वय स्थापित किया और इस प्रकार, बड़े संगठित और पेशेवर ढंग से कार्रवाई की। जबकि, सीआरपीएफ की तीसरी बटालियन वाली टीम और अन्य पुलिस दल को इन निर्देशों के साथ कानून और व्यवस्था बनाए रखने के ढंग से बाहरी घेराबंदी करने का काम सौंपा गया कि आस-पास के क्षेत्रों से किसी भी नागरिक को लक्षित स्थल की ओर जाने की अनुमति न दी जाए ताकि ऑपरेशन चलाने के दौरान अनियंत्रित भीड़ से मुख्य लक्षित क्षेत्र बाधित न हो सके। नाके के दौरान, गुलशन चौक, बांदीपोरा से कूईलमुकाम बांदीपोरा की ओर जाते हुए एक सूमो वाहन को बीडीओ कार्यालय बांदीपोरा के नजदीक नाका दल द्वारा तालाशी के लिए रोका गया। इस वाहन में सवार आतंकवादी को आत्मसमर्पण करने की चुनौती दी गई, परन्तु वह गोलियों की बौछार करते हुए जवाबी हमला करने लगा, जिसके परिणामस्वरूप सेना की 14 आरआर के मेजर जानी को चोटें लग गई। मुठभेड़ स्थल से नागरिकों को सुरक्षित बाहर निकालना ऑपरेशन दलों के लिए बड़ा भारी काम था। आतंकवादी ने भागने का प्रयास किया, घेराबंदी को सुदृढ़ किया गया और उसकी गतिविधि को विफल करने के लिए सड़क पर बीपी वाहन तैनात कर दिये गये। उपर्युक्त आतंकवादी ने स्वयं को घिरा हुआ जानकर गली में पोजिशन ले ली और सैन्य दलों पर भारी गोलीबारी शुरू कर दी। संयुक्त बलों द्वारा गोलीबारी का प्रभावशाली ढंग से जवाब दिया गया और निरंतर चलने वाली बंदूक की लड़ाई में हिजबुल मुजाहिद्दीन के प्रतिबंधित आतंकी संगठन का एक स्थानीय आतंकवादी नामत: मुश्ताक अहमद सीर पुत्र शेरदिल सीर निवासी मालंगगाम मारा गया। मृत आतंकवादी "क" श्रेणी का आतंकवादी था। ऑपरेशन के दौरान बरामद हथियार/गोलाबारूद में 01 चाइनीज पिस्तौल, 01 चाइनीज मैगजीन, 10 पिस्तौल राउंड, 02 कारतूस और 01 चाइनीज ग्रेनेड शामिल हैं। इस संबंध में, पुलिस स्टेशन बांदीपोरा में भारतीय आयुध अधिनियम की धारा 307,7/27 के तहत मामला एफआईआर सं.24/2017 दर्ज है।

इस ऑपरेशन में सर्व/श्री गाजेनफर सैयद, निरीक्षक और मंजूर अहमद मीर, हेड कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किये जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 09.03.2017 से दिया जाएगा।

पी. प्रवीण सिद्धार्थ
विशेष कार्य अधिकारी

सं. 144-प्रेज/2019—राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर पुलिस के निम्नलिखित अधिकारियों को वीरता के लिए राष्ट्रपति का पुलिस पदक/वीरता के लिए पुलिस पदक प्रदान करते हैं:—

अधिकारियों के नाम और रैंक

सर्व/श्री

01.	सैयद जहीर अब्बास जाफरी, उप पुलिस अधीक्षक	(वीरता के लिए पुलिस पदक)
02.	स्व. इम्तियाज अहमद, कांस्टेबल	वीरता के लिए राष्ट्रपति का पुलिस पदक (मरणोपरांत)
03.	मोहम्मद याकूब जेहरा, कांस्टेबल	(वीरता के लिए पुलिस पदक)

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 25/26.08.2017 की मध्यवर्ती रात्रि के दौरान, एसओजी कैंप पुलवामा पर आत्मघाती/फिदायीन हमला करने के लिए 03 विदेशी आतंकवादी अंधाधुंध गोलीबारी करने और ग्रेनेड फेंकने के पश्चात डीपीएल पुलवामा परिसर में घुस गये थे। आतंकवादियों को एक

पुलिस कांस्टेबल नामतः इम्तियाज अहमद 963/पीएल द्वारा रोका गया, जो एसओजी कैंप पुलवामा में ड्यूटी देने के लिए अपने आवासीय क्वार्टर (ब्लॉक सी) से निकल रहे थे। उक्त कांस्टेबल ने कुछ बंदूकधारी व्यक्तियों की संदिग्ध गतिविधि देखी, जो तेजी से एसओजी कैंप की ओर जा रहे थे। जब कांस्टेबल द्वारा उनको रूकने के लिए कहा गया, तो उन्होंने उस कांस्टेबल पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी और वह घायल हो गया। चूंकि, राजपत्रित आवासीय ब्लॉक फैमिली क्वार्टरों के समीप स्थित है, अतः गोलिबारी की आवाज सुनकर श्री जहीर अब्बास जाफरी, उप पुलिस अधीक्षक, ऑपरेशन पुलवामा तुरंत हरकत में आ गए और उन्होंने श्री मोहम्मद असलम, एसएसपी पुलवामा और श्री चंदन कोहली-आईपीएस, अपर पुलिस अधीक्षक, पुलवामा को भी सूचित किया। अधिकारीगण ज्यादा समय गवाए बिना अपने अनुरक्षक के साथ मुठभेड़ स्थल पर पहुंच गए। उप-पुलिस अधीक्षक, ऑपरेशन पुलवामा अपने अनुरक्षक नामतः हेड कांस्टेबल आशीष पंडिता 975/पीएल, सलेक्शन ग्रेड कांस्टेबल जहांगीर अहमद दर्जी 760/पीएल, सलेक्शन ग्रेड कांस्टेबल सन्नी भट 580/आईआर 11वीं बटालियन, सलेक्शन ग्रेड कांस्टेबल जावेद अहमद 587/पीएल और कांस्टेबल मोहम्मद याकूब 566/पीएल के साथ तत्काल घटना स्थल की ओर दौड़ पड़े। कांस्टेबल इम्तियाज अहमद सं. 963/पीएल द्वारा जवाबी गोलीबारी करने और अपने साथी के साथ उप-पुलिस अधीक्षक, ऑपरेशन पुलवामा के पहुंचने के कारण ये बंदूकधारी व्यक्ति (फिदायीन) डीपीएल पुलवामा के आवासीय ब्लॉकों में घुस गए। कांस्टेबल इम्तियाज अहमद 963/पीएल घायल होने के बावजूद अपनी अंतिम सांस तक लगातार लड़ते रहे और फिदायीनों को एसओजी कैंप के नजदीक नहीं आने दिया। आंतकवादियों (फिदायीन) ने कांस्टेबल के नजदीक कुछ यूबीजीएल भी फेंके, जिसके कारण वे गंभीर रूप से घायल हो गए और उनके सिर में गोली के छर्रे लग गए। उक्त कांस्टेबल चोटों के कारण लंबे समय तक जीवित नहीं रह सके और बाद में मृत्यु को प्राप्त/शहीद हो गए। उप-पुलिस अधीक्षक, ऑपरेशन पुलवामा ने उप निरीक्षक अमजद हुसैन ईएक्सके-109479 और सलेक्शन ग्रेड कांस्टेबल शहनवाज अहमद 446/पीएल, कांस्टेबल हिलाल अहमद ताली 1028/पीएल, कांस्टेबल मोहम्मद मकबूल लोन 1494/पीएल, फोल जगजीत सिंह एफ-35 आईआर 12वीं बटालियन, एसपीओ अली मोहम्मद 396/एसपीओ, एसपीओ हमीदुल्लाह मलिक 575/एसपीओ, एसपीओ मोहम्मद युनीस 170/एसपीओ, एसपीओ तौसीफ अली 107/एसपीओ, एसपीओ शौकत अहमद 155/एसपीओ, एसपीओ मोहम्मद युसुफ 431/एसपीओ, एसपीओ गुलाम नबी 63/एसपीओ, एसपीओ अब्दुल करीम जंगली 1315/एसपीओ (बीएलए), एसपीओ तारीक अहमद 387/एसपीओ और एसपीओ शौकत अहमद 50/एसपीओ की अगुवाई में एसओजी कैंप पुलवामा के एक सैन्य दल का नेतृत्व किया और 182 बटालियन सीआरपीएफ की सहायता से तत्काल उस क्षेत्र की घेराबंदी की तथा आतंकवादियों (फिदायीन) को आवासीय क्वार्टरों के बरामदे में रोकने का हर संभव प्रयास किया। प्रत्येक फिदायीन ने अलग-अलग आवासीय ब्लॉकों सी/डी/ई पर कब्जा कर लिया, लगातार अंधाधुंध गोलीबारी जारी रखी तथा उन्होंने तीन अलग-अलग दिशाओं से ग्रेनेड एवं यूबीजीएल फेंके। चूंकि, आवासीय ब्लॉक अर्थात् सी, डी और ई की एसओजी पुलवामा और सीआरपीएफ 182 बटालियन द्वारा घेराबंदी की गई थी, अतः शेष आवासीय ब्लॉकों की तलाशी ली गई और श्री जहीर अब्बास जाफरी, उप-पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन) पुलवामा द्वारा उन ब्लॉकों की सुरक्षा बढ़ा दी गई। आतंकवादियों (फिदायीन) द्वारा जबरन कब्जा किए गए क्वार्टरों से लोगों को निकालना एक बड़ी चुनौती थी क्योंकि वे उप पुलिस अधीक्षक, ऑपरेशन पुलवामा की अगुवाई वाले बचाव टीम पर अंधाधुंध गोलीबारी और ग्रेनेडों से हमला कर रहे थे, जिसमें उनका साथी गोली लगने से घायल हो गया। उप निरीक्षक अहमद हुसैन ईएक्सके 109479 के नेतृत्व वाले एसओजी पुलवामा की क्यूआरटी द्वारा प्रदान की गई कवर गोलीबारी में श्री देवेन्द्र सिंह, उप-पुलिस अधीक्षक डीएआर, डीपीएल पुलवामा और एएसआई करनैल सिंह 59/पीएल के सहयोग से भीषण हमले में भी बचाव कार्य को उप पुलिस अधीक्षक, ऑपरेशन पुलवामा द्वारा सफल बनाया गया। बचाव टीम ने अपनी निजी सुरक्षा की परवाह किए बिना एक क्वार्टर जो ब्लॉक "सी" के शीर्ष पर स्थित था तथा जिसमें 02 एसपीओ नामतः मोहम्मद युसुफ हाजम 54/एसपीओ, मोहम्मद रफीक हाजम 327/एसपीओ और एक नर्सिंग अर्दली नामतः अमरजीत सिंह सं.003019/पीएमएस रह रहे थे, को छोड़कर 30 क्वार्टरों से परिवारों को निकाला। अमरजीत सिंह और उप-पुलिस अधीक्षक, ऑपरेशन पुलवामा के बीच फोन पर संपर्क बना रहा तथा यह पता चला कि ब्लॉक "सी" में कथित एसपीओ खाली हाथ आतंकवादियों (फिदायीन) के साथ लड़े हैं और उन्होंने अपनी ओर से अधिकतम रूकावट पैदा की थी। इन एसपीओ को आतंकवादियों द्वारा गोली मार दी गई और उनको शहादत प्राप्त हुई। कॉल जारी थी और कथित नर्सिंग अर्दली को निकालने के लिए सभी आवश्यक उपाय किए गए, परंतु अचानक ही अमरजीत की ओर से कॉल काट दी गई और यह समझा गया कि उनको भी शहादत प्राप्त हो गई। लगभग 1100 बजे, परिवारों को बाहर निकालने की सम्पूर्ण प्रक्रिया पूरी हो गई थी, यद्यपि उप-पुलिस अधीक्षक, ऑपरेशन पुलवामा का एक सहायक नामतः कांस्टेबल मोहम्मद याकूब गंभीर रूप से घायल हो गया, फिर भी उप-पुलिस अधीक्षक, ऑपरेशन पुलवामा ने अपना धैर्य नहीं खोया और अपनी टीम के साथ सतर्क बने रहे तथा अपनी जान की परवाह किए बिना बचाव प्रक्रिया को बहादुरी से पूरा किया। घिरे हुए आतंकवादियों (फिदायीन) को मार गिराने के लिए, 182, 183 बटालियन सीआरपीएफ और 55आरआर के सहयोग से घेराबंदी को सुदृढ़ किया गया तथा डटकर जवाबी कार्रवाई की गई। ब्लॉक "डी" में छिपा हुआ एक आतंकवादी (फिदायीन) अचानक सैन्य दलों पर अंधाधुंध गोलीबारी करते हुए बाहर आ गया। इस घटना में उप-पुलिस अधीक्षक ऑपरेशन, पुलवामा बाल-बाल बच गए। कथित फिदायीन को आवासीय ब्लॉक "डी" के प्रवेश द्वार पर मार दिया गया। शेष आतंकवादी (फिदायीन) कुछ विशिष्ट लक्ष्यों पर गोलीबारी करते रहे और आवासीय परिसरों के आस-पास किसी गतिविधि (यदि दिखाई देती) पर गोलीबारी करते थे। अपनी टीम के साथ उप-पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन) पुलवामा अपनी जान की परवाह किए बिना सतर्क बने रहे और उन्होंने इस प्रकार की महत्वपूर्ण परिस्थिति का सामना किया/प्रभावशाली ढंग से जवाबी कार्रवाई की। यह मुठभेड़ चुनौतीपूर्ण थी और लगभग 20 घंटों तक चली तथा जब आतंकवादियों की ओर से गोलीबारी रूक गई, तो एसएसपी, पुलवामा की देखरेख में 55 आरआर

(सेना), 182 बटालियन और 183 बटालियन सीआरपीएफ तथा पुलिस की एक संयुक्त टीम गठित की गई। तलाशी के दौरान, दो अतिरिक्त आतंकवादियों के शव भी बरामद हुए, जिनकी बाद में अबू दाऊद, निवासी-पाकिस्तान, अबिरसाद, निवासी-पाकिस्तान और अबू बकर, निवासी-पाकिस्तान के रूप में पहचान की गई। ऑपरेशन के दौरान बरामद शस्त्रों/गोलाबारूद में यूबीजीएल के साथ 1 एके47 राइफल (क्षतिग्रस्त), 2 एके56 राइफल (क्षतिग्रस्त), 10 एके मैगजीन (4 क्षतिग्रस्त), 80 एके राउंड, 1 वेपन साइट और 3 बॉडी पाउच शामिल हैं। पुलिस स्टेशन पुलवामा में आरपीसी की धारा 307, भारतीय आयुध अधिनियम की धारा 7/27 और विधिविरुद्ध क्रियाकलाप अधिनियम की धारा 16, 18, 20 के अंतर्गत मामला एफआईआर सं. 282/2017 दर्ज है।

इस ऑपरेशन में सर्व/श्री सैयद जहीर अब्बास जाफरी, उप पुलिस अधीक्षक, स्व. इम्तियाज अहमद, कांस्टेबल और मोहम्मद याकूब जेहरा, कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किये जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 26.08.2017 से दिया जाएगा।

पी. प्रवीण सिद्धार्थ
विशेष कार्य अधिकारी

सं. 145-प्रेज/2019—राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर पुलिस के निम्नलिखित अधिकारी को वीरता के लिए पुलिस पदक प्रदान करते है:—

अधिकारी का नाम और रैंक

श्री निसार अहमद डार,
हेड कांस्टेबल

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 17.07.2017 को, अनंतनाग पुलिस को बुलबुल नौगाम-दियालगाम क्षेत्र में 02 से 03 आतंकवादियों के एक वाहन में घूमने के संबंध में विशेष सूचना प्राप्त हुई। तदनुसार, 19आरआर/40 बटालियन सीआरपीएफ के साथ पुलिस अनंतनाग द्वारा बुलबुल नौगाम-वानीहामा रोड पर वाटरगाम में एक संयुक्त नाका लगाया गया। स्थिति का विश्लेषण करने के पश्चात, उप-पुलिस अधीक्षक, ऑपरेशन अनंतनाग ने सैन्य दलों को हौसला बनाए रखने एवं नाके को मजबूती से नियंत्रण में रखने के लिए सतर्क किया। इस ऑपरेशन को सफल बनाने के लिए एसएसपी, अनंतनाग ने पूरे ऑपरेशन का कार्यभार ले लिया और पुलिस/सीआरपीएफ/सेना की संयुक्त टीमें गठित की। उप निरीक्षक मसरूर अली सं.एआरपी-109301, हेड कांस्टेबल मोहम्मद इकबाल सं.411/बी, हेड कांस्टेबल निसार अहमद सं.2258/एस, सलेक्शन ग्रेड कांस्टेबल मुदासिर अहमद सं.245/एएचजेएस, सलेक्शन ग्रेड कांस्टेबल मुजफ्फर अहमद सं.186/आईआरपी, कांस्टेबल शैलेन्द्र कुमार सं.297/जे, कांस्टेबल विक्की रैना सं.394/आईआरपी, एसपीओ जाविद अहमद सं.1204/एसपीओ, एसपीओ लतीफ अहमद सं.982/एसपीओ, एसपीओ जुल्फिकार नबी सं.1136/एसपीओ, एसपीओ लतीफ अहमद सं.644/एसपीओ, एसपीओ अब्दुल रहमान सं.702/एसपीओ, एसपीओ जहूर अहमद सं.02/एसपीओ और एसपीओ मोहम्मद अल्ताफ सं.389/एसपीओ के सहयोग से श्री अफरात हुसैन, उप-पुलिस अधीक्षक, पीसी अनंतनाग के पुलिस दल ने बुलबुल नौगाम-वानीहामा रोड पर वाटरगाम में मजबूत नाका लगाया। इसी बीच, एक वाहन (सफेद रंग की मारूति) सामने की ओर से नाका दल की तरफ आया, जिसको रोकने का संकेत दिया गया। तथापि, वाहन में सवार व्यक्तियों ने उस स्थान से बच निकलने के लिए नाका दल पर अंधाधुंध गोलीबारी की। सतर्क नाका दल ने प्रभावशाली ढंग से जवाबी कार्रवाई की, जिसके फलस्वरूप 3 आतंकवादी मारे गए, जिनकी पहचान लश्कर-ए-तैयबा के शौकत अहमद लौहार उर्फ अबु जिब्रान पुत्र-अब्दुल रहमान लौहार, निवासी-नई बस्ती अरवानी जो "क" श्रेणी के लिए अनुशंसित "ग" श्रेणी का आतंकवादी था, मुदासिर अहमद हाजम उर्फ अबु साद पुत्र गुल मोहम्मद हाजम, निवासी-दांवटपोरा कोकरनाग (ग-श्रेणी) और रईस अहमद भट उर्फ नासिर पुत्र नाजिर अहमद, निवासी-हाकूरा क्षेत्र पीर पोरा पेहरू अनंतनाग के रूप में की गई। मारे गए आतंकवादियों के पास से बरामद शस्त्र/गोलाबारूद में 01 एके-47 राइफल (सं.22149) (क्षतिग्रस्त), 02 एके-47 मैगजीन (01 क्षतिग्रस्त), 01 एसएलआर (बैरेल बाउडलराईज्ड), 03 एसएलआर मैगजीन, एसएलआर के 38 जिंदा कारतूस, मैगजीन (खाली) के साथ 01 पिस्तौल (चीन निर्मित), 01 जिंदा ग्रेनेड, 02 पाउच, 01 मारूति (800) सं. जेके02एम-3240, 03 मोबाइल (सैमसंग जे1, लावा मैजिक, सैमसंग-जे7) (मुदासिर उर्फ अबु साद से), 03 मोबाइल (नोकिया-1280, लावा, सैमसंग-ब्लैक) (शौकत उर्फ जिब्रान से), 01 मोबाइल (सैमसंग-ब्लैक) (रईस उर्फ नासिर से) और 01 एटीएम कार्ड सं. 5152280472030066 (रईस उर्फ नासिर से) शामिल हैं तथा पुलिस स्टेशन अनंतनाग में धारा 307, 7/27 आयुध अधिनियम के तहत मामला एफआईआर सं.167/2017 दर्ज है।

मारे गए आतंकवादियों को शांति-व्यवस्था, विशेषकर एसकेआर क्षेत्र में रेलवे ट्रैक सहित राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित मुख्य नगरों के लिए संभावित खतरा माना जाता था। वे सुरक्षा बल/पुलिस कार्मिकों की हत्या के अतिरिक्त एसकेआर में हथियार छिनने की हुई अनेकों घटनाओं में भी शामिल थे।

इस ऑपरेशन में श्री निसार अहमद डार, हेड कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

यह पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किया जाता है तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 17.07.2017 से दिया जाएगा।

पी. प्रवीण सिद्धार्थ
विशेष कार्य अधिकारी

सं. 146-प्रेज/2019—राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर पुलिस के निम्नलिखित अधिकारियों को वीरता के लिए पुलिस पदक/वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार प्रदान करते हैं:—

अधिकारियों के नाम और रैंक

सर्व/श्री

01.	रियाज अहमद लंगू, निरीक्षक	(वीरता के लिए पुलिस पदक)
02.	रमीस अहमद भट, सलेक्शन ग्रेड कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 13 नवम्बर, 2017 को, देर रात्रि के दौरान कुलगाम पुलिस को कुंड काजीगुंड, कुलगाम क्षेत्र में लश्कर-ए-तैयबा/हिजबुल मुजाहिद्दीन आतंकी संगठनों से संबंध रखने वाले आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में विश्वसनीय सूचना प्राप्त हुई, जो उस क्षेत्र में विशेषकर राष्ट्रीय राजमार्ग ए-1 पर संवेदनशील कार्रवाई करने के लिए कोई षड्यंत्र बना रहे थे। पुलिस, 9 आरआर, 10वीं सिख, 18वीं बटालियन सीआरपीएफ और 163वीं बटालियन सीआरपीएफ के संयुक्त सैन्य बल उस क्षेत्र की ओर चल दिए और आतंकवादियों को निष्क्रिय करने के लिए संयुक्त रणनीति तैयार की गई। पुलिस/सेना/सीआरपीएफ के संयुक्त दलों, जिनमें श्री श्रीधर पाटिल, आईपीएस, एसपी, कुलगाम के साथ अपर पुलिस अधीक्षक कुलगाम, श्री एजाज जारगर और श्री ऐजाज अहमद मलिक, उप-पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन) मंझगाम, उप-पुलिस अधीक्षक, बुरान-उल-हक, (सीआई) यूनिट के निरीक्षक रियाज अहमद और मंझगाम/कुलगाम/हातीपोरा से पुलिस दल शामिल थे, ने अपने संबंधित ऑपरेशनल अधिकारियों की अगुवाई में प्रारंभिक घेराबंदी की और बचाव के सभी मार्गों को अवरुद्ध किया। शुरूआत में, आम नागरिकों को बचाकर निकालने के प्रयास किए गए और गांव के बुजुर्गों के माध्यम से आतंकवादियों को आत्मसमर्पण करने का संदेश पहुंचाया गया, जिससे उन्होंने इंकार कर दिया और इसके विपरीत हताहत करने के इरादे से सुरक्षा बलों पर अंधाधुंध गोलीबारी की। पुलिस अधिकारियों द्वारा पूरे क्षेत्र को संवेदनशील बना दिया गया, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि कोई भी आम नागरिक आतंकवादियों के जाल में न फंस सके अथवा बंदी न बन सके, जिसे कि वे मानव ढाल के रूप में प्रयोग करें। आतंकवादियों पर नियंत्रण करने के लिए निरीक्षक रियाज अहमद सं.7173/एनजीओ अपने साथी सलेक्शन ग्रेड कांस्टेबल फिदा हुसैन सं.718/केजीएम और सलेक्शन ग्रेड कांस्टेबल रमीश अहमद सं.393/केजीएम के साथ लक्ष्य क्षेत्र के नजदीक गए परंतु आतंकवादियों ने पुलिस दल पर एक ग्रेनेड फैंका और उसके बाद भारी गोलाबारी की तथा घने जंगलों का फायदा उठाकर उस स्थान से बच निकलने का प्रयास किया। दूसरी ओर, हेड कांस्टेबल आजाद अहमद ईएक्सके-021654, हेड कांस्टेबल पदम देव 44/आईआरपी 18वीं बटालियन, सलेक्शन ग्रेड कांस्टेबल मोहम्मद अब्बास 6941 केजीएम, सलेक्शन ग्रेड कांस्टेबल निसार मकबूल 215/आईआर 11वीं बटालियन, सलेक्शन ग्रेड कांस्टेबल मियां हामिद 537/केजीएम, सलेक्शन ग्रेड कांस्टेबल एजाज अहमद ईएक्सके-982181, सलेक्शन ग्रेड कांस्टेबल अब्दुल क्यूम ईएक्सके-012394, कांस्टेबल शकूर अहमद 1083/केजीएम, कांस्टेबल बिलाल अहमद 929/केजीएम, कांस्टेबल गुलाम मोहम्मद ईएक्सके-126204, एसपीओ शाबिर अहमद पैरी 52/के, एसपीओ आर्शिद अहमद गनी 322/के, एसपीओ इम्तियाज अहमद 386/के, एसपीओ मिठन सिंह 289/के, एसपीओ मोहम्मद अमीन लोन 205/के, एसपीओ खुर्शीद अहमद वानी 361/के, एसपीओ फारूख अहमद 437/के, एसपीओ शौकत हुसैन 01/सीआईके, एसपीओ अब्दुल राशिद 02/एसपीओ-एसजीआर, एसपीओ मोहम्मद अयूब 04/के, एसपीओ वज़ीर अहमद 93/के, एसपीओ मोहम्मद रफीक 98/के ने आतंकवादियों के पद चिह्नों का पीछा किया और उन्हें नजदीकी बंदूक की लड़ाई में उलझा दिया। अधिकारी ने टीम लीडर के रूप में अपनी योग्यता का प्रदर्शन किया और ऑपरेशनल टीम का कुशल ढंग से

संचालन किया। अंधेरा और घने अखरोट के पेड़ों से घिरा जंगल ऑपरेशन को अंजाम देने में ऑपरेशनल टीम के लिए बड़ी बाधा थी। तथापि, निरीक्षक रिजाय अहमद और उनके सहायक ने आतंकवादियों की गतिविधि का अनुसरण किया और कठिन प्रयासों के पश्चात वे आतंकवादियों के नजदीक पहुंचने में सफल हो गए तथा एक खुले क्षेत्र में उनसे संपर्क स्थापित किया गया। उक्त अधिकारी और उनकी अपनी टीम के साथियों ने अपनी निजी सुरक्षा की परवाह किए बिना आतंकवादी के साथ लड़ाई की जिसके परिणामस्वरूप भीषण गोलीबारी हुई, जो हिजबुल मुजाहिद्दीन आतंकी संगठन के आतंकवादी को मार गिराने तक जारी रही। इस आतंकवादी की पहचान मुजामिल मंजूर डार पुत्र मंजूर अहमद डार निवासी-बदरू (क श्रेणी) के रूप में की गई। उसके पास से बरामद शस्त्र/गोलाबारूद में 1 कारबाइन एसएएफ-1990, रजि. 15208475, 1 मैगजीन कारबाइन और 7 जिंदा राउंड शामिल हैं। बंदूक की लड़ाई के दौरान, कांस्टेबल फिदा हुसैन (निरीक्षक रियाज अहमद के सहायक) को चोट लगने के अतिरिक्त 10 सिख रेजीमेंट के एक सैनिक को शहादत भी प्राप्त हुई। अगली सुबह, तलाशी अभियान दोबारा शुरू किया गया और लश्कर-ए-तैयबा आतंकी संगठन के एक आतंकवादी नामतः शमसूल विकार उर्फ प्यारा निवासी लारम गांजीपोरा (ख श्रेणी), जो 13/14-11-2017 की मध्यवर्ती रात्रि के दौरान घेराबंदी से बचकर भाग गया था, को चक बदवानी में हेड कांस्टेबल पदम देव एआरपी-835757, सलेक्शन ग्रेड कांस्टेबल निसार मकबूल सं.215/आईआर 11वीं बटालियन, कांस्टेबल शकूर अहमद 1083/केजीएम ईएक्सके-145447 और कांस्टेबल बिलाल अहमद सं.929/केजीएम ईएक्सके-11204, एसपीओ अब्दुल राशिद हाजम सं.02/एसपीओ, एसपीओ अयूब कादिर वागे सं.04/के, एकपीओ वज़ीर अहमद सं.93/के, रफीक अहमद मलिक सं.98/के वाले सतर्क तलाशी दल द्वारा गिरफ्तार कर लिया गया, जिन्होंने उसे जवाबी हमला करने और उस स्थान से बच निकलने का एक भी मौका नहीं दिया। गिरफ्तार आतंकवादी के पास से बरामद शस्त्र/गोलाबारूद में 1 एके47 राइफल (क्षतिग्रस्त), राउंड से भरी हुई 1 मैगजीन एके47, 9 जिंदा राउंड के साथ 1 मैगजीन एके47, 1 जिंदा हैंड ग्रेनेड और 1 कंबल शामिल हैं। जंगल में छिपे आतंकवादियों का पता लगाने के लिए तलाशी अभियान दोबारा शुरू किया गया और आतंकवादियों से दोबारा संपर्क स्थापित किया गया, जिसके फलस्वरूप हिजबुल मुजाहिद्दीन आतंकी संगठन का एक और आतंकवादी नामतः अट्टा मोहम्मद मलिक (ग-श्रेणी) गिरफ्तार किया जा सका, जो गंभीर रूप से घायल था और उसे उपचार के लिए एसडीएच काजीगुंड में शिफ्ट कर दिया गया। उसके पास से एक चीनी पिस्तौल क्र.सं.010032, पिस्तौल की 1 मैगजीन और 9 एमएम के 3 जिंदा राउंड बरामद हुए। इसके अतिरिक्त, आपसी लड़ाई में फंसा हुआ हिजबुल मुजाहिद्दीन का एक ओवर ग्राउंड वर्कर उस स्थान से बच निकला।

दोनों मामलों (एफआईआर सं. 313/2017 और सं. 314/2017) की जांच के दौरान गिरफ्तार आतंकवादी शमसूल विकार उर्फ प्यारा की निशानदेही पर बरामद किये गये शस्त्र/गोलाबारूद तथा अन्य सामग्रियों में एके राइफल की 3 मैगजीन (खाली), एके47 के 122 जिंदा राउंड, कारबाइन का 1 जिंदा राउंड, 1 पाउच (काले रंग का), थाइलैंड निर्मित 1 कलाई घड़ी, चमड़े के 1 जोड़ी दस्ताने, 1 कलाई घड़ी (ग्रे), सैमसंग का 1 चार्जर (सफेद रंग का), काले रंग का 1 मास्क, 1 पुल थ्रू, 1 छोटी चाबी, सफेद रंग का प्लास्टिक का 1 डिब्बा (खाली), 1 टेप रोल (आधा इस्तेमाल किया गया), 1 टूथब्रश, 1 लाल पैन, 1 नेल कटर, 05 टेबलेट मैडिसन (टेब. सिनारेस्ट), 1 टेबलेट ट्रमाडेल, 1 ऑइंटमेंट नियोस्प्रिन (नियोमाइसिन) (इस्तेमाल की गई) और मल्टी कलर का 1 बैग (काला, लाल, सफेद) शामिल हैं। इस ऑपरेशन में अधिकारियों/कार्मिकों (उपर्युक्त) की भूमिका सभी प्रकार से वीरतापूर्ण थी।

इस ऑपरेशन में सर्व/श्री रियाज अहमद लंगू, निरीक्षक और रमीस अहमद भट, सलेक्शन ग्रेड कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किये जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 14.11.2017 से दिया जाएगा।

पी. प्रवीण सिद्धार्थ
विशेष कार्य अधिकारी

सं. 147-प्रेज/2019—राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर पुलिस के निम्नलिखित अधिकारियों को वीरता के लिए पुलिस पदक प्रदान करते हैं:—

अधिकारियों के नाम और रैंक

सर्व/श्री

01. जतिंदर सिंह गड्डी,
सलेक्शन ग्रेड कांस्टेबल

02. मोहम्मद शफी भट,
सलेक्शन ग्रेड कांस्टेबल

03. परवेज अहमद
सलेक्शन ग्रेड कांस्टेबल

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 06.11.2017 को, लगभग 1630 बजे, एसएसपी, पुलवामा को गांव अगलार कांडी, पुलवामा में जैश-ए-मोहम्मद के तीन (03) आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में एक विश्वसनीय सूचना प्राप्त हुई, जिसे उप निरीक्षक अमजद हुसैन सं. ईएक्सके-109479 द्वारा विस्तार में स्पष्ट कर यह पुष्टि की गई कि ये आतंकवादी गुलाम हसन लोन के पुत्र शीराज अहमद लोन और मंजूर अहमद लोन के संयुक्त आवासीय मकान में छिपे हुए हैं। इस सूचना को 44 आरआर, 182/183 बटालियन सीआरपीएफ के साथ साझा किया गया और उस मोहल्ले की संयुक्त घेराबंदी करने का निर्णय लिया गया। तत्पश्चात, एसएसपी पुलवामा, अपर पुलिस अधीक्षक पुलवामा, उप निरीक्षक अमजद हुसैन अपने अनुरक्षक कार्मिकों और पुलिस घटक पुलवामा के एसओजी दल के साथ गांव अगलार कांडी, राजपोरा की ओर गए। लक्षित स्थान पर पहुंचने के बाद, अपर पुलिस अधीक्षक पुलवामा की प्रत्यक्ष कमान में पुलिस पुलवामा, सेना की 44 आरआर और सीआरपीएफ की 182,183 बटालियन द्वारा संयुक्त घेराबंदी की गई। घेराबंदी करने/उसको सुदृढ़ बनाने के पश्चात, हेड कांस्टेबल शाह फैजल 427/पीएल, सलेक्शन ग्रेड कांस्टेबल मोहम्मद याकूब 478/पीएल, सलेक्शन ग्रेड कांस्टेबल निसार अहमद 255/पीएल, कांस्टेबल इरशाद अहमद 743/पीएल, सलेक्शन ग्रेड कांस्टेबल मोहम्मद शफी 1326/पीएल, सलेक्शन ग्रेड कांस्टेबल परवेज अहमद 1306/पीएल और सलेक्शन ग्रेड कांस्टेबल जतिन्दर सिंह 278/आईआर के सहयोग से उप निरीक्षक अमजद हुसैन के पर्यवेक्षण में आतंकवादियों की तलाशी के प्रयास शुरू किए गए। इसी बीच, उपर्युक्त संयुक्त आवासीय मकान में छिपे आतंकवादियों ने नजदीक आते पुलिस दलों को देखते ही घेराबंदी से बच निकलने के लिए उन पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। परंतु, सैन्य दलों ने बुद्धिमानी से तत्काल पोजीशन ले ली और आत्म-सुरक्षा में जवाबी गोलीबारी की, जिसने आतंकवादियों को स्वयं को बचने के लिए मजबूर कर दिया और उनके बचने के प्रयास को विफल कर दिया और इस प्रकार फिर भीषण गोलीबारी शुरू हो गई। बाद में गोलीबारी का मजबूती से मुकाबला करने के लिए 04 टीमें गठित की गई। पश्चिमी छोर से गोलीबारी का जवाब देने के लिए हेड कांस्टेबल शाह फैजल, सलेक्शन ग्रेड कांस्टेबल मोहम्मद याकूब, सलेक्शन ग्रेड कांस्टेबल निसार अहमद, कांस्टेबल इरशाद अहमद और कांस्टेबल बैनर्जी रैना 450/पीएल तथा सेना/सीआरपीएफ के दल वाली एक टीम का नेतृत्व अपर पुलिस अधीक्षक पुलवामा द्वारा किया गया। दक्षिणी छोर से गोलीबारी का जवाब देने के लिए कांस्टेबल गुलाम कादिर 1628/पीएल, कांस्टेबल मंजूर अहमद 1057/पीएल, कांस्टेबल मेहराज-उद-दीन 1469/पीएल, कांस्टेबल जाविद नाजिर 1484/पीएल और सेना एवं सीआरपीएफ के सहयोगी दल वाली दूसरी टीम का नेतृत्व उप पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन) काकापोरा श्री सतीश कुमार केपीएस-127950 द्वारा किया गया। पूर्वी छोर से गोलीबारी का जवाब देने के लिए सलेक्शन ग्रेड कांस्टेबल मोहम्मद शफी, सलेक्शन ग्रेड कांस्टेबल परवेज अहमद, सलेक्शन ग्रेड कांस्टेबल जतिंदर सिंह, कांस्टेबल दानिश अल्लाही 993/पीएल, फोल शाबिर अहमद 05-एफ, एसपीओ बशरात अहमद 242/एसपीओ-एसजीआर, एसपीओ मुख्तार अहमद 248/एसपीओ, एसपीओ अब्दुल करीम 677/एसपीओ-एसजीआर, एसपीओ जहीर अब्बास 14/एसपीओ-जेडपीएचक्यू, एसपीओ गुलाम नबी 591/एसपीओ वाले तीसरे दल का नेतृत्व उप निरीक्षक अमजद हुसैन द्वारा किया गया। इसी क्रम में उत्तरी छोर से हेड कांस्टेबल मोहम्मद अमीन सं.230/आईआर 11वीं बटालियन, हेड कांस्टेबल लतीफ अहमद 814/पीएल, सलेक्शन ग्रेड कांस्टेबल यशपाल सिंह 292/आईआर पहली बटालियन, फोल सुनाउल्लाह एफ-43/एपी 8वीं बटालियन और सीआरपीएफ एवं सेना के सहयोगी दल वाली टीम का नेतृत्व निरीक्षक पंकज शर्मा सं.एआरपी-046140 आई/सी ईएसयू पुलवामा द्वारा किया गया। जब ऑपरेशन शुरू हुआ तो उप-पुलिस अधीक्षक ऑपरेशन, पुलवामा श्री जहीर अब्बास जाफरी - केपीएस के पर्यवेक्षण में एसपीओ नामतः एसपीओ जावेद अहमद 13/एसपीओ, एसपीओ मंजूर अहमद 172/एसपीओ, एसपीओ रियाज अहमद 212/एसपीओ, एसपीओ जोती सिंह 344/एसपीओ, एसपीओ इम्तियाज अहमद 117/एसपीओ, एसपीओ इश्फाक अहमद 210/एसपीओ, एसपीओ बशीर अहमद 533/एसपीओ, एसपीओ रईस अहमद 20/एसपीओ, एसपीओ रियाज अहमद 114/एसपीओ द्वारा आतंकवादियों की गतिविधि को रोकने के लिए सभी प्रकार के प्रयास किए गए। लक्षित क्षेत्र में रोशनी करने के पश्चात, लक्षित मकान में उपस्थित आम नागरिकों को एक-एक करके बाहर निकाला गया। इस कार्य को आई/सी पीसी पुलवामा उप निरीक्षक अमजद हुसैन ईएक्सके-109479 के साथ सलेक्शन ग्रेड कांस्टेबल मोहम्मद शफी 1326/पीएल, सलेक्शन ग्रेड कांस्टेबल परवेज अहमद 1306/पीएल और सलेक्शन ग्रेड कांस्टेबल जतिंदर सिंह/आईआर 11वीं बटालियन ने गोलियों की बौछार के बीच व्यक्तिगत तौर पर पूरा किया है। आम नागरिकों को बचाने का कार्य निरीक्षक पंकज शर्मा सं.एआरपी-046140 के साथ उनकी उपर्युक्त टीम द्वारा प्रदान की गई कवर गोलीबारी की सहायता से संभव हो पाया। तत्पश्चात, आतंकवादियों को अपने हथियार डाल देने का अवसर दिया गया, परंतु उन्होंने इसे अनदेखा कर दिया और वे सैन्य दलों पर अंधाधुंध गोलीबारी करते रहे लगे। उप-पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) पुलवामा, उप पुलिस अधीक्षक डीएआर-डीपीएल, पुलवामा और एसएचओ राजपोरा के साथ-साथ उनके दलों ने आपस में गहन समन्वय बनाए रखा तथा सभी आम नागरिकों को सुरक्षित रूप से बाहर निकाला। भयंकर बंदूक की लड़ाई के दौरान, एक घिरे हुए आतंकवादी ने सैन्य दलों पर लगातार गोलीबारी करते हुए पूर्वी छोर से भागने का प्रयास किया, जिसमें उप निरीक्षक अमजद हुसैन सं.ईएक्सके-109479 बाल-बाल बच गये। तथापि, उनकी वीरतापूर्ण कार्रवाई के कारण वह आतंकवादी मारा गया और उसकी पहचान ताल्हा राशिद (श्रेणीबद्ध आतंकवादी) निवासी-पाकिस्तान के रूप में की गई। आतंकवादियों के विरुद्ध लड़ाई अन्य सभी आतंकवादियों के मारे जाने तक जारी रही और जब आतंकवादियों की ओर से गोलीबारी बंद हो

गई, तो उप निरीक्षक अमजद हुसैन सं.ईएक्सके-109479 सहित पुलवामा पुलिस/सेना/सीआरपीएफ के अधिकारियों/कार्मिकों का संयुक्त तलाशी दल गठित किया गया। तलाशी के दौरान दो और शव बरामद हुए और बाद में सभी तीनों आतंकवादियों की पहचान महमूद भाई निवासी पाकिस्तान, ताल्हा राशिद निवासी-पाकिस्तान और वशीम अहमद गनी (सभी श्रेणीबद्ध आतंकवादी) पुत्र मोहम्मद अकरम गनी-निवासी द्रुबगाम पुलवामा के रूप में की गई। ऑपरेशन के दौरान बरामद किये गये शस्त्र/गोलाबारूद का ब्यौरा जब्ती मेमो में दर्शाया गया है।

इस ऑपरेशन में सर्व/श्री जतिंदर सिंह गड्डी, सलेक्शन ग्रेड कांस्टेबल, मोहम्मद शफी भट, सलेक्शन ग्रेड कांस्टेबल और परवेज अहमद, सलेक्शन ग्रेड कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किये जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 06.11.2017 से दिया जाएगा।

पी. प्रवीण सिद्धार्थ
विशेष कार्य अधिकारी

सं. 148-प्रेज/2019—राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर पुलिस के निम्नलिखित अधिकारियों को वीरता के लिए पुलिस पदक/वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार प्रदान करते हैं:—

अधिकारियों के नाम और रैंक

सर्व/श्री

01.	मुबाशिर रसूल, उप पुलिस अधीक्षक	(वीरता के लिए पुलिस पदक)
02.	मोहम्मद अशरफ बाबा, सहायक उप-निरीक्षक	(वीरता के लिए पुलिस पदक)
03.	मोहम्मद रमीज भट सलेक्शन ग्रेड कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार
04.	सजाद अहमद भट सलेक्शन ग्रेड कांस्टेबल	(वीरता के लिए पुलिस पदक)
05.	तारीक अहमद भट सलेक्शन ग्रेड कांस्टेबल	(वीरता के लिए पुलिस पदक)
06.	मोहम्मद जबर मीर सलेक्शन ग्रेड कांस्टेबल	(वीरता के लिए पुलिस पदक)
07.	मकबूल हुसैन सलेक्शन ग्रेड कांस्टेबल	(वीरता के लिए पुलिस पदक)
08.	हिदायतउल्लाह खान कांस्टेबल	(वीरता के लिए पुलिस पदक)

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 18.11.2017 को गांव चंदरगीर हाजिन में आतंकवादियों की मौजूदगी के संबंध में एक विशिष्ट सूचना पर कार्य करते हुए पुलिस बांदीपोरा, 13 आरआर और 45वीं बटालियन सीआरपीएफ द्वारा एक संयुक्त ऑपरेशन की योजना बनाई गई और इस प्रकार कार्रवाई की गई। पुलिस दल का नेतृत्व शेख जुल्फकार आजाद-जेकेपीएस, एसएसपी बांदीपोरा के साथ-साथ श्री मुबाशिर रसूल-जेकेपीएस, उप पुलिस अधीक्षक पीसी हाजिन, श्री साकिब गनी-जेकेपीएस (उप पुलिस अधीक्षक प्रोब.), एसएचओ पीएस हाजिन द्वारा किया गया, जिनकी सहायता एएसआई मोहम्मद अशरफ बाबा 278/आईआरपी 6वीं बटालियन, सलेक्शन ग्रेड कांस्टेबल मोहम्मद रमीज 189/बीपीआर, सलेक्शन ग्रेड कांस्टेबल सजाद अहमद भट 351/आईआरपी 8वीं बटालियन, सलेक्शन ग्रेड कांस्टेबल तारीक अहमद भट 733/बीपीआर, सलेक्शन ग्रेड कांस्टेबल मोहम्मद जबर मीर 593/आईआरपी 8वीं बटालियन, सलेक्शन ग्रेड कांस्टेबल मकबूल हुसैन 469/आईआरबी 8वीं बटालियन और कांस्टेबल हिदायतउल्लाह खान 485/आईआरपी 8वीं बटालियन द्वारा की गई। ऑपरेशन के दौरान, उक्त क्षेत्र की घेराबंदी की गई और आतंकवादियों की मौजूदगी का पता लगाया गया। कार्रवाई के दौरान तलाशी दल अचानक ही उस एक घर से आ रही गोलियों की बौछार में फंस गया, जो घेराबंदी और तलाशी के स्कैनर में था। इससे आम नागरिकों में उथल-पुथल मच गई और सामान्य

लोगों को सुरक्षित स्थान पर बचाकर ले जाना अत्यधिक जरूरी हो गया। चूंकि, बहुत रात हो गई थी, अतः किसी अतिरिक्त क्षति से बचने के लिए रात के दौरान ऑपरेशन रोक दिया गया। अगली सुबह 0430 बजे आतंकवादियों ने घेराबंदी तोड़कर भागने का प्रयास किया। ऑपरेशन के प्रमुख एसएसपी बांदीपोरा ने अनुभव का प्रदर्शन और सामरिक रणनीतियों का प्रयोग करते हुए तत्काल दो छोटी समर्पित टीमें गठित की, जिसमें एक का नेतृत्व स्वयं उनके द्वारा तथा दूसरी टीम का नेतृत्व श्री अजाद रसूल मीर अपर पुलिस अधीक्षक बांदीपोरा ईएक्सके-901930 द्वारा श्री मीर मुर्तजा हुसैन उप पुलिस अधीक्षक मुख्यालय, शेख ताहिर अमीन-जेकेपीएस-125759 एसडीपीओ संबल के साथ-साथ उनके सहयोगियों की सहायता से किया गया। इस प्रकार से गठित की गई टीमों को दो अलग-अलग दिशाओं से आतंकवादी के बिल्कुल नजदीक पहुंचने का निदेश दिया गया। सम्पूर्ण प्रक्रिया के दौरान खूंखार आतंकवादी लगातार अंधाधुंध गोलीबारी करते रहे और उन्होंने ग्रेनेड फैंके, जिसके परिणामस्वरूप 02 सैन्य कर्मियों को गोली से चोट लगी गई, जिससे बाद में एक सैन्य कर्मी की चोट के कारण मृत्यु हो गई। शेख जुल्फकार अजाद-जेकेपीएस, एसएसपी बांदीपोरा के साथ-साथ श्री मुबाशिर रसूल-जेकेपीएस, उप पुलिस अधीक्षक पीसी हाजिन, श्री साकिब गनी-जेकेपीएस (उप पुलिस अधीक्षक प्रोब.) एसएचओ पीएस हाजिन, जिनकी सहायता एएसआई मोहम्मद अशरफ बाबा 278/आईआरपी 6वीं बटालियन, सलेक्शन ग्रेड कांस्टेबल मोहम्मद रमीज 189/बीपीआर, सलेक्शन ग्रेड कांस्टेबल सजाद अहमद भट 351/आईआरपी 8वीं बटालियन, सलेक्शन ग्रेड कांस्टेबल तारीक अहमद भट 733/बीपीआर, सलेक्शन ग्रेड कांस्टेबल मोहम्मद जबर मीर 593/आईआरपी 8वीं बटालियन, सलेक्शन ग्रेड कांस्टेबल मकबूल हुसैन 469/आईआरपी 8वीं बटालियन और कांस्टेबल हिदायतउल्लाह खान 485/आईआरपी 8वीं बटालियन द्वारा की गई थी, ने यह देखते ही, हिम्मत और प्रतिबद्धता दिखाते हुए लक्षित क्षेत्र पर हमला किया। चूंकि, ऑपरेशन दल को क्षति पहुंचाने के लिए आतंकवादियों के छिपने का स्थान पूरी तरह उनके लिए अनुकूल था, अतः एसएसपी बांदीपोरा ने अपने कार्मिकों को ऐसे ढंग से तैनात किया कि आतंकवादियों के आस-पास कड़ी घेराबंदी सुनिश्चित की जा सके और तेजी से जवाबी गोलीबारी की जा सके। यह देखते हुए आतंकवादी ने उस स्थान से भागने की योजना बनाई। इस अभ्यास के दौरान उन्होंने (दोनों टीमें) एक-दूसरे की पूरी सहायता की, जिससे आतंकवादियों की गोलीबारी के विरुद्ध सुरक्षा सुनिश्चित हो सकी। यह ऑपरेशन दलों की बड़ी हिम्मत और मिशनरी उत्साह के कारण ही हुआ कि खूंखार आतंकवादी मारे गये। इन कट्टर आतंकवादियों, जो सभी विदेशी आतंकवादी थे, की बाद में जुरगाम उर्फ जाहिद, मोहम्मद भाई, अबू किताल, अबू अमीर, उबैद और अबू सुहैल के रूप में पहचान की गई। इस संबंध में, आरपीसी की धारा 307, 302, भारतीय आयुध अधिनियम की धारा 7/27 के तहत मामला एफआईआर सं.70/2017 पुलिस स्टेशन हाजिन में पंजीकृत है।

यह उल्लेख करने की आवश्यकता नहीं है कि इस सम्पूर्ण ऑपरेशन में शेख जुल्फकार आजाद - जेकेपीएस, एसएसपी बांदीपोरा के साथ-साथ श्री मुबाशिर रसूल-जेकेपीएस, उप पुलिस अधीक्षक पीसी हाजिन, श्री साकिब गनी-जेकेपीएस (उप पुलिस अधीक्षक प्रोब.) एसएचओ पीएस हाजिन ने एएसआई मोहम्मद अशरफ बाबा, सलेक्शन ग्रेड कांस्टेबल मोहम्मद रमीज, सलेक्शन ग्रेड कांस्टेबल सजाद अहमद भट, सलेक्शन ग्रेड कांस्टेबल तारीक अहमद भट, सलेक्शन ग्रेड कांस्टेबल मोहम्मद जबर मीर, सलेक्शन ग्रेड कांस्टेबल मकबूल हुसैन और कांस्टेबल हिदायतउल्लाह खान की सहायता से विशिष्ट वीरता, अतुलनीय साहस और उच्च कोटि की कर्तव्यपरायणता का प्रदर्शन किया तथा आम नागरिकों के सुरक्षित बचाव को सुनिश्चित किया। इन अधिकारियों/कार्मिकों द्वारा प्रदर्शित कर्तव्य के प्रति निस्वार्थ समर्पण और अतुलनीय साहस से खूंखार आतंकवादी मारे गए और परिणामस्वरूप ऑपरेशन पूरा करने में सफलता प्राप्त हुई।

इस ऑपरेशन में सर्व/श्री मुबाशिर रसूल, उप पुलिस अधीक्षक, मोहम्मद अशरफ बाबा, सहायक उप-निरीक्षक, मोहम्मद रमीज भट, सलेक्शन ग्रेड कांस्टेबल, सजाद अहमद भट, सलेक्शन ग्रेड कांस्टेबल, तारीक अहमद भट, सलेक्शन ग्रेड कांस्टेबल, मोहम्मद जबर मीर, सलेक्शन ग्रेड कांस्टेबल, मकबूल हुसैन, सलेक्शन ग्रेड कांस्टेबल और हिदायतउल्लाह खान, कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किये जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 18.11.2017 से दिया जाएगा।

पी. प्रवीण सिद्धार्थ
विशेष कार्य अधिकारी

सं. 149-प्रेज/2019—राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर पुलिस के निम्नलिखित अधिकारियों को वीरता के लिए पुलिस पदक/वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार प्रदान करते हैं:—

अधिकारियों के नाम और रैंक

सर्व/श्री

01.	आशीष कुमार मिश्रा, आईपीएस, पुलिस अधीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार

02.	अजहर राशिद ताली, पुलिस उप अधीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
03.	सचित शर्मा पुलिस उप अधीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
04.	तेजिन्दर सिंह हेड कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 12.02.2018 को पाकिस्तान मूल के दो आतंकवादियों द्वारा लगभग 0445 बजे करण नगर श्रीनगर में 23वीं बटालियन सीआरपीएफ कैंप पर फिदायीन हमला किया गया। सीआरपीएफ 23वीं बटालियन के सतर्क संतरी नामतः घेट रघुनाथ ने बहादुरी से जवाबी कार्रवाई की और आतंकवादियों (फिदायीन हमलावर) को सीआरपीएफ कैंप में प्रवेश करने से रोक दिया। हमले के बाद दोनों आतंकवादी भाग गए और उस निर्माणाधीन भवन में घुस गए, जो उपर्युक्त सीआरपीएफ कैंप के सामने स्थित था। इस भयानक हमले के तुरंत बाद, फिदायिनों के निशस्त्रीकरण के लिए एसएसपी श्रीनगर और श्री जावेद इकबाल, एसपी पीसी श्रीनगर की कमान में श्रीनगर पुलिस की एक विशेष टीम एसओजी के पुलिस कार्मिकों के साथ शीघ्र उस स्थान की ओर गई। यह दल उस शरण स्थल का पता लगाने में सफल हो गया, जिसमें ये दो फिदायीन आतंकवादी छिपे हुए थे। समपार्श्विक क्षति से बचने और सुरक्षित ऑपरेशन को अंजाम देने के लिए ऑपरेशन शुरू करने से पहले 23वीं बटालियन सीआरपीएफ का सहयोग लेने का निर्णय लिया गया। समस्त नफरी को तीन सैन्य दलों में बांटा गया। पहला सैन्य दल श्रीनगर पुलिस से बनाया गया जिसका नेतृत्व श्री आशीष कुमार मिश्रा, आईपीएस, एसपी सीटी साउथ, श्रीनगर के साथ-साथ एसडीपीओ शाहीद गंज श्री अमृतपाल सिंह, आईपीएस तथा अन्य के द्वारा किया गया। उनको लक्षित क्षेत्र की बाहरी घेराबंदी करने का कार्य सौंपा गया। दूसरा सैन्य दल एसओजी श्रीनगर से बनाया गया। इस दल को उस निर्माणाधीन भवन जिसमें आतंकवादी छिपे हुए थे, की भीतरी घेराबंदी करने और यदि आवश्यक हो, तो 23वीं बटालियन सीआरपीएफ और सीआरपीएफ की वैली क्यूएटी के साथ समन्वय से एसएसपी श्रीनगर की कमान में भीतर प्रवेश करने का कार्य सौंपा गया।

एसएसपी श्रीनगर, जो भीतरी घेराबंदी दल के प्रभारी थे, ने एसपी पीसी श्रीनगर के साथ मिलकर निकटवर्ती घरों से लोगों को निकालने के लिए श्रीनगर पुलिस की एक छोटी टीम गठित की, क्योंकि यह अत्यधिक जनसंख्या वाला क्षेत्र है। इस दल ने बहुत रणनीतिक एवं बहादुरीपूर्ण ढंग से निकटवर्ती घरों से लोगों को निकाला और यह सुनिश्चित करने के लिए कि वहां कोई समपार्श्विक क्षति न हो, उन्हें नजदीकी सुरक्षित स्थानों पर शिफ्ट कर दिया गया। प्रथम प्रयास में, दोनों घिरे हुए आतंकवादियों को आत्मसमर्पण करने के लिए कहा गया, जिसे उन्होंने नजरअंदाज कर दिया। आत्मसमर्पण करने की बजाय आतंकवादियों ने ऑपरेशन दल पर गोलीबारी शुरू कर दी। भवन में प्रवेश करने की योजना बनाई गई। पुलिस श्रीनगर + सीआरपीएफ से बनाए गए भवन भेदी दल ने सभी सावधानियां बरतते हुए भवन/कक्ष भेदन की प्रक्रिया शुरू कर दी। तथापि, जैसे ही भेदन दल लक्षित भवन के नजदीक पहुंचा तो यह उन आतंकवादियों की भारी गोलाबारी के बीच आ गया, जिन्होंने भवन के भीतर पोजीशन ले रखी थी और बंदूक की इस लड़ाई में एक सीआरपीएफ कार्मिक नामतः मुजाहिद खान शहीद हो गया। छिपे हुए आतंकवादियों ने आगे बढ़ रहे सैन्य दल की ओर ग्रेनेड फेंके और गोलीबारी की। तथापि, भेदन दल चमत्कारिक ढंग से बच गया। भेदन दल दूसरी दिशा से भवन में प्रवेश करने के लिए एक रणनीतिक चाल के रूप में पिछे हट गया। इस बीच एसएसपी श्रीनगर ने दो छोटे सैन्य दल गठित किए, एक सैन्य दल जिसमें श्री जावेद इकबाल, एसपी पीसी श्रीनगर, पुलिस घटक श्रीनगर की पर्याप्त नफरी के साथ उप पुलिस अधीक्षक सचित शर्मा और श्री एम.के. बिश्वास, 2-आई/सी के नेतृत्व में सीआरपीएफ की वैली क्यूएटी और 23वीं बटालियन सीआरपीएफ शामिल थे जबकि दूसरे सैन्य दल में श्री आशीष कुमार मिश्रा, आईपीएस, एसपी साउथ, श्रीनगर, खलिल अहमद, एसपी मुख्यालय श्रीनगर, उप पुलिस अधीक्षक अजहर राशिद, पीसी श्रीनगर के उप पुलिस अधीक्षक इम्तियाज अहमद और साथ ही सीआरपीएफ की एसओजी और वैली क्यूएटी की पर्याप्त नफरी शामिल थी, जिन्होंने सामने की दिशा के साथ-साथ पीछे की दिशा से भवन में प्रवेश करने का निर्णय लिया। जैसे ही, अग्रणी दलों ने पीछे/आगे की ओर से भवन में प्रवेश करने की कोशिश की, तो छिपे हुए आतंकवादियों ने आगे बढ़ने वाले सैन्य दलों की ओर एक खिड़की से ग्रेनेड फेंके तथा अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी, परंतु इससे कोई क्षति नहीं हुई, क्योंकि आगे बढ़ने वाले दल रणनीतिक ढंग से आगे बढ़ रहे थे। इस स्तर पर प्रभारी सैन्य दलों ने अंधेरे के कारण ऑपरेशन को रोकने का निर्णय लिया, क्योंकि इसमें स्वयं की क्षति की आशंका थी और तदनुसार ऑपरेशन सुबह तक रोक दिया गया। तथापि, दिनांक 12/13.02.2018 की मध्यवर्ती रात्रि के दौरान आतंकवादियों और सुरक्षा बलों के बीच रूक-रूक कर गोलीबारी होती रही। अगले दिन अर्थात् 13.02.2018 को भोर होने पर, ऑपरेशन दोबारा शुरू किया गया। परिणामस्वरूप, दिनांक 13.02.2018 को लगभग 0700 बजे सभी सावधानियों का पालन करने के पश्चात ऑपरेशनल एसओपी के अनुसार कक्ष-दर-कक्ष भेदन की योजना बनाई गई और भवन/कक्ष भेदन का यह कार्य सेकेंड-इन-कमांड श्री एम.के. बिश्वास के नेतृत्व वाली सीआरपीएफ की 23वीं बटालियन + सीआरपीएफ की वैली क्यूएटी के पारस्परिक समन्वय से शुरू किया गया, क्योंकि उपर्युक्त भवन 4 मंजिला था। लगभग

1000 बजे कक्ष भेदन के दौरान सैन्य दल जिसमें श्री जावेद इकबाल, एसपी पीसी श्रीनगर, श्री आशीष कुमार मिश्रा-आईपीएस, एसपी साउथ, श्रीनगर, श्री खलिल अहमद पोसवाल, एसपी मुख्यालय श्रीनगर, अमृतपाल सिंह-आईपीआस, एएसपी, एसडीपीओ शाहीद गंज, सचित शर्मा, उप पुलिस अधीक्षक श्रीनगर, अजहर राशिद ताली, उप पुलिस अधीक्षक पीसी श्रीनगर, इम्तियाज अहमद मीर, उप पुलिस अधीक्षक पीसी श्रीनगर, उप निरीक्षक इफ्तखार हुसैन शाह सं.एआरपी-109311, एएसआई नरिन्दर सिंह, हेड कांस्टेबल कुलवंत सिंह, हेड कांस्टेबल तजिन्दर सिंह ईएक्सके-065524, हेड कांस्टेबल पवन कुमार सं.640/जेकेएपी 5वीं बटालियन, सलेक्शन ग्रेड कांस्टेबल मासूम शाह, सलेक्शन ग्रेड कांस्टेबल गगन सिंह सं.382/जेकेएपी 5वीं बटालियन, सलेक्शन ग्रेड कांस्टेबल हरपाल सिंह सं.691/आईआरपी 6वीं बटालियन, सलेक्शन ग्रेड कांस्टेबल बशरत रसूल 288/आईआर द्वितीय, कांस्टेबल शौकत अहमद 473/आईआरपी 6वीं बटालियन, कांस्टेबल शाहीद हुसैन राथेर सं.4555/एस, कांस्टेबल रवीश अहमद सं.972/एस, कांस्टेबल रियाज अहमद भट सं.1934/एस, कांस्टेबल जावेद अहमद सं.1844/एस, एसपीओ फयाज अहमद राथेर सं.656/एसपीओ-श्रीनगर, सजाद अहमद डार 1035/एसपीओ-श्रीनगर, एसपीओ ताहीर बशीर नजर सं.54/एसपीओ-श्रीनगर, एसपीओ पीर बशरत अशरफ 409/एसपीओ-श्रीनगर, एसपीओ मोहम्मद हुसैन मीर सं.66/एसपीओ-श्रीनगर, एसपीओ अब्दुल राशिद रेशी सं.539/एसपीओ-बीडी, एसपीओ फयाज अहमद वागे सं.808/एसपीओ- श्रीनगर, एसपीओ गाजी कादिर पासवाल 82/एसपीओ-जीबीएल, एसपीओ इश्फाक राशिद सं.691/एसपीओ-श्रीनगर, एसपीओ मोहम्मद रफीक सं.493/एसपीओ-श्रीनगर और एसपीओ तौसीफ अहमद सं.33/एसपीओ-श्रीनगर शामिल थे, भवन के नीचले कक्ष में छिपे हुए एक आतंकवादी की गतिविधि का पता लगाने में सफल हो गए और तदनुसार वरिष्ठ अधिकारियों को सूचित किया गया। छिपे हुए आतंकवादी ने तलाशी दल को देखने के पश्चात उनपर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी, परंतु तलाशी दल ने अपनी जान की परवाह किए बिना प्रभावशाली ढंग से जवाबी कार्रवाई की और परिणामस्वरूप एक फिदायीन मारा गया। बंदूक की लड़ाई के दौरान एक पुलिसकर्मी नामतः कांस्टेबल जावेद अहमद सं.1844/एस को गंभीर चोटें आई। एक फिदायीन हमलावर को मार गिराने के पश्चात, तलाशी दल ने दूसरे आतंकवादी के लिए अपनी तलाश जारी रखी और अंततः छिपे हुए दूसरे आतंकवादी के साथ संपर्क स्थापित किया गया। आतंकवादी ने उपर्युक्त तलाशी दल को देखकर उनपर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी, जिसका तलाशी दल द्वारा अपनी जान की परवाह किए बिना प्रभावशाली ढंग से जवाब दिया गया और दूसरे फिदायीन हमलावर को भी मार दिया गया। दोनों फिदायीन हमलावरों का मारा जाना पुलिस/अन्य सुरक्षा बलों के लिए एक बड़ी उपलब्धि थी, क्योंकि इस उपलब्धि ने आतंकवादी संगठन के नेटवर्क को बड़ा झटका पहुंचाया। यद्यपि, उपर्युक्त आतंकवादी श्रेणीबद्ध किए जाने की सूची में शामिल नहीं थे, परंतु उनको दिनांक 31.12.2015 के पीएचक्यू आदेश सं.पीएचक्यू/ओपीएस/क्राईटेरिया/आरडब्ल्यूडी/2015/1490-94 के आलोक में फिदायीन होने के नाते "ए++" श्रेणी का आतंकवादी माना जाता है। मारे गए आतंकवादियों के पास से बरामद हुए शस्त्र/गोलाबारूद में 02 एके राइफल, 04 एके मैगजीन, 20 एके राउंड, 02 ग्रेनेड, 02 पाउच, 02 लाइटर, 1500/-रु. (भारतीय करेंसी) नकद और ½ किग्रा. (लगभग) ड्राईफ्रूट शामिल हैं। इस संबंध में आरपीसी की धारा 302, 307, भारतीय आयुध अधिनियम की धारा 7/27 और विधिविरुद्ध क्रियाकलाप अधिनियम की धारा 16/18 के तहत मामला एफआईआर सं.09/2018 पुलिस स्टेशन करण नगर, श्रीनगर में दर्ज है।

इस ऑपरेशन में सर्व/श्री आशीष कुमार मिश्रा, आईपीएस, पुलिस अधीक्षक, अजहर राशिद ताली, पुलिस उप अधीक्षक, सचित शर्मा, पुलिस उप अधीक्षक और तेजिन्दर सिंह, हेड कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4 (i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किये जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 12.02.2018 से दिया जाएगा।

पी. प्रवीण सिद्धार्थ
विशेष कार्य अधिकारी

सं. 150-प्रेज/2019—राष्ट्रपति, झारखंड पुलिस के निम्नलिखित अधिकारियों को वीरता के लिए पुलिस पदक/वीरता के लिए पुलिस पदक (मरणोपरांत)/वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार प्रदान करते हैं:—

अधिकारियों के नाम और रैंक

सर्व/श्री

01.	रामाकांत प्रसाद, निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार
02.	ज्योति प्रकाश, उप निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक

03.	जफर इमाम खान हवलदार	वीरता के लिए पुलिस पदक
04.	स्व. छोटेलाल पासवान चौकीदार	वीरता के लिए पुलिस पदक (मरणोपरांत)

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

हजारीबाग झारखंड का नक्सल प्रभावित जिला है।

दिनांक 25.06.2000 को, जब ज्योति प्रकाश, पुलिस उप निरीक्षक-सह-प्रभारी अधिकारी, चौपारन पुलिस स्टेशन बारही सर्किल के निरीक्षक नामतः रामाकांत प्रसाद के साथ लंबित मामलों पर अपने पुलिस स्टेशन में विचार-विमर्श कर रहे थे, तो उनको यह गुप्त सूचना प्राप्त हुई, कि एमसीसी, उग्रवादियों के प्रतिबंधित सशस्त्र संगठन से संबंध रखने वाले कुछ व्यक्ति नवगढ़ गांव की हरिजन टोली में आए हैं। तदनुसार, वे बारही क्षेत्र के निरीक्षक रामाकांत प्रसाद, हवलदार जफर इमाम, चौकीदार 4/6 छोटेलाल पासवान और अन्य व्यक्तियों वाले अपने पुलिस दल के साथ सूचना के सत्यापन के लिए घटना स्थल की ओर गए और उपर्युक्त सशस्त्र उग्रवादियों के आमने-सामने आ गए। उन्होंने पुलिस दल पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। ज्योति प्रकाश, पुलिस उपनिरीक्षक ने अपने सशस्त्र पुलिस बल के साथ पोजीशन ले ली और उग्रवादियों को आत्मसमर्पण करने की चेतावनी दी, परंतु उग्रवादियों ने ध्यान नहीं दिया और पुलिस पार्टी पर गोलीबारी जारी रखी और पुलिस पार्टी के सम्मुख अवरोध पैदा किया। यह आश्वस्त होकर कि शस्त्र, गोलाबारूद और सरकारी सम्पत्ति के साथ-साथ पुलिस कर्मियों की जान खतरे में है, रामाकांत प्रसाद (बारही क्षेत्र के पुलिस निरीक्षक) ने टीम को उग्रवादियों पर गोलीबारी शुरू करने का निर्देश दिया। ज्योति प्रकाश ओ/सी चौपारन, हवलदार जफर इमाम और चौकीदार 4/6 छोटेलाल पासवान के साथ-साथ अन्य पुलिस दल, जो पहले से ही पोजीशन में थे, ने उग्रवादियों को घेरने के लिए अलग-अलग दिशाओं से उनकी ओर रेंगकर चलना शुरू कर दिया। पुलिस दल के बहादुर सदस्य रामाकांत प्रसाद, ज्योति प्रकाश और अन्य कार्मिक उग्रवादियों की घेराबंदी करने और उनको घुटने टेकने पर मजबूर करने के लिए अलग-अलग दिशाओं से उनकी ओर रेंगकर आगे बढ़ते हुए उग्रवादियों को आत्मसमर्पण करने के लिए लगातार चेतावनी दे रहे थे। परंतु उग्रवादी निर्देश का पालन करने के लिए तैयार नहीं थे और वे अपनी ओर से लगातार पुलिस दल पर भारी गोलीबारी कर रहे थे। एकमात्र विकल्प देख कर पुलिस दल ने अंततः उनपर गोलीबारी शुरू कर दी और रूक-रूक कर गोलीबारी करते रहे। इस कार्रवाई के दौरान चौकीदार 4/6 छोटेलाल पासवान के पेट में गोली लग गई, उनको तत्काल नजदीकी अस्पताल में भेजा गया, परंतु वे रास्ते में हीं शहीद हो गए। अचानक उग्रवादियों ने गोलीबारी रोक दी। पुलिस उप निरीक्षक, ज्योति प्रकाश, पुलिस निरीक्षक रामाकांत प्रसाद, हवलदार जफर इमाम तथा अन्य के साथ पुलिस दल अतिरिक्त सावधानी के साथ उनकी ओर आगे बढ़ा। झाड़ी के नजदीक यह देखा गया कि एक उग्रवादी के शरीर पर कई गोलियां लगी हुई हैं और दूसरा उग्रवादी उसको बचाने की कोशिश कर रहा था। जीवित उग्रवादी को गिरफ्तार कर लिया गया और मारे गए उग्रवादी को कब्जे में ले लिया गया। पुछताछ के दौरान जीवित उग्रवादी ने अपनी पहचान एमसीसी उग्रवादी और मारे गए उग्रवादी की पहचान एमसीसी के एरिया कमांडर के रूप में प्रकट की। मारे गए उग्रवादी के पास से 42 राउंड जिंदा कारतूसों के साथ-साथ एक देशी निर्मित कारबाइन प्राप्त हुई। तदनुसार जब्ती सूची तैयार की गई।

निस्संदेह पुलिस निरीक्षक नामतः रामाकांत प्रसाद, प्रभारी अधिकारी-सह-पुलिस उप निरीक्षक ज्योति प्रकाश, हवलदार जफर इमाम और चौकीदार छोटेलाल पासवान ने एमसीसी के एरिया कमांडर के साथ मुठभेड़ के दौरान असाधारण वीरता का प्रदर्शन किया है। कार्रवाई के दौरान असाधारण वीरता का प्रदर्शन करते हुए चौकीदार छोटेलाल पासवान ने अपने जीवन का बलिदान दे दिया। बारही क्षेत्र के तत्कालीन पुलिस निरीक्षक नामतः रामाकांत प्रसाद, पुलिस उप निरीक्षक और तत्कालीन प्रभारी अधिकारी चौपारन नामतः ज्योति प्रकाश, हवलदार जफर इमाम, और शहीद चौकीदार छोटेलाल पासवान द्वारा दर्शाई गई असाधारण वीरता के आलोक में, यह स्पष्ट है कि वे सभी असाधारण वीरता के धनी हैं और उन्होंने अपना कर्तव्य अत्यधिक समर्पण भावना और ईमानदारी के साथ निभाया।

इस ऑपरेशन में सर्व/श्री रामाकांत प्रसाद, निरीक्षक, ज्योति प्रकाश, उप निरीक्षक, जफर इमाम खान, हवलदार और स्व. छोटेलाल पासवान, चौकीदार ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4 (i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किये जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 25.06.2000 से दिया जाएगा।

पी. प्रवीण सिद्धार्थ
विशेष कार्य अधिकारी

सं. 151-प्रेज/2019—राष्ट्रपति, ओडिशा पुलिस के निम्नलिखित अधिकारियों को वीरता के लिए पुलिस पदक प्रदान करते हैं:—

अधिकारियों के नाम और रैंक

सर्व/श्री

01. प्रकाश कुमार कर्ण,
निरीक्षक

02. सुशील दास,
कांस्टेबल

03. आकाश महापात्रा,
कांस्टेबल

04. चंद्रमणि भोई,
कांस्टेबल

05. समा धांगडा माझी,
कांस्टेबल

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 26.09.2017 की शाम को सूत्रों से यह विश्वसनीय सूचना प्राप्त होने पर कि पांच से सात माओवादियों का एक गुट गांव सेलपली में आया है जो आग्नेयास्त्रों से सुसज्जित है और क्षेत्र में आतंक फैलाने के लिए कुछ आम नागरिकों को मारने की योजना बना सकते हैं, प्रभारी निरीक्षक, पेकमाल पुलिस स्टेशन ने दिनांक 26.09.2017 की एसडीई सं.19 के अंतर्गत यह जानकारी स्टेशन डायरी में दर्ज की और इस सूचना को एसपी, बारगढ़ को भेज दिया। निर्देश के अनुसार वे तत्काल सी/01 सुशील दास, सी/41 आकाश महापात्रा, सी/93 चंद्रमणि भोई, ओएपीएफ/13 समा धांगडा माझी के साथ इस सूचना की सत्यता की जांच करने के लिए दो मोटरसाइकिलों पर उपर्युक्त स्थान की ओर चल पड़े। वे गांव सेलपली के नजदीक पहुंचे और कनाल रोड से गांव की ओर रणनीतिक ढंग से आगे बढ़े। लगभग 200 मीटर चलने के बाद उनको गांव सेलपली की तरफ से मुख्य सड़क की ओर व्यक्तियों का एक समूह आता हुआ दिखाई दिया। वे अपने कंधे पर लटका कर कुछ ला रहे थे, जिससे पुलिस की टीम को उनपर हथियारबंद तथा सीपीआई (माओवादी) संगठन के सदस्य होने का संदेह हो गया। पुलिस की टीम ने गुप्त रूप से निगरानी करने के लिए स्वयं को छिपा लिया। जब वे नजदीक आए, तो पुलिस की टीम ने देखा कि वे सभी यूनिफार्म पहने हुए हैं और शस्त्र एवं बैग ले जा रहे हैं। तब निरीक्षक पी.के. कर्ण, प्रभारी निरीक्षक, पेकमाल पुलिस स्टेशन ने उन्हें तेज और स्पष्ट आवाज में स्वयं की पुलिस के रूप में पहचान दी और उनको रूकने तथा उनके पास मौजूद हथियार फेंकने को कहा। रूकने और निर्देशों का पालन करने की बजाय, लोगों का वह समूह सड़क के दूसरी ओर कूद गया और उन्होंने झाड़ियों के पीछे कवर ले लिया। तत्पश्चात, उन्होंने तत्काल पुलिस की टीम पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। फिर पुलिस की टीम ने उपलब्ध कवर ले लिया और वह लेट गए। कोई विकल्प न बचने पर तथा स्वयं के साथ-साथ अपनी टीम के सदस्यों की जान बचाने के लिए और आत्मरक्षा के उपाय के रूप में निरीक्षक कर्ण ने उनके छिपने के स्थान से नीचे की ओर निशाना लगाकर अपनी सर्विस "गलॉक पिस्तौल" से गोलीबारी की। इसके साथ-साथ पुलिस दल ने रणनीतिक ढंग से बचने के लिए पुलिस स्टेशन की ओर पीछे हटना शुरू कर दिया और सहायता भेजने के लिए सूचना दी। श्री एल.एन. पंडा, ओपीएस, एसडीपीओ, पदमपुर जो पुलिस स्टेशन में मौजूद थे, सहायता के साथ उस स्थान की ओर तेजी से चल दिए और उस क्षेत्र में गहन छानबीन ऑपरेशन शुरू कर दिया। उक्त क्षेत्र की तलाशी के दौरान, पुलिस की टीम को यूनीफार्म में दो माओवादी काडरों (एक पुरुष और एक महिला) के शव मिले, जो गोली लगने की चोटों के साथ उस स्थान पर हथियारों सहित पड़े हुए थे। ऑपरेशन टीम को उस स्थान के नजदीक मैगजीन लगी हुई एक एसआलआर राइफल और मैगजीन के साथ एक .303 राइफल तथा अन्य नक्सलवादी वस्तुएं मिली। अन्य काडरों का अंधेरे का लाभ उठाकर उस स्थान से भाग जाने का संदेह है। इस ऑपरेशन ने नक्सलवादी गुटों को न केवल एक भयंकर आघात पहुंचाया, बल्कि उस क्षेत्र में हिंसक गतिविधियों को अंजाम देने की उनकी तत्कालिक योजनाओं को भी विफल कर दिया।

यद्यपि, पुलिस की टीम एलडब्ल्यूई ग्रुप की तुलना में संख्या में कम थी, परंतु इस सम्पूर्ण ऑपरेशन में पुलिस टीम द्वारा बनाया रखा गया आश्चर्य सफलता का मुख्य हथियार था। पुलिस की टीम के प्रत्येक सदस्य ने अपनी हिम्मत नहीं गंवाई और इस ऐसे उपयुक्त स्थान पर सफलतापूर्ण ढंग से घात लगाई कि वे शत्रुओं के हमले पर नियंत्रण कर सकते हैं। रणनीतिक पोजीशन हेतु ऊंचे स्थान पर पहुंचने के लिए वे ऊबड़-खाबड़ भूमि और धान के खेत में 100 मीटर तक रेंगकर गए, ईओएफ के पश्चात रणनीतिक ढंग से पीछे हटे और सुरक्षित रूप से बच निकले। उनके अनुकरणीय साहस, अच्छे टीम वर्क और निर्णय लेने की क्षमता ने इस ऑपरेशन को सफल बना दिया। उन्होंने इस ऑपरेशन के दौरान अपनी जान को खतरे में डाल दिया और एक छोटी यूनिट के रूप में अनुकरणीय साहस का प्रदर्शन

किया। वीरता के लिए पुलिस पदक प्रदान करने से उनके शौर्यपूर्ण प्रयास को न केवल सम्मान प्राप्त होगा बल्कि अन्य लोग भी उनकी कार्रवाई का अनुसरण करने के लिए प्रेरित होंगे।

इस ऑपरेशन में सर्व/श्री प्रकाश कुमार कर्ण, निरीक्षक, सुशील दास, कांस्टेबल, आकाश महापात्रा, कांस्टेबल, चंद्रमणि भोई, कांस्टेबल और समा धांगडा माझी, कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4 (i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किये जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 26.09.2017 से दिया जाएगा।

पी. प्रवीण सिद्धार्थ
विशेष कार्य अधिकारी

सं. 152-प्रेज/2019—राष्ट्रपति, ओडिशा पुलिस के निम्नलिखित अधिकारियों को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक प्रदान करते हैं:—

अधिकारियों के नाम और रैंक

सर्व/श्री

01. के शिवा सुब्रमणि, आईपीएस,
पुलिस अधीक्षक

02. दिलीप कुमार दांता,
कांस्टेबल

03. ज्योतिरंजन पाटी,
निरीक्षक

04. सचिदानंद बारिहा,
उप-निरीक्षक

05. आशीष कुमार सरकार,
सूबेदार

06. प्रशांत कुमार बरिक,
कांस्टेबल

07. भूबन सेलमा,
कांस्टेबल

08. सत्यनारायण कथार,
कांस्टेबल

09. प्रमोद बरला,
हवलदार

10. मिथुन प्रधान,
हवलदार

उन सेवाओं का विवरण जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 12.05.2018 को लगभग शाम 8 बजे, पुलिस स्टेशन बेलपाडा के अधीन गांव दुदुकमल के नजदीक बेंदर-।। आर.एफ. के अंतर्गत मागूर जंगल में संजीब (डीसीएम) के नेतृत्व में बारगढ़-बालनगिर-महासमंद संभाग के सीपीआई (माओवादी) संगठन के 8-10 भारी सशस्त्र काडरों की गतिविधि और इकट्ठा होने के संबंध में एक विश्वसनीय सूचना प्राप्त होने पर, एसओजी की एक छोटी यूनिट तथा डीवीएफ की एक छोटी यूनिट के साथ मिलकर श्री के शिवा सुब्रमणि, आईपीएस, पुलिस अधीक्षक द्वारा एक गहन छानबीन ऑपरेशन की योजना बनाई गई। एसपी बालनगिर, श्री सुब्रमणि ने हमलावर दल के रूप में डीवीएफ का व्यक्तिगत तौर पर नेतृत्व किया और निरीक्षक

जे.आर. पाटी, एसओजी के साथ कट ऑफ दल के रूप में रहे। योजना के अनुसार, जब पुलिस की टीम जंगल एरिया में पहुंची, तो विद्रोहियों ने स्वचालित हथियारों से अचानक बेवजह गोलीबारी शुरू कर दी और बगल से हमला करने की कोशिश की, दो मोर्चों से शत्रु की गोलीबारी ने पुलिस की टीम को अतिसंवेदनशील बना दिया। भारी गोलीबारी के कारण कवर लेते समय जिला पुलिस के आठ कमांडो को चोट लग गई। अनेक कमियों और विकट क्षेत्रीय सीमाओं के बावजूद श्री के शिवा सुब्रमणि के नेतृत्व में पुलिस की टीम ने वीरतापूर्वक जवाबी कार्रवाई की। दो कमांडो नामतः प्रशांत कुमार बरिक और दिलीप कुमार दांता के साथ-साथ श्री के शिवा सुब्रमणि ने भारी गोलीबारी करते हुए बहुत ही जोखिमपूर्ण ढंग से शत्रु पर सामने से हमला किया और विद्रोहियों को पीछे हटने पर मजबूर कर दिया। दो कमांडो नामतः सचिदानंद बारिहा और भूबन सेलमा वाली अन्य छोटी टीम ने मुख्य पुलिस टीम से अलग-थलग हो जाने के गंभीर खतरे के बावजूद एक रणनीतिक आक्रमण द्वारा बगल से किए गए हमले का सामना किया। हमलावर टीम के साहस के कारण माओवादी टिक नहीं पाए और गांव की ओर भाग गए। तत्पश्चात, तलाशी करने पर भरी हुई एके47 राइफल के साथ-साथ गहरे हरे रंग की यूनिफार्म पहने हुए माओवादी का शव मिला। हमलावर पार्टी ने शव की निगरानी की और बेहतर नेतृत्व तथा समन्वय के लिए श्री के शिवा सुब्रमणि, आईपीएस, एसपी बालनगिर और दिलीप कुमार दांता कट ऑफ पार्टी में शामिल हो गए। इसी बीच, सूबेदार ए.के. सरकार ने पुनः माओवादियों का एक दल देखा, तो माओवादियों ने अचानक पुलिस दल की ओर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। इस गोलीबारी के दौरान सत्यनारायण कथार और प्रमोद बरला के साथ निरीक्षक जे.आर. पाटी दाईं ओर से आगे बढ़े और मिथुन प्रधान के साथ सूबेदार ए.के. सरकार ने अत्यधिक साहस दिखाते हुए तथा देश की भलाई में सर्वोच्च बलिदान के लिए तत्पर होकर बाईं ओर से हमला किया। तलाशी के दौरान उस स्थान से गहरे हरे रंग की यूनिफार्म पहने हुए एक पुरुष का शव मिला और दो मैगजीन तथा जिंदा गोलाबारूद के 24 राउंड के साथ एक इंसास राइफल बरामद हुई। लीडर और नौ कमांडो उस अवसर पर जब अत्यधिक आवश्यकता थी, डटे रहे और बहादुरीपूर्ण ढंग से कार्रवाई की जहां रणनीतिक ढंग से बेहतर स्थान प्राप्त शत्रु को पीछे हटना पड़ा जबकि पुलिस दल ने नगण्य सम्पार्श्विक क्षति के साथ उनको भारी नुकसान पहुंचाया और देश सेवा के प्रति अनुकरणीय समर्पण का प्रदर्शन किया। इस सफल ऑपरेशन में सीपीआई (माओवादी) के बीबीएम संभाग की बालनगिर प्लाटून के दो माओवादी काडरों नामतः संजीब (डीसीएम) जिसपर ओडिशा सरकार ने 5,00,000/-रु. के ईनाम की घोषणा कर रखी थी और राकेश (एसीएम) जिसपर ओडिशा सरकार ने 4,00,000/-रु. के ईनाम की घोषणा कर रखी थी, को मार दिया गया।

टीम लीडर के साथ-साथ उपर्युक्त अधिकारियों और कमांडो ने शत्रु का सामना होने पर उच्च कोटि के साहस और दृढ़ निश्चय का प्रदर्शन किया तथा कर्तव्य का निर्वाह करते समय अपनी निजी सुरक्षा की परवाह नहीं की। इस प्रक्रिया के दौरान वे कई बार स्वयं शत्रु की गोलीबारी के सामने आ गए, फिर भी इससे उनको अपनी सेवा का निर्वहन करने में बाधा नहीं पहुंची। उनकी निडरतापूर्ण कार्रवाई ने शत्रु के अचानक हमले के विरुद्ध न केवल पुलिस टीम की सुरक्षा को सुनिश्चित किया बल्कि इस ऑपरेशन की सफलता को भी निश्चित कर दिया।

इस ऑपरेशन में सर्व/श्री के शिवा सुब्रमणि, आईपीएस, पुलिस अधीक्षक, दिलीप कुमार दांता, कांस्टेबल, ज्योतिरंजन पाटी, निरीक्षक, सचिदानंद बारिहा, उप-निरीक्षक, आशीष कुमार सरकार, सूबेदार, प्रशांत कुमार बरिक, कांस्टेबल, भूबन सेलमा, कांस्टेबल, सत्यनारायण कथार, कांस्टेबल, प्रमोद बरला, हवलदार और मिथुन प्रधान, हवलदार ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाले नियमों के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए दिए प्रदान किये जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 13.05.2018 से दिया जाएगा।

पी. प्रवीण सिद्धार्थ
विशेष कार्य अधिकारी

सं. 153-प्रेज/2019—राष्ट्रपति, ओडिशा पुलिस के निम्नलिखित अधिकारियों को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक/वीरता के लिए पुलिस पदक का तृतीय बार/वीरता के लिए पुलिस पदक का चतुर्थ बार/वीरता के लिए पुलिस पदक का पंचम बार प्रदान करते हैं:—

अधिकारियों के नाम और रैंक

सर्व/श्री

01.	जगमोहन मीना, आईपीएस, पुलिस अधीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
02.	संतोष जुआंग, हवलदार	वीरता के लिए पुलिस पदक का पंचम बार

03.	शिव शंकर नायक, लांस नायक	वीरता के लिए पुलिस पदक का चतुर्थ बार
04.	पवित्र मोहन नायक, लांस नायक	वीरता के लिए पुलिस पदक का तृतीय बार
05.	चैतन्य किरसानी, कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक
06.	घेनू हंताल, कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक
07.	सुधांशु भूपति, कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक
08.	रूकधर नेगी, कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 24.03.2018 को सुबह लगभग 8 बजे एसपी, मलकानगिरी को विश्वसनीय सूत्रों से सूचना प्राप्त हुई की पुरुष और महिला काडरों सहित प्रतिबंधित सीपीआई (माओवादी) काडरों का एक समूह माथिली पुलिस स्टेशन की सीमाओं के अंतर्गत आने वाले माहूपदार जीपी के तुलसी वन के क्षेत्र के आस-पास घूम रहा था। उपर्युक्त सूचना प्राप्त होने पर उस क्षेत्र में तलाशी अभियान चलाने के लिए जगमोहन मीना, आईपीएस, एसपी मलकानगिरी के साथ-साथ जिला स्वयंसेवक बल (डीवीएफ) के 15 सदस्य तुलसी वन के क्षेत्र की ओर चल पड़े। दिनांक 24.03.2018 को सुबह लगभग 10.15 बजे मार्ग में उनके सालिमी में पहुंचने पर, सूरज झांकड़ सीमा चौकी से निकले और उस टीम में शामिल हो गए। वह टीम जिसमें डीवीएफ के 15 कार्मिक और श्री जगमोहन मीना, आईपीएस, एसपी मलकानगिरी और सूरज झांकड़ शामिल थे, एसपी मलकानगिरी के नेतृत्व में सुबह लगभग 11 बजे तुलसी वन के क्षेत्र में पहुंची। जब उस क्षेत्र में छानबीन ऑपरेशन चल रहा था, तो अचानक पुलिस दल के ऊपर अत्याधुनिक हथियारों से आग की भांति गोली चली। कुछ गोलियां पुलिस दल के कुछ सदस्यों के पास से गुजरी जिसमें वे बाल-बाल बच गए। फिर, एक भयंकर विस्फोट हुआ। इसके परिणामस्वरूप जगमोहन मीना, घेनू हंताल, चैतन्य किरसानी, रूकधर नेगी, सुधांशु भूपति और शिबा शंकर नायक को छर्रो से चोटें लग गई। फिर पुलिस दल ने स्वयं को अत्याधुनिक हथियारों से उनकी ओर निशाना किए हुए 15-20 उग्रवादियों के आमने-सामने पाया। स्वयं को बचाने के साथ-साथ पुलिस दल के अन्य सदस्यों की जान बचाने के लिए, उन्होंने तत्काल रणनीतिक पोजीशन लेकर गोलीबारी पर नियंत्रण करना शुरू कर दिया। माओवादी, पेड़ों और बड़े पत्थरों की शरण लेते हुए, 30-40 मीटर की दूरी से पुलिस दल पर गोलीबारी कर रहे थे। उनमें से कुछ लोग गहरे हरे रंग की पोशाक पहने हुए थे। प्रतिबंधित सीपीआई (माओवादी) के सशस्त्र काडरों और पुलिस दल के बीच आपसी गोलीबारी की प्रक्रिया लगभग एक घंटे तक जारी रही। तत्पश्चात, जब सीपीआई (माओवादी) काडरों की ओर से गोलीबारी बंद हो गई, तो पुलिस दल रणनीतिक ढंग से आगे बढ़ा और देखा कि कुछ काडर गहरे जंगल तथा उनकी टीम के सदस्यों द्वारा की गई कवर गोलीबारी का लाभ उठाते हुए निकटवर्ती पहाड़ी की ओर भाग रहे थे। फिर, पुलिस दल क्षेत्र की तलाशी ओर छानबीन करने के लिए रणनीतिक ढंग से उस क्षेत्र की ओर बढ़ा। तथापि, क्षेत्र की तलाशी के लिए पुलिस दल को अत्यधिक सावधानी रखनी पड़ी। क्षेत्र की तलाशी के दौरान पुलिस दल को एक व्यक्ति जमीन पर पड़े हुए मिला। पुलिस दल सावधानी के साथ पड़े हुए व्यक्ति की ओर आगे बढ़ा और वह उनका एक अज्ञात पुरुष माओवादी का शव लगा जिसके गोली लगी थी और उसके हाथ में एक पिस्तौल थी। पुलिस को टीईडी विस्फोट के अवशेष, माओवादी साहित्य, डेटोनेटर, कोडटेक्स वायर, पुस्तक के पन्ने, किट बैग, रेडियो सेट, दैनिक उपयोग की वस्तुएं आदि जैसी कुछ अन्य वस्तुएं भी प्राप्त हुई। पुलिस दल ने सभी सुरक्षा संबंधी सावधानियों का पालन करते हुए शव को आगे की कार्रवाई के लिए मलकानगिरी भेज दिया। चूंकि, प्रतिबंधित सीपीआई (माओवादी) के सशस्त्र काडर राज्य और लोकतांत्रिक रूप से चुनी गई सरकार के विरुद्ध लड़ाई लड़ रहे थे तथा पुलिस दल पर उन्हें मारने के इरादे से गोलीबारी की थी, पुलिस दल को अपनी जान के साथ-साथ टीम के अन्य की जान बचाने के लिए नियंत्रित ढंग से जवाबी कार्रवाई करनी पड़ी। मारे गए माओवादी की 26वीं सैन्य प्लाटून (माओवादियों की आक्रामक विंग), सीपीआई (माओवादी) के एसीएम रैंक काडर उरा कुरामी उर्फ उद्यम के रूप में पहचान की गई। शव को मृत व्यक्ति के परिवार के सदस्यों को सौंप दिया गया।

टीम लीडर के साथ-साथ उपर्युक्त अधिकारियों और कमांडो ने शत्रु का सामना होने पर उच्च कोटि के साहस और दृढ़ निश्चय का प्रदर्शन किया तथा कर्तव्य का निर्वाह करते समय अपनी निजी सुरक्षा की परवाह नहीं की। इस प्रक्रिया के दौरान वे कई बार स्वयं शत्रु की गोलीबारी के सामने आ गए, फिर भी इससे उनको अपनी सेवा का निर्वहन करने में बाधा नहीं पहुंची। उनकी निडरतापूर्ण कार्रवाई ने शत्रु के अचानक हमले के विरुद्ध न केवल पुलिस टीम की सुरक्षा को सुनिश्चित किया बल्कि इस ऑपरेशन की सफलता को भी निश्चित कर दिया।

इस अभियान में सर्व/श्री जगमोहन मीना, आईपीएस, पुलिस अधीक्षक, संतोष जुआंग, हवलदार, शिव शंकर नायक, लांस नायक, पवित्र मोहन नायक, लांस नायक, चैतन्य किरसानी, कांस्टेबल, घेनू हंताल, कांस्टेबल, सुधांशु भूपति, कांस्टेबल और रूकधर नेगी, कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाले नियमों के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए दिए प्रदान किये जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 24.03.2018 से दिया जाएगा।

पी. प्रवीण सिद्धार्थ
विशेष कार्य अधिकारी

सं. 154-प्रेज/2019—राष्ट्रपति, सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के निम्नलिखित अधिकारियों को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक प्रदान करते हैं:-

अधिकारियों के नाम और रैंक

सर्व/श्री

01. संदीप कुमार गुप्ता,
सहायक कमांडेंट

02. सुशील सिंह,
सहायक कमांडेंट

03. विनय कृषालि,
हेड कांस्टेबल

04. संजय पाल,
कांस्टेबल

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

बंधूगुडा, जिला मलकानगिरी (ओडिशा) के सामान्य क्षेत्र में नक्सलवादियों की उपस्थिति के संबंध में स्थानीय सूत्र द्वारा प्रदान की गई विशिष्ट कार्रवाई योग्य आसूचना संबंधी जानकारी के आधार पर, कंपनी कमांडर श्री संदीप कुमार गुप्ता, सहायक कमांडेंट, सीओबी बड़ापाडा एक्स 08 बटालियन बीएसएफ ने यह सूचना तत्काल श्री रणधीर रंजन, सेकंड इन कमांड/कार्यवाहक कमांडेंट के साथ साझा की। उपलब्ध सूचना के विस्तृत विश्लेषण के पश्चात, टीएचक्यू 08 बटालियन बीएसएफ चित्रकोंडा में सीओबी जानबाई एंड सीओबी बड़ापाडा के सैन्य दलों को शामिल करके दिनांक 14/15 दिसम्बर, 2017 की मध्यवर्ती रात्रि में एक विशेष ऑपरेशन (एसएडीओ) शुरू किए जाने की योजना बनाई गई। तदनुसार, बीएसएफ आसूचना विंग और स्थानीय पुलिस के प्रतिनिधियों सहित श्री संदीप कुमार गुप्ता, सहायक कमांडेंट, श्री सुशील सिंह, सहायक कमांडेंट/कंपनी कमांडर, 06 अधीनस्थ अधिकारियों और 42 अन्य रैंकों के अधिकारियों (कुल-50 कार्मिकों) वाले ऑपरेशन दल ने 2030 बजे बंधुगुडा जंगल (अक्षांश-180930 उत्तर और देशांतर-821555 पूर्व) के सामान्य क्षेत्र में यह अभियान शुरू किया।

दिनांक 15 दिसम्बर, 2017 को लगभग 0700 बजे, इस सैन्य दल ने अपनी पोजीशन से उत्तर-पश्चिम के साथ-साथ उत्तर-पूर्व में कोई संदिग्ध गतिविधि देखी। दोनों सैन्य दल रणनीतिक ढंग से संदिग्ध क्षेत्र की ओर आगे बढ़ते समय उत्तर-पूर्व और उत्तर-पश्चिम दिशाओं से आने वाली भारी गोलीबारी में फंस गए।

स्थिति का सावधानीपूर्वक आकलन करने और बड़ी बारीकी से गोलीबारी की दिशा की पहचान करने के पश्चात, अपने सैन्य दलों के साथ दोनों सहायक कमांडेंट नामतः श्री संदीप कुमार गुप्ता, सहायक कमांडेंट और श्री सुशील सिंह, सहायक कमांडेंट के दृढ़, अडिग और सक्षम नेतृत्व करते हुए समुचित पोजीशन सुनिश्चित की तथा नक्सलवादी जो अत्याधुनिक हथियारों के साथ संख्या में लगभग 15 से 20 थे, की गोलीबारी का प्रभावशाली ढंग से जवाब दिया।

श्री सुशील सिंह, सहायक कमांडेंट और सं.954553775 हेड कांस्टेबल विनय कृषालि ने 20-25 मीटर (लगभग) की दूरी पर एसएलआर के साथ एक सशस्त्र नक्सलवादी को देखा जो बीएसएफ ऑपरेशन दल पर गोलीबारी कर रहा था। नक्सलवादियों की भारी गोलीबारी के बीच अपनी जान की परवाह किए बिना, उन्होंने तत्काल चट्टानों के पीछे कवर ले लिया और आत्म-रक्षा में बहादुरी के साथ जवाबी गोलीबारी की। गोलीबारी की चलाकियां अपनाते हुए शस्त्रों की आगामी लड़ाई में, उन्होंने उपर्युक्त अज्ञात नक्सलवादी को मार दिया जिसकी बाद में सुधाकर उर्फ सुक्का के रूप में पहचान की गई।

नक्सलवादियों द्वारा गोलीबारी किए जाने पर, गोलीबारी की दिशा की पहचान करने के पश्चात और अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा की ओर ध्यान न देते हुए, श्री संदीप कुमार गुप्ता, सहायक कमांडेंट ने सं.130845090 कांस्टेबल संजय पाल के साथ उपलब्ध प्राकृतिक कवर के पीछे पोजीशन ले ली और आत्म-रक्षा में अपने निजी हथियारों से नक्सलवादियों की गोलीबारी का जवाब दिया। चूंकि, नक्सलवादी सुविधाजनक मोर्चे पर थे और रणनीतिक तौर पर बेहतर पोजीशन में थे, तो श्री संदीप कुमार गुप्ता, सहायक कमांडेंट और कांस्टेबल संजय पाल द्वारा की गई जवाबी गोलीबारी ज्यादा प्रभावशाली सिद्ध नहीं हुई, इसलिए श्री संदीप कुमार गुप्ता, सहायक कमांडेंट ने कांस्टेबल संजय पाल को अपने साथ ले जा रहे यूबीजीएल से गोलीबारी करने का निदेश दिया। कांस्टेबल संजय पाल ने तेजी से तीन अलग-अलग स्थान बदलकर यूबीजीएल से नक्सलवादियों की पोजीशन की ओर 03 (तीन) राउंड चलाए।

कांस्टेबल संजय पाल ने संघर्षपूर्ण स्थिति में, अनुशासनात्मक गोलीबारी करते हुए, माओवादी की गोलीबारी के सामने आकर और अपनी जान को खतरे में डालकर असाधारण वीरता का प्रदर्शन किया; तीन अलग-अलग स्थानों से यूबीजीएल द्वारा गोलीबारी की ताकि नक्सलवादियों को अत्यधिक क्षति पहुंचाई जा सके। श्री संदीप कुमार गुप्ता, सहायक कमांडेंट ने सं.041468207 कांस्टेबल राजेश एम और सं.083980462 कांस्टेबल एम के बर्मन जो 51 एमएम मोर्टार ले जा रहे थे, को नक्सलवादियों की पोजीशन की ओर एचई बम फेंकने का भी निदेश दिया। जब कांस्टेबल राजेश एम और कांस्टेबल एम के बर्मन ने नक्सलवादियों की प्रत्येक पोजीशन की ओर एक-एक एचई बम फेंका, तो नक्सलवादी भयभीत हो गए और उनहोंने अपनी गुप्त पोजीशन से बचकर भागना शुरू कर दिया।

क्षेत्रीय हथियारों का प्रयोग करके प्रभावशाली गोलीबारी करने के पश्चात, आपसी गोलीबारी मुश्लिक से 10 (दस) मिनट तक जारी रही। बीएसएफ कार्मिकों ने अत्यधिक क्षति पहुंचाने के लिए नक्सलवादी पोजीशन की ओर आगे बढ़ते समय अपना आक्रामक और निर्बाध संघर्ष जारी रखा। तथापि, गहरी झाड़ियों, ऊबड़-खाबड़ भूमि का कवर लेकर और पहाड़ी क्षेत्र का लाभ उठाते हुए नक्सलवादी अपनी पोजीशन से बच निकले।

घटना के स्थान की सम्पूर्ण जांच करने पर एक अज्ञात नक्सलवादी (बाद में सुधाकर उर्फ सुक्का के रूप में पहचान की गई) के शव के अतिरिक्त, 01 सं.7.62 एमएम एसएलआर (बॉडी नं.1619110), 02 मैगजीन और 7.62 एमएम के 54 जिंदा राउंड बरामद हुए। ऑपरेशन दल ने एक आईईडी भी बरामद की जो नक्सलवादियों द्वारा रास्ते में लगाई गई थी जिसका प्रयोग बीएसएफ ऑपरेशन पार्टी के विरुद्ध किया जाना था। ऑपरेशन दल की सुरक्षा और संरक्षा को सुनिश्चित करने के पश्चात आईईडी को यथावत रूप से निष्क्रिय कर दिया गया। अपुष्टिकृत रिपोर्टों के अनुसार, आपसी गोलीबारी के दौरान बीएसएफ सैन्य दलों की जवाबी गोलीबारी में कुछ नक्सलवादी मारे गए और कई अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए।

श्री संदीप कुमार गुप्ता, सहायक कमांडेंट और श्री सुशील सिंह, सहायक कमांडेंट ने संघर्षपूर्ण हालातों में तथा नक्सलवादियों की भारी गोलीबारी के बीच ऑपरेशन की सावधानीपूर्ण योजना के साथ सामरिक निडरता, ऑपरेशन संबंधी कौशल और सैन्य दलों के ऊपर प्रभावशाली कमान और नियंत्रण का प्रदर्शन किया तथा मुश्किल ऑपरेशन को सावधानी के साथ अंजाम दिया।

सं. 954553775 हेड कांस्टेबल विनय कृषालि और सं.130845090 कांस्टेबल संजय पाल ने अपनी निजी सुरक्षा और संरक्षा की परवाह किए बिना माओवादी गुट के विरुद्ध ऑपरेशन चलाने में एक-दूसरे की सहायता की और बीएसएफ की सर्वोच्च परंपरा को बनाए रखा।

इस ऑपरेशन में सर्व/श्री संदीप कुमार गुप्ता, सहायक कमांडेंट, सुशील सिंह, सहायक कमांडेंट, विनय कृषालि, हेड कांस्टेबल और संजय पाल, कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाले नियमों के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए दिए प्रदान किये जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 15.12.2017 से दिया जाएगा।

पी. प्रवीण सिद्धार्थ
विशेष कार्य अधिकारी

सं. 155-प्रेज/2019—राष्ट्रपति, सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के निम्नलिखित अधिकारी को वीरता के लिए पुलिस पदक (मरणोपरांत) प्रदान करते हैं:—

अधिकारी का नाम और रैंक	वीरता के लिए पुलिस पदक (मरणोपरांत)
स्व. श्री सीता राम उपाध्याय, कांस्टेबल	

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 17/18 मई, 2018 की मध्य रात्रि को सं. 113767342 कांस्टेबल सीताराम उपाध्याय, सं. 880036058 एएसआई (जीडी) शिव कुमार सिंह (पार्टी कमांडर) और सं. 000025586 कांस्टेबल ब्रिजेश सिंह के साथ 192 बटालियन बीएसएफ के जबोवल बीओपी के

अग्रिम ड्यूटी प्वाइंट संख्या एनजे 546 पर 1800 बजे से 0600 बजे तक नाका ड्यूटी के लिए तैनात थे। अंतर्राष्ट्रीय सीमा से केवल 30 मीटर की दूरी और पकिस्तान की अग्रिम बन्ध से 60 मीटर की दूरी पर स्थित उक्त ड्यूटी प्वाइंट को अत्यंत संवेदनशील ड्यूटी प्वाइंट माना जाता है।

लगभग 0125 बजे पाक बीओपी कोटली खोजा और सिलावली से अचानक ही फ्लैट और उच्च प्रक्षेपी हथियारों का उपयोग करते हुये अकारण भारी गोलीबारी होने लगी और वे हमारे अग्रिम ड्यूटी प्वाइंट संख्या एनजे 546 के साथ साथ अन्य निकटवर्ती ड्यूटी प्वाइंट और बीओपी जबोवल को निशाना बना रहे थे। इसके प्रत्युत्तर में, कांस्टेबल सीता राम उपाध्याय, जो कि उक्त ड्यूटी प्वाइंट पर संतरी ड्यूटी पर तैनात थे, ने स्थिति का जायजा लिया और तत्काल ही दुश्मन की गोलीबारी का जवाब अपने एलएमजी से दिया और उन्होंने अपने हिम्मत के बल पर पाक पोस्ट सिलावली के अग्रिम मोर्चों को निशाना बनाया। इसके आलावा, पाक के अग्रिम मोर्चों पर और अधिक प्रभावी गोलीबारी करने के लिए अपनी निजी सुरक्षा का तनिक भी चिंता किये बिना, वें अपने ड्यूटी प्वाइंट के विभिन्न लूपहोलो से पाक के अग्रिम मोर्चों/बंकरों पर लगातार और निर्भीकता से प्रहार करते रहे और उनके इस निर्भीक कदम के परिणामस्वरूप पाक के अग्रिम मोर्चों को प्रभावी रूप से निशाना बनाया गया और वे गोलीबारी बंद करने पर मजबूर हो गए।

कुछ देर के बाद, एक बार फिर पाक रेंजर्स ने विशेष रूप से अग्रिम ड्यूटी प्वाइंट संख्या एनजे 546 को निशाना बनाकर भारी गोलीबारी शुरू कर दी, जिसे कांस्टेबल सीता राम उपाध्याय ने अपने हिम्मत के बल पर पाक के अग्रिम मोर्चों पर सटीक और प्रभावी गोलीबारी करके समुचित जवाबी कार्रवाई की। तथापि, गोलीबारी के दौरान पाक के अग्रिम ठिकानों से स्वचालित हथियारों से चलाई गई कुछ गोलियां उक्त ड्यूटी प्वाइंट के लूपहोल से निकल कर कांस्टेबल सीता राम उपाध्याय के माथे यानी बाईं आँख के ऊपरी तरफ आकर लगी। गंभीर रूप से घायल होने के बाद भी उन्होंने अपने साथी सीमा रक्षकों को दुश्मन की गोलीबारी का जवाब आक्रामक तेवर और पूरे जोर शोर से देने के लिए प्ररित किया। तदनुसार, उक्त ड्यूटी प्वाइंट पर तैनात उनके साथी सीमा रक्षकों ने दुश्मन के गोलीबारी का उचित तरीके से मुंहतोड़ जवाब दिया। इसी बीच कंपनी मुख्यालय को सूचित किया गया और घायल कांस्टेबल सीता राम उपाध्याय को तत्काल जरुरी प्राथमिक उपचार के बाद जीएमसीएच, जम्मू पहुंचाया गया, जहाँ ड्यूटी डॉक्टरों ने लगभग 0300 बजे उन्हें मृत घोषित कर दिया।

सीमा सुरक्षा बल के 192 बटालियन के संख्या 113767342 कांस्टेबल सीता राम उपध्याय ने दुश्मनों की ओर से भारी गोलीबारी के बीच प्रभावी जवाबी कार्रवाई कर और दुश्मन के अग्रिम ठिकानों को भारी नुकसान पंहुचाकर उच्चस्तरीय पेशेवर कुशलता, जबरदस्त साहस और हिम्मत का प्रदर्शन किया। तथापि, इस प्रक्रिया में देश की रक्षा करते हुए वे वीरगति को प्राप्त हुए।

इस ऑपरेशन में स्व. श्री सीता राम उपाध्याय, कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

यह पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4 (i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किया जाता है तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 18.05.2018 से दिया जाएगा।

पी. प्रवीण सिद्धार्थ
विशेष कार्य अधिकारी

सं. 156-प्रेज/2019—राष्ट्रपति, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के निम्नलिखित अधिकारियों को वीरता के लिए पुलिस पदक/वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार प्रदान करते हैं:—

अधिकारियों के नाम और रैंक

सर्व/श्री

1.	दिलीप मलिक, उप कमान्डेंट	वीरता के लिए पुलिस पदक
2.	दिवेश कुमार मिश्रा, सहायक कमान्डेंट	वीरता के लिए पुलिस पदक
3.	अभय शर्मा, उप निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
4.	दिलीप कुमार, कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक

5.	दौलत खान, निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
6.	जोगिन्दर सिंह, कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक
7.	विनोद कुमार चौधरी, कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक
8.	अनुप कुमार, कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक
9.	बलविंदर कुमार, कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक
10.	सुब्रता मंडल, कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक
11.	चावन अभिनाष रघुनाथ, कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक
12.	कलिपद बर्मन, कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक
13.	पवन कुमार, हेड कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार
14.	चमेल सिंह, हेड कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

205 कोबरा के यूनिट इंटेलिजेंस सेल द्वारा एक स्रोत से यह सूचना प्राप्त की गई कि अनिल उर्फ दीपक (जोनल कमांडर) के नेतृत्व में सीपीआई (माओवादी) का एक सशस्त्र समूह को बिहार के गया और नवादा जिलों के क्रमश: गुरपा और रजौली थाना के अंतर्गत नवाडीह, हीरा खान, पराारिया, बसकटवा और देलवा गाँव के सामान्य वन क्षेत्र में घूमते हुये देखा गया है, इस सूचना के आधार पर कमान्डेंट, 205 कोबरा ने एक ऑपरेशन की योजना बनाई। चूँकि, माओवादी समूह बहुत तेजी से ठिकाना बदल रहा था और अधिक देर तक एक स्थान पर नहीं टिक रहा था, इसलिए 205 कोबरा के कमान्डेंट ने श्री दिवेश मिश्रा, सहायक कमान्डेंट (आसूचना) से माओवादियों का पीछा करने और उनके ठिकाने का सटीक पता लगाने के लिए कहा और इस बीच टीमों को आकस्मिक और अप्रत्याशित ऑपरेशन की तैयारी करने की जिम्मेदारी सौंपी। अपने सभी संसाधनों को इस्तेमाल करने के बाद, श्री दिवेश मिश्रा, सहायक कमान्डेंट दिनांक 07 मार्च, 2017 को नवादा जिले के सिरडाला पुलिस थाना के अंतर्गत थमकोला गाँव के पास माओवादियों की मौजूदगी का पता लगा सके। किन्तु इस इलाके की एक और समस्या यह थी, कि यह इलाका किसी भी सड़क से जुड़ा हुआ नहीं था और इस मुख्य क्षेत्र में पहुचने का एक मात्र रास्ता जंगल से होकर गुजरने वाली रेल लाइन थी। श्री दिवेश मिश्रा, सहायक कमान्डेंट और श्री दिलीप मलिक, उप कमान्डेंट के अलग-अलग नेतृत्व वाली दो टीमों को इस इलाके में तेजी से पहुंचने की जिम्मेदारी दी गई। योजना के अनुसार टीमों ने रात को गया रेलवे स्टेशन से ट्रेन पकड़ी और अपने लक्षित स्थान पर पहुंचने के लिए सुबह तड़के ही ट्रेन से उतर गए। इस बीच श्री दिलीप मलिक, उप कमान्डेंट और श्री दिवेश मिश्रा, सहायक कमान्डेंट अपने स्रोतों, जो कि उन्हें माओवादियों के संभावित ठिकाने के बारे में सूचना दे रहे थे, से लगातार संपर्क में थे। उनको बताया गया माओवादियों का अंतिम ठिकाना थमकोला गाँव के निकट था। जब कमांडर माओवादियों को ढूँढने की अगली कारवाई की योजना बना रहे थे, तभी श्री दिवेश मिश्रा, सहायक कमान्डेंट को यह इनपुट प्राप्त हुआ कि माओवादी पारोरियातारी गाँव की तरफ बढ़ गए हैं और पारोरियातारी गाँव के लोगों ने उन्हें भोजन कराया है। दोनों कमांडर उसके बाद पारोरियातारी गाँव की ओर आगे बढे और उन्होंने गाँव में प्रवेश से पहले ही गुप्त ऑपरेशन की योजना बनाई। श्री दिवेश मिश्रा, सहायक कमान्डेंट, कांस्टेबल/इंटेलीजेंस दिलीप कुमार और कांस्टेबल/इंटेलीजेंस अनुप कुमार के साथ सिविलियन ठेकेदार, जो कि माओवादी नेता अनिल उर्फ़ दीपक की मांग पर वसूली का रुपया देने के लिए आया हो, के छद्म भेष में आगे बढे, जबकि श्री दिलीप मलिक, डिप्टी कमान्डेंट, ग्यारह कमांडो के साथ किसी भी आकस्मिक स्थिति में सहायता प्रदान करने के लिए गाँव के बाहर प्रतीक्षा करने लगे। दुश्मन के बारे में बिना ठीक ठीक जानकारी और बिना हथियार के किसी दुश्मन के इलाके में जाने के लिए बहुत हिम्मत और जोखिम उठाने वाली योग्यता की आवश्यकता होती है। लेकिन श्री दिवेश मिश्रा, सहायक कमान्डेंट और उनके दो अन्य साथियों ने अपने कार्य में चतुराई दिखाई और एक

ग्रामीण को अपने जाल में फंसाने में सफलता हासिल की, जो उन्हें पास के जंगल में छुपे हुए माओवादियों के ठिकाने तक ले जाने के लिए तैयार हो गया। जब ग्रामीण इंटेलीजेंस के कार्मिकों (ठेकेदार की वेशभूषा में कमांडो) को सीधे छिपने के स्थान तक ले जा रहा था, तो उसे फिर से उसे यकीन दिलाया गया कि उनका एक साथी गाँव के बाहर कैश लेकर इंतजार कर रहा है और उसके पाँव में चोट लगी है। इस बहाने से ग्रामीण को टुकड़ी के निकट लाया गया और छिपने के स्थान पर धावा बोलने की आगे की ऑपरेशन की योजना बनाई गई।

चूँकि लक्षित क्षेत्र में एक सामान ग्राउंड फीचर और बड़ी-बड़ी चट्टाने थीं और गाँव वालों की दिशा और उनके द्वारा इस्तेमाल किये गए रास्ते से वहां नहीं पहुंचा जा सकता था, इसलिए टीम को आगे दो सब-टीम, एक हमला टीम और एक कट-ऑफ टीम के रूप में विभाजित किया गया। दोनों कमांडर लक्ष्य क्षेत्र की तरफ समानांतर रूप से अपनी हमला सब-टीमों के साथ आगे बढे। हमला टीमों ने टुकड़ियों के मूवमेंट को गुप्त रखते हुए और अपने जूतों की अनावश्यक आवाज पर नियंत्रण रखकर, बड़ी-बड़ी चट्टानों के साथ खडी उंचाई वाले खतरनाक इलाके को पार किया और माओवादी के ठिकाने के अत्यंत निकट पहुंच गए। जब टुकड़ी लक्ष्य से बमुश्किल 50 मीटर दूर थी और पहाड़ी के चोटी पर पहुचने वाली थी, तभी श्री दिवेश मिश्रा, सहायक कमान्डेंट के कमांड वाली हमला टीम माओवादियों, जिन्होंने किसी तरह टुकड़ियों के मौजूद होने के बारे में अंदाजा लगा लिया था, की ओर से भारी गोलीबारी के चपेट में आ गये। सब इंस्पेक्टर अभय शर्मा की कमांड में स्काउट्स, नामतः हेड कांस्टेबल चमेल सिंह, हेड कांस्टेबल पवन कुमार, कांस्टेबल विनोद कुमार चौधरी और कांस्टेबल बलविंदर सिंह, माओवादियों, जो कि अधिक ऊंचाई वाले स्थान पर घने जंगल और बड़ी चट्टानों के पीछे कवर लेकर छुपे हुए थे, की भारी गोलीबारी में फंस गए। भारी गोलीबारी में घिर जाने के बाद भी दोनों हमला टीमों के कमांडों ने तुरंत ही जवाबी गोलीबारी करते हुए सामरिक पोजीशन ले ली और कवर की तरफ रेंग कर आगे बढे। माओवादियों की यह युक्ति कि पहले टुकड़ियों को भारी गोलीबारी से बाँध दो और फिर स्थान को छोड़कर भाग जाओ, को समझते हुए, कमांडो दुश्मनों को दबोचने के लिए चालाकी से बायीं और दायीं ओर से गोली चलाते रहे। कमांडो के लिए के यह चुनौती भरा समय था और उनके हिम्मत की परीक्षा थी, जो कमांडो को सामान्य सैनिक से अलग बनाता है। सटीक गोलीबारी, समुचित समन्वय, अनुशासित कदम और प्रतिकूल परिस्थितियों में भी कारवाई करना इस समय की आवश्यकता थी। कमांडो ने कवर के पीछे छिपकर लड़ने की बजाय दुश्मन का सीधे सामने आकर सामना करने का निर्णय लिया। ऑपरेशन शुरू करने से पहले आयोजित किये गये प्रशिक्षण सत्र ने हमला टीमों को दो साथी जोड़ेदारों के साथ छोटे-छोटे समूह बनाने में मदद की और ऐसे तीन छोटे समूह तत्काल बनाए गए। उप निरीक्षक अभय शर्मा के कमांड में स्काउट ग्रुप, जिसमें हेड कांस्टेबल पवन कुमार, हेड कांस्टेबल चमेल सिंह, कांस्टेबल विनोद कुमार चौधरी और कांस्टेबल बलविंदर सिंह शामिल थे, ने सामने आकर दुश्मन को ललकारा और प्रतिकूल परिस्थिति एवं दुश्मनों की चुनौतियों के बावजूद आगे बढ़ा। श्री दिवेश मिश्रा, सहायक कमान्डेंट अपने छोटे समूह, जिसमें कांस्टेबल दिलीप कुमार, कांस्टेबल अनुप कुमार और कांस्टेबल चावन अभिनाष कुमार शामिल थे, ने चालाकी से बायीं ओर से हमला किया और इसी तरह श्री दिलीप मलिक, डिप्टी कमान्डेंट ने अपनी टीम जिसमें निरीक्षक दौलत खान, कांस्टेबल सुब्रता मंडल, कांस्टेबल जोगिन्दर सिंह और कांस्टेबल कलिपद बर्मन शामिल थे, ने चालाकी से दायीं ओर से हमला किया। टुकड़ियों द्वारा घेर लिए जाने की स्थिति को भांपते हुए, माओवादियों ने भी अपनी गोलीबारी की दिशा को बाँट दिया तथा और अधिक सटीक गोलीबारी करने लगे। कमांडो के किसी भी हरकत पर गोलियों की भारी बौछार ने आगे बढ़ने के कार्य को और भी अधिक खतरनाक और जोखिमभरा बना दिया। यह महसूस करते हुए कि आगे बढ़ने में विलम्ब करने से माओवादियों को भागने का अवसर मिल जायेगा, श्री दिवेश मिश्रा, सहायक कमान्डेंट ने उप निरीक्षक अभय शर्मा और उसकी टीम को भारी गोलीबारी करने का आदेश दिया, जिसने माओवादियों को एक पल के लिए बांध दिया। इस अवसर का लाभ उठाते हुए, श्री दिवेश मिश्रा, सहायक कमांडेंट के कमान वाली टीम रेंग कर आगे बढ़ी और अपने सटीक निशाने से एक माओवादी को मार गिराया। एक माओवादी के मरने से जो एक पल के लिए ध्यान भटका, वह उप निरीक्षक अभय शर्मा और उनकी टीम खासतौर पर हेड कांस्टेबल पवन कुमार और चमेल सिंह को फुर्ती से आगे बढ़ने और दूसरे माओवादी को मार गिराने के लिए पर्याप्त था। माओवादियों के मारे जाने से उनमे दहशत फ़ैल गई और उनके लीडर मैदान छोड़ कर भागने लगे और वे पहाड़ी के पीछे एक नाले में कूद गये, जबकि कुछ काडर अभी भी मैदान में डटे रहे। तीसरी टीम की दिलेरी उस समय दिखी, जब श्री दिलीप मलिक, डिप्टी कमांडेंट और उनकी टीम भी सटीक गोलीबारी करते हुए आगे बढ़ी और उन्होंने एक और माओवादी को ढेर कर दिया। जल्दी ही तीनो सब-टीमें एक सीध में आ गए थे और अत्यंत दुर्गम क्षेत्र, कंटीली झाड़ियों और बड़ी-बड़ी चट्टानों के बावजूद अंतिम प्रहार करने और कैंप को ध्वस्त करने के एकदम निकट आ गए थे। माओवादियों की ओर से प्रतिरोध एकदम ख़त्म हो गया था और गोलीबारी बहुत कम हो गई थी। जब सब-टीमे माओवादियों के छिपने के स्थान के निकट पहुंची, तभी एक घायल माओवादी ने एकदम नजदीक से गोलीबारी शुरू करके उन्हें भौचक्का कर दिया, लेकिन टुकड़ियां बाल-बाल बच गईं और हेड कांस्टेबल पवन कुमार एवं हेड कांस्टेबल चमेल सिंह ने उसे गोली चलाने का दूसरा मौका नहीं दिया और उन्होंने स्वयं को खतरे के सामने और जान जोखिम में डाल कर उसे ढेर कर दिया। उसके पश्चात टीमों ने भाग रहे माओवादियों का कुछ दूरी तक पीछा किया, लेकिन बाकी माओवादी घटनास्थल से भागने में सफल रहे। इलाके की तलाशी के दौरान एक एके 47 राइफल, दो इंसास राइफल, एक सेल्फ लोडिंग राइफल, उसकी मगज़ीन, और बड़ी संख्या में गोलाबारूद और अन्य सामग्री जैसे आईईडी, डेटोनेटर और अन्य उपयोग की वस्तुओं सहित चार माओवादियों नामतः अनिल उर्फ़ दीपक, जोनल कमांडर, चन्दन यादव उर्फ़ नेपाली, सब-जोनल कमांडर, सुखाड़ी चौधरी उर्फ़ तूफानी, सब-जोनल कमांडर और अरविन्द कुमार उर्फ लुल्हा, सब-जोनल कमांडर के शव बरामद हुए।

ऑपरेशन को सफल बनाने का श्रेय पहले तो कमांडरों नामतः श्री दिलीप मलिक, डिप्टी कमांडेंट और श्री दिवेश मिश्रा, सहायक कमांडेंट को जाता है, जिन्होंने अपनी जान को जोखिम में डालकर माओवादियों के सटीक ठिकाने का पता लगाया और उसके बाद यह श्रेय उनकी टीमों के कमांडों को जाता है, जिन्होंने फुर्ती और बहादुरी के साथ कार्रवाई की और अपने कमांडरों को अत्यंत महवपूर्ण सहायता प्रदान की और ये कमांडो मुठभेड़ के दौरान, बोल्डर, जंगल-झाड और उबड़-खाबड़ मैदान का प्राकृतिक कवर लेते हुए, अपनी जान की परवाह किये बिना दुश्मन की तरफ बढ़े। कमांडो अत्यंत बहादुरी और शौर्य के साथ लड़े और उन्होंने उच्च कोटि के साहस का प्रदर्शन किया। वे खतरनाक गोलीबारी कर रहे माओवादियों के हमले के बावजूद भी युक्तिपूर्वक और परस्पर समन्वय के साथ आगे बढे।

इस ऑपरेशन में सर्व/श्री दिलीप मलिक, उप कमान्डेंट, दिवेश कुमार मिश्रा, सहायक कमान्डेंट, अभय शर्मा, उप निरीक्षक, दिलीप कुमार, कांस्टेबल, दौलत खान, निरीक्षक, जोगिन्दर सिंह, कांस्टेबल, विनोद कुमार चौधरी, कांस्टेबल, अनुप कुमार, कांस्टेबल, बलविंदर कुमार, कांस्टेबल, सुब्रता मंडल, कांस्टेबल, चावन अभिनाष रघुनाथ, कांस्टेबल, कलिपद बर्मन, कांस्टेबल, पवन कुमार, हेड कांस्टेबल और चमेल सिंह, हेड कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किये जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 08.03.2017 से दिया जाएगा।

पी. प्रवीण सिद्धार्थ
विशेष कार्य अधिकारी

सं. 157-प्रेज/2019—राष्ट्रपति, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के निम्नलिखित अधिकारियों को वीरता के लिए पुलिस पदक प्रदान करते हैं:—

अधिकारियों के नाम और रैंक

सर्व/श्री

1. अभिनव पाण्डे,
   सहायक कमांडेंट

2. संदीप कुमार मिश्रा,
   उप-निरीक्षक

3. मिन्टु विश्वास,
   कांस्टेबल

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले के बासागुड़ा थाना के अंतर्गत गगनपल्ली, फूटाकेल, मोदकपल, पुसबाका, गाँव के सामान्य इलाके में 7 से 8 सशस्त्र जन मिलितीया नक्सलियों के एक समूह के मौजूद होने के बारे में विश्वसनीय जानकारी प्राप्त होने के पश्चात, 204 कोबरा के सहायक कमांडेंट श्री अभिनव पाण्डे द्वारा इन माओवादियों को पकड़ने के लिए 01 दिन और 01 रात के लिए एक संयुक्त तलाशी और विध्वंस ऑपरेशन की योजना बनाई गई।

सभी प्रकार के अवसरों और जोखिमों को ध्यान से रखते हुए पार्टी कमांडर अपनी टुकड़ी के साथ दिनांक 12.02.2017 को लगभग 2105 बजे बासागुडा बेस कैंप से निकले। टुकड़ी गुप्तता बनाये रखते हुए चांदनी की रोशनी में जंगलों से होकर क्रॉस-कंट्री रास्ते का उपयोग करते हुए लक्ष्य क्षेत्र की तरफ आगे बढ़े और वे तेलपेरू नदी को पार करके पोटाकेबिन के निकट पहुचे। लगभग 2145 बजे, 10 से 15 सशस्त्र नक्सलियों, जो घात लगाकर बैठे थे, ने टुकड़ियों पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। कमांडर के लिए यह एक महत्वपूर्ण क्षण था, क्योंकि वे अंततः अपने लक्ष्य के ठिकाने का पता लगा सके, जो कि अब उनके सामने ही था। उन्होंने महसूस किया कि माओवादियों को उनके गढ़ में दबोचने का यही सही समय है, जिसके लिए वे लम्बे समय से प्रतीक्षा कर रहे थे। एक भी पल गँवाए बिना पार्टी कमांडर श्री अभिनव पाण्डे, सहायक कमांडेंट ने माओवादियों को दबोचने की एक योजना तैयार की।

योजना के अनुसार गुप्तता बनाये रखने के लिए उपयुक्त सावधानी बरतते हुए पार्टी अपने संबंधित लक्ष्यों की तरफ छुपते हुए आगे बढ़ी। इसी बीच श्री अभिनव पाण्डे, सहायक कमांडेंट ने गुप्तता बरतते हुए समुचित रणनीतिक पोजीशन लेने के लिए माओवादियों के ठिकाने के नजदीक पहुचने का निर्णय लिया। यह एक साहसी कदम था, क्योंकि एक छोटी सी गलती सशस्त्र माओवादियों का ध्यान

पूर्णतः आकर्षित कर सकती थी, जो कि नजदीक पहुंचती टुकड़ियों के लिए घातक हो जाता। फिर भी, श्री अभिनव पाण्डे, सहायक कमांडेंट ने एक कमांडर के सच्चे धैर्य और साहस का प्रदर्शन किया और अपनी टुकड़ी का आगे बढ़ कर नेतृत्व किया और उप निरीक्षक/जनरल ड्यूटी संदीप कुमार मिश्रा और कांस्टेबल/जनरल ड्यूटी मिंटू विश्वास के साथ माओवादियों के ठिकाने की तरफ रेंगते हुए आगे बढे। अपनी हिम्मत को जुटाते और जमीन पर रेंगते हुए दोनों माओवादियों के ठिकाने के अत्यंत निकट पहुँच गए। साथी टुकड़ियां भी अपने कमांडर के पीछे आगे बढ़े और उनके पीछे पोजीशन ले ली। अपनी टुकड़ियों की पोजीशन को सुनिश्चित कर लेने के बाद श्री अभिनव पाण्डे, सहायक कमांडेंट ने माओवादियों को उनके समक्ष आत्मसमर्पण करने की चुनौती दी। माओवादी सुरक्षा बलों को अपने इतने निकट पाकर हतप्रभ रह गए। तथापि, उन्होंने अगले ही पल स्थिति को भांप गये और आत्मसमर्पण के प्रस्ताव का मजाक उड़ाते हुए श्री अभिनव पाण्डे, सहायक कमांडेंट की टीम के तरफ गोलियों के बौछार कर दी। गोलियों के बौछार अपने लक्ष्य से तनिक सा ही इधर-उधर हो रही थी, फलतः टुकड़ी और माओवादियों की गोलीबारी के पहले प्रहार से बाल-बाल बच गई।

तत्काल कारवाई करते हुए श्री अभिनव पाण्डे, सहायक कमांडेंट ने माओवादियों की गोलीबारी का माकूल जवाब दिया। जल्दी ही उनका साथी कांस्टेबल मिन्टु विश्वास और एसआई/जीडी संदीप कुमार मिश्रा अन्य सैनिकों के साथ अपने कमांडर के साथ मिल गये और माओवादियों के विरुद्ध जवाबी हमले को तेज कर दिया। माओवादी ने सुरक्षित स्थान के पीछे रणनीतिक पोजीशन ले ली थी, जिसके कारण सुरक्षा बलों की गोलीबारी प्रभावी साबित नहीं हो पा रही थी। दूसरी तरफ, माओवादी सुरक्षा बलों को मारने और उनके हथियारों को लूटने की मंशा से अंधाधुंध गोलीबारी कर रहे थे; तभी साथ-साथ श्री अभिनव पाण्डे, सहायक कमांडेंट, उपनिरीक्षक/जनरल ड्यूटी संदीप कुमार मिश्रा और उनका साथी कांस्टेबल/जनरल ड्यूटी मिंटू विश्वास आगे बढ़ रहे थे और माओवादी के ठिकाने को बाएं ओर से नजर रखने के लिए घेरना शुरू कर दिया। उन्होंने अपनी पोजीशन से आगे एक और स्थान का पता लगा लिया और माओवादियों पर प्रभावी प्रहार किया। उन्होंने निजी सुरक्षा की चिंता को दरकिनार करते हुए, आगे बढ़कर नेतृत्व किया और प्रतिकूल परिस्थिति में भी अविश्वसनीय तेजी के साथ रेंग कर आगे बढ़े, ताकि हमला करने के स्थान पर टिके माओवादी के निकट पहुचा जा सके। गोलीबारी के बीच निर्भीक होकर आगे बढ़ते हुए कमांडर ने स्वयं को पोजीशन में ले लिया और माओवादियों पर सटीक निशाना लगाकर लक्ष्य पर प्रहार करना शुरू कर दिया। इसी बीच उनके साथी भी पीछे से आकर उनके साथ शामिल हो गये और बिजली की फुर्ती से जवाबी हमले को तेज कर दिया गया।

श्री अभिनव पाण्डे, सहायक कमांडेंट के नेतृत्व में भीषण एवं साहसिक जवाबी हमले ने माओवादियों को चकित कर दिया। इस से पहले कि माओवादी इस झटके को काबू में कर पाते पाते, दोनों ने अपने प्रभावी गोलीबारी से एक माओवादी को मार गिराया। कमांडर, उपनिरीक्षक/जनरल ड्यूटी संदीप कुमार मिश्र और उनके साथी कांस्टेबल/जनरल ड्यूटी मिंटू विश्वास के इस वीरतापूर्ण कदम ने साथी टुकड़ियों में जोश का संचार कर दिया और वे भी माओवादियों पर टूट पड़े। इस बीच अन्य टुकड़ी भी घटना स्थल पर पहुच गई और माओवादियों को घेरना शुरू कर दिया। स्वयं को घिरा हुआ पाकर और सुरक्षा बलों की प्रभावी गोलीबारी में फंसा हुआ पाकर माओवादी कोई और विकल्प न देख घने जंगल और ऊँची नीची जमीन का फायदा उठाकर भागने लगे।

लगभग एक घंटे तक भीषण गोलीबारी चली। मुठभेड़ के बाद तलाशी के दौरान टुकड़ियों ने अव्लाम मंगू नामक एक सीपीआई (माओवादी) के शव के साथ विविध प्रकार की आपराधिक वस्तुएं बरामद की। ऑपरेशन पार्टी सभी प्रकार की चुनौतियों को पार करते हुए दिनांक 13.02.2017 को माओवादी के शव और अन्य बरामद वस्तुओं के साथ बासागुडा बेस कैंप सुरक्षित पहुची।

ऑपरेशन के दौरान श्री अभिनव पाण्डे, सहायक कमांडेंट, 204 कोबरा, ने अपने लोगों के जीवन को बचाने और अपने कार्य को पूरा करने के लिए अभूतपूर्व नेतृत्व गुणों, धैर्य और अपने जीवन को जोखिम में डालने में नैतिक साहस का प्रदर्शन किया। माओवादियों द्वारा जोरदार हमले से बेखौफ, वे टिके रहे और उन्होंने अपनी टुकड़ी का आगे बढ़कर नेतृत्व किया और माओवादियों के पास भागने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचने तक गोलीबारी करते रहे। उन्होंने उच्च कोटि की वीरता, नेतृत्व के विलक्षण गुण और बल की उच्च परंपरा के निर्वहन का अमिट उदहारण स्थापित किया। उपनिरीक्षक/जनरल ड्यूटी संदीप कुमार मिश्रा और कांस्टेबल/जनरल ड्यूटी मिंटू विश्वास वीरतापूर्वक लड़े और उन्होंने कठिन समय में अपने कमांडर का साथ दिया। माओवादियों को मार गिराने को उनकी महत्वपूर्ण भूमिका थी।

इस ऑपरेशन में सर्व/श्री अभिनव पाण्डे, सहायक कमांडेंट, संदीप कुमार मिश्रा, उप-निरीक्षक और मिन्टु विश्वास, कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किये जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 12.02.2017 से दिया जाएगा।

पी. प्रवीण सिद्धार्थ
विशेष कार्य अधिकारी

सं. 158-प्रेज/2019—राष्ट्रपति, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के निम्नलिखित अधिकारियों को वीरता के लिए पुलिस पदक/वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार/वीरता के लिए पुलिस पदक का द्वितीय बार प्रदान करते हैं:—

अधिकारियों के नाम और रैंक

सर्व/श्री

1.	राजेश कुमार कमांडेंट	वीरता के लिए पुलिस पदक का द्वितीय बार
2.	राजेंद्र नाथ मल्लिक सहायक कमांडेंट	वीरता के लिए पुलिस पदक का द्वितीय बार
3.	राजेश कुमार बरनेला सहायक कमांडेंट	वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार
4.	बिप्लव बिस्वास हेड कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक
5.	श्रीनिवासुलु पी कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक
6.	तसलीम आरिफ मीर कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 24 अप्रैल 2018 को तडके सुबह, गुतांगो गाँव के निकट पहाड़ी जंगलों में स्थित एक गुप्त ठिकाने में 3 से 4 जेईएम के आतंकवादियों के मौजूद होने के बारे में विश्वसनीय सूचना प्राप्त होने के बाद, इस सूचना की पुष्टि के लिए गुतांगो जंगल के उपरी हिस्से के आसपास सामान्य क्षेत्र में 42 आरआर की एक पार्टी को भेजा गया। जब पार्टी लक्ष्य क्षेत्र के निकट पंहुची, तभी लगभग 0700 बजे वह हथगोलों के हमलों के साथ साथ भारी गोलीबारी के चपेट में आ गई। गोलीबारी का जवाब दिया गया और इलाके की घेराबंदी की गई। दोनों ओर से प्रारंभिक गोलीबारी में 42 आरआर का सिपाही अजय कुमार गंभीर रूप से घायल हो गया और बाद में 92 बेस हॉस्पिटल में चोटों के कारण उसकी मृत्यु हो गई।

सूचना प्राप्त होने के पश्चात श्री राजेश कुमार बरनेला, सहायक कमांडेंट (आईआरएलए-9206) और श्री राजेंद्र नाथ मल्लिक, सहायक कमांडेंट (आईआरएलए-9623) की कमान वाली 180 बटालियन के ए एवं सी कंपनी की एक टीम, स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) अरिपल के साथ त्राल पुलिस स्टेशन के उप-निरीक्षक ज़हूर अहमद वानी, एसओजी त्राल और 180 बटालियन की क्विक एक्शन टीम (क्यूएटी) श्री राजेश कुमार, कमांडेंट (आईआरएलए-4449) 180 बटालियन की समग्र कमांड में निरीक्षक मोहमद युसूफ, एसएचओ त्राल के साथ घटनास्थल पर पंहुचे। उसी समय कर्नल नीरज पाण्डेय की कमांड में 42 आरआर की अतिरक्त सैन्य सहायता पार्टी भी घटनास्थल पर पंहुची। मुठभेड़ स्थल से अरिपल निकटतम कैंप होने के कारण, एसओजी अरिपल और अरिपल में 180 बटालियन की ए कंपनी सबसे पहले प्रतिक्रिया देने वाली कम्पनी थी, जिसने 42 आरआर द्वारा की गई घेराबंदी को सुदृढ़ किया और एसओजी अरिपल के साथ छुपने के संदिग्ध ठिकाने के दक्षिणी ओर लगभग 50 मीटर की दूरी पर पोजीशन ले ली। 180 बटालियन की सी कंपनी पार्टी ने 42 आरआर कंपनी के सीओ और श्री एजाज़ अहमद, एसडीपीओ, त्राल के साथ छुपने के संदिग्थ ठिकाने के ऊपर पूर्वी तरफ 50 मीटर की दूरी पर पोजीशन ले ली। इसी बीच 180 बटालियन के क्यूएटी के साथ सीओ-180 कंपनी भी मुठभेड़ स्थल पर पहुंच गये और घेराबंदी के दक्षिणी ओर पोजीशन ले ली। यहां केवल दो ऐसे स्थल थे जहाँ से छिपने के संदिग्ध ठिकाने पर प्रभावी रूप से गोलीबारी की जा सकती थी। संदिग्थ ठिकाने के अन्य दोनों तरफ खडी चढ़ाई होने के कारण पार्टियों को विपरीत दिशा में ऊँची पहाड़ी चट्टानों के पीछे और इनके ढलानों पर घने वृक्षों के पीछे तैनात किया गया। यह ठिकाना अत्यंत ढका हुआ और गुप्त था और इसलिए इसकी सटीक स्थिति का पता नहीं लगाया जा सका। पार्टियों के पोजीशन ले लेने के बाद दो सशस्त्र आतंकवादी बाहर आये और अंधाधुंध गोलीबारी करने लगे। इसके पश्चात उन्होंने छुपने के ठिकाने के गुप्त प्रवेश मार्ग के निकट घने वृक्षों के पीछे पोजीशन ले ली। टुकड़ियों ने घेराबंदी से जवाबी गोलीबारी की। घेराबंदी कर रहे पार्टी की स्थिति पूरी तरह खुली होने के कारण आतंकवादी घेराबंदी कर रहे पार्टी की प्रत्येक गतिविधि को देख पा रहे थे। दो घंटों तक रुक रुक कर गोलीबारी होती रही। लगभग 1300 बजे, कमांडरों ने आतंकवादियों को अचंभित करने और मार गिराने के उदेश्य से छिपने के ठिकाने के दक्षिणी ओर से एक पार्टी को भेजने का निर्णय लिया, ताकि ऑपरेशन शाम होने से पहले समाप्त हो सके। तदनुसार, राजेश कुमार बरनेला, सहायक कमांडेंट सं. 971231689, हेड कांस्टेबल बिप्लव बिस्वास, कांस्टेबल मो. लतीफ़ अहमर गोगर, एसओजी, उप निरीक्षक ज़हूर अहमद वानी, पुलिस स्टेशन त्राल, ठिकाने की दिशा में चुपचाप आगे बढ़े। अचानक आतंकवादियों ने भारी

गोलीबारी शुरू कर दी और एक गोली ने मो. लतीफ़ गोगर के दाहिने कंधे को घायल कर दिया। इसके बाद, आतंकवादी अपने गुप्त ठिकाने से निकलकर बाहर आये और उन्होंने अंधाधुंध गोलीबारी करके घेराबंदी पर प्रहार किया। राजेश कुमार बरनेला और बिप्लब बिस्वास ने फुर्ती और बुद्धिमत्ता का परिचय देते हुए, तत्काल जवाबी और सटीक गोलीबारी करते हुए आगे बढ़ रहे आतंकवादियों पर गोलियों की बौछार कर दी, जिससे उनमें से एक आतंकवादी मारा गया। गोलीबारी से बचने के लिए दूसरे आतंकवादी ने तुरंत अपने मरे हुए साथी के शरीर के निकट घने वृक्ष के पीछे पोजीशन ले ली। आतंकवादी और टुकड़ियों के बीच भारी गोलीबारी हुई। श्री राजेश कुमार, कमांडेंट ने जैसे ही देखा कि एक कांस्टेबल को गोली लग गई है, तुरंत उसके स्थान पर किसी क्यूएटी कार्मिक को तैनात किया गया और मोर्चे को संभाला ताकि घायल पुलिस जवान को सुरक्षित बाहर निकाला जा सके। दोनों ओर से भारी गोलीबारी के बीच जेएंडके पुलिस के निरीक्षक मो. युसूफ और क्यूएटी-180 के 6 कार्मिकों ने घायल ज़वान को बाहर निकाला, जिसकी बाद में मृत्यु हो गई। इस बीच भागने की कोशिश करते हुए दूसरे आतंकवादी ने घेराबंदी की तरफ हथगोला फेंका और अंधाधुंध गोलीबारी की। अद्भुद फुर्ती, हिम्मत और एक लीडर की तरह रणनीतिक कौशल का प्रदर्शन करते हुए, राजेश कुमार, कमांडेंट ने अपने साथी सं. 125075576 कांस्टेबल तसलीम आरिफ मीर के साथ आगे बढ़ रहे आतंकवादी पर गोली चलाई और उसे मार गिराया। इस बीच बचे हुए आतंकवादियों ने अपने आदमियों द्वारा निर्मित ठिकाने में पोजीशन ले ली और आगे बढ़ रहे टुकड़ियों पर गुप्त ठिकाने के बीच बने छिद्रों से गोलीबारी करते रहे। सैन्य दल ने उनका ध्यान भटकाने और उन्हें मार गिराने के उद्देश्य से अपने राइफल से भारी गोलीबारी की और एमजीएल फायर का भी इस्तेमाल किया, किन्तु उन पर कोई असर नहीं पड़ा।

इसके पश्चात सीओ-42 आरआर कंपनी ने सीओ-180 कंपनी के साथ परामर्श करके छुपने के ठिकाने को उड़ा देने के लिए इसके ऊपर विस्फोटक सेट लगाने का निर्णय लिया। यह जानते हुए कि उनकी योजना में बहुत जोखिम है, फिर भी राजेंद्र नाथ मल्लिक, सहायक कमांडेंट इस कार्य को करने के लिए स्वेच्छा से आगे बढ़े। तदनुसार, एक छोटी विध्वंसक टीम, जिसमें राजेंद्र नाथ मल्लिक और उनके साथी सं. 135279797 कांस्टेबल श्रीनिवासुलु पी. तथा मेजर शक्ति सिंह और उनका साथी शामिल थे, ठिकाने की तरफ युक्तिपूर्वक आगे बढे और अत्यंत रणनीतिक रूप से गुप्त ठिकाने के ऊपर विस्फोट का सेट लगा दिया और गुप्त ठिकाने को विस्फोट करके सफलता पूर्वक उड़ा दिया। बहुत देर तक दूसरी तरफ से कोई प्रतिक्रिया नहीं आने पर यह टीम अदम्य साहस और अभूतपूर्व वीरता का प्रदर्शन करती हुई सावधानी पूर्वक रेंगते हुए आगे बढ़ी और विस्फोट के बाद बने खुले स्थान से गुप्त ठिकाने के भीतर टीएसएम शेल और मोलोटोव कोकटेल गिरा दिया। अचानक एक आतंकवादी अप्रत्याशित रूप से खड़ा हुआ और उसने टीम पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। राजेंद्र नाथ मल्लिक और उनके साथी जिन्होंने गुप्त ठिकाने से दस मीटर ऊपर की दूरी पर पेड़ों के पीछे पहले ही कवर ले लिया था, ने जवाबी गोलीबारी की और तीसरे आतंकवादी को मार गिराया। इस गोलीबारी के बाद, गोलीबारी करने के लिए कोई और नहीं बचा था, न ही गुप्त ठिकाने में कोई गतिविधि हो रही थी। इसलिए यह सुनिश्चित करने के लिए कि सभी आतंकवादी मारे जा चुके हैं, गुप्त ठिकाने की तरफ कुछ राउंड गोली चलाई गई। चूँकि, गुप्त ठिकाने के भीतर से कोई प्रतिक्रिया नहीं आ रही थी, इसलिए गुप्त ठिकाने और आसपास के इलाके की गहन तलाशी की गई, जिसके परिणामस्वरूप 04 मारे गए आतंकवादियों के शव बरामद किये गए, जिनकी बाद में पहचान उमर खालिद, निवासी-पकिस्तान, जेईएम (श्रेणी ए++), मुफ़्ती यासिर, निवासी-पाकिस्तान, जेईएम (श्रेणी ए++), आबिद मकबूल भट्ट (श्रेणी-सी) निवासी-खानगुंड, पुलिस स्टेशन त्राल और इशफाक अहमद खान (श्रेणी-बी), निवासी-हन्दुरा, पुलिस स्टेशन त्राल के रूप में हुई। इसके साथ-साथ 03 एके 56 राइफल, 01 एके 47 राइफल, 08 एके मैगजीन, 97 एके राउंड्स और 01 यूबीजीएल बरामद किये गये।

इस ऑपरेशन में श्री राजेश कुमार, कमांडेंट, 180 बटालियन ने चातुर्यपूर्ण और सक्रिय नेतृत्व का प्रदर्शन किया, जिन्होंने न केवल आगे बढ़कर अपनी टीम का नेतृत्व किया बल्कि आतंकवादियों को उन्ही के खेल में पराजित किया। उनके रणनीतिक कौशल और स्थिति का सामना करने में दक्षता ने उनके दल के सभी अधिकारियों और लोगों को प्रेरित किया, जिन्होंने आतंकवादियों को मार गिराने में अपने जीवन को यह सुनिश्चित करने के लिए जोखिम में झोंक दिया था कि आतंकवादियों का सफाया हो जाए। श्री राजेश कुमार बरनेला और श्री रविन्द्र नाथ मल्लिक, सहायक कमांडेंटों की युवा और बहादुर जोड़ी ने अत्यंत प्रतिकूल परिस्थिति में समर्पण और कर्तव्यनिष्ठा से उन्हें सौंपे गये कार्य को पूरा किया तथा साथ ही अपने साथी सं 971231689 हेड कांस्टेबल बिप्लव विश्वास, सं 125075576 कांस्टेबल तसलीम आरिफ मीर, और सं 135279797 कांस्टेबल श्रीनिवासुलु पी. को प्रेरित किया, जिन्होंने अपने कमांडर का सर नीचे नहीं झुकने दिया और चुनौती पर खड़े उतरे, जिसके फलस्वरूप खतरनाक जेईएम संगठन के चार दुर्दांत आतंकवादियों को मार गिराया जा सका।

इस ऑपरेशन में सर्व/श्री राजेश कुमार, कमांडेंट, राजेंद्र नाथ मल्लिक, सहायक कमांडेंट, राजेश कुमार बरनेला, सहायक कमांडेंट, बिप्लव बिस्वास, हेड कांस्टेबल, श्रीनिवासुलु पी, कांस्टेबल, तसलीम आरिफ मीर, कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किये जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 24.04.2018 से दिया जाएगा।

पी. प्रवीण सिद्धार्थ
विशेष कार्य अधिकारी

सं. 159-प्रेज/2019—राष्ट्रपति, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के निम्नलिखित अधिकारियों को वीरता के लिए पुलिस पदक प्रदान करते हैं:—

अधिकारियों के नाम और रैंक

सर्व/श्री

1. नवीन कुमार झा
सहायक कमांडेंट

2. जावेद अहमद गुर्जर
कांस्टेबल

3. चमन गिरी
उप निरीक्षक

4. सुहास एम
हेड कांस्टेबल

5. शीतल सिंह
कांस्टेबल

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 20 मार्च, 2018 को लगभग 1300 बजे 98 बटालियन की ई कंपनी के कमान अधिकारी श्री एन.के. झा, सहायक कमांडेंट को अपने स्रोत से एक खुफिया जानकारी प्राप्त हुई कि कुपवाड़ा जिले में दूरदराज के हलमतपोरा गांव के समीप चेक फतेह खान और लॉमचाक जंगलों में 6-7 आतंकवादियों का एक समूह देखा गया है। कुपवाड़ा जिला कश्मीर के उत्तर-पश्चिम में स्थित है और हलमतपोरा गांव 20-25 किलोमीटर दूर स्थित नियंत्रण रेखा (एलओसी) से पहले आखिरी गांव है। गांव चेक फतेह खान/लॉमचाक जंगलों से घिरा हुआ है जो घने शंकुधारी जंगल है। इस क्षेत्र की बनावट एकदम खड़ी और ढ़ालदार है और नियंत्रण रेखा के करीब होने के कारण इन वनाच्छादित पहाड़ों के माध्यम से आतंकवादियों की नियमित आवाजाही होती रहती है। स्थानीय पुलिस से इनपुट की पुष्टि करने के बाद, 98 बटालियन के 7-8 कर्मियों को सादे कपड़ों में सटीक स्थान का पता लगाने के लिए क्षेत्र में भेजा गया, जिन्होंने लक्षित क्षेत्र की पुष्टि की। तदनुसार, श्री एन.के. झा, सहायक कमांडेंट की कमान में कुपवाड़ा का स्पेशल आपरेशंस ग्रुप (एसओजी), जेकेपी और 98 बटालियन की काउंटर टेररिज्म टीम (सीटीटी) के 13 कार्मिक वन क्षेत्र के लिए रवाना हो गए। जब तक टीम उस स्थान पर लगभग 1400 बजे पहुंची, तब तक 41 राजपूताना राइफल्स (आरआर), 5 बिहार और 160 टैरीटोरियल आर्मी (टीए) की टुकड़ियां ऊपरी ढ़लानों पर उत्तर-पश्चिमी, दक्षिण-पश्चिमी तरफ से तथा निचली ढ़लानों पर उत्तर-पूर्वी तरफ से पहले ही घेराबंदी कर चुकी थी। एसओजी, कुपवाड़ा और 98 बटालियन की सीटीटी ने 41 आरआर की तैनाती से सटी तरफ दक्षिण-पूर्व की ओर पोजीशन ली, जो कि पूर्वी हिस्से तक भी फैली हुई थी। इस बीच, श्री मोहित कपूर, सेकेंड-इन-कमांड, 162 बटालियन की समग्र कमान के तहत 162 बटालियन के सैनिक भी लगभग 1450 बजे लक्षित क्षेत्र के पास पहुंच गए और 98 बटालियन के साथ मिल गए तथा उनकी स्थिति को और सुदृढ़ कर दिया। जबकि लक्षित क्षेत्र के तीन तरफ पहाड़ियां थीं, जोकि घने जंगलों से आच्छादित थीं, पूर्वी तरफ घरों के समूह के साथ हलमतपोरा गांव था।

जैसे ही घेराबंदी लगाई गई, आतंकवादियों ने उत्तर पश्चिम की ओर तैनात सेना के कार्मिकों पर गोलीबारी शुरू कर दी। इसके बाद बंदूक की भारी लड़ाई हुई, जो कि एक घंटे तक जारी रही, जिसमें सेना का एक जवान शहीद हो गया। जवाबी गोलीबारी में एक आतंकवादी भी मार गिराया गया। इसके बाद, शाम की प्रार्थनाएं पूरी होने तक दोनों ओर से लगभग 2-3 घंटे तक शांति रही। यह भांपकर कि वे उत्तर पश्चिम की ओर से नहीं भाग सकते हैं, बचे हुए आतंकवादी भागने के प्रयास में दक्षिण पश्चिम की ओर चले गए, लेकिन वे इस बात से बेखबर थे कि उन्हें घेर लिया गया है। हालांकि, उनके प्रयास बेकार थे, क्योंकि 41 आरआर, सीआरपीएफ की 98 बटालियन और एसओजी को दक्षिण पश्चिम की ओर तैनात किया गया था। जैसे ही अंधेरा हुआ, लगभग 1930 बजे आतंकवादियों ने फिर से गोलीबारी शुरू कर दी। सैन्य दलों ने जवाबी कार्रवाई की; पूरी रात दोनों ओर से कभी-कभार गोलियों की आवाज आती रही। तथापि, अभेदनीय घेराबंदी के चलते, आतंकवादी घेराबंदी के क्षेत्र के भीतर सीमित रहे। हड्डियां कड़कड़ा देनी वाली ठंड के बावजूद सैन्य दल पूरी रात अपनी पोजीशन पर तैनात रहे। अगली सुबह अर्थात 21 मार्च को लगभग 0630 बजे 98 बटालियन और 162 बटालियन के कमांडेंट भी मुठभेड़ स्थल पर अपने सैन्य दलों में शामिल हो गए। लगभग 0730 बजे दक्षिण पश्चिमी और उत्तर पश्चिमी ढ़लानों पर तैनात सेना के जवानों ने आतंकवादियों को घेरने के लिए पहाड़ी से नीचे उतरना शुरू कर दिया। हडबहड़ाहट में तीन आतंकवादी अंधाधुंध गोलीबारी करते हुए दक्षिण पश्चिमी क्षेत्र की ओर भागे, जहां पर एसओजी, जेकेपी और 98 बटालियन की सीटीटी तैनात थीं। सं. 105021042 उप निरीक्षक चमन गिरी और सं. 115241739 हेड कांस्टेबल/रेडियो ऑपरेटर सुहास एम., जो कि रेडियो सैट और एके-47 राइफल से लैस थे,

एसओजी के जवानों के साथ तीन आतंकवादियों की गोलीबारी की सीमा क्षेत्र में फंस गए। युवा उप निरीक्षक चमन गिरी और रेडियो ऑपरेटर दोनों अगर अपने दुश्मनों को नहीं मार गिराते, तो उनका मारा जाना लगभग निश्चित था। करो या मरो की स्थिति के सामने उन दोनों ने भागते हुए, एक आतंकवादी, जिसने कि लगभग उन पर धावा ही बोल दिया था, पर गोलियों की बौछार कर दी और उसे मौके पर ही मार गिराया। इस बीच, एक अन्य आतंकवादी ने एक एसओजी जवान पर गोलियां दागीं और उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया। अचानक, यह अहसास होने पर कि उसकी गोलियां खत्म हो गई है, उसने मारे गए कांस्टेबल का हथियार उठा लिया। उसमें मुश्किल से एक या दो कारतूस ही थे। हताशा में वह 98 बटालियन के सं. 105341198 कांस्टेबल जावेद अहमद के हथियार को छीनने की नीयत से उन पर कूद पड़ा, जिससे उन दोनों के बीच हाथापाई शुरू हो गई। सामने खड़ी मौत के सामने शेरदिली दृढ़ता और साहस का प्रदर्शन करते हुए, अपनी पूरी ताकत से अपने हथियार को पकड़े हुए, हिम्मती जावेद अहमद भीषण छीना-झपटी में लग गए और आतंकवादी से एके-47 राइफल छीनने में सफल हो गए और उस पर गोली दागकर उसे मौके पर ही मार गिराया। इस बीच, सुरक्षा बलों के उसके अन्य दोनों साथियों के साथ उलझा होने का फायदा उठाकर तीसरा आतंकवादी घेराबंदी से निकलने में सफल हो गया।

इस बीच, सेना के सैन्य दलों ने क्षेत्र की तलाशी लेते हुए पहाड़ी से नीचे उतरना जारी रखा। बचे हुए आतंकवादियों को पश्चिमी ओर से भी भागने का अवसर नहीं मिला, क्योंकि सुरक्षा बलों ने उन पर शिकंजा कसना जारी रखा और इससे भी ज्यादा, उन्हें ढ़लान पर ऊपर चढ़ने का दुष्कर कार्य करना था। आतंकवादी ने रूक-रूक कर गोलीबारी जारी रखी और भागने के अवसर की तलाश में वह पूर्वी तरफ बढ़ा। एसओजी और सीटीटी 98 बटालियन ने श्री एन.के. झा, सहायक कमांडेंट की निडर और सक्षम कमांड में पूर्वी तरफ दृढ़ता से पोजीशन ली हुई थी। वहां पर उनके आगे एक समतल मैदान था, जो कि कुछ सौ मीटर का था और मैदानों के आगे जंगल क्षेत्र था। मैदान के बीच में एक पत्थरों से बनी हुई दीवार थी, जो आतंकवादियों को अच्छा कवर प्रदान कर रही थी। घेराबंदी डाले गए लगभग 24 घंटे हो चुके थे तथा अपने आपको पूरा तरह घिरा पाकर आतंकवादी अपना संतुलन खो रहे थे। लगभग 1400 बजे, सीने तक ऊंचाई वाली पत्थर की दीवार का कवर लेकर उन्होंने पूर्व की तरफ अचानक भारी गोलीबारी शुरू कर दी। गोलीबारी की मात्रा इतनी ज्यादा था कि पूर्वी ओर पर सैन्य दलों को तेजी से उपलब्ध कवर के पीछे जाना पड़ा, जो कि भूमि की सीढ़ीदार खेती के कारण प्राकृतिक रूप से उपलब्ध था। तथापि, यह असाधारण भारी गोलीबारी एलएमजी चला रहे वीर युवा कांस्टेबल सं. 065161558 कांस्टेबल शीतल सिंह को अपने रास्ते से डिगा नहीं सकी, जिन्होंने बाकी सैन्य दलों के साथ खुद की पोजीशन किया हुआ था। एक चट्टान की तरह वे अपनी पोजीशन पर डटे रहे और उन्होंने अपनी एलएमजी से दुश्मनों की दिशा में भारी गोलीबारी के साथ जवाब दिया। एन.के. झा, जो कि पूर्वी ओर कुशलता से अपने सैन्य दलों को संचालित कर रहे थे, ने दुश्मन की भारी गोलीबारी का सामना किया और उसी ताकत से उसका जवाब दिया। अंतिम हताश प्रयास में दो आतंकवादियों ने अपना कवर छोड़ दिया और अंधाधुंध गोलीबारी करते हुए, वे पूर्वी ओर तैनात सैन्य दलों से भिड़ गए। कांस्टेबल शीतल सिंह और श्री एन.के. झा, सहायक कमांडेंट ने आतंकवादियों द्वारा भारी गोलीबारी के जवाब में जोरदार गोलीबारी की और दोनों आतंकवादियों का सफाया करने में सफल रहे। चूंकि, सुरक्षा बल आतंकवादियों की संख्या के बारे में आश्वस्त नहीं थे, इसलिए सैन्य दलों ने अपनी पोजीशन को तब तक बनाए रखा, जब तक कि सेना की टुकड़ियों ने अपनी पोजीशन को तब तक बनाए रखा, जब तक कि सेना की टुकड़ियों ने क्षेत्र की पूरी तरह तलाशी नहीं ले ली और 2000 बजे ऑपरेशन को बंद किया।

तलाशी में 05 विदेशी आतंकवादियों के शव बरामद हुए। सैन्य दलों ने मुठभेड़ स्थल से 05 एके-47 राइफलें, 01 पिस्तौल, 01 पिस्तौल 9 एमएम बेरेटा (इटालियन), 25 एके-मैगजीन, 02 पिस्तौल मैगजीन, 02 पिस्तौल मैगजीन (इटालियन), 839 एके कारतूस, 50 पिस्तौल 7.62 एमएम कारतूस, 60 पिस्तौल के 9 एमएम कारतूस तथा अन्य आपराधिक सामग्री भी बरामद की।

मौसमी परिस्थतियों और प्रतिकूल भू-भाग को देखते हुए, यह अत्यंत कठिन ऑपरेशन था और बलों का मुकाबला अति प्रशिक्षित और सुसज्जित विदेशी आतंकवादियों से था। ऑपरेशन 30 घंटे से ज्यादा चला। 98 बटालियन के एन.के. झा, सहायक कमांडेंट ने अपने सैन्य दलों के संचालन और प्रभावी ढंग से उनकी तैनाती में असाधारण नेतृत्व क्षमता और सामरिक कौशल का प्रदर्शन किया। अत्यंत सर्द मौसम के बावजूद, उन्होंने अपने सैन्य दलों के मनोबल को ऊंचा बनाए रखा, जिन्होंने दृढ़ता से अपनी पोजीशन को तब तक धैर्यपूर्वक बनाए रखा, जब तक कि ऑपरेशन पूरा नहीं हो गया। गंभीर खतरे के सामने और मौत का सामना होने पर भी, वे धैर्यपूर्वक कांस्टेबल शीतल सिंह के साथ खड़े रहे और वीरतापूर्वक दोनों आतंकवादियों का सफाया सुनिश्चित किया, जिसके साथ मुठभेड़ समाप्त हुई।

उप निरीक्षक चमन गिरी चट्टान की तरह थे और पूरे ऑपरेशन के दौरान अपनी पोजीशन पर डटे रहे और उन्होंने अपने साथ तैनात अपनी टीम को कुशलतापूर्वक संचालित तथा प्रबंधित किया। उन्होंने हेड कांस्टेबल/रेडियो ऑपरेटर सुहास एम. और कांस्टेबल जावेद अहमद गुर्जर और अन्य के साथ यह सुनिश्चित किया कि उनको सौंपा गया निर्धारित क्षेत्र भली-भांति सील रहे ताकि आतंकवादियों को भागने से रोका जा सके। मौत के सामने, जबकि आम इंसान ने हार मान ली होती, उन तीनों ने अपने दुश्मनों को गोली से मार गिराने में असाधारण साहस, दृढ़ संकल्प और असाधारण कौशल का प्रदर्शन किया, यहां तक कि उन्होंने नजदीक से लड़ाई भी की और अंततः उस आतंकवादी को मार गिराया, जिसने कांस्टेबल जावेद अहमद गुर्जर को चुनौती देने की हिम्मत की थी। कांस्टेबल शीतल सिंह की उम्र को देखते हुए, उन्होंने असाधारनण वीरता और फौलादी जज्बे का प्रदर्शन किया और जब आतंकवादियों द्वारा उनके भागने के अंतिम प्रयास में उन्हें भारी गोलीबारी का सामना करना पड़ा, तो वे अत्यंत प्रतिकूल परिस्थिति में भी अपने स्थान पर डटे रहे। एलएमजी के ऊपर उनकी

कुशलता और नियंत्रण ने न केवल यह सुनिश्चित किया कि सैन्य दलों की ओर खतरनाक ढंग से आगे बढ़ते हुए आतंकवादी पीछे धकेल दिए गए बल्कि यह भी सुनिश्चित किया कि उनके सैन्य दलों के नुकसान के बिना आतंकवादियों का सफाया हुआ।

इस ऑपरेशन में सर्व/श्री नवीन कुमार झा, सहायक कमांडेंट, जावेद अहमद गुर्जर, कांस्टेबल, चमन गिरी, उप निरीक्षक, सुहास एम, हेड कांस्टेबल और शीतल सिंह, कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किये जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 20.03.2018 से दिया जाएगा।

पी. प्रवीण सिद्धार्थ
विशेष कार्य अधिकारी

सं. 160-प्रेज/2019—राष्ट्रपति, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के निम्नलिखित अधिकारी को वीरता के लिए पुलिस पदक प्रदान करते हैं:—

अधिकारी का नाम और रैंक

श्री अनूप कुमार सिंह,
कांस्टेबल

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 19 जुलाई, 2018 को, लगभग 1515 बजे, पुलिस जिला-हंदवाड़ा के अधीन बाटपोरा, मागम वन क्षेत्र में सशस्त्र आतंकवादियों की मौजूदगी होने के बारे में एक विश्वसनीय खुफिया जानकारी प्राप्त होने पर, श्री जेपी सिंह, सेकेंड-इन-कमांड की समग्र निगरानी में श्री एसएस देव, उप कमांडेंट की कमान में सीआरपीएफ की 92 बटालियन का त्वरित कार्रवाई दल (क्यूएटी) शीघ्र ही गांव-बाटपोरा में पहुंच गया तथा 47 आरआर और स्पेशल ऑपरेशंस ग्रुप (एसओजी), जेकेपी, हंदवाड़ा की टुकड़ियों के साथ मिल गया। प्लाटून पोस्ट भगतपोरा से इंस्पेक्टर पिंटू कुमार सिंह की कमान में 92 बटालियन के दो और सेक्शन भी गांव बाटपोरा पहुंच गए। कमान अधिकारी 47 आरआर, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, हंदवाड़ा और श्री जे.पी. सिंह, 92 बटालियन के सेकेंड-इन-कमांड द्वारा एक संयुक्त ऑपरेशन की योजना बनाई गई। योजना के अनुसार 47 आरआर का सैन्य दल उत्तर-पश्चिम और उत्तर-पूर्व की ओर से क्षेत्र की घेराबंदी करेंगे, 92 बटालियन के सैन्य दल खुद को दक्षिण-पश्चिम में तैनात करेंगे और एसओजी हंदवाड़ा के सैन्य दल दक्षिण-पूर्व में रहेंगे। चूंकि, यह दिन का समय था और आतंकवादी सैनिकों की गतिविधि को देख सकते थे, इसलिए सैन्य दल सामरिक तरीके से लक्षित क्षेत्र की ओर आगे बढ़े। लगभग 1630 बजे, जब घेरा डाला जा रहा था, आतंकवादियों ने सुरक्षा बलों पर भारी गोलीबारी शुरू कर दी। सुरक्षा बलों द्वारा गोलीबारी का प्रभावी ढंग से जवाब दिया गया। चूंकि, यह एक जंगल का इलाका था, इसलिए आतंकवादी इधर-उधर आ-जा सकते थे और बलों को भ्रमित कर सकते थे। घेराबंदी को तोड़ने के लिए उन्होंने अलग-अलग दिशाओं से सैनिकों पर गोलीबारी जारी रखी ताकि वे भाग सके। रुक-रुक कर एक-दूसरे पर गोलीबारी जारी रही। लगभग 15 मिनट के बाद, एक आतंकवादी ने भारी और अंधाधुंध गोलीबारी करते हुए पश्चिमी तरफ से घेराबंदी को तोड़ने की कोशिश की, जहां पर 47 आरआर और सीआरपीएफ की 92 बटालियन के सैन्य दल तैनात थे। उसे सैन्य दलों से कड़ा प्रतिरोध मिला और वह हड़बड़ाहट में पीछ हट गया। रुक-रुक कर एक-दूसरे पर गोलीबारी जारी रही, लेकिन आतंकवादियों पर कोई असर नहीं पड़ा क्योंकि आतंकवादियों ने खुद को एक नाले में पोजीशन किया हुआ था। तथापि, आतंकवादियों द्वारा लिए गए सुरक्षित कवर के कारण सैन्य दलों ने कोई जल्दबाजी नहीं की।

लगभग 1700 बजे, सं. 075024982 कांस्टेबल अनूप कुमार सिंह आक्रमक होकर अचानक अपनी पोजीशन से हट गए तथा नाले की तरफ बढ़े और उन्होंने एक बड़े पत्थर के पीछे पोजीशन ले ली। उस पोजीशन से उन्होंने देखा कि चट्टान के पीछे एक अज्ञात व्यक्ति नाले में पड़ा हुआ है, हालांकि उसके हथियार उन्हे नजर नहीं आ रहे थे। अनिश्चितता की स्थिति में, उन्होंने श्री एस.एस. देव, उप कमांडेंट को सूचित किया, जो अपने सहयोगी के साथ रेंगते हुए अनूप कुमार सिंह की पोजीशन की तरफ बढ़े और उन्हे उस व्यक्ति को चुनौती देने के लिए कहा, क्योंकि हथियार की गैर-मौजूदगी में यह गलत पहचान का मामला हो सकता था। जबकि अनूप कुमार आतंकवादी को चुनौती देने ही वाले थे, आतंकवादी ने अनूप कुमार सिंह की गतिविधि को भांपते हुये उनकी दिशा में गोलीबारी की। आतंकवादी के मारक दूरी के भीतर होने के कारण दोनों में से कोई भी बाजी जीत सकता था और वह अच्छी तरह जानते थे कि यदि वे उसे मार न सके, तो दुश्मन उन्हें ही मार सकता है। एस.एस. देव और उनका साथी उन्हे कवर गोलीबारी प्रदान कर रहे थे, फिर भी वे अपने कवर से बाहर आए और उन्होंने उपलब्ध प्राकृतिक कवर लेकर आतंकवादी पर हमला कर दिया और गोली मारकर उसका सफाया कर दिया। चूंकि, आतंकवादियों की संख्या के बारे में ठीक से पता नहीं था, इसलिए सैनिकों ने आतंकवादियों की प्रतिक्रिया का इंतजार किया। जब काफी देर तक सब शांत रहा, तो सीआरपीएफ की 92 बटालियन, 47 आरआर और एसओजी हंदवाड़ा की संयुक्त टीमों ने

इलाके की गहन तलाशी ली। एक आतंकवादी का शव नाले से बरामद किया गया, जिसके साथ एक एके-47 राइफल, तीन मैगजीन और उसके 50 कारतूस भी मिले। मारे गए आतंकवादी की पहचान नहीं की जा सकी, क्योंकि वह विदेशी मूल का था।

इस ऑपरेशन में श्री अनूप कुमार सिंह, कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

यह पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किया जाता है तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 19.07.2018 से दिया जाएगा।

पी. प्रवीण सिद्धार्थ
विशेष कार्य अधिकारी

सं. 161-प्रेज/2019—राष्ट्रपति, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के निम्नलिखित अधिकारी को वीरता के लिए पुलिस पदक प्रदान करते हैं:—

अधिकारी का नाम और रैंक

श्री उपेंद्र कुमार यादव,
हेड कांस्टेबल

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 26 जुलाई, 2018 को पुलिस जिला-हंदवाड़ा, जिला कुपवाड़ा के अंतर्गत सोडल चाक मागम क्षेत्र में एक संदिग्ध विदेशी सशस्त्र आतंकवादी की मौजूदगी होने के बारे में विश्वसनीय इनपुट प्राप्त होने पर, श्री जे.पी. सिंह, सकेंड-इन-कमांड की समग्र निगरानी में 92वीं बटालियन की त्वरित कार्रवाई टीम (क्यूएटी) और निरीक्षक पिंटू कुमार की कमान में 92वीं बटालियन की डी कंपनी के दो सेक्शन सोडल चाक मागम पहुंच गए। 21 आरआर और स्पेशल ऑपरेशंस ग्रुप (एसओजी), जेकेपी हंदवाड़ा के सैन्य दल पहले ही गांव पहुंच गए थे और एक स्थानीय स्रोत द्वारा यह पुष्टि कर ली गई थी कि एक आतंकवादी मोहम्मद शबन लोन पुत्र गुलाम हसन लोन के घर में छिपा हुआ है।

तद्नुसार, एक संयुक्त ऑपरेशन की योजना बनाई गई। जैसे ही संयुक्त टीमें चतुराईपूर्वक लक्षित घर की ओर आगे बढ़ीं, भारत-विरोधी नारे लगाकर ग्रामीणों ने आतंकवादियों को सतर्क कर दिया। लक्षित घर के चारों ओर भीड़ इकट्ठी होनी शुरू हो गई, जिससे आतंकवादियों की मौजूदगी और पुख्ता हो गई। इसके बाद मौके पर मौजूद वरिष्ठ अधिकारी द्वारा लिए गए निर्णय के अनुसार, तीन स्तरीय घेराबंदी डाली गई। पहले स्तर की अथवा बाहरी घेराबंदी/कट ऑफ 21 आरआर और जे.के. पी के सैन्य दलों द्वारा लक्षित घर से लगभग 500-700 मीटर पर की गई, कानून एवं व्यवस्था को संभालने के लिए, दूसरे स्तर की घेराबंदी श्री विजय कुमार, सहायक कमांडेंट की कमान में आधी क्यूएटी और 92वीं बटालियन के एक सेक्शन द्वारा लक्षित घर से लगभग 100 मीटर दूरी पर डाली गई और तीसरे स्तर अर्थात भीतरी घेराबंदी 92वीं बटालियन के श्री एस.एस. देव, उप कमांडेंट की कमान में शेष आधी क्यूएटी और 92वीं बटालियन के एक सेक्शन, 21 आरआर और एसओजी हंदवाड़ा द्वारा संयुक्त रूप से डाली गई। 92वीं बटालियन के दल ने लक्षित घर की दक्षिण-पूर्वी ओर से घेराबंदी की, एसओजी हंदवाड़ा ने उत्तर-पूर्वी ओर को कवर किया और 21 आरआर के सैन्य दलों ने घेराबंदी के बाकी हिस्से को पूरा किया।

लगभग 1315 बजे जब घेराबंदी की जा रही थी, लक्षित घर में छिपे आतंकवादी ने भागने के प्रयास में अंधाधुंध गोलीबारी की और ग्रेनेड फेंके। सैनिकों ने गोलीबारी का जवाब दिया और घेराबंदी को बनाए रखा और आतंकवादी को भागने का कोई अवसर नहीं दिया। इसके पश्चात, पब्लिक एड्रैस सिस्टम पर एक घोषणा की गई, जिसमें आतंकवादी को आत्मसमर्पण करने के लिए कहा गया, लेकिन उसका कोई जवाब नहीं मिला। रूक-रूक कर गोलीबारी जारी रही। लगभग 1345 बजे, डी/92वीं बटालियन के सं. 075021643 हेड कांस्टेबल उपेंद्र कुमार यादव ने लक्षित घर की छत पर कुछ संदिग्ध गतिविधि देखी और उन्होंन तुरंत घेराबंदी में बाकी लोगों को सतर्क कर दिया। आतंकवादी को निशाना बनाकर गोलियों की बौछार की गई, लेकिन वह तुरंत घर में वापस भाग गया। तथापि, एक-दूसरे पर गोलीबारी जारी रही और आतंकवादी अपनी पोजीशन को बदलता रहा। जब आतंकवादी ने एक ही पोजीशन से भारी गोलीबारी जारी रखी, तो पैनी नजर का प्रदर्शन करते हुए, उपेंद्र कुमार यादव ने सटे हुए घर के बांये कोने के पीछे पोजीशन ले ली और लक्षित घर की तरफ रेंगकर आगे बढ़े और उन्होंने संदिग्ध घर के खलिहान में आतंकवादी को देखा। जब आतंकवादी की सतर्क नजर उपेंद्र कुमार यादव पर पड़ी, तो वे अब उससे केवल लगभग 10-15 मीटर दूर थे और उसने उनकी दिशा में गोलियों की बौछार शुरू कर दी। दृढ़ संकल्प और फौलादी हिम्मत का प्रदर्शन करते हुए, उपेंद्र यादव ने बराबरी से जवाबी गोलीबारी की और अपने स्थान पर डटे रहे। संयुक्त दलों द्वारा भी उन्हें कवर गोलीबारी देकर उनको सहयोग दिया गया। उपेंद्र कुमार यादव की ओर से की गई भयानक कार्रवाई ने आतंकवादी को लगभग मार

ही दिया था, लेकिन उसने हार नहीं मानी। इस बार उसने उपेंद्र की दिशा में एक ग्रेनेड फेंकने की कोशिश की, परंतु वे आतंकवादी के हर चाल के प्रति सतर्क थे और उन्होंने एक बार फिर से आतंकवादी को निशाना बनाकर गोलीबारी की। आतंकवादी ग्रेनेड फेंकने में सफल नहीं हुआ और ग्रेनेड उसके हाथ में ही फट गया। उसके बाद, एक-दूसरे पर कोई भी गोलीबारी नहीं हुई। बल लक्षित घर की छत पर मारे गए आतंकवादी के शव को नहीं देख सके। सभी तरह से यह सुनिश्चित होने के बाद कि, वहां अब कोई खतरा नहीं था, लगभग 1630 बजे, सीआरपीएफ की 92वीं बटालियन, 21 आरआर और एसओजी, हंदवाड़ा की एक संयुक्त टीम द्वारा लक्षित घर की तलाशी ली गई, जहां पर एक एके-47 राइफल, पांच मैगजीन, उसके गोलाबारूद के 97 कारतूस तथा अन्य आपराधिक सामग्री के साथ आतंकवादी का शव बरामद हुआ। उसकी पहचान नहीं की जा सकी क्योंकि वह विदेशी आतंकवादी था।

इस ऑपरेशन में श्री उपेंद्र कुमार यादव, हेड कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

यह पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किया जाता है तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 26.07.2018 से दिया जाएगा।

पी. प्रवीण सिद्धार्थ
विशेष कार्य अधिकारी

सं. 162-प्रेज/2019—राष्ट्रपति, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के निम्नलिखित अधिकारी को वीरता के लिए पुलिस पदक प्रदान करते हैं:—

अधिकारी का नाम और रैंक

श्री जितुमणि राय,
कांस्टेबल

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 04 जुलाई, 2018 को, यूनिट इंटेलिजेंस सेल से पुलिस जिला हंदवाड़ा में मागम और डोलिपोरा के बीच बागीचों में 4-5 विदेशी आतंकवादियों की मौजूदगी होने के बारे में एक विश्वसनीय इनपुट प्राप्त होने पर, इसे सहयोगी एजेंसियों के साथ साझा किया गया और इसके बाद एसएसपी, हंदवाड़ा द्वारा इस इनपुट की पुष्टि की गई। दिनांक 08 जुलाई 2018 को, खानपोरा, मागम वन क्षेत्र, जिला-कुपवाड़ा में उसी समूह की मौजूदगी के बारे में इनपुट प्राप्त हुआ। 47 आरआर के सैन्य दल, जो पहले से ही किसी नियमित ऑपरेशन के लिए पास के वन क्षेत्र में मौजूद थे, ने प्रारंभिक घेराबंदी की, लेकिन एक विस्तृत क्षेत्र होने के कारण सैन्य दलों की संख्या सीमित थी। उत्तरी कश्मीर के हंदवाड़ा जिला के नियंत्रण रेखा (एलओसी) से सटा होने के कारण यहां नियमित रूप से सशस्त्र आतंकवादियों की गतिविधि देखने को मिलती है। जब 47 आरआर के सैन्य दलों द्वारा घेराबंदी की जा रही थी, तो जंगल में छिपे आतंकवादियों ने 47 आरआर के दल पर अंधाधुंध गोलीबारी की और अंधेरे एवं घने पहाड़ी इलाके का फायदा उठाते हुए भागने की कोशिश की। लगभग 2030 बजे श्री दीपक कुमार, कमांडेंट की समग्र कमान में उनके एस्कॉर्ट दल और स्पेशल ऑपरेशंस ग्रुप (एसओजी), जेकेपी, हंदवाड़ा सहित श्री विजय कुमार, सहायक कमांडेंट की कमान में, पलटन पोस्ट भगतपोरा से 92 बटालियन के सैन्य दल तथा 92 बटालियन की क्यूएटी मुठभेड़ स्थल की ओर चल पड़े। संयुक्त रूप से योजना बनाने के बाद, 47 आरआर के सैन्य दल, जो पहले से ही लक्षित क्षेत्र के उत्तरी हिस्से में थे, ने अपनी घेराबंदी को पूर्व की ओर और साथ ही पश्चिम की ओर बढ़ाया तथा श्री विजय कुमार, सहायक कमांडेंट की कमान में 92 बटालियन की डी पलटन ने दक्षिण-पूर्व में घेराबंदी की और एसओजी हंदवाड़ा ने दक्षिण-पश्चिमी दिशा को कवर किया। लगभग 2200 बजे तक घेराबंदी पूरी हो गई थी। कमांडेंट-92 बटालियन ने सीओ-47 आरआर और एसएसपी हंदवाड़ा के साथ ग्राम खानपोरा के पास अस्थायी कमांड पोस्ट से ऑपरेशन की निगरानी की।

लगभग 2230 बजे, 47 आरआर के सैन्य दल, जो लक्षित क्षेत्र के उत्तर की ओर तैनात थे, ने कुछ संदिग्ध गतिविधि देखी और गोलीबारी शुरू कर दी। आतंकवादियों ने भी भारी गोलीबारी की तथा घेराबंदी को तोड़ने और ग्राम खानपोरा में प्रवेश करने के इरादे से दक्षिण की ओर चले गए। हालांकि ग्राम खानपोरा में प्रवेश के रास्ते को क्यूएटी-92 और 92 बटालियन की डी कंपनी की एक पलटन, जो कि दक्षिण की ओर तैनात थे, द्वारा अवरुद्ध कर दिया गया था, फिर भी आतंकवादियों ने गांव में प्रवेश करने का मन बना लिया था। अंधाधुंध गोलीबारी करते हुए और हथगोले फेंकते हुए, उन्होंने घेराबंदी तोड़ने का प्रयास किया, जिसका 92 बटालियन के सैन्य दलों ने प्रभावी तरीके से जवाब दिया। आतंकवादी पीछे हट गए और जंगल की ओर भाग गए और चूंकि तेजी से अंधेरा हो रहा था, इसलिए उनका पता लगाना असंभव हो गया था। तथापि, घेराबंदी को बनाए रखा गया। लगभग 2300 बजे, आतंकवादियों ने फिर से घेराबंदी को तोड़ने की कोशिश की और इस बार वे सुरक्षा बलों पर अंधाधुंध गोलीबारी करते हुए, एक अलग दिशा में चले गए।

लगभग 15 मिनट बाद, सं. 105131194 कांस्टेबल जितुमणि राय को लगा जैसे कोई व्यक्ति 92 बटालियन की घेराबंदी की ओर रेंगते हुए जा रहा है और उन्होंने तुरंत विजय कुमार, सहायक कमांडेंट को संदिग्ध गतिविधि के बारे में सूचित किया। विजय कुमार और जितुमणि राय ने तुरंत ध्वनि की दिशा में चलना शुरू कर दिया, लेकिन जब वे आगे बढ़े, तो आतंकवादी ने कुछ हलचल को भांपते हुए खुद को एक पेड़ के पीछे पोजीशन कर लिया और गोलीबारी शुरू कर दी और साथ ही एक हथगोला फेंका। विजय कुमार और जितुमणि की जोड़ी ने गोलीबारी का जवाब दिया, लेकिन अंधेरे में आतंकवादी की सही स्थिति का पता नहीं चल सका। तथापि, गोलीबारी की आवाज का अंदाजा लगाते हुए और अत्यंत सूझबूझ का प्रदर्शन करते हुए तथा जोखिम का आकलन करते हुए, श्री जितुमणि राय आतंकवादी द्वारा रूक-रूक कर की जा रही गोलीबारी के बावजूद रेंगते हुए बेहतर पोजीशन की ओर चले गए। जितुमणि के आगे बढ़ने से आतंकवादी सतर्क हो गया और उसने अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी, जिससे उसकी स्थिति भी उजागर हो गई। जितुमणि राय ने भी उतनी ही ताकत से जवाबी हमला किया क्योंकि अब तक वे दुश्मन के काफी करीब पहुंच गए थे। चूंकि, दूसरी तरफ से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई हो रही थी इसलिए जितुमणि ने विजय कुमार को सूचित किया कि शायद आतंकवादी गोलीबारी में घायल हो गया है। इसके बाद, सैन्य दल रात भर पोजीशन लिए रहे।

सुबह तड़के ही 92 बटालियन, सीआरपीएफ, 47 आरआर और एसओजी हंदवाड़ा की संयुक्त टीम ने क्षेत्र की गहन तलाशी ली, जिसके परिणामस्वरूप एक एके-47 राइफल, चार हथगोले, चार मैगजीन और 7.62 मिमी गोलाबारूद के 30 कारतूसों के साथ एक मारे गए विदेशी मूल के संदिग्ध आतंकवादी का शव बरामद हुआ जो कि उस जगह से 30-35 मीटर की दूरी पर था जहां जितुमणि राय पोजीशन लिए हुए थे। इंटेलिजेंस की रिपोर्ट के अनुसार उक्त ऑपरेशन में एक और आतंकवादी के घायल होने की आशंका थी, लेकिन अंधेरे और घने पहाड़ी इलाके का फायदा उठाकर वह बाकी आतंकवादियों के साथ भागने में सफल रहा। मारे गए आतंकवादी का संबंध लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) संगठन से था।

इस ऑपरेशन में श्री जितुमणि राय, कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

यह पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किया जाता है तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 08.07.2018 से दिया जाएगा।

पी. प्रवीण सिद्धार्थ
विशेष कार्य अधिकारी

सं. 163-प्रेज/2019—राष्ट्रपति, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के निम्नलिखित अधिकारियों को वीरता के लिए पुलिस पदक/वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार/वीरता के लिए पुलिस पदक का तृतीय बार/वीरता के लिए पुलिस पदक का पंचम बार प्रदान करते हैं:—

अधिकारियों के नाम और रैंक		
	सर्व/श्री	
1.	राजेश कुमार कमांडेंट	वीरता के लिए पुलिस पदक का तृतीय बार
2.	संजय कुमार सेकैंड-इन-कमांड	वीरता के लिए पुलिस पदक का पंचम बार
3.	सिकंदर यादव सहायक कमांडेंट	वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार
4.	महेंद्र सिंह हेड कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक
5.	सुभाष सिंह हेड कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक
6.	अखिल दास कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 19 जून 2018 को लगभग 1500 बजे जम्मू और कश्मीर (जेएंडके) में जिला-पुलवामा के पुलिस स्टेशन-त्राल के तहत गांव हयूना के एक घर में आतंकवादियों की मौजूदगी होने के बारे में एक विश्वसनीय इनपुट प्राप्त होने पर, सीआरपीएफ की 180

बटालियन, 42 राष्ट्रीय राइफल्स (आरआर) और स्पेशल आपरेशंस ग्रुप (एसओजी) त्राल द्वारा एक संयुक्त घेराबंदी और तलाशी अभियान (सीएएसओ) शुरू किया गया। श्री सिकंदर यादव, सहायक कमांडेंट की कमान में 180 बटालियन की सी कंपनी, एसडीपीओ की कमान में एसओजी के दल तथा मेजर विनीश नायर की कमान में 42 आरआर की एक टीम गांव हयूना के लिए निकल पड़ीं जो कि त्राल से लगभग 5 किलोमीटर दूर स्थित है। लगभग 1545 बजे जब क्षेत्र में घरों की घेराबंदी की जा रही थी, तो फेरन पहने दो युवकों ने एक संदिग्ध घर की खिड़की से भागने की कोशिश की, जिन्हें श्री सिकंदर यादव, सहायक कमांडेंट (आईआरएलए-9742) और उनके साथी नं. 075265828 हेड कांस्टेबल सुभाष सिंह द्वारा चुनौती दी गई, जिससे वे व्यक्ति वापस घर में लौटने के लिए मजबूर हो गए। उसी समय स्थानीय मस्जिदों से घोषणा की जा रही थी जिसमें लोगों से अनुरोध किया जा रहा था कि वे ऑपरेशन स्थल की ओर पहुंच जाय और घेराबंदी को तोड़ने में आतंकवादियों की मदद करें। एक आक्रामक अनियंत्रित भीड़ पहले ही जुट गई थी और सैन्य दलों पर पथराव कर उन्हें घेराबंदी करने से रोकने की कोशिश कर रही थी। लगभग 1600 बजे श्री राजेश कुमार, कमांडेंट 180 बटालियन श्री संजय कुमार, सेकेंड-इन-कमांड की कमान वाली यूनिट क्विक एक्शन टीम (क्यूएटी) के साथ स्थल की ओर चल पड़े, लेकिन उन्हें सड़क पर इन अवरोधों का सामना करना पड़ा और उन पर भारी पत्थरबाजी की गई। तथापि, इन सबका मुकाबला करते हुए वे ऑपरेशन स्थल पर पहुँच गए। स्थिति का सावधानीपूर्वक मूल्यांकन करने और सीओ 44 आरआर के साथ चर्चा करने के पश्चात, श्री राजेश कुमार, कमांडेंट 180 बटालियन ने श्री सिकंदर यादव की कमान वाली 180 बटालियन की सी कंपनी तथा संजय कुमार की कमान वाली क्यूएटी/180 बटालियन के सैन्य दलों को लक्षित घर की उत्तरी और पश्चिमी ओर तैनात किया तथा अन्य दो तरफों को 42 आरआर के सैन्य दलों द्वारा भली-भांति कवर किया गया था। लगभग 1630 बजे, सिकंदर यादव ने अपनी टीम के साथ उत्तर दिशा में पड़ोस के घर की तलाशी ली और उसे कब्जे में ले लिया तथा सामरिक तरीके से घर में सेना की टुकड़ियां तैनात कर दी गईं। सभी सैन्य दलों की तैनाती सुनिश्चित करने के बाद संजय कुमार, सेकेंड-इन-कमांड ने लक्षित घर के पीछे की तरफ सेब के बागानों में एक ढ़लान पर यूनिट क्यूएटी के साथ पोजीशन ले ली।

लक्षित घर लगभग 500-600 वर्ग मीटर के एक बाड़ेदार आयताकार परिसर में स्थित था। घर ईंटों से बना हुआ था और एक मंजिला था, जिसमें परिसर के उत्तर-पश्चिमी कोने में पृथक शौचालय ब्लॉक था। घर अखरोट के पेड़ों से घिरा हुआ था, जो घर और इसकी खिड़कियों को कवर करते थे। पूर्व की ओर पिंगलिश-मंदुरा सड़क थी और इस सड़क की विपरीत दिशा में एक पहाड़ी श्रृंखला थी जो सड़क के समानांतर थी। उत्तर की ओर लगभग 30 मीटर दूरी पर इकलौता एक मंजिला घर था, पश्चिमी तरफ छोटे पेड़ों से ढ़की हुई थी और लक्षित घर के पीछे की ओर दक्षिण दिशा में ऊबड-खाबड भूमि पर सेब का बाग था।

लगभग 1645 बजे पुलिस दल द्वारा एक घोषणा की गई, जिसमें आतंकवादियों को आत्मसमर्पण करने के लिए कहा गया। घोषणा के जवाब में उत्तरी दिशा से अचानक एके राइफल से गोलियों की बौछार हुई, जिसने आतंकवादियों की मंशा को साफ कर दिया और इसमें 42 आरआर का एक नायक भी घायल हो गया, जिसे उसकी दाहिनी कलाई में गोली लगी। सिकंदर यादव और सुभाष सिंह ने समय बर्बाद किए बिना, घायल जवान को बाहर निकालने के लिए कवर गोलीबारी प्रदान की और प्राथमिक उपचार के बाद संजय कुमार ने उसे अस्पताल भेज दिया। बंदूक की एक भयंकर लड़ाई शुरू हो गई, जिसमें आतंकवादी कई दिशाओं से एक साथ गोलीबारी कर रहे थे। आतंकवादियों ने सुरक्षित और मजबूत पोजीशन ली हुई थी, जिससे सुरक्षा बलों के किसी भी हमले का उन पर कोई असर नहीं हो रहा था। सायं हो रही थी और रात में आतंकवादियों के भागने के लिए बेहतर विकल्प थे। राजेश कुमार, कमांडेंट ने अन्य बलों के साथ परामर्श करके एक चार सदस्यीय टीम का गठन करने का निर्णय लिया। श्री राजेश कुमार ने तुरंत कार्रवाई की और अपनी अगुआई में एक चार सदस्यीय फ्लेम थ्रोअर टीम का गठन किया, जिसमें उनके साथी 041739322 कांस्टेबल अखिल दास, संजय कुमार और उनके साथी 991440183 हेड कांस्टेबल महेन्द्र सिंह शामिल थे। लक्षित घर ऊंचाई पर था और सुरक्षा बल लगभग ढ़लान पर तैनात थे, जिससे कठिनाई और भी ज्यादा हो गई थी। किसी भी उचित कवर के बिना कोई भी कदम गंभीर जोखिम के साथ भरा हुआ था क्योंकि आतंकवादी बलों की हर गतिविधि को देख सकते थे। राजेश कुमार, कमांडेंट अपनी खुद की अगुआई में, टीम केवल एक सामरिक बुलेट प्रूफ शील्ड के साथ नाममात्र का कवर लेते हुए लक्षित घर के पीछे की ओर से चल पड़ी और उसने लक्षित घर से सटे शौचालय ब्लॉक के पास पोजीशन ले ली। ऐसे प्राकृतिक कवर के अभाव में जहां से लक्षित घर पर ईंधन का छिड़काव किया जा सकता, राजेश कुमार और उनके साथी ने खिड़की के शीशों को आग से चकनाचूर कर दिया, तथा संजय कुमार और उनके साथी द्वारा प्रदान की जा रही कवर गोलीबारी की सहायता से टूटी हुई खिड़कियों के रास्ते ईंधन छिड़क दिया। सैनिकों की अत्यंत पास में गतिविधि को भांपकर, आतंकवादियों ने खिड़कियों से फ्लेम थ्रोअर टीम की दिशा में 02 हथगोले फेंके। इस हरकत का अुनमान लगाकर टीम ने पहले ही सुरक्षित पोजीशन ले ली थी। इसके बाद, राजेश कुमार अपने साथी के साथ रेंगते हुए घर के पास गए और कुछ मोलोटोव कॉकटेल फेंके, जिससे घर के एक हिस्से में आग लग गई। इसके बाद दोनों रेंगते हुए वापस आ गए और उन्होंने चतुराईपूर्वक उत्तर-पश्चिम दिशा में पोजीशन ले ली। संजय कुमार ने अपने साथी के साथ खुद को लक्षित घर के पश्चिम में पोजीशन किया। लगभग 1800 बजे, भागने के प्रयास में आतंकवादियों ने, विध्वंस टीम की ओर एक ग्रेनेड फेंका, जिससे राजेश कुमार को उनके बाएं हाथ की उंगलियों में छर्रे की चोटें आईं। लेकिन राजेश कुमार, कमांडेंट अडिग रहे और पूरी तरह से नियंत्रण रहे और अपनी पोजीशन पर डटे रहे और उन्होंने अपने साथी के साथ गोलीबारी का जोरदार तरीके से जवाब दिया।

इस बीच भीषण आग ने घर को घेर लिया; असहनीय गर्मी को सहना मुश्किल पाकर, लगभग 1810 बजे, एक आतंकवादी सिकंदर यादव और उनके साथी सुभाष सिंह, जो कि खुद को लक्षित घर से लगभग 30 मीटर दूर पोजीशन किए हुए थे, की दिशा में एक हथगोला फेंककर और गोलीबारी करते हुए, जलते हुए घर से बाहर कूद गया। उन दोनों ने गोलियों की बौछार से इसका जवाब दिया और पहले आतंकवादी को मार गिराया। लगभग 1820 बजे, बचे हुए आतंकवादियों द्वारा लक्षित घर के पीछे की ओर की खिड़कियों से एक के बाद एक कुछ दूरी पर 03 और हथगोले फेंककर भागने का एक और प्रयास किया गया जो कि जोर से फट गए। इसके साथ ही, उनमें से एक ने ग्रेनेड विस्फोट के कारण पैदा हुये धुएं और धूल का फायदा उठाकर भागने के प्रयास में राजेश कुमार, कमांडेंट और उनके साथी की दिशा में गोलियों की बौछार कर दी। इन तमाम कोशिशों के बावजूद राजेश कुमार और उनके साथी अखिल दास ने हमले का सामना किया और अपनी सुरक्षा की परवाह किए बिना जोखिम की परवाह न करते हुए, अपने कवर से बाहर आए और आगे बढ़ते हुए आतंकवादी पर गोलीबारी करके उसे मार गिराया। धूल और धुएं का कवर लेकर, तीसरा आतंकवादी भी खिड़की से कूद गया और उसने खुद को लक्षित घर के पीछे 5 फीट ऊंचे स्थान पर रखी ईंटों के एक छोटी ढ़ेर के पीछे पोजीशन कर लिया, और वह उस दिशा की ओर बढ़ा जहां संजय कुमार ने अपने साथी महेन्द्र सिंह के साथ मिलकर पोजीशन ली हुई थी। आतंकवादी की बेहतर पोजीशन होने के कारण, ढ़लान से उस पर निशाना लगाना मुश्किल था। संजय कुमार को इस तरह के कई ऑपरेशनों का अनुभव था और उनके पास कुशल सामरिक कौशल था। भारी गोलीबारी के भीतर आने के बावजूद, अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा की परवाह किए बिना श्री संजय कुमार ने अपने साथी को आतंकवादी की दिशा में गोलीबारी करने को निदेश दिया ताकि उसे रोका जा सके और वे खुद को चतुराईपूर्वक बेहतर पोजीशन में ले गए जो कि आतंकवादी से लगभग 20 मीटर की दूरी पर थी। यह एक बहुत ही साहसिक और नापी-तोली चाल जोखिमभरी थी, जबकि अधिकारी आगे बढ़ रहे थे, आतंकवादी ने गोलियों की बौछार कर दी और एक गोली उनके ऊपरी धड़ में धंस गई। गंभीर रूप से घायल होने और तेजी से खून बहने के बावजूद, अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा की परवाह किए बिना और अनुकरणीय फील्ड कौशल का प्रदर्शन करते हुए वे रेंगते हुए उपयुक्त पोजीशन में आ गए और उन्होंने आतंकवादी को उलझाकर एक रोंगटे खड़े कर देने वाली नजदीकी लड़ाई के बाद आतंकवादी का मार गिरा दिया। जब लक्षित घर से कोई और हलचल नहीं हुई, तो यह सुनिश्चित करने के लिए कुछ प्रोबिंग शॉट्स दागे गए कि अंदर कोई और आतंकवादी तो नहीं बचा है। आतंकवादी का खात्मा करने के बाद, अत्यंत साहस और चतुराई का प्रदर्शन करते हुए, संजय कुमार रेंगते हुए एक सुरक्षित पोजीशन में वापस आ गए, जहां उनके साथी महेन्द्र सिंह ने उन्हें प्राथमिक उपचार प्रदान किया, जिसके बाद उन्हें 92 बेस अस्पताल, श्रीनगर ले जाया गया।

क्षेत्र की तलाशी लेने पर मारे गए तीन आतंकवदियों के शव बरामद हुए, जिनकी पहचान अबू बकर उर्फ कासिम भाई, दक्षिण कश्मीर में जैश-ए-मोहम्मद का कमांडर, ए++ श्रेणी, निवासी-पाकिस्तान, जैश-ए-मोहम्मद संगठन के दानीश खालिक डार, निवासी-पिंगलिश, त्राल, सी श्रेणी और आदिल अहमद लोन निवासी-मीडोरा, त्राल के रूप में हुई। बरामद किए गए सामान में अन्य आपराधिक सामग्री के अलावा एक एके-47 राइफल और मैगजीन सहित दो पिस्तौल और संबंधित गोला-बारूद शामिल थे।

यह ऑपरेशन पेशेवरता, सामरिक कौशल और कौशल की परीक्षा थी। श्री राजेश कुमार, कमांडेंट-180 ने सामने से नेतृत्व करने का फैसला करने, अपने साथियों के साथ खुद को भारी जोखिम में डालने और उनमें साहस और अत्यधिक विश्वास भरने में अनुकरणीय नेतृत्व का प्रदर्शन किया। चूंकि, वे जैश-ए-मोहम्मद के सबसे प्रशिक्षित और खूंखार आतंकवादी अबू बकर का सामना कर रहे थे, ऐसे में भारी विपत्ति और निश्चित रूप से मौत के सामने सर्वाधिक जोखिमपूर्ण कार्य अपने हाथ में लेकर उन्होंने खुद भी अद्वितीय साहस और सच्ची वीरता दिखाई। श्री संजय कुमार, सेकेंड-इन-कमांड ने वीरता के लिए अनेक उपलब्धियां हासिल करने वाले एक साहसिक और निडर अधिकारी के रूप में अपनी प्रतिष्ठा के अनुरूप प्रदर्शन किया, वे खतरे के सबसे ज्यादा नजदीक गए और गंभीर रूप से घायल और दर्द में होने के बावजूद एक नजदीकी लड़ाई में आतंकवादी का खत्मा करने में सफल रहे। हेड कांस्टेबल महेंद्र सिंह और कांस्टेबल अखिल दास दोनों ने साक्षात मौत के सामने अनुकरणीय धीरज और संयम का प्रदर्शन किया और अपने कमांडरों के साथ मिलकर उन्हें सौंपे गए कार्यों को पूरा किया।

इस ऑपरेशन में सर्व/श्री राजेश कुमार, कमांडेंट, संजय कुमार, सकेंड-इन-कमांड, सिकंदर यादव, सहायक कमांडेंट, महेंद्र सिंह, हेड कांस्टेबल, सुभाष सिंह, हेड कांस्टेबल और अखिल दास, कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किये जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 19/06/2018 से दिया जाएगा।

पी. प्रवीण सिद्धार्थ
विशेष कार्य अधिकारी

सं. 164-प्रेज/2019—राष्ट्रपति, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के निम्नलिखित अधिकारी को वीरता के लिए पुलिस पदक प्रदान करते हैं:—

अधिकारी के नाम और रैंक

श्री अंकेश संगमा,
सहायक उप-निरीक्षक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

19 अक्टूबर, 2018 को, पुलिस स्टेशन और जिला-बारामूला के तहत पुराने संयुक्त पूछताछ केंद्र (जेआईसी) क्रालहर में नियमित नाका ड्यूटी के लिए स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एस.ओ.जी.) बारामूला के साथ नंबर 841161461 उप निरीक्षक सी राजेंद्रन के नेतृत्व में 53 बटालियन की सी-कम्पनी की एक पार्टी को नियमित तैनात किया गया था। उन्होंने अपने जवानों को एसओजी कर्मियों को सुरक्षा कवर प्रदान करने के लिए निर्देश दिया जो वाहनों को रोककर उनकी गहन तलाशी लेने के लिए तैनात किए गए थे। लगभग 1330 बजे, जेके-01-एल-5792 नंबर की एक काले रंग की स्कॉर्पियो श्रीनगर की तरफ से आ रही थी, जिसे नाका पार्टी ने औचक तलाशी के लिए रोका। इसमें दो पुरुष यात्री थे, जिनमें से एक सह-चालक की सीट पर बैठा था और दूसरा दो महिला यात्रियों के साथ चालक के ठीक पीछे बीच वाली सीट पर बैठा था। वाहन के पीछे दो और महिला यात्रियों को बैठाया गया था। जिस क्षण यह वाहन रूका, तो उन सभी को सिविल पुलिस कर्मियों द्वारा नीचे उतरने का निर्देश दिया गया। महिला यात्री अचानक वाहन से नीचे उतरी और बचाव के लिए अलग-अलग दिशाओं की ओर दौड़ पड़ी। पार्टी कमांडर सं.841161461 उप निरीक्षक सी. राजेंद्रन को किसी अनुचित घटना का आभास होने पर उन्होंने तुरंत नाका पर तैनात सभी कर्मियों को सतर्क कर दिया। सं.065211038 कांस्टेबल साबले ध्यानेश्वर श्रीराम, जिन्हें तलाशी दल को सुरक्षाकवर प्रदान करने का काम सौंपा गया था, को संदेह हुआ कि कुछ गड़बड़ी हुई है इसलिए वे वाहन के समीप आ गए। सह-चालक की सीट पर बैठे आतंकवादी को उतरने के लिए कहा गया। यह जानकर कि वह घिर चुका है, वह अनिच्छा से वाहन से नीचे उतर गया। उसके पैरों के पास एक टाट की थैली रखी हुई थी, जहाँ वह बैठा था। सं.880899298 सहायक उप निरीक्षक अंकेश संगमा भी, जो ड्राइवर की तरफ वाहन के समीप आ चुके थे, ने अपनी सूझबूझ का प्रदर्शन करते हुए तुरंत गाड़ी की चाबी निकाल कर अपने पास रख ली। इसी बीच पुलिस पार्टी ने आगे बैठे उस यात्री से बोरी को खोलने को कहा। अचानक, एक पल में उसने अपनी जैकेट से एक पिस्तौल निकाली और वाहन की तलाशी ले रहे सिविल पुलिस के कांस्टेबल पर गोलियां चला दीं। कांस्टेबल की तीव्र शारीरिक हरकत से लक्ष्य पर दुश्मन की गोली का निशाना चूक गया। हालांकि, उसने गोली चलाना जारी रखा। उस समय तक कांस्टेबल साबले ध्यानेश्वर श्रीराम भी गाड़ी के नजदीक आ गए थे और उन पर भी आतंकवादी द्वारा फायर किया गया। त्वरित प्रतिक्रिया, साहस और एक प्रशिक्षित सैनिक के कौशल का प्रदर्शन करते हुए उसने चकमा देते हुए आतंकवादी पर गोलियां चला दी। उप निरीक्षक सी. राजेंद्रन, उनके साथी नं. 041702925 कांस्टेबल प्रणब कलिता और सिविल पुलिस के कांस्टेबल, जो अभी तक स्थिति को भांप गए थे, ने भी गोलियां दाग दी, जिससे सुरक्षाकर्मियों या आम नागरिकों की जान बचाई जा सकी। इसी बीच स्कार्पियो का चालक वाहन से उतर गया और उसी दिशा में भागने लगा, जिस रास्ते से वे आए थे। सहायक उप निरीक्षक अंकेश संगमा जो पहले ही 30 साल का लम्बा सेवाकाल पूरा कर चुके थे, असाधारण कुशलता का प्रदर्शन करते हुए युवा और बहुत अधिक चुस्त चालक का पीछा करते हुए उसे पकड़कर पार्क किए हुए बीपी बंकर में ले आए। इसी बीच, बीच में बैठा पुरुष गाड़ी से नीचे उतर गया और दाईं ओर रोड़ से नीचे भागा। भागते हुए उसने अपनी एके-राइफल से फायरिंग की और साथ ही साथ कर्मियों को पीछा करने से रोकने के लिए ग्रेनेड भी फेंकता रहा। अंकेश संगमा द्वारा भागते हुए आतंकवादी पर ताबड़तोड़ फायरिंग की गई। आतंकवादी रिहायशी इलाके की एक संकरी गली में घुस गया और कांस्टेबल सबल ध्यानेश्वर श्रीराम भी तेजी से उसका पीछा करता रहा और उप निरीक्षक सी. राजेन्द्रन एवं कांस्टेबल प्रणब कलिता उसके पीछे साथ-साथ भागते रहे। ग्रेनेड विस्फोट की आवाज ने बीके बंकर की सुरक्षा में तैनात सं. 065160641 कांस्टेबल दविंदर कुमार को सर्तक कर दिया। अंकेश संगमा को गिरफ्तार चालक की देखभाल करने के लिए कहते हुए, वह नीचे उतरे और आतंकवादी को पकड़ने में फायर कवर व सहायता देने के लिए अपने साथियों के पीछे भागे। आतंकवादी ने ज्यादा भागने की डर से एक घर के चारों ओर लगी टिन की चादर की बाड़ में घुसने का प्रयास किया, लेकिन वह टिन की बाड़ को पार करने में असफल रहा। जब वह दूसरी दिशा में भागने के लिये मुड़ा तो वह पहले से ही चारों ओर से घिर चुका था। कांस्टेबल ध्यानेश्वर साबले की अगुवाई वाली पीछा करने वाली पार्टी आतंकवादी के काफी नजदीक थी और उन्होंने अपनी आड़ अख्तियार कर ली। साबले ध्यानेश्वर श्रीराम और दविंदर कुमार ने दाईं ओर को कवर किया, एसओजी कर्मियों ने सामने से पोजीशन ली और सी. राजेन्द्रन एवं प्रणब कलिता ने उन्हें बाईं ओर से कवर किया था और उनके पीछे गेट लगा भवन था। हताशा में, आतंकवादी ने अंधाधुंध गोलाबारी की। पीछा करने वाली पार्टी ने सटीकता के साथ जवाबी कार्रवाई की और फायरिंग कौशल का प्रदर्शन करते हुए आतंकवादी को मार गिराया।

ऑपरेशन में सैनिकों ने असाधारण सूझबूझ, असाधारण सजगता, दृढ इच्छाशक्ति और एक प्रशिक्षित सैनिक के कौशल का प्रदर्शन किया और प्रतिकूल स्थिति में उन्होंने संयम रखा, जिससे अप्रत्याशित रूप से आतंकवादियों के आमने-सामने होने पर भी मुठभेड़ में सफलता पाई। ऐसा करने में उन्होंने यह भी सुनिश्चित किया कि बल का मान और नैतिकता को ध्यान में रखते हुए किसी समानान्तर क्षति या मानवाधिकारों के उल्लंघन के बिना यह एक बेदाग ऑपरेशन बने।

मारे गए दोनों खूंखार आतंकवादी फेजान और वाहेब की पहचान जैश ए मुजाहिदीन संगठन के ए+श्रेणी के पाकिस्तानी मूल के आतंकवादियों के रूप में हुई। मैगजीन के साथ एक एके-47 राइफल, उन्नीस 7.62 एमएम गोलियां, छह पत्रिकाओं के साथ दो चीनी पिस्तौल, 9 एमएम गोला-बारूद की 52 गोलियां, एक यूबीजीएल, दो यूबीजीएल ग्रेनेड और तीन चीनी हैंड ग्रेनेड उनके कब्जे से बरामद किए गए। स्पष्ट रूप से शीघ्र ही कुछ गंभीर आतंकवादी कार्रवाई को अंजाम दिया जाना था, जिसे सैनिकों द्वारा प्रदर्शित सूझबूझ और अनुकरणीय वीरता के कारण विफल कर दिया गया। यह बिना किसी समानस्तर क्षति के एक बेदाग ऑपरेशन था, जिसमें बल का मान और नैतिकता को उँचा बनाए रखने के साथ-साथ मानवाधिकारों के प्रति सजगता बनाए रखी गई।

इस ऑपरेशन में श्री अंकेश संगमा, सहायक उप-निरीक्षक ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

यह पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किया जाता है तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 19.10.2018 से दिया जाएगा।

पी. प्रवीण सिद्धार्थ
विशेष कार्य अधिकारी

सं. 165-प्रेज/2019—राष्ट्रपति, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के निम्नलिखित अधिकारियों को वीरता के लिए पुलिस पदक/वीरता के लिए पुलिस पदक प्रथम बार प्रदान करते हैं:—

अधिकारियों के नाम और रैंक

सर्व/श्री

1.	बाल किशन यादव, सहायक कमांडेंट	वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार
2.	पॉल एल कुंगटे, उप-निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
3.	प्रकाश पासवान, कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक
4.	राजपाल, कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक
5.	सुशील कुमार, कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

06 मई 2018 को लगभग 0330 बजे, नगाबल के समीप ग्राम-बडिगम में कुछ प्रमुख आतंकवादियों की मौजूदगी होने के बारे में एसएसपी शोपियां से एक विश्वसनीय खुफिया सूचना मिलने पर, एसएसपी शोपियां, कमान अधिकारी 44 राष्ट्रीय राइफल्स (आरआर) और कमांडेंट 14 बटालियन सीआरपीएफ द्वारा एक संयुक्त कॉर्डन एवं सर्च ऑपरेशन (सीएएसओ) की एक योजना बनाई। लगभग 0400 बजे, 44 आरआर और स्पेशल ऑपरेशंस ग्रुप (एसओजी), जेकेपी इमाम साहिब की एक छोटी टुकड़ी ने लक्ष्य क्षेत्र के लिए प्रस्थान किया और तलाशी से पूर्व 2-3 मकानों की घेराबंदी की। लक्ष्य मकानों की बार-बार तलाशी का भी काई परिणाम नहीं मिला। हालांकि, प्राप्त सूचना की असाधारण विश्वसनीयता होने के कारण टुकड़ियां निरंतर तलाशी करती रहीं। एक मकान की तलाशी करते समय, टुकड़ी का ध्यान एक असामान्य रूप से मोटी दीवार पर गया। सावधानीपूर्वक दीवार की ओर चलते हुए पार्टी ने दीवार की ईंटों को हटाने की कोशिश की। यह भांपते हुए कि तलाशी टुकड़ी को कुछ गड़बड़ी की आशंका हो रही है। घर के मालिक ने तलाशी टुकड़ी को गुमराह करने की कोशिश की। हालांकि, टुकड़ियों ने तलाश जारी रखने पर जोर दिया। जैसे ही कुछ ईंटों को हटाया गया, तलाशी टुकड़ी पर गोलियों की बौछार कर दी गई। इस प्रारंभिक आपसी गोलीबारी में तलाशी टुकड़ी के दो सैनिक घायल हो गए, हालांकि इससे दुश्मन की पोजीशन का पता लग गया। आतंकवादियों के स्थान का पता चल जाने की जानकारी सभी संबंधितों को दी गई और सहायता के लिए अतिरिक्त जवानों को बुलाया गया। जल्द ही, 14वीं बटालियन की एफ कम्पनी के साथ श्री बाल किशन यादव, सहायक कमांडेंट, बी कम्पनी की आतंकविरोधी (सीटीटी) टीम और एसओजी, जेकेपी, जैनापोरा लक्ष्य गांव पहुँचे और आतंकवादियों को भागने से रोकने के लिए उन्होंने आंतरिक घेराबंदी तैयार की।

अन्य बलों से भी सहायता के लिए अतिरिक्त टुकड़ियां मौके पर पहुंच गई और उन्होंने आंतरिक घेराबंदी को मजबूत बना दिया गया। खुद को पूरी तरह से घिरा पाकर, आतंकवादियों ने आंतरिक घेराबंदी में तैनात बलों पर भारी गोलाबारी की। कुछ समय के लिए आपसी गोलाबारी जारी रही; फिर जब कुछ समय के लिए गोलाबारी रूकी तो सार्वजनिक संबोधन प्रणाली पर आतंकवादियों से आत्मसमर्पण करने के लिए कहा गया। आतंकवादियों ने इसे नजरअंदाज किया और अपनी पोजीशन को उजागर करते हुए गोलियां चला दीं। आंतरिक घेराबंदी में सामरिक रूप से तैनात बाल किशन यादव और उनकी टुकड़ी ने आतंकवादियों का पता लगा लिया और भारी गोलाबारी के साथ जवाबी कार्रवाई की, जिससे उग्रवादियों और सुरक्षाबलों के बीच भारी गोलाबारी का एक और दौर शुरू हो गया। इस भारी आपसी गोलाबारी से लक्ष्य मकान में आग लग गई, जिससे कुछ समय के लिए आतंकवादियों को बाहर निकाल दिया गया। बाल किशन यादव ने मौके का फायदा उठाते हुए नंबर 130140059 सब इंस्पेक्टर पॉल कुंगटे और उनके साथी नंबर 145313559 कांस्टेबल प्रकाश पासवान को निर्देशित किया कि वे आगे बढ़ें और लक्ष्य मकान के करीब अपनी पोजीशन लें, जबकि वे अपने साथी नं.115071202 कांस्टेबल सुशील कुमार और नं.125233267 कांस्टेबल राजपाल के साथ रेंगते हुए इमारत के करीब पहुँचे और आतंकवादियों के संभावित भागने के रास्ते की ओर उन्होंने अपनी पोजीशन ले ली। जलते मकान से भागने के लिए मजबूर होकर, एक आतंकी आंतरिक घेराबंदी पर अंधाधुंध फायरिंग करते हुए खिड़की से बाहर कूद गया, जबकि उसका साथी उसे कवरिंग फायर दे रहा था। बाल किशन यादव और सुशील गोलियों की तड़तड़ाहट से बाल-बाल बच गए, तथापि शीघ्र ही उन्होंने संभलकर और अत्यंत सावधानी बरतते हुए भागते हुए आतंकवादी पर करीब से फायर कर उसे मार दिया। इस बीच, पॉल कुंगटे और उनका साथी प्रकाश पासवान ने मकान के किनारे से गोलीबारी करते आतंकवादी को अपनी सटीक गोलाबारी की बौछार के साथ उलझाए रखा। वह शायद लगातार हमले से बच नहीं सका और मारा गया। तीसरे आतंकवादी जो अभी भी जलते हुए मकान के भीतर फंसा हुआ था, ने आंतरिक घेराबंदी में तैनात जवानों पर फायरिंग जारी रखी। जो चारों ओर फैली आग की लपटों का सामना करने में असमर्थ आतंकवादी ने मकान से बाहर निकलकर और सभी दिशाओं में अंधाधुंध फायरिंग करते हुए बच निकलने का अंतिम प्रयास किया। लेकिन बाल कृष्ण और आंतरिक घेराबंदी में तैनात अन्य टुकड़ियों द्वारा उस पर गोलाबारी कर दी गई। जब लंबे समय तक कोई हरकत नहीं हुई, तो फायर ब्रिगेड द्वारा आग बुझाई गई। एसओजी, आरआर और सीआरपीएफ की एक संयुक्त टीम ने घर के साथ-साथ पूरे इलाके की तलाशी की गई, जिसके परिणामस्वरूप मारे गए पांच आतंकवादियों के शवों की बरामदगी मकान के भीतर और बाहर से हुई थी।

मारे गए आतंकवादी हिजबुल मुजाहिद्दीन आतंकवादी संगठन से संबद्ध थे, जिनकी पहचान सदाम अहमद राथर उर्फ हिबजुल मुजाहिद्दीन का जैद ए++ श्रेणीकृत, निवासी-हेफ शोपियां, आदिल अहमद मलिक उर्फ सलाउद्दीन, निवासी-मलिकगुंड, शोपियां, ए++ श्रेणीकृत, तौसीफ अहमद शेख निवासी-रामपुरा, काइमोह, कुलगाम, ए++ श्रेणीकृत, बिलाल अहमद उर्फ वालीद निवासी-हेफ शोपियां बी श्रेणीकृत और मो. रफी भट्ट निवासी-चंद, गंदाबल, सी-श्रेणीकृत के रूप में की गई थी। बरामदगी में तीन एके-47 राइफल, एक एके-56 राइफल, एक पिस्तौल मैगजीन और अन्य आपराधिक सामग्री के अलावा संबंधित गोला बारूद शामिल थे।

ऑपरेशन में, श्री बालकिशन यादव, सहायक कमाडेंट ने अपने टुकड़ियों की अगुवाई की तथा अपने लोगों को एकजुट रखने में नेतृत्व गुणों, दृढ़ता और सूझबूझ का प्रदर्शन किया क्योंकि आतंकवादी सुरक्षा बलों को चकमा देते रहे। उप निरीक्षक पॉल कुंगटे, कांस्टेबल सुशील कुमार, कांस्टेबल प्रकाश पासवान और कांस्टेबल राजपाल ने असाधारण वीरता, सामरिक कौशल, निर्बाध धैर्य और कर्तव्यों के प्रति समर्पित भाव का प्रदर्शन किया और दुश्मनों को आमने-सामने की बंदूक की लड़ाई में घेरे रखा, जिसके परिणामस्वरूप पांच खूंखार आतंकवादियों को मार गिराया गया।

इस अभियान में सर्व/श्री बाल किशन यादव, सहायक कमांडेंट, पॉल एल कुंगटे, उप-निरीक्षक, प्रकाश पासवान, कांस्टेबल, राजपाल, कांस्टेबल और सुशील कुमार, कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4 (i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किये जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 06.05.2018 से दिया जाएगा।

पी. प्रवीण सिद्धार्थ
विशेष कार्य अधिकारी

सं. 166-प्रेज/2019—राष्ट्रपति, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के निम्नलिखित अधिकारियों को वीरता के लिए पुलिस पदक प्रदान करते हैं:—

अधिकारियों के नाम और रैंक

सर्व/श्री

1. हरि शंकर शुक्ला,
सहायक कमांडेंट

2. हरीश कुमार,
हेड कांस्टेबल

3. सुनील कुमार,
कांस्टेबल

4. कंकन दास,
कांस्टेबल

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

ग्राम किलोरा, पुलिस थाना एवं जिला शोपियां में 07-08 आतंकवादियों की मौजूदगी होने के बारे में 03 अगस्त 2018 को, लगभग 1700 बजे सिविल पुलिस से एक विश्वसनीय खुफिया सूचना प्राप्त होने पर, 14 बटालियन सीआरपीएफ की काउंटर टेररिज्म टीमें (सीटीटी)-ए और सी की टुकड़ियों, शोपियां में तैनात स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) और 44 राजपुताना राइफल्स (आरआर) की टुकड़ियों द्वारा संयुक्त रूप से कॉर्डन एंड सर्च ऑपरेशन (सीएएसओ) की एक योजना बनाई गई। तदनुसार, 1830 बजे के आसपास ग्राम किलोरा में लगभग 7-8 संदिग्ध घरों की संयुक्त टुकड़ियों द्वारा घेराबंदी की गई। सीटीटी की ए और सी टुकड़ियों को लगभग 25 मीटर की दूरी पर कम पानी वाले नाले के पूर्वोत्तर में तैनात किया गया और 44 आरआर की टुकड़ियों ने खुद को दक्षिण-पूर्व की ओर संदिग्ध घरों से लगभग 10 मीटर की दूरी पर तैनात किया। एसओजी की टुकड़ियों ने दक्षिण से पश्चिम की ओर स्थिति संभाली। इसके बाद, आरआर टुकड़ियों ने संदिग्ध घरों में तलाशी अभियान शुरू किया। टुकड़ी ने दूर से ही तलाशी शुरू की और जैसे ही वे उस घर के पास पहुंचे, जहां आतंकवादी छिपे हुए थे, उनमें से तीन आतंकवादी घर से बाहर निकल गए और बचने के लिए चुपके से नाले की ओर चले गए। प्रत्येक दो सदस्यों वाली दो टीमों, जिनमें पहली टीम में श्री हरि शंकर शुक्ला, सहायक कमांडेंट, सीटीटी-सी के प्रभारी और साथी जवान सं.06526866 कांस्टेबल सुनील कुमार तथा दूसरी टीम में नं. 115080513 हेड कांस्टेबल हरीश कुमार और उनके साथी जवान सं. 115139109 कांस्टेबल कंकन दास शामिल है, ने खुद को नाले के पीछे बहुत चतुराई से तैनात किया और दूसरी तरफ की प्रत्येक गतिविधि पर नजर रख रहे थे। अचानक, हरि शंकर शुक्ला और साथी जवान सुनील कुमार ने संदिग्ध गतिविधि को भांप लिया और उन्हें ललकारा। आतंकवादियों को इस प्रकार किसी भी प्रतिरोध की उम्मीद नहीं थी और उन्होंने, खुद को उजागर हो जाने पर सैनिकों पर अंधाधुंध गोलियां चला दीं। आपसी फायरिंग में, 44 आरआर के एक जवान को गोली लग गई। सहयोगी को लगी गोली को देखकर हरि शंकर शुक्ला और उनके साथी जवान सुनील कुमार ने आक्रामक रूख अख्तियार कर अपनी पोजीशन से बाहर आकर भाग रहे आतंकवादियों पर गोली चलाई। आपसी फायरिंग कुछ मिनटों तक चली, लेकिन दोनों की वीरता और निडरता से यह सुनिश्चित हो सका कि उन तीन आतंकवादियों में से एक को मौके पर ही मार दिया गया, जबकि अन्य दो मौके का लाभ उठाते हुए भागने में सफल हुए। इसके बाद, हरि शंकर शुक्ला और सुनील कुमार दोनों द्वारा कवरिंग फायर देते हुए आरआर के घायल जवान को सुरक्षित स्थान पर पहुँचाया गया। उस समय तक अंधेरा होना शुरू हो गया था, इसलिए कमांडेंट 14 बटालियन, सीआरपीएफ, 44 आरआर के कमांडिंग ऑफिसर और एसपी शोपियां ने संयुक्त रूप से निर्णय लिया कि ऑपरेशन को कुछ समय के लिए स्थगित किया जाए और अगले दिन सुबह उजाला होने पर पुन शुरू किया जाए। इसी बीच, अतिरिक्त जवान वहां पर पहुंचे और आगे की घेराबंदी सुरक्षा को और मजबूत किया गया। फायरिंग में आरआर का एक जवान घायल हो गया। जब तलाशी टुकड़ी ने संदिग्ध मकान की ओर पहुंचना शुरू किया, तो 03 अज्ञात आतंकवादी मकान के पीछे की ओर से संदिग्ध घर से सटे नाले की ओर भाग गए। आतंकवादी चुपके से भाग गए और उन्होंने आंतरिक घेराबंदी वाली टुकड़ियों को चकमा देने की कोशिश की, हालांकि उनकी गतिविधियों को आंतरिक घेराबंदी में तैनात सीटीटी-ए और सीटीटी-सी टुकड़ियों के सैनिकों ने देख लिया, जिन्होंने आतंकवादियों को ललकारा। अगली सुबह लगभग 0530 बजे आरआर, एसओजी और सीटीटी-सी के सैनिकों की एक संयुक्त तलाशी पार्टी ने ट्रैकर कुत्ते की मदद से क्षेत्र की तलाशी शुरू की। जब वे भीतरी घेराबंदी के अंदर के एक संदिग्ध मकान के पास पहुंचे तो कुत्ते ने भौंकना शुरू कर दिया। दहशत में छिपे आतंकवादियों ने तलाशी टुकड़ी पर गोलियां बरसाईं, लेकिन कुत्ता और उसका हैंडलर बच निकलने में मुश्किल से कामयाब हो गये। तलाशी टुकड़ियों, ने शीघ्र ही अपनी पोजीशन को बदला और नई पोजीशन ले ली। चूंकि संदिग्ध मकान की पहचान होने पर, टुकड़ियों द्वारा राइफल और यूबीजीएल से अंधाधुंध फायरिंग की गई। अंधाधुंध फायरिंग से मकान पूरी तरह से क्षतिग्रस्त कर दिया गया, जिससे आतंकवादियों को मकान से बाहर निकलने के लिए मजबूर होना पड़ा। सभी दिशाओं में अंधाधुंध फायरिंग करते हुए क्षतिग्रस्त मकान की टूटी खिड़कियों से चार आतंकवादी कूद गए। भागने की फिराक में दो आतंकी नाले की ओर रुक-रुक कर फायर करते हुए भागे, जहां सीटीटी टुकड़ियां तैनात थी। हरि शंकर शुक्ला और सुनील कुमार की जोड़ी तथा हरीश कुमार और कंकन की दूसरी जोड़ी ने भागते हुए आतंकवादियों को देख लिया और उन पर फायरिंग की गई। वे नाले में कूद गए और उपर्युक्त पार्टी के साथ लगभग आमने-सामने आ गये। हरी शंकर शुक्ला और उनके साथी सुनील कुमार ने प्राकृतिक मैदान की आड़ ली, तथा दुश्मन को धोखा देने, आश्चर्य चकित करने और दुश्मन की पोजीशन को बेहतर समझने के लिए पास के पेड़ों की ओर रेंगकर गये। हालांकि, आतंकवादियों ने उन्हें देख लिया और गोलियां चला दीं। इनको किसी भी हालत में नहीं छोड़ने के लिए, दोनों ने अपनी पोजिशन बदल दी और आतंकवादियों पर भारी गोलाबारी की। उनमें से एक मारा गया था, लेकिन दूसरा आतंकवादी हरीश

कुमार और उसका साथी कंकन दास की ओर भागा। यह वह अवसर था, जिसकी वे प्रतीक्षा कर रहे थे। दोनों ने अपने रास्ते पर भागते हुए आतंकवादी को देख लिया और उन्होंने अदभुत वीरता का प्रदर्शन करते हुए एवं असाधारण दृढ़ निश्चय के साथ आतंकवादी पर गोलीबारी की और उसे मार गिराया। अन्य दो आतंकवादी उस ओर भागे, जहाँ सेना और एसओजी तैनात थे। भारी गोलीबारी के बाद दोनों आतंकवादियों को अन्य बलों द्वारा मार गिराया गया। इस क्षेत्र की तलाशी करने पर पांच आतंकवादियों के शवों की बरामदगी की गई, जो उमर नजीर मल्लिक लश्कर-ए-तैयबा (श्रेणी-बी) पुत्र श्री नजर अहमद मल्लिक निवासी-मलिक गुण्ड किल्लोरा, पुलिस स्टेशन एवं जिला शोपियां, अजाज अहमद पॉल, अल-बदर मुजाहिद्दीन (श्रेणी-सी) पुत्र श्री अ. राशिद, पुलिस स्टेशन एवं जिला शोपियां, अर्शीद खान, हिब्बजुल मुजाहिद्दीन (श्रेणी-सी) पुत्र श्री अब्दुल राशिद खान निवासी-गनोवपोरा, पुलिस स्टेशन एवं जिला शोपियां, शेख वकार असलम उर्फ टीपू सुल्तान, अल-बदर मुजाहिद्दीन (श्रेणी-सी) पुत्र श्री मोहम्मद असलम शेख निवासी मल्लिक गुंड किल्लोरा, पुलिस स्टेशन एवं जिला-शोपियां, आरिफ अहमद मीर, लश्कर ए तैयबा (श्रेणी-सी) पुत्र श्री अब्दुल रहमान मीर, निवासी-येन्नर (पहलगाम), जिला-अनंतनाग, जम्मू और कश्मीर के तौर पर पहचाने गए थे। यह ऑपरेशन 04 अगस्त को लगभग 0855 बजे यानि कि दूसरे दिन सुबह समाप्त हुआ। घटना स्थल से 1 एके 47 राइफल, 2 एके 56 राइफल, एक 9 एमएम एके राइफल और 1 चीनी पिस्तौल सहित इनसे जुड़ा गोला-बारूद और अन्य आपरीधिक सामग्री बरामद की गई।

इस ऑपरेशन में, श्री हरि शंकर शुक्ला, सहायक कमांडेंट ने अपनी लड़ाकू टुकड़ियों को तैनात करते हुए, अनुकरणीय नेतृत्व हुनर, चतुर सामरिक कौशल और परिस्थिति की बेहतर समझ होने का परिचय दिया। वह न केवल आगे से नेतृत्व कर रहे थे बल्कि यह सुनिश्चित भी किया कि कांस्टेबल सुनील कुमार, हेड कांस्टेबल हरीश कुमार और कांस्टेबल कंकन दास ऑपरेशन के दौरान धैर्य को न खो सके है और वे आपरेशन के दौरान उनका हौसला अफजाई भी करते रहे। इस प्रकार की परिस्थिति में ये जवान अपने अधिकारी के साथ खड़े रहे और इनकी असाधारण बहादुरी, अदम्य साहस के प्रदर्शन और दृढ़ निश्चय ने आतंकवादियों का सफाया सुनिश्चित करवाया।

इस ऑपरेशन में सर्व/श्री हरि शंकर शुक्ला, सहायक कमांडेंट, हरीश कुमार, हेड कांस्टेबल, सुनील कुमार, कांस्टेबल और कंकन दास, कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किये जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 03.08.2018 से दिया जाएगा।

पी. प्रवीण सिद्धार्थ
विशेष कार्य अधिकारी

सं. 167-प्रेज/2019—राष्ट्रपति, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के निम्नलिखित अधिकारियों को वीरता के लिए पुलिस पदक/वीरता के लिए पुलिस पदक (मरणोपरांत) प्रदान करते हैं:—

अधिकारियों के नाम और रैंक

सर्व/श्री

1.	स्व. वीर सिंह, हेड कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक (मरणोपरांत)
2.	स्व. सतीश चंद, कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक (मरणोपरांत)
3.	नंदलाल राम, उप-निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
4.	गुलविन्दर सिंह, हेड कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक
5.	यशवंत कुमार सिंह, कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक
6.	सोम राज कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

25 जून 2016 को, 161 बटालियन के 75 कार्मिकों की एक टोली लेथपोरा से चार वाहनों में श्रीनगर जा रहे थे। राजमार्ग पर भारी यातायात होने के कारण वाहन धीरे-धीरे आगे बढ़ रहे थे। जैसे ही फ्रेस्बल, पम्पोर में एक मस्जिद के सामने वाहन पहुँचे, अचानक सड़क के दाईं ओर से दो आतंकवादियों ने वाहनों पर भारी गोलाबारी कर दी। आतंकवादियों ने सबसे पहले सीआरपीएफ के ट्रक पर गोलीबारी की, जिसमें चालक सहित छह कर्मी घायल हो गए। वाहन के अंदर बैठे कर्मियों ने तुरंत पोजीशन ले ली और जबाबी कार्रवाई की। इस बीच, ट्रक चालक ने अपनी चोटों को नजरअंदाज करते हुए वाहन को आगे बढ़ाया और वाहन को फायरिंग की मारक सीमा से बाहर ले गया।

इसके बाद, आतंकवादियों ने दूसरे वाहन को निशाना बनाया, जो एक बस थी और पैंतालीस कार्मिकों को ले जा रही थी। आतंकवादियों ने बस के आगे के टायरों और चालक पर गोलीबारी की। बस के आगे के दोनों टायर फट गए और ड्राइवर भी आतंकवादियों की गोलियों से चोटिल हो गया। चोट के बावजूद, चालक ने वाहन को नियंत्रित किया और उसे रोक दिया। आतंकवादी बस के सामने आए और बस के आगे से और बाईं ओर से बस पर भारी गोलीबारी शुरू कर दी। इस अचानक हमले में बाईं ओर और आगे की दो सीटों पर बैठे कर्मी कई गोलियां लगने से गंभीर रूप से घायल हो गए और बस के फर्श पर गिर गए। कुछ जवान आतंकवादियों के प्रारंभिक हमले के बाद तुरंत संभल गए और उन्होंने आतंकवादियो पर गोलीबारी कर दी। उनमें से हेड कांस्टेबल वीर सिंह और कांस्टेबल सतीश चंद ने पहल की और अनुकरणीय साहस एवं बहादुरी दिखाते हुए, अपनी सीटों से उठे और एक आतंकवादी पर जवाबी गोली चलाई, जो बाईं ओर से गोलीबारी कर रहा था। अब तक, दूसरा आतंकवादी उन्हें दिखाई नहीं दिया, क्योंकि वह बस के आगे था। हेड कांस्टेबल वीर सिंह और कांस्टेबल सतीश चंद द्वारा की गई कारगर फायरिंग से आतंकवादी घायल हो गया। इस बीच, दूसरे आतंकवादी ने अपनी छिपी हुई पोजीशन का फायदा उठाते हुए, बस के आगे के विंडस्क्रीन से गोलीबारी की, जिसमें ये दोनों घायल हो गए।

उपरोक्त दोनों की साहसिक जवाबी कार्रवाई का अनुसरण करते हुए, अन्य कर्मियों ने भी हमले का मुकाबला करने में उनका साथ दिया। बस के अंदर से भारी जवाबी हमले ने आतंकवादी को कवर लेने के लिए मजबूर किया। घायल आतंकवादी ने हताहतों की संख्या को अधिकतम बढ़ाने के लिए हथगोलों के साथ आगे के दरवाजे से बस में प्रवेश करने की कोशिश की, लेकिन हेड कांस्टेबल वीर सिंह और कांस्टेबल सतीश चंद द्वारा की गई कारगर फायरिंग के कारण वह बस में प्रवेश नहीं कर सका और उसने के आगे के बाएं टायर के पास कवर ले लिया। बस में प्रवेश करने में असमर्थ पाने पर, आतंकवादी ने बस के अंदर एक ग्रेनेड फैंका, जिसमें कुछ अन्य कर्मी घायल हो गए। बस में दूसरे ग्रेनेड से और अधिक कर्मी हताहत हो सकते थे, इसलिए हेड कांस्टेबल वीर सिंह और कांस्टेबल सतीश चंद आतंकवादी से आमने-सामने की लड़ाई लड़ने के लिए बस के अंदर आगे बढ़ गए। गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद, वे सामने के गेट के करीब आ गए। आतंकवादी बेतहाशा गोलीबारी कर रहा था और गेट के पास पोजीशन लिया हुआ ये आतंकवादी बस के अंदर एक और ग्रेनेड फेंकने की तैयारी कर रहा था।

इससे पहले कि वह अपने इस प्रयास में सफल हो पाता, दोनों ने आतंकवादी पर फायर कर दिया। लेकिन आपसी गोलीबारी में वे फिर गोलियों से घायल हो गए। हेड कांस्टेबल वीर सिंह और कांस्टेबल सतीश चंद दोनों को गम्भीर चोटें आई। उनके घावों से अत्यअधिक खून बह रहा था। बहादुरों को मौत का डर कभी नहीं सताता। दोनों शूरवीरों में मातृभूमि की रक्षा की भावना कूटकूट कर भरी थी। वे डरने वाले में से नहीं थे सभी घातक बाधाओं को दरकिनार करते हुए, वे खड़े हुए और आतंकवादी पर अंतिम हमला किया। उन्होंने एक आतंकवादी को मौके पर मार गिराया। घातक चोटों के कारण दोनों की शहादत हुई। वे अपनी अंतिम सांस तक लड़े, जो हर सैनिक की इच्छा होती है और उन्होंने वर्दी पहने अपने अन्य साथियों और भूमिपुत्रों की जान बचा कर कर्तव्य की वेदी पर अपने प्राणों को न्यौछावर कर दिया।

पहले आतंकी को मरा हुआ देखकर दूसरा भी बस के बाईं ओर आया और बस से फायरिंग कर रहे कर्मियों को मारने के लिए उसने बाईं ओर से भारी गोलीबारी की। आतंकवादी की पोजीशन इस प्रकार थी की तीसरे वाहन (जवानों को लाने-लेजाने हेतु स्वराज माजदा) में बैठे कार्मिको, जो बसे के पीछे 60-70 गज दूर थे, ने छिपे आतंकवादी को देख लिया। तीसरे वाहन की सुरक्षा टीम में शामिल हेड कांस्टेबल गुलविंदर सिंह वाहन से बाहर आए और उन्होंने आतंकवादी को निशाना बना लिया। आतंकवादी को गोली लगी और इसने आतंकवादी को कवर लेने के लिए मजबूर किया। पीछे के वाहन से फायर आते देख, आतंकवादी ने तुरंत पीछे उनकी ओर फायर किया। आतंकवादी की जवाबी कार्रवाई में हेड कांस्टेबल गुलविंदर सिंह के दाहिने कंधे में गोली लग गई। गंभीर चोट लगने के कारण, वह आगे फायर नहीं कर सके और उसकी राइफल उसके हाथ से नीचे गिर गई। कांस्टेबल यशवंत कुमार सिंह, जो गुलविंदर सिंह के बिल्कुल पास में थे, ने उन्हें तुरंत पीछे खींच लिया और अपनी पोजीशन लेकर जवाबी हमले के लिए हथियार उठा लिया। उसने आतंकी पर सटीक निशाना साधा। इस बीच, ख्रीव चौक के पास तैनात 110 बटालियन का एक बीपी बंकर घटना स्थल पर पहुंच गया। सब इंस्पेक्टर नंद लाल राम और कांस्टेबल सोम राज, जो बीपी बंकर में थे, आतंकवादी के खिलाफ जवाबी हमला बढ़ाने के लिए एक पल गंवाए बिना वाहन से नीचे कूद गये। उन्होंने आतंकवादी पर सटीक फायर किया। आतंकवादी ने उनका जवाब गोली की बौछारो के साथ दिया। दोनों ने बीपी बंकर का कवर लेकर अपनी जान बचाई। हालांकि, इससे कांस्टेबल यशवंत कुमार सिंह (तीसरे वाहन) को आतंकवादी को निशाना बनाने का

मौका मिल गया। आतंकवादी उलझन में पड़ गया था कि जवाबी कार्रवाई पहले किसके साथ की जाए। तीनों (कांस्टेबल यशवंत कुमार सिंह, सब इंस्पेक्टर नंद लाल राम और कांस्टेबल सोम राज) ने आतंकवादी की ओर गोलियों की बौछार कर दी और उसे मौके पर ही मार दिया गया।

यह आतंकवादियों का घातक आत्मघाती हमला था। वे सुरक्षा बलों के नरसंहार के लिए तैयार हो कर आए थे। हालांकि शुरू में वे कर्मियों को गंभीर चोट पहुंचाने में सफल रहे, फिर भी हमारे सैनिकों ने इस अचानक सदमें से स्वयं को संभाल लिया। हेड कांस्टेबल वीर सिंह और कांस्टेबल सतीश चंद आतंकवादियों के साथ बहादुरी से लड़े। उन्हें घातक चोटे आई, फिर भी उन्होंने एक खूंखार विदेशी आतंकवादी को मार गिराया। उन्होंने कर्तव्य की वेदी पर सर्वोच्च बलिदान दिया। हेड कांस्टेबल गुलविंदर सिंह और कांस्टेबल यशवंत कुमार सिंह ने बहादुरी का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया और दूसरे आतंकवादी को मार गिराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। एक सजीव ऑपरेशन, जिसमें आमने-सामने से गोलीबारी होती है और जीवन को प्रत्यक्ष खतरा होता है, में शामिल होने का उनका अदम्य साहस और बिना हिचक पहल उन्हें उचित प्रशंसा के योग्य बनाती है। सब इंस्पेक्टर नंद लाल राम और कांस्टेबल सोम राज के योगदान से हमारे जवानों की जवाबी कार्रवाई की क्षमता और आत्मविश्वास में वृद्धि हुई और साथ ही बस जैसे आसान लक्ष्य से आतंकवादियों का ध्यान भटक गया, अन्यथा इससे बड़ी संख्या में जवान हताहत हो सकते थे। उपरोक्त बहादुर वीर अनुकरणीय प्रयासों के लिए सर्वोच्च सम्मान के पात्र हैं।

इस ऑपरेशन में सर्व/श्री स्व. वीर सिंह, हेड कांस्टेबल, स्व. सतीश चंद, कांस्टेबल, नंदलाल राम, उप-निरीक्षक, गुलविन्दर सिंह, हेड कांस्टेबल, यशवंत कुमार सिंह, कांस्टेबल और सोम राज, कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4 (i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किये जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 25.06.2016 से दिया जाएगा।

पी. प्रवीण सिद्धार्थ
विशेष कार्य अधिकारी

सं. 168-प्रेज/2019—राष्ट्रपति, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के निम्नलिखित अधिकारियों को वीरता के लिए पुलिस पदक प्रदान करते हैं:—

अधिकारियों के नाम और रैंक

सर्व/श्री

1. जय प्रकाश सिंह
   सेकेंड इन कमांड

2. रमेश कुमार सिंह
   कांस्टेबल

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

जम्मू और कश्मीर में जिला कुपवाड़ा के पुलिस थाना कलामाबाद के अंतर्गत ग्राम-शतगुंड बाला में दिनांक 11 अक्तूबर, 2018 को लगभग 00:30 बजे भारी हथियारों से लैस आतंकवादियों की मौजूदगी होने के बारे में एक विश्वसनीय सूचना प्राप्त होने पर सं. 851181295 उप निरीक्षक रमा शंकर सिंह की कमान में 92वीं बटालियन की डी कम्पनी की एक प्लाटून स्पेशल ऑरेशन्स ग्रुप (एसओजी) हंदवाड़ा के साथ ग्राग शतगुंड बाला के लिए रवाना हुई। 92वीं बटालियन के सेकंड इन कमांड श्री जे.पी.सिंह की समग्र कमान के तहत सहायक कमांडेंट, श्री मोहम्मद शाहनवाज की कमान में 92वीं बटालियन का एक द्रुत कार्रवाई दल (क्यूएटी) भी उक्त गांव में पहुंचा। ग्राम शतगुंड बाला पहुंचने पर उप निरीक्षक रमाशंकर सिंह की कमान में डी/92 की प्लाटून संख्या 01 को दक्षिण-पूर्व दिशा से लक्ष्य क्षेत्र/घर की घेराबंदी करने का कार्य सौंपा गया, एसओजी हंदवाड़ा को उत्तर-पूर्व दिशा से तथा 30 राष्ट्रीय राइफल के सैन्य दल को उत्तर-पश्चिम एवं दक्षिण-पश्चिम दिशा से लक्ष्य क्षेत्र की घेराबंदी करने का कार्य सौंपा गया। जब संयुक्त सैन्य दलों द्वारा आरंभिक घेराबंदी की जा रही थी, आतंकवादी लक्ष्य घर से बाहर निकले और उन्होंने घेराबंदी कर रहे सैन्य दलों पर गोलीबारी आरंभ कर दी। बच निकल कर भागने के प्रयास में उन्होंने ग्रेनेड फैंकने की भी कोशिश की। सैन्य दलों ने प्रभावी ढंग से जवाबी कार्रवाई की और यह सुनिश्चित किया कि आतंकवादी घेराबंदी तोड़ने में सफल न हों जाए और अपने छुपने की जगह में वापस न चले जाए। श्री मोहम्मद शाहनवाज की कमान में क्यूएटी/92वीं बटालियन को डी/92 की प्लाटून के साथ आतंरिक घेराबंदी में स्थित कर घेराबंदी को दोगुना कर

दिया गया ताकि भाग निकलने के हर संभावित मार्ग को बंद किया जा सके। केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के सैन्य दलों की समग्र देखरेख का उत्तरदायित्व 92वीं बटालियन के सेकंड इन कमांड, श्री जे.पी. सिंह को सौंपा गया था।

रातभर रूक-रूक कर गोलाबारी चलती रही। तथापि, अंधेरे का फायदा उठाते हुए आतंकवादी घर से भाग निकलने में सफल हो गये थे और उन्होंने खुद को झाडियों, लकडियों के गड्ढरों और असमतल जमीन के पीछे छुपा लिया था। सैन्य दल ने आक्रामक रूख अपनाने की बजाय रात भर प्रतीक्षा करने का निर्णय लिया ताकि सुबह तड़के ही अभियान को पुन: आरंभ किया जा सके। सैन्य दल ने समुचित सावधानी के साथ रातभर घेराबंदी जारी रखी। सुबह तड़के ही वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक हंदवाड़ा, 30 राष्ट्रीय राइफल के कमान अधिकारी ने संयुक्त निर्णय लिया कि चूंकि काफी देर से आतंकवादियों की ओर से कोई गोलाबारी नहीं हुई है, अत: उस क्षेत्र की छानबीन की जाए और आतंकवादियों का पता लगाया जाए। क्यूएटी/92वीं बटालियन को दक्षिण-पूर्व दिशा से उस क्षेत्र की छानबीन आरंभ करने और लक्ष्य घर तक पहुंचने का दायित्व सौंपा गया; इसी तरह, एसओजी हंदवाड़ा को उत्तर-पूर्व और 30 राष्ट्रीय राइफल्स को उत्तर-पश्चिम एवं दक्षिण-पश्चिम दिशाओं से घेराबंदी करने का कार्य सौंपा गया।

चूंकि आतंकवादियों के छुपे होने की जगह के बारे में सटीक जानकारी नहीं थी और काफी देर से कोई भी गोलाबारी नहीं हुई थी, इसलिए खोजबीन करना खतरों से खाली नहीं था। श्री जे.पी. सिंह ने सीआरपीएफ के खोजी दल के नेतृत्व की जिम्मेदारी अपने उपर ले ली। सुबह लगभग 09:00 बजे जब संयुक्त खोजी दल अपने-अपने क्षेत्रों में खोजबीन कर रहे थे और लक्ष्य घर की तरफ बढ रहे थे, आतंकवादियों जिन्होंने खुद को रात के अंधेरे में लक्ष्य घर के नजदीक पेड़ों और उपलब्ध प्राकृतिक कवर में छुपा लिया था, ने अपने पास आते हुए खोजी दल पर भारी गोलीबारी आरंभ कर दी। खोजीदल जमीन पर लेट गया और जो कुछ भी कवर मिला उसके पीछे छुपकर जवाबी कार्रवाई आरंभ कर दी। चूंकि, अब आतंकवादियों के छुपने की सटीक जगह के बारे में जानकारी मिल चुकी थी, इसलिए भीतरी घेराबंदी का उत्तरदायित्व संभाले हुए डी/92 की प्लाटून ने क्यूएटी/92 बटालियन के खोजी दल को कवर फॉयर उपलब्ध कराया और आतंकवादियों को उलझाए रखा। तथापि, चूंकि आतंकवादियों ने शंकुकार घने वृक्षों के मोटे तनों के पीछे पोजीशन ली हुई थी, इसलिए सैन्य दल की गोलीबारी निष्भावी हो रही थी। श्री जे.पी. सिंह ने एक कुशल सेनानायक की तरह समुचित सावधानी, रणनीतिक कौशल और चातुर्य का प्रदर्शन करते हुए अपने साथी 'संख्या 060042883' कांस्टेबल रमेश कुमार सिंह के साथ चुपचाप लक्ष्य तक पहुंचने का निर्णय लिया। दोनों ने असमतल जमीन में छोटे-छोटे प्राकृतिक कवरों का इस्तेमाल कर रेंगते हुए आतंकवादियों के छुपने की संभावित जगह तक पहुंचे। इन दोनों की गतिविधि को भांपते हुए आतंकवादियों ने इनकी ओर हथगोला फेंका और गोलीबारी आरंभ कर दी। आतंकवादियों के इस कृत्य से विचलित हुए बिना, विलक्षण बुद्धिमत्ता और अदम्य साहस का प्रदर्शन करते हुए इन दोनों ने तुरंत अपनी पोजीशन को बदल लिया और लक्ष्य की तरफ बढते रहे। श्री जे.पी. सिंह और कांस्टेबल रमेश कुमार सुविधाजनक स्थान, जहां से वे लक्ष्य साधकर गोलीबारी कर सकते थे, पर पहुंचते ही कवर से बाहर निकले और उन्होंने इस तरह दुश्मन को चौंका दिया। अदम्य साहस और वीरता का प्रदर्शन करते हुए दोनों ने गोलीबारी आरंभ कर दी और आतंकवादियों को मौत के घाट उतार दिया। इसी दौरान, अन्य आतंकवादी बौखलाहट में दूसरी ओर भाग चुका था, जहां उसे 30 राष्ट्रीय राइफल और एसओजी हंदवाड़ा द्वारा गोलीबारी में मार गिराया गया। तत्पश्चात, खोजी दलों ने यह पुष्टि करने के लिए प्रतीक्षा की कि वहां कोई अन्य आतंकवादी जीवित नहीं है। जब काफी देर तक कोई भी गोलीबारी नहीं हुई, पूरे इलाके की गहन खोजबीन की गई। मारे गए दो आतंकवादियों के शव के साथ एक एके-राइफल, एक इनसॉस राइफल, मैगजीन्स, इनके साथ के गोला-बारूद, हथगोले और अन्य आपराधिक सामग्री बरामद हुई।

आतंकवादियों की पहचान क++ श्रेणी के कुपवाड़ा के एचएम संगठन के जिला कमांडर मनन बशीर वाणी उर्फ हमजा भाई, पुत्र बशीर अहमद वाणी निवासी टेकीपुरा, लोलाब, जिला-कुपवाड़ा और ग श्रेणी के आतंकवादी आशिक हुसैन जरगार पुत्र गुलाम मोइनुद्दीन जरगार निवासी-तुलवाड़ी लंगाटे, पीडी-हंदवाड़ा के रूप में हुई।

इस अभियान में श्री जे.पी. सिंह, सेकैंड इन कमांड ने अपने सैन्य दल का आगे से नेतृत्व करते हुए और गंभीर स्थिति में स्वयं अपने साथियों के साथ खड़े रहने तथा पीछे न हटने का विश्वास भरते हुए परिपक्व नेतृत्व क्षमता का प्रदर्शन किया। कांस्टेबल रमेश कुमार सिंह ने अपने कंपनी कमांडर का साथ देते हुए अनुकरणीय शौर्य, वीरता और कर्तव्य के प्रति अक्षुण निष्ठा का परिचय दे कर खुद को सौंपे गये दायित्व को निभाया और परिणामस्वरूप एक आतंकवादी को मार गिराया।

इस ऑपरेशन में सर्व/श्री जय प्रकाश सिंह, सेकैंड इन कमांड और रमेश कुमार सिंह कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किये जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 11.10.2018 से दिया जाएगा।

पी. प्रवीण सिद्धार्थ
विशेष कार्य अधिकारी

सं. 169-प्रेज/2019—राष्ट्रपति, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के निम्नलिखित अधिकारियों को वीरता के लिए पुलिस पदक/वीरता के लिए पुलिस पदक (मरणोपरांत) प्रदान करते हैं:—

अधिकारियों के नाम तथा रैंक

सर्व/श्री

1.	सुरेन्द्र सिंह देव डिप्टी कमांडेंट	वीरता के लिए पुलिस पदक
2.	स्व. श्याम नारायण सिंह यादव हेड कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक (मरणोपरांत)

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 11 सितम्बर, 2018 को लगभग 0300 बजे जम्मू और कश्मीर (जेएंडके) में गांव-गुलूर, पुलिस पोस्ट-लंगाटे, पुलिस स्टेशन-हंदवाडा, जिला-कुपवाड़ा में इमरान अहमद वानी सुपुत्र सुनावाला वानी के घर में भारी-भरकम हथियारों से लेस आतंकवादियों की मौजूदगी होने की विश्वसनीय सूत्रों से प्राप्त सूचना मिलने पर, श्री सुरेन्द्र सिंह देव, डिप्टी कमांडेट की कमान में 92 बटालियन सीआरपीएफ की क्यूएटी और इंस्पेक्टर पिंटू कुमार सिंह की कमान में 92 बटालियन की डी कंपनी की 01पलटन गुलूरा गांव की ओर बढ़ी तथा 30 आरआर और एसओजी हंदवाडा के सैन्यदलों के साथ शामिल हो गए जो कि वहां पहले से ही मौजूद थे। इसके पश्चात वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, हंडवाडा के साथ मिलकर आरआर और सीआरपीएफ के कमांडरों द्वारा एक संयुक्त ऑपरेशन की योजना बनाई गई। तदनुसार, श्री एसएस देव, डिप्टी कमांडेट के समग्र कमान के तहत डी/92 बटालियन की 01 पलटन और क्यू ए टी 92 बटालियन को दक्षिण-पूर्वी दिशा से लक्षित घर को घेरने का कार्य सौंपा गया, एसओपी हंदवाडा को उत्तर-पूर्वी दिशा से तथा 30 आरआर के सैन्य बलों को उत्तर-पश्चिमी और दक्षिण दिशा के बाकी क्षेत्रों की घेराबंदी का कार्य सौंपा गया। 21 आरआर और एसओजी, जेकेपी हंडवाडा के सैन्य बलों द्वारा बाहरी घेराबंदी की गई। जब घेराबंदी की जा रही थी, तब इमरान अहमद वानी (वह 04 सितम्बर, 2017 को गांव-शंकर गुंड, सोपोर में सुरक्षा बलों द्वारा मारे गए आतंकवादी परवेज अमहद वानी का भाई था) के घर में छिपे एक आतंकवादी ने घेराबंदी तोड़ने के लिए हड़बड़ी में अंधाधुंध गोलीबारी चलाते हुए घर से बाहर आने की कोशिश की। सैन्य बलों द्वारा प्रभावी जवाबी कार्रवाई ने आतंकवादियों को वापस उसी घर में जाने पर मजबूर कर दिया, जिसमें वह छिपा हुआ था। इसके पश्चात्, घेराबंदी को और मजबूत करते हुए आस पड़ोस के कुछ और घरों को भी घेरे में शामिल कर लिया गया, जहां आतंकवादी घुस सकते थे।

लक्षित घर और पड़ोस के घरों में जो आम नागरिक फंसे हुए थे, उन्हें संयुक्त सैन्य बलों द्वारा स्वयं को जोखिम में डालकर एक-एक करके बाहर निकाल कर सुरक्षित जगह पर ले जाया गया। इसके पश्चात् वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, हंदबाडा द्वारा जन संबोधन प्रणाली पर घोषणा करके आतंकवादियों को आत्मसमर्पण करने को कहा गया, परन्तु उसने कोई सकारात्मक जवाब नहीं मिला और उन्होंने गोलाबारी की बौछार शुरू कर दी, जिससे आतंकवादियों के आत्मसमर्पण न करने की मंशा स्पष्ट हो गई। घेराबंदी में तैनात सैन्य दल ने भी प्रभावी ढंग से जवाबी गोलीबारी की, हांलाकि यह देखा गया कि तब तक आतंकवादियों ने अपनी जगह बदल ली थी।

सुरक्षा बलों का सामना करने के सिवाय कोई विकल्प न होने पर घेराबंदी तोड़ने की मंशा में ताबड़तोड़ गोलीबारी करते हुए और ग्रेनेड फेंकते हुए उस घर से बाहर भागे। एक आतंकवादी दक्षिण-पूर्व दिशा में भागा और दूसरा उत्तरी दिशा में भागा। जो आतंकवादी दक्षिण-पूर्वी दिशा में भागा था, वह श्री एस.एस.देव की अडिग और दृढ़ कमांड के तहत डी कंपनी की पलटून और क्यूएटी-92 बटालियन द्वारा की गई घेराबंदी की ओर भागा, जिसके लिए प्रभावी जवाबी कार्रवाई की गई, जिसके फलस्वरूप उसे पीछे हटना पड़ा और निर्माणाधीन दूसरे घर के समीप पोजीशन लेनी पड़ी। आतंकवादियों ने स्वयं को लक्षित घर और निर्माणाधीन घर के बीच में सुरक्षित रूप से छिपा लिया था, जिस कारण सैन्यबल उस पर प्रभावी ढंग से गोली नहीं चला पा रहे थे। सं. 911182721 हेड कांस्टेबल श्याम नारायण सिंह यादव के साथ एस.एस. देव, डिप्टी कमांडेट ने पहल और एहतियाति कार्रवाई करते हुए दुश्मन की स्थिति का पता लगाने के लिए दुश्मन की ओर बढ़ने का निर्णय किया। यह कदम काफी जोखिम भरा था, क्योंकि आतंकवादी उनकी गतिविधियों को देख सकता था। हांलाकि उपलब्ध सुरक्षा कवर का फायदा उठाते हुए और कम से कम जगह लेते हुए वे झुककर और रेंगते हुए अपने लक्ष्य की ओर बढ़ गये। आतंकवादी ने उनकी गतिविधि को भांपते हुए उनकी ओर गोली चलाई, जिससे वे बचने में सफल हुए और जल्द से उन्होंने अपनी जगह बदल ली। वे तेजी से आतंकवादी की ओर बढ़े एवं उनकी गति, कौशल और बेहत्तर रणनीति से आतंकवादी हैरान रह गया। आतंकवादी की ओर से आक्रमण के बावजूद, श्री एस.एस. देव, डिप्टी कमांडेट और सं. 911182721 हेड कांस्टेबल श्याम नारायण सिंह यादव ने आतंकवादी को निढाल कर दिया और लक्षित प्रभावी फायरिंग से उसे ढेर कर दिया। इसके पश्चात्, अपनी स्थिति में बने रहने और सुबह की पहली किरण दिखने तक उस पर नजर रखने का निर्णय लिया गया। सुबह की पहली किरण दिखते ही मारे गए आतंकवादी के शव का पता लगा लिया गया था, जो कि श्री एस.एस. देव डिप्टी कमांडेंट और सं. 911182721 हेड कांस्टेबल श्याम नारायण सिंह यादव के बहुत निकट मिला। दूसरा आतंकवादी, जो इस दौरान उत्तरी दिशा से घेराबंदी तोड़ने की कोशिश कर रहा था उसे 30 आरआर और एसओजी, हंडवाडा के सैन्य बलों द्वारा ढेर कर दिया गया।

तदन्तर, उस क्षेत्र की छानबीन की गई, जिसमें दो मारे गये आतंकवादियों के शव और दो एके राइफलें, मैगज़ीन, संबंधित गोलाबारुद और अन्य आपराधिक सामग्री बरामद की गई। मारे गए आतंकवादियों की शिनाख्त लश्कर-ए-तोएबा (एलईटी) आतंकवादी संगठन के फुरकन राशिद लोन निवासी-लांगेट, हंदवाडा और लियाकत मोहि-उ-द्दीन लोन, निवासी-हरवान, सोपोर, बारामुला के रूप में की गई।

ऑपरेशन के दौरान, श्री सुरेन्द्र सिंह देव, डिप्टी कमाडेंट (इरला सं. 6826) ने आतंकवादी को घेरने और ढेर करने में दक्ष नेतृत्व कौशल, कुशल रणनीति और सूझ बूझ का प्रदर्शन किया। उनके अतिसक्रिय कार्रवाई और आत्मविश्वास ने सं. 911182721 हेड कांस्टेबल श्याम नारायण सिंह यादव को जोखिम उठाने और अपने वरिष्ठ अधिकारी के आदेश का पालन करने के लिए प्रोत्साहित और प्रेरित किया। इसके परिणामस्वरूप, दोनो आतंकवादी को मार गिराने में कामयाब रहे। (हालांकि, गांव खानू, बाबागुंद, पुलिस थाना-करलगुंद पीडी-हंडवाडा, जिला-कुपवाडा, जम्मू और कश्मीर में दिनांक 01.03.2019 को आतंकवादियों के साथ मुठभेड़ में सं. 911182721 हेड कंस्टेबल श्याम नारायण सिंह यादव सर्वोच्च बलिदान देते हुए शहीद हो गए)।

इस ऑपरेशन में सर्व/श्री सुरेन्द्र सिंह देव, डिप्टी कमांडेट और स्व. श्याम नारायण सिंह यादव, हेड कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किये जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 11.09.2018 से दिया जाएगा।

पी. प्रवीण सिद्धार्थ
विशेष कार्य अधिकारी

सं. 170-प्रेज/2019—राष्ट्रपति, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के निम्नलिखित अधिकारियों को वीरता के लिए राष्ट्रपति का पुलिस पदक/वीरता के लिए राष्ट्रपति का पुलिस पदक (मरणोपरांत)/वीरता के लिए पुलिस पदक/वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार/वीरता के लिए पुलिस पदक का द्वितीय बार/वीरता के लिए पुलिस पदक का चतुर्थ बार प्रदान करते हैं:—

अधिकारियों के नाम और रैंक

सर्व/श्री

1.	लौकरकपम इबोमचा सिंह सहायक कमांडेंट	राष्ट्रपति का पुलिस पदक
2.	स्व. मो. मोज़ाहिद खान कांस्टेबल	राष्ट्रपति का पुलिस पदक (मरणोपरांत)
3.	रवि शर्मा सहायक कमांडेंट	वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार
4.	नरेश कुमार सहायक कमांडेंट	वीरता के लिए पुलिस पदक का चतुर्थ बार
5.	एबी थोमस सहायक कमांडेंट	वीरता के लिए पुलिस पदक
6.	बुद्धि सिंह कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक का द्वितीय बार
7.	रंजन कुमार कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक
8.	देवसंत कुमार कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक
9.	संत राम सिंह कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

आसूचना एजेंसियों ने पाकिस्तान आधारित आतंकी संगठनों द्वारा सुरक्षा संस्थापना पर हमले की चेतावनी दी थी और मात्र दो दिन बाद ही जैश-ए-मोहम्मद के आतंकियों ने जम्मू स्थित संजुआन आर्मी कैम्प पर हमला कर दिया। पाकिस्तान आधारित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तोएबा के आतंकियों द्वारा दिनांक 12.02.2018 को सुबह तड़के किए गए कायरतापूर्ण हमले ने करन नगर स्थित केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के मुख्यालय/23वीं बटालियन के कैम्प के शांत माहौल को बिगाड़ दिया जहां, कई कश्मीरी पंडित केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल की टुकड़ियों के साथ रह रहे थे।

23वीं बटालियन के सतर्क सन्तरी कांस्टेबल/जीडी गैत रघुनाथ, जो कि उस समय ड्यूटी पर थे, ने आतंकवादियों को ललकारा और हथियारों से लैस आतंकियों पर गोलीबारी शुरू कर दी। आतंकी अंधेरे का फायदा उठाकर घटनास्थल से भाग गए। श्री एम. के. बिस्वास, 2आईसी तथा श्री जगबीर सिंह, 23वीं बटालियन के उप कमांडेंट की कमान के तहत 23वीं बटालियन की यूनिट क्यूएटी तत्काल घटनास्थल की ओर रवाना हो गई और उक्त क्षेत्र की घेराबंदी शुरू कर दी। इसी बीच नॉर्थ रेंज क्यूएटी, 49वीं बटालियन क्यूएटी और वैली क्यूएटी की सैन्य टुकडियां भी वहां पहुंच गई तथा घेरेबंदी को और सख्त कर दिया। प्रात: लगभग 7.00 बजे, श्री रतुल दास, 2 आईसी, श्री एल. इबोमचासिंह, सहायक कमांडेंट, तथा श्री रवि शर्मा की अगुवाई में वैली क्यूएटी की सर्च-पार्टी ने सभी घरों की तलाशी लेना शुरू कर दिया। उस क्षेत्र के चारों ओर कई रिहायशी पॉकेट्स हैं और बल यह नहीं चाहते थे कि इस ऑपरेशन से आस-पास किसी और को कोई क्षति पहुंचे। अपने शानदार रणनीतिक कौशल तथा पेशेवर कुशलता का परिचय देते हुए एम. के. बिस्वास और जगबीर सिंह ने यूनिट क्यूएटी के साथ बुलेट प्रूफ वाहनों तथा अपने पास उपलब्ध अन्य उपकरणों की सहायता से आम नागरिकों और केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल कार्मिकों के परिवारों को वहां से सुरक्षित निकाला। सर्च-पार्टी ने खाली पड़े हुए और निर्माणाधीन भवनों की तलाशी का कार्य पूरा किया, लेकिन वहां आतंकियों के होने के कोई संकेत नहीं मिले। इसके बाद अधिकारियों के मन में यह संदेह पैदा हुआ कि कहीं आतंकी उप महानिरीक्षक नॉर्थ श्रीनगर, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल कार्यालय के नजदीक स्थित बहुमंजिला निर्माणाधीन भवन में तो नहीं छिपें हैं क्योंकि वहां छिपकर वे दूसरे हमले की योजना बना सकते हैं। उन्होंने उस भवन के अन्दर टीएसएम बमों के उपयोग का विकल्प चुना और वैली क्यूएटी के श्री एल. इबोमचा अपने साथी कांस्टेबल/जीडी देवसंत कुमार के साथ, श्री रवि शर्मा अपने साथी कांस्टेबल/जीडी सन्तराम कुमार के साथ और श्री एबी थोमस अपने साथी कांस्टेबल/जीडी बुद्धि सिंह के साथ जान जोखिम में डालकर उस भवन के समीप पहुंच गए और अलग-अलग दिशाओं से भवन के अन्दर टीएसएम बमों से गोलीबारी करनी आरम्भ कर दी। यह योजना फलीभूत हुई और इस कार्रवाई का मुकाबला करने में नाकाम दो आतंकी अंधाधुंध गोलियां बरसाते हुए सामरिक दृष्टि से किसी सुरक्षित ठिकाने की ओर भागने लगे। अदम्य साहस और रणनीतिक कौशल का परिचय देते हुए सभी अधिकारियों ने साथियों के साथ भवन के नजदीक पोजीशन लेकर आतंकियों की गोलीबारी का मुहतोड़ जबाव दिया और निर्माणाधीन भवन में दोनों आतंकियों को अलग-थलग करने में कामयाब हुए।

इसी बीच, श्री रतुल दास, 2आईसी, 73 बटालियन, श्री एम. के. बिस्वास, 2आईसी और श्री जगबीर सिंह, उप कमांडेंट (अब 2आईसी), 23 बटालियन भी क्रमशः वैली क्यूएटी और यूनिट क्यूएटी की सैन्य टुकड़ियों के साथ बिना समय गंवाए और गोलियों की सनसनाहट के बीच अपनी निजी सुरक्षा की परवाह न करते हुए शामिल हो गए। तदुपरांत, उत्कृष्ट पेशेवर कुशलता और असाधारण नेतृत्व कौशल का परिचय देते हुए उन्होंने तत्परतापूर्वक स्थिति का आकलन किया। उन्होंने सैन्य दलों का मार्गदर्शन और उत्साहवर्धन किया तथा उन्हें गोलीबारी जारी रखते हुए एक स्थान बदलकर दूसरे स्थान जाने को कहा। उनकी प्रेरणादायी उपस्थिति और समर्थन ने सैन्य दलों के मनोबल को ऊंचा बनाए रखा।

शुरूआती जवाबी गोलीबारी में 49वीं बटालियन के कांस्टेबल/जीडी, मो. मोज़ाहिद खान को गोलियां लगी। घायल होने के बावजूद मो. मोजाहिद खान ने पोजीशन ले ली और बहुत ही मुस्तैदी से आतंकियों से लोहा लेते रहे। उसी समय एल. इबोमचासिंह अपने साथी कांस्टेबल देवसंत कुमार के साथ एक प्रशिक्षित सैनिक के रूप में अदम्य पराक्रम, धैर्य, संकल्प तथा दिलेरी दिखाते हुए वाहन से बाहर निकले तथा मो. मोज़ाहिद खान को सुरक्षित निकालने के लिए रवि शर्मा और एबी थोमस की पार्टी द्वारा प्रदान की जा रही कवर फायरिंग के बीच रेंगते हुए भवन की ओर बढ़ने लगे। मो. मोज़ाहिद खान ने घातक चोटों के बावजूद बहुत ही बहादुरी के साथ जवाबी गोलीबारी जारी रखी। बर्फबारी और कीचड़ युक्त जमीन होने के कारण बीपी बंकर को घटना स्थल तक पहुंचना मुश्किल हो रहा था। एल. इबोमचासिंह तथा कांस्टेबल देवसंत कुमार दोनों अंधाधुंध गोलीबारी के बीच अपने डर पर काबू रखते हुए घायल मो. मोज़ाहिद खान की ओर रेंगते हुए आगे बढ़े और अदभूत सूझ-बूझ तथा अभिनव तरकीबों का प्रदर्शन करते हुए उसे वहां से घसीटते हुए निकाला। इसके बाद उन्हें तत्काल यूनिट के एमआई रूप में स्थानांतरित किया गया लेकिन अपनी घातक चोटों के कारण उन्होंने इससे पहले ही दम तोड़ दिया।

उस दिन तेज हवाएं चल रही थीं और बर्फबारी के साथ-साथ गर्जना युक्त तूफान के कारण दिखाई देना मुश्किल हो गया था, जिससे चुनौती और बढ़ गई। इस अप्रत्याशित मौसम के कारण आतंकियों को अपनी पोजीशन बदलने में मदद मिल गई। इसी बीच, रतुल दास के मार्गदर्शन में वैली क्यूएटी की टीम ने एलएमजी की गोलीबारी के साथ लक्षित भवन के दाहिनी ओर से आतंकियों को निशाने पर रखा, जबकि एम. के. बिस्वास और जगबीर सिंह की दूसरी टीम ने एलएमजी के साथ-साथ छोटे हथियारों से गोलीबारी करके लक्षित भवन

के बायीं ओर से आतंकियों को व्यस्त रखा। चूंकि, विपरीत मौसम, ऑपरेशन को चलाने में मुसीबतें खड़ी कर रहा था, इसलिए अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत करते हुए एल. इबोमचासिंह ने रतुल दास, रवि शर्मा, एबी थोमस, एम.के. बिस्वास और जगबीर सिंह के साथ परामर्श करके और उनके कवर फायर के साथ अपनी जान की परवाह न करते हुए सीजीआरएल गोलीबारी की संभावना का पता लगाने के लिए कार्रवाई स्थल का चुपके से निरीक्षण किया। खतरे को भांपते हुए आतंकियों ने एल. इबोमचासिंह की पार्टी पर गोलियों की बौछार कर दी। हालांकि, जीवन और मौत के इस संघर्ष के बीच एल. इबोमचासिंह की सूझबूझ और उनके साहसी प्रयासों का लाभ मिला और उन्होंने अपने साथी के साथ शत्रुओं पर सीजीआरएल गोलीबारी से लक्ष्य साधने के लिए एक जगह खोज निकाली। आतंकियों के स्थिर और सामरिक दृष्टि से अनुकूल पोजीशन पर होने के बावजूद आरएल कमांडर कांस्टेबल रंजन कुमार अपनी निजी सुरक्षा की परवाह न करते हुए उसी क्षेत्र से गोलीबारी करने के लिए तैयार हो गये। इस दौरान शानदार रणनीतिक सूझबूझ और पेशेवर कुशलता का परिचय देते हुए एल. इबोमचासिंह, रवि शर्मा और रतुल दास ने बुलेट प्रूफ वाहन की मदद से सभी बाधाओं को दूर करने के लिए आरएल कमांडर कांस्टेबल रंजन कुमार को सुरक्षा कवर प्रदान किया। इसके बाद, पीछे से बैक-अप तथा रवि शर्मा, एबी थोमस, बुद्धि सिंह, संत राम कुमार, एम. के. बिस्वास और जगबीर सिंह द्वारा सटीक कवर-फायर प्रदान करने के साथ आर एल गोलीबारी की ताबड़तोड़ बौछार की गई, ताकि आतंकी आरएल ग्रुप को निशाना न बना सकें। आतंकियों द्वारा सुरक्षित पोजीशन ले लेने के कारण यह ऑपरेशन बहुत चुनौती भरा हो गया तथा धुंधलका छा जाने के कारण संघर्षरत टीम के पास समय भी बहुत कम बचा था, इसलिए कमांडरों ने अगले दिन सुबह होने तक प्रतीक्षा करने का निर्णय लिया। इसके बाद, उक्त पूरे भवन को वाहन तथा फोकस लाइटों के प्रयोग से सख्त निगरानी में रखा गया और टीमों ने गोलीबारी करते हुए आतंकियों को व्यस्त रखा।

लक्षित भवन के पश्चिमी भाग को ध्वस्त करने के लिए दिनांक 13.02.2018 को तड़के सुबह भवन में प्रवेश करने का रास्ता बनाने हेतु एक आईईडी लगाने के लिए एमपीवी की मदद से लक्षित भवन के पश्चिमी छोर से होकर भवन के समीप जाने की योजना बनायी गई। इस कार्य को अंजाम देने के लिए एल. इबोमचासिंह ने अपनी पार्टी को दो भागों में बांट दिया। पहली टीम की कमान एल. इबोमचासिंह ने स्वयं संभाली और दूसरी टीम की कमान रवि शर्मा को दी। वे दोनों रतुल दास और एबी थोमस द्वारा दी जा रही सटीक कवर फायर के साथ सनसनाती गोलियों के बीच खतरा मोल लेते हुए भवन के नजदीक पहुंचे। एल. इबोमचासिंह जैसे ही लक्षित भवन में प्रवेश करने वाले थे, पहले आतंकी, जिसने उसी तरफ पोजीशन ले रखी थी, ने एल. इबोमचासिंह और उनके साथी कांस्टेबल देवसंत कुमार पर अंधाधुंध गोलियां चलानी शुरू कर दी। गोलियों की बौछार से अपने जवानों की जान को बचाने के लिए गंभीर और प्रत्यक्ष खतरे के बावजूद एल. इबोमचासिंह और रवि शर्मा की पार्टी ने जान की बाजी लगाते हुए लड़ाई को जारी रखा तथा एक असाधारण, निर्भीक और साहसी रणनीतिक दांव खेलते हुए बहादुर सैन्य टुकड़ियों ने गोलियों की परवाह किए बिना पहले आतंकी पर निशाना साधा और उसे ढेर कर दिया।

चूंकि, दूसरा आतंकी सुरक्षा बलों को धोखा देने के लिए लगातार अपनी पोजीशन बदल रहा था इसलिए आतंकी की इस चाल को विफल करने के लिए यूएवी (फैन्टम एवं ब्लैक हारनेट) वाहनों की सेवाएं ली गईं तथा द्रोण द्वारा ली गई तस्वीरों के आधार पर रतुल दास, एम. के. बिस्वास, जगबीर सिंह और एबी थोमस द्वारा प्रदान की जा रही सटीक कवर फायर के साथ, कांस्टेबल रंजन कुमार ने आतंकी के छिपने की जगह पर एलएमजी और सीजीआरएल से कई राउण्ड फायर किए।

"भाग्य, बहादुरों का साथ देता है" ऐसी कहावत है और बहादुर कमांडरों के साथ श्री नरेश कुमार, सहायक कमांडेंट (पीएमजी द्वितीय-बार) शामिल हो गये, जिन्होंने हमेशा ऐसे ऑपरेशनों के दौरान अपने कर्तव्यों के प्रति निर्भीक प्रतिबद्धता का परिचय दिया। उक्त क्षेत्र की संवेदनशीलता को देखते हुए और अपने संयम पर नियंत्रण में रखकर साहसी सैन्य टुकडियों ने दृढ़ निश्चय करके दूसरे आतंकी को ढेर करने के लिए कमरे में प्रवेश करने का निर्णय लिया। जवानों के लिए यह कोई आसान कार्य नहीं था, क्योंकि दूसरा आतंकी सुरक्षित मोर्चाबंदी की ओट में था और वह अलग-अलग जगहों से अचूक ए.के. 47 राइफल सहित कई प्रकार के आधुनिक हथियारों से फायरिंग कर रहा था। इसे देखते हुए कमरे में प्रवेश करने के अति चुनौतीपूर्ण कार्य को अंजाम देने के लिए एसओजी, श्रीनगर के साथ नरेश कुमार, एल. इबोमचासिंह और रवि शर्मा को शामिल करके एक संयुक्त टीम बनायी गई। इस टीम को सदस्यों की तीन जोड़ियों में विभाजित कर दिया गया। पहले साथी जोड़े में नरेश कुमार और साथी बुद्धि सिंह, दूसरे साथी जोड़े में एल. इबोमचासिंह और देवसंत कुमार तथा तीसरे साथी जोड़े में रवि शर्मा और संत राम कुमार शामिल किये गये। नरेश कुमार ने अपने साथी बुद्धि सिंह के साथ अनुकरणीय नेतृत्व प्रदर्शित करते हुए आतंकी को बायीं ओर से घेरने का निर्णय लिया तथा एल. इबोमचासिंह और रवि शर्मा के साथी जोड़ियों ने पीछे की ओर से प्रवेश करने का निर्णय लिया। उक्त आतंकी ने सामरिक ढंग से एक सुरक्षित पोजीशन ले ली, जहां से वह सुरक्षा बलों की हरकतों पर नजर रख सकता था। सोच-समझकर एक जोखिम उठाना था और नरेश कुमार अपने साथी के साथ बैलिस्टिक कवच के पीछे से कवर लेते हुए सावधानीपूर्वक गलियारे की ओर आगे बढ़े। आगे बढ़ती पार्टी से घबराकर आतंकी ने टीमों पर गोलियां बरसानी शुरू कर दी और एक हथगोला भी उन पर फैंका, लेकिन चुस्ती और फुर्ती का परिचय देकर जवानों ने स्वयं को बचा लिया। टीमों ने तत्काल सुरक्षित पोजीशन ली, क्योंकि आतंकी की पोजीशन का पता लग चुका था। अब आगे बढ़े बिना आतंकी को ढेर करना असंभव था। अत: वे हथगोले फेंकते हुए और बीच-बीच में गोलियां चलाते हुए आगे बढ़े। एक-दूसरे पर गोलीबारी करते हुए उनके और आतंकी के बीच कुछ देर तक चूहे और बिल्ली का खेल चलता रहा। गोलीबारी के बीच नरेश कुमार और उनका साथी बुद्धि सिंह उस आतंकी, जो लगातार अपनी पोजीशन

बदल रहा था, को मार गिराने की कोशिश में आगे बढ़ते रहे। जैसे ही नरेश कुमार, एल. इबोमचा और रवि शर्मा थोड़ा और समीप पहुंचे, तो वे अपने कवर क्षेत्र से बाहर आ गए और अपनी जान पर खतरे का सोच-समझकर जोखिम लेते हुए ये युवा कमांडर गोलियों की परवाह किए बिना दूसरे आतंकी के बिल्कुल नजदीक आ गए और उसे ढेर कर दिया।

उक्त भवन की संयुक्त रूप से तलाशी ली गई, जिसके परिणामस्वरूप दो विदेशी आतंकियों के शव बरामद हुए, जो लश्कर-ए-तोएबा नामक उग्रवादी संगठन से संबद्ध थे। तलाशी के दौरान 02 ए.के. 47 राइफलें, 04 मैगजीनें, 20 राउण्ड 7.62X29 मि.मी. का गोलाबारूद, 02 चीनी हथगोले, 02 पाउच, 01 वायर कटर, 02 लाइटर, 1500/-रुपये की नकदी, 1.5 किलोग्राम सूखे मेवे भी बरामद हुए।

यह, विपरीत परिस्थितियों में उन्हें सौंपे गए कार्य में उनके अतुलनीय पराक्रम, त्याग और समर्पण को सम्मानित करने तथा जीवन को खतरे में डालकर उनके द्वारा किए गए असाधारण और प्रेरक नेतृत्व, महान संकल्प तथा परिरक्षा के इस सर्वोच्च कार्य, जिसने न केवल उन्हें व्यापक प्रशंसा का पात्र बनाया अपितु अपने समकक्षों और अधीनस्थों को अधिकतम उपलब्धि के लिए प्रयास करने हेतु प्रेरित किया, को सम्मानित करने का अवसर है। उनका अदम्य साहस, निस्वार्थ बलिदान, उत्कृष्ट पराक्रम, असाधारण दिलेरी, दृढ़ प्रतिज्ञ निष्ठा और गंभीर विपरीत परिस्थिति में उच्च कोटि का समर्पण और कर्तव्य के प्रति उनकी वचनबद्धता सम्मान के योग्य है।

इस ऑपरेशन में सर्व/श्री लौकरकपम इबोमचा सिंह, सहायक कमांडेंट, स्व. मो. मोजाहिद खान, कांस्टेबल, रवि शर्मा, सहायक कमांडेंट, नरेश कुमार, सहायक कमांडेंट, एबी थोमस, सहायक कमांडेंट, बुद्धि सिंह, कांस्टेबल, रंजन कुमार, कांस्टेबल, देवसंत कुमार, कांस्टेबल और संत राम सिंह, कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किये जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 12.02.2018 से दिया जाएगा।

पी. प्रवीण सिद्धार्थ
विशेष कार्य अधिकारी

सं. 171-प्रेज/2019—राष्ट्रपति, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के निम्नलिखित अधिकारियों को वीरता के लिए पुलिस पदक प्रदान करते हैं:—

अधिकारियों के नाम एवं रैंक

सर्व/श्री

1. राजेश कुमार कुशवाहा
   हेड कांस्टेबल

2. अभिषेक कुमार सिंह
   कांस्टेबल

3. सूर्य देव दास
   कांस्टेबल

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 20 सितंबर, 2013 को 1100 बजे, समलर वन क्षेत्र के शोखबाबा गांव में मो. लतीफ खान, पुत्र मो. शफी खान के घर में आतंकवादियों के छिपे होने की एक विश्वसनीय सूचना वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बांदीपोरा से प्राप्त हुई। त्वरित कार्रवाई करते हुए, सीआरपीएफ की तीसरी बटालियन के सेकंड इन कमान (ऑपरेशन), वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, बांदीपोरा और 14 आरआर के कमान अधिकारी ने आतंकवादियों को पकड़ने के लिए योजना बनाई और एक संयुक्त ऑपरेशन शुरू किया। तदनुसार, तीसरी बटालियन का त्वरित कार्रवाई दल (क्यूएटी) लक्षित गांव में पहुंचा। योजनानुसार, तीसरी बटालियन की क्यूएटी ने लक्षित मकान के पश्चिमी भाग से दक्षिणी भाग तक घेराबंदी की। आरआर और एसओजी, जम्मू कश्मीर पुलिस के जवानों ने बचे हुए क्षेत्र की घेराबंदी की। जवानों द्वारा लक्षित मकान के चारों ओर आंतरिक घेराबंदी करते समय, आतंकवादियों को उनकी उपस्थिति की भनक लग गई। आतंकवादियों ने घेराबंदी करने में बाधा पहुंचाने और सुरक्षित बच निकलने के लिए जवानों पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। इसके बावजूद, जवानों ने उपयुक्त तरीके से जवाबी कार्रवाई की और घेराबंदी जारी रखी। इस ऑपरेशन में, दोनों ओर से गोलीबारी जारी रहने के फलस्वरूप कुछ ही घंटों के अंदर दो आतंकी मारे गए।

छिपे हुए आतंकवादियों की वास्तविक संख्या की जानकारी नहीं थी। कुछ देर की शांति के बाद, जवानों पर नजदीकी गौशाला से भारी गोलीबारी हुई, जिससे उस जगह कुछ और आतंकवादियों के मौजूद होने का संकेत मिला। दोनों ओर से गोलीबारी संध्या काल तक चलती रही। उपस्थित कमांडरों ने रात होने के कारण ऑपरेशन को रोकने के साथ-साथ कड़ी घेराबंदी को जारी रखने का निर्णय लिया गया, क्योंकि रात हो चुकी थी। पूरी रात गोलीबारी नहीं हुई। अगली सुबह अर्थात, 21 सितंबर को सुबह होते ही गौशाला में छिपे आतंकवादियों ने फिर से गोलीबारी शुरू कर दी। घबराहट में, एक आतंकवादी अंधाधुंध गोलीबारी करते हुए और हथगोला फेंकते हुए गौशाला से भागा। वह उस दिशा में भागा, जहां हेड कांस्टेबल राजेश कुमार कुशवाहा, कांस्टेबल सूर्य देव दास और कांस्टेबल अभिषेक कुमार सिंह ने पोजीशन ले रखी थी ताकि और वह उन्हें डराकर वहां से भाग सके। उसके साथी आतंकवादी नजदीकी मकान से गोलीबारी कर उसकी सहायता कर रहे थे। हेड कांस्टेबल राजेश कुमार कुशवाहा, कांस्टेबल सूर्य देव दास और कांस्टेबल अभिषेक कुमार सिंह उस आतंकवादी की प्रत्येक गतिविधि पर नजर रखे हुए थे, जो उनकी ओर आ रहा था। उन्होंने शांति और संयम बनाए रखा। आतंकवादी ज्योंही नजदीक आकर उनके सटीक निशाने के क्षेत्र में आया, तो वे तीनों हरकत में आ गए। गंभीर खतरे को सामने देखते हुए दृढ़ निश्चय और वीरता का उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए वे अपने कवर से बाहर आए और भागते हुए आतंकवादी पर लगातार घातक प्रहार करते रहे। तीनों बहादुरों की अचूक गोलीबारी ने अपेक्षित परिणाम दिए, क्योंकि आतंकवादी को गोली लग गई और वह वहीं ढेर हो गया।

14आरआर ने लगभग 1230 बजे आईईडी की मदद से गौशाला और नजदीकी मकान को नष्ट कर दिया, जिसके फलस्वरूप बचे हुए आतंकवादी मारे गए। बाद में चलाए गए तलाशी अभियान में 05 मारे गए आतंकवादियों के शव बरामद हुए। सुरक्षा बलों ने मैगजीन और गोलाबारूद के साथ, 05 ए.के. राइफलें और एक पिस्टल भी बरामद की।

मारे गये आतंकवादियों की पहचान साबिर अहमद साहा निवासी-दर्दपोरा, जिला - कुपवाड़ा, फारुख अहमद बजरंग, निवासी केल्लर, जिला - शोपियां, परवेज अहमद तेंदुआ, निवासी-गंदेरबल, जिला-श्रीनगर, बिलाल अहमद धर, निवासी ब्राजलू, जिला - कुलगाम के रूप में हुई और एक की पहचान नहीं हो पाई। सभी प्रतिबंधित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा से संबंधित थे।

इस ऑपरेशन में श्री राजेश कुमार कुशवाहा, हेड कांस्टेबल, अभिषेक कुमार सिंह, कांस्टेबल और सूर्य देव दास कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किये जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 20.09.2018 से दिया जाएगा।

पी. प्रवीण सिद्धार्थ
विशेष कार्य अधिकारी

सं. 172-प्रेज/2019—राष्ट्रपति, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के निम्नलिखित अधिकारियों को वीरता के लिए पुलिस पदक प्रदान करते हैं:—

अधिकारियों के नाम एवं रैंक

सर्व/श्री

1. नीरज कुमार झा
सहायक कमांडेंट

2, सोभा राम
कांस्टेबल

3. धिरेन्द्र सिंह
कांस्टेबल

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

मेंदींपाथर पुलिस थाने, जिला नॉर्थ गारो हिल्स, मेघालय के अंतर्गत चिमा के इम्पेल वन क्षेत्र में, एएमईएफ (ए' चिक मेटग्रिक इलाइट फोर्स) कैडर के एक समूह की मौजूदगी होने के बारे में एक विश्वसनीय सूचना एस.पी. नॉर्थ गारो हिल्स से प्राप्त होने पर 210 बटालियन कोबरा और राज्य पुलिस द्वारा उग्रवादियों को पकडने के लिए एक ऑपरेशन की योजना बनाई गई थी। सूचना के अनुसार, यह समूह स्वचालित हथियारों से पूरी तरह लैस था और उसका नेतृत्व संगठन के जैक मार्क, सी-इन-सी कर रहा था। योजना के मुताबिक, श्री नीरज कुमार झा, सहायक कमांडेंट की कमान में ई/210 कोबरा (40 कार्मिक) की टीम सं. 14 और 15 के सैन्य दल श्री रमेश सिंह आईपीएस अपर पुलिस अधीक्षक, नॉर्थ गारो हिल्स की कमान में मेघालय पुलिस/स्वाट के जवानों के साथ लक्ष्य की ओर रवाना हो गई।

सैन्य दल चुपचाप तरीके से लक्ष्य क्षेत्र में पहुंच गया। लक्ष्य स्थान के पास पहुंचने पर, कोबरा कमांडर श्री एन.के. झा सहायक कमांडर ने अपने सैन्य को दो भागों में बांटा: कट ऑफ पार्टी और असोल्ट पार्टी। श्री दर्शन यादव ने विद्रोहियों को भागने से रोकने के लिए कट ऑफ पार्टी के कमांडर श्री एस.के. झा सहायक कमांडेंट को निर्देश दिया कि वे उनके भागने के सभी संभावित रास्तों को बंद कर दें। सुबह 05:00 बजे के आस-पास सहायक कमांडेंट दर्शन यादव ने असाल्ट पार्टी के कमांडर श्री एस.के. झा, को पुष्टिकरण के तौर पर सूचना दी कि सभी कट ऑफ टीमों ने अपनी पोजीशन ले ली है। पुष्टि होने पर, असॉल्ट पार्टी युक्तिपूर्वक धुंध के मौसम और कुछ न दिखाई देने के बावजूद बहुत सावधानीपूर्वक तथा सभी सुरक्षा दलों के साथ तालमेल रखते हुए दबे पांव लक्ष्य क्षेत्र की तरफ बढती गई।

सुबह 06:40 बजे के आस-पास, जब सैन्य दल क्षेत्र में छानबीन कर रहा था तो 210 कोबरा के कांस्टेबल/जीडी सोभाराम तथा कांस्टेबल/जीडी धिरेन्द्र सिंह ने पॉलीथीन सीट से बना एक अस्थायी तम्बू देखा। उन्होंने तुरंत अपने साथी टुकड़ी को सर्तक किया और पार्टी कमांडर श्री एन.के. झा, सहायक कमांडेंट को सूचित किया। लेकिन इससे पहले कि पार्टी कमांडर इस स्थिति पर कोई प्रतिक्रिया दे पाते, उनके ऊपर गोलियों की बौछार की गई। सैन्य दल ने तुरंत आस-पास की जगहों में पोजीशन ले ली और विद्रोहियों के ठिकाने का पता लगाने लगे। इसी दौरान, पहले अस्थायी तम्बू से लगभग 15-20 मीटर दूर स्थित दूसरे अस्थायी तम्बू के अंदर से गोलियों की एक और बौछार हो गई। विद्रोहियों ने सुरक्षा दल की उपस्थिति को भांप लिया था और वे आगे बढती हुई सेना की टुकड़ियों पर अंधाधुंध गोलीबारी करने लगे। श्री नीरज कुमार झा, सहायक कमांडेंट ने कांस्टेबल/जीडी सोभाराम और धिरेन्द्र सिंह के साथ, यह निश्चय किया कि वे अपनी संयुक्त असॉल्ट पार्टियों की जान के खतरे को विफल करने के लिए पहले अस्थायी तम्बू में छिपे विद्रोहियों पर जबावी हमला करेंगे। विद्रोही और असॉल्ट पार्टी में एक भयानक मुठभेड़ हुई। उपयुक्त तिकड़ी ने, गोलियों की बौछार और सभी विपरीत परिस्थितियों का सामना करते हुए विद्रोहियों पर एक जोरदार हमला किया। श्री नीरज कुमार झा, सहायक कमांडेंट, सोभाराम कांस्टेबल/जीडी और धिरेन्द्र सिंह कांस्टेबल/जीडी की दिलेरी ने विद्रोहियों को हिला दिया और उन्हें उल्टे पांव भागने को मजबूर किया। विद्रोही घने जंगल, धुंध और पहाड़ी इलाकों का फायदा उठाकर भागने में सफल हो गये। यह मुठभेड़ लगभग 15-20 मिनट तक लगातार चली।

मुठभेड़ के बाद, उस क्षेत्र की गहनता से छानबीन की गई, जिसमें एएमईएफ काडर का एक घायल व्यक्ति मिला। सैन्य दल द्वारा उसे तुरंत चिकित्सीय सहायता के लिए ले जाया गया, जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृत एएमईएफ काडर की शिनाख्त बाद में संग्रक एस. संगमा उर्फ अन्दालो सुपुत्र श्री रोबिसन मारक, ग्राम निवासी-रानीघाट हाहिम, पुलिस थाना - बोको, जिला-गोलपारा, असम के रूप में हुई। सेना को एक 7.65 पिस्टल मैगजीन के साथ भी बरामद हुई, जो यूएसए (सं.111) की बनी थी, गोलाबारूद, विस्फोटक, विस्फोटक पदार्थ और केनबूड वायरलेस हैंडहेल्ड सैट मुठभेड़ स्थल से बरामद हुए।

इस ऑपरेशन में सर्व/श्री नीरज कुमार झा, सहायक कमांडेंट, सोभाराम, कांस्टेबल और धिरेन्द्र सिंह, कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किये जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 02.02.2015 से दिया जाएगा।

पी. प्रवीण सिद्धार्थ
विशेष कार्य अधिकारी

सं. 173-प्रेज/2019—राष्ट्रपति, भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) के निम्नलिखित अधिकारियों को वीरता के लिए पुलिस पदक प्रदान करते हैं:—

अधिकारियों के नाम और रैंक

सर्व/श्री

1. राजेश कुमार
   उप कमांडेंट

2. जितेन्द्र
   निरीक्षक

3. सुखदेव डोनकारी
   हेड कांस्टेबल

4. अनिल नेगी
कांस्टेबल

5. महेश कुमार
कांस्टेबल

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 25 अक्तूबर 2017 को लगभग 10.00 बजे विश्वसनीय सूत्र ने छत्तीसगढ़ पुलिस के खादगांव थाना प्रभारी को सूचना दी कि नोटबंदी के दौरान नोट बदलने के लिए दी गई राशि लेने के लिए 24 अक्तूबर की रात से तीन कट्टर नक्सली गुप्त ठिकाने में छिपे हुए हैं तथा वे अगले दिन तक वहां रुके रहेंगे। इस सूचना को पाने के बाद, अधिकारी ने नक्सलियों को पकड़ने के लिए विशेष ऑपरेशन की सावधानीपूर्वक योजना बनाई। उन्होंने अपनी पार्टी को पूरी तरह से जानकारी दी। उन्होंने अपनी पार्टी, जिसमें एसओ-04 तथा 18 सीजीपी कार्मिकों के साथ अन्य रेंको के 31 शामिल थे, को पूर्ण रूप से ब्रीफ कर बेहतर कमांड तथा नियंत्रण के लिए इन्हें चार टीमों में विभाजित किया। पार्टी ने दिनांक 25.10.2017 को 1730 बजे सीओबी से प्रस्थान किया। लगभग 2130 बजे जब पार्टी जीआर-442768 कमकासोर के घने जंगल से उस गुप्त ठिकाने की ओर बढ़ रही थी, तो नक्सलियों ने स्वचालित हथियार जैसे ऐके 47 से पार्टी पर अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी, फिर भी उनके पेशेवर प्रशिक्षण और ब्रीफिंग के बल पर सैन्य दल ने तुरंत जबाबी कार्रवाई की तथा चलने की उपयुक्त युक्ति का इस्तेमाल करते हुए समीपवर्ती धान के खेत में कवर ले लिया। अधिकारी और उनकी पार्टी ने नक्सलियों को जबावी फायरिंग में उलझा लिया तथा उन्हें मार गिराया। दोनों तरफ से गोलीबारी लगातार लगभग एक घंटे तक चलती रही।

अधिकारी ने सचेत कार्रवाई करते हुए सैन्य दल को इस क्षेत्र में घेराबंदी करने का निर्देश दिया, ताकि जीवित बचे नक्सलियों को भागने से रोका जा सके। क्षेत्र को घेरने के बाद अधिकारी तथा सैन्य दल ने सुरक्षित पोजीशन ले ली तथा रात भर पूरी तरह सावधान रहे। 26 अक्तूबर को उजाला होते ही डीसी/जीडी राजेश कुमार तथा उनकी पार्टी ने सावधानी के साथ खोजी कार्रवाई शुरू कर दी तथा एंकाउंटर में मारे गए तीन नक्सलियों के शव तथा साथ में ऐके 47, एसएलआर तथा इन्सास राइफलें, गोलाबारूद तथा अन्य वस्तुएं बरामद किए। मारे गए नक्सलियों की पहचान राकेश डुग्गा (एरिया कमेटी मेम्बर/पालीमडी एसओएस कमांडर), महेश पोटावी उर्फ राजू (एरिया कमैटी मेम्बर) तथा रनजीत नवत्रेती (डिप्टी कमांडर पालीमडी एलओएस) के रूप में हुई। ये कुख्यात नक्सली थे और इनके ऊपर क्रमश: 08 लाख रुपए, 8 लाख रुपए तथा 01 लाख रुपए का इनाम घोषित था। ये अनेक राष्ट्रविरोधी और अपराधी गतिविधियों में शामिल थे, जिनमें एसपी राजनन्दगांव की हत्या, अनेक आईईडी ब्लास्ट, वर्ष 2016 में सारदा खानों के कर्मचारियों की निर्मम हत्या करने जैसे कुकृत्य शामिल है।

सभी कोडल औपचारिकताएं पूरी करने के बाद आपरेशन पार्टी दिनांक 26.10.2017 को 1130 बजे के लगभग सीओबी लौट गई।

इस कार्रवाई को पेशेवर तरीके से अन्जाम दिया गया और सभी सामरिक कवायदों को उपयोग में लाया गया, फायरिंग नियंत्रण बहुत ही प्रभावी तरीके से की गई और इस तथ्य के बावजूद कि रात्रि का समय था, उनकी टीम ने अपनी पार्टी में से किसी के हताहत हुए बिना शतप्रतिशत सफलता हासिल की। यह सावधानीपूर्वक योजना और उसके उपयुक्त कार्यान्वयन करने से ही संभव हुआ था। कमांडर के निजी उदाहरण से टीम में उच्चस्तरीय पेशेवरता और उत्साहवर्धन देखा गया।

ऑपरेशन के दौरान, अधिकारी ने अपनी सुरक्षा को भी नजरदांज करते हुए उच्चस्तरीय वीरतापूर्ण कार्रवाई और टीम भावना का प्रदर्शन किया और अपने सैन्य दल के ऊपर शानदार कमान और नियंत्रण का उदाहण पेश किया। ऑपरेशन को निर्बाध और सफलतापूर्वक पूरा किया गया। अधिकारी के इस शौर्यपूर्ण प्रदर्शन से अनुकरण का उच्चस्तरीय मानक स्थापित हुआ है।

इस ऑपरेशन में सर्व/श्री राजेश कुमार, डिप्टी कमांडेंट, जितेन्द्र, निरीक्षक, सुखदेव डोनकारी, हेड कांस्टेबल, अनिल नेगी, कांस्टेबल तथा महेश कुमार, कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किये जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 25.10.2017 से दिया जाएगा।

पी. प्रवीण सिद्धार्थ
विशेष कार्य अधिकारी

वित्त मंत्रालय

(आर्थिक कार्य विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 15 जनवरी 2020

संकल्प

सं. 5(2)-बी(पी.डी.)/2019—आम जानकारी के लिए यह घोषित किया जाता है कि वर्ष 2019-2020 के दौरान सामान्य भविष्य निधि तथा उसी प्रकार की अन्य निधियों के अभिदाताओं की कुल जमा रकमों पर दी जाने वाली ब्याज दर 1 जनवरी, 2020 से 31 मार्च, 2020 तक 7.9% (सात दशमलव नौ प्रतिशत) होगी। यह दर 1 जनवरी, 2020 से लागू होगी। संबंधित निधियां निम्नलिखित हैं:—

1. सामान्य भविष्य निधि (केंद्रीय सेवाएं)।
2. अंशदायी भविष्य निधि (भारत)।
3. अखिल भारतीय सेवा भविष्य निधि।
4. राज्य रेलवे भविष्य निधि।
5. सामान्य भविष्य निधि (रक्षा सेवाएं)।
6. भारतीय आयुध विभाग भविष्य निधि।
7. भारतीय आयुध कारखाना कामगार भविष्य निधि।
8. भारतीय नौसेना गोदी कामगार भविष्य निधि।
9. रक्षा सेवा अधिकारी भविष्य निधि।
10. सशस्त्र सेना कार्मिक भविष्य निधि।

2. आदेश दिया जाता है कि यह संकल्प भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए।

अंजना वशिष्ठ

उप सचिव (बजट)

PRESIDENT'S SECRETARIAT

New Delhi the 15th August 2019

No. 174-Pres/2019—The President is pleased to award the President's Police Medal for Distinguished Service on the occasion of the Independence Day, 2019 to the under mentioned officers :—

1. SHRI CHAMARTHI JAYARAMA RAJU, DSP, ACB, KURNOAL, ANDHRA PRADESH, 518002
2. SHRI BINOD KUMAR TIWARI, SUB INSPECTOR, STF, BIHAR, PATNA, BIHAR, 800001
3. SHRI T R PAINKARA, DEPUTY INSPECTOR GENERAL OF POLICE, KANKER RANGE KANKER, CHHATTISGARH, 494334
4. SHRI SHIVAJI SINHA, JOINT CP/SECURITY/PM, VINAY MARG, DELHI, NCT OF DELHI, 110021
5. SHRI DINESH TIWARI, ASSISTANT COMMISSIONER OF POLICE/LEGAL CELL/PHQ, I.P. ESTATE, POLICE HEADQUARTERS, DELHI, NCT OF DELHI, 110002
6. SMT. PUSHPA JAGGI, W/SUB INSPECTOR, SOUTH DISTRICT, DELHI, NCT OF DELHI, 110016
7. SHRI ARVIND K. GAWAS, SUPERINTENDENT OF POLICE, MARGAO, GOA, 403601
8. SHRI SHAILESH DEVIPRASAD RAVAL, POLICE INSPECTOR, OFFICE OF THE ADDL. D.G. OF POLICE, CID INTELLIGENCE GS, POLICE BHAVAN GANDHINAGAR, GUJARAT, 382007
9. DR. B K SINHA, DGP, CHANDIGARH, HARYANA, 160017
10. SHRI SUBHASH CHANDER, SUB INSPECTOR, PANCHKULA, HARYANA, 134109
11. SHRI NAND KISHORE SINGH, INSPECTOR OF POLICE, DHANBAD, JHARKHAND, 626001
12. SHRI BASAPPA S ANGADI, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, CHIKKAMGALURU SUB DIVISION, CHIKKAMAGALURU DISTRICT,KARNATAKA, 577101
13. SHRI ABDUL KARIM U, DISTRICT POLICE CHIEF, KOZHIKODE RURAL, KERALA, 673105
14. SHRI K T VAIPHEI, ADG, POLICE ACADEMEY BHAURI BHOPAL, MADHYA PRADESH, 462011
15. SHRI BANWARI LAL DOHARE, ASSISTANT COMMANDANT, 2ND BN SAF KAMPOO LASHKAR GWALIOR, MADHYA PRADESH, 474001
16. SHRI HARSH KUMAR SAXENA, DSP, SPECIAL BRANCH PHQ, BHOPAL, MADHYA PRADESH, 462008
17. SHRI RAM SHARAN SINGH, SUB INSPECTOR, 24TH BN SAF JAORA RATLAM, MADHYA PRADESH, 457226
18. SHRI MILIND SATHE, SUBEDAR M, SPEICAL BRANCH PHQ, BHOPAL, MADHYA PRADESH, 462008
19. SHRI RAMCHANDRA SHIVAJI JADHAV, ASST. COMMISSIONER OF POLICE, PIMPRI CHINCHWAD COMMISSIONER OFFICE, PUNE, MAHARASHTRA, 411033
20. SHRI RAJARAM RAMRAO PATIL, DY. SUPERINTENDENT OF POLICE, SDPO KARVEER DIVISION, KOLHAPUR, MAHARASHTRA, 416003
21. SHRI MILIND BHIKAJI KHETLE, ASST. COMMISSIONER OF POLICE, SAKINAKA DIVISION, PUNCHKUTIR, PAWAR WADI, J.V. LINK ROAD, POWAI, MUMBAI, MAHARASHTRA, 400076
22. SHRI HARISHCHANDRA GOPALA KALE, ASST. COMMANDANT, SRPF GR II, PUNE, MAHARASHTRA, 411002
23. SHRI MARUTI KALLAPPA SURYAWANSHI, ASSTT. SUB INSPECTOR, DISTRICT SPECIAL BRANCH, SANGALI, MAHARASHTRA, 416415
24. SHRI ELANGBAM PRIYOKUMAR SINGH, INSPECTOR GENERAL OF POLICE, POLICE HEADQUARTER, IMPHAL, MANIPUR, 795001
25. SHRI MOIRANGTHEM IBOBI SINGH, SUBEDAR, 6 INDIA RESERVE BATTALION, PANGEI, MANIPUR, 795114
26. SHRI ADDISON ROY MAWTHOH, DEPUTY INSPECTOR GENERAL OF POLICE (TRAINING), OLD MPRO OFFICE OPPOSITE DGP BUILDING MEGHALAYA SHILLONG, MEGHALAYA, 793001
27. SHRI SEMINAR SINGH KYNJING, DEPUTY INSPECTOR GENERAL OF POLICE ADMINISTRATION, POLICE HEAD QUARTER SHILLONG, MEGHALAYA, 793001
28. SHRI MALSAWMA ROYTE, DY. SP, CID(SB), AIZAWL, MIZORAM, 796001

29. SHRI PRAMOD KUMAR RATH, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, CID CB CUTTACK, ODISHA, 753001

30. SHRI SIBA NARAYAN RATH, ASSISTANT SUB INSPECTOR OF POLICE, VIGILANCE DIRECTORATE CUTTACK, ODISHA, 753001

31. SHRI JASMINDER SINGH, DGP, RAILWAYS, PUNJAB, CHANDIGARH, PUNJAB, 160009

32. SHRI HEMANT PRIYADARSHY, DIRECTOR, RAJASTHAN POLICE ACADEMY JAIPUR, RAJASTHAN, 302016

33. SHRI BANWARI LAL, HEAD CONSTABLE, THIRD BN RAJ BIKANER, RAJASTHAN, 334001

34. SHRI SHANKAR JIWAL, ADGP/CVO, TNCMPF, AAVIN, CHENNAI., TAMIL NADU, 600035

35. SHRI K SABARINATHAN, SUB-INSPECTOR OF POLICE, POLICE RECRUIT SCHOOL, COIMBATORE, TAMIL NADU, 641018

36. SHRI KOTHAKOTA SRINIVASA REDDY, ADDITIONAL DGP GREY HOUNDS, HYDERABAD, TELANGANA, 500008

37. SHRI T PRABHAKAR RAO, IGP, HYDERABAD, TELANGANA, 500016

38. SHRI JITENDRA DEBBARMA, COMMANDANT, KHOWAI, TRIPURA, 799207

39. SHRI RAM KISHORE YADAV, A.R.O., MATHURA, UTTAR PRADESH, 281001

40. SHRI RAN VIJAY SINGH, DY.SP, MAHARAJGANJ, UTTAR PRADESH, 273303

41. SHRI SHOBRATI KHAN, PLATOON COMMANDER, 36BN PAC VARANASI, UTTAR PRADESH, 221008

42. SHRI NARESH BABU DIXIT, SUB INSPECTOR, JHANSI, UTTAR PRADESH, 284201

43. SHRI ARUN KUMAR MISHRA, SUB INSPECTOR, AMETHI, UTTAR PRADESH, 227409

44. SHRI POORAN SINGH RAWAT, IG, CID HQRS DEHRADUN, UTTARAKHAND, 248001

45. SMT. BIMLA GUNJIYAL, DIG, INTELLIGENCE HQRS DEHRADUN, UTTARAKHAND, 248001

46. SHRI SASHIKANT PUJARI, ADDITIONAL DIRECTOR GENERAL OF POLICE, WEST BENGAL HUMAN RIGHTS COMMISSION, PURTABHABAN, SECTOR-I, SALT LAKE CITY, KOLKATA, WEST BENGAL, WEST BENGAL, 700091

47. SHRI RAM CHANDRA RAJAK, ASSISTANT SUB INSPECTOR OF POLICE, ENFORCEMENT BRANCH, WEST BENGAL, 1ST FLOOR BHABANI BHAWAN, ALIPORE, KOLKATA, WEST BENGAL, 700027

48. SHRI JAY KISHAN, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE (ESTT), PHQ ESTT, PORT BLAIR, ANDAMAN AND NICOBAR ISLANDS, 744104

49. SHRI PRATAP SINGH, SUBEDAR, THINGHAT, ASSAM RIFLES, 932002

50. SHRI OM PRAKASH TRIPATHI, DIG, FHQ BSF NEW DELHI, BSF, 110003

51. SHRI ASHOK KUMAR YADAV, DIG, FTR HQ BSF TRIPURA, BSF, 110003

52. SHRI RAVENDRA PAL SINGH MALIK, DIG, SRO BSF NEW DELHI, BSF, 110003

53. SHRI BALBIR SINGH SANDHU, 2IC(WORKS) NOW COMMANDANT (WORK), FHQ BSF NEW DELHI, BSF, 110003

54. SHRI SUDHIR KUMAR MISHRA, DEPUTY COMMANDANT, 165 BATTALION BSF GREATER NOIDA, UTTAR PRADESH, BSF, 201306

55. SHRI SATYABIR SINGH, COMMANDANT, CISF 12TH RES. BN BEHROR, CISF, 301701

56. SHRI R PAINGKANNAN, DEPUTY COMMANDANT, CISF UNIT 10TH R B ARAKKONAM, CISF, 631152

57. SHRI S RAVEENDRAN, SUB-INSPECTOR, CISF UNIT IPRC MAHENDRAGIRI, CISF, 627133

58. DR. THANIKACHALAM SEKAR, INSPECTOR GENERAL, CSJWT, CRPF, BELGAUM, KARNATAKA, CRPF, 591345

59. SHRI DINESH KUMAR TRIPATHI, DY INSPECTOR GENERAL, GC, CRPF, MOKAMAGHAT, CRPF, 803303

60. SHRI SUNIL JOON, DY INSPECTOR GENERAL, DIRECTORATE GENERAL, CRPF, CGO COMPLEX, NEW DELHI, CRPF, 110003

61. SHRI B RAGHU, ASSISTANT COMMANDANT, 117 BN, CRPF, SRINAGAR, J&K, CRPF, 190008

62. SHRI BHABATOSH SINHA, DEPUTY INSPECTOR GENERAL, CENTRAL WEAPON STORE, ITBP, PO: RUPAI SIDDING DISTT: TINSUKIA (ASSAM), ITBP, 786153

63. SHRI JAIPAL YADAV, DEPUTY INSPECTOR GENERAL, SECTOR HEADQUARTER (L & C), ITBP, CHHAWLA CAMP, NEW DELHI, ITBP, 110071

64. SHRI RABINDRA PANDEY, DEPUTY INSPECTOR GENERAL, NORTHERN FRONTIER HEADQUARTER, ITBP, DEHRADUN, (UTTRAKHAND), ITBP, 248146

65. SHRI BALRAJ SINGH, SUBEDAR MAJOR, 49TH BN, ITBP, PO: BASAR, DISTT: LEPA RADA (ARUNACHAL PRADESH), ITBP, 791101

66. DR. MILIND PRABHAKAR WASE, DIG (VETY), FHQ, SSB, R.K.PURAM, NEW DELHI, SSB, 110066

67. SHRI PANKAJ KUMAR SRIVASTAVA, JOINT DIRECTOR, HOZ KOLKATA, CBI, 700020

68. SHRI PRASHANT KUMAR PANDE, SUPERINTENDENT OF POLICE, ACB JABALPUR, CBI, 482002

69. SHRI RAVI GAMBHIR, ADDITIONAL SUPERINTENDENT OF POLICE, AC-VI(SIT) NEW DELHI, CBI, 110003

70. SHRI SANJAY KUMAR, INSPECTOR, AC-II, NEW DELHI, CBI, 110003

71. SHRI BAILUR SATISH PRABHU, INSPECTOR, ACB, HYDERABAD, CBI, 500095

72. SHRI AMAR SINGH, SUB INSPECTOR OF POLICE, ACB, NEW DELHI, CBI, 110003

73. SHRI KUSUM PAL SINGH, ASSISTANT SUB INSPECTOR OF POLICE, ACB, NEW DELHI, CBI, 110003

74. SHRI KRISHAN PAL SINGH, HEAD CONSTABLE, CBI, EO-II, NEW DELHI, CBI, 110003

75. SHRI OM PRAKASH SRIVASTAVA, JOINT DEPUTY DIRECTOR, IB HQRS. MINISTRY OF HOME AFFAIRS, NEW DELHI, 110021

76. SHRI DHANISH CHINAN NELLIKKA, ASSISTANT DIRECTOR, SIB, MINISTRY OF HOME AFFAIRS, TRIVANDURM, 695014

77. SHRI PARVEZ MUJTABA SIDDIQUI, ASSISTANT DIRECTOR, IB HQRS, MINISTRY OF HOME AFFAIRS, NEW DELHI, 110021

78. SHRI LAL CHAND, DEPUTY CENTRAL INTELLIGENCE OFFICER CIO, SIB, MINISTRY OF HOME AFFAIRS, AMRITSAR, 143001

79. SHRI GAJENDRA SINGH CHOUDHARY, DEPUTY CENTRAL INTELLIGENCE OFFICER, SIB, MINISTRY OF HOME AFFAIRS, DELHI, 110011

80. SHRI REX PAUL RAJ MARIA, ASSISTANT CENTRAL INTELLIGENCE OFFICER-I, SIB, MINISTRY OF HOME AFFAIRSBENGALURU, 560001

81. SHRI HANUMANT KRISHNA BAPAT, ASSISTANT CENTRAL INTELLIGENCE OFFICER-I, SIB, MINISTRY OF HOME AFFAIRS, MUMBAI, 400051

82. SHRI RAKESH KUMAR SINGH, ASSISTANT CENTRAL INTELLIGENCE OFFICER-II, SIB, MINISTRY OF HOME AFFAIRS, RANCHI, 834008

83. SHRI LOK RAJ SHARMA, ASSISTANT CENTRAL INTELLIGENCE OFFICER-II, SIB, MINISTRY OF HOME AFFAIRS, JAMMU, 182201

84. SHRI SHUBAN KUMAR BHAT, ASSISTANT CENTRAL INTELLIGENCE OFFICER-II, IB HQRS., MINISTRY OF HOME AFFAIRS, NEW DELHI, 110021

85. SHRI DINESH SINGH RAWAT, ASSISTANT INSPECTOR GENERAL, SPG DELHI, SPG, 110077

86. SHRI YADVENDRA MANI UPADHYAY, DIG (ADMN.), LNJN NICFS (MHA), LNJN NICFS, 110085

87. SHRI S K JHA, DEPUTY DIRECTOR GENERAL (NORTHERN REGION), NARCOTICS CONTROL BUREAU, NEW DELHI, NCB, 11006688. SHRI RANDEEP KUMAR RANA, DIG, HQ DG NDRF NEW DELHI, NDRF, 110001

89. SHRI THYGARAJAN GOPAKUMAR, ASSISTANT SECURITY COMMISSIONER, ERNAKULAM, M/O RAILWAYS, 682016

2. These awards are made under rule 4(ii) of the rule governing the grant of President's Police Medal for Distinguished Service.

P PRAVEEN SIDDHARTH
Officer on Special Duty

No. 175-Pres/2019—The President is pleased to award the Police Medal for Meritorious Service on the occasion of the Independence Day, 2019 to the under mentioned officers :—

1. SHRI RAJIV KUMAR MEENA, INSPECTOR GENERAL OF POLICE GUNTUR RANGE, GUNTUR, ANDHRA PRADESH, 522004
2. SHRI G VIJAY KUMAR, SUPERINTENDENT OF POLICE, INTELLIGENCE, VIJAYAWADA, ANDHRA PRADESH, 520008
3. SHRI GOLLA RAMANJANEYULU, ADDITIONAL SUPERINTENDENT OF POLICE, ANANTAPURAMU, ANDHRA PRADESH, 515001
4. SHRI K BHASKARA RAO, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, MANGALAGIRI, ANDHRA PRADESH, 522503
5. SHRI VASAGIRI GIRIDHARA, CIRCLE INSPECTOR OF POLICE, TIRUPATI, ANDHRA PRADESH, 517501
6. SHRI PALAPARTHI SARATH BABU, INSPECTOR OF POLICE, VIJAYAWADA, ANDHRA PRADESH, 520001
7. SHRI BADANA SOMAIAH, ASSAULT COMMANDER, HYDERABAD, ANDHRA PRADESH, 500089
8. SHRI J NARASIMHA MURTHY, HEAD CONSTABLE, KAKINADA, ANDHRA PRADESH, 533005
9. SHRI VELAKATURI VISWANATHA NAIDU, SUB INSPECTOR OF POLICE, CHITTOOR, ANDHRA PRADESH, 571001
10. SHRI THIPARANI SRINIVASA RAO, ASSISTANT SUB INSPECTOR, MANGALAGIRI, ANDHRA PRADESH, 522503
11. SHRI BANDARU JAYARAMUDU, SUB INSPECTOR OF POLICE, KADAPA, ANDHRA PRADESH, 516001
12. SHRI CH V VEERANJANEYULU, ASSISTANT SUB INSPECTOR, PORANKI, ANDHRA PRADESH, 521137
13. SHRI GOKANABOYINA ARUN PRASAD, ASSISTANT SUB INSPECTOR, GUNTUR, ANDHRA PRADESH, 522034
14. SHRI M KRISHNA, POLICE CONSTABLE, MANGALAGIRI A P, ANDHRA PRADESH, 522503
15. SHRI BEDANTA MADHAB RAJKRHOWA, DEPUTY COMMISSIONER OF POLICE (SECURITY& INTELLI, O/O THE COMMISSIONER OF POLICE, GUWAHATI, ASSAM, 781001
16. SHRI DWIJEN CHANDRA DAS, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE (HQ), CID, ASSAM, ULUBARI, GUWAHATI, ASSAM, 781007
17. SHRI PRAFULLA BARMAN, INSPECTOR OF POLICE(UB), O/O THE ADGP, BI(EO), ASSAM, SRIMANTAPUR, GUWAHATI, ASSAM, 781032
18. SHRI K BASANTA SINGHA, POLICE SUB-INSPECTOR (AB), POLICE TRAINING COLLEGE DERGAON, ASSAM, ASSAM, 785614
19. SHRI APURBA SARMA, ASSTT. SUB-INSPECTOR OF POLICE (UB), GOALPARA DEF, ASSAM, 783121
20. SHRI MUZHARUL ISLAM LASKAR, ASSTT. SUB-INSPECTOR OF POLICE (UB), PANCHGRAM POLICE STATION, HAILAKANDI D.E.F., ASSAM, 788802
21. SHRI MANAB SONOWAL, HEAD CONSTABLE, SADIYA D.E.F., ASSAM, 786157
22. SHRI RANTU KUMAR GOGOI, NAIK -514, TINSUKIA DEF, ASSAM, 786126
23. SHRI KRIPASINDHU PURKAYASTHA, CONSTABLE AB-267 267, TINSUKIA D.E.F., ASSAM, 786126
24. SHRI ABANI KUMAR CHAKRABORTY, CONSTABLE (AB)- 783,ASSAM, 783301
25. SHRI MOHESWAR SONOWAL, CONSTABLE (UB),, ASSAM, 786157
26. SHRI UTPAL JYOTI DEKA, CONSTABLE (UB), CID, ASSAM,ULUBARI, GUWAHATI, ASSAM, 781007

27. SHRI BINOD KUMAR, COMMANDANT, BMP-11, JAMUI, BIHAR, 811313

28. SHRI MRITUNJAY KUMAR SINGH, DSP, SECURITY, SARDAR PATEL BHAWAN, PATNA, BIHAR, 800001

29. SHRI JAI NARAYAN PRASAD, DSP, EOU, PATNA, BIHAR, 800001

30. SHRI MITHILESH KUMAR SINGH, DSP, BMP-14, PHULWARI SHARIF, PATNA, BIHAR, 800014

31. SHRI BHAGWAT PRASAD, ASI, DIG STF OFFICE, BIHAR, 800023

32. SHRI KAMLESH KUMAR UPADHYAY, HAVALDAR, BMP HQ, PATNA, BIHAR, 800023

33. SHRI SUNIL KUMAR RAI, CONSTABLE, IG OFFICE PATNA, BIHAR, 800001

34. SHRI LALKESHWAR DAS, SUB INSPECTOR, BMP-14, PATNA, BIHAR, 800014

35. SHRI KHADAK BAHADUR PRADHAN, SUB INSPECTOR, BMP-01, PATNA, BIHAR, 800014

36. SHRI BHARAT SHARMA, ARMOURER, SUB-INSPECTOR, BMP-01, PATNA, BIHAR, 800014

37. SHRI SUDEIN LAMA, SUB INSPECTOR (A), BMP-01, PATNA, BIHAR, 800014

38. SHRI KASIMUDDIN KHALIFA, HAVILDAR, BMP-10, PATNA, BIHAR, 800014

39. SHRI SUBODH KUMAR PANDEY, HAVILDAR/DRIVER, STF-PATNA, BIHAR, 800014

40. SHRI PRASHANT KUMAR MUKHARJEE, DSP, NAXAL OPERATION PHQ RAIPUR, CHHATTISGARH, 492002

41. SHRI BHARAT LAL SAHU, COMPANY COMMANDER, CTJW COLLEGE KANKER, CHHATTISGARH, 494334

42. SHRI AMAR SINGH, ASSISTANT COMMANDANT, 8TH BN CAF ATTACHED CG BHAWAN NEW DELHI, CHHATTISGARH, 110021

43. SHRI BIRSU SINGH MARAVI, HEAD CONSTABLE, CID PHQ RAIPUR, CHHATTISGARH, 492002

44. SMT. DEVKI KASHYAP, LADY HEAD CONSTABLE, PINK TEAM JAGDALPUR, CHHATTISGARH, 494001

45. SHRI SANAT KUMAR JAIN, DSP FINGER PRINT, CID PHQ RAIPUR, CHHATTISGARH, 492002

46. SHRI RAM SHRINGAR YADAV, DSP SB, SURAJPUR, CHHATTISGARH, 497229

47. SHRI T VENKAT SAI, INSPECTOR (M), IGP OFFICE, JAGDALPUR BASTAR, CHHATTISGARH, 494001

48. SHRI RAMADHAR YADAV, HEAD CONSTABLE, POLICE LINE KABIRDHAM, CHHATTISGARH, 491995

49. SHRI MANHARAN VERMA, ASI, STATE POLICE ACADEMY, CHANDKHURI, RAIPUR, CHHATTISGARH, 492101

50. SHRI CHOU KUNDIMANG MEIN, ADDITIONAL COMMISSIONER OF POLICE/ARMED POLICE, NEW POLICE LINES, DELHI, NCT OF DELHI, 110009

51. SHRI MOHD AKHTER RIZVI, DEPUTY COMMISSIONER OF POLICE/LAND & BUILDING CELL, DELHI POLICE HEADQUARTERS, I.P. ESTATE, DELHI, NCT OF DELHI, 110002

52. SHRI HARENDRA KUMAR SINGH, ADDITIONAL DEPUTY COMMISSIONER OF POLICE-I/NORTH, CIVIL LINES, DELHI, NCT OF DELHI, 110054

53. SMT. SUMAN NALWA, DCP (PRINCIPAL, POLICE TRAINING SCHOOL), DWARKA, DELHI, NCT OF DELHI, 110077

54. SMT. MEENA NAIDU, ASSISTANT COMMISSIONER OF POLICE CUM ASSTT. PUBLIC INFORMATION OFFICER, ASSISTANT PUBLIC INFORMATION OFFICER, POLICE HEADQUARTERS, DELHI, NCT OF DELHI, 110002

55. SHRI HARISH CHANDER, INSPECTOR (EXECUTIVE), RASTRAPATI BHAWAN, DELHI, NCT OF DELHI, 110004

56. SHRI MOHAN SINGH RAWAT, INSPECTOR, PS BARAKHAMBA ROAD, NEW DELHI., NCT OF DELHI, 110001

57. SHRI MAHESH KUMAR, INSPECTOR (LOOKAFTER), MAPPING SECTION, CRIME BRANCH, DELHI, NCT OF DELHI, 110002

58. SMT. RAJNI LAKHANI, INSPECTOR STENOGRAPHER, STF CBI, HEADQUARTERS, NCT OF DELHI, 110002

59. SHRI ARUN KUMAR SINGH, SUB INSPECTOR (NOW INSPECTOR LOOKAFTER), SPECIAL BRANCH, ASAF ALI ROAD, DELHI, NCT OF DELHI, 110002

60. SMT. CHHANDA SAHIJWANI, INSPECTOR (TECHNICAL), SPECIAL CELL, NEW DELHI, NCT OF DELHI, 110003

61. SHRI MOHINDER SINGH, INSPECTOR (MINISTERIAL), QUARTER ALLOTMENT CELL/POLICE HEADQUARTERS, NCT OF DELHI, 110002

62. MRS. KIRAN SETHI, SUB INSPECTOR (SPECIAL GRADE), SWAT TEAM, SPECIAL CELL, BARAKHAMBA ROAD, NEW DELHI., NCT OF DELHI, 110001

63. SHRI BHERU SINGH RATHORE, ASSISTANT SUB INSPECTOR (SPECIAL GRADE), SECOND BN. DAP, NCT OF DELHI, 110009

64. SHRI VIJAYAN G, ASSISTANT SUB INSPECTOR (SPECIAL GRADE), VINAY MARG, CHANAKYA PURI, NEW DELHI., NCT OF DELHI, 110021

65. SHRI BAIG PAL SINGH, ASSISTANT SUB INSPECTOR (SPECIAL GRADE), POLICE CONTROL ROOM, NCT OF DELHI, 110009

66. SHRI DHARMESH G.P. ANGLE, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, PANAJI, GOA, 403001

67. SHRI DATTARAM NAIK, ASSISTANT SUB INSPECTOR, PANAJI, GOA, 403400

68. SHRI SUNIL FALKAR, HEAD CONSTABLE, PANAJI, GOA, 403001

69. SHRI SHABEER ALI SAIYED KAZI, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, SC/ST CELL, EAST KUTCH GANDHIDHAM, GUJARAT, 370205

70. SHRI RAJNIKANT LAKHABHA SOLANKI, DY. SUPERINTENDET OF POLICE, DY .S.P. OFFICE PETLAD DIVISION DIST -ANAND, GUJARAT, 388450

71. SHRI BHARATSINH JADEJA, DY. SUPERINTENDET OF POLICE, DY .S.P. OFFICE ANAND DIVISION DIST -ANAND, GUJARAT, 388001

72. SHRI AKASHBHAI MANHARBHAI PATEL, ASST. COMMISSIONER OF POLICE, TRAFFIC "B" DIVISION, OLD SHAHIBAUG POLICE STATION AHMEDABAD CITY, AHMEDABAD., GUJARAT, 380004

73. SHRI PIYUSH PRAGJIBHAI PIROJIYA, DEPUTY SUPERINTEN-DENT OF POLICE, OFFICE OF THE SUPERINTENDENT OF POLICE, WESTERN RAILWAY, OPP NEW CENTRAL JAIL, RANIP, AHMEDABAD, GUJARAT, 382480

74. SHRI PRATIPALSINH AJITSINH JHALA, DY. SUPERINTENDENT OF POLICE, PALITANA, DIST: BHAVNAGAR, GUJARAT, 364270

75. SHRI MUKESHCHANDRA MANILAL PATEL, ARMED DY.S.P., OFFICE OF THE COMMANDANT S.R.P.F.GR.-XVII CHELA, JAMNAGAR, GUJARAT, 361012

76. SHRI NARESH KUMAR RANAJI SUTHAR, POLICE SUB INSPECTOR WIRELESS, ADGP TECHNICAL SERVICES,7TH FLOOR,POLICE BHAVAN, GANDHINAGAR, GUJARAT, 382018

77. SHRI LALITKUMAR RATNABHAI MAKWANA, P.S.I. M.T.O., M.T. BRANCH, VALSAD, GUJARAT, 396001

78. SHRI PRATAPJI SUKHAJI CHAUHAN, UNARMED POLICE HEAD CONSTABLE, O/O THE JOINT COMMISSIONER OF POLICE, CRIME BRANCH, AHMEDABAD CITY, AHMEDABAD., GUJARAT, 380001

79. SHRI SATYPALSINGH MOHBATSINGH TOMAR, UN-ARMED HEAD CONSTABLE, DETECTIVE CRIME BRANCH, OFFICE OF THE COMMISSIONER OF POLICE SURAT CITY, ATHWALIES SURAT, GUJARAT, 395001

80. SHRI CHETANSINH NATVARSINH RATHOD, UNARMED POLICE HEAD CONSTABLE, O/O THE JOINT COMMISSIONER OF POLICE, CRIME BR., AHMEDABAD CITY, AHMEDABAD, GUJARAT, 380001

81. SHRI VEER SINGH, DSP, PATAUDI, GURUGRAM, HARYANA, 122001

82. SHRI RAM PARTAP, EXEMPTEE SUB INSPECTOR, PANCHKULA, HARYANA, 134009

83. SMT. LALY VARGHESE, LADY INSPECTOR, GURUGRAM, HARYANA, 122001

84. SHRI OM PARKASH, DSP, PANCHKULA, HARYANA, 134109

85. SHRI SARWAN KUMAR, INSPECTOR, PANCHKULA, HARYANA, 134109

86. SHRI PARKASH CHAND, SUB INSPECTOR, FARIDABAD, HARYANA, 121001

87. SHRI VARINDER KUMAR, SUB INSPECTOR, SVB PANCHKULA, HARYANA, 134009

88. SHRI VIKAS, INSPECTOR, AMBALA CANTT., HARYANA, 133001

89. SHRI SUMAN KUMAR, ASSISTANT SUB INSPECTOR, SUB PANCHKULA, HARYANA, 134009

90. SHRI RAVINDER KUMAR, ASSISTANT SUB INSPECTOR, GURUGRAM, HARYANA, 122001

91. SHRI ANIL KUMAR, INSPECTOR, MADHUBAN KARNAL, HARYANA, 132037

92. SHRI BAHADUR SINGH, INSPECTOR, DISTRICT CHAMBA, HIMACHAL PRADESH, 176215

93. SHRI GURBACHAN SINGH, STATION HOUSE OFFICER, SUNDERNAGAR, DISTT. MANDI, HIMACHAL PRADESH, 175001

94. SHRI MANOJ KUMAR, STATION HOUSE OFFICER, PS GOHAR, DISTT. MANDI, HIMACHAL PRADESH, 175001

95. SHRI RAKESH KUMAR DHAR, SSP ACS TELECOM, JAMMU, JAMMU AND KASHMIR, 180015

96. SHRI TEJINDER SINGH, VICE PRINCIPAL, PTS KATHUA, JAMMU AND KASHMIR, 184101

97. SHRI AEJAZ AHMAD BHAT, CHIEF PROSECUTING OFFICER, CRIME BRANCH KASHMIR, JAMMU AND KASHMIR, 190001

98. SHRI DEVINDER SINGH, DYSP, GANDHI NAGAR JAMMU, JAMMU AND KASHMIR, 180004

99. SHRI ZAHID HUSSAIN MIR, INSPECTOR (COMPUTER), POLICE HEADQUARTER J&K SRINAGAR, JAMMU AND KASHMIR, 190014

100. SHRI VISHAL SHOOR, INSPECTOR, PC AMNOO KULGAM, JAMMU AND KASHMIR, 192231

101. SHRI MOHD ASHRAF BHAT, INSPECTOR, SHO POLICE STATION KUPWARA, JAMMU AND KASHMIR, 193222

102. SHRI MOHD ASHRAF PADDER, SUB INSPECTOR, CID HEADQUARTER J&K, JAMMU AND KASHMIR, 190001

103. SHRI MOHINDER PAL RAMDASI, SUB INSPECTOR, INCHARGE PC KRALGUND, JAMMU AND KASHMIR, 193221

104. SHRI TEJ KRISHAN PANDIT, ASI, PHQ J&K SRINAGAR, JAMMU AND KASHMIR, 190014

105. SHRI MOHD SADIQ, ASI, SKPA UDHAMPUR, JAMMU AND KASHMIR, 182104

106. SHRI ABDUL HAMID MIR, HEAD CONSTABLE, PC KUPWARA, JAMMU AND KASHMIR, 193222

107. SHRI TEJ KRISHAN, HEAD CONSTABLE, IRP 3RD BN. PARIHASPORA PATTAN BARAMULLA, JAMMU AND KASHMIR, 193121

108. SHRI RAVINDER SINGH, SG. CONSTABLE, DISTRICT SPECIAL BRANCH KATHUA, JAMMU AND KASHMIR, 184101

109. SHRI SUSHEEL KUMAR, SG. CONSTABLE, CTC LETHPORA PULWAMA, JAMMU AND KASHMIR, 192122

110. SHRI PARMESHWAR PRASAD, DYSP (HQ), LOHARDAGA, JHARKHAND, 835302

111. SHRI RANBIR PRASAD SINGH, CIVIL JAMADAR, GUMLA, JHARKHAND, 835207

112. SHRI ARUN KUMAR BHAGAT, STENO SUB INSPECTOR, LOHARDAGA, JHARKHAND, 835302

113. SHRI SHANKAR NATH, ASSISTANT SUB INSPECTOR, CID, RANCHI, JHARKHAND, 834002

114. SHRI SHYAMAL KUMAR MANDAL, ASSISTANT SUB INSPECTOR, BOKARO, JHARKHAND, 827004

115. SHRI RATAN LAL LAYEK, ASSISTANT SUB INSPECTOR, BOKARO, JHARKHAND, 827012

116. SHRI CHITTRANJAN PRASAD SINHA, ASSISTANT SUB INSPECTOR, RANCHI, JHARKHAND, 834001

117. SHRI VIJAY KUMAR RANJAN, ASSISTANT SUB INSPECTOR, KODERMA, JHARKHAND, 825410

118. SHRI MD JAMAL AHAMAD, ASSISTANT SUB INSPECTOR, GODDA, JHARKHAND, 814133

119. SHRI JEROM BAKHLA, HAVILDAR, JUNGLE WARFARE SCHOOL, NETARHAT, JHARKHAND, 835218

120. SHRI PREM KUMAR, HEAD CONSTABLE, JAP 10, RANCHI, JHARKHAND, 835217

121. SHRI DINESH PRASAD, HAVILDAR, JAP 10, RANCHI, JHARKHAND, 835217

122. SHRI IFTEKHAR KHAN, HEAD CONSTABLE, JAP 10, RANCHI, JHARKHAND, 835217

123. SHRI NIRANJAN BHAGAT, HEAD CONSTABLE, PALAMU, JHARKHAND, 822101

124. SHRI RAMESHWAR SINGH YADAV, HAVILDAR, KHUNTI, JHARKHAND, 835210

125. SHRI IRKAN KUJUR, HAVILDAR, KHUNTI, JHARKHAND, 835210

126. SMT. PUSHPA TOPPO, HAVILDAR, KHUNTI, JHARKHAND, 835210

127. SHRI SUNIL KUMAR, HEAD CONSTABLE, CHATRA, JHARKHAND, 825401

128. SHRI MD. AMJAD KHAN, CONSTABLE, PALAMU, JHARKHAND, 822101

129. SHRI N R MAHANTHA REDDY, ASST COMMISSIONER OF POLICE, CHIKPET SUB DIVISION, KARNATAKA, 560053

130. SHRI T MANJUNATH, ASST. COMMISSIONER OF POLICE, HALASURU SUB-DIVISION,, KARNATAKA, 560008

131. SHRI K RAVISHANKER, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, C I D BANGALURU, KARNATAKA, 560102

132. SHRI B R VENUGOPAL, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, MAGADI SUB DIVISION, KARNATAKA, 562130

133. SHRI K C LAKSHMINARAYANA, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, DCRB CHAMARAJANAGAR, KARNATAKA, 571313

134. SHRI M. K THAMMAIAH, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, A C B BENGALURU CITY, KARNATAKA, 560001

135. SHRI S H SUBEDAR, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, LINGASUGURU SUB DIVISION, KARNATAKA, 584122

136. DR. PRAKASH S, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, IGP CENTRAL RANGE BENGALURU, KARNATAKA, 560001

137. SHRI K SUNDAR RAJ, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, MADIKERI SUB DIVISION, KARNATAKA, 571201

138. SHRI RAM RAO KOTWAL, ASSISTANT COMMISSIONER OF POLICE, MANGALORE SOUTH SUB DIVISION, KARNATAKA, 575017

139. SHRI M N RUDRAPPA, ASSISTANT COMMISSIONER OF POLICE, DHARWAD SUB DIVISION HUBBALLI DHARWAD CITY, KARNATAKA, 580001

140. SHRI THIPPESWAMY G M, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, DISTRICT ARMED RESERVE DAVANGERE DISTRICT, KARNATAKA, 577002

141. SHRI KALLAPPA S KHARAT, POLICE INSPECTOR, CHANDRALAYOUT POLICE STATION, BENGALURU CITY, KARNATAKA, 560072

142. SHRI KUMARASWAMY B G, POLICE INSPECTOR, COTTONPETE POLICE STATION BENGALURU CITY, KARNATAKA, 560053

143. SHRI S D SHASHIDHAR, POLICE INSPECTOR, ASHOKNAGAR POLICE STATION BENGALURU CITY, KARNATAKA, 560025

144. SHRI IYANNA REDDY, POLICE INSPECTOR, CUBBON PARK POLICE STATION BENGALURU CITY, KARNATAKA, 560001

145. SHRI B S BASAVARAJU, POLICE INSPECTOR, KLA SIT HEBBAL BENGALURU, KARNATAKA, 560024

146. SHRI M V SHESHADRI, POLICE INSPECTOR, BESCOM, VIGILANCE TUMKURU DISTRICT, KARNATAKA, 572101

147. SHRI H D KULAKARNI, POLICE INSPECTOR, HENNUR POLICE STATION BENGALURU CITY, KARNATAKA, 560043

148. SHRI B S SUDHAKAR, CIRCLE INSPECTOR, BALLARI RURAL BALLARI, KARNATAKA, 583101

149. SHRI Y AMARNARAYANA, POLICE INSPECTOR, GOWRIBIDANUR CIRCLE CHIKKABALLAPURA DISTRICT, KARNATAKA, 561208

150. SHRI RAJU GOPAL R, ASSISTANT RESERVE SUB INSPECTOR, 3RD BATTALION KSRP BENGALURU, KARNATAKA, 560030

151. SHRI B S SUDESH KINI, ASSISTANT RESERVE SUB INSPECTOR, DISTRICT ARMED RESERVE CHIKKAMAGALURU DISTRICT, KARNATAKA, 577101

152. SHRI R S SIDDAPPA, ASSISTANT SUB INSPECTOR, KYATASANDRA TUMKURU DISTRICT, KARNATAKA, 572104

153. SHRI N R KATE, ASSISTANT SUB INSPECTOR, S P OFFICE HAVERI, KARNATAKA, 58110

154. SHRI SATHISH R, ASSISTANT SUB INSPECTOR, FINGER PRINT UNIT, SHIVAMOGGA DISTRICT, KARNATAKA, 577201

155. SHRI RUDRASWAMY, HEAD CONSTABLE, CITY SPECIAL BRANCH, BENGALURU CITY, KARNATAKA, 560001

156. SHRI RAVINDRA H C, HEAD CONSTABLE, INTELLIGENCE BENGALURU, KARNATAKA, 560001

157. SHRI MANJUNATHA RAO N, HEAD CONSTABLE, A C B POLICE STATION MYSURU, KARNATAKA, 570007

158. SHRI ASHOK S NAIK, HEAD CONSTABLE, 3RD BATTALION BENGALURU, KARNATAKA, 560034

159. SHRI RAMESH, RESERVE HEAD CONSTABLE, 5TH BATTALION KSRP MYSURU, KARNATAKA, 570011

160. SHRI VIJAYAKUMAR P V, HEAD CONSTABLE, 4TH BATTALION KSRP BENGALURU, KARNATAKA, 560068

161. SHRI RANGANATHAN, CIVIL HEAD CONSTABLE, ALDUR POLICE STATION CHIKKAMAGALURU DISTRICT, KARNATAKA, 577111

162. SHRI RAMACHANDRA B, CIVIL HEAD CONSTABLE, DISTRICT COMPUTE WING, DAVANGERE DISTRICT, KARNATAKA, 577006

163. SMT. SUMATHI M, WOMEN HEAD CONSTABLE, WOMEN POLICE STATION KODAGU DISTRICT, KARNATAKA, 571201

164. SHRI KOPPALA CHANDRA, HEAD CONSTABLE NO 336, CITY CRIME BRANCH MANGALUR CITY, KARNATAKA, 574142

165. SHRI D M MYAGERI, CIVIL HEAD CONSTABLE 730, D C R B GADAG DISTRICT, KARNATAKA, 581117

166. SHRI S SURENDRAN, DISTRICT POLICE CHIEF, ERNAKULAM, KERALA, 682011

167. SHRI K V VIJAYAN, SUPERINTENDENT, SBCID ERNAKULAM, KERALA, 682301

168. SHRI SREERAMA TELENGALA, ASSISTANT COMMANDANT, MSP MALAPPURAM, KERALA, 676505

169. SHRI RADHAKRISHNA PILLAI B, D Y S P, CRIME BRANCH, KERALA, 691002

170. SHRI SRRENIVASAN DHARMARAJAN CHAKKUMARASSERY, DEPUTY SUPERINTENDENT, CRIME DETACHMENT, THRISSUR, KERALA, 680020

171. SHRI THOTTATHIL PREJISH, DEPUTY SUPRINTENDENT, KALPETTA, WYNAD, KERALA, 673121

172. SHRI WILSON VARGHESE PALLASSERY, COMMANDANT, KAP-I, THRISSUR, KERALA, 680631

173. SHRI SAJI NARAYANAN VETTIKKAKUZHIYIL, ASSISTANT COMMISSIONER, DCRB, THRISSUR CITY, KERALA, 680631

174. SMT. BHANUMATHI CHEMENCHERY, INSPECTOR OF POLICE, VANITHA CELL KASARAGOD, KERALA, 671121

175. SHRI MADHANAN NAIR GOPALAN NAIR, ARMED POLICE SUB INSPECTOR, KUTTIKANAM IDUKKI, KERALA, 685531

176. SHRI SUNIL LAL AMMUKUTTY AMMA SUKUMARAN, SUB INSPECTOR, DISTRICT POLICE COMMAND CENTRE THIRUVANANTHAPURAM, KERALA, 695001

177. SHRI C P SANTHOSH KUMAR, ASSISTANT SUB INSPECTOR, MALAPPURAM, KERALA, 679326

178. SHRI MOHANDAS PULLANCHERIYIL, ASSISTANT SUB INSPECTOR, VACB MALAPPURAM, KERALA, 676519

179. SHRI YOGESH DESHMUKH, IGP, CHAMBAL ZONE, MORENA, MADHYA PRADESH, 474001

180. SHRI ANURAG SHARMA, SP, POLICE TRAINING SCHOOL, UJJAIN, MADHYA PRADESH, 456661

181. SHRI SUNIL KUMAR PANDEY, SP, KHARGONE, MADHYA PRADESH, 451001

182. SHRI DALURAM TENIWAR, COMMANDANT, 8TH BN CHHINDWARA, MADHYA PRADESH, 462001

183. SHRI RAY SINGH NARWARIYA, ADDITIONAL SP, JABALPUR, MADHYA PRADESH, 482011

184. SHRI AMRENDRA SINGH, ASP CRIME, INDORE, MADHYA PRADESH, 452001

185. SHRI SUDHIR KANOUJIA, DSP, ATS POLICE HQ BHOPAL, MADHYA PRADESH, 462008

186. SHRI DEVENDRA DEVADE, INSPECTOR, RAPTC, MADHYA PRADESH, 452005

187. SHRI ADIL IMAM, INSPECTOR, CID, PHQ, BHOPAL, MADHYA PRADESH, 462008

188. SHRI SAJI MATHEW, ASI, ATS, PHQ, BHOPAL, MADHYA PRADESH, 462008

189. SHRI BHAGWAN SINGH THAKUR, HEAD CONSTABLE, DRP LINE DAMOH, MADHYA PRADESH, 470661

190. SHRI ZAHIR AHMAD, HEAD CONSTABLE, POLICE LINE. SHIVPURI, MADHYA PRADESH, 473551

191. SHRI AVTAR SINGH BIST, HEAD CONSTABLE, POLICE LINE, JABALPUR, MADHYA PRADESH, 482001

192. SHRI SAMEER KHAN, HEAD CONSTABLE, SP OFFICE SPE LOKAYUKTA UJJAIN, MADHYA PRADESH, 456010

193. SHRI HARI SINGH TOMAR, CONSTABLE, POLICE STATION PHOOP, BHIND, MADHYA PRADESH, 477001

194. SHRI SAMAR SINGH SENGAR, CONSTABLE, POLICE STATION, KOTWALI, GWALIOR, MADHYA PRADESH, 474001

195. SHRI SURENDRA SINGH BHADORIA, CONSTABLE, SPE, LOKYUKTA, JABALPUR, MADHYA PRADESH, 482002

196. SHRI SURESHKUMAR SAVLERAM MENGADE, SUPERITENDENT OF POLICE, PROTECTION OF CIVIL RIGHTS, THANE, MAHARASHTRA, 410218

197. SHRI VIKRAM NANDKUMAR DESHMANE, DY. COMMISSIONER OF POLICE, ZONE 5, MUMBAI, MAHARASHTRA, 40030

198. SHRI DEELIP POPATRAO BORASTE, DY. SUPERITENDENT OF POLICE, ANTI CORRUPTION BUREAU, PUNE, MAHARASHTRA, 411001

199. SHRI NETAJI SHEKUMBAR BHOPALE, ASST. COMMISSIONER OF POLICE, CRIME BRANCH, NAGAPDA, MUMBAI, MAHARASHTRA, 400008

200. SHRI MUKUND NAMDEO HATOTE, ASSITANT POLICE COMMISSIONER, CRIME BRANCH, THANE, MAHARASHTRA, 400601

201. SHRI KIRAN VISHNU PATIL, ASSITANT POLICE COMMISSIONER, ECONOMIC OFFENCES WING, MUMBAI, MAHARASHTRA, 400001

202. SHRI AVINASH PRALHAD DHARMADHIKARI, ASST. COMMISSIONER OF POLICE, DONGRI DIVISION, MUMBAI CITY, MAHARASHTRA, 400009

203. SMT. GOPIKA SHESHDAS JAHAGIRDAR, DY. SUPERINTENDENT OF POLICE, PCWC,D.G. OFFICE, MUMBAI, MAHARASHTRA, 400001

204. SHRI MANDAR VASANT DHARMADHIKARI, DY. SUPERITENDENT OF POLICE, DAHANU DIVISION, PALGHAR, MAHARASHTRA, 401602

205. SHRI RAJENDRA LAXMANRAO KADAM, SR. POLICE ISNPECTOR, YERWADA POLICE STATION, PUNE CITY, MAHARASHTRA, 411006

206. SHRI SAYYAD SHOUKAT ALI SABIR ALI, POLICE INSPECTOR, PETH BEED POLICE STATION, BEED, MAHARASHTRA, 431122

207. SHRI SATISH DIGAMBAR GAIKWAD, SR. POLICE INSPECTOR, KALAMBOLI POLICE STATION, NAVI MUMBAI, MAHARASHTRA, 410218

208. SHRI BALAJI RAGHUNATH SONTAKKE, POLICE INSPECTOR, CHIKHALI POLICE STATION, CHINCHWAD, MAHARASHTRA, 443201

209. SHRI RAVINDRA GANPAT BABAR, ASST. POLICE INSPECTOR, CID, PUNE, MAHARASHTRA, 411008

210. SHRI ABDUL RAUF GANI SHAIKH, ASST. POLICE INSPECTOR, SAKINAKA POLICE STATION, MUMBAI CITY, MAHARASHTRA, 400072

211. SHRI RAMESH DAULATRAO KHANDAGALE, RESERVE POLICE SUB INSPECTOR, POLICE TRAINING CENTER, NAGPUR, MAHARASHTRA, 440015

212. SHRI PRAKASH BHIVA KADAM, POLICE SUB INSPECTOR, PYDHONIE POLICE STATION, MUMBAI CITY, MAHARASHTRA-400003

213. SHRI KISHOR AMRUT YADAV, POLICE SUB INSPECTOR, CHINCHWAD TRAFFIC DIVISION, CHINCHWAD, PIMPRI CHINCHWAD, PUNE, MAHARASHTRA, 411033

214. SHRI RAJENDRA NARAYAN POL, POLICE SUB INSPECTOR, CRIME BRANCH, PUNE CITY, MAHARASHTRA- 411001

215. SHRI NANASAHEB VITTHAL MASAL, ARMED POLICE SUB INSPECTOR, SRPF GR X, SOLAPUR, MAHARASHTRA, 413008

216. SHRI RAGHUNATH MANGALU BHARSAT, POLICE SUB INSPECTOR, POLICE HEAD QUARTER, NASHIK RURAL, MAHARASHTRA, 422203

217. SHRI KESHAO SHESHRAO TEKADE, ASST. SUB INSPECTOR, POLICE HEAD QUARTER, AMRAVATI CITY, MAHARASHTRA, 444602

218. SHRI RAMRAO DASU RATHOD, ASSTI. SUB INSPECTOR, POLICE HEAD QUARTER, JALNA, MAHARASHTRA, 431203

219. SHRI DATTATRAY TUKARAM UGALMUGALE, ASST. SUB INSPECTOR, LOCAL CRIME BRANCH, NASHIK RURAL, MAHARASHTRA, 422003

220. SHRI MANOHAR LAXMAN CHINTALLU, ASST. SUB INSPECTOR, SPECIAL BRANCH, PUNE CITY, MAHARASHTRA, 411001

221. SHRI KACHARU NAMDEO CHVAN, ASST. SUB INSPECTOR, PCR, AURANGABAD CITY, MAHARASHTRA, 431003

222. SHRI DATTATRAY GORAKHNATH JAGTAP, ASST. SUB INSPECTOR, LOCAL CRIME BRANCH, PUNE RURAL, MAHARASHTRA, 411008

223. SHRI ASHOK SOMAJI TIDKE, ASST. SUB INSPECTOR, CRIME BRANCH, NAGPUR CITY, MAHARASHTRA, 440013

224. SHRI VISHWAS SHAMRAO THAKARE, ASST. SUB ISNPECTOR, TAHSIL POLICE STATION, NAGPUR CITY, MAHARASHTRA, 440032

225. SHRI SUNIL GANPATRAO HARANKHEDE, ASST. SUB INSPECTOR, POLICE HEAD QUARTER, YAVATMAL, MAHARASHTRA, 445001

226. SHRI GORAKH MANSING CHAVAN, ASST. SUB INSPECTOR, SPECIAL BRANCH, AURANGABAD CITY, MAHARASHTRA, 431001

227. SHRI AVINASH SUDHIR MARATHE, ASST. SUB INSPECTOR, SPECIAL BRANCH, PUNE CITY, MAHARASHTRA, 411001

228. SHRI KHAMRAO RAMRAO WANKHEDE, ASST. SUB INSPECTOR, MANDAVI POLICE STATION, NANDED, MAHARASHTRA, 431805

229. SHRI NITIN BHASKARRAO SHIVALKAR, ASST. SUB INSPECTOR, TRAFFIC BRANCH, NAGPUR CITY, MAHARASHTRA, 440001

230. SHRI PRABHAKAR DHONDU PAWAR, HEAD CONSTABLE (I.O), STATE INTELLIGENCE DEPT., MUMBAI, MAHARASHTRA, 400001

231. SHRI ANKUSH SOMA RATHOD, HEAD CONSTABLE, ANTI TERRORIST CELL, JALNA, MAHARASHTRA, 431203

232. SHRI BALU MACHINDRA BHOI, HEAD CONSTABLE, WADGAON NIMBALKAR POLICE STATION, PUNE RURAL, MAHARASHTRA, 412103

233. SHRI SHRIRANG NARAYAN SAWARDE, HEAD CONSTABLE, L.T. MARG POLICE STATION, MUMBAI CITY, MAHARASHTRA, 400002

234. SHRI AVINASH GOVINDRAO SATPUTE, HEAD CONSTABLE, POLICE HEAD QUARTER, NANDED, MAHARASHTRA, 431602

235. SHRI MAQSUD AHEMADKHAN PATHAN, HEAD CONSTABLE, PURNA POLICE STATION, PARBHANI, MAHARASHTRA, 431511

236. SHRI GANESH TUKARAM GOREGAONKAR, HEAD CONSTABLE, CRIME BRANCH, MUMBAI, MAHARASHTRA, 400013

237. SHRI MANGSIDAM DIMARTAN SINGH, SUBEDAR, 4-IRB, THENGUCHINGJIN IMPHAL EAST, MANIPUR, MANIPUR, 795002

238. SHRI TUANJAHAU SIMTE, SUB-INSPECTOR, CID(SB), MANIPUR, 795001

239. SHRI RONGSHONG LEIYAH, HAVILDAR, 6 IRB,PANGEI, MANIPUR, 795114

240. SHRI LUKRAM LENIN MEETEI, HAVILDAR, MPTC, PANGEI, MANIPUR, 795114

241. SHRI A S MAYUNGKUI ZIMIK, HAVILDAR, MPTC, PANGEI, MANIPUR, 795114

242. SHRI SANABAM BISHORJIT SINGH, HAVILDAR, 1ST BN. MANIPUR RIFLES, IMPHAL, MANIPUR, 795001

243. SHRI MD SHAHID AHAMED, RIFLEMAN, 1ST IRB, CHURACHANDPUR, MANIPUR, 795128

244. SMT. JULIE NONGKHLAW, INSPECTOR OF POLICE, OFFICE OF ADDITIONAL DIRECTOR GENERAL OF POLICE MEGHALAYA SHILLONG, MEGHALAYA, 793001

245. SHRI AUGUSTINE LYNGDOH, ARMED BRANCH CONSTABLE, POLICE RESERVE SHILLONG, MEGHALAYA, 793001

246. SHRI NEIHCHUNGNUNGA, DIG(CID), AIZAWL, MIZORAM, 796001

247. MRS. LALMUANTHANGI, INSPECTOR (M), AIZAWL, MIZORAM, 796001

248. SHRI ATU ZUMVU, DY SUPERINTENDENT OF POLICE, DIMAPUR, NAGALAND, 797112

249. SHRI KEVISEBILE ANGAMI, CLI, PTS, NAGALAND, 797103

250. SHRI SUJIT KUMAR DALAI, ASSISTANT COMMANDANT OF POLICE SECURITY, SPECIAL SECURITY BATTALION, ODISHA, 751001

251. SHRI MANAS RANJAN GARNAIK, IN CHARGE ASSISTANT COMMISSIONER OF POLICE, CUTTACK UPD ZONE I, ODISHA, 753001

252. SMT. ITI DAS, IN CHARGE DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, ECONOMIC OFFENCE WING CRIME BRANCH BHUBANESWAR, ODISHA, 751001

253. SHRI RAJANI KANTA SAMAL, INSPECTOR, JAGATSINGHPUR, ODISHA, 754142

254. SHRI BHARAT CHARAN SAHOO, INSPECTOR, GOVERNMENT RAILWAY POLICE STATION KHORDHA, ODISHA, 751001

255. MRS. SMITA RANI MOHANTY, INSPECTOR, VIGILANCE DIRECTORATE CUTTACK, ODISHA, 753001

256. SHRI NIRANJAN TRIPATHY, SUB INSPECTOR OF POLICE, SPECIAL INTELLIGENCE WING BHUBANESWAR, ODISHA, 751001

257. SHRI SANTOSH KUMAR BAHINIPATI, SUB INSPECTOR OF POLICE, GOVERNMENT RAILWAY POLICE STATION KHURDHA, ODISHA, 752050

258. SHRI SANATAN SAHOO, CONSTABLE, VIGILANCE DIRECTORATE CUTTACK, ODISHA, 753001

259. SHRI PRASANTA KUMAR SAHOO, CONSTABLE, VIGILANCE DIRECTORATE CUTTACK, ODISHA, 753001

260. SHRI DURGA PRASAD HOTA, CONSTABLE, VIGILANCE BERHAMPUR DIVISION BERHAMPUR, ODISHA, 760004

261. SHRI RAJVINDER SINGH SOHAL, AIG, CHANDIGARH, PUNJAB, 160009

262. SHRI GURMEL SINGH, SP, SRI MUKATSAR SAHIB, PUNJAB, 152026

263. SHRI JASWINDER SINGH TIWANA, DSP, FATEHGARH SAHIB, PUNJAB, 140407

264. SHRI MANDEEP SINGH, INSPECTOR, SAS NAGAR, PUNJAB, 160062

265. SMT. AMARJIT KAUR, INSPECTOR, CP, LUDHIANA, PUNJAB, 141001

266. SHRI VIMAL KUMAR, INSPECTOR, PPA, PHILLAUR, PUNJAB, 144410

267. SHRI SURESH KUMAR, INSPECTOR, CHANDIGARH, PUNJAB, 160009

268. SHRI SARBJIT SINGH, SUB-INSPECTOR, 7TH BN., PAP, JALANDHAR, PUNJAB, 144006

269. SHRI BHUPINDER SINGH, SUB-INSPECTOR, BAHADURGARH, PATIALA, PUNJAB, 147021

270. SHRI BALWANT SINGH, ASI, SPECIAL BRANCH, CP, LUDHIANA, PUNJAB, 141001

271. SHRI KULWANT SINGH, ASI, CHANDIGARH, PUNJAB, 160009

272. SHRI GURDAS SINGH, ASI (ADHOC), ROPAR, PUNJAB, 140001

273. SHRI RANBIR SINGH, ASI/LR, HOSHIARPUR, PUNJAB, 146001

274. SHRI KRISHAN KUMAR, HEAD CONSTABLE, SAS NAGAR, PUNJAB, 160062

275. SHRI SHANTNU KUMAR SINGH, ADD SP, ATS JAIPUR, RAJASTHAN, 302003

276. SHRI KARAN SHARMA, ADD SP, SOG RAJASTHAN JAIPUR, RAJASTHAN, 302003

277. SHRI NEERAJ KUMAR MEWANI, POLICE INSPECTOR, CM SECURITY JAIPUR, RAJASTHAN, 302006

278. SHRI ROOP SINGH, COMPANY COMMANDER, POLICE TRAINING SCHOOL JODHPUR, RAJASTHAN, 342006

279. SHRI RAKSHIT KOTHARI, POLICE INSPECTOR, STATE CRIME RECORD BUREAU JAIPUR, RAJASTHAN, 302016

280. SHRI RAJENDRA SINGH, PLATOON COMMANDER, JAIPUR, RAJASTHAN, 302015

281. SHRI GUMAN SINGH, SI, SCRB JAIPUR, RAJASTHAN, 302016

282. SHRI BHAGWAN SAHAI, SUB INSPECTOR, ADGP OFFICE CRIME BRANCH JAIPUR, RAJASTHAN, 302015

283. SHRI GOPAL LAL SHARMA, ASI, VIGILANCE JAIPUR, RAJASTHAN, 302015

284. SHRI KANHIYA LAL, ASI, PTC AJMER, RAJASTHAN, 305001

285. SHRI BANWARI LAL, ASI, CID CB SP OFFICE JAIPUR RURAL, RAJASTHAN, 302006

286. SHRI UGAM SINGH, HEAD CNDTABLE, POLICE STATION KOTWALI JAISALMER, RAJASTHAN, 345001

287. SHRI SHAMBHU SINGH MEENA, HEAD CONSTABLE, MBC C COY CHITTROGARH, RAJASTHAN, 312001

288. SHRI DHANNA LAL, CT, 7TH RAC BHARTPUR, RAJASTHAN, 321001

289. SHRI PRATAP SINGH, ASI, CID CB BIKANER, RAJASTHAN, 334001

290. SHRI POORDAN DEVAL, HEAD CONSTABLE, DSB BRANCH JAISALMER, RAJASTHAN, 345001

291. SMT. CHEWANG LHAMU BHUTIA, SUPERINTENDENT OF POLICE, CHECKPOSTS BRANCH, 3RD MILE J.N. ROAD, EAST SIKKIM, SIKKIM, 737103

292. SHRI JOHN LEPCHA, ASI, SSP, EAST OFFICE, GANGTOK, SIKKIM, 737101

293. SHRI T JEYACHANDRAN, SUPERINTENDENT OF POLICE, SIVAGANGAI DISTRICT, TAMIL NADU, 630561

294. SHRI A YAKKOOB, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, Q BRANCH CID, CHENNAI., TAMIL NADU, 600004

295. SHRI S UNNIKRISHNAN, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, V & AC, RAMANATHAPURAM, TAMIL NADU, 623503

296. SHRI V V THIRUMAL, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, TINDIVANAM SUB-DIVISION, VILLUPURAM ., TAMIL NADU, 605602297. SHRI G V KIRUSHNAA RAAJAN, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, V & AC, KRISHNAGIRI, TAMIL NADU, 635115

298. SHRI N LAVAKUMAR, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, V & AC, CHENNAI CITY-II, TAMIL NADU, 600016

299. SHRI C DHATCHINAMOORTHY, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, VIGILANCE AND ANTI-CORRUPTION, OOTY, TAMIL NADU, 643001

300. SHRI K GOVINDARAJU, ASSISTANT COMMANDANT, TSP V BATTALION, AVADI, TAMIL NADU, 600109

301. SHRI N ARULMANI, INSPECTOR OF POLICE, SPECIAL BRANCH CID, CHENNAI., TAMIL NADU, 600004

302. SHRI R PARAVASUTHEVAN, INSPECTOR OF POLICE, PUDUKKOTTAI TOWN P S, PUDUKOTTAI, TAMIL NADU, 622001

303. SHRI R THOMAS JESUDASON, INSPECTOR OF POLICE, CHENNAI CENTRAL RAILWAY POLICE STATION, CHENNAI, TAMIL NADU, 600001

304. SHRI V SRINIVASAN, INSPECTOR OF POLICE, CCB,GREATER CHENNAI POLICE, TAMIL NADU, 600007

305. SHRI G SOUNDARARAJAN, INSPECTOR OF POLICE, CHENGALPATTU TOWN PS, KANCHEEPURAM, TAMIL NADU, 603001

306. SHRI K BALACHANDAR, SUB-INSPECTOR OF POLICE, SB CID, SALEM CITY, TAMIL NADU, 636005

307. SMT. M MALLIKA, WOMEN SUB-INSPECTOR OF POLICE, CCB, GREATER CHENNAI POLICE, TAMIL NADU, 600007

308. SHRI S PANNEERSELVAM, SPECIAL SUB-INSPECTOR OF POLICE, V & AC, CUDDALORE, TAMIL NADU, 607001

309. SHRI J SUNNY ZACHARIAH, SPECIAL SUB-INSPECTOR OF POLICE, SECURITY BRANCH CID, CHENNAI, TAMIL NADU, 600028

310. SHRI H SHAGUL HAMMED, SPECIAL SUB-INSPECTOR OF POLICE, V & AC, COIMBATORE, TAMIL NADU, 641030

311. SHRI E KUMARAVEL, SPECIAL SUB-INSPECTOR OF POLICE, SECURITY BRANCH CID, CHENNAI, TAMIL NADU, 600028

312. SHRI C J RAJA, SPECIAL SUB-INSPECTOR OF POLICE, SPECIAL BRANCH, THANJAVUR, TAMIL NADU, 613010

313. SHRI M SONAI, SPECIAL SUB-INSPECTOR OF POLICE, THILAGAR THIDAL TRAFFIC RANGE, MADURAI CITY., TAMIL NADU, 625001

314. SHRI RAMESH MADDULA, COMMANDANT, HYDERABAD, TELANGANA, 500045

315. SHRI MOHD GHOUSE MOHIUDDIN, ADDITIONAL SUPERINTENDENT OF POLICE, CYBERABAD, TELANGANA, 500081

316. SHRI RAGIRI BALA RANGAIAH, DSP, WARNAGAL URBAN, TELANGANA, 506166

317. SHRI KANCHI BALARAMI REDDY, DSP, HYDERABAD, TELANGANA, 500004

318. SHRI YARLAGADDA RAMBABU, ASSISTANT COMMANDANT, HYDERABAD, TELANGANA, 500091

319. SHRI A VENKATA RAMANAIAH, INSPECTOR, HYDERABAD, TELANGANA, 500089

320. SHRI SHAIK ABDUL SATTAR, INSPECTOR, WARANGAL URBAN, TELANGANA, 506166

321. SHRI GUTTULA MADHUSUDHAN, ASST SUB INSPECTOR, HYDERABAD, TELANGANA, 500002

322. SHRI NADIKUDE HANMANTH GOUD, HEAD CONSTABLE, HYDERABAD, TELANGANA, 500075

323. SHRI T VENKATESHWARLU, HEAD CONSTABLE, HYDERABAD, TELANGANA, 500001

324. SHRI PRASENJIT DEY, DY SP, AGARTALA, TRIPURA, 799003

325. SHRI SHIB CHARAN DEBBARMA, HAVILDAR, TRIPURA, TRIPURA, 799011

326. SHRI SHIV LAL PRADHAN, HAVILDAR, TRIPURA, TRIPURA, 799141

327. SHRI ASHOK KUMAR MAJUMDER, CONSTABLE, DHARMANAGAR, TRIPURA, 799250

328. SHRI RAJENDRA SINGH, DYSP, 38BN PAC ALIGARH, UTTAR PRADESH

329. SHRI SATISH KUMAR, DY.S.P., GAUTAM BUDH NAGAR, UTTAR PRADESH

330. SHRI ASHOK KUMAR VERMA, DY.S.P., SO TO D.G. EOW LKW, UTTAR PRADESH, 226002

331. SHRI MUKUND MISHRA, INSPECTOR, VIGILANCE HEAD QUARTER LUCKNOW, UTTAR PRADESH, 226001

332. SHRI UMESH CHANDRA SRIVASTAVA, INSPECTOR, RANGE OFFICE LUCKNOW, UTTAR PRADESH, 226010

333. SHRI SATYENDRA KUMAR SINGH, DY.S.P., BUDAUN, UTTAR PRADESH, 243601

334. SHRI KAILASH CHANDRA SHARMA, INSPECTOR (CA), ALIGHARH, UTTAR PRADESH, 202001

335. SHRI RAM NARESH, INSPECTOR, SIB CO OPERATIVE LUCKNOW, UTTAR PRADESH, 224001

336. SHRI NARENDRA SINGH, INSPECTOR, BARABANKI, UTTAR PRADESH, 225001

337. SHRI JHANJHAN LAL, INSPECTOR, FATEHGARH, UTTAR PRADESH, 209602

338. SHRI RAJENDRA MANI, COMPANY COMMANDER, 23BN PAC MORADABAD, UTTAR PRADESH, 244001

339. SHRI SATISH CHANDRA, RESERVE INSPECTOR, BALLIA, UTTAR PRADESH, 277001

340. SHRI DEVKI PRASAD, COMPANY COMMANDER, 32BN PAC LUCKNOW, UTTAR PRADESH, 226023

341. SHRI BACHE SINGH NEGI, SUB INSPECTOR, MORADABAD, UTTAR PRADESH, 244001

342. SHRI GYANENDRA KUMAR SINGH, INSPECTOR, ZONE OFFICE KANPUR, UTTAR PRADESH, 208001

343. SHRI TRIVENI PRASAD PATHAK, SUB INSPECTOR MT, KAUSHAMBI, UTTAR PRADESH, 212214

344. SHRI MEARJ ANSARI, SUB INSPECTOR RADIO, RADIO HEAD QUARTER LUCKNOW, UTTAR PRADESH, 226006

345. SHRI CHANDRA DEV DIXIT, SUB INSPECTOR RADIO, RADIO HEAD QUARTER LUCKNOW, UTTAR PRADESH, 226006

346. SHRI JABAR SINGH, SUB INSPECTOR, SAMBHAL, UTTAR PRADESH, 244302

347. SHRI AWADHESH SINGH, SUB INSPECTOR, ETAWAH, UTTAR PRADESH, 206001

348. SHRI HEMRAJ SINGH, SUB INSPECTOR, GHAZIABAD, UTTAR PRADESH, 201001

349. SHRI RAMANUJ, SUB INSPECTOR, SIT LUCKNOW, UTTAR PRADESH, 226006

350. SHRI ONKAR NATH SINGH, SUB INSPECTOR, SECURITY HEAD QUARTER LUCKNOW, UTTAR PRADESH, 226007

351. SHRI CHANDAN SINGH, SUB INSPECTOR AP, SITAPUR, UTTAR PRADESH, 261001

352. SHRI RAJENDRA SINGH, SUB INSPECTOR, BAGPAT, UTTAR PRADESH, 250606

353. SHRI JUGGI LAL TIWARI, PLATOON COMMANDER, 20BN PAC AZAMGARH, UTTAR PRADESH, 270001

354. SHRI OM PRAKASH, SUB INSPECTOR, KUSHINAGAR, UTTAR PRADESH, 274304

355. SHRI BALVEER SINGH, PLATOON COMMANDER, 15BN PAC AGRA, UTTAR PRADESH, 282001

356. SHRI CHANDRA MOHAN SINGH, SUB INSPECTOR, UNNAO, UTTAR PRADESH, 229504

357. SHRI MANOHAR LAL SHARMA, SUB INSPECTOR, BAGPAT, UTTAR PRADESH, 250609

358. SHRI DALPAT SINGH, SUB INSPECTOR, MORADABAD, UTTAR PRADESH, 203001

359. SHRI MOHD KALIM, SUB INSPECTOR CP, DGP HQ LUCKNOW, UTTAR PRADESH, 226001

360. SHRI JAY KRISHNA, SUB INSPECTOR MT, HARDOI, UTTAR PRADESH, 241001

361. SHRI SHIVLOCHAN YADAV, SUB INSPECTOR MT, 35BN PAC LUCKNOW, UTTAR PRADESH, 226006

362. SHRI KRISHNA KUMAR RAO, SUB INSPECTOR, GODA, UTTAR PRADESH, 271001

363. SHRI MAHESH CHAND AWASTHI, SUB INSPECTOR, KANNAUJ, UTTAR PRADESH, 209725

364. SHRI JAIVEER SINGH, SUB INSPECTOR, GHAZIABAD, UTTAR PRADESH, 201001+

365. SHRI RAMSWARUP SINGH YADAV, PLATOON COMMANDER, 48BN PAC SONBHADRA, UTTAR PRADESH, 231216

366. SHRI KASHINATH MISHRA, SUB INPECTOR, FATEHGARH, UTTAR PRADESH, 209602

367. SHRI GAJENDRA PAL SINGH, SUB INSPECTOR, GHAZIABAD, UTTAR PRADESH, 201001

368. SHRI MOHD WASIM KHAN, HEAD CONSTABLE, INT HQ LUCKNOW, UTTAR PRADESH, 226001

369. SHRI RANJEET SINGH, HEAD CONSTABLE DRIVER, SECURITY HEAD QUARTER LUCKNOW, UTTAR PRADESH, 226007

370. SHRI JAI PRAKASH SINGH, HAEAD CONSTABLE (P), EOW LUCKNOW, UTTAR PRADESH, 226001

371. SHRI MEVALAL GAUTAM, HEAD CONSTABLE, VIGILANCE LUCKNOW, UTTAR PRADESH, 226010

372. SHRI YUVRAJ SINGH, HEAD CONSTABLE, 15BN PAC AGRA, UTTAR PRADESH, 282003

373. SHRI JAGDISH PRASAD, HEAD CONSTABLE AP, AGRA, UTTAR PRADESH, 282003

374. SHRI SURESH CHANDRA SRIVASTAVA, HEAD CONSTABLE DRIVER, RADIO HEAD QUARTER LUCKNOW, UTTAR PRADESH, 226006

375. SHRI KRISHNA PAL, HEAD CONSTABLE CP, DGP HEAD QUARTER LUCKNOW, UTTAR PRADESH, 226001

376. SHRI BHOLA PRASAD, HEAD CONSTABLE PAC, 26BN PAC GORAKHPUR, UTTAR PRADESH, 273401

377. SHRI SORAN SINGH, HEAD CONSTABLE, GAUTAMBUDH NAGAR, UTTAR PRADESH, 201318

378. SHRI RAJESH KUMAR DIXIT, HEAD CONSTABLE, BADAUN, UTTAR PRADESH, 243601

379. SHRI MUKESH KUMAR, HEAD CONSTABLE, CBCID HQ LUCKNOW, UTTAR PRADESH, 226010

380. SHRI PREMPAL SINGH, HEAD CONSTABLE, SHAHJAHANPUR, UTTAR PRADESH, 242001381. SHRI MUKHTYAR SINGH, HEAD CONSTABLE, AGRA, UTTAR PRADESH, 282003

382. SHRI GANESH PRASAD, HEAD CONSTABLE, AMBEDKAR NAGAR, UTTAR PRADESH, 244122

383. SHRI LALTA PRASAD SHARMA, HEAD CONSTABLE, MAINPURI, UTTAR PRADESH, 205001

384. SHRI KAMAL SINGH, HEAD CONSTABLE, BANDA, UTTAR PRADESH, 210001

385. SHRI ROHITASH SAXENA, HEAD CONSTABLE, AMROHA, UTTAR PRADESH, 244221

386. SHRI SURESH CHANDRA RAJPOOT, HEAD CONSTABLE, KAUSHAMBI, UTTAR PRADESH, 212214

387. SHRI CHANDRA PRAKASH SHARMA, HAEAD CONSTABLE DRIVER, MERRUT, UTTAR PRADESH, 250004

388. SHRI MUNENDRA PAL SINGH, HEAD CONSTABLE, BIJNORE, UTTAR PRADESH, 246701

389. SHRI JAGDISH SINGH, HEAD CONSTABLE, ETAH, UTTAR PRADESH, 207001

390. SHRI RAJENDRA PAL, HEAD CONSTABLE, MEERUT, UTTAR PRADESH, 250004

391. SHRI PRAHLAD SINGH, HEAD CONSTABLE, MORADABAD, UTTAR PRADESH, 244001

392. SHRI MAHENDRA NATH RAI, CONSTABLE, 39BN PAC MIRZAPUR, UTTAR PRADESH, 231001

393. SHRI ABHAY NARAYAN CHAUBE, CONSTABLE, FOOD CELL LUCKNOW, UTTAR PRADESH, 226001

394. SHRI VINOD KUMAR SINGH, SUB INSPECTOR (LEKHA), ATS, LUCKNOW, UTTAR PRADESH, 226008

395. SHRI OM PRAKASH PATHAK, SUB INSPECTOR (LEKHA), DIG, RLY OFFICE LUCKNOW, UTTAR PRADESH, 226001

396. SHRI RAVINDRA MOHAN SINGH YADAV, SUB INSPECTOR (M), SPL ENQRY LUCKNOW, UTTAR PRADESH, 226001

397. SHRI RAHIMUDDIN -, SUB INSPECTOR (LEKHA), AGRA, UTTAR PRADESH, 282003

398. SHRI SUNDER SINGH, INSPECTOR, SITAPUR, UTTAR PRADESH, 261001

499. SHRI NARAYAN SINGH NAPALCHYAL, DIG, FIRE SERVICE DEHRADUN, UTTARAKHAND, 248001

500. SHRI YOGENDRA SINGH RAWAT, SSP, TEHRI GARHWAL, UTTARAKHAND, 249121

401. SHRI BIRENDRA PRASAD DABRAL, DY SP, FORTY BN PAC HARIDWAR, UTTARAKHAND, 263153

402. SHRI BHAGWAN SINGH, PC VS, FORTY SIX BN PAC RUDRAPUR, UTTARAKHAND, 263153

403. SHRI SHYAM SUNDAR PANDEY, SI VS, POLICE LINE ALMORA, UTTARAKHAND, 263601

404. SHRI TENZING BHUTIA, DEPUTY COMMISSIONER OF POLICE (II), SECURITY CONTROL ORGANIZATION, KOLKATA, WEST BENGAL, 700020

405. SHRI SUBASH PRADHAN, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, OFFICE OF THE IGP, NORTH BENGAL, SILIGURI, WEST BENGAL, 734001

406 SHRI TAPAN KUMAR PRAMANIK, ASSISTANT COMMISSIONER OF POLICE, EASTERN SUBURBAN DIVISION, KOLKATA, WEST BENGAL, 700010

407. SHRI SUBODH KUMAR SAHA, ASSISTANT COMMISSIONER OF POLICE, 4TH BN., KOLKATA ARMED POLICE, WEST BENGAL, 700064

408. SHRI MONOJ KUMAR SAHA, INSPECTOR, RESERVE INSPECTOR OF POLICE, PASCHIM MEDINIPUR, WEST BENGAL, 721101409. SHRI ASHIM KUMAR NAG, INSPECTOR OF POLICE, CID, WB, BHABANI BHAWAN, 31, BELVEDERE ROAD, ALIPORE, KOLKATA, WEST BENGAL, 700027

410. SHRI SIDDHARTHA SANKAR CHATTERJEE, INSPECTOR OF POLICE, 3RD BATTALION, KOLKATA ARMED POLICE, WEST BENGAL, 700027

411. SHRI AMANULLAH, INSPECTOR OF POLICE, PORT DIVISION, KOLKATA, WEST BENGAL, 700043

412. SMT. SUJATA MITRA, LADY SUB-INSPECTOR OF POLICE, CID, WB, BHABANIBHAWAN, 31, BELVEDERE ROAD, ALIPORE, KOLKATA, WEST BENGAL, 700027

413. SHRI SANKAR CHOWDHURY, OC TITAGARH POLICE STATION, 33/35, B T ROAD, TITAGARH, NEAR TITAGARH MUNICIPAL OFFICE, WEST BENGAL, 700119

414. SHRI SUSHANTA KUMAR MONDAL, SUB-INSPECTOR OF POLICE (UB, COUNTER INSURGENCY FORCE, WEST BENGAL, 307, GARIA MAIN ROAD, POST- GARIA GARDEN, PS – SONARPUR, KO, WEST BENGAL, 700084

415. SHRI BIKRAM SINGH, SUB-INSPECTOR (ARMED BRANCH), SVSPA,WB, WEST BENGAL, 700120

416. SHRI SANAT KUMAR METYA, ARMED ASSISTANT SUB-INSPECTOR, BRIGADE HEADQUARTERS, KOLKATA ARMED POLICE, WEST BENGAL, 700027

417. SHRI PRABIR GHOSH, ASSISTANT SUB INSPECTOR OF POLICE, WEST BENGAL POLICE DIRECTORATE, BHABANI BHAWAN, 31, BELVEDERE ROAD, ALIPORE, WEST BENGAL, 700027

418. SHRI SAMBHU NATH, ASSISTANT SUB INSPECTOR OF POLICE, TRAFFIC, HEADQUARTERS, W.B., ARAKSHA BHAWAN, 1ST FLOOR, BLOCK – DJ, SECTOR – II, SALT LAKE CITY, KOL, WEST BENGAL, 700091

419. SHRI RAKESH KR UPADHYAY, ASSISTANT SUB INSPECTOR OF POLICE, SOG CELL, HRD, PO-BIKI HANKOLA, PS-PANCHLA, DISTRICT-HOWRAH, WEST BENGAL, 711322

420. SHRI SANDIP KUMAR DINDA, SUB-INSPECTOR (UB), ENFORCEMENT BRANCH, 55/1 KANTAPUKUR 3RD BYE LANE, ICHHAPUR, BANTRA HOWRAH, WEST BENGAL, 711101

421. SHRI RANJIT KUMAR SINGH, POLICE DRIVER, LOR (HQ) DIAMOND HARBOUR POLICE DISTRICT, WEST BENGAL, 700104

422 SHRI UJJWAL MUKHERJEE, CONSTABLE, PLACE SOG, BIRBHUM PO AND PS- SURI, DIST- BIRBHUM,, WEST BENGAL, 731101

423. MR. SK NASIRUDDIN, CONSTABLE, CID, WB, BHABANI BHAWAN, 31, BELVEDERE ROAD, ALIPORE, KOLKATA-700027, WEST BENGAL, 700027

424. SHRI ABDUL RAHMAN, SUB INSPECTOR, SHO PS KATCHAL, ANDAMAN AND NICOBAR ISLANDS, 744304

425. SHRI CHARANJIT SINGH VIRK, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, WOMEN AND CHILD SUPPORT UNIT SECTOR 17, CHANDIGARH, CHANDIGARH, 160017

426. SMT. PARVESH SHARMA, INSPECTOR, PCR POLICE LINE SECTOR-26, CHANDIGARH, CHANDIGARH, 160026

427. SHRI RANJIT SINGH, INSPECTOR, SHO,POLICE STATION MANIMAJRA, CHANDIGARH, CHANDIGARH, 160101

428. SHRI AMARJIT SINGH, SUB INSPECTOR, CID WING, SECTOR-9, CHANDIGARH, CHANDIGARH, 160009

429. SHRI V RICHARD, SPL GR ASST SUB INSPECTOR OF POLICE, PUDUCHERRY, PUDUCHERRY, 605001

430. SMT. S JANAGI, SUB INSPECTOR OF POLICE, PUDUCHERRY, PUDUCHERRY, 605001

431. SHRI SANJAY LIMBU, SUBEDAR MEJAR, KHONSA, ASSAM RIFLES, 932016

432. SHRI DILIP KUMAR TAMANG, SUBEDAR MAJOR, SHAMATOR, ASSAM RIFLES, 932045

433. SHRI JALESH KUMAR, SUPERINTENDENT, SHILLONG, ASSAM RIFLES, 793011

434. SHRI ASHOK KUMAR, SUBEDAR, KOHIMA, ASSAM RIFLES, 93003

435. SHRI JAGDISH CHAND, SUBEDAR, KASHIRAM BASTI, ASSAM RIFLES, 932005

436. SHRI ALIO HRANGKHWAL, SUBEDAR, KEITHELMANBI, ASSAM RIFLES, 932006

437. SHRI GORAKH CHAND, SUBEDAR, SEHLON, ASSAM RIFLES, 932019

438. SHRI KALAM SINGH BISHT, NAIB SUBEDAR, SOMSAI, ASSAM RIFLES, 932027

439. SHRI PITAMBER THAPA, SUBEDAR, LOKRA, ASSAM RIFLES, 932024

440. SHRI UMED SINGH, SUBEDAR, CHISWEMA, ASSAM RIFLES, 932014441. SHRI BACHAN SINGH DOGRA, NAIB SUBEDAR, MOREH, ASSAM RIFLES, 932041

442. SHRI JADUMANI BARIK, NAIB SUBEDAR, SHILLONG, ASSAM RIFLES, 793010

443. SHRI MADHU S, WARRANT OFFICER, MANTRIPUKHRI, ASSAM RIFLES, 932015

444. SHRI MD ABDUL MANAN, WARRANT OFFICER, MARAM, ASSAM RIFLES, 932034

445. SHRI RAM BAHADUR THAKUR, WARRANT OFFICER, AGARTALA, ASSAM RIFLES, 932021

446. SHRI SANDEEP RAWAT, COMMANDANT, STS BSF CHAKUR, MAHARASHTRA, BSF, 413513

447. SHRI RAJESH SINGH KANWAR, COMMANDANT, SHQ BSF BHILAI, DURG, CHHATTISGARH, BSF, 490006

448. SHRI RAMESH KUMAR SHARMA, COMMANDANT, FTR HQ BSF PALOURA CAMP JAMMU, BSF, 181124

449. SHRI SUMAN FLORENCE TIRKEY, COMMANDANT, COMMAND HQ (SPL OPS) NEW DELHI, BSF, 110003

450. SHRI C H SETHURAM, COMMANDANT, 162 BATTALION BSF KAINOOR CAMP KERALA, BSF, 680751

451. SHRI SUDHINDRA KUMAR SINGH, COMMANDANT, BSF ACADEMY TEKANPUR, GWALIOR(MP), BSF, 475005

452. SHRI MANISH AUL, COMMANDANT, SHQ BSF UDAIPUR, BSF, 313004

453. SHRI SUKHMINDERJIT SINGH MAND, COMMANDANT, 56 BN BSF SAM ROAD, JAISALMER (RAJASTHAN), BSF, 345001

454. SHRI RAJA PAUL, COMMANDANT, DIG (HQ) FHQ BSF, R K PURAM, NEW DELHI, BSF, 110066

455. SHRI S SHIVA MURTHY, COMMANDANT, FTR HQ (SPL OPS) BSF ODISHA, BSF, 560063

456. SHRI SURINDER SINGH RANA, LO GDE-I/COMDT, HQ SDG(WC) CHANDIGARH, BSF, 140308

457. SHRI DALBIR SINGH, SECOND IN COMMAND, 55 BATTALION BSF, PANISAGAR, TRIPURA, BSF, 799260

458. SHRI YASHPAL, SECOND IN COMMAND, FTR HQ BSF JAMMU (J&K), BSF, 181124

459. SHRI MADAN MOHAN KANDPAL, DEPUTY COMMANDANT, 03 BATTALION BSF, NALKATA, TRIPURA, BSF, 799266

460. SHRI MADAN SINGH, DC(SPORTS), 71 BN BSF, RAJASTHAN, BSF, 342026

461. SHRI ANURAG KUMAR AZAD, DEPUTY COMMANDANT, 1 BATTALION BSF, LUGELEI, MIZORAM, BSF, 796701

462. SHRI SURINDER SINGH, DEPUTY COMMANDANT, 62 BATTALION BSF, PALOURA CAMP JAMMU (J&K), BSF, 181124

463. SHRI JAGDEEP KUMAR, DEPUTY COMMANDANT,DIG(HQ) FHQ BSF, R K PURAM NEW DELHI, BSF, 110066

464. SHRI KUNJ BIHARI PRASAD, DEPUTY COMMANDANT, FTR HQ BSF M&C, MASIMPUR, SILCHAR (ASSAM), BSF, 788025

465. SHRI RAMESHWAR LAL BISHNOI, DEPUTY COMMANDANT, 161 BATTALION BSF, RAMGARH, RAJASTHAN, BSF, 345020

466. SHRI LAKHWINDER SINGH BRAR, DEPUTY COMMANDANT, 91 BN BSF, SHRI KARANPUR, SRIGANGANAGAR (RAJASTHAN), BSF, 335073

467. SHRI PURAN MAL MEENA, DEPUTY COMMANDANT, 78 BATTALION BSF, BAISHNABNAGAR, MALDA (WB), BSF, 732127

468. SHRI TRIYUGI NATH MAURYA, ASSISTANT COMMANDANT, 51 BATTALION BSF, KADAMTALA, WEST BENGAL, BSF, 734011

469. SHRI MURARI LAL MEENA, ASSISTANT COMMANDANT, 151 BATTALION BSF, BARMER, RAJASTHAN, BSF, 344001

470. SHRI JACOB KOSHY, ASSISTANT COMMANDANT, 03 BN BSF, DHALAI, TRIPURA, BSF, 799266

471. SHRI SURESH KUMAR, ASSISTANT COMMANDANT, SHQ BSF, PALOURA CAMP, JAMMU (J&K), BSF, 181124

472. SHRI V NAGARAJAN, ASSISTANT COMMANDANT(MIN), STC BSF BANGLORE, BSF, 452005

473. SHRI HARI KRISHAN, INSPECTOR(GD), CSWT BSF, BIJASAN ROAD, INDORE(MP), BSF, 452005

474. SHRI KAILASH BABU, INSPECTOR(GD), 65 BATTALION BSF, RADHABARI, WEST BENGAL, BSF, 735135

475. SHRI AJEET SINGH SHEKHAWAT, INSPECTOR (GD), 78 BATTALION BSF, BAISHNABNAGAR, MALDA(WEST BENGAL), BSF, 732127

476. SHRI SURENDER SINGH,INSPECTOR(GD), STC BSF KHAARKAN CAMP, PUNJAB, BSF, 146000

477. SHRI SUMER SINGH, SUB INSPECTOR(GD), 133 BATTALION BSF, NALKATA, TRIPURA, BSF, 799266

478. SHRI JAWAHAR YADAV, INSPECTOR (GD), 115 BATTALION BSF, BARMER, RAJASTHAN, BSF, 344001

479. SHRI PUSHPARAJAN R, INSPECTOR(GD), STC BSF, BAIKUNTHPUR, WEST BENGAL, BSF, 734008

480. SHRI ASHOK KUMAR, INSPECTOR(GD), 38 BATTALION BSF, COOCHBEHAR, WEST BENGAL, BSF, 736179

481. SHRI RAJBIR SINGH TOMAR, INSPECTOR (GD), CSMT BSF TEKANPUR, BSF, 344001

482. SHRI HEKISHE SEMA, INSPECTOR(GD), 111 BATTALION BSF C/O 99 APO, BSF, 795006

483. SHRI MOHAN KUMAR A M, INSPECTOR(RM), STS BSF, BANGALORE, BSF, 700129

484. SHRI DALBIR SINGH, INSPECTOR(RO), STS-I, TIGRI, M B ROAD, NEW DELHI, BSF, 110080

485. SHRI HAYAT SINGH PUNDIR, SI(GD) NOW INSP(GD), 96 BN BSF, RAMPURA, FAZILKA, PUNJAB, BSF, 152123

486. SHRI ASHOK KUMAR,SI(GD), STC BSF, UDHAMPUR, BSF, 182101

487. SHRI NIKHIL CHANDRA SHARMA,SI(GD), 179 BN BSF, DIGBERIYA, KOLKATA, BSF, 700129

488. SHRI B CHANDRASEKHARA RAJU, SUB INSPECTOR(GD), 10 BATTALION BSF SHIKAR, DBN, GURDASPUR, PB, BSF, 143605

489. SHRI SARJEET SINGH, SI(GD), DIG(HQ), FHQ BSF, R K PURAM, NEW DELHI, BSF, 110066

490. SHRI PARAS RAM, SI(GD), 170 BN BSF, MADHOPUR, PUNJAB, BSF, 145024

491. SHRI KISHAN LAL, CT(TAILOR), STC BSF INDORE, BSF, 452005

492. SHRI AJAY KUMAR, SR COMMANDANT, APS HQRS NEW DELHI, CISF, 110037

493. SHRI MAHENDRA KUMAR YADAV, SR COMMANDANT, CISF UNIT KOPT KOLKATA, CISF, 700043

494. SMT. ARADHANA, SR COMMANDANT, CISF SEZ HQRS KOLKATA, CISF, 700107

495. SHRI ANIL DAMOR, SR COMMANDANT, CISF UNIT SSG NOIDA, CISF, 201306

496. SHRI SHIVENDRA PRATAP SINGH TOMER, COMMANDANT, CISF UNIT BHEL HYDERABAD, CISF, 502032

497. SHRI AJAY KUMAR JHA, COMMANDANT, CISF UNIT BRBNMPL SALBONI, CISF, 721132

498. SHRI LALIT SHEKHAR JHA, COMMANDANT, CISF UNIT ONGC MUMBAI, CISF, 400016

499. SHRI SHRI KRISHAN SARASWAT, COMMANDANT, CISF UNIT BRPL BONGAIGAON, CISF, 783385

500. SHRI YASHPAL SINGH SHEKHAWAT, DEPUTY COMMANDANT, CISF UNIT IGSTPP JHARLI, JHAJJAR, HARYANA, CISF, 124141

501. SHRI DEVENDRA SINGH, ASST COMMANDANT/EXE, CISF NS HQ NEW DELHI, CISF, 110037

502. SHRI SHIV PRAKASH, ASSISTANT COMMANDANT, CISF UNIT DAE KALPAKAM, CISF, 603102

503. SHRI HARENDRA KUMAR, ASSISTANT COMMANDANT/EXE, CISF UNIT KHSTPP KAHALGAON, CISF, 813214

504. SHRI T P ABDUL LATHEEF, ASSTT SUB INSPECTOR/EXE, CISF UNIT CPT COCHIN, CISF, 682009

505. SHRI TIKENDRAJIT TALUKDAR, ASSTT SUB-INSPECTOR/EXE, CISF UNIT IOCL BONGAIGAON, CISF, 783385

506. SHRI BHAKTA BAHADUR SUBBA, ASST SUB INSPECTOR/ EXE., CISF UNIT DSP DURGAPUR (WB), CISF, 713203

507. SHRI CHANDRA KUMARAN K, ASST SUB INSPECTOR/EXE, CISF UNIT IIST VALIAMALA, CISF, 695547

508. SHRI DHANRAJ SINGH THAKUR, ASST SUB INSPECTOR/EXE, CISF UNIT BSP BHILAI, CISF, 490001

509. SHRI TAPAN SARKAR, ASST SUB INSPECTOR/EXE, CISF UNIT NRL NUMALIGARH, CISF, 785699

510. SHRI R NAVAKUMAR, ASST SUB INSPECTOR/EXE, CISF UNIT NRSC BALANAGAR, CISF, 500037

511. SHRI PREMAN K, ASSTT SUB-INSPECTOR/EXE, CISF UNIT IPRC MAHENDRAGIRI, CISF, 627133

512. SHRI SRINIVASULU G, ASST SUB INSPECTOR/EXE, CISF UNIT NRSC BALANAGAR, CISF, 500037

513. SHRI RAMULU T, ASSTT SUB-INSPECTOR/EXE, CISF UNIT VSSC THUMBA, CISF, 695022

514. SHRI RAM NARESH PRASAD, ASST SUB INSPECTOR/EXE, CISF UNIT WCL CHHINDWARA, CISF, 480441

515. SHRI MANISH KUMAR SACHAR, DY INSPECTOR GENERAL, RANGE HQR, CRPF, RANCHI, CRPF, 834004

516. SHRI PRABHAKAR TRIPATHY, COMMANDANT, 191 BN, CRPF, GADCHIROLI, MAHARASTRA, CRPF, 441207

517. SHRI RAKESH RAO, COMMANDANT, 201 COBRA, CRPF, JAGDALPUR, CHHATTISGARH, CRPF, 494001

518. SHRI RAKESH KUMAR, COMMANDANT, 55 BN, CRPF, BAWANA, DELHI, CRPF, 110039

519. SHRI SANDIP KUMAR CHOUBEY, COMMANDANT, GC, CRPF, BHOPAL, CRPF, 462045

520. SHRI MOHD JAMAL KHAN, COMMANDANT, TRAINING CENTRE, NSG, MANESAR, GURUGRAM, HARYANA, CRPF, 122051

521. SHRI UDAI PRATAP SINGH, COMMANDANT, 23 BN, CRPF, SRINAGAR, J&K, CRPF, 190010

522. SHRI ANAND JHA, COMMANDANT, 184 BN, CRPF, JHARGRAM, WEST BENGAL, CRPF, 721507

523. SHRI RAJEEV KUMAR, COMMANDANT, 35 BN, CRPF, HUMHAMA, J&K, CRPF, 190007

524. SHRI SUKHVIR SINGH, SECOND-IN-COMMAND, 127 BN, CRPF, KANDHMAL, ODISHA, CRPF, 761126

525. SHRI FRANCIS TIRKEY, SECOND-IN-COMMAND, 114 BN, RAF, CRPF, JALANDHAR, PUNJAB, CRPF, 144805

526. SHRI KISHOR KUMAR KANHAR, SECOND-IN-COMMAND, 21 BN, CRPF, SRINAGAR, J&K, CRPF, 190001

527. SHRI GOBARDHAN SETHI, SECOND-IN-COMMAND, 165 BN, CRPF, SALUA, WEST BENGAL, CRPF, 721145

528. SHRI SURYA MANI BEHERA, SECOND-IN-COMMAND, RANGE HQR, CRPF, JAMSHEDPUR, CRPF, 832111

529. SHRI BIRESWAR SAHA, DY COMMANDANT, GC, CRPF, AGARTALA, CRPF, 799012

530. SHRI SUKAMAL DEY, DY COMMANDANT, DIGP OPS, CRPF, MEDINAPUR, CRPF, 721145
531. SHRI ASOK KUMAR SIL, DY COMMANDANT, 167 BN, CRPF, KOLKATA, CRPF, 700007
532. SHRI PEER MOHAMMAD, DY COMMANDANT, GC, CRPF, KHATKHATI, CRPF, 782480
533. SHRI DOLFE JACOB, DY COMMANDANT, GC, CRPF, JAMSHEDPUR, CRPF, 832107
534. SHRI RANJEET SINGH, INSPECTOR/GD, 166 BN, CRPF, SIDHRA, JAMMU AND KASHMIR, CRPF, 180019
535. SHRI SATBIR SINGH, INSPECTOR/GD, 40 BN, CRPF, ANANTNAG, J&K, CRPF, 192101
536. SHRI HANUMAN SINGH, INSPECTOR/GD, 35 BN, CRPF, SRINAGAR, J&K, CRPF, 190007
537. SHRI DARSHAN KUMAR, INSPECTOR/GD, 137 BN, CRPF, UDHAMPUR, J&K, CRPF, 182101
538. SHRI RANDHIR SINGH SEKHAWAT, INSPECTOR/GD, 03 BN, CRPF, SRINAGAR, J&K, CRPF, 190004
539. SHRI SAHDEO SINGH MUNDA, INSPECTOR/GD, 133 BN, CRPF, RANCHI, JHARKHAND, CRPF, 834004
540. SHRI G N PANDEY, INSPECTOR/GD, 47 BN, CRPF, ARA, BIHAR, CRPF, 802160
541. SHRI SHANKER LAL SHARMA, INSPECTOR/GD, CTC, CRPF, NEEMUCH, MP, CRPF, 458445
542. SHRI SOHAN LAL, INSPECTOR/GD, 166 BN, CRPF, SIDHRA, J&K, CRPF, 180019
543. SHRI JAY RAM, INSPECTOR/GD, RTC, CRPF, AVADI, CRPF, 600065
544. SHRI JAIPAL SINGH, INSPECTOR/GD, 83 RAF, CRPF, JAIPUR (RAJ), CRPF, 302027
545. SHRI CHANDER BHAN, INSPECTOR/GD, RTC, CRPF, JODHPUR, CRPF, 335804
546. SHRI PRATAP SINGH, SI/GD, 179 BN, CRPF, BARAMULLA, J&K, CRPF, 193201
547. SHRI JOGA SINGH, SI/GD, 21 BN, CRPF, SRINAGAR, J&K, CRPF, 190001
548. SHRI ANGAD PANDEY, SI/GD, GC, CRPF, RANCHI, CRPF, 834004
549. SHRI G MANINATHAN PILLAI, SI/GD, 97 RAF, CRPF, AVADI, CRPF, 600065
550. SHRI MOHD YASIN, SI/GD, 54 BN, CRPF, SRINAGAR, J&K, CRPF, 190001
551. SHRI SIKANDER ALI, SI/GD, 183 BN, CRPF, PULWAMA, J&K, CRPF, 192301
552. SHRI LAKHWINDER SINGH, SI/GD, 181 BN, CRPF, BUDGAM, J&K, CRPF, 191112
553. SHRI BHANWAR LAL, SI/GD, GC-2, CRPF, AJMER (RAJ), CRPF, 305005
554. SHRI NINGTHOUJAM TOMBA SINGH, SI/GD, 143 BN, CRPF, IMPHAL, MANIPUR, CRPF, 795004
555. SHRI ABRAHAM KUNJUMON, SI/GD, 141 BN, CRPF, TELANGANA, CRPF, 507136
556. SHRI DHURB MANJHI, SI/GD, 110 BN, CRPF, PULWAMA, J&K, CRPF, 190001
557. SHRI SADHAN CHANDRA BHOWMIK, SI/GD, 168 BN, CRPF, BIJAPUR (CG), CRPF, 494444
558. SHRI SHAPPI KHAN, ASI/GD, 92 BN CRPF BARAMULLA, J&K, CRPF, 193201
559. SHRI LADE KESHAV SOPAN, ASI/GD, 242 BN, CRPF, PUNE, CRPF, 410507
560. SHRI MANI RAM, ASI/GD, 195 BN, CRPF, DANTEWADA (CG), CRPF, 494441
561. SHRI GAJENDRA SINGH, ASI/GD, GC, CRPF, AMETHI, CRPF, 228159
562. SHRI SURENDER KUMAR, ASI/GD, 55 BN, CRPF, BAWANA, DELHI, CRPF, 110039
563. SHRI JAGDISH SINGH, ASI/GD, 151 BN, CRPF, KOTHAGUDEM, TELANGANA, CRPF, 507140
564. SHRI SURESHA R A, ASI/GD, 143 BN, CRPF, IMPHAL, MANIPUR, CRPF, 795004
565. SHRI NAGENDRA RAI, HEAD CONSTABLE /GD, 226 BN, CRPF, SUKMA (CG), CRPF, 494111
566. SMT. YESH WANTI, INSPECTOR/GD (MAHILA), 232 (M) BN, CRPF, MEDINIPUR (WB), CRPF, 721147
567. MRS. MAMTA MUDULI, HEAD CONSTABLE/GD (MAHILA), B/213 BN, CRPF, IMPHAL, MANIPUR, CRPF, 795113
568. SHRI SATNAM SINGH, INSPECTOR/RO, CTC (T & IT), CRPF, RANCHI, CRPF, 834004
569. SHRI VIJAYA KUMAR MOKHASHI N, SI/RO, C/2 SIGNAL BN, CRPF, BENGALURU, CRPF, 560064

570. SHRI SYED SALEEMUDDIN, SI/ARMR, GC, CRPF, BENGALURU, CRPF, 560064

571. SHRI KUNWAR SINGH, HC/DRIVER, 22 BN, CRPF, HAZARIBAGH, JHARKHAND, CRPF, 825301

572. SHRI SHASHI BHUSHAN SHARMA, DEPUTY INSPECTOR GENERAL, NW FRONTIER HQ, ITBP C/O 56 APO, ITBP, 194101

573. SHRI RAJ KISHOR SAH, DIG, SIGNAL TRAINING SCHOOL, ITBP, SHIVPURI (MP), ITBP, 473551

574. SHRI MAHESH KALAWAT, COMMANDANT (TELECOMMUNITAION), NOW DIG (TELECOMMUNICATION), DIRECTORATE GENERAL, ITBP, BLOCK-2, CGO COMPLEX LODHI ROAD, NEW DELHI, ITBP, 110003

575. SHRI DHIRENDRA SINGH NEGI, SECOND-IN-COMMAND, DIRECTORATE GENERAL, ITBP, BLOCK-2, CGO COMPLEX LODHI ROAD, NEW DELHI, ITBP, 110003

576. SHRI RANJEET KUMAR SINGH, DY COMMANDANT, 22ND BN ITBP, TIRGI CAMP, NEW DELHI, ITBP, 110062

577. SMT. BHANITA TIMUNGAPI, ASSISTANT COMMANDANT, SHQ (DIBRUGARH), ITBP, PO: MOHANBARI, DISTT: DIBRUGARH (ASSAM), ITBP, 786012

578. SHRI RAJENDER SINGH, INSPECTOR(GD), NORTH EAST FRONTIER HEADQUARTER, ITBP, ITANAGAR (ARUNCHAL PRADESH), ITBP, 791111

579. SHRI OMBIR SINGH, INSPECTOR, CENTRAL TRAINING COLLAGE, ITBP, PO SAHDOLI DISTT: ALWAR (RAJASTHAN), ITBP, 301028

580. SHRI BABU LAL, INSPECTOR, 31ST BN, ITBP, PO YUPIA, DISTT: PAPUM PARE (ARUNACHAL PRADESH), ITBP, 791110

581. SHRI SATE SINGH BISHT, ASI, ITBP, ACADEMY, PO: MUSSOORI, DISTT: DEHRADUN, (UTTRAKHAND), ITBP, 248179

582. SHRI RAKESH KUMAR, GROUP COMMANDER, HQ NSG, MEHRAM NAGAR, PALAM, NEW DELHI, NSG, 110037

583. SHRI BINOD TOPPO, GROUP COMMANDER, 11 SRG, NSG, MANESAR, GURUGRAM, HARYANA, NSG, 122051

584. SHRI RAJESH KUMAR LANGEH, SECOND IN COMMAND, 26 SCG NSG, RH MUMBAI, MILIND NAGAR ANDHERI(EAST) MUMBAI, NSG, 400072

585. SHRI KAMAL NATH CHAUDHARY, DY. JAG, HQ NSG, MEHRAM NAGAR, PALAM, NEW DELHI, NSG, 110037

586. SHRI HARI NANDAN SINGH BISHT, DIG (GD), SHQ, SSB, PILIBHIT (UP), SSB, 262001

587. SHRI WANGCHIN NORBU EBI, DIG (DG), SHQ, SSB, RANGIA, DIST-KAMRUP, ASSAM, SSB, 781354

588. SHRI BALWAN SINGH, COMMANDANT (GD), 54TH BN. SSB, BIJNI, DIST- CHIRANG, ASSAM, SSB, 783390

589. SHRI SANJAY KUMAR SHARMA, COMMANDANT (GD), FHQ, SSB, R.K.PURAM, NEW DELHI, SSB, 110066

590. SHRI MUKESH KUMAR, COMMANDANT (GD), 2ND BATTALION, SSB, PATTAN, J&K, SSB, 193121

591. SHRI JAGDISH KUMAR SHARMA, DEPUTY COMMANDANT (GD), FHQ, SSB, R.K.PURAM, NEW DELHI, SSB, 110066

592. SHRI RAJDARSHAN SINGH RAWAT, DEPUTY COMMANDANT (GD), GWALDAM (UTTRAKHAND), SSB, 246441

593. SHRI MAHENDER GUPTA, SUPERINTENDING ENGINEER ENGG, FRONTIER HQRS., SSB, LUCKNOW, SSB, 226010

594. SHRI BHAGAT RAM, INSPECTOR (GD), 24TH BN. SSB, RANGIA (ASSAM), SSB, 781354

595. SHRI SAMIR ROY, INSPECTOR (GD), SHQ SSB BONGAIGAON, ASSAM, SSB, 783380

596. SHRI THOKCHAM RAGHUMANI SINGH, ASSTT.SUB-INSPECTOR (GD), 33 BN. SSB, KEWTI (CHHATTISGARH), SSB, 494669

597. SHRI VIVEK PRIYADARSHI, AIG (POLICY), CBI, POLICY DIVISION, NEW DELHI, CBI, 110001

598. SHRI SATISH CHANDER DANDRIYAL, ADDITIONAL SUPERINTENDENT OF POLICE, CBI, IPCC, NEW DELHI, CBI, 110003

699. SHRI RANJAN KUMAR SETHY, ADDITIONAL SUPERINTENDENT OF POLICE, CBI SPECIAL UNIT NEW DELHI, CBI, 110011

600. SHRI INDUMOHAN SINGH NEGI, DY. SUPERINTENDENT OF POLICE, CBI, ACB, DEHRADUN, CBI, 248006

601. SHRI MUKESH SHARMA, DY. SP, CBI, SC-II, NEW DELHI, CBI, 110003

602. SHRI HIMANSHU BAHUGUNA, DY. SP, CBI, EO-II, NEW DELHI, CBI, 110003

603. SHRI RAJENDER SINGH GUNJIYAL, DY. SP, CBI, ACB, CHANDIGARH, CBI, 160030

604. SHRI SAMBHAJI NIVRUTTI MURKUTE, INSPECTOR OF POLICE, CBI, EOB, MUMBAI, CBI, 400098

605. SHRI SUSHIL GOEL, INSPECTOR OF POLICE, CBI, MDMA, NEW DELHI, CBI, 110003

606. SMT. S SREEMATHI, INSPECTOR OF POLICE, CBI, SC-III, NEW DELHI, CBI, 110003

607. SHRI PAWAN KUMAR KAUSHIK, INSPECTOR OF POLICE, CBI, EO-III, NEW DELHI, CBI, 110003

608. SHRI RATHIN KUMAR DAS, SUB INSPECTOR OF POLICE, CBI, BSFB, KOLKATA, CBI, 700064

609. SHRI CHICHULA KANTA RAO, ASSISTANT SUB INSPECTOR, CBI, ACB BHUBANESWAR, CBI, 751012

610. SHRI RANJEET SINGH BISHT, ASSISTANT SUB INSPECTOR, CBI, HEAD OFFICE, NEW DELHI, CBI, 110003

611. SHRI BHUWAN CHANDRA KAPRI, ASSISTANT SUB INSPECTOR, CBI, EO-II, NEW DELHI, CBI, 110003

612. SHRI MUTUM RAMO SINGH, ASSISTANT SUB INSPECTOR, CBI, ACB IMPHAL, CBI, 795004

613. SHRI CHANDRASEKHARAN PILLAI, HEAD CONSTABLE, CBI, ACB COCHIN, CBI, 682017

614. SHRI DUSHYANT SINGH, HEAD CONSTABLE, CBI, ACB NEW DELHI, CBI, 110003

615. SHRI MADAN RAM, HEAD CONSTABLE, CBI, HEAD OFFICE, NEW DELHI, CBI, 110003

616. SHRI ABHIJIT SEN, HEAD CONSTABLE, CBI, EO-IV, KOLKATA, CBI, 700064

617. SHRI DHIR SINGH, HEAD CONSTABLE, CBI, ACB GANDHINAGAR, CBI, 382010

618. SHRI MAHESH CHANDRA YADAV, CONSTABLE, CBI, CBI ACADEMY, GHAZIABAD, CBI, 201002

619. SHRI AJAY KUMAR BALI, CONSTABLE, CBI, ACB JAMMU, CBI, 180012

620. SMT. ARUNA MOHAN, OFFICE SUPDT., CBI, ACB BANGALORE, CBI, 560032

621. SHRI PRITENDRA KUMAR, JOINT DEPUTY DIRECTOR, IB, HQRS. MINISTRY OF HOME AFFIARS, NEW DELHI, 110021

622. SHRI AJAYKUMAR P PANDYA, JOINT DEPUTY DIRECTOR/TECH, IB,HQRS, MINISTRY OF HOME AFFIARS, NEW DELHI, 110021

623. SHRI HEM RAJ KAPOOR, JOINT DEPUTY DIRECTOR/NP, IB HQRS. MINISTRY OF HOME AFFAIRS, NEW DELHI, 110021

624. SHRI UMESH, ASSISTANT DIRECTOR, SIB, MINISTRY OF HOME AFFAIRS, LUCKNOW, 226001

625. SHRI JAISHANKAR KUMAR SINGH, ASSISTANT DIRECTOR, IB, HQRS, MINISTRY OF HOME AFFAIRS, NEW DELHI, 110021

626. SHRI ASHOK KUMAR, ASSISTANT DIRECTOR, IB HQRS. MINISTRY OF HOME AFFAIRS, NEW DELHI, 110021

627. SHRI RAVI SETHI, ASSISTANT DIRECTOR, SIB, MINISTRY OF HOME AFFAIRS, CHANDIGARH, 160019

628. SHRI SAHADEV SINGH, ASSISTANT DIRECTOR, DRTC SHIVPURI, MINISTRY OF HOME AFFAIRS, 473551

629. SHRI SIBI G, ASSISTANT DIRECTOR, SIB, MINISTRY OF HOME AFFAIRS, SRINAGAR, 190001

630. SHRI IQBAL SINGH, ASSISTANT DIRECTOR, SIB MINISTRY OF HOME AFFAIRS,DELHI, 110011

631. SHRI ANTHONY ANAND BENJAMIN, ASSISTANT DIRECTOR /TECH, IB HQRS. MINISTRY OF HOME AFFIARS,NEW DELHI, 110021

632. SHRI K K VIJAYAN, ASSISTANT DIRECTOR /STAFF OFFICER, SIB, MINISTRY OF HOME AFFAIRS.BENGALURU, 560001

633. SHRI SUBHASH CHANDRA MANI TIWARI, DEPUTY CENTRAL INTELLIGENCE OFFICER, SIB, MINISTRY OF HOME AFFAIRS. RANCHI, 834008

634. SHRI MATHEW KURUVILLA, DEPUTY CENTRAL INTELLIGENCE OFFICER, SIB, MINISTRY OF HOME AFFIARS, CHENNAI, 600004

635. SHRI PRADYUT MAZUMDER, DEPUTY CENTRAL INTELLIGENCE OFFICER, SIB, MINISTRY OF HOME AFFAIRS,GUWAHATI, 781036

636. SHRI PRADEEP KUMAR SHILL, DEPUTY CENTRAL INTELLIGENCE OFFICER, SIB, MINISTRY OF HOME AFFIARS, AGARTALA, I799001

637. SMT. RAKHI BHATTACHARYYA, DEPUTY CENTRAL INTELLIGENCE OFFICER, SIB, MINSTRY OF HOME AFFAIRS, KOLKATA, 700019

638. SHRI KHUNDRAKPAM MUHINDRO SINGH, DEPUTY CENTRAL INTELLIGENCE OFFICER/TECH, IB HQRS. MINISTRY OF HOME AFFAIRS,NEW DELHI, 110021

639. SHRI RAMESH KUMAR SAHU, SECTION OFFICER, NEW DELHI, 110021

640. SHRI K MADHAVAN, PRIVATE SECRETARY, SIB, MINISTRY OF HOME AFFAIRS, MUMBAI, 400051

641. SHRI KARUN GOGOI, ASSISTANT CENTRAL INTELLIGENCE OFFICER-I, SIB, MINISTRY OF HOME AFFAIRS,GUWAHATI, 781036

642. SHRI PANKAJ KUMAR, DEPUTY CENTRAL INTELLIGENCE OFFICER-I, SIB, MINISTRY OF HOME AFFAIRS, RANCHI, 834008

643. SHRI RAMAN KUMAR, DEPUTY CENTRAL INTELLIGENCE OFFICER-I, IB, HQRS. MINISTRY OF HOME AFFAIRS,NEW DELHI, 110021

644. SHRI PRIYO KUMAR YUMNAM, DEPUTY CENTRAL INTELLIGENCE OFFICER-I, SIB, MINISTRY OF HOME AFFAIRS,IMPHAL, 795131

645. SHRI SATYANARAYANA YANDAPALLI, ASSISTANT CENTRAL INTELLIGENCE OFFICER-II/ EXE, SIB, MINISTRY OF HOME AFFAIRS,VIJAYAWADA, 520007

646. SHRI BANKIM JAYANTILAL RAVAL, ASSISTANT CENTRAL INTELLIENCE OFFICER-II/EXE, SIB, MINISTRY OF HOME AFFAIRS, AHMEDABAD, 380004

647. SHRI MANISH SHARMA, ASSISTANT INSPECTOR GENERAL, SPG NEW DELHI, SPG, 110077

648. SHRI SUNIL KUMAR SHARMA, SECURITY OFFICER-II, SPG NEW DELHI, SPG, 110077

649. SHRI RAJESH KUMAR, SENIOR SECURITY ASSISTANT, SPG NEW DLEHI, SPG, 110077

650. SHRI SUNDARAM KALYANA NAGARAJAN, DATA ENTRY OPERATOR GRADE B, NEW DELHI, NCRB, 110037

651. SHRI BISHAN SINGH, CONSTABLE, NEW DELHI, NCRB, 110037

652. SHRI RANVEER SINGH TYAGI, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, NEW DELHI, NATIONAL INVESTIGATION AGENCY, 110003

653. SHRI VIPIN KUMAR, INSPECTOR, NEW DELHI, NATIONAL INVESTIGATION AGENCY, 110003

654. SHRI SHRAVAN KUMAR TYAGI, INSPECTOR, NEW DELHI, NATIONAL INVESTIGATION AGENCY, 110003

655. SHRI RAO NARAYANA POGIRI, HEAD CONSTABLE, HYDERABAD, NATIONAL INVESTIGATION AGENCY, 500085

656. SHRI BIJU SUDHAKARAN, CONSTABLE, NEW DELHI, NATIONAL INVESTIGATION AGENCY, 110003

657. SHRI ALOK KUMAR, COMMANDANT (DIG UNDER NBR), 11 BN NDRF VARANASI, NDRF, 221002

658. SHRI RAVI KANT, 2IC, 9 BN NDRF PATNA BIHAR, NDRF, 801103

659. SHRI BHAWANI SINGH, ASSTT.COMDT., 01BN NDRF PATGAON, PO-AZARA, DISTT-KAMRUP GUWAHATI,, NDRF, 781017

660. SHRI NARAIN SINGH, ASI(GD), 9 BN NDRF PATNA, NDRF, 801103

661. SHRI RAJ KUMAR, INSPECTOR(GD), 08 BN NDRF GHAZIABAD, NDRF, 201002

662. SHRI JYOTI KUMAR SATIJA, DEPUTY INSPECTOR GENERAL, LUCKNOW, M/O RAILWAYS, 226011

663. SHRI SANJAY KUMAR GUPTA, ASSISTANT SECURITY COMMISSIONER, JODHPUR, M/O RAILWAYS, 342001

664. SHRI ANIL KUMAR SINGH, ASSISTANT COMMANDANT, GORAKHPUR, M/O RAILWAYS, 273002

665. SHRI ASHWINI KUMAR NALDIGA, VIGILANCE OFFICER, SECUNDERABAD, M/O RAILWAYS, 500003

666. SHRI INDU PRAKASH SINGH, ASC, LUCKNOW, M/O RAILWAYS, 226011

667. SHRI DEVI SINGH MEENA, ASSISTANT SUB INSPECTOR, JAIPUR, M/O RAILWAYS, 332017

668. SHRI BASAPPA LAMANI, INSPECTOR, BEGUSARAI, M/O RAILWAYS, 851126

669. SHRI VIKAS BAJAJ, SUB INSPECTOR, DELHI, M/O RAILWAYS, 110035

670. SHRI CHANDRA PRAKASH DUBEY, ASSISTANT SUB INSPECTOR, VARANASI, M/O RAILWAYS, 221002

671. SHRI RAMBABU SHARMA, SUB INSPECTOR, NAVI MUMBAI, M/O RAILWAYS, 400614

672. SHRI PARBAT MADAM, SI DRIVER, NAVI MUMBAI, M/O RAILWAYS, 400614

673. SHRI NARAYAN PRASAD PANDEY, SUB INSPECTOR, BILASPUR, M/O RAILWAYS, 49504

674. SHRI AJOY BANDYOPADHYAY, SUB INSPECTOR, BILASPUR, M/O RAILWAYS, 495004

675. SHRI BISWADIP BOSE, SUB INSPECTOR, GWARIGHAT, M/O RAILWAYS, 482008

676. SHRI RAMKUMAR YADAV, SUB INSPECTOR, NASIK, M/O RAILWAYS, 422105

2. These awards are made under rule 4(ii) of the rule governing the grant of Police Medal for Meritorious Service.

P PRAVEEN SIDDHARTH
Officer on Special Duty

No. 125—Pres/2019—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry (Posthumously) to the under mentioned officers of Assam Police: —

NAME & RANK OF THE OFFICERS

Late Shri Bhaskar Kalita — PMG (Posthumously)
Sub Inspector

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 04.05.2018 at 2:30 PM, Sub-Inspector Bhaskar Kalita, Officer-in-Charge, Bordumsa Police Station, Tinsukia received an intelligence input that a group ofheavily armed cadres of banned extremist outfit ULFA(I) {UNITED LIBERATION FRONT OF ASSAM (INDEPENDENT)} equipped with sophisticated weapons and explosives are taking shelter in the house of one Sri Kuleswar Borah @ Kolia Bura of No. 3 Kujupather, P.S Bordumsa with an intention to carry out lethalattack on Police, Army, other security personnel and officials/members of political party to create havoc in Tinsukia district Assam and pave the way for easy extortion.

Intelligence inputs were also received previously about the present of cadres of ULFA (I) and UNLFWSEA (UNITED LIBERATION FROM OF WEST SUOUTH EAST ASIA) an umbrella organization comprising different extremist outfits operating in North-Eastincluding ULFA (I) in Tinsukia district to cause explosion, abduction and killing for extortion as well as attack on security forces.

SI Bhaskar Kalita along with his available staff and accompanied by SDPO, Margherita, Cobra party, Circle Inspector, Pengeree, Officer-in-Charge Pengeree P.S., APRG Party, CRPF cordoned and conducted search operation at No.3 Kujupathar area. During operation, ULFA (I) cadres started firing indiscriminately targeting the security forces as well as lobbed grenades, which resulted in a fierce gun battle between ULFA (I) caders shielding the police and security personnel.

As a result of firing by extremists, SI Bhaskar Kalita received multiple bullet injuries on his body. He was immediately shifted to Tinsukia Civil Hospital for treatment wheredoctor declared him brought dead. ULFA (I) cadres managed to escape leaving behing incriminating materials including explosives, ammunition, extorting letter etc.

S.I Bhaskar Kalita by making the supreme sacrifice of his life not only protected fellow police officers/men and security personnel but also foiled the evil design of extremists.

In this operation Late Shri Bhaskar Kalita, Sub Inspector displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 04/05/2018.

P PRAVEEN SIDDHARTH
Officer on Special Duty

No.126—Pres/2019—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry to the under mentioned officer of Chhattisgarh Police:—

NAME & RANK OF THE OFFICER

Shri Satyendra Tiwari

Assistant Platoon Commander

Statement of service for which the decoration has been awarded

Shri Satyendra Tiwari, PC in STF-TF-17 posted at Distt- Narayanpur, Chhattisgarh had led many successful in anti naxal operations.

In this sequence on 11/12.12.2016 a joint search operation of STF and DRG was launched to in the district apprehend active Maoist of military company no-01 in village Kutul Mohandi, Kasturmeta, Gattakal and Dumnar of Abujhmad area. On 13.12.16 a joint search ops was launched from various camp consisting personnel from DRG, STF and Police station Orchha-35. A search party from STF TF 17 under the leadership of then APC Satyendra Tiwari including 04 Head Constable, 32 Constable, 15 Asstt Constable left for village Mohandi, Kasturmeta, Gattakal and Dumnar and in keeping secrecy of ops main ops party of DRG moved at 2335 from Naraynpur.

On 13/12/2016 from 1300 Hrs joint team of DRG and STF laid ambush in between village Mohandi, Kastuattakal and Dumnar. Suddenly firing armed Maoist cadres opened indiscriminate fire upon the security personnel with automatic and semi automatic weapons. The intention of the banned armed Maoist cadres were to harm the security personnel and loot their weapons. APC Satendra Tiwari instructed his troops to take position with available cover in the forest. Later he disclosed his identity to the Maoist cadres, who were still continuing to fire upon the troops and asked them to surrender. Left with no other option the party commander asked his troopsto open fire in self defense and to tactically advance towards the armed Maoist cadres to apprehend them.

The exchange of fire lasted for more than go minutes. When firing stopped search team cordoned off the site and searched the area thoroughly and found two dead bodiesof naxals and blood spot for a long distance that indicates injury of naxals in firing. From site search team recoveredand seized One 9 mm Pistal with Magazine -01 no, 9 mm Rounds-02 no, 12 Bore Deshi Katta-01 no, 12 bore Rifle-0l no, 12 bore Live Rounds-06, 8 mm Blank Round-07, Scanner Motorola hand set-01 no, Microphone lead-01, Max Gold battery-01 no, Wire- 05 mtr, Naxal Literature-10 no, Diary-01 no, Mirror with comb, Moov ointment, Toothbrush etc daily usable items found in 02 clothed back pack. Dead bodies and all the above recovered and seized item brought to Narayanpur has been registered under the IPC Act 126/2017, 147,148,149,307 and under the Arms Act 25and 27.

Then APC Satyendra Tiwari and his team had shown extra ordinary courage and presence of mind while encountering the armed naxal and succeed in recovering of 02 naxal dead bodies and aforementioned items.

This successful operation against the Maoist was possible only because of the rare act of exemplary courage, velour and highest devotion to duty by STF APC Satyendra Tiwari.

In this operation Shri Satyendra Tiwari, Assistant Platoon Commander displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 13/12/2016.

P PRAVEEN SIDDHARTH
Officer on Special Duty

No. 127—Pres/2019—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantryto the under mentioned officers of Chhattisgarh Police: —

NAME & RANK OF THE OFFICERS

S/Shri

01. Santosh Hemla
Assistant Sub-Inspector

02. Dashrath Nag
Head Constable

03. Patiram Podiyami
Head Constable

Statement of service for which the decoration has been awarded

On receiving reliable intelligence inputs about presence of Maoist cadres of (National Park Area Committee), a search operation was planned targeting the hilly jungles of Murkum, Sunsgutta, Mukkawley, Chotekakler and Talmendry village, PS Farsegarh. Two operational teams consisting of 85 DRG men from Bijapur were made ready at short notice under the overall command of Sub Inspector Leeladhar Rathore. After proper briefing and planning, the team started for operation on 12.12.2016 from Police line Bijapur.

During the operation, the both teams searched the dense forests and hillocks from 12.12.2016 to 13.12.2016. On the morning of 14.12.2016, while searching for naxalites near the jungles of Chotekakler, the troops reached closer to the target and moved parallel to each other. While ascending a steep hill, there was a sudden outburst of fire at the party by Sub Inspector Leeladhar Rathore. Armed Maoist cadres opened indiscriminate fire upon the security personnel with automatic and semi automatic weapons. The intention of the banned armed Maoist cadres were to harm the security personnel and loot their weapons. The second party on the left, rushed for rescue of theother team. The troop commander instructed his troops to take position with available cover in the forest. Later he disclosed his identity to the Maoist cadres, who were still continuing to fire upon the troops and asked them to surrender. Ignoring the warning of the police officer. The Maoists continued to carry out their pre-determined plan of a hacking police personnel. Left with no other option the party commander asked his troops to open fire in self defense and to tactically advance towards the armed Maoist cadres to apprehend them.

There was unabated exchange of fire between the Maoists and security forces for the next thirty to thirty five minutes. The party led by Sub Inspector Leeladhar Rathore assisted by ASI Santosh Hemla, HC/986 Dashrath Nag, HC/35 Patiram Podiyam and other men retaliated bravely. As the police parties regrouped and retaliated tactfully, the Maoists lying in ambush and firing indiscriminately fled the scene taking advantage of their familiarity with the terrain and the cover of thick jungles. The firing went on intermittently for nearly thirty-five minutes during which 450 to 500 rounds were fired by the Maoists.

As the firing ceased the party commander took report about the safety of police parties and being ensured of the same, directed for a search of the encounter site. During the search, two bodies of Maoists along with one INSAS Rifle, one 12 Bore Rifle, 05 nos. INSAS rifle empty case, 04 nos. SLR empty case, 01 nos. pouch, 02 nos. pittu, 01 nos. Medical kit, naxal literatures, etc of Maoists proper seizure of the rescores were made. None of the security personnel were injured in the exchange of fire.

FIR No.11/2016 U/s 147, 148, 149, 307 IPC, 25, 27 Arms Act was registered after the incident and the case was taken up for investigation. The bodies were later identified as Jagatanna @ Sayanna, D.V.C.M and Poyam Bhadru, Janmilitiya Member.

The bravery exhibited by Sub Inspector Leeladhar Rathore, ASI Santosh Hernia, HC Dashrath Nag, HC Patiram Podiyam is extra ordinary and shows that they have great presence of mind, superb operational sense, extra ordinary courage, valor and conspicuous gallant attitude. By the virtue of their excellent operational aptitude they played a key role inleading successful counter ambush on naxals which is very difficult to achieve in such circumstances and difficult terrain and successfully foiled the naxal attack.

In this operation S/Shri Santosh Hemla, Assistant Sub-Inspector, Dashrath Nag, Head Constable and Patiram Podiyami, Head Constable displayed conspicuous gallantry,courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 14/12/2016.

P PRAVEEN SIDDHARTH
Officer on Special Duty

No. 128—Pres/2019—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry/Police Medal for Gallantry (Posthumously) to the under mentioned officers of Chhattisgarh Police:—

NAME & RANK OF THE OFFICER

S/Shri

1.	Malik Ram Sub Inspector	PMG
2.	Late Bhuneswer Mandawi Head Constable	PMG (Posthumously)

Statement of service for which the decoration has been awarded.

On 08/01/17 D.R.G. party proceeded towards village "Gufa, Torma, Tular" on getting specific input about presence of banned CPI (Maoist) cadres in the above area. In the morning of 10/01/2017, D.R.G. party after searching village Irpanar proceeded towards Kavanar. Armed Maoist cadres opened indiscriminate fire upon the security personnel with automatic and semi automatic weapons. The intention of the banned armed Maoist cadres were to harm the security personnel and loot their weapons. D.R.G. commander Sub Inspector Shri Malik ram immediately instructed his troops to take position with available cover in the forest. Later he disclosed his identity to the Maoist cadres, who were still continuing to fire upon the troops and asked them to surrender. Ignoring the warning of the police officer, the Maoists continued to carry out their pre-determined plan of attacking police personnel. Left with so other option the party commander asked his troops to open fire in self defense and to tactically advance towards the armed Maoist cadres to apprehend them.

The D.R.G. party pursued the naxals and cordoned them from all directions.Shri Malikram, Sub-Inspector along with his police formation followed the naxals, heavy exchange of fire took place and the police personal exhibited conspicuous gallant act and bravery under difficult circumstances. The naxals on seeing the dominance of police party escaped in to the jungle,sustained bullet injuries during the encounter. During the exchange of fire, HC 230 Bhuneshwer Mandavi exhibited extra ordinary courage and was tactfully advancing towards armed Maoist cadres to apprehend them before they could inflict much damage to the police party. But unfortunately he was hit by bullets fired by Maoists and succumbed to the injuries. The police party in charge Shri Malikram conducted searching of that area and on search police party recovered one unknown uniformed female naxal and 03 unknown uniformed male naxal dead body, 12 bore rifle-02, Live round of 12 bore rifle-16, Detonator 02 connected to Red wire, White-Blue wire-01 Bundle, Black color Pitthu -02, Black color porch-01, Black color naxalites uniform -01 pair were seized from spot.

In this operation S/Shri Malik Ram, Sub-Inspector and Late Bhuneswer Mandawi, Head Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 10/01/2017.

P PRAVEEN SIDDHARTH
Officer on Special Duty

No. 129—Pres/2019—The President is pleased to award the 3rd Bar to Police Medal for Gallantryto the under mentioned officer of Chhattisgarh Police :—

NAME & RANK OF THE OFFICER

Shri Laxman Kewat Inspector	3rd BAR TO PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded.

CPI Maoists of Madded Area Committee and in charge L.G.S. & L.O.S. ofthese Area Committee, members of Military Platoon No.02, around 15-20 in total, have gathered near village Nendra, Guttum for review meeting of TCOC and training. On receiving such input, after proper planning and briefing, troops left from PS Awapall, i Distt. Bijapur into two parts on 06.01.2016 early morning.

At around11:45hrs when troops reached near jungle of Guttum, heavy firecame from naxalites hiding among dense forest. The party immediately took position and retaliated. Party no.01 Commander Inspector Laxman Kewat commanded his men well and covering from right side, he advanced towards naxalites and fired upon them, undeterred by the heavy firing coming from naxal side, he retaliated bravely.

After encounter troops searched the area thoroughly. Dead body of one uniformed female naxal and one 303 Rifle, one Bharmar were recovered. A lot of other items including explosives, hand grenades, rucksacks, Torch, live rounds and naxal literature were recovered.

Conspicuous couage, gallant action displayed by Inspector LaxmanKewat may be suitably recognized by awarding him Police Medal for Gallantry.

In this operation Shri Laxman Kewat, Inspector displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 06/01/2016.

P PRAVEEN SIDDHARTH
Officer on Special Duty

No. 130—Pres/2019—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry/1st Bar to Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Chhattisgarh Police:—

NAME & RANK OF THE OFFICERS

S/Shri

01.	Mohit Garg, IPS Additional Superintendent of Police	1St BAR TO PMG
02.	Ramakant Tiwari Inspector	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

Based on the intelligence input about presence of a large group of armed naxalites and senior naxalite commanders of National Park Area Committee, Indravati Area Committee and Nib Company camping near the villages Murumwada, Padmetapara, Jatlur, Boter etc, Additional SP Bijapur Shri Mohit Garg, IPS planned operation under the guidance of SP Bijapur Shri K. L. Dhruwa, IPS and senior officers. SHRI Mohit Garg himself led the operation team comprising of DRG Bijapur, STF and CoBRa 204 with combined strength of 163. After proper briefing and planning, the team started for operation on.17.01.2017 from PS Bedre.

During the operation, the joint team continued search operations in the dense forests and extremely tough terrain of Abhujamaad from 17.01.2017 to 22.01.2017. On the morning of 22.01.2017, the party found naxalite camp and Smarak (memorial building for dead naxalites) near the jungles of village Murumwada. Sensing naxal presence nearby, team commander Shri Mohit Garg ordered the security forces to cordon off the area. Suddenly, naxalites who were hiding nearby, blasted IED planted to kill security forces and started indiscriminate firing at the party. Team commander immediately ordered the joint team to take cover and asked the naxalites to stop firing and surrender but the naxalites kept on firing at them on which he ordered the joint team to start retaliatory fire in self defense. Soon the naxalites fled away into the dense jungles after which the joint party again cordoned the area and successfully destroyed the naxalite camp and Smarak and started tracing the fleeing naxalites. Near the jungles of village Padmetapara, team commander divided the joint team into two parties on sensing naxalite presence nearby. Party No. 1 was commanded by Shri Mohit Garg and party no. 2 was commanded by Inspector Ramakant Tiwari. Around 1400 hrs, party no. 2 was attacked by about 60-70 armed uniformed naxalites who were sitting in L-shaped ambush formation with a premeditated plan to kill security forces and loot their weapons. As soon as party no.2 entered their ambush zone, the naxalites blasted IED and started indiscriminate firing on them with automatic weapons. Party No. 2 commander TI Ramakant Tiwari along with his party immediately took cover and asked the naxalites to stop firing and surrender but the naxalites continued firing at them. TI Ramakant Tiwari informed Party No. 1 commander Shri Mohit Garg to cordon the naxalites from the other end and break the ambush to save party no. 2. TI Ramakant Tiwari along with his party valiantly, and without fear of losing his life, entered the ambush while firing at the naxalites in self defense in order to break the ambush.SHRI Mohit Garg immediately ordered his party to change direction towards naxalites firing at party no.2 to surround the naxalites and valiantly without fear of losing his life, led his party using fire and move tactics fire and attacked the naxals sitting in ambush. As a result of the swift response and sound tactics of Party no. 1 commander Shri Mohit Garg and the exceptional bravery displayed by both the party commanders and their soldiers, the ambush laid down by the naxalites was successfully destroyed by the security forces without suffering any loss or injury. After a heavy exchange of fire lasting more than an hour, the naxalites were forced to flee towards the jungles and hills. Once the firing stopped, the joint team cordoned and searched the area and successfully recovered 02 unidentified male dead bodies in uniform, 01 .303 rifle with magazine and 10 live rounds, 01 315 bore country made pistol (katta) with 03 live rounds, 01 country made bharmar rifle, 02 tiffin bombs (2 Kgs and 3 Kgs), 50m wire, 05 detonators, 02 pitthu bags, 01 water can, naxalite uniforms, naxalite literature and other daily use items etc. FIR No. 01/2017 U/s 147, 148, 149, 307 IPC, u/s 25, 27 Arms Act was registered after the incident and the case was taken up for investigation.

The operation was successful owing to the exceptional courage shown by the DRG, STF and CoBRa 204. The men have hazarded their lives in national interest and successfully neutralized two deadly naxalites and recovered the dead bodies and weapons. This operation not only successfully destroyed the naxalites camps and Smaraks but also re-initiated the activity of security forces in the interiors of Abujmaad area after a span of about 10 years. The villagers were happy seeing police forces in their area after such a long period. The success of the operation was also a big blow on the confidence and safe hideouts of senior naxal commanders.

Shri Mohit Garg (IPS), Additional SP Bijapur not only did meticulously plan the operation but also displayed exceptional courage and presence of mind in leading the extremely difficult 6 day ops in the hard-core naxalite hide-out where security forces had not achieved any success in the last 10 years. He anticipated grave danger for his men and tactically launched a counter-offensive attack. His leadership and audacious response resulted in achieving success without suffering any loss of life or material.

In this operation S/Shri Mohit Garg, IPS, Additional Superintendent of Police and Ramakant Tiwari, Inspector displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 22/01/2017.

P PRAVEEN SIDDHARTH
Officer on Special Duty

No. 131—Pres/2019—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry to the under mentioned officer of Jammu & Kashmir Police:—

NAME & RANK OF THE OFFICERS

S/Shri

01 Irshad Ahmad
Assistant Sub-Inspector

02. Fayaz Ahmad Sheikh
Head Constable

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 19.06.2016, information was received about the presence of terrorist in Ladhoo area and same was further specified by Shri Ajaz Ahmad, DYSP PC Pampore and it was established that a foreign terrorist is hiding in the orchards at Lethpora Ladhoo. Accordingly a joint cordon was established by Police, 50-RR and 110 Bn CRPF. A comprehensive plan/strategy was chalked out under the supervision of Shri Shridar Patil, IPS, SP Awantipora and target area was plugged off. The hidden terrorist was asked to surrender but he declined. In the meantime, for result oriented operation, two teams, one headed by Shri Shridhar Patil, IPS, assisted by HC Fayaz Ahmad No. 290/Awt, Sgct. Parvaiz Ahmad No. 166/Awt, Sgct. Reyaz Ahmad No. 491/Awt, Ct.Omar Ali No. 688/Awt,Ct. Khalid Masood No. 598/Awt, Foll Arshid Ahmad No. 41/F alongwith 04 SPO's for Southern side of the target and second headed by Shri Aijaz Ahmad, DySP PC Pampore assisted by ASI Irshad Ahmad No. 346/Awt, HC Mukhtar Ahmad No. 39/AP 9th, Sgct. Parveen Singh No. 256/AP 9th, Sgct. Amandeep Singh No. 794 AP 12th, Ct. Nazir Hussain No. 257/AP 9th, Ct. Rafiq Ahmad No. 729/Awt alongwith 04 SPOs for northern side of target location were constituted.

The holed-up terrorist on sensing the noose around his neck started indiscriminate firing and ran towards Southern side where SP Awantipora alongwith his men was prepared and retaliated the fire effectively which forced the terrorist to retreat and take shelter in nearby orchard. As the orchard area was very vast, SP Awantipora utilized the manpower of both the constituted teams and succeeded in zeroing the target again. However, it was noticed that some civilians were trapped inside the orchard. It was challenging task to evacuate the trapped civilians, amid heavy fire fight. SHRI Aijaz Ahmad, Dy SP PC Pampore alongwith ASI Irshad Ahmad No. 346/Awt, HC Mukhtar Ahmad, Sgct. Parveen Singh, Sgct. Amandeep Singh, Ct. Nazir Hussain, Ct. Rafiq Ahmad alongwith 04 SPO's, by providing cover to each other succeeded in evacuating the trapped civilians. As holed up terrorist, taking advantage of dense plantation was changing his position frequently; it was difficult for operational men to maintain focus on him. However, Shri Shridhar Patil, IPS alongwith other teams mates which include Shri Aijaz Ahmad, DYSP PC Pampore, ASI Irshad Ahmad, EXK972130, HC Fayaz Ahmad,' EXK982982, HC Mukhtar Ahmad, ARP-076077 and others started zeroing the target further which resulted in face to face fire fight and culminated with the elimination of holed up terrorist later identified as Khubaib @ Abu Qasim. A huge cache of arms/ammunition was recovered from encounter site and case FIR No.88/2016 U/S 307 RPC, 7/27 A.Act stands registered in Police station Awantipora in this regard.

In this operation S/Shri Irshad Ahmad, Assistant Sub-Inspector and Fayaz Ahmad Sheikh, Head Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 19/06/2016.

P PRAVEEN SIDDHARTH
Officer on Special Duty

No. 132—Pres/2019—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry/1st Bar to Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Jammu & Kashmir Police:—

NAME & RANK OF THE OFFICER		
	S/Shri	
01.	Mohd. Zaid Senior Superintendent of Police	1ST BAR TO PMG
02.	Furqan Qadir Deputy Superintendent of Police	PMG
03.	Manzoor Ahmad Mir Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 04.03.2017, an input was developed by J&K Police about the presence of two top terrorists of HM outfit in the house of Muhammad Ramzan Ganie son-in-law of Muhammad Ramzan MaIla R/O Hafoo Nigeenpora Tral. The operation was planned and cordon was laid around the target house with the assistance of 42-RR,180 Bn, 185 Bn, 130 Bn CRPF and Police Component City West Srinagar. Two search parties were constituted one headed by Sh. Mohammad Zaid-KPS, SSP Awantipora and other by Shri Shriram Dinkar Ambarkar-IPS, SP City, West Srinagar. As the family members were about to leave the house, the terrorists hiding inside, fired indiscriminately upon the searching party thereby, civilians got stuck in ground floor. However, the fire was cautiously/effectively retaliated in self defense. The terrorists were asked to surrender and were to allow the family members to come out of the house which they declined and it was planned to evacuate the family members. Police party headed by SSP Awantipora alongwith SI Sanjeev Dev Singh No. ARP 996974, Sgct. Shabeer Ahmad No. 535/IR 11th Bn, Sgct. Qayoom Ahmad No. 835/IR 11th Bn, Sgct Yashpaul No. 836/IR 11th Bn, Ct. Vijay Kumar No. 334/AP 9th Bn, Ct. Karan Trisal No. 675/Awt, Ct. Mehraj-u-din No. 652/Awt, Ct. Manzoor Ahmad Naik No. 460/IRP, 11th Bn, Ct. Manzoor Ahmad No. 445/Awt, Ct. Dilawar Hassan No. 616/Awt, Ct. Javid Ahmad No. 1881/A, Foll. Mohammad Ramzan No. 54/Awt, and 08 SPOs entered the premises of the house and they came under heavy volume of fire from 02 different directions. The second party headed by SP City, West Srinagar alongwith DySP Furqan Qadir-KPS, SI Mohammad Maqbool No. 2183/S, SI Musir Asgar No. EXK-109363, Sgct Mohammad Ashraf No. 811/S, Sgct. Abdul Rashid No. 2605/S, Ct. Rameez Yousuf No. 2511/S, Ct. Tabasum Ahmad No. 4404/S, Maharaj Ahmad No. 790/AP 13th Bn alongwith 06 SPOs kept the terrorists above their head engaged in firing while as SSP Awantipora alongwith his team proceeded meticulously towards the house and successfully opened the door of the room wherein the family members were trapped in the ground floor. All the family members ran out of the house under the cover of police party who on one hand engaged the terrorists in firing and on the other took the family members safely out of the gate. After evacuation of the civilians, a strategy was chalked out to plant an IED near the target house with the assistance of 42 RR to eliminate the hiding terrorists in the house and so as to avoid the collateral damage. Accordingly, a team comprising of Major Reshi 42-RR, SI Sanjeev Dev Singh, Ct. Manzoor Ahmad Naik, Ct. Manzoor Ahmad, Ct. Dilawar Hassan, Ct. Javid Ahmad, Foll. Mohammad Ramzan try to put the IED near the target house. However, the hiding terrorists taking the advantage of height, fired upon Major Reshi of 42-RR who received grievous injuries. He was evacuated with the help of team personnel there. The terrorists were firing indiscriminately from different directions. Around midnight, another team was constituted which was headed by SSP Awantipora alongwith Ct. Manzoor Ahmad Naik, Sgct. Shabeer Ahmad, Ct. Mehraj-u-din, Ct. Javiad Ahmad, Constable Manzoor Ahmadand 03 officials of CRPF. The team so comprised was given the cover fire from two different directions and was successful in planting the IED to bring down the house. Planting an IED was an important part of operation especially after the injury of one officer. However, Ct. Manzoor Ahmad Naik& Ct. Manzoor Ahmaddid it on three different occasions. As the house was brought down, the 02 police parties one headed by SSP Awantipora alongwith his team and other by SP City West Srinagar alongwith his team started approaching the debris from 02 different directions. While approaching, one of the terrorist fired indiscriminately on the Police party headed by SSP Awantipora resulting in serious injuries to Ct. Manzoor Ahmad Naikand minor injuries to Ct. Manzoor Ahmad. The fire was retaliated resulting in elimination of one foreign terrorist. The injured police officials (Ct. Manzoor Ahmad Naik& Ct. Manzoor Ahmadkept on fighting without caring for their lives and later on, Ct. Manzoor Ahmad Naik succumbed to his injuries and achieved martyrdom. The other terrorist was targeting the Police Party/SFs behind the debris, while seeing that the hiding terrorist is firing indiscriminately towards the 1st Police Party headed by SSP Awantipora, a grenade was lobbed towards the terrorist by the Police party headed by SP, City West. The terrorist tried to escape and was shot dead resulting in culmination of the operation. The 02 slain terrorists were identified as Aaqib Ahmad Bhat @ Molvi @ Zeeshan S/O Ab. Khaliq Bhat R/O Hyena Tral (HM Category A++) and

Hamas R/O Pak (JeM Recommended for A++). Arms/ammunition recovered during the operation includes 02 AK-47 Rifle (damaged), 06 AK-47 Magazines (damaged) and 30 AK-47 Rounds. Case FIR No.10/2017 U/S 307 RPC, 7/27 A.Act stands, 16, 18, 19, 20,38 ULA(P) Act registered in police station Tral in this regard.

In this operation S/Shri Mohd Zaid, Senior Superintendent of Police, Furqan Qadir, Deputy Superintendent of Police and Manzoor Ahmad Mir, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 04/03/2017.

P PRAVEEN SIDDHARTH
Officer on Special Duty

No. 133—Pres/2019—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Jammu & Kashmir Police:—

NAME & RANK OF THE OFFICER

S/Shri

1. DR. G V Sundeep Chakravarthy,IPS
   Additional Superintendent of Police

2. Syed Mudasir Javid Geelani
   Sub-Inspector

3. Gh. Mohammad
   Asst. Sub-Inspector

4. Ferooz Ahmad Lone
   SgCT

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 01-06-2017 at about 02:45 AM based on a specific information regarding presence of HM terrorists in the general area of Mir-Mohalla Nathipora. Police Sopore in collaboration with 22-RR andCRPF cordoned offthe area and launched search operation. During search operation, a contact was established with the terrorists, who were hiding in the house of Mohammad Maqbool Mir S/o Abdul Khaliq Mir R/o Mir-Mohallah, Nathipora Sopore. Since it was late night and all the people residing within the vicinity of the target house were in deep asleep in their respective houses, so it was a challengeable task and primarily duty of the Police and SFs was to evacuate the civilians from their houses to the safer places. Accordingly, two joint teams of Police/ Army/ CRPF including (1st Team) Dr.G.V Sundeep,IPS, No. 145796-IPS, SDPO Sopore, SI Syed Mudasir Javid Geelani No. 7843/NGO, ASI Gh. Mohd No. 281/Spr, HC Manzoor Ahmad No. 270/Spr, Sgct Ferooz Ahmad No. 192/Spr, Ct. Tawseef Ahmad No. 451/Spr, Ct. Nirmal Dev No.547/AP 7th, Ct. Arshad Ahmad No. 678/Spr, Mohd Gulzar No. 196/SPO, Ab. Rashid No. 964/SPO, Mohd Amin No. 391/SPO, Gulzar Ahmad No. 427/SPO & Majnoon Ahmad No. 203/SPO (2nd team) Shri Showkat Ahmad-JKPS No. 116067-JKPS Dy.SP (OPS) Sopore, SI Sajad Ahmad No. ARP-109307, Ct Dawood Ahmad No. 09/Spr & Ct. Akeel Ahmad No. 46/Spr, Ct. Sheeraz Ahmad No. 438/Spr, Ct. Shabir Ahmad No. 772/Spr, Ct. Mushtaq Ahmad No. 449/IRP 13th Bn, Showkat Ahmad No. 245/SPO, Mohd Yousf No. 73/SPO, Sajad Ahmad No. 410/SPO, Tawseef Ahmad No. 289/SPO & Gh. Mohd No. 424/SPO were formed and tasked to evacuate the trapped civilians from the cordon area. The joint parties especially the recommendee by exhibiting highest degree of professionalism, courage and presence of mind ensured evacuation of all the trapped civilians from their respective houses to the safer places. After evacuation process, the cordon was further tightened around the target house and search operation started. During search, the holed up terrorists were warned to surrender but in return the terrorists threw a hand grenade followed by heavy volume of firing with their sophisticated weapons upon the searching party. The advance/joint parties including the recommendees did not lose their morale who promptly retaliated the fire resultantly a gun battle has started. Since the terrorists were hiding in the house in a shielding position who kept firing intermittently upon the operational component and were in intention for long drawn encounter to sought the help of miscreants /stone pelters for their escape. To counter their strategy all the connective roads /lanes and other streets leads towards the encounter site were plugged off and on the other hand the joint parties comprising upon above named police personnel led by Dr.G.V Sundeep-IPS (1st Team), volunteered themselves to storm the target house. So as per well planned the 1st joint party stared crawling towards the target house and the 2nd joint party also followed the 1st party by giving covering firing till the 1stparty reached the target house. The holed up terrorists after sensing that the security forces/police are about to enter the house for last/ultimate revolt, the terrorists as per their plan, one has jumped out from the house in front side and fired heavily upon the 1st Joint party, but the party especially Dr.G.V Sundeep-IPS, SI Syed Mudasir Javid Geelani, ASI Gh. Mohd r & Sgct Feroz Ahmad, without caring their lives and by exhibiting highest degree of courage, resilience and utmost professionalism retailed the fire effectively from a close range and in the close gunfight one dreaded terrorist got killed on spot. In the meanwhile, another terrorist without finding no other option also jumped out from the house through a window in left side of the house

who was immediately engaged by the 2nd joint party and in the ensuing retaliation, the 2nd party especially Sh Showkat Ahmad, Dy.SP (OPS) Sopore, SI Sajad Ahmad, Ct Dawood Ahmad & Ct. Akeel Ahmad put themselves in great risk and by showing outmost courage and professionalism killed another terrorist on spot. The killed terrorists were later on identified as most dreaded HM terrorists namely Basharat Ahmad Sheikh @ Basha S/o Mohammad Ramzan Sheikh R/o Malpora Panditan Bomai, Sopore and Aijaz Ahmad Mir S/o Abdul Qayoom Mir R/o Brath Kallan Sopore. Arms/ammunition recovered during the operation includes 02 AK-47 Rifle, 06 AK-47 Magazines, 107 AK-47 Rounds and 02 Pouch. Case FIR No. 47/2017 U/S 307/RPC, 7/27 A. Act stands registered in P/S Bomai in this regard. In the entire operation Dr.G.V Sundeep-IPS, SI Syed Mudasir Javid Geelani, ASI Gh. Mohd & Sgct Ferooz Ahmad played a conspicuous role and showed exemplary bravery and leadership qualities which led to the elimination of two local dreaded terrorists of HM outfit without any collateral damage.

In this operation S/Shri Dr. G V Sundeep Chakravarthy, IPS, Additional Superintendent of Police, Syed Mudasir Javid Geelani, Sub-Inspector, Gh. Mohammad, Asst. Sub-Inspector and Ferooz Ahmad Lone, SgCT displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 01/06/2017.

P PRAVEEN SIDDHARTH
Officer on Special Duty

No. 134—Pres/2019—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry/2nd Bar to Gallantry Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Jammu & Kashmir Police:—

NAME & RANK OF THE OFFICER

S/Shri

1.	Shahzada Kabir Mattoo Deputy Superintendent of Police	2ND BAR TO PMG
2.	Sher Khan Head Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 26-05-2017, following a credible input, a joint operation was launched at village Saimoh Tral by Awantipora Police in assistance of 42-RR and 180 Bn CRPF. After laying cordon, two searching parties were constituted under the close supervision of Shri Mohammad Zaid- SSP Awantipora one headed by Sh. Perwaiz Ahmad, SDPO Awantipora and the other under the command of Sh. Shahzada Kabir Mattoo, Dy.SP (PC) Tral. During search, suspicious movement was noticed by searching parties in the house of Mohammad Yousuf Dar S/O Gh Nabi Dar R/O Saimoh and on seeing the searching parties, terrorists fired indiscriminately towards them. The target house was closely cordoned by the search parties to evade their escape. Owner of the house and his family members were asked to come out from the house. As the family members were about to leave the house, terrorists hiding inside the house, fired indiscriminately upon the searching parties due to which the inmates got stuck in ground floor. The fire was retaliated in self defense. The terrorists were asked to surrender through public address system and were asked to allow the family members to come out of the house which the terrorists denied. It was planned to evacuate the family members trapped inside the house. First joint search party comprising SDPO Awantipora alongwith SI Faisal No. 113/Awt, H.C Sher Khan No. 395/Awt, Ct. Tilaq Raj No. 1327/A, Ct. Ab. Rashid No. 1423/PI, Ct. lrshad Ahmad No. 503/Awt, Ct. Shabir Ahmad No. 666/Awt, Ct. Irshad Ahmad No. 679/Awt,Ct. Zail Singh No. 828/IR 11 th Bn, Foll Satpal No. 49/IRP 6th Bn and 07 SPOs entered into the house and they came under heavy volume of fire from 02 different directions. The second searching party comprising Sh Shahzada Kabir Mattoo-KPS, Inspr. Adil Rashid No.7839/NGO, HC Davinder Kumar No. 118/IR 20th Bn, HC Ashaq Hussain No 33/Awt, Sgct. Rattan Lal No. 315/IR 11th Bn,Ct. Zahoor Ahmad No. 763/Awt, Ct. Ab. Rashid No. 742/Awt, Foll. Mohammad Ramzan No. 43/F, Foll. Shahnawaz No. 54/F and 06 SPOs kept the terrorists above their head engaged in firing. The 1st search party proceeded meticulously towards the house and successfully opened the door of the room wherein the family members were trapped in the ground floor. All the family members ran out of the house under the cover of searching party who on one hand engaged the terrorists in firing and on the other side took the family members safely out of the gate. After evacuation of the inmates, the situation was again reviewed and it was decided to throw Rocket Launchers/UBGL inside the house with the assistance of 42-RR to eliminate the hiding terrorists in the house in order to avoid collateral damage. Immediately after throwing Rocket launchers/UBGL upon the target, the house caught fire and one of the hiding terrorists jumped out from the house and fired indiscriminately towards the 2nd search Party who without caring their lives retaliated and the terrorist was gunned down. Since the hiding terrorist was firing indiscriminately from different directions, it was extremely difficult phase of operation. The 1st searching party headed by SDPO Awantipora lobbed a couple of grenades inside the house and on seeing that the searching parties are meticulously moving towards the target, the terrorist tried to escape and was eliminated in the retaliatory fire resulting in culmination of the operation. The eliminated terrorists were late identified as Sabzar Ahmad Bhat @ Sahab Don @ Abu Zarar S/O Gh. Hassan Bhat R/O Rathsuan Tral (HM-A Cat) and Faizan Muzaffer Bhat @ Umaira S/0 Muzaffer Ahmad Bhat

R/O Tral-i-Payeen (HM-B Cat). Case FIR No. 38/2017 U/S 307 RPC,7/27 A.Act, 16,18,20 and 38ULA(P) stands, Act stands registered in police station Tral in this regard.

In this operation S/Shri Shahzada Kabir Mattoo, Deputy Superintendent of Police and Sher Khan, Head Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 26/05/2017.

P PRAVEEN SIDDHARTH
Officer on Special Duty

The 13th January, 2020

No. 135—Pres/2019—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry/1st Bar to Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Jammu & Kashmir Police:—

NAME & RANK OF THE OFFICER		
	S/Shri	
1.	Pramvir Singh Balwal Additional Superintendent of Police	1ST BAR TO PMG
2.	Syed Javeed Ahmad Deputy Superintendent of Police	1ST BAR TO PMG
3.	Amjad Hussain Mir Sub-Inspector	PMG
4.	Muneer Ahmad Bhat Head Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 05-01-2017, acting on a tip off regarding presence of a terrorist in village Gulzarpora, Mochwa (Chadoora), SOG personnel under the supervision of SSP Budgam alongwith Shri Pramvir Singh, Addl. SP Budgam, Syed Javeed Ahmad, Dy. SP (Ops) Budgam, SI Amjad Hussain Mir LO CIU Budgam and HC Muneer Ahmad No.295/BD of CIU Budgam rushed to the village and cordoned off the said area. Later on, reinforcement from Police Station Chadoora, 53-RR and 178Bn CRPF too reached the spot. Necessary briefings were given to police parties and house to house search operation of the said village was started. As soon as the police parties reached the target house, the terrorist present inside the house fired indiscriminately as also lobbed hand grenade on police parties to cause maximum damage to the troops. With the result of this abrupt and heavy volley of bullets, SgCt Hoshyar Singh No 623/AP 13th of CIU Budgam sustained severe injuries and at the first instance, the injured was evacuated and rushed to hospital for treatment. Since the said house was cordoned off squarely and all the escape routes were plugged, the terrorist was asked to surrender but he denied the offer. At this moment, Police parties ensured the immediate evacuation of the masses from adjoining houses to a safer location. SSP Budgam constituted two teams, one headed by Shri Paramvir Singh, Addl S.P Budgam and assisted by DySP Muneer Ahmad SDPO Chara-ri-Sharief and HC Muneer Ahmadand other SOG personnel namely SgCT. Hoshyar Singh 13th, SgCT. Firdous Ahmad No. 522/BD, Ct. Sabzar Ahmad No. 729/AP 13th, Ct. Muhammad Ilyas No. 624/AP 13th,Manzoor Ahmad No. 43/SPO,Rameez Ahmad No. 684/SPO,Muhammad Jaffar No. 186/SPO,Ajaz Ahmad Ganaie No. 73/SPO andNazir Ahmad No. 467/SPO and the second party headed by Syed Javeed Ahmad, Dy.SP (Ops) Budgam assisted by SI Amjad Hussain, LO CIU Budgam, SI Mudasir Shafi No. 200/PAU PS Chadoora and other SOG personnel of CIU Budgam namely lmdad Hussain No. 1103/BD, Ct. Dilip Kumar No. 1097/BD, Ct. Mohd. Shafi No. 1263/BD,Ab. Rashid Dhobi No. 406/SPO,Manzoor Ahmad Bhat No. 333/SPO,Zahoor Ahmad Dar No. 368/SPO, Ab. Rashid Khan No. 08/SPO,Parvaiz Akhter No. 324/SPO,Farooq Ahmad Mir No. 226/SPO andFirdous Ahmad No. 528/SPO. The first team took the control of rear side of the target house and the second team was tasked to lay siege from the front side. Sensing trouble, the terrorist once again lobbed grenades and fired heavily towards the operational party so as to make an escape route for himself but the operational parties had positioned themselves tactfully and therefore, it caused no damage. It was decided to enter the house from rear/front sides. The 2nd party crawled nearer to the window from front side but the terrorist opened the main door of the first floor and started indiscriminate firing in an attempt to break the cordon so as to manage his escape. At this moment Syed Javeed, Dy.SP (Ops) & SI Amjad Hussain alongwith his team after crawling reached the targeted house and by then Shri Paramvir Singh, Addl. SP Budgam & HC Muneer Ahmad had also succeeded to enter the house from rear side and both the parties retaliated the fire effectively without caring for their lives. During ensuing encounter, the terrorist was killed successfully who was identified as Mohammad Muzafar Naikoo @ Muz Moulvi @ Muzammil S/o Ab. Hamid @ Majid R/O Baghat, Sopore category A++). Arms/ammunition recoveries were made from the place of occurrence are 01 Chinese Pistol (damaged), 02 Magazines of Pistol and 03 Rounds of Pistol. Case FIR No. 01 of 2017 U/S 7/25 Arms Act has been registered in Police Station Chadoora on 05-01-2017 and investigation swung into motion. The operation was conducted very cleanly

and without any damage to life of civilians of the said area and adjoining areas. This was possible only with the timely gallant action of the above named recommendees. During the course of gun fight, they did not care of their personal safety but displayed extraordinary courage, enthusiasm and extreme sense of duty which resulted in elimination of the dreaded terrorist. The said terrorist was involved in various heinous crimes in and around Sopore area and was hatching conspiracy to attack on police troops and security forces in the area of this district. The killing of the said terrorist is definitely a setback to terrorist modules which has caused discouragement and demoralization among the terrorists and relief to general masses.

In this operation S/Shri Pramvir Singh Balwal, Additional Superintendent of Police, Syed Javeed Ahmad, Deputy Superintendent of Police, Amjad Hussain Mir, Sub-Inspector and Muneer Ahmad Bhat, Head Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 05/01/2017.

P PRAVEEN SIDDHARTH
Officer on Special Duty

No. 136—Pres/2019—The President is pleased to award the 1st Bar to Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Jammu & Kashmir Police:—

NAME & RANK OF THE OFFICER

Shri Satish Kumar — 1st BAR TO PMG
Deputy Superintendent of Police

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 16-08-2017 at about 1700 hours, an information was received by Police Pulwama about the movement of terrorists in the general area of village Chandgam/Banderpora Karewas (High Ground) who were moving in a vehicle. They were tasked by their mentors to carry out a terror attack in District Pulwama with one of the likely target as the Air Force Station Base, Awantipora (Strategic Asset of the Indian Air Force) in order to create fear psychosis among the common masses and to disrupt peace and tranquility in the district. Since the time for reaction was very less, the information was immediately shared with DySP(Operations),Kakapora.Shri Satish Kumar, KPS-127950 who was assigned the task to formulate and execute a plan in order to neutralize them. Within a short time, Shri Satish Kumar decided to lay MVCPs in coordination with55 RR and 182/183 Battalions CRPF alongwith Pulwama Police on all the arterial routes leading to the target area and he himself along with his team decided to dominate the area in covert. While dominating the area, they saw a white colored Tavera bearing registration No. JK13C-5626 approaching from Chandgam Karewa towards Banderpora. They intercepted the vehicle at Banderpora. In a surprise turn of events, the driver and the civilian sitting on the front seats immediately opened the doors of the vehicle and started running away from the spot. SHRI Satish Kumardirected two of his boys to catch them.In the meantime he alongwith ASI Hilal Ahmad started moving towards the vehicle. Suddenly the terrorist travelling in the vehicle lobbed a grenade on them followed by indiscriminate firing, injuring both.The terrorist de boarded the vehicle and started running away.Due to the grenade Blast DYSP (Ops), Kakapora Shri Satish Kumar sustained multiple splinter injuries but despite being injured displayed utmost presence of mind, exemplary courage, devotion to duty without caring for his life tackled such a crucial /deadly situation and fearlessly chased the terrorist while continuously firing fromhis weapon towards the nearby fields and engaged him in a one to one firefight. He single handedly neutralized him after a fierce gun battle.The killedterrorist later identified as Mohd Ayoub Lone @Habitullah Cat "A+" S/o Lt. Abdul Majeed Lone, R/o Lelhar Kakapora District Commander for LeT outfit of District Pulwama. Arms/ammunition recovered during the operation includes 1 AK 47 rifle, 3 AK Magazines and 54 AK rounds.

It may be mentioned thatthe slain terrorist was mastermind in motivating the new youth for joining the militancy cadres. Besides, he was also instrumental in threatening of Panchayat members to resign from their posts. His death is a huge setback to terrorist cadres particularly for LeT outfit and a great relief for security forces/civilians in South Kashmir particularly for District Pulwama.He was involved in following cases:—

Case FIR No. 46/2016 U/S 307, 148, 149, 336,332 RPC, 7/27 I.A Act of P/SPulwama

- Case FIR No. 190/2016 U/S 307 RPC, 3/4 Explosive Act of P/S Pulwama.
- Case FIR No. 345/2016 U/S 307 RPC, 3/4 Explosive Act of P/S Pulwama.
- Case FIR No. 408/2016 U/S 302 RPC, 7127 I.A Act of P/S Pulwama.

Case FIR No. 59/2017 U/S 307 RPC, 120-B 3/4 Explosive Act of P/SPulwama.

In this operation Shri Satish Kumar, Deputy Superintendent of Poilce displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 16/08/2017.

P PRAVEEN SIDDHARTH
Officer on Special Duty

No. 137—Pres/2019—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry/1st Bar to Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Jammu & Kashmir Police:—

NAME & RANK OF THE OFFICER

	S/Shri	
1.	Showkat Ahmad Dar Deputy Superintendent of Police	1ST BAR TO PMG
2.	Imtiyaz Ahmad Wani Sub-Inspector	PMG
3.	Showket-ul-Islam SgCT	PMG
4.	Omer Hussain Wada SgCT	PMG
5.	Haneef Mohmad Bhat SgCT	PMG
6.	Hilal Ahmad Misgar Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 04-09-2017 at about 01.00 hours, while acting on a specific information regarding presence of HM terrorists in village Check-Brath, Sopore Police with the assistance of Army 22-RR & 179/ 92 Bn CRPF cordoned off the area and launched search operation. During search operation, contact was establishment with the terrorists who were hiding in the residential house of one Peerzada Bashir Ahmad S/o Gh. Hassan R/o Check-Brath,Sopore. Since it was midnight, all people were in deep sleep in their respective homes and there was apprehension of civilian casualties if the target house was stormed at the very moment.In order to forestall the designs of terrorists and to avoid civilian casualties, two joint teams of Police/Army one consisting upon SI Imtiyaz No. ARP- 15601, ASI Ab. Ahad 65/Spr, Sgct Showkat-ul-Islam 08/Spr, Sgct Umer Hussain 738/Spr,Sgct Mohd. Haneef 760/Spr, Ct. Hilal Ahmad 87/Spr, Ct. Mohd. Ramzan 582/Spr, Mohd. Shafi 771/Spr, Ct. Mushtaq Ahmad 589/Spr, Ct. Latief Ahmad 732/B, Ab. Lateef 18/SPO-Sec, Mohd. Abdullah 172/SPO-AWT, Aijaz Ahmad 247/SPO, Qazi Mohsin Ahmad 217/SPO, Mohd Shafi 496/SPO, Showkat Ahmad 318/SPO, Shabir Ahmad 170/SPO, Sanamdeep Singh 264/SPO & Nissar Ahmad 428/SPO led by Shri Showkat Ahmad-JKPS 116067-JKPS DySP (Ops),Sopore and 2ndTeam consisting of SI Iftikahr, HC Bilal Ahmad, Sgct Dawood Ahmad, Sgct Muzaffer Ahmad, Sgct Mohd Sadiq, Sgct Syed Arif Zia, Ct. Parvaiz Ahmad, Vaseem Ahmad,SPO,Gh. Rasool SPO, Ashiq Hussain SPO, Bilal Ahmad SPO-Bd, Waseem Ahmad SPO & Bashir Ali SPO-Sgr led by Shri Vikram Singh-JKPS, Dy.SP (Ops),Wadoora was formed and both the teams were tasked to evacuate all civilians from the target house as well as from adjoining houses. During evacuation process, the hiding terrorists fired many times upon the joint teams to cause life damage and to halt the evacuation process as the holed up terrorists were in endeavour to use the civilians as shields. But both the teams after putting in strenuous efforts, evacuated all the trapped civilians from the target house as well as from the adjoining houses. After ensuring that no civilian had left behind in the target house and its fringe areas, the holed up terrorists were asked to surrender, but they instantly turned down the warning and opened heavy volume of fire with their sophisticated weapons on the joint parties of Police/SFs which was retaliated and as such an encounter has triggered. The terrorists were 02 in number and were extremely dexterous in fighting with the Forces and as per their well line of attack, positioned in isolated places in the house and kept firing intermittently upon the Police/ SFs and were looking for long drawn operation to attract the attention of Stone Pelters and other miscreants/anti-national elements as in many cases the Stone Pelters helped the terrorists in escaping from the forces cordon by pelting stones. After thoughtful consideration with the counterparts, it was decided that the target house is to be stormed at the earliest before the dawn sets up. Accordingly the 1stjoint team led by Shri Showkat Ahmad-JKPS, Dy.SP (Ops), Sopore volunteered themselves to approach the target house for ultimate assault in front side and the 2nd Team led by Shri Vikram Singh-JKPS, DySP (Ops), Wadoora decided to go in back side of the house for final and ultimate assault. Both the teams as per well strategy started approaching the target in two different sides and the other Army/CRPF personnel who were also on job, gave them covering firing. The holed up terrorists after sensing that the forces are about to enter the house, one of the terrorist without finding any other option jumped out of the house in front side and opened heavy volume of fire upon the party, but the joint team especially Shri Showkat Ahmad-JKPS, Dy.SP (Ops),Sopore, SI Imtiyaz, Sgct Showkat-ul-Islam, Sgct Umer Hussain,Sgct Mohd Haneef, Ct. Hilal Ahmadretaliated be fire effectively and

in the exchange of firing one terrorist got killed. The second terroristsimilarly came out from the back side while kept firing constantly upon the police/SFs but the joint team especially Shri Vikram Singh-JKPS, Dy.SP (Ops), Wadoora, SI Iftikahr, Sgct Dawood Ahmad, Sgct Muzaffer Ahmad, Sgct Mohd Sadiq, Sgct Syed Arif Ziaalready positioned in rare side, intercepted the terrorist and in the shootout the second terrorist also got killed. The slain terrorists were Parvaiz Ahmad Wani @ Ishfaq @ Bashir @ Mudasir S/o Sonaulla Wani,R/o Guloora Handwara (HM Div. Commander of North Kashmir, A++ Category Terrorist and Nayeeem Ahmad Najar S/o Gh. Hassan Najar,R/o Brath Kalan, Sopore, (B-Category) of HM outfit. Arms/ ammunition were recovered from their possession are 02 AK-47 Rifle, 03 AK-Mags, 90 AK rounds, 01 INSAS Rifle, 01 INSAS Mag, 15 INSAS founds, 01 Carry Bag, 02 T-Shirt Combat print, 02 Trouser Combat print, 01 Pouch (Local) and 01 Combat lower proper. In this regard Case FIR NO. 25812017 U/S 307/RPC, 7127 A. Act stands registered in Police Station, Sopore and investigation taken up.

In this operation S/Shri Showkat Ahmad Dar, Deputy Superintendent of Police, Imtiyaz Ahmad Wani, Sub-Inspector, Showket-ul- Islam, SgCT, Omer Hussain Wada, SgCT, Haneef Mohmad Bhat, SgCT and Hilal Ahmad Misgar, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 04/09/2017.

P PRAVEEN SIDDHARTH
Officer on Special Duty

No. 138—Pres/2019—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry/2nd Bar to Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Jammu & Kashmir Police:—

NAME & RANK OF THE OFFICER

S/Shri

1.	Mir Murtaza Hussain Sohil Deputy Superintendent of Police	2NDBAR TO PMG
2.	Mir Ishfaq Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 14.02.2017, based on a specific information regarding presence of some Foreign terrorists in Parr Mohalla, Hajin, hiding there with the intension to carry out fidayeen attack on nearby Police/Army establishment, the information was shared with Army 13 RR and CRPF 45 BN. Accordingly after meticulous planning, a joint Cordon/search operation was launched at about 04:30 AM by SOG Bandipora, Police team from Police Station Hajin, Army 13 RR and CRPF 45 Bn. under the overall supervision of Shri Sheikh Zulafkar Azad SSP Bandipora. The area was cordoned off by teams of Army and Police, the police teams were led by Shri Mir Murtaza Hussain DySP PC Bandipora and Rashid Akber SDPO Sumbal. The operational parties used their tactical acumen to reach to the target area without getting exposed. Initially two composite squads of Army/Police were constituted for laying close and strong cordon of the suspected area. One operational team under the command of Shri Rashid Akber SDPO Sumbal, Sh Saqib Ghanie-KPS and Major Bishal Singh Thapa of 13 RR were assigned to lay cordon from north to south of the target area covering western side while as, the second operational team under the command of Mir Murtaza Hussain DySP PC Bandipora, and Major Amit Gour of 31 RR (temporary attached with 13 RR and presently out of state)were assigned to lay cordon from north to south of target area covering the eastern side of the suspected area under the overall command and supervision of Shri Sheikh Zulafkar Azad SSP Bandipora, Col. Vikram Jeet Singh CO 13 RR and Commandant CRPF 45 Bn Sh Chetan Parkash. During cordon, the composite force components i.e Police and Army established great coordination through mutual exchange of their respective communication wireless sets and hence acted in a very synchronized/professional manner. While as, the CRPF 45 Bn team and another Police party were assigned to lay outermost cordon in law and order mode and not to allow any civilian from the surrounding areas to move towards the target area. As soon as cordon was laid, the terrorists hiding in the cordon area fired indiscriminately upon the operational parties. It was a herculean task for the operational parties to evacuate the civilians safely who got entrapped in the area. Therefore, two teams were constituted for the purpose. One team under the command and control of Shri Rashid Akber SDPO Sumbal, Shri Saqib Ghani-KPS DYSP Prob. and other team under the command and control of Mir Murtaza Hussain Dy.SP (PC) Bandipora. It was an uphill task for these parties to evacuate the trapped civilians for which Rashid Akber SDPO Sumbal and Shri Saqib Ghani DYSP Prob. along with their buddy and Mir Murtaza Hussain Sohil DYSP PC Bandipora, Inspector Mehboob Hussain No. 7176/NGO along with their buddy Ct Mukthar Ahmad No. 651/Bpr, Ct Mir Ishfaq No. 38591/PW and Ct Rayees Ahmad No. 353/Bpr had not only to move to close proximity of the target area that is the adjoining area from where the hiding terrorists were regularly firing upon, these parties also had to maintain coordination and synchronization with the Army parties who had engaged the terrorists and gave cover fire to evacuating teams. After successful evacuation of civilians the third and most critical phase was the neutralization of hiding terrorists. The terrorists

were challenged to surrender but they striked back with volley of fire and grenade lobbing. An anti fidayeen (anti suicidal) squads comprising of SDPO Sumbal, Saqib Ghani DYSP Prob along with their buddy and Major Bishal Singh Thapa of 13 RR with his buddy and DyS.P (PC) Bandipore along with his buddy and Major Amit Gaur of 31 RR with his buddy under the overall command and supervision of SSP Bandipore, CO 13 RR and CO. CRPF 3' Bn Sh Chetan Parkash were constituted. Both these operational teams stormed the target area and in the ensuing close battle, terrorist tried to run away. The cordon was intensified and BP vehicles were positioned on the road to foil his design. The said terrorist sensing that he got trapped, took position in the street and resorted heavy firing on the Forces due to which 03 Soldiers of Army attained martyrdom and BS Thapa Major 13 RR, Chetan Kumar Cheetah Co CRPF 45 Bn and other soldiers got critically injured who were evacuated to safer places by the two searching police parties comprising of SDPO Sumbal, Saqib Ghani DYSP Prob along with their buddy and Major Amit Gaur of 31 RR with his buddy and DySP (PC) Bandipora and along with his buddy. The fire was effectively retailed and in the ensuing gun-battle one foreign terrorist of LeT Abu Hans R/O Pak was killed. Arms/Ammunition recovered during the operation includes 1 AK-56 Rifle, 4 AK-56 Magazines, 71 AK-56 Cartridges, 1 Grenade unsafe, 1 Pouch and Rs. 4270/- Indian Currency (damaged). Case FIR NO. 06/2017 U/S 302,307,148,149,427,353,332,336 RPC,3/4 Exp Sub Act,7/27 I.A Act stands registered in P/S Hajin and investigation taken up.

In this operation S/Shri Mir Murtaza Hussain Sohil, Deputy Superintendent of Police and Mir Ishfaq, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 14/02/2017.

P PRAVEEN SIDDHARTH
Officer on Special Duty

No. 139—Pres/2019—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry/1st Bar to Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Jammu & Kashmir Police:—

NAME & RANK OF THE OFFICER		
	S/Shri	
1.	Zubair Ahmed Khan Senior Superintendent of Police	1ST BAR TO PMG
2.	Afrat Hussain Deputy Superintendent of Police	PMG
3.	Masroor Ali Wani Sub-Inspector	PMG
4.	Manzoor Ahmad Lone Head Constable	PMG
5.	Zahoor Ahmad Lone Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 16-06-2017 at about 0600 hours, Police Anantnag received a credible input regarding presence of three dreaded terrorists of LeT outfit in the residential house of one Mohd.Shafi Malik S/o Gh Hassan Malik R/o Mohalla Idd Gah Arwani. A joint operation was planned by Police Anantnagand troops of 90 Bn CRPF and 1st RR were also involved. The joint troop under the overall command of SSP Anantnag rushed to the target site and launched-operation. In order to carry out the operation, 02 teams comprising of SI Rishi Kumar 141/PAU, SI Masroor Ali ARP-109301, HC Manzoor Ahmad 599/A, SgCt Dushant Raj 549/IRP, SgCt Surinder Raina 1201/A, Ct Zahoor Ahmad 1796/A, Ct Bilal Ahmad 643/IRP, Ct Fareed Ahmad 1399/A, Ct Aijaz Ahmad 1871/A, Ct Manzoor Ahmad 381/Awt, SPO Mohammad Iqbal 1337/SPO,Shabir Ahmad 798/SPO, Ab Majid 1210/SPO, Lateef Ahmad 421/SPO,Riyaz Ahmad SPO,Shabir Ahmad SPO,Mohammad Lateef SPO,Bashir Ahmad 943/SPO, and SPO Zahid Ahmad 365/SPO led by Sh. Afrat Hussain, DySP (Ops) Anantnag and Sh. Gh Mohd, DySP PC Srigufwara were constituted for execution of the operation. When search operation was started, the terrorists hiding in the house were asked to surrender but they denied and in turn indiscriminately fired upon the searching parties. Since there was possibility of collateral damage in view of complete darkness, all possible precautions were taken to avoid this risk. It was difficult to ascertain whether terrorists are alive, dead or have escaped in the darkness. In the wee hours of second day, SSP Anantnag, SP Ops Anantnag deviseda strategy to enter into the target house for which above two teams under the close supervision of Sh. Zubair Ahmad Khan, SSP Anantnag and SP, Ops Anantnag moved towards the area wherefrom terrorists opened fire in jeopardy of their own lives. On noticing, the movement of Police, terrorists abruptly fired which was effectively retaliated and resulted by the advance party resulting in fierce firefight which concluded with the elimination of three dreaded terrorists who were later on identified as Junaid Ahmad Matoo @ Abu Hamza S/o Manzoor

Ahmad Matoo R/o Khudwani Khamoo (category A), Nasir Ahmad Wani S/o Mohd Ahsan Wani R/o Hef Shirmal Shopian (category C) and Adil Mushtaq Reshi S/o Mushtaq Ahmad Reshi R/o Frestabal Pampore (category C). Arms/ammunition were recovered from the eliminated terrorists are 02 AK Rifles (damaged) and 03 AK Magazines (01 damaged). For which case FIR No. 76/2017 U/S 307 RPC, ULA(P), 7/27 A.Act stands registered in P/S Bijbehara and investigation taken up.

In this operation S/Shri Zubair Ahmed Khan, Senior Superintendent of Police, Afrat Hussain, Deputy Superintendent of Police, Masroor Ali Wani, Sub-Inspector, Manzoor Ahmad Lone, Head Constable and Zahoor Ahmad Lone, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 16/06/2017.

P PRAVEEN SIDDHARTH
Officer on Special Duty

No. 140—Pres/2019—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Jammu & Kashmir Police:—

NAME & RANK OF THE OFFICER

S/Shri

1. Sanjeev Dev Singh
   Sub-Inspector

2. Arfat Ahmad Rather
   Head Constable

3. Farooq Ahmad Khan
   SgCT

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 09-08-2017, a credible input was received by Police Awantipora regarding presence of terrorists in village Gulab Bagh Tral. Accordingly, cordon of the village was carried out jointly by Police Awantipora, 42-RR and 180 Bn CRPF. Immediately, 02 joint searching parties were constituted one under the command of Sh Ajaz Ahmed, DySP (PC) Pampore and other Sh Shazada Kabir Mattoo, DySP (PC) Tral, under the close supervision of Sh Mohammad Zaid, SSP Awantipora. During search operation, suspicious movements were noticed by the joint searching parties and the terrorists in the notion that they have been cordoned off, fired towards the searching parties and tried to escape through a Nala. The joint searching parties were already in well position and fired towards the terrorists in retaliation. The terrorist were asked to surrender, which they refused. The terrorists tried to escape from the encounter site from the nearby NALA but 1st searching party comprising Sh Ajaz Ahmad, Dy.SP (PC) Pampore alongwith HC Arafat 488/S, SgCt Farooq Ahmad 819/IR 11th Bn, SgCt Javid lqbal 189/Awt, Ct Sajid Salam 809/Awt, Ct Mohammad Abas Malla 558/Awt, Ct Nisar Ahmad 513/Awt, Ct Javid Ahmad 6631Awt, SPO Zahoor Ahmad Dar 99/SPO, SPO Lateef Ahmad Sofi 503/SPO, SPO Mohammad Ashraf 319/SPO, SPO Reyaz Ahmad Khan 357/SPO, SPO Mohd Ashraf Shan 114/SPO, SPO Amarpal Singh 326/SPO, SPO Ravinder Singh 218/SPO and SPO Sajad Hussain No. 311/SPO noticed the movement and fired upon the terrorists due to which they got stuck in the NALA. Meanwhile, the terrorists took position behind the natural augment of sand in the middle of NALA and continuously fired towards the joint searching party. At that time the 2nd joint searching party comprising Sh Shazada Kabir Mattoo, DySP PC Tral alongwith SI Sanjeev Dev Singh ARP 996974, SgCt Khurshid Ahmad 526/Awt, SgCt Satishwar Singh 115/AP 5th Bn, SgCt Gazenfur Ahmad 695/AP 5th Bn, Ct Pervaiz Ahmad 784/Awt, Ct Showkat Ahmad 714/Awt, SPO Khursheed Ahmad Dar 111/SPO, SPO Mohd Rafiq Raina 743/SPO, SPO Fayaz Ahmad 304/SPO, SPO lrshad Ahmad Sheikh 168/SPO, SPO Mohd Maqbool Bhat 277/SPO,SPO Ajaz Ahmad 41/SPO, SPO Umer Farooq 64/SPO and SPO lqleel Ahmad 53/SPO crossed the NALA to engage the terrorists who were trying to manage their escape and immediately entered in the NALA and tactically moved ahead to cross the NALA and cover up the fleeing terrorists from the other side of the NALA. Meanwhile DySP (PC) Pampore alongwith his buddy pair also crossed the NALA and reached close to the terrorists in the cover of trees on the bank of NALA. The terrorists observed that the joint searching parties are covering themselves on elevated surface and are moving meticulously towards them, they changed their position and made an effort to reach near the bank in order to escape but the 1st searching party comprising Sh. Ajaz Ahmed alongwith HC Arafat, SgCt Farooq Ahmad, SgCt Javid lqbal reached extremely nearer without caring their lives moved meticulously and fired one of the terrorist while he was crossing water stream of NALA resulted his elimination. The other terrorists took cover behind the uprooted tree in the NALA and hurled grenade towards the party which exploded with a bang but luckily without causing any damage. The other terrorists were firing indiscriminately towards the joint search parties in order to make escape. The 2ndsearch party comprising of DySP(PC) Tral alongwith his buddy pair decided to move forward and SI Sanjeev Dev Singh No, SgCt Khursheed Ahmad without wasting time fired upon the terrorist and neutralized him. The 3rd terrorist fired indiscriminately towards the 2nd search party and by taking the advantage of the situation, the 1st searching party comprising DySP (PC) Pampore, Sh Ajaz Ahmad, DySP alongwith his buddy pair, came across the terrorist and within a fraction of time neutralized

him resulted in the culmination of encounter. The eliminated terrorists identified as Mohd lshaq Bhat S/o Ab. Salam Bhat R/o Batagund Tral (category-A), Zahid Ahmad Bhat S/o Ab Rashid Bhat R/o Nowdal Tral (category-B) and Mohd Ashraf Dar S/o Gh. Mohi-u-din Dar R/o Baghi Trich Pulwama (category-B) of Ansar Gazwat-ul-Hind (Zakir Moosa Group) earlier affiliated with HM/LeT. Arms/ammunition recovered during the operation includes 2 AK-47 Rifle (1 damaged), 4 AK-Magzine (1 damaged), 105 AK-Rounds, 1 Pistol 9mm, 1 Pistol Magazine, 2 Pistol Rounds, 2 Pouches and 1 Convas Belt. Case FIR No. 57/2017, U/S 307 RPC, 7/27 A.Act,16, 18, 20 and 38 ULA(P) Act stands registered in P/S Tral and investigation taken-up.

In this operation S/Shri Sanjeev Dev Singh, Sub-Inspector, Arfat Ahmad Rather, Head Constable and Farooq Ahmad Khan, SgCT displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 09/08/2017.

P PRAVEEN SIDDHARTH
Officer on Special Duty

No. 141—Pres/2019—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry/1st Bar to Police Medal for Gallantryto the under mentioned officers of Jammu & Kashmir Police:—

NAME & RANK OF THE OFFICER		
	S/Shri	
1.	Shafat Mohmmad Najar Deputy Superintendent of Police	1ST BAR TO PMG
2.	Nisar Ahmad Bhat Inspector	1st BAR TO PMG
3.	Sakit Koul SgCT	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 09.10.2017, Police Shopian received a credible input regarding presence ofterrorists in village GattiporaKeller. Immediately, Police Shopian/ Pulwama in assistance of 44 RR, 10 Gadwal & 14th Bn CRPF laid a joint CASO of the said village. In order to make the operation successful two Police/SF teams under the joint supervision of SSP Shopian were constituted to identify the location/hideout of terrorists. The constituted teams were succeeded in zeroing the hide in which terrorists were hiding. The first party comprising Police party of Shopian and small QRTs of 10th Gadwa1,44 RR and 14th Bn CRPF was asked to lay cordon of the suspected house from North Eastern and South Eastern side while as the second Police party was tasked to lay the cordon of the target house from North-Eastern and South Eastern side. The parties positioned themselves according to formulated plan. SSP Shopian who was overall incharge of the cordon parties formed a small teams of Police Pulwama/ Shopian. One team comprising Inspector Nisar Ahmad No. ARP-046110, SI Tashi Gyalson No. EXK-055608 & SgCt Manzoor Ahmad No. 318/PL and others and second team comprising Shri Shafat Mohammad Najar Dy.SP(Ops),Keller, Shri Ashiq Hussain Dy.SP(Hqrs), Shopian, Shri Wajahat Hussain Dy.SP(Ops),Zainapora, SgCt Sakit Koul No. 393/IR 18th and SgCt Ali Mohammad No. 387/IR 14th Bn for evacuation of the inmates of adjoining houses as the area is conjunctional. Both the teams very tactfully and intelligently evacuated the inmates from the adjoining houses/orchards and shifted them to nearby safer place to ensure that there is no collateral damage in the first instance. The three hold up terrorists were asked to surrender which they refused and opened fire upon the operational parties which was retaliated effectively. The operational Commander planned for Intervention party of the target house. The intervention party having taken all precautions started the process of intervention; however, as the party reached near the suspected house, it came under heavy fire from terrorists positioned inside the house of Ali Mohammad R/o Gattipora. The holdup terrorists lobbed grenades and fired towards the advancing parties, in which the intervention parties had a miraculous escape. In a tactful move the intervention party withdrew only to enter the house from the other sides. At this initial stage, SSP Shopian constituted two small parties, one party comprising Shri Shafat Mohmmad Najar Dy.SP (Ops), Keller, Dy.SP (Hqrs),Shopian, SgCt Sakit Koul No. 393/IR 18th and SgCt Ali Mohamad No. 387/IR 14tn Bn alongwith adequate nafri of Police Shopian and QRTs of 10 Gadwal, 44 RR and 14th Bn CRPF. The 2nd party comprising Shri Wajahat Hussain Dy.SP(Ops),Zainapora, Inspector Nisar Ahmad No. ARP-046110, SI Tashi Gyalson No. EXK-055608 & SgCt Manzoor Ahmad No. 318/PL alongwith Police personnel of District Pulwama and small QRTs of 10 Gadwal, 44 RR and 14th Bn CRPF. The 1st party decided to enter in the house from South-East side and 2nd party decided to enter the target house from South-West side. But the holdup terrorists lobbed grenades from a window but it caused no damage as the approaching parties were advancing tactfully and reached nearer to the window of the target housewhere terrorists lobbed the grenades/ fired. Then the terrorists started firing indiscriminately through the main door of the house in an attempt to break the cordon and run away. At this moment Shri Shri Shafat Mohmmad Najar Dy.SP (Ops),Keller, Shri Ashiq Hussain Dy. SP(Hqrs),Shopian, SgCt Sakit Koul, SgCt Ali Mohamad, SgCt Mohd Imtiyaz No. 657/SPN, SgCt Tariq Ahmad, Ct Quasir Ahmad No. 383/ IRP 18th, Ct Zahid lqbal No. 199/IR 2nd, Ct Mehraj-ud-Din No. 627/Spn, SPO Pervaiz Ahmad No. 204/SPN, SPO Bashir Ahmad No. 391/SPN, L/SPO Maroofa No. 131/SPN,SPO Guftar Ahmad No. 298/SPN, SPO Jehangir Ahmad No. 58/SPN, SPO Opender Singh No.

132/SPN, SPO Mohd Yaseen No. 149/SPN alongwith other security force personnel after reaching near the target house retaliated the fire effectively without caring for their personnel lives and neutralized two terrorists and another terrorist who in order to escape, hide himself in another part of the target house opened indiscriminate fire from the South-West side windows on the 2ndparty to break the cordon but the party comprising of Shri Wajahat Hussain Dy. SP (Ops),Zainapora, Inspector Nisar Ahmad, SI Tashi Gyalson, SgCt Manzoor Ahmad, SgCt Gurnam Singh No. 2439/J, SgCt Chander Singh No. 822/IR 11th, Ct Nazir Ahmad Kohli No. 1046/PL, Ct Muslim lqbal No. 988/PL, Ct Imtiyaz Ahmad No. 916/PL, SPO Sohan Kumar No. 17/Pul, SPO Altaf Hussain No. 07/Pul, SPO Ab Hamid No. 285/Pul, SPO Firdous Ahmad No. 95/Pul, SPO Mukthar Ahmad No. 223/Pul, SPO Tanveer Ahmad 05/Pul and other security force personnel of 10 Gadwal, 44 RR and 14th B n CRPF who had already taken position near the house from South-West sides retaliated the fire bravely and in the exchange of fire the third terrorist was also gunned down.The eliminated terrorists were affiliated with banned outfit HM who were later-on identified as Zahid Ahmad Mir @ Ubaid S/o Shamim Ahmad Mir R/o Ganowpora Balpora ("A" Recommended for "A+" by SSP Shopian vide No. C5/M-I/17/6230-33 dated 28/07/2017), Irfan Abdullah Ganie S/o Mohammad Abdullah R/o Heff Zainapora ("C" Recommended for "B" by SSP Shopian vide No. CS/M-I/17/6230-33 dated 28/07/2017) and Asif Ahmad Paul S/o Bashir Ahmad Paul R/o Kathohallan Shopian (Recommended for "C" category vide RPHQ letter No. CS/80/2017/5709-11 dated 28/07/2017). The following recoveries were made from the eliminated terrorists are 01 INSAS Rifle, 02 AK-47 Rifle, 52 INSAS Rounds, 119 AK-47 Rounds, 04 AK-47 Magazines, 01 INSAS Magazine, 01 Chinese Grenade, 03 Combat pouch, 03 Sling, 02 AK-47 Broken case, 01 INSAS Fired Case, 02 Combat Uniform, 01 Mala, 03 Belt, 01 Hand Kerchief, 01 Combat Trouser, 01 Combat cloth peace, 01 Hair Band, 01 Hand Gloves, 02 Medicine Box, 01 Nail Cutter, 01 Scissor, 01 Tissue paper and 01 Tooth brush. In this regard, case FIR No. 59/2017 U/S 307, 7/27 A.Act stands registered in P/S Keller and investigation set into motion.

In this operation S/Shri Shafat Mohmmad Najar, Deputy Superintendent of Police, Nisar Ahmad Bhat, Inspector and Sakit Koul, SgCT displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 09/10/2017.

P PRAVEEN SIDDHARTH
Officer on Special Duty

No. 142—Pres/2019—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Jammu & Kashmir Police:—

NAME & RANK OF THE OFFICER

S/Shri

1. Gh. Mohd. Bhat
   Deputy Superintendent of Police

2. Ishfaq Ahmad Kasana
   SgCT

3. Yog Raj
   SgCT

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 14-12-2016 at about 0630 hours, following a credible input regarding presence of terrorists in village Bewoora Srigufwara, Police Anantnag in assistance with 3 RR and 116 Bn CRPF launched a joint operation in the said village. After analyzing the situation, DySP (Ops) Sangam alerted the troops to keep confidence & hold the cordon strongly. In order to make the operation successful under the supervision of SP Ops Anantnag, a team of Police/CRPF/Army under the command of DySP PC Sangam was constituted for laying cordon strongly. The Police party comprising Shri Gh Mohd, DySP PC Sangam, Inspr Tanvir Ahmad No. 7554/NGO, SI Reyaz Ahmad No. 118/PL, HC Mohammad Yaqoob No. 140/A, SgCt Yog Raj 559/IRP, SgCt lshfaq Ahmad No. 537/A, Ct Tariq Ahmad No. 445/IRP, Ct. Parveez Ahmad No. 1669/A, SPO Jatinder Singh No. 554/SPO, SPO Fayaz Ahmad No.151/SPO, SPO Farooq Ahmad No. 518/SPO, SPO Maysar Hussain No. 1279/SPO and SPO Ashiq Hussain No. 772/SPO was constituted to enter into the target house. The terrorists were asked to surrender which they denied and in turn fired indiscriminately upon the Police party in which they had a narrow escape. The fire was effectively retaliated by the Police party and the terrorist was back-tracked. The well trained terrorist equipped with sophisticated weapon tried to break the cordon by throwing grenades on the Police party followed by indiscriminate firing. However, the Police party retaliated bravely without caring for their lives with the help of two Army jawans in which one dreaded terrorist of HM Outfit was eliminated. Later on the terrorist was identified as Basit Rasool Dar @ Sameer S/o Ghulam Rasool Dar R/o Marhama Magray Pora who stands recommended for categorization under "B" category of HM outfit. Arms/Ammunition recovered during the operation includes 1 AK 47 rifle, 2 AK 47 magazines, 11 rounds, 1 Grenade and 1 pouch. Case FIR No. 68/2016 U/S, 307, 7/27 A.Act stands registered in P/S Srigufwara and investigation taken-up.lt may be mentioned that that eliminated terrorist was active in District Anantnag from 21.10.2016 and was considered to be the

great threat for South Kashmir particularly District Anantnag as he was planning to carry out terrorist attacks on security forces. The said terrorist was having capacity of motivating youth to join terrorist ranks, to rebuilt the HM base in Anantnag, Bijbehara towns. Thus, his elimination was a great success for J&K Police.

In this operation S/Shri Gh. Mohd. Bhat, Deputy Superintendent of Police, Ishfaq Ahmad Kasana, SgCT and Yog Raj, SgCT displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 14/12/2016.

P PRAVEEN SIDDHARTH
Officer on Special Duty

No. 143—Pres/2019—The President is pleased to award the1st Bar to Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Jammu & Kashmir Police:—

NAME & RANK OF THE OFFICER

S/Shri

1.	Gazenfer Syed Inspector	1St BAR TO PMG
2.	Manzoor Ahmad Mir Head Constable	1St BAR TO PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 09.03.2017, a specific information was received from reliable sources that HM banned outfit terrorist namely Mushtaq Ahmad Seer S/0 Sherdil Seer R/O Malangam has entered into town Bandipora with illegal arms/ammunition with the intention to carry out terror attack on nearby Police/Army establishment. The information was shared with Army 14 RR and CRPF 3rd Bn. Accordingly after meticulous planning, a joint Naka was laid down near BDO office Bandipora by Police Bandipora, Army 14 RR & CRPF 3rdBn under the overall supervision of SSP Bandipora along with Addl. SP, DYSP Hqr's and Inspr. Gazenfer Syed EXK-906032. One operational team under the command of Shri Dawood Ayub Addl.S.P. Bandipora, DYSP Hqr's Bandipora, Ct. Nazir Ahmad 320/Bpr, Ct. Bilal Ahmad 909/Bpr and Major Army 14 RR was assigned to lay cordon from East to south of the target area while as, the 2nd operational team under the command of Gazenfer Syed EXK906032 SHO PS Bandipora and their buddy HC Manzoor Ahmad Mir 137/Bpr, Sgct Irshad Ahmad 548/IRP 8th Bn, Ct Sajad Ahmad 351/ IRP 8th Bn, Ct. Rayees Ahmad 353/Bpr, Ct. Mohd. Yaqoob 594/IRP 8th Bn, SPO Umer Farooq 72/SPO, SPO Shams-ud-Din 271/SPO, SPO Mohd Akbar 100/SPO, SPO Mohd Amin 204/SPO, SPO Khursheed Ahmad 289/SPO and SPO Gh. Mohi-ud-Din 380/SPO was assigned to lay cordon from West to south of target area under the overall command and supervision of Shri Sheikh Zulfikar Azad SSP Bandipora. During cordon, the composite force components i.e. Police and Army established great coordination through mutual exchange of their respective communication wireless sets and hence acted in a very synchronized and professional manner. While as, the CRPF 3rd Bn. team and another police party were assigned to lay outermost cordon in law and order mode with the instructions that no civilian from the surrounding areas be allowed to move towards the target site so that the main target area is not disturbed by unruly mob during conduct of operation. During Naka, one Sumo vehicle on way from Gulshan Chowk, Bandipora towards Quilmuqam Bandipora was stopped by Naka party near BDO office Bandipora for search. The terrorist who was traveling in the vehicle was challenged to surrender but he strike back with volley of fire resulting in injuries to Major Jani of Army 14 RR. It was a herculean task for the operational parties to evacuate safely the civilians from the encounter site. The terrorist tried to run away, the cordon was strengthened and BP vehicles were positioned on the road to foil his movement. The said terrorist sensing himself to be trapped took position on the street and resorted heavy firing on the Forces. The fire was effectively retailed by joint forces and in the ensuing gun battle, one local terrorist of HM banned outfit namelyMushtaq Ahmad Seer S/O Sheer DilSeer R/O Malangamwas killed. The slain terrorist was an "A" category terrorist. Arms/Ammunition recovered during the operation includes 01 Chinese Pistol, 01 Chinese Magazine, 10 Pistol Rounds, 02 Cartridge and 01 Chinese Grenade. Case FIR No. 24/2017 U/S 307, 7/27 I A Act stands registered in P/S Bandipora in this regard.

In this operation S/Shri Gazenfer Syed, Inspector and Manzoor Ahmad Mir, Head Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 09/03/2017.

P PRAVEEN SIDDHARTH
Officer on Special Duty

No. 144—Pres/2019—The President is pleased to award the President's Police Medal for Gallantry/ Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Jammu & Kashmir Police:—

NAME & RANK OF THE OFFICER

S/Shri

1.	Sayed Zaheer Abbas Jafari Deputy Superintendent of Police	(PMG)
2.	Late Imtiyaz Ahmad Constable	PPMG (Posthumously)
3.	Mohd. Yaqoob Jehra Constable	(PMG)

Statement of service for which the decoration has been awarded

During intervening night of 25/26-08-2017, 03 foreign terrorists after firing indiscriminately and hurling grenades managed to enter DPL Pulwama premises to carry out a suicidal/ Fidayeen attack on SOG Camp Pulwama. The terrorists were intercepted by one of the Police Constable namely lmtiyaz Ahmad 963/PL who was leaving from his residential quarter (Block C) to perform duties in SOG Camp Pulwama. The said constable noticed iniquitous movement of some gunmen heading towards SOG Camp in rush. They when asked to stop by him, started indiscriminate firing upon the said constable and he got injured. As the Gazetted residential block is in the vicinity of family quarters, Sh. Zaheer Abass Jafari, Dy. SP OPS Pulwama on hearing the sound of fire shots immediately swung into action and also informed Sh. Mohammad Aslam, SSP Pulwama and Sh. Chandan Kohli-IPS, Addl SP Pulwama. The officers alongwith their escort without taking much time, reached the encounter site. DySP OPS Pulwama immediately rushed towards the location alongwith his escort namely HC Ashish Pandita 975/PL, SgCt Jahangir Ahmad Darzi 760/PL, SgCt Sunny Bhat 580/IR 11th Bn, SgCt Javaid Ahmad 587/PL and Ct Mohammad Yaqoob 566/PL. Due to the retaliation of fire by Ct lmtiyaz Ahmad No, 963/PL and the approaching of DySP OPS Pulwama along with his buddy, these gunmen (Fidayeen) took refuge in the residential blocks of DPL Pulwama. Constable lmtiyaz Ahmad 963/PL despite being injured, continued to fight back till his last breath and didn't allow the FTs (Fidayeen) to come close to the SOG Camp. The terrorists (Fidayeen) also threw some UBGLs near the constable due to which he got seriously injured and received splinters in his head. The said constable due to injuries couldn't survive for long and later succumbed/attained martyrdom. DySP OPS Pulwama lead a party from SOG Camp Pulwama headed by SI Amjad Hussain EXK-109479 and SgCt Shanawaz Ahmad 446/PL, Ct Hilal Ahmad Talie 1028/PL, Ct Mohammad Maqbool Lone 1494/PL, Foll Jugjeet Singh F-35 IR 12th Bn, SPO Ali Mohammad 396/SPO, SPO Hameedullah Malik 575/SPO, SPO Mohammad Younis 170/SPO, SPO Touseef Ali 107/SPO, SPO Showkat Ahmad 155/SPO, SPO Mohammad Yousuf 431/SPO, SPO Ghulam Nabi 63/SPO, SPO Abdul Kareem Jaungle 1315/SPO (BLA), SPO Tariq Ahmad 387/SPO and SPO Showkat Ahmad 50/SPO immediately cordoned the area in assistance with 182 Bn CRPF and took every possible step to hold the terrorists (Fidayeen) in the corridor of residential quarters. Each FT occupied a different residential blocks C/D/E, continued to fire indiscriminately, hurled grenades and UBGLs from three different sides. As, residential blocks viz C, D and E were cordoned by SOG Pulwama and CRPF 182 Bn, rest of the residential blocks were scrutinized and security in those blocks was enhanced by Shri Zaheer Abass Jafari, DySP (Ops) Pulwama. It was a big challenge to evacuate the inmates from the quarters forcibly occupied by terrorists (Fidayeen) as they fired indiscriminately and hurled grenades upon evacuating team headed by DySP Ops Pulwama and his buddy received bullet injury. The evacuation under heavy attack was made successful by DySP Ops Pulwama with the assistance of Shri Devender Singh, DySP DAR DPL Pulwama and ASI Karnail Singh 59/PL under cover fire provided by QRT of SOG Pulwama led by SI Amjad Hussain EXK109479. The evacuating team without caring for their personal safety, evacuated families from 30 quarters, except from one quarter located at top of Block C in which 02 SPOs namely Mohammad Yousuf Hajam 54/SPO, Mohammad Rafiq Hajam 327/SPO and one Nursing orderly namely Amarjeet Singh No. 003019/PMS were residing. A telephonic contact was maintained between Amarjeet Singhand DySP OPS Pulwama and it come to light that the above said SPOs have fought with terrorists (Fidayeen) with empty hands in block C and had set the maximum restrain from their side. These SPOs were shot by the terrorists and attained martyrdom. The call continued and all necessary measures were taken to evacuate the said Nursing orderly but suddenly the call was disconnected from the side of Amarjeet and it was presumed that he also had attained martyrdom. At about 1100 hours, the whole process of evacuation was completed, although one of the buddy of DySP Ops Pulwama namely Ct Mohammad Yaqoobwas seriously injured, DySP Ops Puwlama didn't lose his heart and remained alert along with his team and without caring for his personal life bravely executed the process of evacuation. In order to neutralize the holed up terrorists (Fidayeen), cordon was intensified with the assistance of 182, 183Bn CRPF and 55RR and retaliation was firmly executed. One of the terrorist (Fidayeen) hiding in Block D suddenly went in open with indiscriminate firing upon the troops. DySP Ops Pulwama had a narrow escape in the incident. The said Fidayeen was neutralized at the entrance of the residential block D. The remaining terrorists (Fidayeens) kept on firing over some specialized targets and used to fire upon the movement (if noticed) around the residential compartments. DySP (Ops) Pulwama alongwith his team without caring for their lives remained alert, tackled such a crucial situation bravely/retaliated effectively. The encounter was challenging and lasted for almost 20 hours and when the firing stopped from the side of terrorists, a joint team of 55 RR (Army), 182 Bn and 183 Bn CRPF and Police under the supervision of SSP Pulwama was constituted. During search the dead bodies of two more terrorists were also recovered and lateron identified as Abu Dawood R/O Pakistan, AbirSaad R/O Pakistan and Abu Baqar

R/O Pakistan. Arms/ammunition recovered during the operation includes 1 AK 47 rifle with UBGL (damaged), 2 AK 56 rifles (damaged), 10 AK Magazines (4 damaged), 80 AK rounds, 1 weapon site and 3 body pouch. Case FIR No. 282/2017 U/S 307 RPC, 7/27 I. A.Act 16, 18, 20 ULA stands registered in Police Station Pulwama.

In this operation S/Shri Sayed Zaheer Abbas Jafari, Deputy Superintendent of Police, Late Imtiyaz Ahmad, Constable and Mohd. Yaqoob Jehra, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 26/08/2017.

P PRAVEEN SIDDHARTH
Officer on Special Duty

No. 145—Pres/2019—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Jammu & Kashmir Police:—

NAME & RANK OF THE OFFICER

Shri Nisar Ahmad Dar
Head Constable

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 17-07-2017, a specific information was received by Police Anantnag regarding movement of 02 to 03 terrorists in a vehicle in Bulbul Nowgam- Dialgam area. Accordingly, a joint naka was laid by Police Anantnag with 19 RR/40 Bn CRPF at Watergam on Bulbul Nowgam- Wanihama road. After analyzing the situation, DySP Ops Anantnag alerted the troops to keep the confidence & hold the naka strongly. In order to make the operation successful, SSP Anantnag took the charge of the whole operation and framed joint teams of Police/CRPF/Army. The police party comprising of Sh. Afrat Hussain, DySP PC Anantnag assisted by SI Masroor Ali No. ARP-109301,HC Mohammad lqbal No.411/B, HC Nisar Ahmad No. 2258/S, SgCt Mudasir Ahmad No. 245/AHJS, SgCt Muzaffar Ahmad No. 186/IRP, Ct Shailender Kumar No.297/J, Ct Vickey Raina No. 394/IRP, SPO Javid Ahmad No. 1204/SPO, SPO Lateef Ahmad No. 982/SPO, SPO Zulfiqar Nabi No. 1136/SPO, SPO Lateef Ahmad No. 644/SPO, SPO Ab Rehman No. 702/SPO, SPO Zahoor Ahmad No. 02/SPO and SPO Mohd Altaf No. 389/SPO laid a strong naka at Watergam on Bulbul Nowgam-Wanihama road. In the meantime, a vehicle (Maruti white colour) came from opposite direction towards naka party which was signaled to stop. However, the individuals boarded in the vehicle fired upon the naka party indiscriminately so as to escape from the spot. However, the alert naka party retaliated effectively which resulted in the elimination of three terrorists identified as Showkat Ahmad Lohar @ Abu Jibran of LeT S/O Abdul Rehman Lohar R/O Nai Basti Arwani "C" Category terrorist recommended for A Category, Mudasir Ahmad Hajam @ Abu Saad S/0 Gull Mohammad Hajam R/O Danwathpora Kokernag (C-Cat.) and Rayees Ahmad Bhat @ Nasir S/O Nazir Ahmad R/O Hakoora A/P Pir Pora Pehroo Anantnag. Arms/ammunition recovered from the possession of eliminated terrorists includes 01 AK-47 Rifle (No. 22149) (damaged), 02 AK-47 Magazines (01 damaged), 01 SLR (Barrel bowdlerized), 03 SLR Magazines, 38 Live Rounds of SLR, 01 Pistol (made in China) with Magazine (empty), 01 Live Grenade, 02 Pouch, 01 Maruti (800) No. JKO2M-3240, 03 Mobiles (Samsung J1, LAWA Magic, Samsang-J7) (From Mudasir @ Abu Sad), 03 Mobiles (Nokia-1280, LAWA, Samsang-Black) (From Showkat @ Jibran), 01 Mobile (Samsung —Black) (From Rayess @Nasir) and 01 ATM Card No. 5152280472030066 (From Rayess @ Nasir) and case FIR No. 167/2017 U/S 307, 7/27 A. Act stands registered in Police Station Anantnag.

The eliminated terrorists were believed to be the potential threat to peace and order particularly, the main townships on NHW including Railway tracks in SKR. They were also involved in many weapon snatching incidents witnessed in SKR besides killing of SFs/Police Personnel.

In this operation Shri Nisar Ahmad Dar, Head Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 17/07/2017.

P PRAVEEN SIDDHARTH
Officer on Special Duty

No. 146—Pres/2019—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry/1st Bar to Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Jammu & Kashmir Police:—

NAME & RANK OF THE OFFICER

S/Shri

1. Reyaz Ahmad Langoo (PMG)
   Inspector

2.	Ramees Ahmad Bhat SgCT	1st BAR TO PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 13th November, 2017 during late night hours, credible information about presence of terrorists belonging to LeT/HM terror outfits in the area of Kund Qazigund,Kulgam was received by Kulgam police who were hatchingsome conspiracy to carry out sensational action in the area especially on NHW A-1. The joint forces of Police, 9 RR, 10th Sikh, 18th Bn CRPF, and 163 Bn CRPF rushed to the area and joint strategy was chalked out for neutralization of the terrorists. The joint teams of Police/Army/CRPF headed by their operational officers concerned including Sh. SHRIdhar Patil,IPS, SP,Kulgam alongwith Addl. SP Kulgam Sh. Ajaz Zargar and Sh. Aijaz Ahmad Malik, DySP (Ops) Manzgam, DySP Buran-ul-Haq, Inspector Reyaz Ahmed of (CI) unit and police parties of Manzgam/Kulgam/Hatipora laid the initial cordon and plugged off all the escape routes. In the beginning, efforts were made to evacuate the civilians and message was passed on to terrorists through village elders to surrender which they denied and instead fired indiscriminately upon SFs with the intention to cause casualties. The whole area was sensitized by the officers to ensure that no any civilian is trapped or made hostage by the terrorists whom they used as human shield. Inspector Reyaz Ahmad No. 7173/NGO along with his buddies Sgct. Fida Hussain No. 718/Kgm and SgCt Ramees Ahmad No. 393/Kgm went closer to the target area to caught hold the terrorists but the terrorists lobbed a grenade on police party followed by heavy firing and tried to escape from the spot taking advantage of dense forests. On the other side, HC Azad Ahmad EXK-021654, HC Padam Dev 44/IRP 18th Bn, SgCt. Mohd Abass 6941Kgm, SgCt. Nisar Maqbool 215/IR llth Bn, SgCt. Meyan Hamid 537/Kgm, SgCt. Ajaiz Ahmad EXK-982181, SgCt. Abdul Qayoom EXK-012394, Ct. Shakoor Ahmad 1083/Kgm, Ct. Bilal Ahmad 929/Kgm, Ct Ghulam Mohd EXK-126204, SPO Shabir Ahmad Parry 52/K, SPO Arshid Ahmad Ganie 322/K, SPO Imtiyaz Ahmad 386/K, SPO Mithan Singh 289/K, SPO Mohammad Amin Lone 205/K, SPO Khursheed Ahmad Wani 361/K, SPO Farooq Ahmad 437/K, SPO Showkat Hussain 01/CIK, SPO Ab. Rashid 02/SPO-Sgr, SPO Mohd Auyob 04/K, SPO Wazir Ahmad 93/K, SPO Mohd Rafiq 98/K followed the footprints of the terrorists and engaged them in a close pitched gun battle. The officer showed his ability as team leader and capitalized operational team in a skilled manner. Darkness and forests surrounded with dense walnut trees were biggest barrier for the operational party to execute the operation. However, lnspr. Reyaz Ahmad and his buddy followed the movement of terrorists and after hectic efforts they were able to reach closer to the terrorist and contact was established in an open field. The officer along his team mates without caring for their personal safety, fought upon the terrorist resulting in fierce fire fight which continued till the elimination of the terrorist of HM outfit identified as Muzamil Manzoor,Dar S/o Manzoor Ahmad Dar R/o Badroo (A categorized). Arms/ammunition recovered from his possession includes 1 Carbine SAF-1990, Reg. 15208475, 1 Magazine Carbine and 7 Live Rounds. During the gun battle, one soldier of 10 Sikh regiment also attained martyrdom besides injuries to Ct. Fida Hussain sustained injuries (buddy of Inspector Reyaz Ahmad). On the next day morning, the search operation was again resumed and one terrorist namely Shamsul Vikar @ Pyara R/o Larm Ganji Pora of LeT outfit (B categorized) who managed his escape from the cordoned area during intervening night of 13/14-11-2017, arrested by the Vigilant checking party at Check Badwani consisting of HC Padam Dev ARP-835757, SgCt Nisar Maqbool No. 215/IR 11th, Const. Shakoor Ahmad 1083/Kgm EXK-145447 and Const. Bilal Ahmad No. 929/Kgm Exk-11204, SPO Ab Rashid Hajam No. 02/SPO, SPO Ayoub Qadir Wagay No. 04/K, SPO Wazir Ahmad No. 93/K, Rafiq Ahmad Malik No. 98/K who did not give him a single chance to retaliate and escape from the spot. Arms/ammunition recovered from the possession of arrested terrorist includes 1 AK 47 Rifle (damaged), 1 Magazine AK 47 loaded with rounds, 1 Magazine AK 47 with 9 live rounds, 1 Hand grenade live and 1 Blanket. Again the search operation was resumed to track the terrorists hiding in the forest area and contact was again established with the terrorists which led to arrestof another terrorist namely Atta Mohd. Malik of HM outfit (C-categorized) who was critically injured and shifted to SDH Qazigund for treatment. From his possession, 1 Chinese pistol S.No 010032, 1 Magazine Pistol and 3 Live Rounds 9 MM got recovered. Moreover, one chronic OGW of HM trapped in the cross battle was evacuated from the spot.

During investigation of both the cases (FIR No. 313/2017 & No. 314/2017), arms/ammunition and other items recovered on the identification of arrested terrorist Shamsul Viqar @ Payara includes 3 Magazine AK Rifle empty, 122 live rounds AK 47, 1 live rounds of carbine, 1 Pouch (black colour), 1 wrist watch made in Thailand, 1 pair Hand Gloves leather, 1 Wrist cover (Gray), 1 Charger Samsung (White Colour), 1 Mask Black colour, 1 Pull Through, 1 Key small, 1 Plastic container white (empty), 1 Tape roll (half used), 1 Tooth Brush, 1 Pen Red, 1 Nail Cutter, 05 tablets Medicine (tab sinarest), 1 Tablet Tramadall, 1 Ointment Neosprine (Neomycin) (Used) and 01 Bag multi colour (Black, Red, White).The role of the officers/officials (named above) in the instant operation was gallant by all means of definitions.

In this operation S/Shri Reyaz Ahmad Langoo, Inspector and Ramees Ahmad Bhat, SgCT displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 14/11/2017.

P PRAVEEN SIDDHARTH
Officer on Special Duty

No. 147—Pres/2019—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Jammu & Kashmir Police:—

NAME & RANK OF THE OFFICER

S/Shri

1. Jatinder Singh Gaddi
SgCT

2. Mohd. Shafi Bhat
SgCT

3. Parvaiz Ahmad
SgCT

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 06-11-2017, at about 1630 hours, a credible input was received by SSP, Pulwama about the presence of three (03) JeM terrorists at village Aglar Kandi, Pulwama which was further developed and corroborated by SI Amjad Hussain No. EXK-109479 that the terrorists are hiding in the joint residential house of Sheeraz Ahmad Lone and Manzoor Ahmad Lone sons of Ghulam Hassan Lone. The information was shared with 44 RR, 182/183 Bn CRPF and it was decided to lay a joint cordon of the Mohalla. Afterwards, SSP, Pulwama, Addl. SP Pulwama, SI Amjad Hussainalongwith their escort personnel and SOG party from Police Component Pulwama left towards village Aglar Kandi,Rajpora. On reaching the targeted location, a joint cordon of Police Pulwama under the direct command of Addl. SP Pulwama, Army 44 RR and CRPF 182, 183 Bn was laid.After laying/ strengthening the cordon,steps for search of terrorists were started under the supervision of SI Amjad Hussain assisted by HC Shah Faisal 427/PL, SgCt Mohammad Yaqoob 478/PL, SgCt Nisar Ahmad 255/PL, Ct Irshad Ahmad 743/PL,SgCt Mohd. Shafi 1326/PL, SgCt Parvaiz Ahmad 1306/PL and SgCt Jatender Singh 278/IR.Meanwhile, terrorists hiding in the said joint residential house, on seeing the approaching police parties started indiscriminate firing upon them to escape from the cordon. But, due to presence of mind the troops immediately took positions and retaliated in self-defence forcing the terrorists to turn defensive, foiling their attempt to escape and, thus, ensuring the fierce fire fight.Later 04 teams were constituted to retaliate the fire firmly. One team led by Add. SP Pulwama along with HC Shah Faisal, SgCt Mohammad Yaqoob, SgCt Nisar Ahmad, Ct Irshad Ahmadand Ct Banerji Raina 450/PL and party from Army/CRPF to retaliate the fire from western side. Another team led by DySP (Ops) Kakapora Shri Satish Kumar KPS-127950 along with Ct Ghulam Qadir 1628/PL, Ct Manzoor Ahmad 1057/PL, Ct Mehraj-Ud-Din 1469/PL, Ct Javid Nazir 1484/PL and Party of counter parts of Army and CRPF to retaliate the fire from southern side. Another team led by SI Amjad Hussainalong with SgCt Mohd. Shafi, SgCt Parvaiz Ahmad, SgCt Jatender Singh, Ct Danish Allahi 993/PL, Foll Shabir Ahmad 05-F, SPO Basharat Ahmad 242/SPOSGR, SPO Mukhtar Ahmad 248/SPO, SPO Abdul Kareem 677/SPO-SGR, SPO Zaheer Abass 14/SPO-ZPHQ, SPO Ghulam Nabi 591/SPO to retaliate the fire from eastern side. Team led by Inspr. Pankaj Sharma No. ARP-046140 I/C ESU Pulwama along with HC Mohammad Amin No. 230/IR 11th Bn, HC Lateef Ahmad 814/PL, SgCt Yashpal Singh 292/IR 1st Bn, Foll Sunaullah F-43/AP 8thBn and party of counter parts of CRPF and Army from Northern sides respectively. As the operation started, all measures were taken to restrict the movement of terrorists by SPOs namely SPO Javad Ahmad 13/SPO, SPO Manzoor Ahmad 172/SPO, SPO Riyaz Ahmad 212/SPO, SPO Joti Singh 344/SPO, SPO Imtiyaz Ahmad 117/SPO, SPO Ishfak Ahmad 210/SPO, SPO Bashir Ahmad 533/SPO, SPO Rayees Ahmad 20/SPO, SPO Riyaz Ahmad 114/SPO under the supervision of DySP OPS Pulwama Shri Zaheer Abass Jafari - KPS. After the illumination of target area was completed, civilians who were present in the target house were evacuated one by one which was personally executed by I/C PC Pulwama SI Amjad Hussain EXK-109479 along with SgCt Mohd. Shafi 1326/PL, SgCt Parvaiz Ahmad 1306/PL and Sgct Jatender Singh 278/IR 11th in the shower of fires. The evacuation of civilians was made possible with the help of covering fire provided by Insp. Pankaj Sharma No. ARP-046140 along with his team named above. After that the terrorists were given an opportunity to lay down their arms but they ignored and kept indiscriminate firing upon the troops. DySP (Hqr's) Pulwama, DySP DAR DPL, Pulwama and SHO,Rajpora along with their parties maintained close co-ordination among them and evacuated all civilians safely. During the fierce gun battle, one holed up terrorist tried to run away from eastern side with continuous firing over the troops in which SI Amjad Hussain No. EXK-109479 had a narrow escape. However, due to his gallant action the terrorist was neutralized and identified as Talha Rashid (categorized terrorist) R/O Pakistan. The fight against terrorists continued till the elimination of all other terrorists and when the firing stopped from the terrorists,joint search party of officers/officials of Pulwama Police /Army/CRPF including SI Amjad Hussain No. EXK109479 was constituted. During search. two more deadbodies were recovered, and later all thethree wereidentified as Mehmood Bhai R/oo Pakistan, Talha Rashid R/o Pakistan and Waseem Ahmad Ganie (all categorized terrorists) S/o Mohammad Akram Ganie R/o Drubgam Pulwama. The Details of arms/ammunition recovered during the operation are mentioned at seizure memo.

In this operation S/ShriJatinder Singh Gaddi, SgCT, Mohd. Shafi Bhat, SgCT and Parvaiz Ahmad, SgCT displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 06/11/2017.

P PRAVEEN SIDDHARTH
Officer on Special Duty

No. 148—Pres/2019—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry/1st Bar to Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Jammu & Kashmir Police:—

NAME & RANK OF THE OFFICER

	S/Shri	
1.	Mubashir Rasool Deputy Superintendent of Police	(PMG)
2.	Mohd. Ashraf Baba Assistant Sub-Inspector	(PMG)
3.	Mohmmad Rameez Bhat SgCT	1st Bar to PMG.
4.	Sajad Ahmad Bhat SgCT	(PMG)
5.	Tariq Ahmad Bhat SgCT	(PMG)
6.	Mohd. Jabar Mir SgCT	(PMG)
7.	Muqbool Hussain SgCT	(PMG)
8.	Hidayatullah Khan Constable	(PMG)

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 18.11.2017 acting on a specific information regarding presence of terrorists at village Chandergeer Hajin, a joint operation was planned and executed by Police Bandipora, 13 RR and 45 Bn, CRPF. The police party was headed by Sheikh Zulfkar Azad- JKPS, SSP Bandipora along with Sh. Mubashir Rasool- JKPS, DYSP PC Hajin, Sh. Saqib Ghani- JKPS (DYSP Prob.) SHO PS Hajin supported by ASI Mohammad Ashraf Baba 278/IRP 6th Bn, Sgct Mohammad Rameez 189/Bpr, Sgct Sajad Ahmad Bhat 351/IRP 8th Bn, Sgct Tariq Ahmad Bhat 733/Bpr, Sgct Mohd Jabar Mir 593/IRP 8thBn, Sgct Maqbool Hussain 469/IRP 8th Bn and Ct. Hidayatullah Khan 485/IRP 8th Bn. During the operation, the area was cordoned and presence of terrorist got established. During this exercise the search party suddenly came under heavy volume of fire from a house which was under the scanner of cordon and search. It created a chaos among the civilians and it became vital to evacuate the civil populace to a safe area. Since it was late night the operation was halted for night to avoid collateral damage. At 0430Hrs next morning the terrorist tried to break the cordon. Operational head SSP Bandipora exhibiting experience and using battle tactics, on spot formed two small dedicated teams one headed by him and another by Sh. Ajaz Rasool Mir Addl. SP Bandipora EXK-901930, supported by Sh. Mir Murtaza Hussain DYSP Hqr's, Sheikh Tahir Amin — JKPS-125759 SDPO Sumbal along with their buddies. The teams so formed were directed to reach in close proximity of the terrorist from two different sides. During the entire process dreaded terrorists kept on firing indiscriminately & lobbed grenades resulting bullet injuries of 02 army personnel latter on one of the army personnel succumbed to his injuries. Sheikh Zulfkar Azad- JKPS, SSP Bandipora alongwith Sh. Mubashir Rasool-JKPS DYSP PC Hajin, Sh. Saqib Ghani- JKPS (DYSP Prob.) SHO PS Hajin supported by ASI Mohammad Ashraf Baba 278/IRP 6th Bn, Sgct Mohammad Rameez, Sgct Sajad Ahmad Bhat 351/IRP 8th Bn, Sgct Tariq Ahmad Bhat 733/Bpr, Sgct Mohd Jabar Mir 593/IRP 8th Bn, Sgct Maqbool Hussain 469/IRP 8th Bn and Ct Hidayatullah Khan 485/IPR 8th Bn while seeing this, showing nerve of steel and commitment assaulted on the target area. As the hiding place was quite advantageous for the terrorist to cause damage to the operation party, SSP Bandipora positioned his men in such a manner to ensure tight cordon around the terrorist and swiftly retaliated the fire. On seeing the terrorist action and his planning to flee from the spot. During this exercise they (two teams) were well supported by each other which provided protection against the terrorist fire. It was only with great valour and missionary zeal of operational parties that the dreaded terrorist was neutralized. The hardcore terrorists who were later onidentified as Zurgam @ Zahid, Mohammad Bhai, Abu Qital, Abu Amir, Ubaid and Abu Suhail @ as being all FT's. Case FIR No. 70/2017 U/S 307,302 RPC, 7/27 IA. Act stands registered at P/S Hajin, in this regard.

Needless to mention that, in the entire operation Sheikh Zulfkar Azad- JKPS, SSP Bandipora alongwith Sh. Mubashir Rasool-JKPS DYSP PC Hajin, Sh. Saqib Ghani- JKPS (DYSP Prob.) SHO PS Hajin supported by ASI Mohammad Ashraf Baba, Sgct Mohammad Rameez, Sgct Sajad Ahmad Bhat, Sgct Tariq Ahmad Bhat, Sgct Mohd Jabar Mir, Sgct Maqbool Hussain and Ct Hidayatullah Khan displayed conspicuous gallantry, unparalleled courage and devotion to duty of highest order and ensured safe evacuation of the civilians. The selfless devotion to duty and matchless courage exhibited by these officers/ officials led to the neutralization of the dreaded terrorist and resulted in successful culmination of the operation.

In this operation S/Shri Mubashir Rasool, Deputy Superintendent of Police, Mohd. Ashraf Baba, Assistant Sub-Inspector, Mohmmad Rameez Bhat, SgCT, Sajad Ahmad Bhat, SgCT, Tariq Ahmad Bhat, SgCT, Mohd. Jabar Mir, SgCT, Muqbool Hussain, SgCT and Hidayatullah Khan, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 18/11/2017.

P PRAVEEN SIDDHARTH
Officer on Special Duty

No. 149—Pres/2019—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry/1st Bar to Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Jammu & Kashmir Police:—

NAME & RANK OF THE OFFICER		
	S/Shri	
1.	Ashish Kumar Mishra, IPS Superintendent of Police	1st Bar to PMG
2.	Azhar Rashid Tali Deputy Superintendent of Police	PMG
3.	Sachit Sharma Deputy Superintendent of Police	PMG
4.	Tejinder Singh Head Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 12.02.2018, a Fidayeen attack was carried out by two Pakistani origin terrorists on 23rd Battalion CRPF Camp at Karan Nagar Srinagar at 0445 hours. The alert Sentry of CRPF 23 Bn. namely Ghait Raghunath retaliated bravely and restrained the terrorists (Fidayeen attackers) from entering in the CRPF Camp. After the attack both the terrorists fled away and entered in the under construction building which is situated opposite the said CRPF camp. Immediately after this fierce attack, a special team of Police Srinagar under the command of SSP Srinagar and Shri Javed lqbal, SP PC Srinagar along with Police personnel of SOG rushed to the spot for neutralization of Fidayeens. The team succeeded in zeroing the hide in which these two Fidayeen terrorists were hiding. Before the operation was conducted it was decided to co-opt., with 23 Bn. CRPF in order to avoid collateral damage and to conduct clean operation. All the nafri was divided into three parties. First party comprised of Police Srinagar headed by Sh. Ashish Kumar Mishra, IPS, SP City South, Srinagar along with SDPO Shaheed Gunj Sh. Amritpal Singh, IPS and others. They were tasked to lay the outer cordon of the target area. The 2nd party comprised of SOG Srinagar. It was tasked to lay the inner cordon of the under construction house in which the terrorists were hiding and if required to make an intervention under the command of SSP Srinagar with full coordination of 23 Bn. CRPF and Valley QAT of CRPF.

SSP Srinagar, who was the Incharge of the inner cordon party along with SP PC Srinagar formed a small team of Srinagar Police for evacuation of the inmates of adjoining houses, as the area is very densely populated. The team very tactfully and bravely evacuated the inmates of the adjoining house and shifted them to nearby safer places to ensure that there is no collateral damage. In the first instance, the two holed up terrorists were asked to surrender, which they declined. Instead of surrendering terrorists opened fire on the operation party. Intervention of the building was planned. The intervention party comprising of Police Srinagar + CRPF having taken all precautions, started the process of building/ room intervention. However, as the intervention party reached near the target building it came under heavy fire from the terrorists, who had taken position inside the Building and in the ensuring gunfight one CRPF personnel namely Mujahid Khan achieved martyrdom. The holed up terrorists lobbed grenades and fired towards the advancing party. However, the intervention party had a miraculous escape. In a tactical move the intervention party withdrew only to enter the building from the other side. At this stage SSP Srinagar constituted two small parties, one party includes Sh. Javaid lqbal, SP PC Srinagar, DySP Sachit Sharma, with adequate nafri of Police Component Srinagar, Valley OAT of CRPF and 23 Bn. CRPF headed by Sh. M.K. Biswas, 2-I/C and 2nd party consists of Sh. Ashish Kumar Mishra-IPS, SP South, Srinagar, Khalil Ahmed, SP Hqrs. Srinagar, Dy.SP Azhar Rashid, DYSP Imtiyaz Ahmad, of PC Srinagar with adequate nafri of SOG and Valley QAT of CRPF decided to enter the Building from rear side as well as from front side. As soon as the approaching parties tried to enter in the building from the rear/front side, the holed up terrorists lobbed grenades and fired indiscriminately towards the approaching parties from a window but it caused no damage as the approaching parties were advancing tactically. At this stage Incharge parties decided to suspend the operation due to darkness, as there was apprehension of own causalities and accordingly the operation was suspended till the morning. However, during intervening night of 12/13.02.2018 firing between terrorists and security forces continued intermittently. On next day i.e. 13.02.2018 on the first light of morning the operation was again

carried out. Consequently, on 13.02.2018 at about 0700 hours after taking all precautions and as per the operational SOP room to room intervention was planned and started in coordination with CRPF 23 Bn. headed by Sh. M.K. Biswas, 2-I/C + Valley QAT of CRPF for building/ room intervention, as the said building is 4 storeyed. At about 1000 hours during the room intervention, the parties which included Sh. Javaid Iqbal, SP PC Srinagar, Sh. Ashish Kumar Mishra-IPS,SP South, Srinagar, Sh. Khalil AhmadPoswal, SP Hqrs. Srinagar,Amritpal Singh-IPS, ASP, SDPO—Shaheed Gunj, Sachit Sharma, DYSP Srinagar, Azhar Rashid Tali, DYSP PC Srinagar, Imtiyaz Ahmad Mir, DySP PC Srinagar, SI Iftkhar Hussain Shah No. ARP-109311, ASI Narinder Singh, HC Kulwant Singh, HC Tejinder Singh EXK-065524, HC Pawan Kumar No. 640/JKAP 5th, SgCt Masoom Shah, Sgct. Gagan Singh No. 382/JKAP 5th Bn., Sgct. Harpal Singh No. 691/IRP 6th Bn., Sgct Basharat Rasool 288/IR 2nd, Ct. Showkat Ahmad 473/IRP 6th Bn. Ct. Shahid Hussain Rather No. 4555/S, Ct. Ravees Ahmad No. 972/S, Ct. Reyaz Ahmad Bhat No. 1934/S, Ct. Javid Ahmad No. 1844/S, SPO Fayaz Ahmad Rather No. 656/SPO-Sgr, Sajad Ahmad Dar 1035/SPO-Sgr, SPO Tahir Bashir Najar No. 54/SPO-Sgr., SPO Pir Basharat Ashraf 409/SPO-Sgr., SPO Mohd Hussain Mir No. 66/SPO-Sgr., SPO Ab. Rashid Reshi No. 539/SPO-Bd, SPO Fayaz Ahmad Wagay No. 808/SPO-Sgr., SPO Gh. Qadir Paswal 82/SPO-Gbl., SPO Ishfaq Rashid No. 691/SPO-Sgr., SPO Mohmad Rafique No. 493/SPO-Sgr, SPO Tawseef Ahmad No. 33/SPO-Sgr, was succeeded in zeroing the movement of one terrorist who were hiding in the ground compartment of building and accordingly the senior formation were informed. The hiding terrorist after seeing search party started indiscriminate firing upon them, but search party retaliated the fire effectively without caring for their personal lives and with the result one Fidayeen was eliminated. During this gun battle one police personnel namely Constable Javid Ahmad No 1844/S sustained serious injuries. After the elimination of one fidayeen attacker, the search party continued their search for other terrorist and finally contact was established with another hiding terrorist. The terrorist alter seeing the said search party started indiscriminate firing on them, which was retaliated effectively by searching party without caring for their lives and eliminated 2nd Fidayeen attacker. The elimination of both the fidayeen attackers was a big achievement for the Police/ other Security forces as it gave severe jolt to the network of terrorist outfit. Though the said terrorists did not figure in the categorization. List, but they are to be treated as "A++" category terrorists being Fidayeen in light of PHQ order No. PHQ/OPS/Criteria/ Rwd/ 2015/1490-94 dated 31.12.2015. Arms/ammunition were recovered from the possession of slain terrorists includes 02 AK Rifle, 04 AK Magazines, 20 AK Rounds, 02 Grenades, 02 Pouches, 02 Lighter, Cash Rs 1500/- (Indian Currency) and Dry Fruit 1/2 Kg (approx.). Case FIR No. 09/2018 U/S 302, 307 RPC, 7/27 I. A. Act 16/18 ULA Act stands registered in Police Station Karan Nagar Srinagar, in this regard.

In this operation S/ShriAshish Kumar Mishra, IPS, Superintendent of Police, Azhar Rashid Tali, Deputy Superintendent of Police, Sachit Sharma, Deputy Superintendent of Police and Tejinder Singh, Head Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 12/02/2018.

P PRAVEEN SIDDHARTH
Officer on Special Duty

No. 150—Pres/2019—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry/ Police Medal for Gallantry (Posthumously)/1st Bar to Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Jharkhand Police:—

NAME & RANK OF THE OFFICER

	S/Shri	
1.	Ramakant Prasad Inspector	1st BAR TO PMG
2.	Jyoti Prakash Sub-Inspector	PMG
3.	Zafar Imam Khan Havildar	PMG
4.	Late Chhotelal Paswan Chokidar	PMG (Posthumously)

Statement of service for which the decoration has been awarded

Hazaribag is a naxel affected district of Jharkhand.

On 25.06.2000, when Jyoti Prakash,sub inspector of police cum officer in charge chauparan police station was there at his police station in discussion of pending cases with inspector of Barhi circle namely Ramakant Prasad, He received secret information that some persons belonging to MCC, a banned armed organization of extremists, has come there at nawagadh village in harizan toli. Accordingly He along with his police party including Inspector of Barhi circle Ramakant Prasad, Havildar Zafar Imaam, Chaukidar 4/6 Chhotelal Paswan and others proceeded towards the place of occurrence for verification of information and became vis a vis to the said armed extremists. They opened indiscriminate fire on police party. Jyoti Prakash SI of police took position with his armed police force and warned the extremist to surrender, but

extremists didn't pay attention and continued with firing and siege of police party. Being assured that the lives of police persons are in danger along with arms, ammunition and government property Ramakant Prasad (Inspector of police of Barhi circle) instructed the team to open fire on extremists. Jyoti Prakash o/c chauparan, Havildar Zafar Imam and chaukidar 4/6 Chhotelal Paswan along with other police party who were already in position started crawling towards extremists in order to siege then from different directions. Brave member of police party Ramakant Prasad, Jyoti Prakash and others were continuously giving warning to extremists for, surrender, with crawling towards them from different directions in order to siege extremist and force them to come on knee. But extremists were not ready to follow the instruction and continued heavy firing from their side on police party. Finding Hobson's choice police party finally opened fire on them and continued firing intermittently. During the course one Chaukidar 4/6 Chhotelal Paswan sustained bullet injury on his abdomen, he was immediately sent to nearest hospital but on way he attained Martyrs. All of sudden extremists stopped firing. Police party along with Jyoti prakash SI of police and inspector of police Ramakant Prasad, Havildar Zafar Imam and others proceeded towards them with extra precaution. Near the bush it was found that one extremist has sustained several bullet shot on his body and one another was trying to rescue him. Alive was apprehended and deceased was seized. During interrogation alive extremist disclosed his identity as MCC extremist and deceased as area commander of MCC. Deceased was found in possession of a country made carbine along with 42 rounds live cartridges. Seizure list was prepared accordingly.

By all these means Inspector of police namely Ramakant Prasad, Officer in charge chauparan cum Sub Inspector of Police Jyoti Prakash, Havildar Zaafar Imaam and Chaukidar Chhotelal Paswan have shown extra ordinary bravery during encounter of area commander of MCC . During the course showing extra ordinary bravery Chaukidar Chhotelal Paswan has sacrificed his life.

In the light of shown extra ordinary bravery by Inspector of police the then Barhi circle Namely Ramakant Prasad,sub inspector of police and the then O/C chauparan namely Jyoti Prakash,Havildar Zafar Imaam arid Martyr ChowkidarChhotelal Paswan, it is visible that they all posses extra ordinary bravery and did their duty with utmost devotion and honesty.

In this operation S/Shri Ramakant Prasad, Inspector, Jyoti Prakash, Sub-Inspector, Zafar Imam Khan, Havildar and Late Chhotelal Paswan, Chokidar displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 25/06/2000.

P PRAVEEN SIDDHARTH
Officer on Special Duty

No. 151—Pres/2019—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Odisha Police:—

NAME & RANK OF THE OFFICER

S/Shri

1. Prakash Kumar Karna
   Inspector

2. Sushil Dash
   Constable

3. Akash Mahapatra
   Constable

4. Chandramani Bhoi
   Constable

5. Sama Dhangada Majhi
   Constable

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 26.09.2017 evening getting reliable information from sources that a group of Maoist numbering five to seven have visited village Salepali being armed with fire arms to plan to eliminate some civilians, whom they perceive in order to create terror in the locality, IIC Paikmal PS entered the fact in the Station Diary vide SDE No. 19 dt. 26.09.2017 and passed the information to S.P. Bargarh. As per instruction, immediately he along with C/01 Sushil Dash, C/41 Akash Mahapatra, C/93 Chandramani Bhoi, OAPF/13 Sama Dhangada Majhi proceeded to the spot in two motorcycles to verify the veracity of the information. They reached near village Salepali and tactfully advanced towards the village by the canal road. After

proceeding about 200 meters they found a group of persons coming towards the main road from village Salepali side. They were carrying something sling from their shoulder for which the Police team suspected them to be armed and members of CPI (Maoist) organization.Police team camouflage themselves to watch secretly. When they came close, the Police team noticed, all dressed in uniforms and carrying arms and bags. Then, Inspr.P.K. Karna,IIC Paikmal PS identified himself as Police in loud and clear voice and asked them to stop and to throw the weapons with them. Instead of stopping and obeying the instructions, the group of people jumped to the other side of the road and took cover behind the bushes. After that they immediately opened indiscriminate fire upon the Police team. Then the Police team took available cover and laid down.Finding no alternative and in order to save his life as well as his team members and as a measure of self-defence Inspr. Kama opened fire from his service "Glock Pistol" aiming low towards their hiding place. Simultaneously the Police team tactically started escaping backwards towards Police Station and informed for sending re-enforcement. Sri L.N. Panda, OPS, SDPO, Padampur who was present at PS rushed to the spot with reinforcement and intensified combing operation in the area.In course of searching the area, the Police team detected two dead bodies of two Maoist cadres (one male and one female) in uniform with arms lying at the spot with gunshot injuries. Operation team detected one SLR Rifle fitted with magazine and one .303 rifle with magazine and other naxal articles near the spot. The other cadres are suspected to have retreated from the spot taking opportunity of darkness. This operation has not only given a deadly blow to the naxal groups, but also failed their immediate plans to commit violent activities in the area.

Although police team was less in number than the LWEs group but the surprise maintained by police team was the main weapon of the success in this entire operation.Each member of Police team did not loose his nerves and perfectly laid ambush in such an axis that they can control over the attack from the opponent. To reach the high ground for a tactical position they crawled up to 100 meter on the broken ground and paddy field, after the EOF they retreat tactically and safely escaped backwards. Their exemplary courage, good team work and decision making ability made this operation successful. They have endangered their life's during this operation and displayed exemplary courage as a small unit. By awarding PPMG will not only recognize their gallant effort but also will motivate others to follow their act

In this operation S/Shri Prakash Kumar Karna, Inspector, Sushil Dash, Constable, Akash Mahapatra, Constable, Chandramani Bhoi, Constable and Sama Dhangada Majhi, Constable, displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 26/09/2017.

P PRAVEEN SIDDHARTH
Officer on Special Duty

No. 152—Pres/2019—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Odisha Police:—

NAME & RANK OF THE OFFICER

S/Shri

1. K Siva Subramani, IPS
   Superintendent of Police
2. Dilip Kumar Danta
   Constable
3. Jyotiranjan Pati
   Inspector
4. Sachidananda Bariha
   Sub-Inspector
5. Ashish Kumar Sarkar
   Subedar
6. Prasanta Kumar Barik
   Constable
7. Bhuban Selma
   Constable
8. Satyanarayan Kathar
   Constable

9. Pramod Barla
Havildar

10. Mitthun Pradhan
Havildar

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 12.05.2018 at about 8 PM, on receiving a credible input regarding movement and assembly of 8-10 heavily armed cadres of the CPI (Maoist) organization of Bargarh-Balangir-Mahasamund division led by Sanjeeb (DCM) in the Magur jungle under Bender-II R.F. near village Dudukamal under PS-Belpada, an intensive combing operation was planned by Shri K Siva Subramani, IPS, Supdt. of Police, Balangir having one small unit of SOG and one small unit of DVF. S.P. Balangir, Shri Subramani personally led the DVF as assault party and Insp. J.R. Pati with SOG as cut off party. As per plan when the Police team reached the jungle area, the insurgents resorted to sudden unprovoked firing from automatic weapons and tried to mount a flanking attack, making the Police team susceptible to enemy fire from two fronts. Eight commandos of district Police suffered injuries on their person for taking cover due to heavy firing. The Police team under the leadership of Shri K Siva Subramani retaliated valiantly despite numerical disadvantages and severe terrain limitations. SHRI K Siva Subramani along with two commandos namely, Prasant Kumar Barik and Dilip Kumar Danta charged the enemy in a very risky frontal attack braving heavy fire and forced the insurgents to retreat. Another small team of two commandos namely Sachidananda Bariha and Bhuban Selma countered the flanking attack by launching a tactical offensive, despite severe risk of being detached from the main police team. Due to the valor of assault team the Maoists could not resists and fled towards the village. Thereafter on search one dead body of maoist wearing Olive green color uniform with loaded AK 47 rifle was found. Assault party guarded the dead body and Shri K Siva Subramani, IPS, S.P. Balangir and Dilip Kumar Danta joined cut off party for better leadership and co-ordination. In the meantime Subedar A.K.Sarkar again noticed one group of Maoists as such suddenly the Maoist fired indiscriminately towards the Police party. During this firing Insp. J.R.Pati with Satyanarayan Kathar and Pramod Barla advanced from the right flank and Subedar A.K.Sarkar with Mitthun Pradhan attacked from the left flank, showing utmost courage and ready for supreme sacrifice for the sake of nation. During search one male dead body wearing olive green colour uniform found and one INSASrifle with Two Magazine and 24 rounds of live ammunition recovered from the spot. The leader and nine commandos rose to the occasion when it was most needed and acted bravely where tactically better placed enemy had to retreat but the Police team could inflict heavy casualty on them with little collateral damage and expressing exemplary dedication towards service of the nation. The successful operation led to the death of two Maoist cadres namely Sanjeeb (DCM) on whom the Government of Odisha had declared a reward of Rs 5,00,000/- and Rakesh (ACM) on whom the Government of Odisha had declared a reward of Rs 4,00,000/- of Balangir platoon of BBM division of CPI (Maoist).

The team leader as well as the above mention officers and commandos had displayed great degree of courage and determination in the face of enemy and did not care for their personal safety on the line of duty. During the process, they had exposed themselves to enemy fire several times, yet that had not deterred them from discharging their duty. Their fearless action not only ensured safety of the Police team from a surprise attack by the enemy but also confirmed the success of the operation.

In this operation S/Shri K Siva Subramani, IPS, Superintendent of Police, Dilip Kumar Danta, Constable, Jyotiranjan Pati, Inspector, Sachidananda Bariha, Sub-Inspector, Ashish Kumar Sarkar, Subedar, Prasanta Kumar Barik, Constable, Bhuban Selma, Constable, Satyanarayan Kathar, Constable, Pramod Barla, Havildar and Mitthun Pradhan, Havildar displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 13/05/2018.

P PRAVEEN SIDDHARTH
Officer on Special Duty

No. 153—Pres/2019—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry/3rd Bar to Police Medal for Gallantry/4th Bar to Police Medal for Gallantry/5th Bar to Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Odisha Police:—

NAME & RANK OF THE OFFICER		
	S/Shri	
1.	Jagmohan Meena, IPS Superintendent of Police	PMG
2.	Santosh Juang Havildar	5th BAR TO PMG
3.	Shiva Sankar Nayak L/NK	4th BAR TO PMG

4.	Pabitra Mohan Nayak L/NK	3rd BAR TO PMG
5.	Chaitanya Kirsani Constable	PMG
6.	Ghenu Hantal Constable	PMG
7.	Sudhanshu Bhupati Constable	PMG
8.	Rukdhar Negi Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 24.03.2018, at about 8 AM, SP, Malkangiri received information from credible source that a group of banned CPI (Maoist) cadres including male and female cadres were moving around Tulasi forest area under Mahupadar GP under Mathili PS limits. On receiving the information, Jagmohan Meena, IPS, SP Malkangiri along-with 15 members of District Voluntary Force (DVF) proceeded to Tulasi Forest area for conducting a search operation in the area. On the way, on 24.03.2018, at 10.15 AM, on their arrival at Salimi, Suraj Jhankar left Salimi Out-Post and joined the team. The team including 15 personnel from DVF and Sri Jagmohan Meena, IPS, SP Malkangiri and Suraj Jhankar led by SP, Malkangiri reached the Tulasi forest area at around 11 AM. While combing operation in the area was going on, suddenly unprovoked fire in the form of burst fire from the sophisticated weapons came on the police party. Few bullets grazed past some of the police party members narrowly missing them. Then, there was a deafening blast. As a result of which Jagmohan Meena, Ghenu Hantal, Chaitanya Kirsani, Rukhdar Negi, Sudhanshu Bhupati and Shiba Shankar Nayak got splinter injuries. Then, the police party found themselves face to face with 15-20 ultras with sophisticated weapons aiming at them. In order to save themselves, as well as to save lives of other police party members, they immediately started controlled fire from tactical position. Taking the shelter of trees and boulders, Maoists were firing over the police party from a distance of 30-40 meters. Some of them were wearing olive green colour dress. Process of exchange of fire between armed cadres of banned CPI (Maoist) and the police party continued for about one hour. Thereafter, when firing stopped from CPI (Maoist) cadres, the police party moved tactically and found some of the cadres were escaping towards the adjoining hills, taking advantage of the dense forest and cover fire provided by their team members. Then, the police party moved in the area tactically for search and combing of the area. However, the police party had to take lot of precaution for searching the area. During search of the area, the police party found one person was lying on the ground. The police party cautiously approached towards the lying person and found him to be dead body of an unknown male Maoist cadre with gunshot injuries having a pistol in his hand. Police also recovered some other articles like remnants of blasted TED, Maoist literature, detonators, cordtex wire, leaflets, kit bag, radio sets, daily use articles, etc. The police party shifted the dead body to Malkangiri for further action, observing all the security precautions. As the armed cadres of banned CPI (Maoist) were waging war against the state and a democratically elected Government & intentionally opened fire on the police party with an intention to kill them, the police party had to retaliate in a controlled manner in order to save their lives as well as the lives of other team members. The deceased Maoist was identified as ACM rank cadre Ura Kurami @ Uddham of 26th Military Platoon (offensive wing of Maoists), CPI (Maoist). The dead body was handed over to the family members of the deceased.

The team leader as well as the above-mentioned commandos had displayed great degree of courage, and determination in the face of enemy and did not care for their personal safety on the line of duty. During the process, they had exposed themselves to enemy fire several times, yet that had not deterred them from discharging their duty. Their fearless action not only ensured safety of the police team from a surprise attack by the enemy but also confirmed the success of the operation.

In this operation S/Shri Jagmohan Meena, IPS, Superintendent of Police, Santosh Juang, Havildar, Shiva Sankar Nayak, L/NK, Pabitra Mohan Nayak, L/NK, Chaitanya Kirsani, Constable, Ghenu Hantal, Constable, Sudhanshu Bhupati, Constable and Rukdhar Negi, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 24/03/2018.

P PRAVEEN SIDDHARTH
Officer on Special Duty

No. 154—Pres/2019—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Border Security Force (BSF):—

NAME & RANK OF THE OFFICER

S/Shri

1. Sandeep Kumar Gupta
Assistant Commandant

2. Sushil Singh
Assistant Commandant

3. Vinay Krishali
Head Constable

4. Sanjoy Pal
Constable

Statement of service for which the decoration has been awarded

Based on specific actionable intelligence input provided by local source regarding presence of Naxals in the general area of Bandhuguda, district Malkangiri (Odisha), Coy Commander Shri Sandeep Kumar Gupta, AC, COB Badapada Ex 08 Battalion BSF, immediately shared the same with Shri Randhir Ranjan, 21C/Officiating Commandant. After detailed analysis of the available input, a Special Operation (SADO), consisting of troops of COB Janbai and COB Badapada, was planned at THQ 08 Battalion BSF Chitrakonda to be launched in the night intervening 14/15 December 2017. Accordingly, an Operation Party consisting of Shri Sandeep Kumar Gupta, AC, Shri Sushil Singh, AC/Coy Comdr, 06 Subordinate Officers and 42 Other Ranks (Total-50 personnel) including representative of BSF intelligence and local Police launched the operation from 2030 hrs in general area of Bandhuguda forest (Latitude -180930 North and Longitude -821555 East).

On 15thDecember 2017, at about 0700 hrs, the party noticed some suspicious movements in North-West as well as North-East directions from their position. Both the parties while tactically approaching towards the suspected area, came under heavy volume of fire from the North-East and North-West directions.

Having carefully assessed the situation and after precisely identifying the direction of fire, under the determined, resolute and efficient leadership of both the Assistant Commandants namely Shri Sandeep Kumar Gupta, AC and Shri Sushil Singh, AC along with their troops ensured proper positioning and effective retaliation to the fire of the Naxals who numbered approximately 15 to 20, armed with sophisticated weapons.

Shri Sushil Singh, AC and No. 954553775 HC Vinay Krishali noticed an armed Naxal with SLR at a distance of 20-25 mtr (approx), who was firing on BSF ops party.Without caring for their lives amidst heavy fire of Naxals, they immediately took cover behind the rocks and boldly retaliated the fire in self-defense. In the ensuing fire fight in accordance with the firing tactics, they silenced the said unidentified Naxal who was later identified as Sudhakar @ Sukka.

On being fired upon by Naxals, after identifying the direction of fire and with scant regard to their personal safety, Shri Sandeep Kumar Gupta, AC along with No. 130845090 CT Sanjoy Pal took positions behind the available natural cover and retaliated the Naxals' fire by their personal weapons in self-defense. Since the Naxals were on vantage point and tactically better located, the retaliatory fire brought down by Shri Sandeep Kumar Gupta, AC and Ct Sanjoy Pal did not prove to be so effective, thus, Shri Sandeep Kumar Gupta, AC directed Constable Sanjoy Pal to fire from UBGL which he was carrying. Constable Sanjoy Pal fired 03(three) rounds on the Naxals' position from the UBGL by swiftly shifting to three different locations.

Constable Sanjoy Pal under trying conditions, maintaining fire discipline, displayed outstanding bravery by exposing and risking his life to Maoist fire; fired UBGL from three different locations so as to cause maximum damage to the Naxals. Shri Sandeep Kumar Gupta, AC further directed No.041468207 Constable Rajesh M and No. 083980462 Constable M K Barman, who were carrying 51 mm Mortar to fire HE bombs on the Naxal positions. When Ct Rajesh M and Ct M K Barman fired one HE Bomb each on the Naxals' position, the Naxals panicked and started escaping from their concealed positions.

After bringing effective fire using the area weapons, the exchange of fire continued barely for 10(Ten) minutes. BSF personnel continued their offensive and relentless pursuit while moving towards the Naxal positions to cause maximum damage. However, the Naxals managed to escape from their positions taking cover of the thick vegetation, undulating ground and advantage of hilly terrain.

On thorough search of the place of incident, besides the dead body of an unidentified Naxal (Later identified as Sudhakar @ Sukka), 01 No 7.62 MM SLR (Body No. 1619110), 02 Magazines and 54 Nos of 7.62 MM live rounds were recovered. The Ops party also recovered an IED which was planted by the Naxals onthe track which was to be used against the BSF Operation party. The IED was demolished in-situ after ensuring the safety and security of the Operation party. As per unconfirmed reports, a few Naxals were killed and several others seriously injured in retaliatory fire of the BSF troops during the exchange of fire.

Shri Sandeep Kumar Gupta, AC and Shri Sushil Singh, AC with meticulous ops planning under trying conditions and amidst heavy fire of Naxals, exhibited combat audacity, operational acumen and an effective command and control over troops and carried out the difficult operation flawlessly. No. 954553775 HC Vinay Krishali and No. 130845090 CT Sanjay Pal valiantly associated themselves in carrying out the operation against Maoist group without caring for their personal safety and security and maintained the highest traditions of BSF.

In this operation S/Shri Sandeep Kumar Gupta, Assistant Commandant, Sushil Singh, Assistant Commandant, Vinay Krishali, Head Constable and Sanjoy Pal, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 15/12/2017.

P PRAVEEN SIDDHARTH
Officer on Special Duty

No. 155—Pres/2019—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry (Posthumously) to the under mentioned officers of Border Security Force (BSF):—

NAME & RANK OF THE OFFICER

Late Shri Sita Ram Upadhyay — PMG (Posthumously)
Constable

Statement of service for which the decoration has been awarded

On the intervening night of 17/18 May'2018, No. 113767342 Constable Sita Ram Upadhyay along with No. 880036058 ASI (GD) Shiv Kumar Singh (Party Commander) and No. 000025586 Constable Brijesh Singh were deployed at forward Duty Point No. NJ 546 of BOP Jabowal, 192 Battalion BSF for Naka duty from 1800 hrs to 0600 hrs. The said duty point, located at only 30 Mtr from the International Border and 60 Mtr from the Pakistan forward Bundh, is considered as a highly sensitive duty point.

At about 0125 hrs, Pak BOPs Kotli Khoja and Silawali suddenly resorted to heavy volume of unprovoked firing by the use of flat and high trajectory weapons and targeted own forward Duty Point No. NJ 546 as well as other adjoining duty points and BOP Jabowal. In response, Constable Sita Ram Upadhyay who was on sentry duty at the said duty point, took stock of the situation and immediately retaliated the enemy fire by his LMG, and by sheer dint of courage, pinned down the forward Morcha of Pak Post Silawali.Further, in order to bring down more effective fire on the Pak forward positions, with scant regard to his personal safety, he constantly and boldly targeted Pak forward Morchas/Bunkers from different loopholes of his Duty Point and as a result of his bold action, the Pak forward positions were effectively pinned down and were compelled to stop the fire.

After some time, once again Pak Rangers started heavy volume of fire specifically targeting forward Duty Point No. NJ 546, which by his sheer dint of courage, was again strongly retaliated by Constable Sita Ram Upadhyay by bringing down accurate and effective fire on the Pak forward positions. However, during the exchange of fire, few bullets of Automatic weapons fired from Pak forward positions entered through the loop hole of the said duty point and hit Constable Sita Ram Upadhyay on his forehead area i.e. upper side of left eye. Despite being grievously wounded, he encouraged his fellow border men to retaliate the enemy fire with aggressive spirited and in hard hitting manner.

Accordingly, his fellow border men deployed at the said duty point retaliated the enemy fire in befitting manner. Meanwhile, Coy HQ was informed and injured Constable Sita Ram Upadhyay was immediately evacuated to GMCH, Jammu after administering necessary First Aid where the on duty doctors declared him as brought dead at about 0300 hrs.

No 113767342 Constable Sita Ram Upadhyay of 192 Battalion BSF displayed high level of professionalism, tremendous grit and courage under fierce enemy fire by effectively retaliating and causing heavy damage to forward enemy positions. However, in the process, he made supreme sacrifice while defending the motherland

In this operation Late Shri Sita Ram Upadhyay, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 18/05/2018.

P PRAVEEN SIDDHARTH
Officer on Special Duty

No. 156—Pres/2019—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry/1st Bar to Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Central Reserve Police Force (CRPF):—

NAME & RANK OF THE OFFICER

S/Shri

1. Dilip Malik — PMG
Deputy Commandant

2.	Divesh Kumar Mishra Assistant Commandant	PMG
3.	Abhay Sharma Sub-Inspector	PMG
4.	Dilip Kumar Constable	PMG
5.	Daulat Khan Inspector	PMG
6.	Joginder Singh Constable	PMG
7.	Vinod Kumar Choudhary Constable	PMG
8.	Anup Kumar Constable	PMG
9.	Balvinder Kumar Constable	PMG
10.	Subrata Mondal Constable	PMG
11.	Chavan Avinash Raghunath Constable	PMG
12.	Kalipada Barman Constable	PMG
13.	Pawan Kumar Head Constable	1ST BAR TO PMG
14.	Chemail Singh Head Constable	1ST BAR TO PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

Based on an information collected from a source by Unit Intelligence Cell of 205 CoBRA, that an armed group of CPI (Maoists) under the leadership of Anil @ Deepak (Zonal Commander) was seen moving in the general forest area of villages Nawadih, Hira Khan, Parariya, Baskatwa and Delwa under PS Gurpa and Rajauli of Districts Gaya and Nawada respectively, Bihar, an operation was planned by Commandant 205 CoBRA. As the maoist group was highly mobile and was not staying at a location for long, Commandant 205 CoBRA tasked Shri Divesh Mishra, Assistant Commandant (Int.) to trail the maoists and try to pin-point their location while simultaneously tasking the Teams to rehearse for a sudden and surprised operation. After deploying in all of his resources, Shri Divesh Mishra, Asst. Comdt., on 07 March 2017, could locate the presence of maoists near village Thamkola, PS Sirdala, Distt. Nawada. But the area had another problem that it was not linked by any of the roads and the only way worked out to reach to the core area was through the Rail line passing through the jungle. Two teams each under command Shri Divesh Mishra, Asst. Comdt. and Shri Dilip Malik, Deputy Comdt. were tasked to surreptitiously strike the area. As per plan, the team boarded a train from Gaya Railway Station during night and de-boarded it much before the target area and first light. Meanwhile Shri Dilip Malik, Deputy Commandant and Shri Divesh Mishra, Asst. Comdt. were in constant touch with their sources who were relaying the probable location of maoists to them. The last location of maoists given to them was near village Thamkola. As the Commanders were planning their next course of action to find and comer the maoists, Shri Divesh Mishra, Asst. Comdt. received an input that the maoists had moved towards village Paroriyatari and villagers of Paroriyatari had provided food to them. Both the Commanders then moved towards village Paroriyatari and planned a covert operation before entering the village. SHRI Divesh Mishra, Asst. Comdt. alongwith Constable/Int. Dilip Kumar and Constable/Int. Anup Kumar moved ahead in the garb of civilian contractors who had come to hand over the levy money demanded by the maoist leader Anil @ Deepak while Shri Dilip Malik, Deputy Commandant alongwith eleven commandos waited at the outskirt of the village for support in case of any exigency. It needed a lot of guts and risk taking ability to move in a hostile territory without any Arm andcull information about the enemy. But Shri Divesh Mishra, Asst. Comdt. and his two other accompanies displayed the finesse of their job and succeeded in trapping a villager who agreed to take them to the location of the maoists hiding in the nearby jungle. As the villager was directly taking the Int. personnel (Commandos in the garb of contractors) towards the hideout, he was again convinced that one of their accomplisher was waiting outside the village with cash and he had hurt his leg. In the pretext the villager was brought near to the troopers and further operation was planned to raid the hideout.

As the target area had identical ground features and big boulders and the enemy could not be approached from the direction and route used by the villagers, the teams were further divided into two sub-teams each of Assault and Cut-off.

After placing the cut-offs, the two Commanders moved ahead with their Assault Sub-Teams, towards the target area, in parallel. The Assault teams traversed the treacherous terrain having steep height with big boulders while checking the unwanted sound of the shoes, keeping secrecy of the movement troops, reached close to the maoist positions. As the troops were hardly 50 meters short of their target and were about to reach the hilltop, the Assault team under command Shri Divesh Mishra, Asst. Comdt. came under intense fire of the maoists who somehow got the sniff of the presence of troops. The scouts namely Head Constable Chameil Singh, Head Constable Pawan Kumar, Constable Vinod Kumar Chaudhary and Constable Balvinder Singh under command Sub-Inspector Abhay Sharma were engulfed in the fire of maoists positioned behind the covers of thick vegetation and big boulders at a dominating height. Though engulfed in the indiscriminate fire, the commandos of both the Assault teams immediately took tactical positions by resorting to retaliatory fire and stalking or crawling towards the covers. Knowing the tactics of maoists of first pinning the troops down with heavy fire and then fleeing from the area the commandos maneuvered to the left and right under fleeing bullets to corner the enemy. It was a testing time for the commandos and a test of guts which separates a commando from a soldier. Precise fire, proper co-ordination, disciplined moves and to act against all odds was the need of time. And the commandos decided to face the enemy upfront than lying down behind covers. The training sessions conducted prior to the launch of operation helped the Assault Teams to form small groups with two buddy pairs each and three such small groups were immediately formed. The scout group under command Sub-Inspector Abhay Sharma which included Head Constable Pawan Kumar, Head Constable Chameil Singh, Constable Vinod Kumar Chaudhary and Constable Balvinder Singh challenged the enemy from front and advanced ahead despite all odds and challenges the enemy was posing.Shri Divesh Mishra, Asst. Comdt. with his small group which included Constable Dilip Kumar, Constable Anup Kumar and Constable Chavan Avinash Kumar maneuvered to the left to attack the flank and likewise Shri Dilip Malik, Deputy Comdt. with his team which included Inspector Daulat Khan, Constable Subrata Mandal, Constable Joginder Singh and Constable Kalipad Barman maneuvered to the right to attack the right flank. Sensing that they are being cornered by the troops, the maoists too divided their arc of fire and made it more precise. A concentrated and heavy volley of fire on the move of any of the commandos made the task of moving ahead more dangerous and risky. Realizing that the delay in advancewould give an opportunity to the maoists to flee, Shri Divesh Mishra, Asst. Comdt. ordered Sub-Inspector Abhay Sharma and his team to open heavy fire which pinned the Maoists down for a moment. Taking the opportunity, the team under command Shri Divesh Mishra, Asst. Comdt. crawled ahead and with their precise fire gunned a maoist down. A moment of disarray caused by the killing of a maoist was enough for Sub-Inspector Abhay Sharma and his team mainly Head Constable Pawan Kumar and Chameil Singh to advance ahead in a flash and gun down a second maoist. The killing of maoists send them in tizzy and the leaders began to flee from the area by jumping to a Nala at the back of hill while some cadres still held the ground. The daredevilry of the third team was displayed when Shri Dilip Malik, Deputy Commandant and his team also advanced ahead firing precisely resulting in gunning down of yet another maoist. Soon the three sub-teams were in an extended line and closing-in for the last kill and running over of the camp despite the toughest of terrains, thorny bushes and big boulders. The resistance from the maoists had begun to die down and gunfire had decreased drastically. As the sub-teams moved closer to the hideout an injured maoist threw a surprise at them by opening a burst of fire from a close distance to inflict casualty but the troops had a narrow escape and Head Constable Pawan Kumar and Head Constable Chameil Singh did not give him a second chance to fire and gunned him down while themselves remaining in open and exposed to threat of life. Thereafter the Teams chased the fleeing maoists for a distance but the rest of the maoists managed to flee from the site. During search of the area, dead body of four maoists namely Anil @ Deepak, Zonal Commander, Chandan Yadav @ Nepali, Sub-Zonal Commander, Sukhadi Chaudhari @ Tufani, Sub-Zonal Commander and Arvind Kumar @ Lulha, Sub-Zonal Commander were recovered alongwith one AK-47 Rifle, two INSAS Rifles, one Self-Loading Rifle, its magazines and huge number of ammunitions and other items like IEDs, Detonators and other items of use.

For making the operation a big success the credit goes first to the commanders namely Shri Dilip Malik, Deputy Commandant and Shri Divesh Mishra, Assistant Commandant who risked their lives in culling out the exact location of the maoists and then the commandos of their teams who acted swiftly and bravely and provided much support to their commanders. During the encounter the commandos inched forward towards the enemy without caring for their own lives while taking natural covers of boulders, vegetation and broken ground. The commandos fought very bravely and with valour and showed courage of the highest order. They moved ahead with all the tactics and mutual coordination despite the attack by the maoists who were firing on them ferociously.

In this operation S/ShriDilip Malik, Deputy Commandant, Divesh Kumar Mishra, Assistant Commandant, Abhay Sharma, Sub-Inspector, Dilip Kumar, Constable, Daulat Khan, Inspector, Joginder Singh, Constable, Vinod Kumar Choudhary, Constable, Anup Kumar, Constable, Balvinder Kumar, Constable, Subrata Mondal, Constable, Chavan Avinash Raghunath, Constable, Kalipada Barman, Constable, Pawan Kumar, Head Constable and Chemail Singh, Head Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 08/03/2017.

P PRAVEEN SIDDHARTH
Officer on Special Duty

No. 157—Pres/2019—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Central Reserve Police Force (CRPF):—

NAME & RANK OF THE OFFICER

S/Shri

1. Abhinav Pandey
AssistantCommandant

2. Sandeep Kumar Mishra
Sub-Inspector

3. Mintu Biswas
Constable

Statement of service for which the decoration has been awarded

On receipt of reliable information about the presence of a group of 7- 8 armed Jan Militia Naxals in general area of village Gaganpalli, Phutakel, Modakpal, Pusbaka U/PS Basaguda Distt Bijapur, Chhattisgarh, a joint Search and Destroy Operation for 01 day and 01 night was planned by Shri. Abhinav Pandey, Asstt. Comdt. of 204 CoBRA to nab the Maoists.

Weighing all the opportunities and threats, the party Commander left the base camp Basaguda on 12/02/2017 at around 2105 hours along with his troops. Troops were advancing towards the target area using cross-country routes through the jungles in the moonlight while maintaining the secrecy and crossed the Talperu River and reached near Potacabin. At around 2145 hours, 10-15 armed Naxals who laid an ambush opened firing indiscriminately on the troops. It was a crucial moment for the commander as they could finally locate their target which was in front of them. He sensed that this is the time for which they were looking for since long; to defeat the Maoists in their citadel. Without wasting a fraction of moment party Commander Shri Abhinav Pandey, A/Comdt chalked out a plan to nab the Maoists.

As per the plan, party advanced towards their respective targets stealthily taking due cautions to maintain the secrecy. Mean while Shri Abhinav Pandey, A/Comdt. decided to reach as near as possible to the Maoist position to get a suitable tactical position while maintaining the secrecy. It was a daring move, as; a single mistake could have attracted the notice of heavily armed Maoists that could have been fatal for the approaching troops. Nevertheless, Shri Abhinav Pandey, A/Comdt. displaying the true grit and metal of a commander, led his troops from the front as he crawled towards the Maoists position along with SI/GD Sandeep Kumar Mishra and CT/GD Mintu Biswas. Holding their nerves and the ground, the duo reached very close to the position of Maoists. The fellow troops also followed their commander and took position behind him. After securing the position of his troops, Shri Abhinav Pandey, A/Comdt. challenged the Maoists to surrender before them. Maoists, at once, got stunned on finding SFs so close to them. However, they took on the situation at very next moment and mocking the offer of surrender, opened a barrage of bullets towards the team of Shri. Abhinav Pandey, A/Comdt. The shower of bullets missed their targets by a hairsbreadth and the troops had a miraculous escape from the first brunt of the Maoists firing.

Acting promptly, Shri Abhinav Pandey, A/Comdt. retaliated to the Maoists firing. Soon his buddy Constable Mintu Biswas and SI/GD Sandeep Kumar Mishra along with other troops also joined his commander and augmented the counter-attack against the Maoists. Maoists had occupied tactical positions behind the fortified defence due to which the firing from the SFs was not proving effective. On the other hand, Maoists were firing indiscriminately with intention to kill SFs and snatch their weapons; ShriAbhinav Pandey, A/Comdt, alongwith SI/GD Sandeep Kumar Mishra and his buddy CT/GD Mintu Biswas were advancing and started encircle the Maoist position the track of left side. He located a place ahead of his position and put in fired effectively upon the Maoists. He, displaying the utter disregard for his personal safety, led from the front and crawled with incredible speed in hostile conditions to reach close to the Maoists at the striking position. Advancing fearlessly amid the firing, the commander positioned himself and started targeting the Maoists with his accurate fire. Meanwhile, his buddy also joined him from behind and galvanized the intensity of the counter-attack.

The fierce and daring counter-offensive led by Shri Abhinav Pandey, A/Comdt astonished the Maoists. Before the Maoists could overcome the blow, the duo neutralized one of the Maoists through their effective firing. The valorous act of the commander, SI/GD Sandeep Kumar Mishra and his buddy CT/GD Mintu Biswas catalyzed the fellow troops, who also charged ferociously upon the Maoists. Meanwhile other troops also reached the spot and started encircling the Maoists. Finding them encircled and under the thrust of effective fire of SFs, Maoists, having no other option, started fleeing away taking advantage of thick vegetation and undulating ground.

The fierce gunfight continued for approx. 01 hour. During post encounter search troops recovered 01 Dead Body of CPI(Maoist) namely Avalam Mangu, along withmiscellaneous incriminating items.The Ops party after overcoming all the odds on the way reached base camp Basaguda safely on 13/02/2017 along with the dead body of the Maoist and recovered items.

During the operation Shri Abhinav Pandey, Asstt. Comdt. 204 CoBRA, displayed exceptional leadership qualities, raw grit and moral courage risking his own life in the face of certain death, in order to save the lives of his men and

accomplish the task. Undaunted by the strong offensive by the Maoists, he stood his ground, led his troops from the front and continued to fire leaving the Maoists with no option but to flee. He set an indelible example of gallantry of the highest order and sterling qualities of a leader, in keeping with the highest traditions of the Force. SI/GD Sandeep Kumar Mishra and CT/GD Mintu Biswas fought bravely and accompanied their commander in tough times. They were instrumental in neutralizing to the Maoists.

In this operation S/ShriAbhinav Pandey, Assistant Commandant, Sandeep Kumar Mishra, Sub-Inspector and Mintu Biswas, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 12/02/2017.

P PRAVEEN SIDDHARTH
Officer on Special Duty

No. 158—Pres/2019—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry/1st Bar to Police Medal for Gallantry/2nd Bar to Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Central Reserve Police Force(CRPF):—

NAME & RANK OF THE OFFICER

S/Shri

1.	Rajesh Kumar Commandant	2nd BAR TO PMG
2.	Rajendra Nath Mallick Assistant Commandant	2nd BAR TO PMG
3.	Rajesh Kumar Barnela Assistant Commandant	1st BAR TO PMG
4.	Biplab Biswas Head Constable	PMG
5.	Sreenivasulu P Constable	PMG
6.	Tasleem Arif Mir Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

In the early hours of 24 April 2018, on receipt of credible input about the presence of 3 to 4 JeM terrorists in a hideout located in the forested mountain ridges near village Gutango, a party of 42 RR was sent to the general area around the upper ridges of Gutango forest to verify the input.When the party reached the proximity of the target area, around 0700 hrs, it came under heavy fire as well as grenade attack.The fire was retaliated and the area was cordoned off. In the initial exchange of fire Sepoy Ajay Kumar of 42 RR was seriously injured who later succumbed to his injuries at 92 Base Hospital.

On receipt of information, a team ofA & C coysof 180 Bn under command of Shri Rajesh Kumar Barnela, Assistant Commandant (IRLA-9206)Coy Commander C/180 alongwith Shri Rajendra Nath Mallick, AssistantCommandant(IRLA-9623) Coy Commander of A/180, Sub-Inspector Zahoor Ahmad Wani of PS Tral with Special Operations Group (SOG) Aripal,SOG Traland Quick Action Team (QAT) of 180 Bn. under overall command of Sh. Rajesh Kumar, Commandant (IRLA-4449) 180 Bn with Inspector Mohd.Yousuf, SHO Tral rushed to the spot.Simultaneously, reinforcement party of 42 RR under command Colonel Neeraj Pandey also rushed to the spot. As Aripal is the nearest camp from the encounter site, SOG Aripal and A Coy of 180 Bn at Aripal were the first responders, they strengthened the cordon laid by 42 RR and took position around 50 meters towards the Southern side of the suspected hideout alongwith SOG Aripal.Party of C Coy of 180 Bn took position on the Eastern side on top of the suspected hideout at a distance of 50 meters along with CO-42 RR and Sh. Ajaz Ahmad, SDPO, Tral.Simultaneously, CO-180 with QAT 180 Bn also reached the encounter site and took position towards the south side of the cordon. These were the only two positions from where effective fire could be dropped on the suspected hideout.The other two sides around the suspected hideout were very steep and therefore parties were placed on the opposite side, behind the high rise rocky feature and thick trees on these slopes.The hideout was highly camouflaged and concealed, therefore,its exact location could not be ascertained. After the parties had taken position two armed terrorists came out and fired indiscriminately. Thereafter, they took positions behind thick trees near the concealed entry of the hideout. The fire was retaliated by the troops in the cordon. As position of the cordon party was on the sky line the terrorists were able to watch every movement of the cordon parties. Intermittent firing continued for around two hours.At about 1300 hrs the Commanders decided to send a party from the southern side towards the hideout to surprise and neutralize the terrorists, so

that the operation could be concluded before dusk.Accordingly,a small team comprising of Rajesh Kumar Barnela,Assistant Commandant, No. 971231689 Head Constable Biplab Biswas, Constable Mohd. Lateef Ahmad Goger of SOG and Sub InspZahoor Ahmad Waniof PS Tral stealthily advanced in the directionofthe hideout.Suddenly a heavy volley was firedby the terrorists, one bullet injuring Mohd. Lateef Goger on the right shoulder.Following this the terrorists left their concealed positions and charged towards the cordon firing indiscriminately.Rajesh Kumar Barnela and Biplab Biswas exhibiting sharp reflexes and extraordinary presence of mind swiftly retaliated and accurately fired a volley at the advancing terrorists eliminating one of them.Struggling to avoid being hit, the second terrorist immediately positioned himself behind a thick tree close to the body of his eliminated colleague.Fierce fire was exchanged between the terrorist and the troops.Sh. Rajesh Kumar, Commandant, noticing that one of the Constable was hit, immediately shifted his position with some of the QAT personnel and held the front so that injured police jawan could be evacuated. Amidst heavy exchange of fire from both sides, Insp Mohd. Yousuf of J&K Police along with 6 personnel of QAT-180 evacuated the injured jawan who later succumbed to his injuries.In the meantime the second terrorist in a bid to escape lobbed grenades and fired indiscriminately towards the cordon. Displaying amazing agility, raw grit and tactical skills of a leader, Rajesh Kumar, Commandant along with his buddy No. 125075576 Constable Tasleem Arif Mir fired at the advancing militant and killed him. Meanwhile, the surviving militants took position in their man made hideout and continued to fire at the advancing troops from the loop holes of the hideout.In order to disorient and neutralise them, the troops fired heavily with their rifles as well as used MGL fire, but there was no impact.

Thereafter, CO-42 RR in consultation with CO-180 decided to place a demolition set on the top of the hideout to blow it up. Knowing very well that the plan was fraught with grave risk, Rajendra Nath Mallick Asst. Comdt, volunteered to perform the task.Accordingly, a small demolition team comprising of Rajendra Nath Mallick, his buddy No. 135279797 Constable Sreenivasulu P. and Major Shakti Singh along with his buddy tactically advanced towards the hideout and very strategically planted the demolition set on the top and succeeded in blasting the hideout. Since there was no response from the adversary for a considerably long period, the team exhibiting raw valour, conspicuous bravery, tactically crawled and dropped TSM shells and Molotov cocktail inside the hideout from the opening formed by the blast.Suddenly one terrorist unexpectedly stood up in the hideout and fired indiscriminately on the team. Rajendra Nath Mallick and his buddy who had already taken cover behind the trees at a distance of about 10 meters above the hideout retaliated fiercely and neutralized the third terrorist. After this exchange, there was no more fire; neither any movement was noticed within the hideout. Therefore, in order to ascertain that all terrorists had been neutralised, some rounds were fired towards the hideout.Since there was no response from inside the hideout, thorough search of the hideout and surrounding area was carried out resulting in the recovery of dead bodies of 04 slain terrorists, who were later identified asUmar Khalid r/o Pakistan, JeM (Cat- A++), Mufti Yasir r/o Pakistan, JeM (Cat-A++), Abid Maqbool Bhat (Cat-C) r/o Khangund, PS Tral, and Ishfaq Ahmad Khan (Cat-B)r/o Handura, PS. Tral besides recovery 03 AK-56 rifles, 01 AK-47 rifle, 08 AK magazines, 97 AK rounds and 01 UBGL.

The operation witnessed shrewd and dynamic leadership on the part of Sh Rajesh Kumar, Comdt 180 Bn, who not only lead from the front but also ensured that the terrorists were beaten at their own game. His tactical prowess and astute handling of the situation motivated and inspired his team of officers and men who put their personal lives at stake to ensure that the terrorists were eliminated. The young and brave duo of Sh. Rajesh Kumar Barnela, and Sh Ravindra Nath Mallick, Asst. Comdts proved equal to the task assigned to them through their sheer dedication and commitment to duties,under utmostadversity, also inspiring their buddies No. 971231689 Head Constable Biplab Biswas,No. 125075576 Constable Tasleem Arif Mir andNo. 135279797 Constable Sreenivasulu P. who did not let down their commanders and rose to the challenge resulting in the elimination of four hard core terrorists of the dreaded JeM outfit.

In this operation S/Shri Rajesh Kumar, Commadant, Rajendra Nath Mallick, Assistant Commandant, Rajesh Kumar Barnela, Assistant Commandant, Biplab Biswas, Head Constable, Sreenivasulu P, Constable and Tasleem Arif Mir, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 24/04/2018.

P PRAVEEN SIDDHARTH
Officer on Special Duty

No. 159—Pres/2019—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Central Reserve Police Force (CRPF):—

NAME & RANK OF THE OFFICER

S/Shri

1. Navin Kumar Jha
AssistantCommandant

2. Javaid Ahmad Gujjar
Constable

3. Chaman Giri
Sub-Inspector

4. Suhas M
Head Constable

5. Sital Singh
Constable

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 20th March 2018 at about 1300 hrs Shri. N.K Jha, Asst. Comdt. Officer Commanding E Coy of 98 Bnreceived an intelligence input from own source that a group of 6-7 militant were sighted at Check Fateh Khan and Lamchak forests close to the remotevillage ofHalmatpora in Distt. Kupwara. District Kupwara is situated to the northwest of Kashmir and village Halmatporais the last village before the Line of Control (LoC) located 20-25 kms away. The village is surrounded by Check Fateh khan/Lamchak forests which is a dense coniferous forest. The gradients are steep and being close to the LoC there are regular movements of terrorists through these forested mountains.After verifying the input from local police, 7-8 personnel of 98 Bn in civvies were sent to the area to ascertain the exact location who affirmed the target area. Accordingly, Special Operations Group (SOG), JKP of Kupwara and Counter Terrorism Team (CTT) of 98 Bn comprising of 13 personnel under command Shri N.K. Jha, Asst Comdt left for the forested area. By the time the team reached the location at around 1400 hrs, troops of 41 Rajputana Rifles (RR), 5 Bihar and 160 Territorial Army (TA) had already cordoned off the area from the North western, South western sides, on the upper slopes and on the lower slopes on the North east side. SOG, Kupwara and CTT of 98 Bn took positions on the downward slope on the South Eastern side contiguous to the deployment of 41 RR extending to part of the Eastern side as well. Meanwhile, troops of 162 Bn under overall command of Sh Mohit Kapoor, Second-in-Command, 162 Bn also reached the target area around 1450 hrs. and joined the troops of 98 Bn to reinforce their positions. While three sides of the target area were mountainous and thickly forested, on the Eastern side was situated village Halmatpora with a cluster of houses.

The moment the cordon was established, the terrorists opened fire on the Army personnel positioned on the Northwest side. A heavy gunfight ensued which continued for an hour, wherein an Army personnel was martyred. In the retaliatory fire one terrorist was also eliminated. Thereafter, there was a lull for around 2-3 hours from both sides till the evening prayers were completed. Sensing that they could not make an escape from the Northwest side, the remaining terrorists moved to the South west side in a bid to escape oblivious to the fact that they were surrounded. However, their attempts were futile as41 RR, 98 Bn CRPF and SOG were deployed on the Southwest side. As darkness fell, around 1930 hrs the terrorists once again commenced fire. The troops retaliated; throughout the intervening night isolated shots rung the air from both sides. However, on account of the fool proof cordon the terrorists remained confined within this expansive cordon. The troops held on to their positions the entire night despite the bone chilling cold conditions. The next morning i.e on 21st March at around 0630 hrs Comdts of 98 Bn and 162 Bn also joined their troops at the encounter site. At about 0730 hrs the Army personnel deployed along the South west and North west slopes started moving down the mountain in a bid to close in on the terrorists. In a state of panic three terrorists rushed towards the South west area firing indiscriminately where SOG, JKP and CTT of 98 Bn were deployed. No 105021042 Sub Inspector Chaman Giri along with No 115241739 Head Constable/Radio Operator Suhas M. who was armed with a Radio set and AK-47 rifle fell in the immediate firing line of the three terrorists, alongwith jawans of SOG. Both the young Sub Inspector Chaman Giri and the Radio Operator were face to face with certain death if they did not get the better of their adversaries. Faced with a do or die situation both of them let loose a volley of fire at one of the fleeing terrorist, as he almost charged into them, and eliminated him on the spot. Meanwhile, another terrorist fired at a SOG jawan and wounded him grievously. Suddenly, realising that he had exhausted his bullets he picked up the weapon of the slain constable.There was barely a round or two in it. In desperation he flung himself at No 105341198 Constable Javaid Ahmad of 98 Bn in order to snatch his weapon, thereby ensuing a scuffle between the two of them.Exuding lion hearted determination and raw courage in the face ofcertain death, holding on to his own weapon with all his might, the dare devil Javaid Ahmad got into a fierce close quarter combat and managed to wrest the AK 47 rifle from the militant and fired at him eliminating him on the spot. Meanwhile, the third terrorist taking advantage of the engagement of the security forces with his two other counterparts managed to slip out of the cordon.

The Army troops meanwhile continued to move down hill combing the area. The remaining terrorists had no opportunity to escape from the Western side, either, asthe security forces continued to close in on them, more so, faced with an arduous task of climbing up the slope. The terrorist continued to fire intermittently and closed in towards the Eastern side on the lookout for an opportunity to escape. The SOG and CTT 98 Bn had firmly taken position on the Eastern side under the fearless and able command of Shri N.K Jha, Asst. Comdt. There was plain field stretching ahead of them, a few hundred metres and beyond the fields lay the forested area. In between the field was a wall made of stones which served as a good cover for the terrorists. It was almost 24 hours since the cordon was laid and the terrorists were at their wit's end finding themselves completely cornered. At around 1400 hrs, they suddenly opened very heavy fire towards the Eastern side taking cover of the chest high stone wall. The quantum of fire was so heavy that the troops on the eastern side had to hastily move behind the available cover, which was naturally provided on account of the terrace cultivation on the land. However, the unusually heavy volley of fire did not deter No 065161558 Constable Sital Singh, the brave young constable behind the LMG who had also positioned himself with the rest of the troops.Like a rock he steadfastly held on to his position and retaliated

with a heavy volume of fire from his LMG in the direction of the adversaries. N.K. Jha who was manoeuvring his troops ably on the eastern side also stood up to the heavy volume of fire from the adversary and retaliated in the same vein.In one last desperate bid two terrorists left their cover and ran into the troops deployed on the eastern side firing indiscriminately. Constable Sital Singh and Shri N.K. Jha, Asst. Comdt in the face of heavy firing from the terrorists opened heavily fire and succeeded in eliminating both the terrorists. Since the SFs were not too sure about the number of terrorists, the troops continued to hold on to their positions till the troops of the Army had completely scanned the area and the operation was called off at 2000hrs.

The search resulted in the recovery of dead bodies of 05 foreign terrorists. The troops also recovered 05 AK-47 Rifles, 01 Pistol, 01 Pistol 9mm Beretta (Italian), 25 AK magazines, 02 Pistol magazines, 02 Pistol magazine(Italian),839 AK rounds, 50 Pistol 7.62mm rounds, 60 pistol 9mm roundsand other incriminating materialfrom the encounter site.

Considering the climatic conditions and the hostile terrain, it was a very difficult operation and the forces were up against well trained and equipped foreign terrorists. The operation lasted for over 30 hrs. N.K.Jha, Asst Comdt of 98 Bn displayed exceptional leadership qualities and tactical ability, manoeuvring his troops and deploying them effectively. Despite the extreme cold conditions, he kept the morale of his troops high who steadfastly held on to their positions patiently till the culmination of the operation. In the face of grave danger and exposed to imminent death, he stood stoically in support of Constable Sital Singh and fighting bravely ensured the elimination of both the terrorists ending the encounter.

Sub Inspector Chaman Giri was rock solid and remained glued to his position throughout the duration of the operation deftly manoeuvring and managing his team deployed alongside him.He alongwith Head Constable/ Radio Operator Suhas M. and Constable Javaid Ahmad Gujjar and others ensured that the area assigned to them was well sealed to prevent the escape of terrorists. Faced with imminent death, when lesser mortals would have capitulated, all the three of them displayed extraordinary courage, stoic determination and exceptional skills to gun down their adversaries, even to the extent of engaging in close quarter combat and ultimately getting the better of the terrorist who dared to challenge Constable Javaid Ahmad Gujjar. Constable SitalSingh for his age displayed extra ordinary bravery and nerves of steel and held his ground under the most difficult situation, when confronted with heavy fire from the terrorists in their last bid to escape. His deftness and control over his LMG not only ensured that the terrorists were pegged back in their menacing advance towards the troops but also ensured their elimination without any reversals to own troops.

In this operation S/ShriNavin Kumar Jha, Assistant Commandant, Javaid Ahmad Gujjar, Constable, Chaman Giri, Sub-Inspector, Suhas M, Head Constable and Sital Singh, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 20/03/2018.

P PRAVEEN SIDDHARTH
Officer on Special Duty

No. 160-Pres/2019—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry to the under mentioned officer of Central Reserve Police Force (CRPF):—

NAME & RANK OF THE OFFICER

Shri Anup Kumar Singh
Constable

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 19th July 2018, at about 1515 hrs, on receipt of a credible intelligence input, about the presence of armed terrorists in Batpora, Magam forest area under Police Dist- Handwara, Quick Action Team (QAT) of 92 Bn, CRPFunder command Shri. S. S. Dev, Dy. Comdt. under overall supervision of Shri. J.P Singh, Second-in-Commandrushed to village-Batporaand joined troops of 47 RR and Special Operations Group (SOG), JKP, Handwara.Two more sections of 92 Bnunder command Inspector Pintu Kumar Singh from Platoon Post Bhagatpora also reached village Batpora. A joint operation was planned by Commanding Officer 47 RR, SSP Handwara and Shri. J.P Singh, Second-in-Command of 92 Bn. As per the plan troops of 47 RR will cordoned off the area on the North-West and North-East sides, troops of 92 Bn placed themselves in the South-West and SOG Handwarain the South-East. As it was day time and the movement of troops was visible to the terrorists troops tactically advanced toward target area. At about 1630 hrs, while the cordon was being placed the terrorists opened heavy fire on the security forces. The fire was effectively retaliated by the SFs. Since it was a jungle area, the terrorists could move around and confuse the forces. They kept firing at the troops from different directions in a bid to break the cordon and flee. Intermittent exchange of fire continued.After about 15 minutes, one of the terrorist tried to break the cordon from the Western side which was being manned by troops of 47 RR and 92 Bn CRPF firing heavily and indiscriminately. He met with stiff resistance from the troops and he hastily withdrew.Intermittent exchange of fire continued, but there was no impact as the terrorist had positioned themselves apparently in a nallah. But on account of the safe cover adopted by the terrorists the troops did not make any hasty moves.

At about 1700 hrs, No. 075024982 Constable Anup Kumar Singh, totally bellicose suddenly moved from his position and advanced towards the nallah and took position behind a big boulder. From that position he observed an unidentified person lying in the Nallah behind a rock, though his weapon was not visible to him. In a state of uncertainty, he informed Shri. S S Dev, Dy. Comdt, who alongwith his buddy crawled towards the position of Anup Kumar Singh and asked him to challenge that person, since in the absence of a weapon it could have been a case of mistaken identity. As Anup Kumar was about to challenge the terrorist, the terrorist anticipating the move of Anup Kumar Singh fired in his direction. With the terrorist at a striking distance, it was anybody's game and he was aware that if he did not take the bull by the horn the adversary would get the better of him. With S S Dev and his buddy providing cover fire to him he stepped out of the cover and taking the natural cover available charged at the terrorist and fired at him neutralizing him. Since the number of terrorists were not exactly known the troops waited for response from the terrorists. When all was quiet for a prolonged period, joint teams of 92 Bn CRPF, 47 RR and SOG Handwara carried out a thorough search of the area. Dead body of one slain terrorist was recovered from the nallah alongwith one AK-47 rifle, three magazines and 50 rds of matching ammunition. The identity of the slain terrorist could not be established as he was of foreign origin.

In this operation Shri Anup Kumar Singh, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 19/07/2018.

P PRAVEEN SIDDHARTH
Officer on Special Duty

No. 161-Pres/2019—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry to the under mentioned officer of Central Reserve Police Force (CRPF):—

NAME & RANK OF THE OFFICER

Shri Upendra Kumar Yadav
Head Constable

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 26th July 2018, on receipt of a credible input at about 1200 hrs, about the presence of onearmed terrorist, suspected to be foreigner, in Sodal Chak Magam area under Police District-Handwara, District-Kupwara, Quick Action Team (QAT) of 92 Bn under overall supervision of Sh. J P Singh, Second-in-Command and two sections of D Coy of 92 Bn under command Inspector Pintu Kumar reached village Sodal Chak, Magam. Troops of 21 RR andSpecial Operations Group (SOG), JKP Handwara had already reached the village and it was confirmed by a local source that a terrorist was hiding in the house of Mohd Shaban Lone, s/o Ghulam Hassan Lone.

Accordingly a joint operation was planned. As the joint teams tactically advanced toward the target house, the terrorists were alerted by the villagers shouting anti-Indian slogans.A mob also started gathering around the target house which reinforced the presence of the terrorist. Thereafter as decided by the senior officer present at the spot a three layer cordon was laid. The first layer or the outer cordon/cut-off was placed at about 500-700 mtrs from target house by troops of 21 RR & JKP, second layer of the cordon was laid by half the QAT and one sec of 92 Bn, about 100 meters away from the target house under command Shri Vijay Kumar, Asst. Comdt. to handle law and order and the third layer i.e. the inner cordon was laid by joint the remaining half of QAT and one section of 92 Bn under command of Shri. S.S. Dev, Dy. Comdt of 92 Bn, 21 RR & SOG Handwara. Party of 92 Bn cordoned the target house from the south-east side, SOG Handwara covered the north east side and troops of 21 RR completed the remaining part of the cordon.

At about 1315 hrs, while the cordon was being placed, the terrorist hiding in the target house fired indiscriminately and lobbed hand grenades in a bid to escape. The troops retaliated and maintained the cordon denying the terrorist any opportunity to escape. Thereafter an announcement was made on the public address system asking the terrorists to surrender which however yielded no response. Intermittent exchange of fire continued. At about 1345 hrs, No. 075021643 Head Constable Upendra Kumar Yadav of D/92 Bn observed some suspicious movement on the roof of target house and he immediately alerted others in the cordon. A volley of fire was targeted at the terrorist but he immediately rushed back to the house. However, the exchange of fire continued and the terrorist continued to change his position. Displaying a keen sense of observation, as the terrorist continued to fire heavily from one position, Upendra Kumar Yadav assumed position behind the left corner of the adjacent house and crawled towards the target house and spotted the terrorist in the barn of the suspect house. Upendra Kumar Yadav was now placed just about 10-15 mtrs away, when the terrorist's watchful eye fell upon him and he opened heavy fire in his direction. Exhibiting a firm resolve and nerves of steel Upendra Yadav retaliated in equal measure and stood his ground. He was supported by the joint troops who provided him covering fire. The fierce response on the part of Upendra Kumar Yadav had perhaps decapitated the terrorist but he did not give up. This time he tried to hurl a grenade in the direction of Upendra, but he was alert to every move of the terrorist and targeted his fire once again at the terrorist. The terrorist did not succeed in hurling the grenade which blew up in his hand itself. Thereafter, there was absolutely no exchange of fire. The forces could spot the dead body of the slain terrorist on the roof of the target house. After

ascertaining from all quarters that there was no more threat, at about 1630 hrs, a joint team of 92 Bn CRPF, 21 RR and SOG Handwara searched the target house, wherein dead body of the slain terrorist was recovered alongwith one AK-47 rifle, five magazines, 97 rds of matching ammunition and other incriminating material.His identity could not be established as he was a foreign terrorist.

In this operation Shri Upendra Kumar Yadav, Head Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 26/07/2018.

P PRAVEEN SIDDHARTH
Officer on Special Duty

No. 162-Pres/2019—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry to the under mentioned officer of Central Reserve Police Force (CRPF):—

NAME & RANK OF THE OFFICER

Shri Jitumoni Ray
Constable

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 04th July 2018, on receipt of a credible input from the Unit Intelligence Cell about the presence of 4-5 foreign terroristsin the orchards between Magam and Dolipora in Police Distt. Handwara, the same was shared with sister agencies and further corroborated by SSP, Handwara. On 08th July 2018, input was received about the presence of the same group in Khanpora, Magamforest area,District-Kupwara. Troops of47 RR who were already present in nearby forest area forsome routine operation established the initial cordon but being a vast area the troops were limited in number. Handwara district of North Kashmir being adjacent to the Line of Control (LoC) routinely witnesses movement of armed terrorists. As the cordon was being placed by troops of 47 RR,the terrorists hiding in the forest fired indiscriminately at the party of 47 RR and tried to flee taking advantage of darkness and the dense hilly terrain. At around 2030 hrs troops of 92 Bn from platoon post Bhagatpora andQAT of 92 Bn under commandShri Vijay Kumar,Asstt. Comdt. and overall command Shri. Dipak Kumar, Comdt.along with his escort party and Special Operations Group (SOG), JKP, Handwara rushed to the encounter spot. After joint planning, troops of 47 RR who were already on the Northern side of target area extended their cordon to the east as well as to the west, D platoon of 92 Bn established the cordon on the south-east under command Vijay Kumar, Asstt. Comdt. and SOG Handwara covered the south-west side. Cordon was completed by about 2200 hrs. Commandant-92 Bn along with CO-47 RR & SSP Handwara supervised the operation from temporary Command Post near village Khanpora.

At around 2230 hrs, troops of 47 RR who were manning the north side of target area observing some suspicious movements opened fire. The terrorists also fired heavily and moved towards the Southside with an intention to break the cordon and enter village Khanpora. Though entry to the village Khanpora was blocked by QAT-92 and one platoon of D coy of 92 who were manning the south side, the terrorists had made up their mind to enter the village. Firing indiscriminately and lobbing grenades, they made an attempt to break the cordon, which was effectively retaliated by troops of 92 Bn. The terrorists withdrew and fled towards the jungle and as darkness was fast descending it was impossible to locate them.However, the cordon continued to be in place. At around 2300 hrs, the terrorists again tried to break the cordon; firing indiscriminately on the SFs this time they moved in a different direction

After about 15 minutes, No 105131194 Constable JitumoniRayfeltas if someone was crawling toward the cordon of 92 Bn and immediately informedVijay Kumar Asstt. Comdt.about the suspicious movement.Vijay Kumar and Jitumoni Ray immediately started following in the direction of the sound, but when they closed in, the terrorist suspecting some movement positioned himself behind a tree and opened fire, simultaneously lobbing a grenade. The duo of Vijay Kumar and Jitumoni retaliated the fire but in the darkness the exact position of the terrorist could not be located. However, following the sound of fire Jitumoni Ray displaying great presence of mind and taking a calculated risk crawled to an advantageous position despite intermittent fire from the terrorist. Jitumoni's advance alerted the terrorist and he opened indiscriminate fire, thereby also exposing his position. Jitumoni Ray also retaliated with the same ferocity as by this time he had inched quite close to the adversary. Since there was no response from the other side Jitumoni informed Vijay Kumar that apparently the terrorist was injured in the exchange of fire. Thereafter, the troops remained in position throughout the night.

At first light the joint team of 92 Bn, CRPF, 47 RRand SOG Handwara conducted athorough search of the area resulting in the recovery of dead body of one slain terrorist suspected to be of foreign origin along with one AK-47 Rifle, four hand grenades, four magazines and thirty rounds of 7.62 mm ammunition. At a distance of approx. 30-35 mtrs from the position taken by Jitumoni Ray .As per the Intelligence reports one more militant was suspected to be injured in said operation but had managed to escape along withotherstakingadvantageofdarknessandthe dense hilly terrain. The slain terrorist apparently held allegiance to the Lashkar-e-Toiba (LeT) outfit

In this operation Shri Jitumoni Ray, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 08/07/2018.

P PRAVEEN SIDDHARTH
Officer on Special Duty

No.163-Pres/2019—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry/1st Bar to Police Medal for Gallantry/3rd Bar to Police Medal for Gallantry/5th Bar to Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Central Reserve Police Force (CRPF):—

	NAME & RANK OF THE OFFICER S/Shri	
1.	Rajesh Kumar Commandant	3rd BAR TO PMG
2.	Sanjay Kumar Second-In-Command	5th BAR TO PMG
3.	Sikander Yadav Assistant Commandant	1st BAR TO PMG
4.	Mahender Singh Head Constable	PMG
5.	Subhash Singh Head Constable	PMG
6.	Akhil Das Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On dated 19th June 2018 at about 1500 hrs. on receipt of a credible input about presence of terrorists ina house in Village Hyuna under P.S-Tral in Dist- Pulwama in Jammu &Kashmir (J&K), a joint Cordon and Search Operation (CASO) was launched by 180Battalion CRPF, 42 Rashtriya Rifles (RR) and Special Operations Group (SOG) Tral. Parties ofC coy of 180 Bn u/c Shri Sikander Yadav Asst. Comdt, SOG Tral u/c SDPO andone team of 42 RR u/c Major Vinish Nayar left for village Hyuna located approx. 05 kms from Tral.At about 1545 hrs. while cordoning off the area house two pheran clad young men tried to escape from the window of a suspected house who were challenged by Sh. Sikander Yadav Assistant Commandant(IRLA-9742) and his buddy No. 075265828Head Constable Subash Singh compelling the men to return to the house.At the same time announcement was being made from the local mosques requesting people to proceed to the operation site and help the terrorists break the cordon.Aln aggressive unruly mob had already and were pelting stones on the troops trying to thwart them from laying the cordon.At about 1600 hrs Shri Rajesh Kumar, Comdt 180 Bn along with the Unit Quick Action Team (QAT) u/c Shri Sanjay Kumar, Second-in-Command proceeded to the site were but were met with a series of road blocks and were pelted with stones heavily. However, bracing it all they reached the operation site. After an astute assessment of the situation and after discussions with CO 44 RR, Sh. Rajesh Kumar, Comdt 180 Bndeployed troops of C coy of 180 Bn u/c Shri Sikander Yadav,QAT/180 BN u/cSanjay Kumar, towards the North & West side of the target house andthe othertwo sides were duly covered by the troops of 42 RR.At about 1630 hrs, the neighbouring house in the North direction was searched and occupied by Sikander Yadav with his team and troops were tactically deployed in the house. After confirming the deployment of all troops Sanjay Kumar, Second-in-Command took position in the apple orchards on a gradient on therear side of the target house along with Unit QAT.

The target house was situated in a fenced rectangular compound of approx. 500-600 sq. mtrs.The house itself was a bricked single storied structure with separate toilet block outside in the North-West corner of the compound. The house was surrounded by walnut trees which covered the house and its windows. To the East was Pinglish-Mandura road and on the opposite side of this road was a mountain ridge which ran parallel to the road. To the North stood a lone single storied house at a distance of appx. 30 mtrs. the west was covered with small trees and on the rear side of the target house in the South direction was the apple orchard basically on an undulating land.

At about 1645 hrs an announcement was made by police party asking the terrorists to surrender. The announcement was greeted by a burst of AK fire the northern direction duly indicating their plans and also injuring a Naik of 42 RR who received a bullet injury on his right forearm. Without wasting any time Sikander Yadav and Subhash Singh provided covering fire to evacuate the injured jawan and Sanjay Kumar after providing him First Aid despatched him to the hospital. A fierce gun fight ensued with the terrorists firing simultaneously from multiple directions. The terrorists were well ensconced and fortified negating any onslaught of the SFs. Dusk was fast approaching and night offered better options for the terrorists

to escape. Rajesh Kumar, Comdt in consultation with other forces formed a four member team Shri Rajesh Kumar immediately swung into action and formed a four member Flame Thrower Team under his leadership which included his buddy 041739322 Constable Akhil Das, Sanjay Kumar and his buddy 991440183 Head Constable Mahender Singh. The target house was at a height and the SFs were more or less positioned on the gradients making it even more difficult. Without any appropriate cover the act was fraught with grave risk as the terrorists could watch every movement of the Forces. With Rajesh Kumar, Comdt himself in the lead, the team moved from the rear of the target house with merely a tactical bullet proof shield providing some semblance of cover and took position near the toilet block adjacent to target house.In the absence of natural fire cover from where fuel could be sprayed on the target house,Rajesh Kumar and his buddy shattered the window panes with fire, and under the covering fireprovided by Sanjay Kumar and his buddy sprayed fuel through the shattered windows.Sensing movement of troops in utmost proximity, the terrorists lobbed 02 hand grenades from the windows in the direction of the Flame Thrower Team. Anticipating the move the team had already assumed safe positions.

Thereafter Rajesh Kumar along with his buddy crawled closer to the house threw in few Molotov Cocktails setting ablaze a portion of the house.Thereafter both of them crawled back and placed themselves tactically in the north-west direction. Sanjay Kumar, along with his buddy placed themselves to the west of the target house. At about 1800 hrs in a bid to escape, terrorists lobbed a grenade towards the demolition team causing splinter injuries to Rajesh Kumar on his fingers of the the left hand. Rajesh Kumar, Comdt. But unfazed and totally under control Rajesh stuck to his position and retaliated the fire fiercely alongwith his buddy.

Meanwhile a heavy fire had engulfed the house; finding it difficult to bear the unbearable heat, at around 1810 hrs, one of the terrorist jumped out from burning house by lobbing a hand grenade and firing in the direction of Sikander Yadav and his buddy Subhash Singh who were positioned about 30 mtrs away from the target house. The duo struck back with a volley of fire and neutralized the first terrorist.At about 1820 hrs, another escape bid was madeby the surviving terrorists lobbing 03 more Hand Grenades at a distance one after the other from the rear side windows of the target house which exploded with force. Simultaneously one of them emitted a volley of bullets in the direction of Rajesh Kumar, Comdt and his buddy in a desperate attempt to escape taking advantage of the smoke and dust caused by the grenade blast. Despite all these attempts Rajesh Kumar and his buddy Akhil Das bravely bore the brunt and unmindful of their own safetyand throwing caution to wind, came out of their cover and fired at the advancing terrorist eliminating him.In the cover of dust and smoke, the third terrorist also jumped from the window and positioned himself behind a small dump of bricks kept on a 5 ft high platform at the rearof the target house and headed in direction where Sanjay Kumar alongwith his buddy Mahender Singh had taken position. The terrorist's position being dominating, it was difficult to target him from the slope. Sanjay Kumar was a veteran of many such operations and possessed shrewd tactical skills.Despite coming under heavy fire, with utter disregard to his personal safety Shri Sanjay Kumar directed his buddy to fire in the direction of terrorist to pin him down and he himself maneuvered to an advantageous positionapprox 20 meters away from the terrorist. It was a very bold and a calculated move and involved great risk. As the officer was advancing the terrorist fired a volleyand a bullet pierced his upper torso.Despite being severely injured and profusely bleeding, displaying utter disregardto his personal safety showing and exhibiting exemplary field craft crawled to an appropriate position and engaged and neutralized the terrorist after a nerve racking close combat battle. When there was no more activity in the target house, in order to ascertain that there was no more terrorist left inside some probing shots were fired. After neutralizing the terrorist, exhibiting great courage and gumption, Sanjay Kumar crawled back to a safer position where his buddy Mahender Singh provided him first aid before he was evacuated to 92 Base Hospital, Srinagar.

Resultant search of the area yielded dead bodies of three slain terrorists who were identified as Abu Baker @ Qasim Bhai, Commander of JeM in South Kashmir, category A++, r/o Pakistan, Danish Khaliq Dar, r/o Pinglish, Tral of JeM outfit, category C and Adil Ahmad Lone r/o Midoora, Tral. Recoveries included one AK-47 Rifle and two pistols with magazines and matching ammunition apart from other incriminating materials.

The operation was a test of professionalism, tactical acumen and imbibed skills. Shri Rajesh Kumar Commandant-180 displayed exemplary leadership choosing to lead from the front, putting himself to great peril alongside his men and instilling in them the courage and the much vaunted confidence. He himself displayed unparalleled courage and raw valour, volunteering to assume the most hazardous task in the face of extreme adversity and certain death as they were up against one of the most well trained and dreaded JeM terrorist Abu Baker. Shri Sanjay Kumar, Second-in-Command stood up to his reputation of a daredevil and daring officer with many gallant achievements under his belt,inching closest to danger and despite being gravely injured and in pain succeeded in eliminating the terrorist in a near close combat. Both Head Constable Mahendra Singh and Constable Akhil Das displayed exemplary calmness and composure in the face of certain death and in the company of their commanders accomplished the tasks assigned to them.

In this operation Shri Rajesh Kumar, Commandant, Sanjay Kumar, Second-In-Command, Sikander Yadav, Assistant Commandant, Mahender Singh, Head Constable, Subhash Singh, Head Constable and Akhil Das, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 19/06/2018.

P PRAVEEN SIDDHARTH
Officer on Special Duty

No. 164—Pres/2019—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Central Reserve Police Force (CRPF):—

NAME & RANK OF THE OFFICER

Shri Ankesh Sangma
Assistant Sub-Inspector

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 19th October 2018, a party of C coy of 53 Bn was deployed under Command No.841161461 Sub-Inspector C. Rajendran for routine Naka duties atOld Joint Interrogation Centre (JIC)Kralhar, under PS & District - Baramulla (J&K), along with components of Special Operations Group (SOG) Baramulla.He had briefed his men to provide cover to the SOG personnel who were detailed for stopping and search of the vehicles. At about 1330 hours, a black Scorpio bearing Regn. No.JK-01-L-5792 coming from Srinagar side was stopped by the Naka party for carrying out random search. There were two male passengers, one of them seated on the co-driver's seat and the other on the middle seat just behind the driver along with two female passengers. Two other female passengers were seated in the rear of the vehicle. The moment the vehicle came to a halt, all of them were directed to get down by the civil police personnel. The female passengers suddenly got downfrom the vehicle and ranfor cover indifferent directions. No. 841161461 Sub Inspector C. Rajendran who was the Party Commander, sensing something amiss immediately alerted all the personnel deployed at the Naka. No.065211038 Constable Sable Dnyaneshwar Shriram who was assigned the task of providing cover to the search party suspecting mischief started closing in on the vehicle.The militant who was sitting on the co-driver's seat was asked to disembark. Realizing that he was cornered, he reluctantly got down from the vehicle. A gunny bag was kept near his feet where he sat. No.880899298 Asst. Sub-Inspector Ankesh Sangma who had also placed himself closer to the vehicle on the driver's side, exhibiting diligence and presence of mind immediately removed the keys from the ignition and kept it in his custody. The police party meanwhile asked the passenger who was seated in the front to open the gunny bag. Suddenly, in a flash he drew out a pistol from his jacket and opened fire on the civil police constable conducting search of the vehicle. The bullet missed the target by a whisker as he ducked sharply. However, he continued to fire. Constable Sable DnyaneshwarShriram who by this time had closed in was also fired upon by the militant. Exhibiting sharp reflexes, nerves of steel and skills of a trained soldier he dodged and ducked and opened fire at the terrorist.Sub Inspector C. Rajendran his buddy No. 041702925 Constable Pranab Kalita and the civil police Constable who by this time had regained their composures also opened fire, thereby preventing loss of life of security personnel or civilians. Meanwhile the driver of the Scorpio got down from the vehicle and started running in the direction that they had come from. Asst. Sub-Inspector Ankesh Sangma with already 30 years behind him displaying extraordinary sharp reflexes pursued the young and much more agile driver, grabbed him and brought him to the parked BP bunker. In the meantime, the male occupant seated in the middle got down from the vehicle and fled towards the right side and down the road, firing with his AK- rifle and simultaneously lobbing grenades to dissuade the personnel from pursuit.Ankesh Sangma, undeterred fired at the fleeing terrorist.The terrorist entered a narrow bye-lane of a residential area and continued to run with Constable Sable Dnyaneshwar Shriram, leading the hot pursuit and Sub Insp C. Rajendran and Constable Pranab Kalita closely following him.The sound of the exploding grenade alerted No. 065160641 ConstableDavinder Kumar who was manning the BP bunker. Having asked Ankesh Sangma to take care of the apprehended driver, he got down and rushed behindhis colleagues to provide support fire and assist in engaging the militant.The terrorist's run was cut short when he ran into a fence of tin sheet surrounding a house. He tried to scale it but was unsuccessful. When he turned around to flee in another direction he was already surrounded.The pursuit party led by Constable Dnyashewar Sable had closed in on the terrorist and taken positions. Sable Dnyashewar Shriram and Davinder Kumar covered the right side, SOG personnelhad taken position in front and C. Rajendran and Pranab Kalita had covered him from the left and behind him was the gated building. In desperation, the terrorist opened indiscriminate fire. The pursuit party retaliated with accuracy and displaying sharp firing skills eliminated the terrorist.

In the operation the troops exhibited exceptional presence of mind, extraordinary sharp reflexes, mental strength and skills of a trained soldier and kept their cool in the most adverse situation, thereby coming out trumps while coming unexpectedlyface to face with the terrorists. In doing so they also ensured it was an unblemished operation with no collateral damages or violation of human rights in keeping with the values and ethics of the Force.

The slain terrorists were identified as Faizan and Wahab both A+ category terrorists of Pakistani origin belonging to the JeM outfit. One AK-47 rifle with magazine, nineteen 7.62 mm rounds, two Chinese Pistols with six magazines, 52 rounds of 9 mm ammunition, one UBGL, two UBGL grenades and three Chinese hand grenade were recovered from their possession.It was apparently meant to execute some serious terrorist action shortly which was thwarted on account of the presence of mind and exemplary valour exhibited by the troops. It was an unblemished operation with no collateral damages upholding the values and ethics of the Force and its concern for human rights.

In this operation Shri Ankesh Sangma, Assistant Sub-Inspector displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 19/10/2018.

P PRAVEEN SIDDHARTH
Officer on Special Duty

No. 165-Pres/2019—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry/1st Bar to Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Central Reserve Police Force (CRPF):—

	NAME & RANK OF THE OFFICER	
	S/Shri	
1.	Bal Kishan Yadav Assistant Commandant	1st BAR TO PMG
2.	PaulL Kungate Sub-Inspector	PMG
3.	Prakash Paswan Constable	PMG
4.	Rajpal Constable	PMG
5.	Sushil Kumar Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 06 May 2018, at about 0330 hrs, on receipt of a credible intelligence input from SSP Shopian, about the presence of some prominent militants in village Badigam, near Nagabal, a joint Cordon and Search operation (CASO) was planned by SSP Shopian, Commanding Officer 44 Rashtriya Rifles (RR) and Commandant 14 Bn CRPF. At about 0400 hrs, a small party of 44RR and Special Operations Group (SOG), JKP Imamshahib proceeded to the target area and laid a cordon of 2-3 houses before commencing search. Repeated search of the target houses did not yield any result. However, on account of the exceptional credibility of the input the parties persisted with the search. While searching one of the houses, the party noticed an abnormally thick wall. Moving tactically towards the wall the party tried to remove the bricks of the wall. Sensing that the search party was suspecting something amiss, the owner of the house tried to mislead the search party. However, the parties insisted upon continuing. Assoon as a few bricks were removed, a volley of fire greeted the search party. Two troopers of the search party got injured in this initial exchange of fire, though it exposed the position of the adversaries. Information about the contact being established was disseminated to all the concerned and reinforcements were called for. Soon, Shri Bal Kishan Yadav, Asst. Comdt. with F coy of 14 Bn and Counter Terrorist Team (CTT) of B coy along with SOG, JKP, Zainapora reached the target village and established the inner cordon to prevent the escape of terrorists. Reinforcement from other Forces also reached the spot and inner cordon was tightened. Finding themselves completely cornered, the terrorists opened heavy fire on the Forces deployed in the inner cordon. The exchange of fire went on for a while; when there was a brief respite, announcement was made on the public address system asking the terrorists to surrender. The terrorists did not relent and opened fire exposing their position. Bal Kishan Yadav and his party who were tactically positioned in the inner cordon located the militants and retaliated with a heavy volley of fire, leading to another round of exchange of heavy fire between the militants and the SFs. This heavy exchange of fire set the target house on fire, thereby throwing the terrorists off guard for a brief period of time. Bal Kishan Yadav taking advantage of the situation directed No. 130140059 Sub- Inspector Paul Kungte and his buddy No. 145313559 Constable Prakash Paswan to move forward and assume position closer to the target building, whereas he alongwith his buddies No. 115071202 Constable Sushil Kumar and No. 125233267 Constable Rajpal crawled closer to the building and positioned themselves facing the probable escape route of the terrorists, Desperate to move out of the burning house, one of the terriost jumped out of the window firing indiscriminately at the inner cordon with his colleague providing covering fire to him. Balkishan Yadav and Sushil narrowly missed the slew of bullets, however quickly regaining their composure and throwing every bit of caution to wind, they opened fire from close range at the fleeing terrorist eliminating him. Meanwhile, Paul Kungte and his buddy Prakesh Paswan engaged the terrorist firing from the confines of the house, with a sharp volley of accurate fire. He probably could not escape the persistent onslaught and was neutralized. The third terrorist who continued to be trapped inside the burning house kept firing at the inner cordon. Unable to withstand the heat of the flames which had spread all around, he made a last bit attempt to escape by rushing out of the House and firing indiscriminately in all directions. He was fired upon by Bal Kishan and other parties deployed in the inner cordon. When it was quiet for a prolonged period of time, the fire was doused by the fire-brigades. A joint team of SOG, RR and CRPF searched the house as well as the area thoroughly resulting in the recoveries of dead bodies of five slain terrorists which were recovered from inside as well as outside the house.

The slain terrorists were all from the Hizbul Mujahideen terrorist outfit who were indentified as Sadam Ahmad Rather @ Zaid of HM categorized A++, r/o Heff, Shopian, Adil Ahmad Malik @ Salahuddin, r/o Malikgund, Shopian categorized A++, Tousif Ahmad Sheikh, r/o Rampura, Qaimoh, Kulgam categorized A++, Bilal Ahmad @Waleed r/o Heff, Shopian, categorized B and Mohd. Rafi Bhat r/o Chand, Gandabal, categorized C. Recoveries included three AK-47 rifles, one AK-56 rifle, one pistol magazines and matching ammunition apart from other incriminating material.

In the operation, Shri Balkishan Yadav, Assist. Comdt. led his troops from the front and exhibited great leadership qualities, perseverance and presence of mind in rallying his men as the terrorists continued to dodge the security Forces. Sub-Inspector Paul Kungte, Constable Sushil Kumar, Constable Prakash Paswan and Constable Rajpal displayed extraordinary

valor, tactical skills, raw grit and unflinching commitment to duties and engaged the enemies in face to face close quarter gunfight resulting in neutralizing of five dreaded militants.

In this operation S/Shri Bal Kishan Yadav, Assistant Commandant, Paul L Kungate, Sub-Inspector, Prakash Paswan, Constable, Rajpal, Constable and Sushil Kumar, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 06/05/2018.

P PRAVEEN SIDDHARTH
Officer on Special Duty

No. 166—Pres/2019—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Central Reserve Police Force (CRPF):—

NAME & RANK OF THE OFFICER

S/Shri

1. Hari Shankar Shukla
   Assistant Commandant
2. Harish Kumar
   Head Constable
3. Sunil Kumar
   Constable
4. Kangkan Das
   Constable

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 03 August 2018, at about 1700 hrs, on receipt of a credible intelligence input from Civil Police, about the presence of 07-08 militants in Village Killora, u/PS & District- Shopian a joint Cordon and Search operation (CASO) was planned by troops of Counter Terrorism Teams (CTT) - A & C of 14 Bn CRPF, Special Operations Group (SOG) Shopian and 44 Rajputana Rifles (RR). Accordingly, around 1830 a cordon was laid by the joint troops around 7-8 suspect houses in Village Killora. The CTTs of A and C were placed on the Northeast side across a shallow stream at a distance of appxtly 25 mtrs. and parties of 44 RR positioned themselves on the Southeast side about 10 mtrs from the cluster of target houses. The teams of SOG took position from the south to the west. Thereafter, the troops of RR commenced search of the target houses. The party began the search from the far side and as they approached the house where the terrorists were hiding, three of them sneaked out of the house and moved stealthily towards the nullah in a bid to escape. Two teams of two each, the first one consisting of Sh. Hari Shankar Shukla, Asst, Comdt, incharge of CTT-C and his buddy No. 06526866 Constable Sunil Kumar and the second consisting of No. 115080513 Head Constable Harish Kumar and his buddy No. 115139109 Constable Kangkan Das had positioned themselves very tactically opposite the nallah and were observing every movement on the other side. Suddenly, Hari Shankar Shukla and his buddy Sunil Kumar observing suspicious movement challenged them. The terrorists not expecting any resistance, on finding themselves exposed opened indiscriminate fire on the troops. In the ensuing exchange of fire, one jawan of 44 RR sustained bullet injury. The injury to their colleague brought out the aggression in Harishankar Shukla and his buddy Sunil Kumar who left their cover and exposing themselves fired at the fleeing terrorists. The exchange of fire lasted for a few minutes but the valour and the dare devilry on the part of the two ensured that one of them was gunned down who collapsed on the spot, but the other two slipped out taking advantage of the situation. Thereafter, the injured jawan of RR was evacuated safely both Hari Shankar Shukla and Sunil Kumar providing the covering fire. By that time it was turning dark, therefore Comdt 14 Bn, CRPF, Commanding Officer of 44 RR and SP Shopian arrived at a joint decision to suspend the operation for the time being and to recommence at first light the next day. Meanwhile, additional reinforcements arrived and further tightened the cordon. In the fire one jawan of RR sustained When the search party approached towards the target house, 03 unidentified militants sneaked out of the house to the backyard and flee towards the Nalah adjacent to the target house. Militants stealthily moved and tried to give a slip to the inner cordon troops, however their movements were noticed by troops of CTT-A and CTT-C parties in the inner cordon who challenged the militants. The next morning at about 0530 hrs a joint search party of RR, SOG and troops of CTT-C commenced search of the area with the help of tracker dog. As they approached one of the suspect house inside the inner cordon the dog started barking. The hiding terrorists in panic opened fire on the search party; the dog and its handler barely managing to escape. The search parties withdrew back in haste and took positions. Since the target house was now identified the troops launched heavy rifle and UBGL fire. The heavy volume of fire damaged the house completely compelling the terrorists to move out. Four terrorists jumped out of the windows of the damaged house firing indiscriminately in all directions. Two of the terrorists in a bid to escape ran towards the nullah firing intermittently where CTT parties were positioned. The duo of Hari Shankar

Shukla and Sunil Kumar and the second duo of Harish Kumar and Kangkan seeing the approaching terrorists opened fire. They jumped into the nalah and was almost face to face with the aforesaid party. Hari Shankar Shukla and his buddy Sunil Kumar taking cover of the natural ground, crawled towards the nearby trees to get a better view of the adversary's position in a bid to deceive them and take them by surprise. However, the terrorists spotted them and opened fire. Not the ones to be cowed down, both of them altered their positions and opened heavy fire at the terrorists. One of them was hit but the second terrorist ran towards Harish Kumar and his buddy Kangkan Das. This was the opportunity they were waiting for. Both of them intercepted the fleeing terrorist on his track and displaying raw valour and exceptional determination fired at the terrorist and gunned him down. The other two terrorists meanwhile rushed towards the side where the Army and SOG were deployed. After a fierce gunfight both the terrorists were gunned down by the other forces. Search of the area was undertaken resulting in the recovery of dead bodies of five terrorists who were identified as Umar Nazir Mallik LeT (Cat-B) s/o Nazar Ahmad Mallik r/o Malik Gund Killora, PS & Distt. Shopian, Ajaz Ahmad Paul, Al-Badar Mujahdeen (Cat-C) s/0 Ab. Rashid, PS & Distt. Shopian, Arshid Khan, HM (Cat-C) s/o Abdul Rashid Khan r/o Ganowpora, PS & Distt. Shopian, Sheikh Waqar Aslam @ Tipu Sultan, Al-Badar Mujahdeen (Cat-C) s/o Mohd Aslam Sheikh r/o Mallik Gund Killora, PS & Distt. Shopian Arif Ahmad Mir, LeT (Cat-C) s/o Abdul Rahman Mir, r/o Yenner (Pahalgam) Distt. Anantnag, J&K. The operation concluded at about 0855 hrs on 04 August i.e the next morning. Recoveries included 1 AK 47 Rifle, 2 AK 56 Rifles, 1 9mm AK Rifle and 1 Chinese Pistol, matching ammunition and other incriminating materials.

In the operation, Sh.Hari Shankar Shukla, Assistant Commandant displayed exemplary leadership qualities, shrewd tactical acumen and sound appreciation of the situation while placing his strike teams. He was not only led from the front but ensured that Constables Sunil Kumar, Head Constable Harish Kumar and Constable Kangkan Das remain calm and composed and motivated during the operation and when the situation arose these men stood by their leader and displaying exceptional bravery, raw courage and fierce determination ensured that the terrorists were eliminated.

In this operation S/Shri Hari Shankar Shukla, Assistant Commandant, Harish Kumar, Head Constable, Sunil Kumar, Constable and Kangkan Das, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 03/08/2018.

P PRAVEEN SIDDHARTH
Officer on Special Duty

No. 167-Pres/2019—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry/Police Medal for Gallantry (Posthumously) to the under mentioned officers of Central Reserve Police Force (CRPF):—

NAME & RANK OF THE OFFICER		
	S/Shri	
1.	Late Vir Singh Head Constable	PMG(Posthumously)
2.	Late Satish Chand Constable	PMG(Posthumously)
3.	NandLal Ram Sub-Inspector	PMG
4.	Gulwinder Singh Head Constable	PMG
5.	Yashavant Kumar Singh Constable	PMG
6.	Som Raj Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 25th June 2016, a party of 161 Bn, consisting of 75 personnel were moving from Lethpora to Srinagar in four vehicles. The vehicles were moving slowly due to heavy traffic on Highway. As the vehicles reached in front of a mosque at Frestbal, Pampore, suddenly, two terrorists opened heavy fire on the vehicles from the right side of the road. Terrorists, firstly, fired on the CRPF Truck in which six personnel got injured, including the driver. The personnel sat inside the vehicle, immediately positioned themselves and retaliated the attack. Meanwhile, the truck driver, ignoring his injuries, escalated the vehicle and took it out of firing zone.

Thereafter, the terrorists targeted the second vehicle, which was a bus, carrying forty-five personnel. Terrorists fired at the front tyres of the Bus and the driver. Both the front tyres of the bus got burst and the driver also got hit by the terrorist's fire. Despite injuries, the driver controlled the vehicle and bring it to halt. The terrorists came in front of the bus and started heavy firing on the bus from the front and left side of the Bus. In this, sudden attack personnel seated on left side and front two seats got severely injured, due to multiple bullet injuries and fell down, on the bus floor. Some of the troops immediately recovered from the initial assault of terrorists and fired back. Amid them, Head Constable Vir Singh and Constable Satish Chand took the initiative and showing exemplary courage & bravery, got up from their seats and fired back on one terrorist

who was firing from the left side. Till now, the second terrorist was not visible to them as he was in front of the bus. Due to the effective fire by Head Constable Vir Singh and Constable Satish Chand, terrorist got injured. In the meantime, second terrorist taking advantage of his concealed position, fired from front windscreen of Bus, in which the duo got injured.

Following the brave counteraction of the above duo, other personnel also joined them in combating the attack. The augmented counter-attack from inside the bus forced the terrorist for cover.The injured terrorist tried to enter the bus from the front gate, carrying grenades to inflict maximum casualties, but due to the effective fire by Head Constable Vir Singh and Constable Satish Chand he couldn't enter the bus and took position near the front left tyre of the bus. Unable to enter the bus, the terrorist threw one grenade inside the bus, in which some other personnel also got injured. Another grenade in the bus would have caused more casualties, hence to prevent that, Head Constable Vir Singh and Constable Satish Chand moved ahead inside the bus to take the terrorist in a head-on battle. Despite being severely injured, they came close to the front gate. The terrorist was firing recklessly and the terrorist positioned near the gate was preparing to throw another grenade inside the bus. Before he could succeed in his attempt, the duo charged on the terrorist. But in this exchange of fire, they again got hit by the bullets. Both Head Constable Vir Singh and Constable Satish Chand have got fatal injuries. They were bleeding profusely. The braves never fear for death. The duo knights were made of the gallant substances of the motherland. They were not the ones who could be cowed down. Defying all the fatal odds, they rose and launched the final assault on the terrorist. They neutralized one terrorist on the spot.The fatal injuries resulted in the martyrdom of the duo. They fought till their last breath; craving of every soldier and sacrificed their lives at the altar of duty, saving the life of their brothers in uniform and sons of the soil.

Seeing the first terrorist killed, the second also came towards the left side of the bus and fired heavily, from left side, with a view to pinning down the personnel, who were firing from the bus. By virtue of his position, the second terrorist got visible to the personnel in the third vehicle, (Swaraj Mazda troop carrier) which was 60-70 yards behind the bus. Head Constable Gulwinder Singh, who was in the protection team of the third vehicle came out of the vehicle and took an aimed shot at the terrorist. The bullet hit the terrorist and forced him for the cover. Seeing the fire coming from the rear vehicle, the terrorist immediately fired back towards them. The retaliatory fire from the terrorist hit Head Constable Gulwinder Singh in his right shoulder. Due to severe injury, he couldn't fire further and his rifle fell down from his hand. Constable Yashwant Kumar Singh, who was just nearby to Gulwinder Singh, immediately pulled him back and took his position and the weapon to retaliate the attack of terrorist. He took aimed shots on the terrorist. Meanwhile, a B.P Bunker of 110 Bn stationed near Khrew Chowk reached the incident site. Sub Inspector Nand Lal Ram and Constable Som Raj, who were in BP Bunker, jumped out of the vehicle without losing a fraction of moment to augment the counter-attack against the terrorist. They charged on the terrorist with their accurate fire. The terrorist responded to them with a heavy volley of fire. The duo could save their lives by taking the cover of BP Bunker. However, this provided the opportunity to Constable Yashwant Kumar Singh (Third Vehicle) to take an aimed shot at the terrorist. While the terrorist got confused whom to retaliate first, the trios (Constable Yashwant Kumar Singh, Sub Inspector Nand Lal Ram, and Constable Som Raj) opened a barrage of bullets towards the terrorist and neutralized him on the spot.

It was a deadly suicidal attack from the terrorists. They have come prepared to cause the massacre of SFs. Though initially they got succeed in inflicting severe injuries to personnel, yet, our troops recovered fast from the sudden trauma. Head Constable Vir Singh and Constable Satish Chand fought bravely against the terrorists. They suffered fatal injuries, yet, neutralized one dreaded foreign terrorist. They made supreme sacrifice at the altar of duty. Head Constable Gulwinder Singh and Constable Yashwant Kumar Singh displayed the bravery of highest order and led were instrumental in neutralizing the second terrorist. The conspicuous courage and unhesitant initiative of joining a live operation where the haphazard and massive exchange of firing was already in place in close ambiance, posing direct threats to life, deserves appropriate appreciation. The contribution of Sub Inspector Nand Lal Ram and Constable Som Raj added to the retaliatory power and confidence of our troops and diverted the attention of militants from the soft target at Bus which could have otherwise resulted in the larger number of casualties. The efforts of the above brave hearts deserve recognition of the highest order.

In this operation S/Shri Late Vir Singh, Head Constable, Late Satish Chand, Constable, Nandlal Ram, Sub-Inspector, Gulwinder Singh, Head Constable, Yashavant Kumar Singh, Constable and Som Raj, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 25/06/2016.

P PRAVEEN SIDDHARTH
Officer on Special Duty

No. 168-Pres/2019—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Central Reserve Police Force (CRPF):—

NAME & RANK OF THE OFFICER

S/Shri

1. Jai Prakash Singh
   Second-In-Command
2. Ramesh Kumar Singh
   Constable

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 11th October 2018, on receipt of a credible input at about 0030 hrs, about the presence of heavily armed militants in Village-Shatgund Bala, u/PS-Qalamabad, Distt- Kupwara in Jammu And Kashmir, (J&K), one Platoon of D coy of 92 Bn under command No. 851181295 Sub-Inspector Rama Shankar Singh alongwith Special Operations Group (SOG) Handwara rushed to Village Shatgund Bala. Quick Action Team (QAT) of 92 Bn under command Sh. Mohd. Shahanewaz, Asst. Commandant, under overall command of Shri. J.P Singh, Second-in-Command, 92 Bn also reached the said village. On reaching village Shatgund Bala 01 Platoon of D/92 under command Sub-Inspector Rama Shankar Singh was assigned the task to cordon the target area/house from the South East side, SOG Handwara from the North East side and troops of 30 RR to cordon the target area on the North West and South West direction. When the initial cordon was being placed by the joint troops, the terrorists came out of the target house and opened fire on the troops who were laying the cordon. They also tried to lob grenades in an attempt to make good their escape. The troops retaliated effectively thereby ensuring that the terrorists did not succeed in breaking the cordon and retreated to their hideout. The cordon was doubly reinforced so as to plug any possible escape route by placing QAT/92 Bn under command Shri. Mohd. Shahanewaz in the inner cordon alongside platoon of D/92. The overall supervision of troops of CRPF was assigned to Shri. J.P.Singh, Second-in-Command of 92 Bn.

Exchange of fire continued intermittently throughout the night. However, taking advantage of the darkness the terrorists had managed to slip out of the house and had positioned themselves behind the bushes, piles of logs and the undulating ground. The troops rather than taking an aggressive approach decided to wait and watch through the night so that the operation could be resumed at first light. The cordon continued to be maintained through the night with the troops exercising due vigilance. At first light joint decision was made by the SSP Handwara, Commanding Officer of 30 RR to search the area and locate the terrorists as there was no fire from them for a long time. QAT/92 Bn was assigned the task to commence search of the area from the south-east direction and close in on the target house; similarly SOG Handwara from the north-east and 30RR from the north-west and south-west directions.

Since the exact position of the terrorists was unknown and there was no exchange of fire for a long time, the search was fraught with grave risk.SHRI.J.P Singh took upon himself the responsibility to lead the search party of CRPF. At about 0900 hrs when the joint search parties were carrying out search of their respective area and were closing in onthe target house, the terrorists who had in the darkness of the night positionedthemselves behind the barks of trees and whatever natural cover was available near the target house opened heavy fire on the approaching search party. The search party flung themselves on the ground and adopting whatever cover was available and retaliated the fire. Since the terrorists' position was now established, the platoon of D/92 placed in the inner cordon provided covering fire to the search party of QAT/92 Bn and kept the terrorists pinned down. However, since they had safely positioned themselves behind the tree trunks of thick coniferous trees, the fire was proving to be ineffective. J.P Singh exercising due diligence, tactical skills and shrewdness of a Commander decidedto approach the target stealthily along with his buddy No. 060042883 Constable Ramesh Kumar Singh. Both of them assuming the smallest position crawled stealthily using the natural cover provided by the undulating ground and advanced toward the suspected position of the terrorist. Sensing the movement of the duo the terrorist hurled hand grenade towards them and opened fire. Unfazed by these acts of the terrorists,displaying application of mind and extra ordinary courage both of them quickly changed their positions, and continued to advance towards the target. On reaching a comfortable position from where they could put aimed fire, Shri. J.P. Singh and Constable Ramesh Kumar came out of the cover which took the adversary by surprise. Exhibiting devil may care attitude and raw valour both of them opened fired and neutralized the terrorists. Meanwhile, the other terrorist had fled in desperation to other side, where he was engaged and neutralized by troops of 30 RR and SOG Handwara. Thereafter, the search parties waited to confirm that there were no more surviving terrorists. When there was no exchange of fire for a long time, a thorough search of the whole area was carried out. Bodies of two slain terrorists were found alongwith recovery of one AK-Rifle, one Insas Rifle, magazines, matching ammunition, hand grenade and other incriminating material.

The terrorists were identified as Manan Bashir Wani @ Hamza Bhai, s/o Bashir Ahmad Wani, r/o Tekkipora, Lolab, Distt-Kupwara, District Commander HM outfit of Kupwara, Categorised as A++ and Ashiq Hussain Zargar, s/o Ghulam Mohi-ud-Din Zargar, r/o Tulwari Langate, PD-Handwara categorized C.

In the operation Shri J P Singh, Second-in Command displayed astute leadership qualities leading his troops from the front and imbibing confidence in his subordinates to stand by him and not to retreat when the situation was grave. Constable Ramesh Kumar Singh displaying exemplary bravery, raw valour and unflinching commitment to duties in the company of his commander ensured that he stood up to the task that was expected of him resulting in the elimination of a terrorist.

In this operation S/Shri Jai Prakash Singh, Second-In-Command and Ramesh Kumar Singh, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 11/10/2018.

P PRAVEEN SIDDHARTH
Officer on Special Duty

No. 169-Pres/2019—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry/Police Medal for Gallantry (Posthumously) to the under mentioned officers of Central Reserve Police Force (CRPF):—

NAME & RANK OF THE OFFICER		
	Shri	
1.	Surendra Singh Dev Deputy Commandant	PMG
2.	Late Shyam Narain Singh Yadava Head Constable	PMG (Posthumously)

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 11th September 2018, on receipt of a credible inputat about 0300 hrs, about the presence of heavily armed terrorists in the house of Imran Ahmad Wani, s/o Sunawalla Wani in Village-Guloora u/Police Post-Langate, Police Station-Handwara, District-Kupwara in Jammu and Kashmir (J&K), QAT of 92 Bn CRPF under commandSh. Surendra SinghDev, Dy Comdt and 01 Pln of D coy of 92 Bn under command Inspector Pintu Kumar Singh proceeded to village Guloora and joined troops of 30 RR and SOG Handwara who were already present there. Thereafter a joint operation was planned by the Commanders of RR, CRPF alongwith SSP, Handwara. Accordingly, 01 Platoon of D/92 Bn and QAT 92 Bn under overall commandof Shri. S S Dev, Dy. Comdt.were assigned to cordon the target house from the south-east direction, SOG Handwara from the north-eastern direction and the remaining areas on the north- western & south west directions were assigned to troops of 30 RR. The outer cordon was laid by troops of 21 RR and SOG, JKP Handwara. Even while the cordon was being placed the terrorists hiding in the house of Imran Ahmad Wani (he was the brother of Parvaiz Ahmad Wani, a terrorist who was eliminated by the security forces on 04th Sep 2017 at Village-Shankar Gund, Sopore) tried to move out of the house in haste firing indiscriminately so as to break the cordon. The effective retaliation by the troops forced the terrorists to retreat to the shelter of the house he was occupying. Thereafter, the cordon was tightened further encircling a few neighboring houses as well, where the terrorists were expected to sneak into.

There were civilians who were trapped in the target house as well as the neighboring houses who were evacuated to safety by joint troops one by one exposing themselves to great risk. Thereafter, an announcement was made on the public address system by SSP, Handwara asking the terrorists to surrender, but it did not elicit any positive response and was greeted with a volley of fire signalling the intent of the terrorists not to give in. Troops in the cordon also retaliated with effective fire, though it was observed that by this time the terrorist had shifted their positions. Left with no option but to take on the SFs head on the terrorists rushed out of the house firing heavily and lobbing grenades with an intention to break the cordon. One of them rushed to the south-east direction and the other ran in the north direction. The terrorist who ran in the south east direction ran into the cordon established by the platoon of D coy and QAT-92 Bn under the firm and resolute command of Shri. S. S. Dev who retaliated effectively, thereby forcing him to retreat and take position near the base of another house which was under construction. The terrorist had safely ensconced himself between the target house and the under construction house preventing the troops from firing effectively at him. Taking initiative and a pro-active approach, S.S. Dev, Dy. Comdt. along with No. 911182721Head Constable Shyam Narain Singh Yadava decided to advance towards the adversary in order to ascertain his position. The move was very risky as the terrorist could watch their moves. However, taking advantage of the available cover and after assuming the smallest position they could they crouched and crawled their way to the target. The terrorist sensing their movement fired in their direction which they managed to evade and quickly changed their position. In a swift move, they literally charged towards the terrorist surprising him with their speed, skill and superior tactics. Despite the onslaught on the part of the terrorist, Sh. S.S. Dev,Dy. Comdt. andNo. 911182721Head ConstableShyam Narain Singh Yadava pinned down the terrorist and eliminated him with targeted effective fire. Thereafter, it was decided by to remain in position and keep close watch till the first light. At first light the body of the slain terrorist was spotted very close to the position acquired by Sh. S.S. Dev, Dy. Comdt. andNo. 911182721Head ConstableShyam Narain Singh Yadava. The other terrorist who had meanwhile tried to break the cordon from the north direction was eliminated by the troops of 30 RR and SOG Handwara.

Subsequent search of the area led to the recovery of the bodies of two slain terrorists along with two AK-Rifles, magazines, matching ammunition and other incriminating material. The slain terrorists were identified as Furkan Rashid Lone r/o Langate, Handwara and Liyaquat Mohi-ud-Din Lone, r/o Harwan, Sopore, Baramulla of the Lashkar-e-Tayiba (LeT) terrorist outfit.

In the operation Shri. Surendra Singh Dev, Dy. Comdt(IRLA No. 6826) displayed astute leadership skills, shrewd tactics and imagination in cornering the terrorist and eliminating him. His proactive approach and confidence propelled and motivated No. 911182721 Head Constable Shyam Narain Singh Yadava to take the gamble and follow the command of his superior and both together succeeded in eliminating the terrorist. (However, in an encounter with terroristson 01/03/2019, atVill. Khanoo, Babagund, PS Karalgund, PD. Handwara, Distt. Kupwara, J&K,No. 911182721 Head Constable Shyam Narain Singh Yadava made the supreme sacrifice and attained martyrdom).

In this operation S/Shri Surendra Singh Dev, Deputy Commandant and Late Shyam Narain Singh Yadava, Head Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 11/09/2018.

P PRAVEEN SIDDHARTH
Officer on Special Duty

No. 170—Pres/2019—The President is pleased to award the President Police Medal for Gallantry/President Police Medal for Gallantry (Posthumously)/Police Medal for Gallantry/1st Bar to Police Medal for Gallantry/2nd Bar to Police Medal for Gallantry/4th Bar to Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Central Reserve Police Force (CRPF):—

	NAME & RANK OF THE OFFICER S/Shri	
1.	Loukrakpam Ibomcha Singh Assistant Commandant	PPMG
2.	Late Mohd Mojahid Khan Constable	PPMG(Posthumously)
3.	Ravi Sharma Assistant Commandant	1st BAR TO PMG
4.	Naresh Kumar Assistant Commandant	4th BAR TO PMG
5.	Aby Thomas Assistant Commandant	PMG
6.	Budhi Singh Constable	2nd BAR TO PMG
7.	Ranjan Kumar Constable	PMG
8.	Devsant Kumar Constable	PMG
9.	Sant Ram Singh Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

Intelligence inputs had warned of an attack on security establishment by the Pakistan based terror organizations and just two days after Sunjuwan Army Camp attack at Jammu by JeM terrorists. On 12/02/2018, an audacious pre-dawn attack by the terrorists of LeT a terror organization based in Pakistan, rattled the quiet calm of the camp of HQ/23 BN of CRPF in Karan Nagar where many Kashmiri Pandit's were living in harmony with CRPF troops.

The alert sentry of the 23Bn, CT/GD Ghait Raghunath who was on duty challenged the terrorists and opened fire upon the armed terrorists. The terrorists escaped from the spot taking advantage of the darkness. The unit QAT of 23Bn under command of Sh. M. K. Biswas, 2I/C and Sh. Jagbir Singh, DC of 23Bn immediately rushed to the incident site and started cordoning the area. Meanwhile troops of North Range QAT, 49Bn QAT and Valley QAT also reached and strengthened the cordon. In the morning at about 0700 hrs, the search party of Valley QAT led by Sh. Ratul Das, 2I/C, Sh. L. Ibomcha Singh, AC and Sh. Ravi Sharma commenced search of all the houses. There are many residential pockets around the area and the forces don't want any collateral damage in the operation. Exhibiting great tactical skill and professional acumen M. K. Biswas and Jagbir Singh with Unit Quick Action Team (QAT) evacuated civilians & families of CRPF personnel to safety with the help of Bullet Proof vehicles and other equipments available at their disposal. The search party carried out a search of the abandon & under constructed buildings but there was no sign of the terrorists. It then occurred to the officers that the high rise under construction building situated in the proximity of DIG North Srinagar, CRPF, could be a possible hiding place and terrorists may plan another attack from there. They opted the use of TSM shells inside the building, Sh. L. Ibomcha Singh with buddy CT/GD Devsant Kumar, Sh. Ravi Sharma with buddy CT/GD Santram Kumar and Sh. Aby Thomas with CT/GD Budhi Singh of Valley QAT went perilously close to the building and fired TSM shells inside the building from different directions. The ploy worked and unable to withstand its. Pungency, two terrorists virtually rushed out of the tactically advantageous position firing indiscriminately. Exhibiting great composure and tactical skills, all the officers along with buddies who were positioned in the close proximity of the building responded to the adversary's fired and isolated them in an under construction building.

Meanwhile, Sh. Ratul Das, 2I/C, 73Bn, Sh. M. K. Biswas, 2 I/C and Sh. Jagbir Singh,DC(Now2 I/C) of 238n along with the Valley QAT and Unit QAT troops respectively, too responded without loss of time and disregarding their personal safety with bullets whizzing around quickly joined the troops. Thereafter, exhibiting sound professional acumen and extraordinary leadership skills they quickly assessed the situation. They kept moving from one location to the other guiding and motivating the troops to put effective fire. Their resounding presence and support uplifted the morale of the troops.

In the initial exchange of fire, CT/GD Mohd. Mojahid Khan of 49Bn sustained bullet injuries. Despite being injured Mohd. Mojahid Khan took position and retaliated the fire very effectively and held the ground. At that time L. Ibomcha Singh with his buddy constable Devsant Kumar, displaying raw valour, grit and determination of a trained soldier and nerves of steel, stepped out of the vehicle and crawled towards the building under the covering fire being provided to them by party of Ravi Sharma and Aby Thomas to evacuate him to safety. And despite sustaining debilitating injuries, Mohd. Mojahid Khan, continued to retaliate bravely. The snowfall and mud covered ground restricted the approach of BP bunker to the exact spot. The duo of L. Ibomcha Singh and constable Devsant Kumar overcoming their fears in the face of intense fire, crawled to the injured Md. Mojahid Khan and displaying sheer presence of mind and innovative methods dragged him away. He was then immediately shifted to unit MI room, but he had already succumbed to his injuries.

It was a stormy day and the resulting thunderstorm accompanied by snowfall disrupted the visibility adding to the challenge. This unexpected development assisted the terrorists to change positions. Meanwhile, team of Valley QAT under the directions of Ratul Das kept targeting the terrorists from right side of the target house with MGLs fire and another team of M. K. Biswas and Jagbir Singh kept the terrorists engaged from left side of the target house with LMG as well as small arms fire. As the harsh weather constantly made it tough to operate and leading by example L. Ibomcha Singh in consultation and with cover fire of Ratul Das, Ravi Sharma, Aby Thomas, M. K. Biswas and Jagbir Singh receed the operation site to explore the possibility of CGRL fire ignoring monumental risk to his life. The terrorists observing the ploy rained bullets on the party of L. lbomcha Singh. However, the resilience and the lion hearted efforts of L. bomcha Singh in the face of lurking death paid dividends and he along with his buddy managed to select a site to target the adversaries with CGRL fire. RL commander Constable Ranjan Kumar despite space constants and tactically advantageous position of the terrorists, volunteered to fire without caring for the personal safety of his life from that area. At that time exhibiting great tactical skill and professional acumen L. lbomcha Singh, Ravi Sharma and Ratul Das with the help of Bullet Proof vehicles provided the shield to the RL commander constable Ranjan Kumar to overcome all hurdles. And after that HEAT rounds of RL were fired with precision, supported by precise back up and accurate cover fire from Ravi Sharma, Aby Thomas, Budhi Singh, Santram Kumar, M. K. Biswas and Jagbir Singh so that terrorist could not aim on RL group.The tactical positioning of terrorists made the operation extremely difficult and the team also required to race against time due to fading light, the commanders decided to wait for the first light of next day. Thereafter, the whole building was kept under strict surveillance using vehicle & focus lights and the teams kept on engaging the terrorists with fire.

On 13/02/2018 at first light, it was planned to approach the building using MPV from the western side of the target house to place an IED to blow western portion of the target house to make an opening in the building. L. Ibomcha Singh divided his party into teams for this task. First team was commanded by L. Ibomcha Singh himself, whereas second team was commanded by Ravi Sharma. The duo moved perilously close to the building amidst whizzing bullets with precise cover fire by Ratul das and Aby Thomas. When L. Ibomcha Singh was about to enter the target building first terrorist who had positioned himself on the same side opened heavy and indiscriminate fire at the L. Ibomcha Singh and his buddy constable Devsant Kumar Then despite grave and imminent danger to save their men from a hail of bullets, the party of L. Ibomcha Singh and Ravi Sharma continued to fight with determination and in an unprecedented, audacious and also courageous move the valiant troops without caring for the bullets, aimed at the first terrorists and gunned him down.

As the second terrorist kept on changing his positions to deceive the SFs and to counter this move of the terrorist UAVs (Phantom and Black Hornet) were put in service and according to the visuals received from drones more MGL and CGRL rounds were fired at the location of terrorist by constable Ranjan Kumar with accurate cover fire from Ratul Das, M. K. Biswas, Jagbir Singh and Aby Thomas.

"Fortune favors the brave": so goes the saying and the brave commanders were joined by Sh. Naresh Kumar, AC (PMG 2ND BAR) who had always showed unflinching commitment to his duties during such operations. And keeping in view the sensitivity of the area and control over their nerves, the intrepid troops tenaciously decided to conduct room intervention to neutralize the second terrorist. It was not an easy task for the troopers, as second terrorist was well entrenched and he was firing from a motley of sophisticated arms including the unmistakable AK-47 assault rifle from different positions. Then a joint team Naresh Kumar, L. Ibomcha Singh and Ravi Sharma with SOG Srinagar was formed to carry out the most challenging task of room intervention. The team was divided into three buddy pairs. The first buddy pair was of Naresh Kumar and buddy Budhi Singh, second pair was of L. Ibomcha Singh & Devsant Kumar and third buddy pair was of Ravi Sharma and Santram Kumar. Leading by example Naresh Kumar and his buddy Budhi Singh decided to corner the terrorist from left side and buddy pair of L. Ibomcha Singh and Ravi Sharma decided to intervene from back side. The adversary had placed himself in a tactically safe position from where he could keep an eye on the movements of SFs. A calculated risk had to be taken and Naresh Kumar with his buddy advanced towards the corridor tactically, taking cover behind the ballistic shield. Threatened by the approaching party, the terrorist opened fire on the teams and throw a grenade on them but showing quick reflexes they remained unharmed. The teams immediately acquired safe positions, as the terrorist had exposed his location. Without advancing further, it was impossible to neutralize the terrorist. They advanced lobbing

grenades and firing intermittently. The cat and mouse game continued for some time with both the parties firing at each other. Amidst exchange of fire Naresh Kumar and his buddy Budhi Singh continued to advance trying to pin down the terrorist who kept changing his position. As Naresh Kumar, L. Ibomcha Singh and Ravi Sharma inched closer, they came out of their cover and taking calculated risk of impending threat to their lives, these young commanders without caring for the bullets, dashed close to the second terrorist and gunned him down.

A joint search of the building was carried out resulting in the recovery dead bodies of two foreign terrorists bearing allegiance to Lashkar-e- Toiba outfit, along with 02 AK-47 rifle, 04 magazines, 7.62 x 39mm ammunition- 20 rounds, 02 chinese hand grenades, Pouch- 02, 01 Wire cutter, Lighter - 02, CashRs.1500/-, Dry Fruit- 1.5Kg.

It is to recognize their unparalleled valour, devotion, dedication in adverse dmditions toward the assigned task and salute this supreme act of outstanding and inspiring leadership, great determination and perseverance in a life threatening situation brought them wide acclaim & inspired their peers & subordinates to strive for maximum achievement. To honor their acts of indomitable courage, selfless sacrifice, conspicuous gallantry, extraordinary valor, unflinching loyalty and highest degree of dedication and commitment to duties in the face of grave adversity.

In this operation S/Shri Loukrakpam Ibomcha Singh, Assistant Commandant, Late Mohd. Mojahid Khan, Constable, Ravi Sharma, Assistant Commandant, Naresh Kumar, Assistant Commandant, Aby Thomas, Assistant Commandat, Budhi Singh, Constable, Ranjan Kumar, Constable, Devsant Kumar, Constable and Sant Ram Singh, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 12/02/2018.

P PRAVEEN SIDDHARTH
Officer on Special Duty

No. 171-Pres/2019—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Central Reserve Police Force (CRPF):—

NAME & RANK OF THE OFFICER

S/Shri

1. Rajesh Kumar Kushwaha
   Head Constable

2. Abhishek Kumar Singh
   Constable

3. Suryadev Das
   Constable

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 20th September 2018, at about 1100 hrs, on receipt of a credible input was received from SSP, Bandipora about the presence of terrorists in Village-Shokhbaba in Sumlar forest area in the house of Md. Lateef Khan s/o Mohd. Shafi Khan. Acting promptly, Second-in-Command (Ops) 3rd Bn CRPF, SSP Bandipora and Commanding Officer of 14 RR planned and launched a joint operation to nab the terrorists. Accordingly, Quick Action Team (QAT) of 3rd Bn reached the target village. As planned QAT of 03 Bn covered the target house from western side to the southern side. The troops of RR and SOG, JKP cordoned off the remaining area. While troops were laying the inner cordon around the target house, terrorists holed up inside the house sensed their presence. Terrorists opened indiscriminate fire upon the troops to disrupt the laying of the cordon and make good their escape. However, the troops retaliated appropriately and continued to lay the cordon. The firing continued from both sides resulting in the killing of two terrorists within a few hours into the operation.

The number of holed up terrorists were exactly not known. After a brief lull, a volley of fire came upon the troops from the nearby cowshed, thereby, indicated the presence of some more terrorists around. The exchange of fire continued till the dusk. The Commanders on the spot decided to suspend the operation as night had set in while ensuring that a tight cordon continued. There was no exchange of fire during the entire night. As daylight broke out the next morning i.e. 21st Sep, the terrorists who were hiding in the cowshed again resumed fire. One of the terrorists in desperation rushed out of the cowshed firing indiscriminately and lobbing grenades. He rushed in the direction where Head Constable Rajesh Kumar Kushwaha, Constable Surya Dev Das and Constable Abhishek Kumar Singh had taken positions, in an attempt to intimidate them and flee from the spot. He was being provided support fire by his fellow terrorist from the adjacent house. Head Constable Rajesh Kumar Kushwaha, Constable Surya Dev Das and Constable Abhishek Kumar Singh were observing every movement of the terrorist who was heading towards them. The maintained a calm and composed demeanor. Once the terrorist got close enough to be engaged accurately, the trios swung into the action. Displaying the firm determination and bravery of the highest order in the face of the imminent threat, they came out of their cover and launched a relentless and fierce assault on the fleeing terrorist. The accurate firing from the trios yielded the desired result as the terrorist got hit and neutralized on the spot.

At around 1230 hrs 14 RR destroyed the cowshed and the adjacent house with the help of IEDs resulting in the elimination of the other surviving terrorists. The subsequent search led to the discovery of dead bodies of 5 slain terrorists. The SFs also recovered five AK Rifles and one pistol with magazines and matching ammunition.

The slain terrorists were identified as Sabir Ahmad Saha r/o Dardpora, Distt-Kupwara, Farooq Ahmad Bazrang, r/o Keller, Distt-Shopian, Parvez Ahmad Tendua, r/o Ganderbal, Dist- Srinagar, Bilal Ahmad Dhar, r/o Brazloo, Dist- Kulgam, and one remained unidentified. All belonged to the proscribed Lashkar-e-Tayiba (LeT) terror outfit.

In this operation S/Shri Rajesh Kumar Kushwaha, Head Constable, Abhishek Kumar Singh, Constable and Suryadev Das, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 20/09/2018.

P PRAVEEN SIDDHARTH
Officer on Special Duty

No. 172-Pres/2019—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Central Reserve Police Force (CRPF):—

NAME & RANK OF THE OFFICER

S/Shri

1. Neeraj Kumar Jha
   Assistant Commandant

2. Shobha Ram
   Constable

3. Dhirendra Singh
   Constable

Statement of service for which the decoration has been awarded

On receipt of a highly reliable information from SP North Garo Hills about the presence ofa group of AMEF(A'CHIK MATGRIK ELITE FORCE) cadres in Chima Impel Forest Area, Under P/S Mendipathar, Distt- North Garo Hills, Meghalata,an operation was planned by 210 Bn CoBRA and State Police to nab the ultras. The input was suggesting that the group was heavily armed with automatic weapons and being led by Jack Marak, C-IN-C of the outfit. As per the plan, Team No. 14 & 15 of E/210 CoBRA (40 personnel) under command of Sh. Neeraj Kumar Jha, AC along with troops ofMeghalaya Police/SWAT under Command Sh. Neeraj Kumar Jha, AC along with troops of Meghalaya Police/SWAT under CommandSh. Ramesh Singh, IPS, Addl. SP North Garo Hills left for thetarget area.

Troops stealthily moved in the target area. On reaching near the target area, CoBRA commander Sh. N.K. Jha, AC divided his troops into two groups; Cut-offParty and Assault Party. To prevent the slip out of insurgent, Sh. N.K Jha, AC directed the Cutt-off party commander Sh Darshan Yadav, AC to plug all the possible escape routes. At around 0500 Hrs, Sh. Darshan Yadav, AC gave the confirmation report to the assault party Comdr. Sh. N.K Jha, AC that all the cut off teams has been placed. On receiving the confirmation, the assault party tactically advanced towards the target area cautiously and stealthily maintaining coordination with all the components in spite of the foggy weather and near Zero visibility.

At around 0640 hrs, while troops were searching the area CT/GD Sobha Ram and CT/GD Dhirendra Singh of 210 CoBRA noticed a bivouac of polythene sheet. They immediately alerted their fellow troops and informed the party commander Sh. N.K Jha, AC. But, before the party commander could react on the situation, a volley of fire came upon them. Troops immediately took position behind the available covers and tried to locate the position of insurgents. Meanwhile, another volley of fire came upon them from a second bivouac located about 15-20 meters from the first bivouac. The insurgents have sensed the presence of SFs around and were firing indiscriminately upon the approaching troops. Shri Neeraj Kumar Jha, AC along with CT/GD Shobha Ram and Dhirendra Singh decided to counter attack the insurgents in the first bivouac to thwart the impending threats on the lives of joint assault parties. A fierce encounter ensued between the insurgent and the assault party. The above trios, amid the raining bullets defying all the odds, stormed on the insurgents. The daredevilry of Shri Neeraj Kumar Jha, AC, CT/GD Sobha Ram, and CT/GD Dhirendra Singh, broke the nerves of the insurgents and forced them to run on toes. Insurgents taking advantage of the dense forest, foggy and hilly terrain managed to slip away. The Encounter continued for about 15-20 minutes.

After the encounter, the area was thoroughly searched during which an injured AMEF cadre was found. Troops immediately took him for medical assistance, where doctor declared him brought dead. The dead AMEF cadre was identified

later on as Sangrak S Sangma @ Andalao S/o Sh. Robison Marak, Resident of Village-Ranighat Hahim P.S- Boko, Distt-Goalpara, Assam. Troops also recovered 01 No. 7.65 Pistol made in USA (No.111), along with Magazine, Live Ammunitions, Detonators, explosive materials, and Kenwood wireless handheld set from the encounter site.

In this operation S/Shri Neeraj Kumar Jha, Assistant Commandant, Shoba Ram, Constable and Dhirendra Singh, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 02/02/2015.

P PRAVEEN SIDDHARTH
Officer on Special Duty

No. 173-Pres/2019—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Indo-Tibetan Border Police (ITBP):—

NAME & RANK OF THE OFFICER

S/Shri

1. Rajesh Kumar
   Deputy Commandant

2. Jitender
   Inspector

3. Sukhdev Donkari
   Head Constable

4. Anil Negi
   Constable

5. Mahesh Kumar
   Constable

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 25 October, 2017 around 1000 hrs, a reliable informer informed Khadgoan Thana In-charge of Chhattisgarh police that three hardcore Naxals were staying in a hide out since the night of 24 October to collect money given for exchange during demonetization and would continue to stay till the next day. On receipt of this information, the officer meticulously planned the special operation to apprehend the Naxals. He thoroughly briefed his party consisting of SOs-04 & Other Ranks-31 along with 18 CGP personnel and grouped them in four teams for better command and control. The party moved out of COB at 1730 hrs on 25.10.17. Around 2130 hrs when the party was moving towards the suspect hideout through the thick forest of Kamkasur at GR-442768, the Naxals opened indiscriminate fire on the party by automatic weapons like AK-47. However, due to his professional training and briefing, the troopsimmediately retaliated and, with best use of move tactics, took cover in the nearby paddy field. The Officer and his party then engaged the Naxals with retaliating fire and pinned them down. The exchange of fire continued for approximately one hour.

The officer acted cautiously and directed his troops to cordon the area so as to prevent escape to any surviving Naxal. After cordoning the area, the officer and troops took safe positions and remained alert for the entire night. With the first light on 26th October, DC/GD Rajesh Kumar and his party cautiously launched a search operation and recovered three bodies of Naxals killed in encounter along with AK-47, SLR & INSAS Rifles, ammunition and other items. The neutralized Naxals were identified as Rakesh Dugga, (Area Committee member /Pallemadi LOS Commander), Mahesh Potavi @ Raju (Area Committee Member) and Ranjeet Navtreti (Dy. Commander Pallemadi LOS). The Naxals were notorious and were carrying rewards of Rs 08 Lacs, 08 Lacs and 01 Lac respectively. They had participated in many anti-national and criminal activities including murder of SP Rajnandgaon, many IED blasts, killing of the employee of Sarda Mines in 2016 etc.

After completion of all codal formalities, the ops party returned to the COB at around 1130 hrs on 26.10.17.

The operation was conducted in a professional manner. All tactical drills were followed; the fire control was very effective and despite the fact that it was night time, his team could manage to get cent percent success without suffering any casualty. This was made possible due to the meticulous planning and precise implementation. The high level of professionalism and motivation was imbibed through personal example of the commander.

During the operation, the officer displayed a high level of a gallant act and esprit de corps disregarding his personal safety and displayed excellent command and control over his troops thereby ensuring the smooth and successful conduct of the operation. The act of gallant displayed by the officer has set standards worth emulating.

In this operation S/Shri Rajesh Kumar, Deputy Commandant, Jitender, Inspector, Sukhdev Donkari, Head Constable, Anil Negi, Constable and Mahesh Kumar, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 25/10/2017.

P PRAVEEN SIDDHARTH
Officer on Special Duty

MINISTRY OF FINANCE
(DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS)

New Delhi, the 15th January 2020

RESOLUTION

No. 5(2)-B(PD)/2019—It is announced from general information that during the year 2019-2020, accumulations at the credit of subscribers to the General Provident Fund and other similar funds shall carry interest at the rate of 7.9% (Seven point nine percent) w.e.f. 1st January, 2020 to 31st March, 2020. This rate will be in force w.e.f. 1st January, 2020. The Funds concerned are :—

1. The General Provident Fund (Central Services).
2. The Contributory Provident Fund (India).
3. The All India Services Provident Fund.
4. The State Railway Provident Fund.
5. The General Provident Fund (Defence Services).
6. The Indian Ordnance Department Provident Fund.
7. The Indian Ordnance Factories Workmen's Provident Fund.
8. The Indian Naval Dockyard Workmen's Provident Fund.
9. The Defence Services Officers Provident Fund.
10. The Armed Forces Personnel Provident Fund.

2. Ordered that the Resolution be published in Gazette of India.

ANJANA VASHISHTHA
Deputy Secretary (Budget)

महाप्रबंधक, भारत सरकार मुद्रणालय, मिन्टो रोड, नई दिल्ली–110002 द्वारा अपलोड एवं प्रकाशन नियंत्रक, दिल्ली–110054 द्वारा ई–प्रकाशित
UPLOADED BY GENERAL MANAGER, GOVERNMENT OF INDIA PRESS, MINTO ROAD, NEW DELHI-110002
AND E-PUBLISHED BY THE CONTROLLER OF PUBLICATIONS, DELHI-110054

BANSHI DHAR DUBEY Digitally signed by BANSHI DHAR DUBEY Date: 2020.01.18 12:19:35 +05'30'